

# 8

नई विस्ती, समिसार, कर्वरी 22,1986 (फाल्युम र्ड, ने 967)

No. 8) NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 22. 49867 PHARMENTA SILVINO

इस भाग-में भिन्न पृथ्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि सुद्द अध्यक्ष के क्षान के त्या है। सूर्व (Separate paging is given to this Bast in order that Basis be Modern a supring sound letting)

## भाग Ш-खब्द्र 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और सहालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विकास और अधीन कार्यालय द्वारा आरी की गई अधिस्वनाएं

(Notifications, issued by the High Courts, the Comptroller, and Auditor General; the Union Bublic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

सघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनाक 17 जनवरी 1986

सं० ए० 12025 (II) 1/83-प्रशाः III केन्द्रीय सिवक्साय तिया की नियुक्त के लिए सिक्सिल सीमित विभागीय प्रतियोगी प्रिक्षित, 1983 के आधार पर कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय आपन सं० 5/6/84-सी० एस० (1) (खण्ड-3) दिनांक 14-1-86 द्वारा सच लोक सेवा आयोग के संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर मामित किए जाने के परिणामस्वरूप सम्बंधि के पद पर मामित किए जाने के परिणामस्वरूप सम्बंधि के सक से० सवर्ग के कार्याक्षय में विकर्षित सक सहस्वक श्री महताव सिह जीन को खुमान अधिकारी के एस पर स्थाना स्थान स्थान सिह जीन की सकता सिह मान सिह की सकता सिह की सिह की

2. इसकी नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित सी० बी० डब्स्यू० पी० स० 1194/78 और सर्वोच्च न्यायालय में बंबित से० 44830 के 83 और सी० डब्स्यू० पी० स० 8823-33/82 के परिणाम भौर संदित निर्णय पर होगी।

ं संक एक 12025 (ii)/अधिक्रमणाकार्याक्रिकार्यं क्यार्प-संक की अधिस्त्रभा संक ए-32014/1/85 मधाक 3 दिनां ह 15-1-86 के आधिक संशोधन में उक्त अधिवृष्ता की कृम संख्या 23 पर अनुभाग अधिकारी के पद पर भी के एस० कोछड़ की तदर्थ नियुक्ति 1-1-86 से 14-1-86 तक होगी।

2. श्री के० एस० कोछड को दिनां क 14-1-86 (अपराह्म) से सहायक क्रेंग पद पर प्रत्यावर्तित किया जासा है।

> डी० कैलान प्रसाद उप संविद्य (प्रमार)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 नवम्बर 1985

स० ए० -19011/1 विश्व क्रियाण , I व्यक्त प्रदेश क्रिया क्रिया आयोग , के क्रियाल में ना क्रिया , 1985 प्रविद्ध से श्री प्रेम लाल, आई० डी० ए० ए६०, को क्रिया मिनव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

स० -ए० १,901.1/ १८/१५ त्रमार अन्तर्भाष्ट्रि, संव , कोक - बेता आसेग के कार्यांत्र के कार्यांत्र कितिया होत् त्रमार असेवार के बीज्जीक स्वालक्ष्मका क्ष्मिका होत् 1985 के अपराह्म से, आगामी आदेशों तक अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

## दिनां क 3 दिसम्बर 1985 ू

सं० ए० 19011/10/85-प्रशा० I--राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 4 नवम्बर, 1985 पूर्वीह्न से श्री एन० एन० एन्ड्रयूज, भा० प्र० से० को उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम्ड्रयूज ने आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद का कार्यभार 4 नवम्बर, 1985 पूर्वाह्न में, 2 दि का कार्यारम्भ काल अर्थात् 2 श्रीर 3 नवम्बर, 1985 का लाभ उठाते हुए, संभाल लिया है।

## दिनांक 30 दिसम्बर 1985

सं० ए० 32011/1/85-प्रशा० I—अध्यक्ष, सं० लो० से० आ०, सं० लो० से० आ० (कर्मचारी विनियमावली) 1958 के नियम 7 के अन्तर्गत निहित्त शक्तियों के द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के निम्मिलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो के० स० से० के ग्रेड 1 में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

कम सं ०	नाम	सदर्य पदोन्नति की अवधि
	सर्वश्री	
1.	बी० डी० शर्मा	3-12-85 से तीन महीने के लिए
2.	डी० आर० मदान	3-12-85 से तीन महीने के लिए
3.	धनीश चन्द्र	3−12−85 से
,		3-1-86 तक

#### दिनांक 9 जनवरी 1986

सं० ए० 32011/2/85—प्रश्न०—I—संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग विनियम, 1958 के नियम 7 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के के० स० सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री धनीश चन्द्र को 4-1-86 से 24-1-86 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, के० स० से० के ग्रेड 1 में अवर सचिव के पद पद तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 15 जनवरी 1986

सं ० ए० 32014/1/85-प्रशा० III--राष्ट्रपति संघ सोक सेवा आयोग के के० स० सेवा संवर्ग के निम्नलिखित नियमित अनभाग अधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के सामने िर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो डेस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्था-' नापन रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:

ऋम सं०	नाम	तदर्थ भियुक्ति की स्रवधि
	सर्वेश्री	
1.	राम अवतार	1-1-86 से 28-2-86 तक।
2.	सुदेश कुमार	1-1-86 से 28-2-86
3.	एन० पी० एस० गुजराल	1-1-86 社 28-2-86
4.	डी० सिवराजन	तक। 1-1-86 से 28-2-86 तक।
5.	कृष्ण लाल-2	1-1-86 से 28-2-86 तक।
6.	वाई० पी० डबास	1-1-86 से 28-2-86
7.	अनिल कुमार	1—1—86 र 28—2—86 तक।

2. उक्त सभी व्यक्तियों को कार्मिक ग्राँर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74—सी० एस० (1) दिनांक 11-12-75 की शर्तों के अनुसार रु० 75/-प्रति माह विशेष वेतन मिलेगा।

एम० पी० जैन अवर सचिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार, लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

> (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली-110003, दिनां रु 28 जनवरी 1986

सं ०-ए०-31016/20/83-प्रशा०-2 (वि० प्रो० स०)---राष्ट्रपति ने निम्नलिखित स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार, के० ग्र० ब्यूरो को प्रत्येक के सम्मुख अंक्ति तिथि से मूल रूप से उप-विधि सलाहकार के रूप में नियक्त किया है:

क्रम सं०	नाम	पुष्टिकी तिथि
	श्री एस० सी० ग्रंग्रीश श्री पी० वी० र/मकृष्ण	11-4-1981 31-7-1981

सं० 3/6/86—प्रशा० 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एत विशेष पुलिस स्थापना एत विशेष श्री वी० गोपालकृष्णैया, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को छुट्टी पर गए श्री एस० रामामूर्थि, कार्यालय अधीक्षक के स्थान पर दिनांक 13 जनवरी, 1986 पूर्वीह्न से सामान्य अपराध स्कंध, मद्रास शाखा में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 29 जनवरी 1986

सं० 3/4/86-प्रज्ञा० 5--राष्ट्रपति ने श्री एम०पी० नन्दपुरकर, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 10 जनवरी, 1986 पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक के० अ० ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया हैं।

सं० 3/5/86-प्रशा०-5---राष्ट्रपति ने श्री ग्रार० पी० शर्मा, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 20 जनवरी, 1986 पूर्वीह्न से ग्रगले ग्रादेश होने तक केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानायन्न पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

> स्रार० एस० नागपाल प्रशासन स्रधिकारी (स्था०) के० स**० व्यरो**

## गृह मंत्रालय महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 24 जनवरी 1986

सं० ओ० दो-1/86-प्रशा०-3--केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री एम० टी० सेवकरामानी, सूबेदार मेजर (कार्या-लय ग्रधीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 14 जनवरी, 1986 (ग्रजराह्म) से अनुभाग ग्रधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

> किशन लाल उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 29 जनवरी 1986 सं० ओ० दो० 2044/85-स्थापना---राष्ट्रपति, श्री सी० सुब्रमणियम, भारतीय पुलिस सेवा (केरल : 1958) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में, 5 वर्ष की श्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति आधार पर, रु० 2500-2750/- के वेतनमान पर, महानिरीक्षक के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

तदनुसार उक्त ग्रधिकारी ने महानिरीक्षक सेक्टर-4, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, जिलांग का कार्यभार, दिनांक 31-7-85 (पूर्वाह्न) को सम्भाला।

सं० ओ० दो० 2127/85-स्थापना---राष्ट्रपति, श्री बी० के० साहा, भारतीय पुलिस सेवा (प० बं०: 1960) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में, 5 वर्ष की श्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर, ६० 2500-2750/- वेत-मान पर, महानिरीक्षक के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

तदनुसार उक्त ग्रधिकारी ने महानिरीक्षक सेक्टर-2, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, कलकत्ता का कार्यभार, दिनांक 16-1-86 (पूर्वाह्म) को सम्माला।

दिनोक 30 जनवरी 1986

सं० औ० दो० 1703/81-स्थापना-श्री जी० पी० यादन, पुलिस उपाधीक्षक, के० रि० पु० बल, दुर्गापुर का देहान्त दिनांक 13-1-86 को हो गया है। उन्हें दिनांक 14-1-86 (पूर्वाह्म) से पुलिस की गणना से हटा दि है।

#### दिनांक 31 जनवरी 1986

सं० ओ० दो० 1321/76-स्थापना-अी सत्यदेव ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पुलिस उपप्रधीक्षक, प्रथम बटालियन के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-12-85 (ग्रपराह्न) को त्याग दिया।

एम० अशोक राज

सहायक निदेशक (स्थापना)

## भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्य I

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1986

सं० प्रशासन 1/का० आ० सं० 365---इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा प्रधिकारी श्री एम० पी० माथुर को ट्रेड फेयर ग्रथारिटी ग्राफ इंडिया, नई दिल्ली में 30-8-85 ग्रथराह्म से संलग्न विवरण में समाविष्ट शतीं पर स्थायी रूप से विनियत कर लिया गया है।

इसे भारत के नियंत्रक-महा लेखा परीक्षक के प्रत संख्या 121-जी वी० II/20-85 दिनांक 10-1-86 द्वारा सम्प्रेषित भारत सरकार का अनुमोदन प्राप्त है।

### दिनांक 31 जनवरी 1986

सं० प्रशासन 1/का० ग्रा० सं० 3666—निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-1 इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधिकारी श्री वाई० एस० गुप्ता को 840-1200 रुपये के समयमान में दिनांक 1-1-1986 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> मोहन खुराना व उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

## कार्यालय निदेगक लेखानरीका केर्ग्द्रीय

#### ं कलकत्ता--700001; दिनिक 31 दिसम्बर 1985

सं० प्रभा० 1/सी०/जी० ओ०/470/133-- निदेशक लेखा परिक्षा, केन्द्रीय कलकताः ने निम्मालिखित दो स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा ग्राधिकारियों को लेखा परंक्षा ग्राधिकारि के स्थान पर अस्यायी हैसियत मे दिनांक 1-1-36 के पूर्वाह्म से अथवा उस तारीख से जिस तारीख को उनके नामों के साथ दिये गये विग/कार्यालय में वास्तव में कार्यभार ग्रहण करते हैं, जो भी बाद में हो और अगले आदेग जारी कियें जीने तक विप्तत किये हैं। उनके नोमों के साथ दिये गये खंगित किये हैं। उनके नोमों के साथ दिये गये खंगित के समक्ष वे पदभार ग्रहण करने के लिए रिपोर्टी करें।

कम नाम विग/कार्यालय जहां वे कार्य-सं० भार ग्रहण करने के लिए रिपोर्ट करेगे।

' सर्वश्री

1. मीहनमद भवदुल वहाब

उप भि० ले० परीक्षा (प्रशा०)

2. मनी गोपाल महालनवीस

----घर्ह(----

दीनों अधिकारियों का क्रमिक घरिष्ठता ८५२क्त दिये गये क्रमिक संख्या के अनुसार होगा।

ं ५ इंद्रांकार्यं व्यक्तकोत्राक्तकार्यं कर्तकार्यं कर्तकार्यं विकास स्थापिक स्वार्थिक स्वार्थकार्यं प्रकारिक स्थाप

श्री मोहम्मद श्रब्दुल नंदाब, कंलकक्ता में पदभार ग्रहण करने के उपरान्त तत्काल पार्ट ब्लेयर के लिये श्रगले उपलब्ध जहाज़ से प्रस्थात करे। कार्यभाग ग्रहण काल और स्थानान्तरण ठी० ए० श्री वहाब को सामान्य नियमों के श्रन्तर्गेत उपलब्ध होगा।

सुनीत उप नि०ं लेक परीक्षा (प्रशा०)

## कार्यातच महालेखाकार महाराष्ट्र (लेखा व हर्कदारी)

-----

बन्बई, दि तक 29 ज वरी 1986

सं प्रशास : 1/सामान्य/31-खण्ड : III सि:-1(1)/325 प्रमुख महालेखाका , महाराष्ट्र, वस्ब है, अधीनस्थ लेखा सेषा के सदस्य श्री एच० पी० मिश्रा को दिनांक 18-1--1986 पूर्वीह से श्रामानी आदेग तक स्थानाना रूप से लेखा अधि-कारी नियुक्त करते हैं।

म० य० रानडे, प्रमुख महालेखाकार रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियतक

नई दिल्ली--110036, दिलीक 31 यावरी 1986

सं० प्रकार 1/1692/5/1- श्री एस० एस० शुक्ला, आई० डी० ए० एस० को दिनांक 24 ·12-85 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्मतिथि दिनांक 25-12 ·27 होने के कारण) दिनांक 31-·12-·85 (अप-राह्न) से रक्षा लेखा विमाग के संख्यावल से हटा दिया गया है और तदनुसार उन्हे दिनांक 1-·1-·86 (पूर्वाह्न) से पेंगन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया है।

सं० प्रजारा । 1.694/5/1-- श्री एस० मिलक, आई० डी० ए० एस० को उनके द्वारा दिन्त 30 · 6 · 86 को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्मिनिथि दिन्त का 1-7-1928 होने के कारण) दिन्त 30 · 6 · 86 के ग्रप्प राह्न से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल से हटा दिया जायेगा और तस्नुसार उन्हें दिन्त का 1--7-1986 के पूर्वाह्न से पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा।

ए० के० घोष, रक्षा लेखा अपर महानियतक (प्रशा०)

#### रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डेनेन्स फक्टरियां सेवा आर्डेनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कल ता, दिनाज 24 जनवरी 1986

सं० 6/जी०/86—भारतीय पुलिस सेवा मे प्रवरण होने के कारण राष्ट्रपति जी ने श्री वी० के० सिंह, सहायक कर्म-शाला प्रबंन्धक (परिवीक्षा) को दिलांक 15 दिसम्बर, 1984 अपराह्म से भारतीय अध्युध निर्माणी सेवा से मुक्ति दे दी।

स० 7/जी०/86—-त्रार्धनय िवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री ईव वी० मेनन, स्थानापन्न उप महाप्रवन्धक (मालि ह एवं स्थायी उप निदेश म/कार्य प्रवन्धक) दिनाक 31 अगरन, 1984 (अनराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 8/जी/86—श्री आर० मोहनारंगन, उप महा-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबन्धक) दिनां हुए । अप्रैल, 1985 (अपराह्म) से स्वेच्छापूर्वक सेवा िवृत्त हुए ।

सं० 9/जी/86—वार्धनय िवृत्ति की आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री एम० के० वास्करण, सहायक वर्मशाला प्रबन्धक/आयुध निर्माणी, अम्बाजारी दिनाक 31 जुलाई, 1984 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता उप महानिदेशक

#### वंस्त्र मंत्रालय

## वस्त आयुक्त का कार्यालय

**बम्बई**-20, दिनांक 28 जनवरी 1986

सं० 2 (31) ई० एस० टी० 1/86/445—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के श्री आए० के० कुलकर्णी, संयुक्त वस्त्र आयुक्त दिनां न 31-12-1985 के अपराह्म से सेवानिवृत्ति की आयु पूरी कस्तें हुए सेवानिवृत्त हो गए।

अरुण कुमार वस्त्र आयुक्त

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभन्ग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनां क जनवारी 1986

सं ० ए०-17011/13/71-ए-6-राष्ट्रपति, उप निर्देशक निरीक्षण (इंजीनियरिंग) भारतीयं निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-II (इंजीनियरिंग शाखा) श्री डी० रामक्त्रभ को दिनां म 1 जनवरी, 1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक 1500-60-1800-100-2000 ह० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर निरीक्षण निदेशक, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुष "ए" के ग्रेड-1 के यद पर नियुक्त करती हैं।

- 2. श्री डी॰ रामवन्द्रक को तदर्थ नियुक्ति से, निर्यमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा की गई तदर्थ सैवा उत ग्रेड में वरिष्ठता ग्राँट पदोन्नति की पास्ता भार स्वाधीकरण आदि के लिए भही जिनी जाएंकी।
- 3. श्री डी॰ रामचन्द्रम की निरीक्षण निदेशक, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड—1 के पद पर नियुक्ति भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय मे दायर तीन एल॰ पी॰ ए॰ 67/83, 68/83 ग्रांर 69/83 तथा उप निदेशक निरीक्षण, श्री एस॰ सी॰ अनन्द द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय मे दायर रिट याचिका स॰ 3001/83 ग्रांर 35/83 जो अब दिल्ली उच्च न्यायालय को अन्तरित कर दी गई है ग्रांर दिल्ली उच्च न्यायालय मे लम्बित है, के निर्णय के अधीन होगी।
- 4. बम्बई में उप निर्देश निरीक्षण (इंजी०) श्री डी० रामचन्द्रन ने तदर्थ पदोन्नति पर दिनांक 1 जनवरी, 198% के पूर्वाह्न से अस्थायी स्थानान्तरंण के अधार पर निरीक्षण निर्देशक, उत्तरी विरीक्षण मण्डल नई दिल्ली के अब का कार्यभार संभाल लिया है। उनकी नियुक्ति अधिकाधिक 180 दिनों के लिए की गई है।

आर०ंपीं० शाही, उपनिदेशक (प्रशा०)

न्**ई** निस्ली -110002, दिनांक 27 जनवरी 1986 -सं० ए०-17011/305/86-ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई के कार्यालय में भंडोर परीक्षक (इंजी०) क्रीर स्थानापक्ष किन क्षेत्र अधिकारी श्री एम० बालकृष्णम को दिनांक 31 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश दिए जाने तक बम्बई निरीक्षण मडल के अधीन उप निदेशक निरीक्षण पुणे के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) नियुक्त किया है।

सं० ए-17011/306/86/ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, "निरीक्षण-निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय" में भण्डार-परीक्षक (अभि०) श्री कें० एस० समुअल को कलकत्ता निरीक्षण-मण्डल के अधीन "निरीक्षण-अधिकारी (अभि०)" जमशेदपुर के जार्यालय में, दिशांक 31 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से श्रीर आगामी आदेशों के दिए जाने तक तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 29 जनवरी, 1986

सं०ए-17011/307/86-ए-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय के भंडार परीक्षक (अभियांतिकी) श्री राजंकुमार गोयल को बम्बई निरीक्षण मंडल के अधीन निरीक्षण अधिकारी (अभियांतिकी) बड़ौंदा के कार्यालय में दिलांक 27 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से आग्मी आदेश दिये आभी तक तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-6/247 (470) III—राष्ट्रपति, सहस्रक तिरीक्षण अधिकारी (इजी०) श्री एस० पी० गुप्ता को दिनांक 3-9-85 से 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर 6 माह की अवधि अथवा निम्नामित ब्यवस्था किए जाने तक के लिए इनमे जो भी पहले हो (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ''ए'' के ग्रेड-III) (इंजी० शाखा) मे स्थानापम सहायक निदेशक 'निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० पी० गुप्ता ने दिनां क 2-9-85 (अप-राह्म) को निरीक्षण निदेश के, कल कत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इजी०) के पद पर कार्यमार छोड़ दिया मौर दिना क 3-9-85 (पूर्वाह्म) से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली मे सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद का कार्यभार संभाल, लिया है।

> आर० पी०:हाही उप-निदेशक (प्रका०) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

## इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

## भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कल कत्ता-700016, दिनांक 24 जनवरी 1986

सं० 658 बी/ए-19012 (5-डी॰ ऑर॰ ए॰)/85-19 बी॰-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के फोरमैंन (वरिष्ठ) श्री डी॰ अंगर॰ अरोड़ा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक यांत्रिक अभियंता के पद पर नियमानुसार 650-30-740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-40-1200/ र॰ के वेतनमान के वेतन पर, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 5 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से प्रोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 460 डी०/ए०-19011 (1-पी० ए० आर० बी०) 85-19 ए०--राष्ट्रपति जी, श्री पी० ए० रमेश बाबू को भूबैज्ञाभिक (किनष्ट) के पद पर भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो० 40-1100-50-1300/के न्यूभ-सम वेतनमाभ में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 2-12-85 के अपराह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

ं सं० 446 डी०/ए०-19011 (1-वाई० जे० आर०)/ 83-19 ए०--राष्ट्रपति जी, श्री वाई० ज्योयेन्द्र रेड्डीको भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-इ० रो०-40-1100-50-1300/ ६० के म्यून्तम वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 13-12-1985 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे

#### दिनांक 28 जनवरी 1986

सं० 658 बी/ए०-32013[1-भूवि०(वरिष्ठ)/84-19ए(7)]--राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (किनष्ठ) श्री प्रकाश चन्द्र घोष, को भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600/- ६० के वेतनमान पर ग्रस्थायी ग्रानितम ग्राधार पर ग्रागामी ग्रादेश होने तक 7-1-1986 के (ग्रपराह्म) से नियुक्त कर रहे हैं।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (विरिष्ठ) के पद पर उपर्युक्त पदोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 1985 के एफ० एम० ए० टी० सं० 507 के अन्तर्गत दिनांक 28-2-1985 को पास किए अंतरिम आदेश के अनुसार तदर्थ आधार पर है। यह आदेश श्री विदिव लस्कर एवं अन्य द्वारा भारत संघ एवं अन्य के विरुद्ध दाखिल रिट याचिका के परिणाम के अधीन दिनांक 1-2-1985 एवं 18-2-1985 को एकल विद्वान न्यायाश्रीश द्वारा दिए गए

अन्तरिम स्थगन आदेश को निरस्त करते हुए पास किया गया।

> श्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1986

सं० सी-15/718-ए--निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा श्रिधिकारी (सा० ति० सेवा ग्रुप "बी") के पद पर र० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया, जाता हैं ---

कम सं०	नाम तथा पद	यूनिट/ कार्यालय	तारीख ं
1.	श्री कैलाश चन्द्र, ग्रधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय	सर्वे <b>क्षण</b> हवाई निदेशालय, नई दिल्ली	2-12-85 (पूर्वाह्न)
2.	श्री क्षी० एल० कपूर, श्रधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय	दक्षिण मध्य सर्किल कार्यालय, हैदराबाद	30-12-85 (पूर्वाह्न)

#### दिनांक 29 जनवरी 1986

सं० सी-17/718-हिन्दी--निम्नलिखित अधिकारी, हिन्दी अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी" पद) के पद पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से मूल रूप में नियुक्त किए जाते हैं :---

कम सं०	नाम	तारीख
1. श्री	लक्ष्मण सिंह गुसांई	18-4-1983
2. श्री	ग्रार० के० चमोली	28-11-1985
3. श्री	जगदीश प्रसाद नैथानी	28-11-1985

जी० सी० ग्रग्रवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

## भारतीय पुरातस्य सर्वेक्षण

गई दिल्ली-110011, दिनांक 31 जनवरी 1986

फा॰ सं० 10/1/86—स्मा०—प्राचीन संस्मारक, पुरा-तत्वीय थल एवं श्रवशेष नियमावली 1959 के नियम 4 के श्रधीन प्रदत्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं महेश्वरी दयाल खरे, निदेशक (संस्मारक) यह निदेश जारी करता हूं कि बोम जेसत चर्च, गोवा का महामंदिर (बैंसिलिका) 5 श्रौर 6 फरवरी, 1986 को जनका के लिए बंद रहेगा।

> महेश्वरी दयाल खरे निदेशक (संस्मारक)

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1986

सं० ए० 19018/7/83—सी० जी० एव० एस०—1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में तदर्थ ग्राधार पर काम कर रहे हकीम जिक्युद्दीन, यूनानी काय-चिकित्सक की सेवाएं समाप्त कर दिए जाने के फलस्वरूप, उन्होंने 28 ग्रागस्त, 1985 (ग्रापराह्न) से ग्रापने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19018/6/85-के० स्वा० यो०-I--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० सदानन्द साहू को केन्द्रीय
सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपैथिक काय चिवित्सक के
पद पर 31 दिसम्बर, 1985 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक
अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

## दिनांक 29 जनवरी 1986

सं० ए० 19018/4/85-के० स० स्वा० यो०-I-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० महेश कुमार शर्मा को
23 दिसम्बर, 1985 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय
सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपैथिक फिजिशियन के पद
पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

#### दिनांक 30 जनवरी 1986

सं० ए० 19018/5/85-के० स० स्वा० यो० — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० पुलिन बिहारी गुचहट को 30 दिसम्बर, 1985 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपैथिक चिनित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राव . उप निदेशक प्रशासन .(के० स० स्वा० यो०) परमाणु ऊर्जा विभाग '

नरौरा, परमाणु विद्युत परियोजना नरौरा दिनांक 30 जनवरी 1986

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/म्रो० तथा एम०/15/85/
एस/1294—इस विषय पर पूर्व पारित सभी म्रादेशों को
निरस्त करते हुए सरकारी स्थान (म्रप्राधिकृत म्रधि-भोगियों
की बेदखली) म्रधिनियम 1971 के पैरा 3 की शतों के
म्राधार पर न० प० वि० प० टाउनशिप (म्रणु बिहार) के
सरकारी स्थान तथा न० प० वि० प० टाउनशिप के समीप
ठेकेदारों के शिविरों, जो कि नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना
के स्वामित्व म है, के लिए मुख्य प्रशाएन म्रधिकारी, नरौरा
परमाणु विद्युत परियोजना को एतद्दारा संपदा "अधिकारी"
घोषात किया जाता है।

क० स्व० चोपड़ा परियोजना निदेशक

### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदरांबाद- 500016, दिनांक 30 जनवरी, 1986

सं० प० खु० प्र०-16/8/85-भर्ती → निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतदद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक छेखापाल, श्रीमती सरस्वती वेंकटाचलम को उसी प्रभाग में 12 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक छेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० प**दम**नाभन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी, 1986

सं० ए०-32013/4/85-ई० सी०--राष्ट्रपति, श्री श्रार० एस० गहलोत को दिनांक 14-11-1985 से और श्रन्य श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/नियन्त्रण संचार के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 20 जनवरी, 1986

सं० ए०-320/3रू/80-ई० सी० / इस विभाग की दिनांक 4 फ़रवरी, 1985 की अधिसूचना सं० ए०-32013/6/83-ई० सी० में आंशिक संशोधन करते हुए, राष्ट्रपति श्री. एन० के० पुरी को दिनांक 29-9-1982 से नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक संचार/नियन्तक संचार के

श्रेष्ठ में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं। श्री पुरी, श्री सुरेश चन्द्र से, जिनका नाम इस विभाग की दिनांक 8-11-1982 की श्रिधसुचना सं∘ ए०-32013/7/80-ई० सी० में क्रम संख्या 8 पर है, तिहलल बाद वरिष्ठ होंगे।

> वी० जयचन्द्रन उपनिदेशक प्रशासन

## केन्द्रीय उत्पादन ग्रीर सीमा शुल्क

#### वडोदरा

वडोदरा, दिनांक 21 जनवरी 1986

सं० 1/1986—श्री म्रार० एच० देसाई, प्रशासनिक भिश्चिकारी, केन्द्रीय उत्पादन मौर सीमा शुल्क वर्ग (ख ) भृष्डल—III वडीदरा दिनांक 15-1-1986 को 58 वर्ष के हो गये हैं। तदनुसार, वे दिनांक 31-1-1986 के म्रापराह्म से निवर्तन सेवा निवृत्त होंगे।

सं० 2/1986—श्री एम० बी० चंद्राते, केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुल्क, श्रधीक्षक (वर्ग ख) मण्डल—III विडीदरा दिनांक 15-1-1986 को 58 वर्ष के हो गये हैं। तदनसार, वे दिनांक 31-1-1986 के श्रपराह्न में मिवर्तन सेंवा निवृत्त होंगे।

> ए० एम० सिन्हा समाहर्ता

## निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1986

सं० 1/86—श्री गौतम रे ने, जो पहले सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कलकत्ता के क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान में सहायक निर्देशक के रूप में तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 2-1-86 के प्रत फा॰ सं० 22012/1/86 प्रशासन 11 के अन्तर्गत जारी आदेश संख्या 1/86 के अनुसार निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुक्क, नयी दिल्ली में स्थानांतरित हो जाने पर दिनांक 10-1-86 (अपर।ह्न) से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

बी० के० ग्रग्नवाल <sup>\*</sup> निरीक्षण महानिदेशक

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 28 जनवरी, 1986

सं० ए०-19012/1133/85 स्थापना-पांच--- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्र.योग श्री ईथी धसुदानम, पर्यवेक्षक, केन्द्रीय जल ग्रायोग में श्रीसिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनयर (इंजिनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/रुपये के वेतनमान में 19-11-1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की ग्रवधि के लिए श्रथवा पद के नियमित शाधार पर भरे जाने तक, जो भो पहले हो, पूर्ण श्रस्थायी ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी ग्ररोड़ा ग्रवर सचिव (समन्क्य) केन्द्रीय जल ग्रायोग

## केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड फरीव्स्बाद, दिनांक 24 जनवरी 1986

सं० 3→734/86-मुख्य जल भू० (स्था०)—श्री मैलेन्द्र नात्र्य सिन्हा को दिनांग्र ::30-12-85 (पूर्वस्त्त) से अमले आवेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जलभूक्तिानी के पद पर जी० सी० एस० समूह-ख (राजपितत) वेतनसान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

> बी॰ पी॰ सी॰ सिन्हा मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

## निर्माण महानिदेशाखय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 30-दिसम्बर 1986

ं सं० 32/3/85 ई० सी०-2-श्री पी० डी० गुप्ता अधीक्षक इंजीमियर बम्बई जिला-2 बम्बई-12 की निवर्तन की म्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-86 को सेवानिवृत्त हिये जाते हैं।

> के० सी० देहुरी प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

उद्योग एवं क्म्पनी कार्य मंत्रालय विकास स्रायुक्ट (लघु उद्योग) का कार्यालय मई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1986

सं० ए०-19018 (481)/30 प्रशा० (राज०)----राष्ट्रपति, विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के

श्रार्थिक सलाहकार श्री ग्रार० पी० एस० वर्मा को निवर्तन की श्रापु प्राप्त कर लेने पर 30-9-85 (ग्रपराह्न) से सरकारी नौकरी से सेवा-निवृत्त होने की ग्रनुमित देते हैं।

सं० ए० 19018 (727)/84/प्रशा० (राज०)— राष्ट्रपति, श्री गोपाल कृष्ण दत्ता को लघु उद्योग सेवा संस्थान, गुवाहाटी के म्रधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, तेजपुर मे 22-11-85 पूर्वाह्म) से म्रगले ग्रादेशों तक, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018 (747)/84-प्रशा० (राज०)-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के लघु
उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (लैंदर/फूटवियर) श्री आर० के०
छोंकर को 29-11-85 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक,
लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास मे सहायक निदेशक, ग्रेड-1
(लैंदर/फुटवियर) के पद पर नियुक्त करते है।

स० 12 (208)/61-प्रशा० (राज०) खण्ड-VI-राष्ट्रपति लघु उद्योग विकास सगठन के उपनिदेशक
(यात्रिकी) श्री सी० पी० राव को, वार्द्धक्य/निवर्तन की ग्रायु
प्राप्त हो जाने पर दिनाक 30 ग्रप्रैल, 1985 (ग्रपराह्म)
से, सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो जाने की ग्रनुमित देते
हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०)

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंतालय (कम्पनी कार्य विभाग) कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर मैंसर्स शीला सिने कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1986

सं० 2337/पी० एस०/सी० पी०/1812—कम्पनी ग्रधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनु-सरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि म० शीला सिने कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। एस० करमाकर कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, खालियर

> कार्यालय सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त, ग्राजन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 16 जनवरी 1986 शुद्धि-पन्न

श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 डी (1) के अधीन मेरी नोटिस (संदर्भ संख्या जे० डी० आर०,2, 82-83 दिनाक 13-12-82) मे---

"श्री विजय कुमार पृत्र शान्ती सरूप निवासी सिविल लाइन जगाधरी के स्थान पर अन्तरिती का नाम इस प्रकार पढ़ा जाना चाहिए —

"म्रजय कुमार पृत्र शान्ती सरूप निवासी सिविल लाइन जगाधरी।'

> बी० एल० खती सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रैंज, रोहतक

कार्यालय निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, रोहतक, दिनाक 22 जनवरी 1986

## शुद्धि-पत्न

संदर्भ संख्या जे० डी० ग्रार०/25/80-81—ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 डी (1) के ग्रिधीन मेरी नोटिस (संदर्भ संख्या जे० डी० ग्रार०/25/80-81 दिनांक 6/3/81 में—

"भूमि माप 25 बीघा 2 बिस्वा' के स्थान पर इस प्रकार पढ़ा जाना चाहिए —

"भूमि माप 8 बीघा 12 बिस्वा"

बी० एल० खती निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त ग्रर्जन रेंज, रोहतक

## प्ररूप बाद .टी. एन .एस . ------

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोंज, पटना पटना, दिनांक 15 जनवरी 1986

निदेश मं० III / 1146/म्रर्जन/85-86 -- म्रतः, मुझे, दुर्गी प्रसाद.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० खाता नं० 352 असरा नं० 1180 है, तथा जो पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, वैशाली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मारीख 16-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री ंखेश्वर नारायण किं, पेंच राजेन्द्र सिंह, माच कदण, भगत राउत, हाजीपुर, बैशाला। (अन्तरक)
- 7. मै० हाजापुर श्रादर्श महकारी गृह निर्माण सिमिति लि०, द्वारा मिचब, बिन्देश्वर प्र० सिंह, सा०-पोखरा, थाना द्वाजीपुर. जिला बैणाली। (श्रन्तरिर्ता)

## को यह सुचना जारी करके पृष्ठीयस सम्पत्ति के नर्जन वे तिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थव्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

3 कट्ठा जमीन जो मौजा पोखरा, हाजीपुर, जिला वैणाली में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप में विमका संख्या 3790 दिनंक 16-5-1985 में विणित है। और जिसका निबंधन जिला अचा निवधार बैणाली के द्वारा सम्पन्न हम्र। है।

> दुर्गा प्रसाद मक्षम प्राधिकारी गहानक क्रापकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज, पटना

तारीख: 15-1-1986

## 

#### भारत सरकार

## कार्यत्व, सहायक नावकर नावकत (निर्दास्त्र)

ग्रर्जन रोंज, पटना पटना, दिनांक 15 जनवरी 1986

निदेश सं० III/1149/अर्जन/85-86--- अतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके प्रचात् 'उक्त निर्मिनयमं' कहा गया ही, की भारा 269-स के निर्मान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से निर्मा है

और जिसका सं० होलेंडगनं० 567/401 घार्ड नं० 2 सिंकल नं० 6, प्लाट नं० 762, थाना नं० 137 है, तथा जो न्यू डाक बंगला रोड़, गांधी मैदान, पटना-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबाद मृस्य से कम के दश्यमाय प्रतिकल को लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे अपमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा प्रतिकल के में कार्यित वहाँ पासा गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; आँर्/या
- (क) एसी कियों बाब या कियों क्षत्र या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वर्षा था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में बाह्य की बिद्धा

वतः शय, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के वणुतरण भें, में, उक्त विधिनियम् की भारा 269-ग की उपभास (1) के वधीन, निम्मलिखित व्यक्तिवाँ वर्षात हुन्स

- 1. श्री सरदार त्रमरीक सिंह, पे० स्व० सरदार लाभ सिंह, न्यू डाक बंगला रोड़, गांधी मैदान, पटना। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रामौतार खंगटा पे० श्री मातादीन खंगटा, कर्ता—संयुक्त परिवार श्रार० खंगटा एण्ड सन्स, बोरिंग कनाल रोड, श्री वृष्णपुरी, जिला पटना। (श्रन्तरिती)

को मुद्द सूचना चारौँ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्चन के जिल्ह कार्यवाहियां र-रू करता हंू।

## उनत सम्परित ने वर्षन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नवीं या तत्सवंधी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तानील से 30 दिन की नवीं थ, सो भी नवीं वाद में समान्त होती हो, से भीतर वृद्यांका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के त्रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिस्तवहुष किसी बन्य न्यनित इवारा, क्योहस्ताक्षरी के शब निवित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकड़ अधिनियम के अध्यास 20-क में परिकारिक है, बही अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गया है।

#### अनुसूची

चौथा मंजिल काम्यलैक्स मकान का उत्त्री हिस्सा जिसका रक्षवा 840 वर्गफिट है जो न्यू डाक बंगला रोड़, गांधी मैदान, पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं० 3260 दिनांक 11-5-85 में वंणित है और जिसका विद्यास जिला अवर िबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारउख: 15-1-84

## क्षा वार्'.डी. एव .एव .=----

बावकार वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) से बधीन सूचना

#### बारत बहुकार

## कार्यांतर, बहारक नायकर वायुक्त (विराधिक)

ग्रर्जन रेज, पटना

पटना, दिनाक 15 जनवरी 1986

निदेश स० III-1148/म्रर्जन/85-8--म्रत, मुझे, दुर्गी प्रसाद,

बावकार अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्वें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा वदा ही, की पास 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

अगैर जिसकी स० खाता न० 409, खसरा न० 2959 नथा (खाता न० 16 खसरा न० 7 (पुराना) है तथा जो मौजा चकवाग, मृदा काकर, हाजीपुर, जिला बैणाली, मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची मे और पूर्ण रूप से विणित ह), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैणाली मे रिजर्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीक, नारीख 30-5-1985

की पूर्वे उत सन्यति के उचित बाचार मूल्य से कम के व्यवमान इतिपन्न के लिए बन्दरित की नई है और मुझे यह विस्थाव करने का कारण है कि वथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित वाक्त्र मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिपन्न से, एवं व्यवसून प्रतिपन्न का बंद्रहां प्रतिचत से विश्व है और बंदरक (बंदरका) और बंदरिती (बन्दरितयों) के बीच एवं बंदरण के बिद्द क्ष्य पाना पना प्रतिपन्न, निम्नतिबित ब्रुवरेन वे व्यवस् बंदरण विश्वित में मास्त्राहितक कम वे क्षिण वहीं किया नका है है—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाब की बाबक, समस् बीधीनवन के बधीन कह दोने के बन्तरक के बादित्व ने कमी कहने वा उन्नर्थ बन्नने में सुविधा के सिष्ट बीड/वा
- (क) एसी किसी कान ना किसी धन ना बन्स वास्तियों की, जिन्हां भारतीय नायकर नीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर नीधनियम, ना चय-कर नीधनियम, ना चय-कर नीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना चया या विभाग बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा में शिक्षा

सतः वय, उपत विधिनयम की पास 200-म के वनुषरण केंद्र में, उपत विधिनयम की पास 200-म की उपधारा (1) वे बचीन, निक्तविषय व्यक्तिकोंद्र वर्षाय ह— 1 श्री परमानन्द साह, पे० श्री राम रग साह मा० लावापुर थाना महनार जिला बैणाली।

(अन्तरक)

7. हाजीपुर नगरपालिका बार्ड न० 14, सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, हाजीपुर क्षारा सचित्र, श्री सुरेश प्र० सिंह, पे० चिन्द्रका प्र० सिंह समता कालोनी, हाजीपुर, जिला बैशार्ला। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारीं कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां कारता हूं।

#### सकत संपति के सर्वन के संबंध में कोई भी वालेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बं 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की सार्रीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्ध म्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकर्गे।

स्वक्रीकरण है—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, वो उक्त बीभनियम के बभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होया वो उस बभ्याय में दिया वस हैं।

जमीन जिसका रकवा 2 कट्ठा 15 धूर है तथा जो मौजा चकबाग मदा काकर, हाजीपुर, बैशाली मे स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विमका म० 4237 दिनाक 30-5-85 मे विणित है अर जिसका निबंधन जिला भ्रवर निबंधक बैशाली के द्वारा सम्पन्म हुम्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पटना

तारीख 15-1-86 मोहर

## मक्त बार्ड, टी. १व., १व., ---

## बाधकर अधिनियम, 1969 (१९61 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निर्माण)

**ग्रर्ज**न रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० 700/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है, जो मयूर कामप्लैक्स गनफांउडरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1985

को प्वांकत संपत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के क्यान शितफल के लिए अंतरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष हो उकत अन्तरण निम्निलिख में वास्तविक रूप से कथित नहीं वि. , गया है हिन्स

- (क) बन्तहर से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को जन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बांड/बा
- (प) एसी किसी बाव या किसी थन या बन्य वास्तियाँ को, जिल्हें भारतीय वायकर वीधीनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त वीधीनयन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, कियाने में सुनिधा से विस्तृत

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारां (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेसर्स म्यूर काम्लैक्स, बाई मैनेजिंग पार्टनर ग्राप्त माधवराव, 8-2-616/1/ए, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2 श्री बी० ग्रार० चन्द्रा रेड्डी पिता बी० एस० चंद्रा रेड्डी, 8 2-616/1/बि० $_1$ 1, रोड नं० 11, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेत्र :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषा के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थाक पंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा सक्तें।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधन्यिम के अध्याय 20-क में यथा परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

दुकान बी-17, मयूर काम्पलैक्स, गनफांउंड्री, हैदराबाद विस्तीर्ण 268 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 2891,85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० द्घार० ये० सी० 701<sub>1</sub>85-86--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) तित्रचे इसमें इसमें परपात् 'क्कब विभिन्नपा' कहा पना ही, जी पाल 269-क के विभीन सक्तव माणिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानद सम्मरिक, विकास अधिक वालाह मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० दुकान है, जो मयूर काम्पलैक्स गनफांउंड़ी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार भूग्य से कम् के अवस्थान् प्रतिश्रंत के लिए वंतरित की गई है और मुखे यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्यति का उपित बाजार मून्य उसके उस्थमान प्रतिश्वस से, होते अवजान प्रतिकल् का पन्तह प्रतिश्वत से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्धरिती (अन्तरिशियों) के बीच एोसे क्यारण के लिए तब् गावा गया इतिश्वस, निज्निलिक्त उद्योव से स्वत्य बन्दरण निजित में इस्तिविक क्य से क्रियत नहीं विका गया है इन्न

- (क) बन्तरम् वं हुइं किची बाव की वाव्यं,, वेयन वृष्टित्यम् सं वृषीत कह दोने हे ज्लारक से दावित्य में कशी करने वा सबसे व्यने में वृषिधा के किए; बीर/वा
- (क) एसी किसी नाम ना किसी भन ना बन्द नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायक र निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या प्रयोजनार्थ नंतरिती द्नारा प्रकट नहीं किया नया ना या किया नामा चाहिए था, कियाने में तृतिभा नी जिए;

वत: अब, अका अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भो, मौ, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मेमर्स मयूर काम्पलैक्स, बाई श्री ग्रार० रामदेव राव, वंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरकः)

2. श्री बी० ग्रार० चन्द्रा रेड्डी पिता बी० एस० चन्द्रा रेड्डी, 8-2-616/1|वी/1, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सुणना के स्वपंत्र में प्रत्यावन की दार्शिय है 45 दिन की नवींथ या दार्श्वयों क्यांतिहार्ग पृष्ठ सुनवा की संगीत में 30 दिन की वयरिया, की भी कर्मण कर में क्यांत्र होती हों, के भीतर पूर्विका करियार्ग में से विक्ती क्यांत्र कुरावा;
- (क) हक सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकेंगे।

क्ष्मक्रकेन्द्रम :----इतमें प्रक्तां धन्यों धीर वर्षों का, जो उनस विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुई वर्ष द्वीगा को उस बध्याय में विश्वा गया हैं।

#### अनुसूची

दुकान नं० बी-16, मयूर काम्पलैक्स, गनफाउंड़ी, हैदराबाद, विस्तीर्ण 268.4 चौ० फुट, रजिस्ट्रोक्कत विलेख नं० 2890/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्रकव बार्ड. टी. एप. हव. -----

बाधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वं ग्रधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायव जायकर जायुक्त (विरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 702/85-86--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 ी 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चित् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन साम प्राचित्रकों, यह निक्नास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्बन्ध , जिसका उच्चित वाजार मुस्स 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है, तथा जो मयूर काम्पलैक्स गनफांऊड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यान्य, हैदरावाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 85

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य ते कम के स्वमान प्रतिफान के लिए अंतरित की नहें हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्बत्ति के उचित बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रम रान प्रतिफल का बल्क्ड प्रतिचत से निवक है और अंतर्भ (अं. उक्कों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया क्या प्रतिफल, निम्नतिखित ज' रेख से उच्त बन्तरण किचित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं— 1. भत्य मियूर काम्पलंबिय, बाई मैनेजिंग पार्टनर ग्रार० माधवराव, 8-2-616/1/v, बंजाा हिल्य, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री खादर मोहीयुद्दीन पिता मोहम्मद शरीफ, 17-6-712, डविरपुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चा । करके दर्घोक्त संपत्ति के अर्जन में लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्यान से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और क्दों का, जो उक्त जीधनियम के हैं याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### वन्स्वी

वुकान नं० डी-101 से 103, मयूर काम्पलैक्म, मनफाउंड़ी, हैदराबाद विस्तीर्ण 1026 चौ० फुट, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 2901/85,रिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

मोहर ह

## प्रक्य बाह्'\_टी.एम..एस...----

नायकर नौभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के मधीन स्थना

#### पारत करकार

## कारीकव, तहायक नायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी०′ 703/85:86--- प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सभय प्रधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर तम्परित, जिसका उचित वाचार मृष्य 1,00,000/-तः से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान है, जो मयूर काम्पलैक्स, गनफाऊंड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिसीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम, नारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यथमान प्रतिकान के निए बन्तरित की नह है और मुर्के वह विश्वाद करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार बून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से विधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरित्वों) के बीच ऐसे बन्दरण के जिए तब बाबा बचा बीडकन, विस्नीजीवत उन्दर्भ से उच्छ बन्दरण जिक्स के वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) नजरूप ने हुए किसी जाय की नावड़, उपल वीधीन्यम से नधीन कर दोने में बन्दरफ के शांवित्य में कमी करने ना उत्तर्व क्याने में सुविधा के लिए; बॉर/ना
- (थ) देवी किसी बान ना किसी पम ना सम्ब जारित्वी की, चिन्हें भारतीय बान-कर गीपनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त जीपनियम, बा भनकर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिये था. खिपाने में मित्रभा के बिह्म;

वत. अव, उक्त विधिनियम की भाग 269-न के बनुसरक कें, में, उक्त विश्वित की भाग 269-व की उपभाग्न (1) क स्थीन, निम्मिन्दिक म्योजियमों वर्षात् के 1. मेसर्स मयर काम्पलैनस बाई श्री ग्रार० रामदेव राव, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरवः)

2. मेसर्स ग्रादर्श इंटरप्राईजेस बाइ श्री वी० वी० गुप्ता, 6-3-609/157, ग्रानंद नगर, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

बहे वह श्वना प्रारी करके पृथानित सम्मृतित के वर्षन के विश् कार्यनाहियां कद्भता हुई (1)

### क्ष्मह सुम्पतिस् के वर्षन् के स्म्यून्य में कोई थी वाकोर:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की ज्यानि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह स्थान की तानीस से 30 दिन की वनिष, सो भी बनिष नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराह
- (व) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किया क्यों क्या क्यों क्या क्यों क्या क्यों हस्ताक्षरी के वास् विश्वत में किए वा सकेंगे।

प्रवासिक प्राः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो सन्द्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा वो उस अध्याय में सिवा क्या हैं 🗷

#### अनुसूची

दुकान का परिसर नं० बी-103 से 105, मयूर काप्लेक्स, गनफांऊंड्री, हैदराबाद विस्तीर्ण 1309, चौ० फुट, रिजर्स्ट्रीकृत विलेख नं० 2894/85, रिजर्स्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एद० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख: 9-1-198**6

## प्रक्य बाईं . टीं , एन . एस , ५ = - ---

## बावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बाधीन स्वना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनादः 9 जनवरी 1986

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 704/85 86---म्रत. मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), क. धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो मयूर कामप्लैक्स, गत , फाउंड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5/85

का पूर्वोक्त संपोत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्यपूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने वा उससे बचने हैं सुविधा के लिए. बरेद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, स्थित के सुविधा के लिए?

शत: अब, उसत विधिनियम की भग्य 269-ग के अनुसरण कों, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ओ गधीन, निम्निजिसिक व्यक्तियों, धर्मात् ह—

3-466 GI/85

1. मेसर्स मयूर कामप्लैक्स, बाह श्री आर० रामदेव, राव, बंजारा हिल्स, हैदराब।द।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीनती बी० स्वरूपता पति डा० वी० जयपाल (ग्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

#### उक्त बुम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखेर क्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ६ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबीध वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निवित में किए वा सर्वोंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त सन्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्र**न्सुची

दुकान ए-113, मयूर वामप्लेक्स, मनफाउंड़ी, हैदराबाद विस्तीर्ण 412 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 289/ 85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद।

> एम॰ जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

## प्रक्ष बाइं टी, एव . एत . -----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### मारत तरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनां। 9 जनवरी 1986

निदेश सं० प्रार० ए० सी० नं० 705/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो तीरूमला टावर्स गोलकोंडा रोडस में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्कारी श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 5,85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्बरित की गई है और मुफ्तेयह विश्वास कस्ते का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धि का उष्णिस बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल के क्ष्म्ब प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की बनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) को वधीन, निम्मीकीविक व्यक्तियों, अर्थाव्यक्त 1. मेसर्स तीरूमला टावर्स कन्स्ट्रक्शन्स, 1-1-593<sub>|</sub> सी, गांधी नगर, हैदराह्माद।

(ग्रन्तरकः)

 श्रीमती ए० राघम्मा पति लेट ए० तीरुमला टावर्स, गोलकोंडा रोडस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी अव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उपका अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिवा गया है।

#### बनसची

फ्लैंट नं० 3, तीरूमला टावर्स, गोलकोंडा रोडस, हैदराबाद विस्तीर्ण 825 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 654/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चीक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप बाइ ं डी . एम . एस .-----

वायंकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के बभीन मुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सो० नं० 706/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर कि धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है तथा जो मातश्री इंजीनियर्स एण्ड बिल्डर्स प्रा० लि० में स्थित है (श्रीर इससे उपाद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्तो अधिकारी के शार्यालय, चिकां उपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्तो अधिकारी के शार्यालय, चिकां उपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्राण अधिकारी के शार्यालय, चिकां उपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरंग अधिकारी के शार्यालय, तारीख 5/1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिक्षक, निम्निवित्त दृष्टेक्स से उस्त बन्तरण शिक्षित में अस्तिक कम से किथत वहीं दिसा गया है अन्तर्सा स्वास्तिक कम से किथत वहीं दिसा गया है अन्तर्सा कर से किथत वहीं दिसा गया है अन्तर्सा कर से किथत वहीं दिसा गया है अन्तर्सा कर से किथत वहीं दिसा गया है अन्तर्सा है अन्तर्सा है अन्तर्सा कर से किथत वहीं दिसा गया है अन्तर्सा है अन्त

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के वाजित्य में कमी कार्य मा उबसे बचने जें सूनिधा के खितु; बीह/ना
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के किया;

शत: सब, उनत अधिनियम, की भारा 269-मु के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधाना (1) है अधीन, निस्तिसिक व्यक्तियों, अर्थात क्र-

- 1. मेससँ मातश्री इंजीनियर्स एण्ड बिल्डर्स प्रा० लि०, बाई डायरेक्टर 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री एम० यस० माधवराव (मच यू० यक) पिता नागभूशन राव ग्रीर ग्रन्थ, (2) एम० रामानी पति एम० यस० माधव राव, 3-6-492,1, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चार्डी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष :- •

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस् सिचित में किए वा सुकों ने ।

स्पष्टोकरुण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्था विधिनियम के बध्याय 20-क में परिशाधिक है, वही वर्ष होना जो उस वध्याय में दिका न्या है।

#### धनुसूची

फ्लैंट ए 706, मातश्री ग्रपार्टमेंटस, हैदरगुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 1150 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न. 706, 85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुज़ैन रेंज, हैदरा**क्षद**

तारीख: 9-1-1986

## प्रस्क बार्द् .टॉ..एन..एस ुक्त्यान

## बाक्कर विश्वित्रमं, 1961 (1964 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

#### भारत वरकार

## कार्यातय, तह्यक वायकर वायक्त (निर्दक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 707/85-86--ग्रत: मुझ, एम० जगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बोधनियम' कहा गया है), का धारा 269 के बधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कांद्रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से बिधिक है

ग्रौर जिस्की सं० टान ब्लाक है तथा जो मातश्री ग्रपार्टमेंट्स हैदरगुड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण हिप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिवारी ने कार्यालय चिरुकडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अम्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्यमान प्रतिफाल से, एसे क्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (य) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बार्सियों करें, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औं किया:

अति: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ दी उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिचित व्यक्तियों, अर्थात् '—

- मेसर्स मातश्री इंजीनियर्स एण्ड बिल्डर्स प्रा० लि०, बाई डायरेक्टर, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमतो जी० ग्रारूण ज्योजी पति प्रभाकर रेड्डी, 2-1-71, नल्लकुंट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

## बन्त संपत्ति के वर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की त.रीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीके से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसची

अंचा ब्लाक ए-506, मातुश्री म्रपार्टमेंट, हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1150 चौ० फु० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 649/85, रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी चीक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

## प्रकृष बार्ष: टी. एन्. एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1986

निदेश स० ग्रार० ये० सी० न० 708/85-86---ग्रत. मझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपीस, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसकी स० फ्लैट है, जो सागर अपार्टमेट्स, दोममलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई/85

को पूर्वीक्त सम्पर्शित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिपत्न के लिए बन्दरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वश्यमुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रियमान प्रविक्ति से, ऐसे ख्रियमान प्रतिपत्न का गईह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्ति-तियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित ख्रुबच्य से उक्क्य बन्दरण जिखित में बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) बन्तरण वं हुएं कियी बाग की बावल, उपल वृश्वितवक ने बचीन कर दोने से बन्तरक ने क्षानित्व में कवी करने वा उच्छे त्युने में बृत्यिया के सिए; बौद्ध/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या किसी शास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अस्तिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बावा चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिर्हा;

कतः। वक, उक्त व्याभानयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-भ की उपधारां (1) के वधीन, निस्निहिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् म्ल- 1 मेसर्स सागर कन्स्ट्रक्शन्स, 1-2-524, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती यस० लिलता पित नागेस्वर राव, 30, वेकटेस्वरा कालोनी, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोड़ें भी बादीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध के 45 दिन की अविधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध वाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिंदबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविधा में किए जा सकते।

स्पड्टीकरण-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्यम के बध्याम 20-क में परिभाषित हैं कु बड़ी वर्ष होगा, के उस बध्याम में दिया बबा है हो

## अनुसूची

पलैट न० 202, सागर ग्रपार्टमेंट्स, घर नं० 1-2-524, दोमलगुडा हैंदरादाद विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट, रिजस्ट्री गृत विलेख न० 3247/85, रिजस्ट्री कर्ती ग्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद ।

तारीख: 9-1-1986

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० म्रार० ये० सी० 709/85-86--म्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचिता वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं० फ्लैंट है, तथा जो करण सेटर, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 मेसर्स उमा करण और तेज करण, धरम मेनशन बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती शकीना सिद्दीकी ग्राली खेमबती, फ्लैट नं० 502, करण सेंटर, यस० पी० रोड, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील ते 30 दिन की बबिध, जो भी
  बविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 502, करण सेंटर, यस० पी० रोड, सिकंदरा-वाद, विस्तीनर्ण 850 चौ० फुट, रजिस्ट्री देत विलेख नं० 163/85 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी, सिकंदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

तारीख: 9-1-1986

## प्रकथ बाह् ,दी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986 निदेश सं० श्चार० ये० सी० नं० 710/85-486---श्चतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० यूनिट है, तथा जो करण सेंटर, दस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भूकार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उयस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, वर्धात् :---  मेसर्स उमा करण और ताज करण, 8-2-547 धरम मेनशन, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रोडा शहराब जलनवाला और श्री यस० के० जलनवाला, 148, वेस्ट परेड, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वीक्त सम्बत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त संबंधित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस तुम्मता के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिभ या तत्तं नंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध चिक्री अन्य व्यक्ति स्थाय अभोहत्ताक्षरी के पास चिक्रिय में किस्स का करेंगे।

स्यच्छीकरण: इसमें प्रमृत्त कर्जी जीर पर्दों का, जो उत्तर जीधींनवन, के बध्याय 20-क में वीरभावित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस बध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 406, जो, करण सेंटर, यस० डी० रोड़, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 850 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 161/85, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, सिकन्दराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक /9 जनवरी 1986

निदेश यं० ग्रार० ये० सी० नं० 711/85-86---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो करण सेंटर एस० डी॰ रो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफ्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिशी (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्च अंतरण सिचित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) विराप से हुई कियाँ बाब की बाबत्, दक्क वीधीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कर्नी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाब या किसी बन वा बन्ध आस्तिवाँ को, चिन्हें भारतीय वावकर विधिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनिवम, का धन-कर अधिनिवम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गय, नवा का या किया काना-प्राप्तिय वा, किया में बृहिया के किय;

नतः श्वा, उक्त अधिनियम कौ धारा 269 न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 न की उपधारा (1) के अधीन, निकासिक्त व्यक्तियों, अधीन, —— 1. भेमर्स ऊमाकरण और जोज करण, धरम मेनशन वंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. डा० बी० णंकर राव केरय श्राफ इ० यन० टी० नर्सिंग होम, करण मेंटर, यम० डी० रोड, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उन्त सम्बद्धि के अर्जन के संबंध में कोई भी अम्बोद :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की ताराध स 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भा जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के रावधन में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्प्रीत में हिए -बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताकारी क्ष्र -पात लिखित में किए वा सकेंगे।

पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, को उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, को उन्न अध्याय में टिया बय, हैं।

#### वन्स्थी

यूनिट नं० 11, प्राउण्ड फ्लोर, करण सेंटर, यस० डी० रोन, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 766 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 162/85, रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी, सिकन्दराबाद

्म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.------बारुकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० त्रार० ए० सी० नं० 712/85-86-- स्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसमें इसमें इसमें पश्यात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के निधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उषित बाबार भूक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो कृष्णा ग्रपार्टमेंट्स, तिलक रोड, में स्थित हे (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1985

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्षत्रमान मृतिकल के लिए कन्तरित की नई है और मृत्रे वह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का क्ष्यह प्रतिकत से मिथक है और बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया गवा महिंद-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अध्यारण वं हुए किसी आय की वायस, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के सर्वित्य में कमी करने वा उससे वष्टने में सुविधा के हैं बए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी थव वा अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय नायकर जीधीनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के सन्विधा के भिष्

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—
4—466 GI/85

- 1. श्रीमती टी॰ विजयलक्ष्मी पति श्री टी॰ जनारधन पि॰ डी॰ I क्वार्टर्स, बालानगर, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मोनि लचमन मेलवानी पति लचमन के० मेलवानी, 3-6-441, हारडीकर बाग, हीमायत-नगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

क्षेत्र वह बुचना बारी कर्छ पूर्वोक्य संपर्धित के वर्धन के जिल्ह कार्यवाहियां करता होत्।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिस् की बनीच मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की बनीच, वां भी जबीच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-वहुष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के शास निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनवन, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिना गवा है ।

#### वनसंची

पलैट कृष्णा अपार्टमेंट्स, घर नं० 4-1-938/म्रार०-16 ग्रौर म्रार०1-7, तिलक रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 775.71 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3498/85, रिजस्ट्रीकर्ती म्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अंगग रण,

तारीख: 9-1-1986

मोहर ३

## प्रस्य बार्ड .टी. एम . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### बारत कहत्वर

## कार्याज्य, सहायक जायकर जास्कत (निरुक्तिक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनाँक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 713/85-86-- ग्रतः म्,झे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है, तथा जो सुजाता ग्रपार्टमेंट्स, पद्मा गव नगर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पनदृह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के भेलए तय पाया पया प्रतिकृत, निम्नितिचित उद्देश्य से उदित अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविशा के लिए;

नतः बब उक्त विधिनियम का धारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- मेसर्स कमत्र रूप बिल्डर्म, बाइ मैनेनिंग पार्टनर,
   3-4-183, टोबेको वाजार, सिकंदराबाद।
   (ग्रन्तरक)
- श्री पी० वी० मुब्बा राव, 1-10-122/18/8,
   श्रणोक नगर, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना कीं तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### BUTT

पलैंट नं० 5, प्रथम तल, सुजाता म्रपार्टमेंट्स, पद्माराव नगर, सिकदरावाद, विस्तीर्ण 750 चौ० फुट, रजिस्ट्रीङत विलेख नं० 169/85, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, निकन्दरावाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 714/85-86--- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1'961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० घर है, तथा जो खेँरताबाद, हैदराबाद मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/1985

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्ष्यमा।
प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरक कन्तरण लिखित में वास्त-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किश्त नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंश के अधीन कर दोने के अंतरक औं बाबित्य में कभी कटने या उत्तवे बचने में सूर्तिवधा से सिए; बाह्य/बा
- (अ) एता किती बाब वा किती वन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः व्या, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री मोहम्मद ग्रमर बिन जंगविजयत मंजिल, बेगम-पेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. डा० श्रीमती स्वतंत्रकला मीता ग्रौर डा० (श्रीमती) मीट्टा शारदा, 16-2-661/ए, मलकपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्थन के सिद् कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक इं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों दें व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस बुज़ना के राज्यन में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्मारत में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति इंगरा स्थाहस्ताक्षरों के पास तिस्ति में किए वा सकों।

भिष्यक्तिरुपः - इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उक्क बीधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिव.

## वनस्यी

घर नं०  $6\rightarrow 3-1219$ , खैरताबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 600 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3231/285, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

मोहरः

## माक्य बार्'ं हो तुन् तुन :-----

## नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्थान

#### वारत वस्कार

## कार्यातय, सहायक बावकर बाब्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रार०ये०सीं० नं० 715/85-86--ग्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य . 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर का भाग है, जो खैरताबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 5/1985

कां पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नहीं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से बिधक है और बन्तरक (बन्तरका) बौर बन्तरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि बिल के बार के बिए तय सामा की वास्तरिक के बन्तरण के बिए तम कि बन्तरण कि बन्तरण के बन्तरण कि बन्तरण कि बन्तरण के बन्तरण कि बन्तरण के बन्तरण कि बन्तरण के बन्तरण कि बन्तरण कि बन्तरण के बन्तरण कि बन्तरण के बन्तरण के बन्तरण के बन्तरण कि बन्तरण के बन्तरण के

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनवन के दथीन कर दोने के बन्दरक के शदित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुन्दिया वे सिष्टा क्रीड/का
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को ज़िन्हें आद्वतीय वायक्द विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन कृद विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ जन्तद्विती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था जिपाने में सुविधा थी सिद;

वतः । व , उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरक में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क वधीन्, निम्निविषत स्थिनवर्षों अर्थात् हि—  श्री मोहम्मद साद बिन जंग विलायत मंजिल, बेगमपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

हरीश शहा पिता नारायणदास ग्रीर ग्रन्य, 1-2-122/यफ०, दोमलगूडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

म्बी मृह्य सूचना बारी करके प्रशास्त सम्परित से अर्थन के निष्यु कार्यनाहियां करता हुए।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ा

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

#### अनु**सूची**

प्रिमीसिस का भाग, घर नं० 6-3-1219, खैरताबाद हैदराबाद, विस्तीर्ण 592 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3232/85, रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस :-----

# बायकर त्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धान्त 269-व (1) के बचीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986 निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 716/85-86--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर विविवयं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरों इसके श्रम्थाल् 'उक्त विधिवयं कहा गया हैं), की भारा 269-स के अवीन सक्षय प्राधिकारी की यह विष्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धि, विस्का अविक बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो अरुण अपार्टमेंट्स, रेड हिल्स, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 5/1985

को पूर्वोक्त संस्पत्ति को उचित बाजार मृत्य है कार के स्वयमाण गितफल को लिए अन्तरित की गई है जोर बहु निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार कुन्य, उपके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्रवमान प्रतिकल का क्ष्माह प्रतिकत से बाजिक है और जंकरक (अंतरका) जार संसरिती (अन्तरिक्षा) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाना बना क्ष्मालक, निकासिक्त स्वयोगों से स्वत बन्धरण कि विश्वित में नास्त्रिक क्य से स्वित्य महीं किया क्या है

- (का) करवाह्म से हुए फिसी बाग की बावब करत क्षिक रिवास में क्षीप कर दोने के बच्चरक के दायित्व में कार्य बहुत मा क्यरी क्ष्म में स्विभा के विद्युः कीरा/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिर्ति ब्वारा प्रकट नहीं किया समा का का किया जाना चाहित था, किया में ब्रियम के खिए;

मातः भाग उपर स्पिनियम की पाछा 269-म के अवस्थर में, मैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—

 मैं तर्स सनराइज बिल्डर्स, 11-5-348, रेड हिल्न, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री एम० वी० प्रकाश राव, 1-1-230/6, विवेक नगर, हैदराबाद-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कावचाहियां करता हूं।

क्या सम्मात के नर्यम के सम्मान में बीहां भी वाधांप :---

- (क) इस ब्रुचना के राजपन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन नहीं जनीन या तत्संघंची व्यक्तियों पर तृष्या की ताबील से 30 दिन की सर्वाप, जो भी स्वाप वास में सनाप्त होती हो, के बीतर प्रॉक्स व्यक्तियों में से किसी क्यूनिस दुसरा;
- (क) इस सूचना ने राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के जीवर उक्त स्थायर सम्पत्ति में ड्रिय-सद्द्रभ कि.सी शन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताकारी में रास निश्चित में किन्छ वा स्कर्ण।

#### वन्स्ची

पलैट अरुण अपार्टमेंट्स, नं० 712: रेड हिल्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 65 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2885/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, **है**दराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिभांक 9 जनवरी 1986

भिदेश सं० आर० ये० सी० नं० 717/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ला मं० पलैट नं० है, तथा जो धरम करण रोड, अमी पेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिल्लीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजिल्लीकरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन, नारीख 5/1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ल) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेसर्स एघुनाथ राव आसोसियेट्स, बाई मैनेजिंग पार्टभर, एम० रघु नाथ राव, 7-1-78, धरम करण रोड, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अनुतम दास केपर आफ ए० यन० दास, मेघा म गइ. फ्लैट 10-डी०-1, 18/3, गरीयाहट, रोड़, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसूची

पलैट प्रयम नल, धरम करण रोड, यस० नं० 78. अमीरपेट. हेइराबाद, विस्तीर्ण, 1161 चौ० फु०, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3519/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 718/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो यसीयन अपार्टमेंट्स, ए० सी० गार्डंम में स्थिन है (ग्रौर इनमे उपावद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

गिसंस हैदराबाद विल्ड्स वाई मैनेजिंग पार्टभर यत्र० हमनुमंता राव, 11-4-623, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एम० विजेदर, 16-2-145/4, मलकपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 403: ब्लाक बी० यसीयम अपार्टमेंट्स, घर नं० 11-4-623, ए० मी० गार्डस, हैदराबाद, विस्तीर्णं 1075 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1396/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधियारी, खैश्नाबादं।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

## प्रकल बार्दः, टी...एन्. एस.. -----

शायकर विभिनिषय, 1961 (195; का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन स्चना

#### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 719/85-86--अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र शाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो भाग्य नगर, कन्स्ट्रकणन को० रोड़ हिल्स, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई/1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन किन्निकित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न

1. मेसर्स भाग्यनगर कन्स्ट्रवशन को०, 11-4-656/1, रोड हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री आर० वी० राजन पिता एन० रामसूपमन्यम, ब्रियावन अपार्टमेट्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

की बह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यनान्नियां करता हो।

#### नक्त सम्पत्ति के प्रवान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वर्षा हैं।

#### वनस्वी

पलैट नं० 509, ब्लाफ बी० ब्रिंदाना अपार्टमेट्स, रोड हिल्स, नामान्ली लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 816 चौ० कुटट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1390/85, रिजिस्ट्री ली अधि-कारी खैरताबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त अन्तुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं 720/85-86--ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसके परचातु 'उक्त बिधीायम' कहा गया ह"), की धारा 269-इ के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रत. से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि ग्रौर इमारत है जो, जे० पी० यन० रोड, में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन्म्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वरंगल मेंभारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक मई-1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बार की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के ितए;

अतः अव , त्यन अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण में , में , उक्त अिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मिलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--5---466 GI/85

(1) श्री यम० नंर्टेय्या पिता सदाशिवय्या, 8/985/5 जेपियन रोड, वरंगल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मती पि० नाग लक्ष्मी मुर्ती 8/654 स्टेशन रो७, वरंगल।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

#### स्वतं क्ष

घर नं० 8-7-126 एम० सी० नं० 8/633) जि० पि० यन० रोड वरंगल विष्तीर्ण भूमि 33.37 ची० गज रिजप्ट्रीकृत विलेख नं० 929/85 रिजट्रीकृती ग्रिधिकारी वरंगल

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक :- 9/1/1986 मोहर:

## मक्य बार्च , टी. एत एस

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### भारत स्रकाड

कार्यालय, तहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी 1986

निर्देण सं० म्रार० ये० मी० नं० 721/8 5-8 6--म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षिक परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदवास करने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर है जो, जें० पी० यन० रोड, में स्थित है (स्रौर इसमे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय वरंगल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक मई 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाषवाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिञ्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधीनवस के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के बिए; क्टिंग
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय बायकर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अधिनियम, या धनकर बिधनियम, या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए वा कियाने से सुविधा के लिए;

रूत: अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ जधीर निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) बि॰ वेंकटथ्या पिता लक्ष्मी या॰ (2) वि॰ प्रमित्रा पति वेंकट्य्या, पापयापेट चमन, 12-4-86 वरंगल
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जेगदीश प्रसाद पिता श्रीकीशन ऊपाध्याल (2) श्रीमती शांता देवी पति श्री हिकशन घर नं० 8/1073, वरंगल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रों क्य सम्मत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उनद तुम्पति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेष् ३---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी विषि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकांगे

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस बध्याय में दिया वबा है।

### **अनुसूची**

घर नं० 9-8-74 जे० पी० यन रोड वरंगल वितीर्ण 122 चौ० गज रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 971/85 रजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी वरंग**ल** 

> एन० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन, रेंज हैदराबद

दिनांक: 9-1-86

मोहर 🚁

प्ररूप बाई ु टी ु एत ु एत ु-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के नभीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ये०सी० नं० 770/85-86-- ग्रतः मुझे, एम० जागन मोहन,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है जो पाटामाटा, विजय वाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय

विजयवाना मे भारतीय राजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मई 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल क लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तव्यामा वया प्रतिफल, निम्निजिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में शास्त्रविक स्प से कृषित नहीं किया वया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त बाँध-नियम के बधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या जबने बचने में सुविधा के लिये; बीए मा
- ्ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) अधिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा मा किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

- (1) मेसर्स पि॰ ग्रार॰ फैमीली ट्रस्ट बाई ट्रस्टी।
  (1) श्री पि॰ पट्टाभीरामाराव पिता सूब्बाराव
  (2) श्रीमती पि॰ राजलक्ष्मी पित पि॰ रामाराव, कस्तूरी बाई पेट, विजयवाडा।
  (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० वेंकटराम पिता ए० मधुराप्रसाद, पाटामाटा, विजयवाडा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारण की तारीख है 45 दिन की जबिध या लुस्संबर्ण व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की जबिध. जो भी जबिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा:
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### नव्स्वी

ए० फ्लेट प्रेमिसेस श्री पि० पट्टाभीरामाराव पाटामाटा, विजयवाडा, विस्तीर्ण 800 चौ० फुट रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3002/85, र्राजस्ट्रीकृतां अधिकारी, विजयवाडा।

एम० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 9-1-1986

मोहर ः

## प्रक्ष बार्द : टी : ६म : एड :-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० म्रार० ये० सी० नं०/771/85-86--म्रत: मुझे. एम० जगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्ति सं० घर है जो सामेटावारी स्ट्रीट, विजयवाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें दृश्यमान प्रतिगल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बनारण से हुई किसी बाव की बावत सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से शीयत्व में कमी करने या उससे बज़ने में कृषिक के 'लए; बारू/या
- (क) एसी किसी जाब वा किसी भव वा बन्य वास्तियां को जिन्हों भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनयम, या धन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया "जा चाहिए था, खिपाने में सुविधा के खिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धास 269-ग कं अनुसर्थ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित् व्यक्तिसीं, इन्होत् क्र— (1) श्री के॰ ग्रादीनारायणा मूर्ती पिता के॰ राजेब शर्मा, पाटामाटा विजयवाडा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सुजाता पति पेदा ब्रम्हम प्रोप्क्क्स, श्री अंजनयाविलोस, मौला पंजा स्ट्रीट, विजयवाडा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप क्ष-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अजिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पार विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होरा का रस अध्याय में दिया नया है।

## **मनुसूची**

डी॰ नं॰ 11-13-34, सामेटावरी स्ट्रीट, विजयवाडा, विस्तीर्ण 318 चौ॰ गज, विलेख नं॰ 3167/85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विजयवाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-1-1986

# इस्य गाइं.डी.एन.एव..---

# नाथकर विभिनियम, 1961 (1961 स्त 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

### HILL SEGE

# कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० /772-85-86--श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसके इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है जो, लक्ष्मी दुर्गा ग्राग्रहारम विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1985

- (क) बन्तरण वे हुइं किसी ब्राय की बावए, जनत बीधीलयर के अभीन कर दोने के बन्तरक के करित्य में कमी क्रदुने वा उसने बचने में जुनिधा के सिद्ध: क्रीट/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी यन वा अण्य कारिकाणीं को जिन्हों भारतीय बायकह विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने ये सुविधा में किया

शक्तः अस्त , उत्तर विधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरफ बाँ, बाँ, उत्तर विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निकालि**किए व्यक्तियों, अर्थाह क्रा** 

- (1) श्रीमती जी० वेंकटरत्नम्मा पति लेट सीम्हाचला रेड्डी, दुर्गा प्रत्यहारम, कोका चलपतीराव रोड, विजयवाडा (श्रन्तरक)
- ('2) डॉ॰ व्ही अगन मोहन राव, पिता ग्रानन्द राव, दुर्गा ग्राग्रहारम, मोगलराजपूरम, विजयवाडा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पर्देत के अर्जन के क्रिष्ट्र कार्यवाहियां करता हुं।

हक्द सम्बद्धि के सर्वन के संबंध में कोई भी नासंब :---

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो नी अवधि नास में समाप्त होती हो, के नीतर क्यों पस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ब) इस बुक्ता के राज्यक में प्रकाशक की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताशरी के पास सिसित में किए या सकने।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उत्कर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिशायिक ही, वहीं अर्थ होगा को उत्क संख्याय में विका नवा ही।

### धनुसूची

घर नं० 30-5-10, दुर्गा ग्राग्रहारम, कोका चलपतीराव रोड, विजयवाडा, विस्तीर्ण 275, चौ० गज । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3351/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहत सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-1-1986

## प्रक्ष्य बार्' दी प्रव प्रव .----

# नायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 289-व (1) ने वशीन स्वता

#### गाउठ चरकार

## बत्यांक्य, सहायक बाबकर बावक (विरोधक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश स० ग्रार० ए० सी० नं०/771/85-86--ग्रतः मझ, एम० जगन मोहन,

कावकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पर्यात् 'उक्त विधिनयम' कहा वया ही, की सम्बा 269-क है अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से संधिक है

ग्रीर िमकी स० घर है जो मोझीयम रोड, गव्हरनरपेट, विजयवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण एप से विजयवाडा में भारतीय रिस्ट्रोक्षरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 ा 16) के ग्रिधीन दिनांव मई 1985

को पूर्वोंका सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितंकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह जिल्लाव करने का कारण है कि वथापूर्वोंकत संपर्तित का उचित बाचार मूल्य, उक्के दश्यमान प्रतिफल से, एके क्षवमान प्रतिफल का वंक्ष्य प्रतिकात से लिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के नीय एसे अन्तरण के निष् तब पावा गया प्रतिक का दिस्तिविक ज्यादित व व्यवस्था से उच्या क्षया है है—

- (%) अन्तरण त इन्तर्ग निक्यों साथ की बायपा, उपक अधिनित्त के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्य में क्यों करने वा लग्नदे वसने में कृतिया के किए; बॉर/मः
- (ख) एसी मैक सी काम या किसी यन वा बण्य वारिक्यों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्रशासनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया प्रसा था वा किया जाना वाहिए, था, कियाने में अधिका के किए;

हता वय उक्त विधितयम की धारा 269-न वे सन्बद्धन को, मी, अस्त अधितियम की धारा 269-न की उपभाद्ध (1) के अधीत, निम्निसिक्क अधित्यों, समीत '----

- (1) श्री एम० सुर्याप्रकाश राव पिता लेट लक्ष्मीनारायण शर्मा ग्रीर ग्रन्य 7 म्यूझीयम रोड, गव्हरनपेट, विजयवाडा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० पार्धसारथी पिता कनकारत्नम, गव्हरनपेट विजयवाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये कार्यवाहियां करता हुं।

## बन्त बन्दित के अर्बन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप हु----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वास्ति है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधेहरताक्षरी के पास तिवित्त में किए वा सर्वाचे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-5 में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याय में दिना क्या है।

#### वनसर्व

घर नं० 125/23 म्युझीयम रोड, गव्हरनपेट, विजयवाडा विस्तीर्ण 167, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3318/ 85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-1-1986

## प्रस्प बार्ड . टी . स्व . एस .----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन स्पना

## शास्त्र सरकार

## कार्याच्य, सहायक जायकर वनवृक्त (विरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० म्रार० ये० सी० नं०/774/85-86---ग्रन: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर बिधीनवम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00000/- रा. से बिधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट है जो, न दनम अपार्टमेटसह, नामपल्लो, स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के जार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्र/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतंत्र जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स नंदनम कंस्ट्रक शन्स को० बाई श्री पि० शिवा कुमार रेड्डी, फतेह सुलतान लेन० नामपल्ली, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मती सी० सुशोला पित मी० थोमा रेड्डी श्रीर श्रन्य 5-8-42, नामपल्लो, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

का वह त्या वारी करके पृथा कर सपरित के वर्षन के लिए कार्यवादियां करता हो।

क्यत बम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की स्वृद्धित या तरवान्त्रभी न्यतिस्ता पूर स्थान की ताबील से 30 दिन की वनिथा, वो भी कर्रीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर न्यतिस्ता में से किसी न्यतिस स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शींचर उक्त स्थान्त सम्पत्ति में हितनकृष किती जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी से पास निविद्य में किए जा सकों ने।

स्पष्टीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्र**नुसूची

फ्लेट सी॰ 604/64 नंदनम ग्रपार्टमेंट्स, फतेह, सुलतान लेन, नामपल्लो, विस्नीर्न 1000 चौ॰ फुट, रिजस्ट्रोकृत विलेख नं॰ 3199/85, रिजस्ट्रोकृती ग्रधि हारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन पक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर शायका (निरोक्षण)

दिनांक: 9-1-1986

प्रकृप बाई. टी. एन. एस. - - -

वाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिक)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं०-775/85-86-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), को धारा 769-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1+00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैंट है जो, नंदनम श्रपार्टमेंटस, नामपल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई 1985

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के नन्द्र प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तथ पांचा गया प्रतिकल, निम्नीकृषित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—-

- (क) वन्तरन वे हुई किसी बाय की बाबता, उक्त विधिवयन के बधीय कर दोने के अन्तरक की बायरन में कमी करने या उससे वचने में स्थिश के बायर बार्डिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १९५० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का प्रांतिकार कर अधिनियम, 1957 (1957 का प्रांतिकार कर अधिनियम, 1957 (1957 का प्रांतिकार कर अधिनियम, विकास कर अधिनियम, विकास कर अधिनियम का प्रांतिकार कर अधिनियम जाना चाहिए था छिपानी में विकास कर के लिए;

बतः बन, उक्त बर्धिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) मे भर्म नंदनम कन्स्ट्रक्शन को० बाई श्री पि० जिवकुमार रेड्डी फतेह सुलतान लेन, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० पद्भनाथ रेड्डी पिता ए० क्रीप्णा रेड्डी दिन्या नगर, वालाडु पोस्ट झॉफिस, गुडूर ताशूक जिला नेलीर।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट अविदारों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास- लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योक्षरण:- ३सम । एक्स शब्दों और पदों का, जो उक्स विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाविक हो, ३ही पूर्व श्रीता के उम अध्याय में दिश प्रवाही।

## अनुस्की

पलेट नं० सी- 906/87 नंदनम ग्रपार्टमेंट्स नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1235 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3200/85, रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्रावि सरी महायक ग्रायकर सायुक्त (निरीक्षण) -ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिवां : 9-1-1986 मोहर

# प्रस्य बारं .. टॉ. एन ., एस . -----

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के न्धीन त्युना

#### बारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दीक्रण)

म्रर्जन रेंग, हैदरावाद हैदरावाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं०  $776_l = 5-86-$  ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० फ्लेट है जो, मात श्री ग्रपार्टमेंटस, हैदरगूड़ा हैदाराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता प्रधिकारी के कार्यालय में चिक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधित्तम 1908 (1908 द्या 16) के ग्रधीन दिनांक मई-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पत्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित्र में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में यदिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6---466 ©1/85

(1) मेन्सं रंगा प्रमाद ग्रौर को० बाई मूनेंजीग पार्टनर श्री प्रसाद, 276/3 ारटी० संजीवा-रेड्डी नगर हैदरावाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वि० शास्त्री, जी पिए श्री शास्त्री 1-8 222-20,2, चीक्दःडपल्ली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

# की यह सूचना बार्री करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन । को राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीवर जक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हो।

### अनुस्ची

फ्लेट ए० 203, मातृ श्री ग्रपार्टमेंटस, घर नं० 3, 5-573 हैदरग्डा हैदरावाद, विस्तीर्ण 1150 चौ० फुट, चीक्रडपल्ली।

एम० जगन मोहन गक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायङ र ऋष्युक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज, हैदराबाद

दिनांदा: 9-1-1986

मोहर 🖁

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.,-----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्ट (निरक्षिण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां ? 9 ननवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं/777/85 86--ग्रत<sup>.</sup> मुझे, एम० जगन मोहन **गबकर अधिनियम, 1**961 (1961 का 43) **(जिसे इसमे** 

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट है जो श्रीनाथ कम्पलेक्स, एम० ही० रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीवकारी के कार्यालय सिकंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीविनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रावीन दिनाक मई 1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयत्त-कर अधिनियम, 1922 । १३३३ वर्ग को का कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्न के लिए:

भत. अब, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) हे अभीन, निम्निलिखित र किल्लामें, खर्थात् :— (!) श्रीमिति सी० सुलोचना, 3-4-526/आई/ए, बरवन पूरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री बालूमल फ्लेट नं० 1005, घर नं० 1-1-58/1, से 58/11 श्री नाथ प्रिमलेक्स, एस० डा० रोड, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

पलेट नं० 1005, प्रेमीसेम नं० 1-1-58/1, से 58/11, श्री नाथ दम्पलेक्स एस० डी० रोड, सिकंदराबाद. विस्तीण 1000 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 182/85 रिजस्ट्रीवर्ता श्रिश्वारों स्किंदराबाद।

गम० जगन मोहन सक्षम प्राधिवारी महायक अध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांवः: 9-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986 निर्देश सं. ग्रार० ए० सी०नं०/778/85-86--ग्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट है जो चंद्रलोक कम्पलेक्स एस० डी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता , ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म् ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत. अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, वर्भात् ह--

- (1) श्री जी० व्ही० संजय पिता जी० व्ही० कृष्णा रेड्डी, 6-3-1089/ए/5, सोमाजीगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो पि० व्ही० जे० वर्मा पिता पि० व्ही० राज्, बी/2/3, चंद्रलोक कम्पलेक्स, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस **सं** 45 दिन की अवधिया तल्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र हैं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ' गया है।

# **ग्र**न्सूची

ए फ्लेट, घर नं० 1-7/234-241, एस० डी० रोड, चंद्रलोक काम्पलेक्स, सिकंदराबाद विस्तीर्ण 1170 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3517/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-1-1986

# त्रक्य बाइं टी. एव . एव . -----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्थान

#### मारत नरकार

# गार्वासयः बहारन पावसर पावृत्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेंत्र, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांव 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं०/779/85-86--ग्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइण हैं कि स्थावर संपरित, विश्वका उचिन्न बाबार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० फ्लेट है जो, हिमायत के नगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इमसे उपाब इ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रो जो श्रीय गरी के कार्यालय चीक्कडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्री जरण श्रीधिनियम 1908 (1908 ा 16) के श्रीधीन दिना मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित नाजार मून्य से कम के सायबाध मित्रफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का स्विक्त नावार नृत्य, उसके स्रमान प्रतिफल सं, एसे स्थान प्रतिकल का बंदह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंबदिसी (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरक के किए हद पाया द्या प्रतिक का निम्नितियों) के नीच एसे अन्तरक के किए हद पाया व्या प्रतिक का निम्नितियों उद्देश से उस्त वस्तरक कि किए हद पाया व्या प्रतिक का निम्नितियों उद्देश से उस्त वस्तरित कि का स्थान कर ने सम्बन्ध मही स्थान स्था है हम्म

- (क) जन्मरण वे हुई किसी बाय की बावत शक्त अधि-विवय के ब्योग कड़ वेने के बन्तरक के दावित्व में क्यी कड़ने वा स्थले ब्योग में सुरिष्ण के चित्र; ब्योडिया
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय बाब-कर अधिविधम, 1922 (1922 का 11) या उनत बॉधीनयम, 4, धन कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिनाने में स्विधा के बिए।

वतः स्व उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बड़ीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1)श्री एमॅ० विनाय ेपिना एम० गोविंद रख. 3/4/536, वरसतपुरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरवः)

(2) श्रो डों० छण्णा मृति पिता मुनुस्वामी, एल० थ्राड० सी० बॅन्च मैंनेजर कडप्पा, ए० पि०। (अन्तरिनी)

को यह स्पना जारी करके पूर्वीक्त संपरित से नर्जन के सिष् कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त राम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पच्टीक रण:--इसमें प्रयंक्त कव्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस नध्याय में दिका गया है।

## **अनुसूची**

फ्लेट घर नं० 3-5-585 और 586, हिमायतनगर, हैदरा-बाद, विस्तीर्ण 1006, चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 784/85, रिजस्ट्रीकर्ती ग्रंबिकारी चीक्व डिपल्ली ।

> एम० जगन मेहिन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख . 9-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 9जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सं।० नं० 780/85-86-- ग्रतः मुझे. एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कां 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० घर है, तथा जो बोगलकंट्टा में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंत्ररक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अब, उक्त अभिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री के० बी० सदानन्द पिताश्री के० भूषण ग्रौट ग्रन्य। चर्च हाउस, ग्रोल्ड बूशेण लेन, सिकन्दराबाद ए० पी०।

(श्रन्तरक)

(2) मेथोडिस्ट चर्च बाइ एम० स्टेनली पीटर, मेथाडिस्ट चर्च विकाराबाद रेजीडेन्न ग्रॉफ 4-1-1044, बोगूलकंट्टा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना आगं करकं पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उनत सम्पत्ति के अर्जन के पंबंध हो कोई भी आक्षेप .....

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

घर नं० 4-1-1045, बोगूलकंट्टा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 2232 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2886/85, रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जगनन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) स्रर्जनरेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

# प्रक्ष बाइं, टी. एन. एस : = - - ---

# बायकर जिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-म (1) के नमीन स्पना

#### पार्त सहकार

कार्याजय, सहायक आयकर आमृक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रें ज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनॉक 9 जनवरी, 1986

निदेण सं० श्रार० ए० सी० नं० 781,85-86- - श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं विष्य है, तथा जो जउली बाजार में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण हप से विण्य है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय. पालमनेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय. पालमनेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय. पालमनेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1985 कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिबक रूप से किंगत नहीं किया गया है :---

- (क) कन्तरण ते हुई किसी बाय की बावस्ता वक्क बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बाँगरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बार्ट या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी पन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय त्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के विषय
- गतः वन, उत्तत विधिनियम की भारा 269-म के बन्बरय वें, में, उत्तत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वर्धाः, निम्नसिवित व्यक्तिये ब्रथांच ड्र—

- (1) श्री पी० कृष्णा शेट्टी पिता श्री संदेपा शेट्टी , 61, पृट्टना रोड़, बागवान गडी, बंगलोर । (अन्तरक)
- (2) श्री जी० रेड्ड्पा शेट्टी 19-50, बाजार स्ट्रीट, पालमनेक पोस्ट ग्राफिस-चित्तूर जिला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उनत सम्पत्ति के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्याय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा क्थोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

घर नं० 16-41, जउली बाजार, पालमनेर, चित्तूर जिला, 195 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1204/85, रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी, पालमनेर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

मुख्य बाइं.टी. ६न्. एस . ----

बाशकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### बाउट सरकार

# कार्यातय, सहायक जायकार जागुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जनरेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 782/85-86-- ग्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० घर है, तथा जो चीक्फडपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुनुची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चीक्कडपल्ली, भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1985

को प्रवोक्त स्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यामान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर्च के लिए तम पाया नवा प्रतिक कल, निम्नितिबित उद्देश्य से उन्त बन्तरण लिखित में वास्त्विक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है ह--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के व्यक्तिस्तु में कनी करने वा उन्हों क्लूने में बुविधा के जिए; श्रीड/वा
- (ख) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को बिन्हों भारतीय बाब-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धवकर वृद्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना वा वा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में कृतिका के किए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रक्त

- (1) श्री कार सजीव। राव पिता स्वर्थाः ए र राजन ग्रोर ग्रन्य, 8-3-22/27, सेकेन्ड वाजार, सिकन्दराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० वेकटा पिता श्री ब्रह्मा ग्रोर श्रन्य, 1-8-434/2, चीक्कड़पल्ली, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुक् करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏣

- (क) इस तपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सापित्त में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए वा सकोगें।

स्यव्हीकरण :—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में उरिभाषित है, बहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनस्यी

घर न० 1-8-434/2, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 269.11 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख स० 647/85, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

> ण्म० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख ' 9-1-1986 मोहर:

# मस्य भावं ही एन प्र

# बाब्कर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्योग क्यांग

#### MET BETTE

# कार्यासद, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 783/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' व्यहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं व्युनिट है, जो एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिबिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5 मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतपाल के लिए अन्तरित की पद् हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापुर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मृत्य उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विम्नसिवित स्व्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में शास्तांवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) बन्तरक सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बीधनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के स्विद्य में क्यों कर्त वा स्वस्ते बचने में बुविधा क लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया वाना चाहिए था, छिपाने में तिया वे विधा के विधा

कतः जब, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-व व बनुसरण , क्रॅं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपपास (1) क्रमीन क्रियानिसित व्यक्तियों, सर्थात् ह्यान (1) मेनर्स ऊमाकरण ग्रौर तेजकरण धरम मेनशन, वंजारा हील्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एम० नटराज,
 10-3-85/3/4, फनडिजि, मंजिल,
 मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तर्राता)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

## उक्क सम्बद्धित के वर्षक के सम्बन्ध में कोई भी बाखेर्य ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बुचना की वामीन से 30 दिन की बविध से भी अव्यक्ति बाद में समस्य होती हो, के नीतर प्रविस्थ व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के रावधन में प्रकाशन की आरीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित्तबहुध किसी बन्य स्थित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा स्कींगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्स्ची**

यूनिट 207, करण मेन्टर, एम० पी० रोड, सिकन्दरावाद, घर नं० 1-2-17 से 24, सिकन्दरावाद, विस्तीर्ण 850 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृन विलेख सं० 175/85, रिजस्ट्रीकृती श्रिधिकारी, मिकन्दरावाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- हैदराबाद

नारीख: 9-1-1986

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 784/85-86-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले एसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-उ. से अधिक है

ग्रौर जिसको स० भूमि है, जो भवानीपुरम विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यकार प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और सभे गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के कन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया गवा है :---

- (क) बन्तरण ते हुई फिली बाय की बाबदा, उक्त मिनियम के लधीन कर दोने के बन्तरक के वाकित्व में कमी करने या उससे अधने में मृतिधा अंसिष्ट, बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को शिवहाँ भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रेशेजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था अ जिज्या जाना थाहिए था, ख्रिपाने में मृतिका के एक्

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 7—466 DI/85

- (1) श्री जी० कोटेस्वर राव पिता श्री नरसैंय्या गड्डामुनु विलेज, र्थे श्री एम० नागेश्वर राव पिता श्री वेंकेटेश्वर राव, कोंडूरू विलेज, मयलावरम तालुक, जिला कृष्णा। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स कुल्पावारे हाउजाँग कारपोरेशन बाई पार्टनर श्री शहा हेरा मणिक लाल, विजयवाडा-1

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त मध्यक्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बीद में संमाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पार निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पृत्व किरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्बों और पर्दा का, बो उक्त बाँचनिवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा बो उस अध्याय में दिशा गया हैं।



विस्तीर्ण भूमि 1067 चौ० गज ग्रौर 1021 चौ० गज, ग्रारयस न० 72/3, भवानीपुरम, विजयवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3372/85 ग्रौर 3370/85 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजनरेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

बायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के समीन सुन्ना

#### गारत महस्राह

# **धार्वासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी, 1986

निदेश मं० त्रार० ए० सी० नं० 785/85-86-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन अक्षत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर है, तथा जो स्रारूणदलपट, गुटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, के कार्यालय, गुटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1985

को बुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ए हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ शका गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त जन्तरथ लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं है—

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत, उनत बिध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, फिलाने में स्विधा के लिए;

केंक क्य, उन्तर अधिनियम की धारा 269-व के बन्सरण में, में उन्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० रवीन्द्र नाथ पिता श्री वेंकटचलपती राव ग्रीर ग्रन्य 2, प्रारूणदलपेट, गुट्र ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राई जयप्रकाश नारायण पिता वेंकेटया, पट्टाइगुडम, चीत्तलपुडी तालुक जिला-गोदावरी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

बक्त सम्मृतित के मर्जन के सम्बन्ध में साई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनयम के अध्याय 20-क में परिश्रापिट हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्सूची

घर नं० 6-6-73, स्रारूणदलपेट, गुटूर, वितीर्ण 250 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 5072/85, रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी गुटुर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी, 1986

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 786/85-86-- म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बावकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (चिखे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त जीधीनयम' कहा नवा हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित. जिसका उचित बाजार मस्ब 1,06,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर है, तथा जो श्रारूणदलपट गुटूर में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिध कारी के कार्यालय, गुटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1903 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1985 को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के असमान शितकल के बिए अन्तरित की गई है और मून्ने, यह जिल्लास शितकल के बिए अन्तरित की गई है और मून्ने, यह जिल्लास क्रियन का उचित्त बाजार कृत्य, रिक्ने स्वयमान प्रतिकत से, एेंचे अन्वान प्रतिकत का पंत्रह शितकल का पंत्रह प्रतिकत से जिथक है और अंवरक (अंतरका) और अंवरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वित्तकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण बिबित में बास्टरीक रूप में किया वया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की बन्तरक के वादित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; की क्ष/का
- (क) हंती किसी बाव वा किसी वन या कर्य वास्तिकों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर वीपनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, सा वस-कर वीपनिवस, सा वस-कर वीपनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वसा या वा किया चाना चाहिए था, खिनाने में वसिका के खिद्दा

करः कष्ण, उक्त विधिनयम की धारा 269-न के बनुसरण क्षें, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वर्धांग्र. निम्नीविधित व्यक्तियों, वर्षात् ब्र— (1) श्रोमित एस० वीरा राघवम्मप पित वेंकटरामय्या, 2. श्री एस० विरा राघवय्या पिता वेंकटराम्या, लालापट, गुटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वार शेखर राव पिता राघवय्या, श्रपोजिटः छुण्ण महल सिनेमा थियेटर, लालापेट, गृटुर।

(ग्रन्तरिती)

को वह बुचना चारी कस्के प्रवेक्त सम्पति के वर्षन के किस् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में क्रोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के समयन में प्रकारन की ताड़ीय से 45 दिन की स्वीत या तत्स्वन्ती व्यक्तिक्यों द्वा स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी क्वाधि बाद में समस्त होती हो, के भीतर प्नोंक्त व्यक्तिक्यों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इस क्षम के समयम में प्रकारन की तारीज से 45 विक के श्रीवर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हिस्सकृत विक्ती कृत्य न्यातित दुवास व्याहरताकडी के शक् रिक्ति में किए या स्वाहरी।

स्पन्दीक रुण: --- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का., से उन्ध विभिन्निया, के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, दहीं वर्ष होना, से उन्न वध्याय में दिया क्या ही।

## अमृस्ची

घर नं ० 12-29-51,, ब्रारूणदलपेट, गुटूर, वितीर्ण 316 चौ ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 5345, 85, रजिस्ट्रीकर्ता ब्रिधकारी, गुटूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

प्रारूप बाई .टी . एन . एस . -----

नाजकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के नधीन सुचका

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आधकार आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जनरें ज, हैदराबिद

हैदराबाद, दिनाँक 9 जनवरी, 1986

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 787, 85-86--- श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नामकर निर्भागन 1961 (1961 नम 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त निर्मानम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के नभीन सक्तम प्रतिभक्तरी को यह निरमास करने का कारण है कि त्थानर सम्मित जिस्सा उपन गाणार मूल्य 1,00,000/- क. से नौथक हैं

श्रीर जिसकी सं विषे हैं, तथा जो चन्द्र मौली नगर, गुटूर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाचार मृस्य से कम के रश्यमान शितकल के लिए अन्तर्धिक की नई है और कुक यह किस्तान करने का कारण है कि स्थान्तिक सम्पत्ति का अधिक का प्रतिकृत से अधिक है और अंवरक (अंवरका) और अंवरिक्त (अन्तरित्याँ) के बीच एवं अन्तरण के निए तय पाया गया शितकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित म

- (क) बन्तरम् वं हुइं किवी वास् की वास्त , उपस् वीधृतित्य के वधीन कर दाने के ब्लाह्रक के वादित्य में कमी करने या उससे वसने में बृद्रिया के सिए: बॉर्ड या
- (थ) ऐसी किसी जाब वा किसी धन या जन्य जिस्ता को, जिल्हें भारतीय जाय-कर जिथिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनिवस, या धनकर विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए?

(1) श्री व्ही० कामेश्वर राव पिता नरसैया पंगरीपुरम, गुंटूर, जिला—गुंटूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० सतीण बाबू पिता भय्था, लक्ष्मीपुरम, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंकत सपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुच करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेष :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध मा तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिचित्र में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिमेकरणः — इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर नं० 5-87-70, चन्द्रभौचीनगर, फन्ट लेन, गुंटूर विस्तीर्ण 492 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत वितेख गं० 4920, 85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी गुंट्र ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज. हैदराबाद

नतः अथ, उनत निधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण मा, मी, उनत निधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीय, निम्निविचित व्यक्तियों नथात् :---

्तारीख : 9-1-1986 -----

मोहर .

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

भिर्देश सं० आर०ये० सी० नं०/788/85-86--अतः मुझे एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस्ति मं० भूमि है जो, आपिचरडला विलेज, गूरझाला तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीटर्ता अधिकारी के कार्यालय गूरझाला में भारतीय रिजस्ट्रीटरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई-1985

कर पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्क प्रक्रिय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य ते उक्त बन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरण सं हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उसने में स्विधा के लिए: भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था छिपाने भें सुविधा के लिए?

अतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 260-ग के अनकरण के, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-क ची उपकारा (क्री के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धन

- (1) श्री बि॰ सुब्बा राव, पिता सीदय्या करमपूडी, गूरजाला चलुक, गूंटुर जिला।
  - (अन्तरक)
- (2) श्री वि० आनंत रामय्या पिता बूचय्या और अन्य, ग्रांपिचरला विलेज, गंरजला तालूक, जिला गूंटूर,

(अन्तरिती)

को थह सूचना बारो करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्दीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम् के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

## **ग्रनुसूची**

विस्तीर्ण भूमि 1107 चौ० गज, राइस ग्रौर फ्लोअर मिल के माथ आपिचरला विलेज, गरजला तालूम, जिला गूटूर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1485/85, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी गराजना।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनां क :- 9-1-1986 मोहर : प्रक्ष बाइं.टी.एन .एस . -----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986 निर्देश सं० आर० ये० मी० नं०/789/85-86--अतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० घर है जो, लक्ष्मी पूरम, गूंटूर में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध स्रन्सुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिमारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनाक मई-1985

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई निक्सी बाय की, बाबत, डक्स शिविनयप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सुविधा के लिए;

(1) डॉ० जे० वेकटस्वरलू पिता कोटय्या, अब यू० यस०ए० में बाई श्री रिव गोपाल कीणय्या, कोपारू, गृंदूर जिला।

(अन्भरक)

(2) श्री व्ही विजय कुमार पिता डॉ॰ नागेस्वर राव सम्बाशिवापट, गुटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्चन के लिए वाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इससूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख क्रे-45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उक्त अधिनिवस, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

घर र्न० 4-1-32, लक्ष्मीपूरमः चौथी लेन, गुंटूर, विस्तीर्ण 780 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4673/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गटूर

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधि पारी <sup>(</sup> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थै. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा** (1) के अभीग, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात:——

दिनांक:- 9-1-1986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 790/85-86--अतः मझे, एम ० जगन मोहन बायकर अर्रिनियम, 1961 (1961 का 43) संक परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269 मा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1, 00.009/- रा. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 1/3, शेर इन भूमि ग्रीर इमारत नारायण पेट, आमलापुरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसुची में मौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय जामलापूरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1809 का 16) के अधीन दिनांक मई-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल नि निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क्ट्रं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त भियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत ढब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ४, सँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिकिक व्यक्तियों अर्थात :— (1) श्री मो मद वझीरूद्धीन पिता मोहमद यु५ूफ साहेब नारायणा पेट, आमलापूरम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी॰ आनत लक्ष्मी पति नागेस्वर राव, वांटेडू स्ट्रीट, आमलापूरम।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/3, शेर इन भूमि विस्तीर्ण 0.83 एकर मेसर्स लिला महल, नारायणपेट, आमलापूरम, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2370/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकांरी आमलापूरम।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक:- 9-1-1986

## प्रका हाहै. ती. एन एस -----

बाधकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० आग्० ये० मी०/791/85-86--अनः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि: स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि है जी, गोवले रोड, माहाराणीपेट, विशाखापटनम में स्थित है (गार इत्ते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजरट्रीकर्ता अधिकारी लार्यालय वैद्याग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीय दिनांक 5 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाकार मृश्य है कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित को नई हैं जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्रचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उन्हरू प्रतिश्वत से अभिक है जार बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरिर्वात्यों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए तब पाया पढ़ा प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक ज्य से कथित नहीं किया नवा है अ

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उनक बिध-नियब के बचीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुनिधा के निए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी नाय वा किसी वन वा अन्व वास्तिका को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में स्विधा की लिए;

वतः अव, उक्त वर्धिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :—

- (1) श्री ब्ही मञ्जूदन दन (2) श्री **ब्ही सुवम**न्यम प्रिता लेट वेकटा सुब्बारायडू, **माहाराणीपेंट**, विशाखायटमन।
- (2) श्रीमती टी० वराधमी पति **डॉ० टी०** जे० नग्मीम्हा राव, मेन रोड, घर न० 26/15/166 विशाखापटमन।

(अन्ति (स्ती))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहिया करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कृतिएं:---

- (क) इस धूचना के स्वपत्र में प्रकादन की तारीब से 45 दिन की जवित्र मा तत्वास्त्र प्रभाग की तानीच से 30 दिन की बविध, को भी विश्वित को सीरर पूर्वों के विद्याल के सीरर पूर्वों के विद्याल की सी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर बंधींसे में दिंधंन बहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अभोईस्ताकरी के पात्र लिए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के क्या जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही कर्य होंगा जा उस अध्याम भें दिया क्या है।

## वन्स्य

प्ताट नं० 2, गोखले रोड, माहारण।पेट, विशाखापटनम ब्रिस्तीर्ण 697, चौर्० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5538 और  $5536\sqrt[4]{85}$ , रजिस्ट्रीकृती अधिकारी वैझाग।

एम० जिला मोहन सलम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज, ृदनाबाद

বিনাক: 9-1-1986

प्रस्य बाइ'. टी. प्र. पुर .---

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-च (1) के नचीन स्वना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 792/85-86-- ग्रत: मुझे एम**० जग**न मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 100,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो ए०पी० गजटेड ग्राफिसर्स कालोनी नलापाडू गुंट्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुंट्र में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1986

भी पूर्वोवत सम्पत्ति के उदित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उदित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) ब्लारण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्क बीधनियम के अधीन कर दोने के बन्दाह्क के शाबित्व में अभी करने या उससे वचन में सुविधा इक्तिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियाँ कर्त, जिन्ही भारतीय अगय कार जाधानयक ते 1922 (1922 का 11) या उक्त जाधानयक स्था धन-क्र जीधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भार या जिल्हा करने राहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त बीधीनयम की बा.. 269-म के अनुसरण को, मी, उजत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण 8 —466 DI/85 (1) श्री जी० सत्यना∷ायणा पिता धरमा राव, रिटायर्ड बैंक ग्राफिसर 6-3-609/1, ग्रानन्द नगर हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री बेझावाडा जैंकब पिता ईसाक,
2. श्रोमति बी० रेचलम्मा (राचेल) पित जैंकब,
क्रियश्चयन मिशनरी जार्ज पेट गुंटूर 6
(ग्रन्तरिती)

की बह सुभना बारी अन्छे पूर्वोक्त संघाभ के बर्बन् के सिम् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कीए भी धाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दह सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर नं० 2-14-135 ए० पी० गजेटेड ग्राफीसर्स कालोनी श्यामलानगर गुंदूर रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 4409/85 रिजस्ट्री, कर्ती ग्रधिकारी गुंदुर ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीक : 9-1**-1986** 

# प्रकल बाइ टी. एन . एस . -----

क्णाकर किपिनियए, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-ण (!) के अधीन,स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० 793/8586—— ग्रत: मुझें, एम**० जगन** मोहन,

भाषकर विधिनियम. 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्व. उकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, रिश्वका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० आलापुरम वार्ड डाबा गार्डन वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति की उचित बाजार मन्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कार के कारण है कि प्रशासित सम्मित का रुचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान किस्ता क्षेत्र अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती सन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) से बीच एमें अंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६——

- (क) बन्तरण से हुई किसी साय की वावत उचत अस्तिनियान के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के सिए; बरि/वा
- (च) ऐसी किसी बाग या किसी धम या क्रन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वर्णमीनयम " चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्दिग्ति स्वारा प्रकट नहीं किया गर चा किया बाना चाहिए चा, छिपाने भें सुविध्य से बिए;

अत. क्व, उक्त अिन्यम की धारा 260-ए के अनुसरण में, में, तक्त अधिनियम की धारा 260-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमित टी० वी० रमन्नाम्मा पित स्व० टी००ही० राममित और ग्रन्य। साई बावा स्ट्रीट डाबा गार्डन विशाखापटनम। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एन० नारायण (एलियास थाता राव) और उनके
  पुत्र पिता एन० नारायण स्वामी
  साईबाबा स्ट्रीट डाबा गार्डन विशाखापटनम ।
  (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवन घं हिना कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे का व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति दतारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त तब्दों जीर पर्दों का, जो उक्त क्षींपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

## **प्रनु**मुचो

घर नं० 31-31-3 डाबा गार्डन विशाखापटनम विस्तीर्ण 240 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6458/85 रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी वैजाग ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 9-1-19**86** 

प्रारूप बाई .टी .एन .एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 794/85-86--- म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्यक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा यथा है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो गज्वाका वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1985

को पूजिल्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के द्रश्यमान प्रिक्षितः के लिए अन्तरित् की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकृत् से, एवं द्रश्यमान प्रतिकृत से, एवं द्रश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रशिश्यत से अधिक है औड़ अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, जिम्बित्वित् उद्देश्य से उच्च अन्तरण विश्वित में दास्त-विक स्थ से करियत नहीं किया गया है है

- (क) बन्तहरू से हुई किसी बाध की बाबत, उन्हें विधिन्यम् के न्यीन कर दोने के बन्तरक के सायत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्षेत्र/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन भा अन्य असिंदायों करें, विन्हें भारतीय वाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या क्षक विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अविनार्थ कर्तरियों क्यारियों क्यारियों में सूर्विधा के लिए:

कत कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उर्थात् :--- (1) श्री वी० सुब्बा राव पिता सत्यम गजुवाका विशाखापटनम-26

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मुरली क्रुष्णा पिता ग्रादी रामथ्या डी० नं० 49-12-35 ललित नगर विशाखापटनम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बनाहियां करता हूं।

जनत रम्परित को कर्चन को सम्बन्ध में कोई भी साक्षेष इ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की स्यूपि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामीन से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्द सम्पत्ति में हितन्द्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद विकास में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसु**ची**

घर नं० 6-25 गज्वाका विशाखापटनम विस्तीण 350 चौ० गण रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 5474/85 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी वैज्ञाग ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

त्रकृष् बाह्र . टर्न . एन . एस . --- /----

नाशाकार नाधिनियम, 1961 (1961 का 43), की वारा 269-व (1) में नधीन सुचना

### बारक बरकार

# कार्वाक्षय, शहायक जायकर जाग्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 795/85-86-- ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

हासकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), औ धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मन्ज 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० घर है तथा जो युलुरू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय युल्रू में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उणित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्ताम करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृल्य उसके द्वरयमान प्रतिकल से एसे द्वरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से बिधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (इन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त मीरियम के अभीन कर दीने के जन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे उच्छे में सुविक के सिए; बॉट/बा
- (वं) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम . 1322 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य अधिनियम ग्रा अन्य अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के निरा,

बतः क्य, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के बनुतरण में, भी एक्स अधिशिक्ष की धारा 269-म स्ती उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक के लिक अर्थत :— (1) श्रीमित ग्रार० पंचाक्षरी देवी पित स्व० रामा राव विशाखापटनम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० रामाराव पिता सूर्यनारायणा न्यून्नावारी स्ट्रीट युलुक् जिला-वेस्ट गोदावरी। (ग्रन्तरिती)

कार यह सुचना कार। करक पृत्राक्त नग्नात्त क अजन के रिक्य कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजाक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदी का, जो उक्त निधिनयम के नध्याय 20-क में विश्वाधित ही, नहीं जर्थ होगा जो नध्याय में दिवा यदा है।

**ब**न्स्ची

घर सम्पत्ति नं० 23 ए-6-4 येलुरू रजिन्द्रीक्कृत विलेख नं० 6382/85 और 6283/85 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी येलुरू।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-1-1986

## प्रस्त वार्ष . हां पन . एस ......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय . महायक अयकर बायुक्त (निर्रोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 796/85 86--- ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), उने बार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो श्रारमोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजर्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रारमोर में भारतीय रास्जर्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तांचक रूप से कथित नहीं किया गया है "

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बांधानयम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में शुन्तिथा के जिस्; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्त्यमं को, चिन्हें भारतीय आधुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग कै अन्सरक में, मैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कै० ग्रार० लक्ष्मा रेड्डी 5-5-448/1 खशीलवाड़ी निजामाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स देसाई ब्रादर्स लि॰ येलम्मागुट्टा निजामाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के किंग कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करोड़ें भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब शे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण:—इसमें प्रयुक्त सम्बा और पदों का, जो सक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

घर का भाग, घर नं० 1-7-38 जीरातनगर नीयर जेड० पी० हाईस्कृल म्रारमोन रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 681, 682 और 683/85 रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी म्रारमोर।

एम**० जगन मोहन** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्राय्क्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-1-19**86** मोहर: प्रकृष बाह् ो. एव. एस . ----

# बायकर वरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुकना

#### भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक वायकर वायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० 125/37ईई/एक्यू०---ग्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/-रा. से बिधक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो 38 मेजर बैंक रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र लखनऊ मारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारी ख 8-5-85 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकति में वास्तिक क्षेप से कियत नहीं किया गया है :—

- (फ) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अश्राजनाथ उन्लोरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिवधा को लिए:

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में. में जान अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा () के बचीन किरानिविद्य कावितयों, अधीत्:-- (1) श्रीमती ए० एम० दास

(ग्रन्तरक)

(2) हलवा सिया प्रापरटोज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्थि कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश म 45 दिन के भीतर उत्रत स्थाबन संपत्ति में दिवयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मगसभी

स्राराजी पैमाडशी 18,295.44 वर्ग फिट स्थित 38, मेज्र बैंक रोड लखनऊ करारनामा जो कि स्रर्जन क्षेत्र त्र ० सं० 138 पर दिनांक 8-5-1985 को सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

श्रीमती य्० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

# प्रक्ष्य बार्षं . टी.. एवं ., एवं .,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### शारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० ए-190/एक्यू०--म्रतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जीलाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-क के अभीन मुक्तप प्रधिकारी को, बहु निश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भिम हैं तथा जो भदौरा तहसील व जिला-मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण चप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय म्रादा-बाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के ग्लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्यारण से हुई खिसी बाब की बावस, समझ बीधीनवज के बधीन कर देने के बन्तपुक बी दायित्य में कमी करने या उत्तरो नचने में सुविधा के लिए; बाह्र/बा
- (स) एखो किसी आव या किसी धन या अन्य आरितयाँ व्यं जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उत्ता अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्री लित मिगलानी।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्री ग्रन्दुल रशीद 2 श्री रियाहन हुसैन।

(ग्रन्तरिती)

(3) बिकेता।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

### ग्रनुसूची

भूमि पैमाइशो 823,85 वर्ग-मीटर स्थित भदौरा तहसील विजला—मुरादाबाद जैसा फ़ार्म नं० 37-जी में विणित है।

> श्रीयती य० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक: 14-1-1986

प्ररूप आइ.टी.एन.एस-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वता

#### भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) स्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार0 बी-137/ए क्यू०--- ग्रतः, मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

अधिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकीसं ० महान नं ० 466/41 सो, हैतथापोर बुखारा चौक जो लखनऊ में स्थित है (ग्रॅंग्डर इससे उपावद्व अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णि। है), रिजस्ट्री कर्ता अधि हारी के कार्यालय लखनऊ में, रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1985,

को पूर्वोक्य कलाति से उचित वासार नृत्य से कन के स्थमान प्रतिक्य के विष् वन्तिरह की नई है और मुक्के वह विवन्ध करने का कारण है कि सभा प्रवेक्त सम्पत्ति का उचित्र वासार मृश्य, उसके स्थमान प्रतिकास से प्रवेक्त सम्पत्ति का उचित्र वासार मृश्य, उसके स्थमान प्रतिकास से प्रवेक्त से अधिक है आरि अंतरक (अंतरकों) और नंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्वेषय से उक्त कन्तरण निधित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीधिनियम के जधीन कर दोने के अक्तरफ के दायिन्त में कमी करने वा उक्क बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- पा एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अवस्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुधिया के निष्ह;

कम जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण हैं है जब्ल काँचनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है प्राप्ति निम्नलिखित व्यक्तिकों, वर्थात् :--- (1) श्री गुलाम हसैन जैदी।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री बिन्देश्वरी प्रसाद 2. डा० रामलाल रस्तोगी।

(ग्रन्तरिती)

(3) बिकैता।

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपर्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की अविभ वा तस्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकड़ व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किती बन्द व्यक्ति द्वारा नथाहस्ताक्षरी के वास तिथित में किए जा सकेंगे।

स्वश्राध्यक्तः — इसमें प्रयुक्त सन्तों तीर पर्यो का, जो उनका श्रीपनिवन, के बच्चान 20-क में परिशाधिक ही, यही प्रयो होता जो उस बच्चान में दिना नवा ही।

#### प्रकृष्ट्

मकान नं० 466/41-सी स्थित पीर बुखारा चौक, लखनऊ जैसा फार्म 37-जी में र्वाणित है।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीक : 14-1-1986

मोहस्य ।

# प्रस्प बार् .टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यां नय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जाः रेज. लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवंरी, 1986

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० बी-138/एक्यू०---श्रतः मुझे, श्रीमती य्० कान्जीलाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तिमंजिला मकान नं० सी०-9/66, मोहल्ला ह्रवें विपुरा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वासान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और बंदरक (अंतरकों) और बंदरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तम पामा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया बना है है—

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिय-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का il) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग. निम्नीस्थित व्यक्तियों, वर्धात क्रिक्त अधिन वर्षात् क्रिक्त

(1) श्री ग्रमर नाथ उर्फ बुल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती बिमला देवी, 2. श्रीमती उषा देवी।

(अन्तरिती)

(3) वित्रेता:

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं [3]

# उक्त सम्पक्ति से वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध नो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित्त में किए जा सकोंने।

स्वक्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### क्यसर्व

तिमंजिला मकान नं० सी०-9/66, पैमाइणी 651-20 वर्ग-फिट स्थित मोहल्ला हबीवपुरा वाराणसी (जैसा फार्म 37-जी० में विणित है)।

श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-1-1986

मोहर 🖫

# श्रक्य नार्.डी.एन.एस.,======

# बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जनवरी, 1986

निदेश सं० जी० आई० आर०-एच -62/एक्यू०--- स्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के बधीन सम्भा प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी मं० भूमि खसरा नं० 535 सोनकपुर. परगना तहसील व जिला---मृरादाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्ची में और पूर्णरूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मई, 1985

को पर्नेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए कंतरित की गई है और मृत्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-भियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः बव, उक्त आधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री रामिकशोर
  - 2. श्री भ्रे
  - 3. श्री छोटे
  - 4. श्री चोखे
  - 5 श्री जनर सिंह (नाबा०)
  - 6. मदन लाल (नावा०)
  - 7. विनोद (नावा०) द्वारा माता व संरक्षक श्रीमती सोमती
  - 8. श्रीमति सोमती
  - 9. श्री ग्रमर मिह

(ग्रन्तरक)

(2) हिन्द निहोन प्रोटीन्म प्रा० वि०, सोनकपुर, मुरादावाद द्वारा श्री ग्राई० एन० खन्ना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि खसरा नं० 535, पमाईशी 1-77, डिसमिल (7163-19 वर्गं० मी०) स्थित सोनकपुर, परगना तहसील व जिला---मरादाबाद।

> श्री मती यू॰ कान्जीलाल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

मोहर् :

# स्क्य बार्ट. टी. एक: एक:

# नायकर निभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) ने नभीन स्थान

### ब्राइक सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी, 1986

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० जे-82/एक्वी०-- म्रतः मुझे, श्रीमिति यू० कान्जीलाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 74, 76, और 56 का हिस्सा हिवेट रोड, विवेकानन्द मार्ग, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है (रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम (1909 का 16) के अधीन, तारीखं मई, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्हे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और मृन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अप्रत्य विश्वित में वास्तविक स्थ से कर्षित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बावत, उक्क बाधिनिव्यु के बुधीय कर दने के बन्दरक से बाधित्य में क्वी करने या उक्क बचने में बृधिया के विष्; बाहर/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी थन या अन्य वास्तिन्ते की जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त विधिनियम, या थन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा ﴿) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थाल धू---

- (1) 1. श्री लक्ष्मन दास ग्रग्रवाल
  - 2. श्री ग्रानन्द ग्रग्रवाल
  - 3. श्री शरद ग्रग्रवाल
  - 4. श्री धुत्र ग्रग्रवाल ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री जगदीश पाल सिंह
  - 2. श्रीमित हरजिन्द्र कौर
  - 3. श्री मनजीत सिंह
  - 4. श्री रनबीर सिंह
  - 5. श्रीमति जसवन्त कौर
  - 6. श्री हरमिन्दर पाल सिंह
    - 7. श्री मोहनजीत सिंह
    - 8. श्री सर्वजीत सिंह।

(ग्रद्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्वन्तित से वर्षन में तिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुए ।

उक्द सम्पृति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाओए ह---

- (क) इस त्यना के द्रावपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की सन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविष, जो भी सृब्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए वा सकेंगे।

त्वच्छीकरण — इसमें प्रमुक्त बन्दों और पदों का, जो उच्छ विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस मध्याय में दिया गुजा है।

# धनुसूची

तीन मंजिला मकान नं० 74, 76, और 56 का हिस्सा मय भिम, बिल्डिंग और उस पर जो भी ढ़ींचा है, पैमाइसी 257 वर्ग मीटर, स्थित हिवेट रोड (विवेकानन्द मार्ग) इलाहाबाद।

> य्० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

प्ररूप बार्ड ु दी ु एन ु एस ुनन्नन

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 26 के नेथीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी, 1986

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या जे०-83/एक्वी०---श्रतः मझे, श्रीमति य० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० सी-27/266 लच्छीपुरा, चेत्रगंज, वाराणसी में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, मई, 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का गुद्ध श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: ३व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, फक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिश्वित व्यक्तित्यों, अधीन, निम्निबिश्वित व्यक्तित्यों, अधीन, मिम्निबिश्वित व्यक्तित्यों,

(1) श्री जे० राम राय।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जगर नाथ
  - 2. सत्य नारायण अग्रवाल
  - 3. रमेण कुमार ग्रग्रवाल
  - 4. श्री सुणील कुमार अग्रवाब
  - 5. श्री राजेन्द्र प्रसाद स्रग्नवाल ।

(ग्रन्तरिती)

(3) केता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त कट्टा और वटों का, जो उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ग्रनुसूची**

मकान नं० सी-27/266, पैग्राइशी 900 वर्ग फिट स्थित लच्छीपुरा, चेतगंज, बाराणसी (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है) ।

श्रीमिति यु० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

# मुक्त बार् ं टी प्रन. पुर. .....

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन स्चना

#### मारत वरकाइ

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिक)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० मं० एल-52/एक्वी-ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जो लाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो, 184/ए, सिविल लाईन्स बरेली मं स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयर्ता श्रिधियारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 कार्रात) के ग्रिधीन दिनांदा मई-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त वीभीन्यम के अधीन कर दोने के बंत्रक के दायित्व में कमी करने या उत्तवे बचने में स्टिशा के लिए; बीर/याँ
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकार वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै विदेश

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) 1 श्री ग्रानंग पाल सिंह।

(भ्रन्तरक)

2 (1) श्री लालू सिंह।

- (2).श्रीमती लज्जा वत्ती।
- (3) श्री कालीचरन।

(4) श्री सोन्।

(ग्रन्तरिती)

को वह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के जिस कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त रूपित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेर ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ज्विध, वो भी बनिध बाद में दमस्त होती हो, के भीतर प्रोंक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस स्वना के रावप्त में प्रकाशन की वारींव से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविध्य में किए या स्केंगे।

न्यस्त्री प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बिधिनियम - के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय; गदा है।

### अनुस्ची

प्लाट पैंमाईसी 305 वर्ग गंज स्थित 184/ए, सिविल लाईन्स बरेली (जैंसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक: 14-1-1986

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांदा 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई०ग्रार०सं०एम-255/एक्वी-ग्रतः, मुझे, श्री मती यू० कान्जी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
ग्रौर जिसकी सं० दो मंजिला विल्डिंग म्यूनिस्पिल नं 178
149 मय मकान के साथ बारूदखाना स्कीम का ग्राराजी
नं० 37, स्थित गोलागंज, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची म ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है),
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण
ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन दिनांक 9 मई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) बेगम नूर जहाँ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ मु॰ इक्तियाक हुसेन कुरैशी। मैं (म्रन्तरिती)

# को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मिति, के वर्षन के विष्ण कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>†</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>†</sup>।

#### अनुसूची

दो मंजिला मकान म्यूनिसिपल नं० 178/149; मय मकान के साथ बारूदखाना स्कीम का ग्राराजा नं० 37, स्थित गोलागंज थाना वजोर गंज लखनऊ

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन क्षेत्र लखनऊ

दिनांक: 14-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार/एम-256/एक्वी--श्रीमती यू० कान्जीलाल ग्रतः मुझे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं मकान नं सी के -39/25, 9 सी व के० 39/24 मो हल्ला कुन्डोगढ, शोलाचौड, बाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रन्स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित .~है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 9 मई, 1985

को पूर्णीक्त सम्पत्ति के उन्चित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्ति में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्लिपाने में सुविधा 🕏 लिए।
- अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उप्धारार (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) 1. श्रीमति हमीदा खातून
  - 2 श्रीमति ग्रासमा बेगम
  - 3. श्रीमित ग्रफमरी बेगम द्वारा ग्रटानीं थां मिर्जा रफीउद्दीन ग्रहमद
  - 4 श्री सईदउद्दीन अहमद उर्फ ग्रामिफ मिया
  - 5 मिर्जा रफीउद्दीन ग्रहमद
  - 6. श्रीमित मैमुनिसा वेगम उर्फ मैमुना खानन ।
- (2) मरकजी दारूल उल्म जिमया सलिफसा, रेवड़ी तालाब, वाराणसी, द्वारा सचिव हाजी मौलवी अब्दुल वहीद व खजान्वी हाजी मो० युनुस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (इ) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पन्दीकरण:-इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

## वन्त्रची

मकान नं० सी-के० 39/21 श्रीर सी ०के०-39/25, पैमाइशी 6337 वर्ग फिट स्थित मोहल्ला–कुन्डीगर टोना, चौक वाराणमी ।

> य० कान्जीलाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्कत (निरीक्षग्र) ग्रर्जनरेंज लखनऊ

तारीख . 14-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांकः 14 जनवरी 1986

निदेण मं० जी० ग्राई० ग्रार० एम-257/ण .क्वी०-- ग्रतः मुझे, श्रीमति यू० भन्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० भूमि है तथा जो विजयपुर, लखनऊ में स्थित है, (ग्रौर इमसे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्री अर्वा ग्राधिकारी के कार्यालय, लखनऊ मे रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रो मुदित वर्मा।

(ग्रन्तरक)

(2) मानसरोवर सहदारी ग्रावास समिति वि० लखनऊ, द्वार राजिव श्री ध्यान सिंह ।

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधि<mark>भोग में</mark> सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा, जो उस बध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि पैमाइशी 8 वीघा, 6 बिस्वा ग्रौर 18 बिस्वान्सी, स्थित है विजईपुर लखनऊ जैमा ि फार्म नं 0 37-जी में वर्णित है।

यू० कान्जीताल सक्षम प्राधिकारण महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-1-1986

प्ररूप बाह्र .टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनां 🗀 14 जनवरी 1986

निदेश सं० र्जा० म्राई० द्वार०-जे०- 258/एक्यू-- म्रतः मुझे, श्रीमति यू० कान्जीलाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम इस्माइल गंज, जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्री तो ग्रीधारी के वार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के ग्रिधीन, तारीख, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तिस्त की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांधत नहीं किया गया है:——

- (<sup>r</sup>s) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा क लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं ज्व्यत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में प्रधीर निम्लिजियन व्यक्तित्यों अधीर :—— 10—466 GI/85 ज (1) श्री मुन्ना (प्रन्तरक)

(2) मानसरोवर सहकारी ग्रावास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव, श्री ध्यान मिंह।

(ग्र-नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्वत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के रायण्य में प्रकाशन की तारीष्ट के 45 दिन की क्विंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्ति में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति इसरा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीखर उपत स्थानर सम्मित में हिसान क्षिण किसी नन्य व्यक्ति इतारा नथोहस्ताक्षरी के गास चिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

भूमि पैमाइशी 22596 वर्ग फिट स्थित ग्राम इस्माईल गंज, जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है।

> श्रीमती यू० कारजीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्र:युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-1-1986

प्ररूप आइ .टा. एन . एस . -----

**बायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा ं 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ ल**खनऊ, दिनां**क 14 जनवरी 1986

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० सं०एम०-259/एक्यू० -- म्रतः म्झे, श्रीमति यू० कान्जीलाल,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर िष्ठिकी सं० भूमि है तथा जो व स्यानपुर, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुर्चा मे श्रीन पूर्णम्य से विणित है), रिजस्ट्री अर्ता अधिवारी के दार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्री उपा श्रिधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अर्धान तारीख मई, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्सियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन - नियमिसिस स्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमेवालाल।

(ग्रन्तरकः)

(2) मानव उत्थान एवं कल्याण सह ारी द्वांतम समिति लि०, लखनऊ, द्वारा सचिव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाबिकरण : इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, खो अवस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाहै।

अनुसूची

भूमि पैमाइशी 1 बीघा 10 बिस्वा स्थित कल्याणपुर, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में बर्णित है।)

> श्रीमित यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ', लखनऊ।

तारीख ' 14-1-1986

# ३६२ थाइ. टी. एन. एस: ----

बायकर लीधनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, बहायक बायकर बाव्यस (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० एम०-260/ए०जी०--म्रतः मुझे, यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो उदयपुर खास, बरेली में स्थित है (ग्रा इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री ति श्रीय दर्श के दार्यालय बरेली में रिजस्ट्री करण श्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीवीत, तारीख मई, 85, का पूर्विक तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कब के द्वस्त्राम प्रतिक के लिए बंदित की नई है और मृत्रों यह विस्तास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य अधिक है को प्रतिक का पन्त्रह द्विक में अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया यहा शितक , जिम्बीलिसत उद्येषमां से उचत जन्तरण किस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) सक्तरण ये हुए किसी मान की पान्स, उनका अधिनित्तर के सभीन कर दोने के जन्तरक के सायित्य में कनी करने या उनके सचने में स्विभा के जिए; और/वा
- (छ) एची किसी बाब या किसी थन वा बन्य बारिन्य की स्थाप की प्राप्त क

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण कें, कें, एक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) कें ब्रुभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ६(1) श्रीमती प्रवीन तलत ग्रारा बेगम।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री महेश कुमार सुसा।
  - 2. श्री ग्रशोन कुमार सुरो
  - अी अस्य कुमारसुरा
     अी कौशल कुमार सुरा।

(ग्रन्तरितो)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (ह) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए वा सकोंचे।

स्वस्वकिरणः --- इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्रादित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया व्याहै।

## अनुसूची

'लाट पैमाइशी 600 वर्ग गज स्थित उदयपुर खास, बरेली, (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण)

म्रर्जनरेंज, लखनऊ

क्खनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986 निदेश म० जी० ग्राई० ग्रार० नं० एन-107/एकजी०--ग्रनः मुझे, श्रामति यू० कान्जीलाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिस्की सं० भूमि मय फार्म हाउस है तथा जो मौजा जिलिंग पटटौ सरना, नैनीताल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिकस्ट्रीकर्ता ग्रधिकार। के कार्यालय, नैन,ताल में रिजस्ट्राकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रोमति डोरांशी स्टोफेन।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नरेज्र सिंह,2. सोनाल मान जिह ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि पैमाइशी 662, नार्शा मय फार्म हाउस जिसमें चार कमरे हैं पैमाइशी 120 वर्ग फिट प्रत्ये , दो मंजिता सर्वेन्ट क्वार्टर जिसमें चार कमरे हैं, 48 वर्ग फिट प्रत्ये , एक गोदाम 80 वर्ग फिट स्थित मौजा जिलिंग पट्टी सरना नैनीताल जैसा पार्म 37-जी में विणित है।

> श्रीमती यू० ान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

मारीख: 14-1-1986

## प्रकृष बाह् ही एन एस .----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के बचीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० आई-ग्रार०//0-81एववी---यराः मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें क्सिके रक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० प्लाट न० 1, हे तथा जो पूरिनया, लखनऊ में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिलास मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के स्टान्न कितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) किं जभीन, निज्ञि**चित ध्यक्तियों, अर्थात् ध**— (1) समाचार लोक आस्थान सहगारी आवास समिति लि०, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रोमप्रकाश जैन।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

# बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाधेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाध लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

प्ताट नं० 1, पैमाईसी 9800 वर्ग फिट स्थित पूरिनया, लखन्ऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

श्रीमती यू० मान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दितंक: 14-1-1986

# प्रका मार्च ्छी सुर । एव ु-----

# भावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सहकार

# भागांतन, सहायक जानकर नाम्बत (निश्रीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनङ स्निांक 14 जनव 1986 निदश ० जी० आई० अर० 10-161 ए**नबी** अत. मुझे, श्रीमती यू॰ कन्जी लल मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है ग्रौर िक ए० ोिम ज न० बी-12/12-1 मोहल्ला गौरेश अभोला र वार। णसी में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुमुची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि मारी के कार्यातय वाराणसी में रजिस्ट्रीकः ण अधिनियम 1908 (1908 सा 16) के अधीन दिनांक मई, 1985 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को अधित बाबार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि वथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-िस्ती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया पया अतिफल, निम्नलिखित उद्दोध्य से उनत नंतरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरक से हुई किसी जाय की बाबत, उनक बरिय-नियम के नदीन कर दोने के बंदारक के खायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के जिए; जीर/वा
- (क) हंसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचल अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैतरिती द्वाच्य प्रकट नहीं किया नया था या किया चलना चाहिए था, जिनाने में कृषिधा के जिन्ह;

बल: अब, उक्त अधिनिषम की भारा 269-श के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्री ातम डे।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती प्रेमादेवी
  - (2) श्री महेण कुमार जिंदन।
  - (3) श्री मनोश कुमार जिंदल नावा० पुत द्वारा पिता व मंरक्षक डा० बैंज नाथ प्रमाद (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्चन के विष् कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

## वन्स्ची

प्रेमिभेज न० बी-12/112-1 मय भूमि पैमाईसी 13605 वर्ग फिट सर्वे प्लाट न० 447 स्थित मोहल्ला गौरीगज भोलूपूरा वाराणसी।

श्रीमती यू० कान्जीलाल । मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनाक: 14-1-1986

# इस्य बाइं. टी एव एवं. -----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के बधीन स्था

#### बारत बरकार

कार्यानव, वहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनाक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी. आई० आर० आर०-268/एक्वी--

अतः मुझे, यू० कान्जीलाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किन के पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिमकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम हरू भगला, जिला—वरेली मे स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण का से विणित है, रिजिस्ट्री ति अधिकारी अके कार्यालय में रिजिस्ट्री करण अधिभियम बरेली 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनाक 24-5-1985

- पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के व्ययमान वित्यक्त के लिए वंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वचाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का क्लाइ प्रतिकृत से विधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे वृतरण के लिए तय पाया वया प्रतिफाल निम्निकृत्वत उद्देश्य से उक्त वंतरण निवित्त में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है—
  - (क) बंदरण वं हुइं किसी बास की बाबत, उक्त विभिन्नियम के बंधीन कार यान क अंतरक क वामित्व में कभी कारन या उसमें बचन मा सुविधा क पाए, बार/या
  - (क) एंसी किसी नाम मा किसी भन या अन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना उपित्र था, गिजनार मा स्विधा की निए;

अतः अच, उच्छ विभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री शेर खान।

(अन्त्र क

- (2) रोहेलखण्ड महनारी आवाग मिनि लि० बरेली द्वारा सचिव श्री कृष्णा अवतः अग्रवाल। (अन्तरिती)
- (3) विकेता। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

# **हो जू रुखना बारी करके १ जॉक्स** हम्पत्ति के वर्जन के लिय कार्वनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए कर्य

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## उन्स्ची

भूमि पैमाईसी 3 बीबा, 19 बिस्वा और 15 बिस्वान्सी, स्थित गांव हरू नगता, जिता—बरेली (जैना फार्म 37—जी में विणित है।

> 'श्रीमती यू मन्जी लाल ाम प्राधिमारी महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

বিনাক: 14-1-1986

ALL THE EXTENSION

# त्रक्ष काइं. टी. एन. एस. ------

# बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनार 14 जनवरी 1986

निर्देश स० जी० आई० आर० अगर०/269/एक्वी---शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रतः से अधिक **ह**ै और जिसकी सं० पृथ्वी तल फ्लेट बिल्लिंग 35/17, सी० वाई चिन्तामिन रोड, इलाहबाट में स्थित है (ग्रीप टासे उपावद्ध अनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) प्रजीस्ट्रं कर्ता अधिकारी के वार्यालय ईलाहाबाद में रिजम्ही वरण अधिकिम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनार मई, 1985 को पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित बाज्यर मृत्य से कम के इश्यभान प्रतिफम के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्नद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितीः (अन्तरितियाँ) के <mark>यीच एसे अन्तरण</mark> के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स बिध-नियम के अधीन कर दोने के बतरक के दायित्व पों कभी करने या उसमें बचने में मृतिधा है जिए बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाप या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जान कर अधिनियम, या जान कर अधिनियम, वा जान कर अधिनियम, वा जान पा पा पा पा पा पा अवता अवता अवता विद्या पा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग है उन्हरूक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अधिरा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- ा (1) श्रीयनन कुमार घोष
  - (2) से इरीप घोष।
  - (3) श्री सुनाना कुमार घोष।
  - (4) श्री समीर घोता
  - (5) यी मंजीत्र पोष।
  - (6) श्रीनती पमिता घोष।
  - (१) श्रीमनी चित्रा गरहार।

(अन्परक)

(2) श्री रभेग चन्द्र गुक्ता

(अनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से कि दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्मच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

## धन्यक

प्रथम तत फ्लेट त्रिल्डिंग पार्ट जो-फिलोर ज्यात सी० वाई चितामित रोड, इताहाबाद । (जैसा फार्म 37-जी मे त्रिंग। है।

> श्रीमती यू० शास्त्रीताल पक्षम प्राधिनारो सहायन आयक आयुका (किरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दि। 11-1-1986

# इक्य बाहं .टी एन . एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (१) के अधीन स्थान

# भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० आई० आर०, आर०270/एक्यु०---यत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या म० नं० 255/390/1 (1) है तथा जो कुन्डरी रकाब गज लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री नर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्री करण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) कि अधीन, दिनाक मई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कित में बास्तियक रूप से किथात नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा औ लिए; आर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तीलखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती निडेश्वरी देकी

(अन्तरक)

(2) श्री राज भरायभ बन्सल

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिपके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

**एक्त सम्प**ल्ति के बर्जन के सम्बन्ध में को**एं भी नासीप** :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्चना की तासील से 30 दिन की बचिथ, को भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पच्चीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## वन्स्ची

म  $\pi_{17}$  न ० 255/390/1 (1), पैमाईसी 2264 वर्ग-फिट स्थित कुन्डरी रहाब गंज लखनऊ (जैमा फार्म 37 जी० में विणित है) ।

यू० कान्जी तल मक्षम प्राधि घारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षीण) अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 14-1-36

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

# भागीवय, तहायक नायकर नायकत (निरीक्तण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० आई० आर०; आर० 271/एक्यु०— यत: मुझे श्रीमती, यू० कान्जीलाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्रथम तल फ्लैंट श्रीर बिल्डिंग 35-ए, सी० वाई० चिन्तामिन रोड इलाहाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीभ, दिनांक मई, 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के इक् मान प्रतिफल के लिए बन्दिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एन दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक हैं और अंतरक (बंतरका) और बंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गणा प्रतिफल, निम्मीनिषत्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप तं कियत गहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्ट अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक धे दायित्व में कमी अरने या उत्तरो बचने में सुदिका के लिए; बीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को , जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम , वा धनकर अधिनियम , वा धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था , हिमाने में सृविधा के सिह;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-**य की उपधारा** (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) 1. श्री सनत कुमार घोष, 2. श्री सूदोष घोष, 3. श्री सुशान्त घोष 4. श्री समीर घोष, 5. श्री संजीव घोष, 6. श्रीमती प्रामिला घोष, 7. श्रीमती चित्रा सरकार

(अन्तर्रकः)

(2) श्री रमेश चन्द्र शुक्ला

(अन्तरिती)

(3) क्रेता

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहियां करता हूं।

## उक्त संपरि के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील है 45 विन की अवित का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तानील है 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हि, अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

प्रथम तल फ्लैट और विल्डिंग और ग्राउन्ड फ्लिर (भूमि-तल) पर कमरा, स्थित 35-ए, सी० ग्राई० विस्तापिति, रोड जो टाउन इलाहाबाद (जैसाफार्म 37-जी में वर्णित है।)

> यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

# प्रकार बहारे, हो, एन, एक, व - - ---

# भाषकर विधिन्धित, 1961 (1961 का 43) की व्यक्त 269-म (1) के वर्षीय कृषका

#### धारत सहस्वतर

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 जनवरी 1986 निर्देश स० जी० आई० आर०, आर० 272/एक्यु०---यत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

नावकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त निर्धानयमं नहा नया ही, की धारा 269-च के नथीन सक्तम प्राधिकारी को वह किस्तास करने का न्यरण ही कि स्थानर सम्पत्ति विस्तान उचित्त नाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से निर्धान ही

म्रीर जिसकी संख्या म० नं० 118/95 का हिस्सा है तथा जो कैन्ट रोड लखनऊ में स्थित है (म्रोर इनने उपावड़ अनुसूची में म्रौर पूग रून ने विणा है), रिजिन्ट्री उर्ता अधि नरी के कार्यालय लखनऊ में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनाक मई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वर्षिकल के निष् मन्तरित की नई है और मुन्ने यह विश्वास कियन का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का स्वित्त बाजार मूल्य, स्वक दृश्यमान प्रतिफल से एके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरिण के सिए तय पाया गया जीतिफल, विक्तिलित उद्योक्य से उक्त अन्तरिण विविद्य में वास्तिविक रूप से काथित नहीं किया गया है है—

- (क) कर/रूप हे हुन्दै कि ही बाय की कार स, उक्क करिनियर के बधीन कर देने के बन्तरक के खिटल में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; क्रोड्/या
- (क) इसी किसी काम या किसी धन वा लच्च नात्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार आर्थ कर रिसी क्या प्रकार मही किया का या किया जाना अधिक्य था. क्या के विषयः

(1) श्री सैं० सरफराज अली

(अन्तरक)

(2) 1. रईस अहमद, 2. नफीस अहमद, 3. हुसैन अहमद, 4. हसीन अहमद

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपरित के अर्जन के कि कार्यवाहियां करता। हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वरस्यी

मकान नं० 118/95 का हिस्सा, पैमाईसी 6200 वर्ग फिट स्थित कैन्ट रोड लखनऊ (जैपा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज; लखनऊ

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निकासित व्यक्तियों, अभीत्:—

तारीख: 14-1-1986

मोहरः

# प्रस्य कार्य .. देरी . एवं . एवं ......

भाभकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के विभीन सुमना

#### भारव बरकाइ

कार्याज्य, सहायक आयकर बाबुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनां म 14 जमवरी 1986

निर्देश सं० जी० आई० आर० एस० 398/एक्यू०--यतः मुझे, श्रीमती यु० नान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्लकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम हरीपुर पूर्णानन्द, हल्द्वानी नैनीताल मे स्थित है (ग्रीप इससे उपायद्ध अनुसूची मे ग्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के वार्यालय हलद्वानी मे रजिस्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) मे अधीन, दिनाक मई, 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरिद की गई है और मुक्ते यह विक्थास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अक्त्र, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे व्यमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिस्ति से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त बीधनियम के अधीन कार दोने के जंतरक के दासित्व में कभी कारने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (%) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया बाना वाहिए था, डिप्याने में सुविशा से विद्ध;

अत: अव, उक्त विधिनियम की पारा 269-न से विकृतर्भ में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) विधीन. निम्मसिखित व्यक्तियों, वर्षात :— (1) श्री भवन सिंह

(अन्तरक)

(2) मैं सर्स पिह फाइनैन्स ए॰ड सेविंग कम्पनी मोटिया पडाव हलद्वानी नैनीकाल

(अन्तरिती)

(3) ऋता

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्त है)

को यह त्यना वारी कड़के पूर्णेक्त सम्पत्ति के व्यन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के दावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबपुष्ठ किसी जन्म व्यक्ति इवारा, वधाहस्ताक्षरी के बाद विकल के किसे वा स्कोंने।

स्पच्छीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सकत विधिनवस के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, दही वृष्टी होगा को उस अध्यास में दिवा गुवा ही।

## कारपी

भूमि पैमाईसी 9 बीघा और 10 बिस्वा स्थित ग्राम हरीषुर पूर्णातन्द नहर हल्द्वानी जिला नैनीताल (जैसा फार्म 37— जी भें विणित है)

> यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज लखनऊ

तारीख 14-1-1986

प्रकृ बाह् दी स्न एवं .----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) मी विभीन स्पना

## TIST STATE

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एस-399/एक्यु--यतः मुझे श्रीमती यु०कान्जीलाल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसका सख्या भूमि खसरा नं 0 28/2, 8 2 व 83है तथा जो पुरिनया, लखनऊ मे स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक मई, 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा, विम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तुर्ण निखित में वास्त- का रूप से कथित नहीं किया यहा है हि—

- (क) नन्तरम ते हुई किसी नाव की वाक्त, उक्त वीचनियब के बचीन कर देने के बन्तरक के दावित्य में क्षानी करने वा उच्छे वचने में सुविचा के सिद्धः मीद/या
- (वं) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, विश्व 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्दिती द्वारा प्रकट नहीं किना गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्विभा को लिए;

- (1) मधुबन सहकारी गृह सिमिति लि॰ लखनऊ (ग्रन्तरक)
- (2) समाचार लोक ग्रास्थान सहकारी गृहं निर्माण समिति लखनऊ

(भ्रन्तरिती)

स्ते वह शुपना वारी करें दें दें वें वें स्टिंग के वर्णन के प्रिय कार्यवाहियां करता हूं।

# स्वत सम्परित से वर्षन से सम्बन्ध में आहे भी बामने :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विश्वि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाए;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवईध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाध लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पंडीकरणै:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और नदों का, को उपन बिक्निवेंस के बंध्यार 20-क में परिभावित है, कहीं वर्ष होना को उस बध्याय में विया गया है।

## ग्रमुसुची

भूमि खसरा नं० 28/2, 81/2, 82 श्रीर 83 पैमाईसी 3 बीघा 12 बिस्वा श्रीर 14 बिस्वान्सी स्थित पुरनिया लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में विणि १है)

> यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज लखनऊ

कतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्निविधिष्ठ व्यक्तियों, वर्षीष्ठ हिन्स

तारीख: 14-1-1986

प्रक्म शाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### मारत सरकाड

# कार्यासन, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० टी-44/एक्य--यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल

गणकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धममें इसने पहचात 'उक्द अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-खाके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 3 (विवेकानन्द मार्ग) है तथा जे। हिवेट रोड, इलाहबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रन् सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक मई, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके क्ष्म्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निब्निसिंखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण किवत में बास्त विक रूप से किया नहीं किया गया है क्

- [क] जन्तहम वे हृद किसी बाव की वावत, उन्त विभिन्नम के वृथीन कह दोने के बन्तरक के दानित्त में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; नीर/वा
- (क) एती किसी नाम या किसी धून या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर न्धिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मुकोब्बार्य भूनतियम, ब्रिश्त क्षांत्र मुकार्य मुकार्य मुकार्य मुकार्य मुकार्य में सुनियम के लिएने में सुनियम के लिए;

भतः वद, उन्ह विधिनन की पाछ 269-व के वन्तरम में, मंं, उन्हत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्रीमती राज टन्डन

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्री विभुवन नाथ गुप्ता, 2 श्री शोभा रानी गुप्ता

(ग्रन्तरिती)

(3) मैसर्स नाथ ब्रादर्स

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनतिहर्ध करका हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्पन को सम्बन्ध में कोई भी जाहोंप ह

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबिध, को ही जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशित की तारीब हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निवित में किए वा करों ने।

स्मान्द्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क वृष्टिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यवा है।

ग्रनुसूची

(3) विवेकानन्द मार्ग (पैमाईसी 244.44 वर्ग-मीटर हिवेट रोड इलाहाबाद (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

# प्ररूप बार्ड .टी. एन. एसं - -----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यां नय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० स्रार० श्रार० यू-47/रायु०--यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं शी-124 है तथा जो सेक्टर ए, महानगर हार्जीमा स्कीम, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध द्र ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी, के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1903 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्वयमाप् श्रीतफल के लिए बंतरित की गई है और मृक्षे यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से मृथिक है और बंतरक (बंदरकों) और बंदरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंदरण के निए तम पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बंदरण लिखित में बास्त-विक स्प से क्षित नहीं किया गया है क्

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अंत्रूटक की वायित्य में किसी करने या उसकी वचने में सुविध्य के लिए; और/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या पन-पार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क र प्रमाध अविरक्षी दवारा एकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा औ विद्

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण बों, भी सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) 1. श्रो महेश कुमार माथुर, 2. श्रीमती सरोजनी माथुर, 3. श्री विनोद माथुर, 4. श्री राजेश माथुर, 5. श्री कुमुद माथुर

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती उमा ग्रग्नवाल, 2. श्री प ० एन० ग्रग्नवाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों अहा वर्षों का, को उक्त मीभीनयम के मध्याय 20-क में परिशाणिक हैं, मही नर्श होगा, को उस अध्याप में दिया नया हैं।

# वन्स्ची

पलैंट नं० सी-124, एरिया 3362 वर्ग फिट स्थित रे "ए" महानगर हार्जीमग स्कीम, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> यू० कान्जीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रें ज लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

मोहरः

# प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० भ्रार० श्रार० वी- 91/एक्यु०--यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम विजईपुर, तह० व जिला-लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रेक्ष कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय खायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. त्रा अब्दुल मजीद, 2. श्री अब्दुल **अजीज** (अन्तरक)
- . (2) विजय प्रताप नगर सहकारी ग्रावास समिति लि॰ लखनऊ, द्वारा मचिव,श्री गुरु प्रसाद (ग्रन्तरिती)
- (3) विकेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

भूमि पैमाईसी 54450 वर्ग फिट स्थित ग्राम, विजई पुर तह० ग्रौर जिला लखनऊ (जैमा फार्म 37-जी में विणित है)

> ू० कान्जीताल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-1-1**98**6

प्रस्य बार्ड : दी. एवं . एवं . : - - ----

भाषकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नधीन मुखना

#### गारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्रार० ग्रार० वी-92/एक्यु०--यतः मुझे,श्रीमती यू० कान्जीलाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया ही, की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी संख्या मकान है तथा जो नरकुला गंज, नई बस्ती, बरेली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक मई, 1985

का पूर्वोक्त तस्यक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के

हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी साम की वावस, उक्स अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्व में किसी करेंने या उससे वचने में सुविधा के जिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था खियाने में मृतिधा जै लिंड;

(1) श्री वकाउल्लाखाँ

(ग्रन्तरक्)

(2) 1. श्री वेद प्रकाश, 2. श्री अर्पुल कुमार (नावा) 3. श्री अनिलकुमार (नावा)

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्ट करका हुं।

उक्त कम्पृतिस के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामौल से 30 दिन की बर्वत्व, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 किन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-क्यूम किसी जन्म व्यक्ति द्वास वधाहरताक्षरी के पास निकास में किए वा सकोंने।

स्वक्टीकरण — इसमें प्रवृक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त विधिनवन के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

# मन्स्यी

मकान मय भूमि पैमाईसी 470 वर्ग-गज स्थित नरकुला गंज नई बस्ती बरेली (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> यू० कान्जीलाल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (िरिक्षण) स्रर्जन रेंज वखनऊ

तारीख: 14-1-1986

# प्रकृष बाह् .टी.एन.एस . -----

# भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

# कार्यालय सहायक वायकर बायूक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन क्षेत्र), लख नऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या ७ब्ल्यू-4/डक्यु०--ग्रतः मुझे श्रीमती यू० कान्जीलाल शायकार गीभीनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या -लाट नं० 2, स्रौर 3 है तथा जो प्राम चन्देन, तह० विला प्रपुर, जिला रामपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सन् सुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय रामपुर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाँक मई, 1985

की पूर्विक्ष सम्पत्ति के उपित बाधार बून्य से कम के स्ववमान अतिफल के तिए अन्तरित की यहाँ हैं और मुख्ये यह विश्वास कारने का कारण हैं कि बथापूर्वोक्षत संपत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंबहिती (बंतिरितिबों) के बीच के एके अन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित के उपकार के स्वरूप के सित्तरण कि बित के उपकार के स्वरूप के सित्तरण कि बित के अन्तरण कि बित के अन्तरण कि बित के अन्तरण कि सित के अन्तरण कि बित के अन्तरण के सित्तरण कि बित के अन्तरण कि बत्तरण कि बत कि बत के अन्तरण कि बत कि बत के अन्तरण कि बत कि बत कि बत के अन्तरण कि बत कि बत कि बत कि बत के अन्तरण कि बत कि ब

सी किया है। ति किया किया के बाहर से क्षेत्र के अस्तरक के दोने के अस्तरक के दोनियम के क्यों क्या क्यों क्यों

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रेसोकनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँ इए था, किया में सुविधा खें निए।

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्तियों, अर्थात :— (1) श्री सुरेन्द्र सिंह

(अन्तरक)

(2) मैसर्स विमको सिर्डिलिंग लि०, बरेली द्वारा श्रटार्नी श्री श्रार० एस० रावत ।

(ग्रन्तरिती)

को बह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वात की तानीं से 30 दिन की अविधि, को भी विधि सो विधि में से सिंग्सी क्यें कित होती हो, के भीतर प्रकेंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा.
- (च) इस सूचना के राजपत्र में अक्ताकन की दार के म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति त्यारा अभाउन्साकरों के सम लिखित में किए जा सतारा।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रय्वत जब्दों और पदों का, जो उसक जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

भूमि प्लाट नं० 2 पैमाईसी 4.03 हैब्टेयर ग्रौर प्लाट न० 3, पैमाईसी 1.06 हैक्टेयर टोटल 5.09 हैक्टेयर, स्थित ग्राम-चन्देन, तह० बिलासपुर जिला रामपुर (जैसा फार्म 37-जी में विणित है)

> श्रीनती य्० कान्जीलाल सक्षम श्रीधकारी/निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (श्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख: 14-1-1985

प्रकल बाह . टी. एन., एस., ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-मू (1) के बधीर सुचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वाग्वत (निरीक्षण) (म्रर्जन क्षेत्र),लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या जेड-7/एक्यु०--श्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का छारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो सिविल लाईन, बरेली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक मई, / 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमाय
प्रतिकृत के लिए गंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर्ने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्रश्यमान प्रतिकृत से, एसे द्रश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह
प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरम् के लिए तय पाया गया
प्रतिकृत, निम्मलिखित उद्देश्यों से उच्त बन्तरण विश्वित
वे वास्त्रीवक रूप से क्षित नहीं किया गया है

- (क) अन्तर्म सं हुई किसी आप की बायद, अम्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विभा के लिए; शीक्ष/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या बन्क नारितयाँ का जिन्हें भारतीय जाय-कर जिम्ही भारतीय जाय-कर जिम्ही स्वाप्त १९२२ (1922 का 11) या उक्त जीभीनयम्, या धन-कर जीभीनयम्, या धन-कर जीभीनयम्, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया प्या था वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्टः

नतः नव, उन्त विभीननम की थास 269-ग के बनुसरण में, में: उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निम्निनिस्त व्यक्तिकों है. वधीन हिन्स (1) श्रीमती रमेश लता

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जाकिरहुसैन

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को बह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की वविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र
  सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् विकित में किए का सकीये ।

स्मण्डोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिसा क्या हैं।

#### वनसर्वी

प्लाट पैमाईसी 447.33 वर्ग-गज स्थित सिविल लाईन, बरेली (जैसाफार्म 37-जी में वर्णित है।

> श्रीमती यू० कान्जीलाल सक्षम श्रीधकारी/निरीकी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (श्रजन क्षेत्र); लखनऊ

तारीख: 14-1-1986

# प्रक्ष कार् ्टी . इम. एस . -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6211--ग्रतः मुझे,वी० पी०श्रीवास्तव

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 292/4 है तथा जो नहारपारा (केलिकर पारा वार्ड) रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रायपुर, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) नंतरक से हुई किसी बाध े बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के नंतरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्च जास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में बृविधा के जिए;

कतः शव, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उक्कारा (1) के क्षीन , निम्नुसिक्त स्पिक्तकों, अर्थात् क्षेत्रक

- (1) म करी पैट्रोमेक्स इन्डस्ट्रोज, नागपुर (ग्रन्ति क)
- (2) श्री लोलुमल पिता हरूमल द्वारा लोलुमल हरूमल एण्ड संस, नाहरपारा, रायपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### -

मकान नं० 292/4, नाहरपारा (केलिकरपारा वार्ड), रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-1-1986

प्ररूप बाइं. टी. एव. एस. पर-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भाइत इरकाइ

कार्यालय, सहायक बायकर बायक (निरीक्षण) शर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/6212---ग्रन मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

जायकर नाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस्य करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या मकान, प्लाट नं० 189(ए, सेक्टर) है, तथा जो इन्द्रपुरी, भोपाल में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया मृतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित अं मास्तिक रूप से किवित महीं दिवा नवा है यान

- (का) बन्तरण सं हुई किसी बाब की रावत, उन्त बीधीनबन्न के बधीन कर दोने थें बन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा है लिए; बीट/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया न्या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधां, के निग्र।

अतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट (1) श्री लब िङ्गोर शर्मा, पिता चैतराम शर्मा, निवासी इन्द्रपुरो, भोपाल।

(ग्रन्तरः)

(2) 1 श्रो अञ्चुल साजिद खान पिता अञ्चुल हईखां
2. श्रीमती तसनीम जहान पत्नी अञ्चुल साजिद खान
निवासी—अगम वाली मस्जिद, जहांगीराबाद,
भोपाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इसारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निचित में किए जा सकोंचे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

मकान, प्लाट नं० 189 (ए० सेक्टर) पर, इन्द्रपुरी, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसाा सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० में निहित है?

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : **8-**1-19**8**6 मोहर : प्रारूप बाई.टी एन.एस .

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत परकार

# कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भीपाल/6213—ग्रतः मुझे, बी०पी० श्रीवास्तव,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क से अधिक है

स्रौर जिसकी मंख्या प्लाट है, तथा जो महारानी लक्ष्मोबाई वार्ड, हटनी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नमुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री ति स्रिध होने के नार्यालय, हटनी में रिजस्ट्री हरण स्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के स्रधीन, मई 1985

को पूर्वीक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुन्ने यह विश्यास करने का कारण हैं कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रति-फल से एसे द्रश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तम पाया गया प्रतिष्ठंग, निम्निनिश्चत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्/बन
- (क) एसी किसी बाय हा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ६1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था "छपाने में सुविधा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स डायर्स स्टोन लाइन कम्पनी प्रा० लि० हैड ग्राफिस: 10, ग्रलीपुर रोड, दिल्ली

(अन्तर १)

(2) मैसर्म नेशनल ईडिया रब वक्स लि० द्वारा मेनेजर पवन कुमार जैन वलू ज० खोरीलाल जैन, निवासी - नई बस्तो, कटनी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मृचना बारी करके प्रवेक्त सम्परित के बर्चन के बिख् कार्यवाहिया शुरू करता हों।

# उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सस्टम्थ के काई भी बाक्षंव :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंचे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिया

## अन्सूची

प्लाट महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड, कटनी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसदा सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पो० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-1-1986

प्रक्ष बाइं. टी. एन. एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

# कार्यातव सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6214—ग्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

कायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00000/रुपये से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या मकान है, तथा जो सुभाष वार्ड, हट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हाटा जिला दमोह में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1903 का 16) के अधीन, मई 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खयमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए एय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरक लियित वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी बाब की बाबत उक्त विभि-विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बलने में सुविधा के निए; और/धा
- (स) एसी किसी अप या अन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा औ निए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमं, अर्थास् क्ष्राच्या

- (1) श्रीमती सुशीला बाई पत्नी कुन्दनलाल 2. भरत कुमार पिता कुन्दनलाल जैन 3. विजय कुमार पिता कुन्दनलाल जैन 4. प्रदीप कुमार पिता कून्दनलाल जैन सभी निवासी—खुरई जिला सागर।
- (2) श्रीमती जनक दुनारी पत्नी ग्रच्छेलाल श्रीवास्तव निवासी--सुभाष वार्ड, हाटा तह० हाटा, जिला दमोह

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्यक्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वासेव :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तथ्यीत में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगला औ

मकान हटा (सुभाष वार्ड) जिला-दमोह में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है प्रियदा सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० मे निहित है

> दो० पो० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षक) स्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 8--1--1986

मोहर 🖫

प्रकार बाह्". टी. एव. एव. -----

कासकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के विधीन सुमना

#### बाह्य बहुन्तर

# कार्यातव, सहावक नायकर आधुक्त (निर्देशिक) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोषाल, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 6215—ग्रतः मुझे वी०पी० श्रीवास्तव

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि सं० नं० 11/2 है, तथा जो ग्राम पोडी तह० पाटन जिला जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीजर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मूल्य संक्रम के दश्यक्षम शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह किवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ले., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह चित्रस्त से अधिक है और अंतरण के बीच तय पाया गया प्रविक्तन, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की शवस, उक्क वीधीनवस के अधीन कर दोने के अन्तरक से यामित्य में कमी करने या उग्नयं वचने में सविधा से सिष्; सीर्/वा
- (क) ऐसी किसी नाम मा किसी धन मा कथ्य नास्तिनों की, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया धाना चाड़िए था कियाने में संविधा के सिए:

वतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (१) के अधीर निम्ननिवित व्यक्तिकों सभात् हुन्न (1) श्रं। द्वार । प्रसाद पिता पुरुषोत्तमकाल नायक निवासी स्रवादी वार्ड नं ० 1, दमोह ।

(ग्रन्तरवः)

(2) श्रीमती दुर्गेशबाई पत्नी श्री प्यारेलाल श्री जयराम साहू निवासी पडरिया तह० गाडरवारा, जिला नरिमहपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## इक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासीप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे ।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम के जध्याव 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होंगा, जो उस जध्याय में क्लिस क्वा ही।

# ग्रनुसूची

कृषि भूमि ख० नं० 11/2 (एरियां 7.50 एकड़) (ग्राम पीड़ी तह० पाटन जिला जबलपुर मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिलका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा क्रियापित फार्म नम्बर 37 जी० ; निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर ध्रायुक्त (निरीक्षीण) प्रजैन रोंस, भोषाल

तारीख: 8-1-1986

# एक्य बाह्र'. टी. एद इत. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

#### भारत बर्काह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजैन/भोपाल/6216--ग्रत मुझे, त्री० पी०श्रीवास्तव,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके ध्वक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इ के बधीन सक्षेत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य,

1, ७७, 000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या मकान, प्लाट नं० 187, पर शीट नं० 7 (ख॰ नं० 721) है, नथा जो जूना बिलासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध शनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिल्स्ट्री क्ती ग्रिधिकारी के कार्यात्रय बिलासपुर में रिज्स्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 क्षा 16) के ग्रिधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का इन्ह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (ज्ञन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गति-क्ष्म निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिचित में बास्तिविक स्था से काश्यतिक से का

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के खियत्व में कमी करने या उससे बचने में स्कृतिका की लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

बतः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण वर्ष, के उत्तत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्निचिक व्यक्तियों, वर्धात् के अधि 13—466 GI/85

(1) श्री ग्रम्ण कुमार सेनगुष्ता पिता मोतीलाल सेन गुष्ता बिलासपुर

(ग्रग्तरक)

(2) श्रीमती शकुंतला बी० माधनकर पत्नी श्री बी० पी० माधनकर बी० पी० माधनकर पिता श्री प्रहलाद माधनकर निवासी—ग्राकोला महाराष्ट्र, वर्तमान तिलक नगर, बिलासपूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना अरी कारके पूर्वोक्त संपत्ति की वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस भ्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो इवच अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआविक्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

मकान, प्लाटनं० 187 पर, शीटनं० 7 (ख० नं० 721) जूना विनासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ऋतिरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

सारीख: 8-1-1986

# त्रस्य बाह्र्'्दी. स्वः एस . -----

जायुकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

म्रजनरेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 6217—ग्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

म्रोर जिसकी संख्या मकान नं० 1086, 1087 एवं 1088 (का भाग) है, तथा जो राम मनोहर लोहिया वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रोर इससे उपबद्ध भ्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारों के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण संहृदं किसी नाय की वावत, उक्क विधिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकले में स्विभा के लिए; बौर/मा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ब बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को स्वरू;

नतः अब उक्त विधिनयम की भारा 269-ग को अनुसरण को, की, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---- (1) श्री रामेश्वर प्रसाद पिता चिरोजीलाल भागंव निवासी भ्रलीगढ़ (यू०पी)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी सुन्दरलाल नारंग निवासी 216, भरतीपुर (जबलपुर)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीकत दिस्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (ब) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए वा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में दिया सवा है।

## धनुसूची

मकान नं 1086, 1087, एवमं 1088 का भाग, राम मनोहर लोहिया वार्डं, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्मं नम्बर 37 जी म निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) ग्रर्जनरेंज, भोपाल

तारीख: 8-1-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरा 1986

निर्देश सं० श्राहि० ए० सी०/ग्रर्जन /भोप ।ल/ 62 1 ह- -त मु बी० पी० श्रीवास्तव

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर निजिकों संख्या मकान नं है उड्यू ० एस ० 5 7 है, तथा जो

हुष वर्धन नगर, भोजाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची

में पूर्ण रूप से विणिन है) पितस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यात्य भोषाल

में रितस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) ता० मई 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने

का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,

इसके स्वयमान प्रतिफल से, पुसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्

गित्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

गित्रफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
।।स्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अतीरनी द्वारा ५कट नहा किया गर्म ना या किया बाना बाहिए बा, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः वाब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-न के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री सूरजमल पिता श्री मनीराम धाइसे निवासी 57, इ्वंबर्धन नगर, भोपाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस॰ के॰ वाइसे पिता सूरजमल धाडसे निवासी "इण्डियन फॉटलाइजर्स कारपोरेशन कोरबा मंड पोस्ट इस्तदेव प्रोजेक्ट जिला बिलासपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे का सकती।

स्वच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा पया हैं।

## **न**नुसूची

मकान नं ० ई ० डब्ल्यू ० एस-57, हवंबर्धन नगर, भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्णविवरण अन्तरिती हारा सत्यापित काम नम्बर 37 जी में निहित है।

> बी॰ पी० श्रीवास्तव स्थाम श्राधिकारी स**हायक भामकर भ्रायुक्**त (निरीक्षण) सर्वन रेंज, भोपाल

वारीख: 8-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजैन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन भोपाल/ 6219—ग्रतः मुझे बी॰ पी० श्रीवास्तव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या मनान है, तथा जो वार्ड नं० 1, सनना में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री ति श्रीध हारी के दार्या १य सतना में रिकस्ट्री तरण

- श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अंशोन, मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का फंक्स प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
  - (■) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती स्नेहलता खंडेलवाल पत्नी श्री दिनेशन्य खंडेवाल निवासी आदर्श नगर कालोनी, रीवा रोड, सतना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश नारायण मैहरा पिता जयनारायण मेरा पटना (बिहार)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## अनुस्ची

मकान, वार्ड नं० 1, सतना मैं स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० में निहित है।

> नी॰ पी॰ श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सद्दायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, धोपाव

तारीख: 8-1-1986

प्रकृष बाइं . टी . एन् प्रस्त ----

#### शारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं • अं ई० ए० सी०/अर्जन/भोगाल/6220—अतः मुझे, बी • पी० श्रीवास्तव,

क्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पदचात् 'उक्त व्यक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं क भूमि ख. नं क 98/6 एवमं 98/7 है, तया जो गोडवारा, रायपुर में स्थित हैं (ग्रांग्र इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिव्ह्रिंवित ग्रीधिवारी के वार्यालय रायपुर में रिव्ह्रिंविरण अधिवियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसक द्रियमान प्रतिफल सं, एस द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गुस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त क्षिपित्यम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य क्षेत्र कार्य का उससे बचने में सूबिधा के निए; क्षर/या
- (क) होती. किसी बाय का किसी धन वा बन्स आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा वी किए।

बत्त वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की वन्तरण व. में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे वधीन, निम्निचित व्यक्तियों, वर्धत् ह— (1) श्री फलू इंजीनियरिंग धक्सं प्रोप० मो० जांबीर निवासी मोदहापारा, रायपुर

(अस्तरक)

(2) श्री ग्रब्दुल सत्तार पिता मोह० कासिम निवासी— बैजनाथपारा, रायपुर

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके प्रशेक्त स्म्यत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिखित में किए वा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीट पदों का, बो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

## धनुसूची

भूमि ख. नं० 98/6, एवमं 98/7, गोडवारा, राषुयर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तब सक्षम प्राधिकारी सहायक सादकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, श्रोपाक

तारीख : 8-1-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

द्यर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांच 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० म्राइं० ए० सी०/म्रर्जन/भीपाल/6221— म्रतः मुझे बी० पी० श्रीवास्तव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.001,000/- रुठ. से अधिक है

र्धार जिसकी संख्या प्लाट नं 283, मेजर शापिंग सेंटर, जोत II है, तथा जो हर्बीबर्गज, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूर्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयती श्रविकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीयरण श्रविनियम 1908 (1908 वर्ग 16) के श्रवीन, मई 1985

प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्हित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिन्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्रीमती रेशम कार पत्नी महेन्द्र धिह निवासी-ई-2/211 श्ररेरा कालीतली, भोपाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेणू गिरघारी पत्नी किशन चन्द गिरघारी निवासी कंवर राम कालोनी, भोपाल

(भन्तरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्रत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास निश्चित के किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## बन्स्ची

प्लाट नं० 283, मेजर मापिंग सेंटर, जोत-II, हबीबगंज भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण कन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रजंत रेंज, भोपाल

तारीख: 8-1-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. 📲 🛰

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रजैन/भोपाल/ 6222--श्रतः मुझे, वी० पी० श्रोवास्तव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या प्लाट नं 140 है, तथा जो ईदगाह हिला, भीरात में स्थित है (ग्रीर इनसे उताबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से दर्णित है) रिस्ट्री ती ग्रधिवारी के वार्यालय भीराल में रिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, मेर्ड 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास के में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नेह शितकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप की की थत नहीं किया यहा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान हो सविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण के, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के उप्पोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती ध्वा इत्वाल पत्नी एम० ए० इत्वाल, निवासी ईदगाह हिल्द, भोपाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जंग बहादुरिमह 2. रिवन्दरिसह पिता गुरनामितिह निवासी ईदगाह हिल्स, भोपाल (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण :—इसमं प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हारा को उस अध्याय के दिया गया है।

#### धनुसूची

प्लाट नं० 140, ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० में निहित है।

> वी • पी ० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिवारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ======

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6223--ग्रतः मुझे वी•पी०श्रीवास्तव

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 5 (शाप कम रेसीडेंस) है, तथा जो बेरिसिया रोड, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाब्द अनुसूची में पूर्ण रूप से विश्वत है) रिस्ट्रीशरण अधिशारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 कार्यालय केंद्रिस मई 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बासाचिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिषाने के सुदिशा से जिए;

ब्दः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुजिखित व्यक्तियों, अथोंतु:——

(1) श्री परमानन्द पिता ने डोमल एवम श्रीमती पदमा-बाई पत्नी प्रेमानन्द निवासी राजदेव कालोनी, भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रहमद हसन पिता मोह० हसन निवासी मस्जिद शक्र खान, भोपाल

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पांदि किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पांदि किसी का सकेंगे।

स्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिन हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा प्याहै!

## **अ**न्स्ची

प्लाट नं 5 (शाप कम रेसी डेंग), बेरिया रोड, भोपाल मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्मित है विस्ता सम्पूर्ण विश्रण अन्तरिती द्वारा स्ट्यापित फार्म नम्बर 37 जी में स्थित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक्त ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भीपाल

तारीख: 8-1-1986

# प्ररूप बाई. टी. एन् एस्.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-मृ (1) के बभीन सुमना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्तिण)

ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6224 — ग्रत, मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि ख0 नं० 34, 40 (पी० एच० नं० 21) है, दथा जो गोविन्दपुरा, तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है),रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के हार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डाह् प्रतिश से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिणों) के बीच ऐसे अन्तरल के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उच्च प्रस्तरण निश्चित में बास्तिक्क उप के स्थित नश्री किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आंद्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया बाना चाहिए वा, खिपाने में सविधा के लिए; और/बा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :——
14—466 GI/85

 श्री बिहारी लाल पिता श्री मुख्लीधर निवासी पुल बोगदा, ग्रशोक नगर, भोपाल (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

2. संगम सहकारी ग्रह निर्माण समीति मर्यादित भोपाल 64/5, साउथ टी० टी० नगर, भोपाल द्वारा ग्रध्यक्ष श्री एम० पी० पदमनामन (ग्रन्टरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, वो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूंच किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए या सकेंगे।

स्वाहित्य :—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया वदा ही।

#### arest.

भूमि ख० नं० 34, 40, गोविन्दपुरा, तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तिरिती बारा सत्यापित फार्भ नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपा

तारीख 2-1-1986

# प्रकृष बाइ' डी. एन . एस . -----

बाधकार बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

#### नार्ख सरकार

आर्थालय. महायक प्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोणाल

भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 6225—ग्रतः मुझे, ग्री० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (विश्वं इस्वं इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा वस्य हैं), की बार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, विश्वका उपित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट कमांक 188 है, तथा जो मेजर शार्षिण सेंटर, महाराणा प्रताप नगर, भोषाल में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में. ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्री एती ग्रीधकारी के व्यायीलय भोषाल में रिजस्ट्री करण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के दिवत बाधार मृश्य हे कम के दरमान दिएफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाधार मृश्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफत के बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंबरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तिवक रूप से कथिट नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बाधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, ह, धन-कर अधिनियम, ह, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, कियाने में गृविष्ट के किए;

बंतः अव, इक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती कृष्णा मित्तल पत्नी श्री श्रशोक कुमार मित्तल निवासी 99/67, तुलसी नगर, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

 श्री माउसेन ग्रात्मज मांचाग सेन
 श्रीमती जानत पत्नी माउसेन निवासी 85, सरस्वती नगर, भोपाल।

(अन्वरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन की लिए कार्चवाहियां करता हूं।

## बक्त मंगील के बर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर चूचना की तानील से 30 दिन की नवीध, जो भी मुम्बि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी न्यस्ति क्वारह;
  - (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कियी बन्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कवा नीत पदों का, को उपक निधिनयम के नध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं सर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया नवा ही।

## अनुसूची

एक किता लीज होल्ड प्लाट क्रमां 188, जोन 1, मेजर शापिंग सेटर महाराणा प्रवाप नगर, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, स्क्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंग, भोपास

तारीख : 24-12-1985 मोहर :

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आसकर आस्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6226 -- अत, मझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 90/91/2 है, तथा जो, चूनाभट्टी, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रेधीन, तारीख मई, 1985

क्रो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कथ के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए:

अतः अवः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  श्री गोविन्द राम
 राम प्रसाद पुत्रगण गलाब सिंह निवासी चूना भट्टी तह० हजूर जिला भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्री दानिश हाउसिंग को सोसायटी द्वारा श्रध्यक्ष मो० शाहिद पिठा इरशाद खां निवासी इहवारा, भोषाल।

(श्रंग्तिशिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संस्पतित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तस्रीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकर्गे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त निध-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वह्नी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भिम ख० नं० 90/91/2, जा भाग, चूना भट्टी, तहसील हजूर जिला भोषाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिस जा रम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संत्यापित फार्म 37 जी में निहित्त है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी, सहाधक ग्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीखा 24-12-1985 मोहर प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961.का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 1 जनवरी, 1986

सं॰ ग्राई॰ ए॰ सी॰/ग्रर्जन भोपाल/6227 —ग्रतः मुझे, वी॰ पी॰ श्रीवास्तव,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रयात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसी संख्या प्लॉट नं० 79, ई-1 ग्ररेग कालोनी, है, तथा जो भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधितारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री लें० गर्नल जसबीर सिंह खुराना पुत एस० लें० कर्नल एस० मेहता सिंह निवासी वी 45 डिफ़ेन्स कालोनी, द्वारा श्राम सरदार तेजेन्द्र सिंह पुत सरदार प्रवतार सिंह ई-4/35, ग्ररेरा कालोनी, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुधीर कुमार ग्रगरवाल, पुत रमेश चन्द्र ग्रगरवाल, ग्रगरवाल भवन, सुल्तानियां, रोड, भोषाल।

(अन्तरिती)

ं यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस # 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों एउ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारांख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अ**न्स्ची

प्लाटनं० 89,  $\hat{\mathbf{x}}-1$ , अरेरा ालोनी, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

वारीख: 10 1-1986

मोहर '

प्रस्तप आई.टी.एन.एस.-----

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जनवरी 1986

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपान/6229:---अत मुझे, वी० पी० श्रीवारणव,

कायकार निर्मायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निर्मायम' सहा गया है), की धारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० प्लाट नं० 3/2, ब्लाक नं० 4 है, तथा जो किविल स्टेशक, जबलपुर (नेषियर टाउन के पास) में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1998 (1998 का 16) के अधीन नत्रीख मई, 1985।

को पृषोवस सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान ज्युतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृयोंकत सम्मित्त का उचित बाजार मृश्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का गवह प्रतिस्त से अधिक है और मंतरक (संतरका) और संतरित (संतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिक कत निभ्नोनिस्त उद्देश्य से उस्त सन्तरण निष्ठित में बास्त-रिक स्थ से कथित उद्देश्य से उस्त सन्तरण निष्ठित में बास्त-रिक स्थ से कथित उद्देश्य से उस्त सन्तरण निष्ठित में बास्त-

- (क) जन्तरण हं हुई किसी बाय की बायत उचत थांच-नियम के अभीन कर दोनें के जन्तरक के दायित्य से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; श्रीद/या
- (स) एसी किसी बाद वा किसी धन वा बन्य आस्तिबों करें, चिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित क्यक्तियों अधीत :--

 श्रीमती सविता सारकर पत्नी निचन्द्र कुमार सारकर निवासी 769/1, राइट टाउन, गोल वाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

श्री रामिश्तह पवार एव
 नरेन्द्र सिंह पिता हीरा लाल पवार
 1180, राइट टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कुक करता हूं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किस् का एकों में।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया व्याहिं

#### अन्स्ची

प्लाट नं० 3/2 (ब्लाक नं० 4) सिविल स्टेशन, जब्लपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित्त है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 2-1-1986

प्ररूप बाइ , टी. एन. एस. \*\*\*\*\*\*

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विधीन स्चना

नारत परकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायकत (निराक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जनवरी, 1986

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6228:—अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तवः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह दिश्वास करने का क्षारूष हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका अधित बाजार म्रूब 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि नं० 240, 241, 264/1, 244, है, तथा जो, बावड़ी क्ला. तहसील हजूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया वाना चाहिए था, कियाने के मुनिया के सिए;

सतः थदः, उसत विधिनियमं की धारा 269-मं वाँ वन्तरण में, में, उस्त विधिनियमं की धारा 269-च की उपभारा (1) की वधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, वधीत् ह——

- श्री द्वारका प्रसाद
   आत्मज श्री जगदी प्रशाद द्विवेदी,
   70/15 साउथ टीटी० नगर, भोपाल।
   (अन्तरक)
- 2. न्यू प्रिरेन्डस हाउसिंग की० आगसी० लि० भोपाल द्वारा अध्यक्ष श्री शीनल प्रसाद तिवारी 93/27, 1250 क्वार्ट्स भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि खसरा नं० 240, 241, 246/1,244 बावड़ीकला तहसील हजूर, भोपाल यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्मं नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव,, तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण ' अर्जन रोंज, भोपाल

नारीख: 10-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनकरी 1986

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6331——अतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान खसरा नं० 58/2 श्रौर 62 पी एछ नं० 28 प्लाट नं० 9 है, तथा जो रतन नगर भारत कालोनी, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त बंतरण निविद्य में बार्सिवर स्थ के निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त बंतरण निविद्य में बारितियां स्थ के निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त बंतरण निविद्य में बारितियां स्था

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाय की बाबस, उन्हें बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने मी स्वीतिक के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रूबें, में. उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ≝——  श्री प्रधायुमन सिंह पुत्र श्री गुरूबक्ष सिंह डी/4, सरक्यूलर रोड, बुरहानपुर, जिला बोरवम (वेस्ट बंगाल)

(अन्तरक)

 डाक्टर अनील कुमार बोहर पुत राजाराम सिंह बोहर
 आमिवन बोहर (ना० बा०), पुत्र डाक्टर अनील कुमार बोहर निवासी भारत कालोनी, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मृतित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब र 45 दिन की जनिंश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, वो भी जनिंध कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## **मन्**स्चीं

मकान, खसरा नं० 58/2 श्रौर 62 (पी०एछ० नं० 28) प्लाट नं० 9 स्तन नगर भारत कालोनी जबलपुर, यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्ज भरें ज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1986

सं० आई० ए० सी०/अर्जभ/भोपाल/6230:—अतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्त्रव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या गोडाउन प्लाट नं० 335 (एस० नं० 664) है, तथा जो महाराजपुर जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इती अधि गरी के गर्यालय, जवलपुर में रिजिस्ट्री- इरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के जिए जिन्तरत की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रविश्वत से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्रियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत इब्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से जिभत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, न्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) हो अधीन, जिस्तीतिकत काक्तियों, अर्थान, जिस्तीतिकत काक्तियों, अर्थान,

 श्री मोहम्मद अली पुत इसमाइल जी, 174, कोतवाली वाजार, उपरैनगंज, जबलपुर।

(अन्तरक)

 श्री तुषार वैध पुत महारूद वैध
 230 रवीन्द्र नगर, आधारतल जवलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धं किती उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षेणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननस ची

गोडाउन, प्लाट नं० 335 (एस० नं० 664) महाराज पुर जबलपुर में स्थित है), यह वह स्थावर सम्बक्ति है जिस प्रा पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा फार्म नं० 37 जी में निहिन है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधि गरी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 10 जनवरी 1986

सं० म्रई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोगाल/६२३२:--म्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 52 है, तथा जो शिरी नगर मैंन कालोनी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1998 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः उव, उवत अधिनियम कर् धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उप गरा (1) के अधिन, निम्हिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् का निम्हिलिखत व्यक्तियों का निम्हिलिखत व्यक

श्री सुरेन्द्र नारायण मुंगी,
 27/12, मनोरमा गंज, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती उषा पति कैलाश चन्द्र,
 25-26, रमेश चन्द्र नगर इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ¥
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकें रे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 52 शिरी नगर मैंत कालोनी, इन्दौर में स्थित है। उड़ वह स्थावर नम्पति है जिसका पूर्ण विवरण स्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण,) स्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 10-1-1986

# प्रकप**्र बाह्यं , टी**.. पुन् , पुन् , = = = =

# नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीर स्मना

#### भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनाँक 10 जनवरी 1986

ं सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6233:--म्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 99, 100, एवं 102 है, तथा जो सुतार विचोली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्धयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त क्या के किया नहीं किया नवा है है—

- इंक) बलाउन से हुई निस्ती आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अभीत कर रोते के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या एक में वचारे की मृतिधा क निता, और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गता था या किया प्राना ची स्थित थी। एक्यान चे स्विका के जिए।

भतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री रमेश पिता राम प्रसाद, ग्रशोक पिता राम प्रसाद, गीता बाई पित राम प्रसाद, खजराना इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

- 2. 1. बाला रांम पिता महावीर
  - 2. श्याम लाल गोरधन
  - 3. गेंदा लाल ईश्वर लाल
  - 4. जसोदाबाई ईश्वर लाल
  - 5. मुरलीधर पन्नालाल
  - 6. शरद कुमार वाला राम
  - 7. सकुरन धीर जी
  - शोकत पिता बशीर
  - 9. गाका रहीम जी
  - 10 बशीर खान सूलतान खान
  - 11. हशामत बी इब्राहीम जी
  - 12. सिराज
  - 13 सलीम बशीर
  - 14 रशीद खान
  - 12. प्रहलाद
  - **15** किशन
  - 17 रणजीत
  - 18. गोपल पिता शिवनारायण जी, (सत्यम शिवम सुन्दरम हार्डीमग सोसायटी इन्होर)

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बबल बच्चील के बर्चन ने बंबंध में कोई भी बाखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण तें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना क रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 किन के जीतर उक्त स्वावर सम्मतित में हितवव्भ किसी कन्य व्यक्ति वृद्यारा, वभोहस्ताक्ष्मी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ु — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 99, 100, एवं 102 ग्राम सुतार बिकोली में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वीः पी० श्रोवास्तवं यक्षमप्राधिकारोः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप आई<sup>.</sup>.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनाँक 10 जनवरी 1986

सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/ 6234:--ग्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सभ्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० प्लाट नं० 61 (शिव विलास पैलेस) है, तथा जो एम० जी० रोड, इन्बौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय इन्धौर में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधित्यम 1998 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दर्यज्ञान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिशत से विधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गतिफल निम्निखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण बिखित में गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी झाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को, चिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर जिभिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चांहए था, छिपाने में सुविधा भीव्या के लिए,

कतः वदः, उक्त विधिविषय की धारा 269-व के वनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

- श्री जयपाल पुत्र श्री शामी दास लुल्ला,
   65 काटजू कालोनी, इन्बौर।
  - (ग्रन्तरक)
- श्री कैलाश चन्द्र जैन व सुनील कुमार जैन पुत्र गुलाबचन्द जी जैन,
   10, निस्था रोड इन्दौर।

(म्रन्तरिती)

को यह स्कता नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्सेप 🗫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
  45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी
  जनिव नाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकने।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का को उक्का विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसूची

प्लाटनं० 61 शिव विलास स्थित पैलेन एम० जी० रोड इन्दौर नें स्थित है यह वह स्थावर सम्मति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा फार्म न० 37 जी में निहित है।

> वी० पो० श्रोतस्त्व, ातत प्राधिकारो, सहायक स्राप्तक र प्रायुक्त निरोक्षण स्रजन रेज भोपाल

ारीख: 10-1-1986

भोहर:

# प्ररूप बाइ', टी. एन. एव. -----

भायकर क्रिकारिक 1961 (1961 का 43) की भाय 269-ण (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 जनवरी 1986

निदभ सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6235:--ग्रतः सुझे वी० पी० श्रीवास्तव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 23/25 का तल मंजिल का फ्लैट है तथा जो ग्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनयम, 1907 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान आतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार अ्व्य, उसके दश्यमान आतिफल से एसे दश्यमान पतिफल का बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जुन्तरफ सं हुंदूर्श किसी जायु की बाबत उक्त जीधीनयम के जधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उनमें बचने में सुविधा के लिए, कोर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, ख्रियाने में स्विभा के लिए;

कतः अब, उक्त किंगियम की भारा 269-न के अनुसरभ मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री पाराजीत सिनेमाटिक इन्टरप्राइजेस प्रा० लि० 170 ग्रार० एम० टी० मार्ग, इन्दौर सर्वे० नरेन्द्र सिंह, झबुग्रा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मदन लाल ग्रानन्द पिता श्री दोनानाथ ग्रानन्द, निवासी यशवन्त कालोनी, इन्धौर। (ग्रन्तरिती)

**को बहु श्रु**षना चारी करकं प्वांबद सम्पत्ति के सर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

डवह सम्बन्धि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेय:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की तार्रीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्रिश्विक्ष, के बृध्वाय 20-क में प्रिभाष्टि इ<sup>8</sup>, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया एवा हैं।

## **प्रनु**मुची

फ्लैंट नं० 23/25, 170 ब्रार० एन० टी० मार्ग इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पो० श्रोवास्त्रव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

# प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत चरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोगाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1986 सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोगाल/6236:—अत: मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्ताट नं० 23 है, तथा जो मनीषपुरी कालोनी, इन्दौर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिवक कृप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम की बधीन कर दोने के बन्तरफ को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या विसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नाहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः कथ, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितिक स्थान

श्री रमेश मटकर पिता दक्षारिया मटकर
 श्रीमती निलान्जम पति रमेश मटकर
 अप शिरी जलौनी,
 इन्दार।

(अन्तरक)

2. श्री पारण मेहता पिता कल्यामजलजी मेहता 104, न्य देवास रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीक रं 45 दिन की नविभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाध्य होती हां, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ठारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबह्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पाध निश्चित के किए वा सकने।

स्पत्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त चब्दों और पदों का, भो उत्तर अभिनयम दे अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

प्लाट नं० 23 मनीश पुरी कालोनी इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में मिहित है।

> त्री० पी० श्री*त्रास्*नव सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयजर अत्युक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 6237:—अतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं 66 पर बना मकान है, तथा जो वैशाली नगर, सेक्टर [I (सेकण्ड) इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन तारीख मई. 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19£7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वाः। प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

ब्रिपः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तिक्यों. बर्धात ह 1. श्री बच्चू लाल पिता श्री दयाल दास, 24/1, मोती तबेला, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्री सुधीर कुमार पिता गोधिन्द वाडीकर 34-ए, भवानी पुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध क्रिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्दाँ का: जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

प्लाट नं० 66 पर वात मकान वैद्याली नगर सेक्टरा सेक्छ इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवारण अन्यिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव संदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाः रेज भोजात

नारीख: 10-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 10 जनवरी, 1986 सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/638—ग्रत: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तवा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी संव बना हुआ मकान प्लाट नंव 222 पर
है तथा जो जय जगत नगर इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक मई 1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रमीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण रूर्मि, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्ति व्यक्तियों, अर्थाट :---  श्री धर्म पाल पिता श्री नारयण दास जी निवासी जाय जगत नगर मकान नं० 222 इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

श्री हासा नन्द पिता मूलन्द जी जैसवानी निवासी 1162 ए गुमास्था कालोनी काती वाला टेंक इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-ह<sup>5</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं॰ 222 पर बना हुआ मकान जय जगत नगर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं॰ 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जंन रेंज भोपाल

तारीख। 10-2-1986 मोहर।

# प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आक कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 15 जनवरी 1986

सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6239।—ग्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भ्मि है तथा जो ग्राम वारोला तहसील रायसेन में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रायसेन में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीक मई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्ध, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया शितफल निमालिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निमित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरम से हुई किसी बाब की बाबत, उम्बद्ध विधिनयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बार्/बा
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

जल: इत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क स्थीर निम्निसियत व्यक्तियों, समास् ▶──

 श्री सुदामा प्रसाद पिता मथुरा लाल अग्रवाल निवासी वड़ा बाजार विदिशा।

(ग्रन्तरक)

 श्री केसर अब्बास पिता इकबाल हुसेन बोहरा सिरोज वर्तमान माधव गंज विदिशा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास ' सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका गया है।

#### मनुसुची

 $\mathfrak{F}^{\text{[o]}}$  भुमि ग्राम वारोला तहसील रायसेन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिस $\mathfrak{F}$ । सम्पूर्ण विवरण ग्रिन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वि॰ पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपास

तारीख। 10-1-1986 मोहर:

# मुक्य नार्' हों . पुन . एवं ..-----

आवकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

#### भागा राष्ट्रार

# कार्यांतय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं. प्राई० ए० सी०/प्राजन/भोपाल/6240— प्रतः, मुझे, बी० पी० श्रीवास्त्रव, बावकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (विसे स्वमें इसके भश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के बधीन तसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम वारोला तह० व जिला रायसेन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, रायसेन में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 1985

1.00,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्बद्धि के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्वमान प्रतिकत के निए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त तम्प्रीत का जीवत बाजार मृज्य, उतके व्ययमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का प्रमृद्ध प्रतिकत से विश्वक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकत निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिचित में शास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया यथा है

- हैंगी बंतरण वे हुई कि की बाक की बाबत, उक्त विधिनिक्त के बधीन कर दोने के बंतरक के दाबित्य वे कजी करने वा उससे वचने वे सुविधा के लिए: बॉर्ट/वा
- (क) एरेंगी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, बिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोदनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में मुविधा से बिहा;

(1) श्री वनश्याम दास पिता श्री सीचिगराम अग्रवाल निवासी जुमेराती, भोपाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सगीराबानो प-नी हुसैन ग्रली बोहरा, 2. ग्रमीना बाई पत्नी डा० इमरान हुसैन बोहरा निवासी माधोगंज, विदिशा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

#### वनस्पी

कृषि भूमि ग्राम बारोला तह. व जिला रायसेन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन रेंज, भोपाल श्रायकर भवन मैंदा मिल के पासु, भोपाल

तारीख: 10-1-196 मोहर: 

# per mile the the the second

# बाज्यार ब्रह्मिनिय्य, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के बचीम सुवना

#### area areas

# कार्यक्ष, तहायक आल्कर जागूवत (गिरीक्षण)

ग्रर्जन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 जनवरी 1986

वासकर विधितयत्र, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसवें इसकें परचात् 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राभिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्व 1,00,000/- - ते विभिक्त हैं

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं. 75 एवम् उस पर निर्मित मकान है, तथा जो अनूप नगर, इंदौर मे स्थित है और इससे उपाबढ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1985

को पूर्णेक्स सम्मित के उपित वाकार मून्य से कम के उपकार प्रिक्षित के विष् अन्तरित की गई है कि उन्ने वह विष्कृत कर्मने का कारण है कि यथापूर्णेक्स संपत्ति का उपित तरकार क्षेत्र का कारण है कि यथापूर्णेक्स संपत्ति का उपित तरकार के प्रेस क्षेत्रका में अधिक है और अन्तरक (अन्वर्की) और वन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एने अन्तरण के तिष्ठ तर ज्ञा गया प्रतिकान, जिम्मितिकत उपुरक्त से उपल कम्मरण निम्मितिकत उपुरक्त से उपल कम्मरण निम्मितिक स्म से सहिष्य वहीं कि का प्रवा है :---

- [क] नन्त्रक्त के हुई कि जी बाव: की बाबतः, अकल विधितियक के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्क्रीन्त्व में स्वयी करने या उत्तवे वचने में तृतिका से निष्; सीप/या
- (च) हेवी किसी लाव वा किसी धन वा लन्य आस्तिवों को सिक्ट भारतीय आय-रूप अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भव-का अधिनियम वा भव-का अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रकालनार्थ अप्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं शिवस वा एए या किया बाना वा, कियाने में निकट के किसा

नतः नव, उन्त निधनियम की भारा 269-ग के नन्तरण में, में, उन्त निधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के निधनि, निधनिष्क किन्नकों, वर्धन :--- (1) श्रीमती ग्रमरजीत कौर पत्नी सरदार दर्शनसिंह 75, ग्रनुप नगर, इदौर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निलनचन्द्र पिता मनमोहनदास सर्राफ निबासी जिला सरकारी ह।स्पिटल, राजगढ़ (यावरा) 75, श्रनूप नगर, इदौर

(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मीत के वर्षन के वि कार्यनाहियां करता हुए।

उपन राज्यक्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी वासीए :--

- (क) इस बुचना के राजधन में प्रकाशन की सारीखं हैं
  45 दिन की जनिध वा तरसंकंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 दिन की समित, को की
  जनिध बाद वें समाप्त होती हो, के शीकर पूर्णीनक
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वास;
- (क) इत त्यमा के राज्यम में प्रकाशन की तार्डें के 45 दिन के श्रीतर उसत स्थापर सम्पत्ति में हैक्क्पपूर्ध किसी बना व्यक्ति दुवाय वक्षोहस्ताकही के पास लिखित में विद्या जा तकों ।

स्वयदीकरणः---इक्कं प्रमुक्त कर्मा गीर पर्यो का, को स्वयं वर्रधानस्य, से सम्माम् 20-क में परिशामिक हूँ, वहीं वर्ष होता को सम सम्मास में विका स्वा हो।

#### वन्स्ची

प्लाट नं० 75 एवं उस पर निर्मित मकान, ग्रम्प नगर, इदौर में स्थित है। यह वहस्थावर सम्पत्ति है जिसका सपूर्ण विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर पर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजेन रेज, भोषाल श्रायकर भवन, मैदा मिल के पाम, भोषाल

तारीख: 10-1-86 मोहर: प्रस्का अहा. टी. एवं . एकं. -----

आव्यक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

क्सर्वामय, राष्ट्रवक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्राजेंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6242----ग्रदः मुझे, वी० पी० श्रीवास्त्रव

नायकर निर्वितियमं, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसके नश्यात् 'उक्त नश्यात् कहा नया है), की भारा 269-स् ते ब्योन सक्तमं प्राधिकारी को वह विक्यास करने का कारण है कि स्थानस सम्मतित, जिसका अधित सामार मृत्य 1,06% 000 कि रह ते व्यक्ति हैं

मौर जिसकी सख्याः प्लास्ट न० 116 एवं मकान निर्माण।धीन है, तथा जो इन्द्रागाधी नगप, इदौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजक्किनली अधिकारी के नार्यालय, इदौर में निजस्ट्रीन रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान मितकल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पण्ड्र मितकत से बाधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितिवीं) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पामा गवा भ्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित वहीं किया गवा है क्ष---

- (क) अन्तरण वे हुई कियों शय की वावस, उक्स विक्रियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के . बहिदक में क्यी: करने या उक्स वचने में सुविधा के सिए; बॉट/बा
- (व) होती किसी जान न। किसी धन ना जन्म जारित्यभें को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धनकर बिलिनिक्स, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरिति; ब्वार प्रकट कहीं किया गया था या किया जाना वाहिए-था, खिपाने में सुविधा के निह;

बत: जन, उनत विभिनियम की भारा 269-ग के जन्छरण में, में, उनत विभिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष--- (1) श्री जयेश कुमार पिता मंगूभाईजीर निवासी 116, इंदिरागांधी नगर, नेशरजाग रोड़, इंदौर

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञानचद पिता भभूतमलजी जैन, निवासी 295, एम० टी० क्लाथ मार्केट, इदौर (अत्रिती)

को यह सूचना कारी करुके पूर्वोक्त सम्बद्धि के अर्थन के लिए कार्नवाहिन सूफ करबा हो।

जनत सम्पन्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्ट सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को बीं अवश्रि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सुभना के प्रज्ञपत्र में प्रकाशन की तार्रोच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्बक्ति में हित्बद्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वास, अधीह्नस्तांतरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रबृक्त शब्दों और पदाँ का, जो उचल अधिनिक्क, के अध्याय 20-क में परिभाषित ंहैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यास में दिशां गया हैं।

#### अनुसृची

प्लाट नं 116, इन्द्रागाधी नगर, इंदौर में स्थितं है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंम्बर 37 जी में निहित्त है।

वी० पी० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर भवन
ग्रीदा मिल के पास, भोणल

वारी**ड** 13-1-1986

महेंद्वर :

श्रारूप बाइ .टी.एव एख . . न्रे नन्त्र

# जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन तुषका

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6243---ग्रत:, मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सख्या प्लाट न० 104 एवमट्र उस पर मकान निर्मित है, तथा जो महावीर नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इदौर मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मई

को पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब शया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है है—

- (क) बन्तरण डे हुई किसी बाद की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविश्व के कवीं करने या उससे वचने में सुविधा श्रे निष्; औद/या
- (क) एसी किसी नाथ या किसी भन वा जन्य बाहिसवाँ को जिन्ह भारतीय नायक-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, का भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविभा के सिद्ध;

जतः। शव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-च को जनुसरण रो, मी, उक्त जीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

- (1) श्री भंवरलाल पिठा श्री नारायणशी श्रमी, निवासी-104, महाबीर नगर, इंदौर (धन्तरक)
- (2) श्री सत्यनारायण पिता बालमकुन्दजी भडारी, निवासी-कालारिया, इंदौर (भ्रम्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वीक्त तत्र्यात्त वे अर्चन के ज़िए कार्वनाहियां शुरू करता हु।

उनत सम्मत्ति के वर्षन के संबंध के कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस प्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दा-व्यथ किती जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकीने।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिन्यम, को अध्याय 20-क में करिमाणित है, नहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया क्या है।

# जन्सूची

मकान एवं प्लाट नं० 104, महावीर नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंम्बर पर 37 जी में निद्दित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायक श्रणंन रेंज, भोपाल श्रायकर भवन मैदा मिन के पास, भोपास

वारीख: 13-1-1986 मोहर:

# प्रवय बार्', टी. प्रवः प्रवः

# नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के अधीन बुज्जा

#### MIN STEE

कार्याक्षय यहायक आंवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6244--. यत: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

जायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (बिले इवनें इवकें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बाड़ा 269-व के नधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- हा. से नुधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 2534 है, तथा जो गोकुल गंज, महू में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, मई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबाद मून्य से कम के दश्यवान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है जीर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से विश्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाचा मतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य से उच्त बन्दरण सिस्ति में कारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरूप वे हुई किसी बाद की बादस्त, उन्नस बीध-नियम के अधीय कर देने के बन्तरूक की सामित्य में कमी करले या उनसे वचने में तृतिथा के निष्; महि/वा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धण या बन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा था वा किया ज्ञाना जाहिए था, कियाने वें सुविधा के किए;

बतः, बब, उक्त विधिनियम् की धारा 269-व के अनुसरम हैं, हैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) दे विधीन, निस्तिविद्य व्यक्तिवृद्धें अविद्य क्रिक्न (1) श्री नंबलाल जी पिता प्रतापजी राष्ट्रीर 2468; गोकुलगंज, मह (छावनी)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जानकीबाई पत्नी खेमचन्द्र, निवासी— 147, सांधी स्ट्रीट, महू केन्ट (म० प्र०)। (अन्तरिती)

को वह सुष्पा पारी करके पूर्वावय संपृत्ति से वर्षात् के विश्व कार्यवाहिनां युक्त करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब तुम्ता में ग्रमपम में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की सर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मान की तासील से 30 दिन की सन्धि, यो भी स्वीय काय में समाप्त होती हो, के शीतर प्रवेशिक स्वित्यों में से किसी स्वीयक द्वाहा:
- (क) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा है : 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा व्योहस्ताक्षरी के बाह्य निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्वक्यक्रिपुण :---इसमें प्रवृत्त सन्दों बीपु पर्यो का, वो उनक्ष वीधीनवम, के बध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं वर्ध होया वो उस बध्याय में दिया गया ही।

#### गगुसूची

मकान बियरिंग नं० 2534, गोकुलगंज, महू में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीबास्तब सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीच: 13-1-1986

नोहर:

त्ररूप आह. टी. एत. एस. -----

# शावकार विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) वे वधीन सुचना

#### वाका उरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाक 13 जनवरी 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6245---यक्त: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषये इसमें इसमें इसमें एक्स एक्स एक्स किया के कहा गया है), की धारा 269-या के सभीन सक्तम प्रतिभक्तरी करों वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जानन बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रोर जिसकी सख्या खेत वियोग न० 148/1 है, तथा जो मोहम्मदपुरा एह० बुरहानपुर जिला ईस्ट लिमाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप ले वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती विवास 1908 (1908 पा 13) के अधीन मई 1985

की पूर्वोक्त सम्मिष्ट के उचित बाबार मून्य से कम के कानकान शिष्ण के लिए जन्दित की यह है जीर मूले कह विद्यास करने का कारण है कि वधाप्तायल सम्मिष्ट का जियत बाध्यल स्थाप का जियत बाध्यल स्थाप, इसके द्वायकान प्रतिकास से, एस कायकान प्रतिकास का पद्ध प्रतिकात से विध्य है बीर बंतरक (धंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पावा गया प्रतिकाल निम्निर्नित्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धाइच च हुए किया साम की बागक, उन्ह बिधिनयंथ के अधीन धह दोने के बीएडक के शामक में कभी करण उन्होंने नवन में स्थित से १९६ वॉ ८६३
- (श) एष्टी किसी जीव सा किसी भी वा जन्य बारिदयों का, जिन्ह भारताय श्रांबकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयाणनाथ बदौरता स्वाच अकट नहीं किया वसा था का किया बाना वाहिए था जियान में सुविधा की लिए;

नत्त्र सुन, इन्त्र विधिनियम की थारा 269-म के बन्सरण मो, मी, उन्त विधिनियम की अध .65 की मध्य १११ के नधीन, विस्तिविधित व्यक्तियों, वर्धात् १—

- (1) श्री गरवड़ रामू महाजन 2. अनोखोलाल पिता गरबड महाजन 3. लालीबाई व बहुन मागाबाई पिना रामू महाजन, निवासी—आलमगंज, बुरहानपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री सलीमुद्दीन भाई अनीसूद्दीन पिता जेनुद्दीन काजी निवासी—लोहार मडी बुरहानपुर शमशुल आरोफिन जैनुल आबेदिन दाउदपुराः बुरहानपुर श्री सैयद इकरामउद्दीन सैयद शफीउद्दीन न्यामत-पुरा, श्री इक्ष्वाल खा आत्मज सत्तार खा, खानकाह बुरहानपुर श्री मकबुल हुसैन मोहन्मद हुसैन, बुधवारा, बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के शिव कार्मवाहिमां करता हूं।

## उथत हंपाँता के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी मानितमों इस सूचना की तामील से 30 दिन की बनीं भी औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वें के व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को श्रवक अधिनियम के बध्याय 20-क सें परिशाविक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वष्ट्राव में दिया गुवा हैं।

# वन्युषी

खेत बियरिंग नबर 148/1, ग्राम मोहम्मदपुरा, बुरहान-पुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> बी० पी० श्रीबास्तव सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास,भोमाब

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर विधित्तवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289 घ (1) के अधीन सूचना

#### भगरत संरक्षार

कार्यतम, प्रकारक वासकर आमुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जमवरी, 1986

निर्देशं सं ० आई० ए० मी०/अर्जन/भीपाल/ 6246—यर्तः मुझें, वी० पी० श्रीवास्तव,

भावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इत्तर्गे इक्का स्वत्वाद् 'चव्य विधिवन्त्र'' व्यक्त स्वा ही, की धारा 209-व के वधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का सार्थ है कि स्थापर सम्पत्ति जिल्लाका उपित वाजार मूल्य 1,05,000/- रु. से विधिक ही

मीर जिसंकी संख्या प्लाट नं० 106 (स्कीम नं० 47) एवम् उस पर बना पर्लैट नं० 4 है, तथा जो इंदौर में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के भवीन, मई 1985

की वृंतिक्ष कार्याता की उपित तावार मृज्यं में कम को क्ष्यमान क्षित्रक की फिए मन्तरित की नहीं ही मौन मुझे वह विश्वास कार्य का कारण ही कि स्थापुर्वोक्त तंपरित का तीचत वाचार स्वत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, होने दश्यमान प्रतिकास का स्वत्य प्रतिक्षत से जिभक ही और जन्तरक (सन्तरका) और क्ष्यदिती (सन्तरितियों) के बीच होने मन्तरण के सिए तय पाया क्ष्म प्रतिक्षत निम्निवित्त उद्वीस्य से उनत सन्तरण निवित्त वो वास्तविक रूप से कांजिल वहीं किया गंवा हो:——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाथ की वायत उत्तर विध-विवय के बचीन किसे देने के बन्तड़क के दायित्व में कभी करने वा उत्तर्थ वचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एंकी किश्री बाव या किसी धन या बन्य अपस्तियों की, चिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविशा के किए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क बन्सरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्मीनियस व्यक्तिकों, सर्वात् :--- (1) मैं को बडजास्या कंस्ट्रन्यान कंपनी पार्टनर श्री सनन कुमार बड़जास्या 146, जावरा कम्पाउंड इदार ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजिता मिश्रा पत्नी नालचद मिश्रा पलैट नं० 4, म० न० 106, स्कीम नं० 47, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के .अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करेतां हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारें कें से 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- क्यूभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकृरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्थानिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा व्यक्त जीभनियम, को अध्याय 20-क में पहिलीचित हैं, वहीं जर्ज होगा को उस अध्याय में विंका नवा हैं।

### भ्रन स्ची

फ्लैट नं 4 म्लाट नं 105 पर (स्कीम नं 47), ं दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित्त है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैंदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

मोइर :

# प्रकृप नाइ',टी.यून.पुच

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन क्षाना

#### गारत तरकार

# कार्वात्रय, सहायक आयकर बायुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6247— यत्तः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा बना हैं), की बाद्य 269-ख के नधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लैंट नं 10, सेकेंड फ्लोर है, तथा जो आई० डी० ए० स्कीम नं 47, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1985

महे प्रामित सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के अवसाम कियान के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उपित कावार मूल्य, असके अवसान प्रतिकल से एसे अवसान प्रतिकल का प्रमुद्ध अविषय से विषक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे क्यारण के सिए स्थ पाया क्या अतिकल, निम्नीसियत उप्योग से उस्त अन्तर्ण निवित में चारतिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) बनाइम वे हुइ किसी बान की खादक, क्या वीर्यापनम के नमीन कह दमें के क्याक्ट के समितन में क्यों करने या उससे नमने में सुविका के सिए; बीर/बा
- (ज) एसी किसी जाब या किसी धन वा जन्य आस्तिकों को बिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में मुनिधा के तिए।

भंतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की ५, 269-व की उपभारा (1) के अभीग, निक्तीलीयत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री देवेन्द्र कुमार घनश्यामदास, 6/2, बल्लभ नगर, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा पत्नी भुवनेश्वर त्रिवेदी, 53, लालाराम नगर, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को वह बुचना चाडी करके पूर्वोक्त सम्बूटिय के अडिए को विष्

# उच्छ सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर वृत्रोंकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकायन की तारीब र् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य स्थनित द्वारा नथोहस्ताक्षरी के शह लिखित में किस् के मिकग

स्वकातकरणः — इसमें पणवत जब्दें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं वर्ष होना, जो उस स्थाय में दिमा स्वा हैं।

# मनुसूची

फ्लैट नं० 10 (सेकेंड़ फ्लोर पर) आई० डी० ए० स्कीम नं० 48, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रोवास्तक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

मोहर 🔢

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरो, 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6248--यतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,009/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० ए-2, मकान नं० 1049 है, तथा जो खातीवाला टैक, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-ृतियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रीतफल के लिए मंतीरत की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपित्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का चेद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतिस्ती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-इस मिर्म्नालियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक इस से कीथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्सरण अन्, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, िन्नलिश्चिल किनायों, वर्थात् :── 17—466 GI/85 (1) मैसर्सं वियानी कल्स्ट्रक्शन कंपनी 13, जवाहर मार्ग, इंदौर (गार्डन नं० 100, मुहू)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयंत भिसे, 71, शंकर बाग, इंदौर । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीचंत सेंचित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित- बेंब्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन् सूची

प्लैट नं० ए-2, मबान नं० 1049, खातीवाला टैक इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण भ्रत्नरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल) श्रायकर भवन मैदा मिक् के पास, भोपाल

तारीख 10-1-1986 मोहर

# प्ररूप बाईं.डी.एत. एस. -----

आयश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6249—यत: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

जावसर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह जिल्लाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाधार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भूमि के साथ बिल्डिंग का भाग है, तथा जो 67, बी० बी० बी० मार्ग, उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरिकों) की मंतिरती (अंतरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्मतिबित उच्चेश्य से उक्त कर्तरण निविद्य में बाद्य किया गया है है—

- (का) अन्तरण बेहुई किसी आग की बाबत, उपत अधिनियम के अधीव कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जल्ब-कर अधिनियम, 197 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिष्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमें, अर्थीह :---

- (1) श्री कृषराज पिता गोपाल राजजी खेमजी गुजराती 67, वी० वी० वी० मार्ग, उञ्जैन । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कैलाश प्रभादजी पिता पं० राम प्रसादजी भागंव 2. योगेश कुमार पिता कैलाश प्रसाद भागंव 3. श्रीमती उषादेवी पत्नी सतीशचन्द्रजी, पं० राम प्रसाद भागंव रोड, उज्जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याब्द;
- (ष) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में कि किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास स्थित में किए जा सकोंगे।

स्प्रक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अनुसुची

भूमि के साथ बिल्डिंग का भाग, एंच० एच० 67, विशे वी० वी० मार्ग, उर्जीन में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव रक्षम प्राधितारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल) आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां हा 13 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6250---

ग्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तवग्र बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या मकात, प्लाट नं० 15 पर (ब्लाक नं० 68) है, तथा जो बुरहानपुर जिला खंडवा (लालबाग) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्व ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधारी के जार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनित विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिखा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- (1) श्री नथमल पिता सागरमल ग्रोवसाल जैन महाजन निवासी-भवानीपेट, जलगांव (महाराष्ट्र,) (अन्तरक)
- (2) श्री देवीचंद पिता सूरजमल म्रोसवाल जैन महाजन, निवासी-लालबाग, बुरहानपुर, जिला खंडवा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

मकान, प्लाट नं० 15 पर (ब्लाक नं० 68), लालबाग, बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिस ा संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्य पित फार्म नंबर 37 जीं० में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी चेहायक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोषाल ग्रायार अनवन मैदा मिल के पास, भाषा 1

तारीख <u>13-1-1986</u> मोहर.

# प्रक्ष बाई .टी. एन . एस . ==----

ं नायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनां; 10 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6251— यतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

गबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सबसे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ८69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 160,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या जाट नं० 75 एवम् उस पर बनी बिल्डिंग है, तथा जो अनूपनगर, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसुनी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता ग्रधि गरी के कार्यानय, इंदौर में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 ग 16) के ग्रधीन, मई 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

न्मीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पात्त का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किती जाय की बाबत, उक्त वीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाव या किसी धन या अन्य जास्तिकों की, विम्हें भारतीय जाव-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रीका की खिया;

वर्षः सव उत्तर विधिनियम की बारा 269-व से वनुसर्व में, में, उत्तर विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) इ वधीन, पिन्निसित व्यक्तिकों, वधार्त :---

- (1) श्रो धारदार दर्शनिसिंह पिता सरदार बचनिसिंह, निवासी-75, श्रनूपनगर इंदौर । (अन्तरक)
- (2) श्रो निलिनचन्द्र पिता मनमोहनदास सर्राफ, निवासी— जिला सरकारी हास्पिटल, राजगढ़ (ब्यावरा) कर्तमान 75, ग्रनूप नगर, इंदौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की बर्बीध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख श 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय है दिया गया है।

## गन्सुची

प्लाट नं० 75 एवम् उस पर बना महान, ग्रन्प नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी म निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण) ग्रजैन रेज, भोपाल ग्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-1-1986

# स्टन नार्डं छ टी., एन<sub>ः</sub> एव<sub>ं</sub> -----

# नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के नधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यांचर, सङ्घायक वायकरु वायुक्त (निर्द्रोक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां व 10 अनवरी 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जभ/भोपाल/6252— अत: मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सर्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सख्या प्लाट नं० 36 (हरिजन बस्ती के पास) है, तथा जो पलासिया हाना स्ट्रीट नं० 4, इदौर में स्थित है (ग्रांर इसंस उपाबद्ध अनुसुची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीर्ना अधि ारी के पार्यालय, इंदौर मे रिजस्ट्रीर्न्ण अधिस्थिम, 1908 (1908 का 16) के अधीस, तारीक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसस बचने में प्रविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य कास्तिया को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था क्रियाने में स्विधा काल्य,

अक्ष: बब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधिक है—

(1) श्री सुरेशचन्द्र पिताश्री माधवजी जोशी 8, गजी कंपाउड, इदौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमन पत्नी दिग्विजय सिंह जैन, निवासी— 37, कचन बाग, इदार 2, श्रीमती शारदा पुरोहित पत्नी महेशचन्द्र पुरोहित 11, सुभाष चौक, इंदौर

(अन्तरिती)

को सह सुकना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षण के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकोंगे।

पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा की।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 36, पलासिया हाना स्ट्रीट नं० 4, हिरिजन बस्ती के पास, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्।ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास ;व सक्षम प्राधि कारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

नारीख: 10-1-1986

# बस्य बाहें.टी.एग.एस.-----

# अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, भोनाल भोगाल, दिमा : 10 जन्दरी 1986

निदेण स० आई० ए० मी०/अर्जभ/भोगाल/6253——अत: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- ब के वधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रींग जिसकी संख्या प्लाट त० 60 णिव विचाम पैलेस है, तथा जो एम० जी० गोड इन्दार में स्थित है (ग्रोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोंग पूर्ण रूप स विणत है), रिजस्ट्रीजर्ता अधियारी के कार्यालय, में रिजस्ट्रीजरण अधिनियम, 1908 (1908 कार्यालय, के अधीन, मई

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किका में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्स बांधनियम को अभी कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए। बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय य किसी धन या अन्य आस्तियों क जिन्हें भारतीय उ यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चिहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अर्था, खक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :---

(1) श्री जगदीश पुत श्री शामनदाय लुल्या 65, गटजू काशोनी, इन्दार

(अन्तरक)

(2) श्री हमलकुमार जिघई एव निरमलकुमार निघई पुत्र श्री गोकुलचन्द्र निघई, निवासी 25, माठी- पुरेत, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्बन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जालप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार शिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्र' [ र्नुवी

ण्याट न० 60 (गिय विलास पैलेस) एम० जी० रोड इन्दोर में स्थित है। यह वह स्थातर समात्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न० 37 जी में निहित है।

> त्री भी विश्वित न ; जम प्रार्थित जी (िनरीक्षी सहाय जात र जा जीवाल) अंजे मेरेज, भोपाल) आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख 10-1-1986 भोहर :

## प्रकृष बाहुं . ही . एन . युत . -----

चण्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6254---अतः, मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया ही, की धारा 269-व के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिस्की संख्या प्लाट नं० 19 है, तथा जो स्कीम-ए०, माधव नगर, उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख़ मई 1985 का प्रोंक्त सम्मत्ति के जिसत बाजार मृत्य से कम के व्यवमान जितकाल के लिए अंतरित की गई है जीर मृत्रे वह विख्वात करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उथके स्वयमान प्रतिफल में. एसे स्वयमान प्रतिफल का वन्द्र प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक के जिए तय प्रया नया प्रतिक का विन्तितियाँ) के बीच एसे अंतरक के जिए तय प्रया नया प्रतिक का विन्तितियाँ। के बीच एसे अंतरक के जिए तय प्रया नया प्रतिक का विन्तितियाँ। के बीच एसे अंतरक के जिए तय प्रया नया प्रतिक का विन्तितियाँ। के बीच एसे अंतरक के जिए तय प्रया नया प्रतिक का विन्तितियाँ। के बीच एसे अंतरक के जिए तय प्रया नया प्रतिक का विन्ति की वास्तिवक का विन्ति की वास्तिवक का वास्तिवक वास्तिवक का वास्तिवक वास्तिवक

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन , निक्ति जित व्यक्तियों , अर्थात् :—

(1) श्री पृथ्वीसिंह पिता डूंगरसिंहजी गादिया, निवासी नमक मण्डी, उज्जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल पिता श्री मुन्नालालजी जैन, निवासी लक्ष्मीनगर कालोनी, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के प्रॉक्ट सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

डक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बांक्षेपा:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वं की व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्यव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननसकी

प्लाट नं० 19 दशहरा मैदान स्कीम नं० ए, माधव नगर, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मत्ति है जिना पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधि नारी पहाय रु अत्यार अत्युक्ता (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोताल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

# प्रकृप बार्ड .टी.एव एम -----

# कायकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीम सुमना

#### भारत सरकार्

# कार्गालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिसांक 10 जनवरी 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6255---अतः, मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दोजार मृत्य 1,90,000/- रु. से बीधक हैं

श्रौर जिसकी संख्या एक मंजिल बिल्डिंग न० 77 है, तथा जो उदापुरा इन्दौर में स्थित है, (श्रौर इसम उपाबद अनु-सूची में श्रोर पूर्ण का से विणि। है), एजिल्ड्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीक्रण अधिध्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) 1. श्री मित ताजिन्निमा पित अब्दुल कदीर 2. मोहिमाद इत्थाल व मोहम्मद जफर पिता अब्दुल हदीर, निवासी 4/5, रानीपुरा इन्दौर। (अन्तरक)
- (2) श्री मरदार मोहम्मः निशा श्री रहमान बक्ष निवासी /6, उदापुरा इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिस की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्करधात्रर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य न्यति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

एक मंजिल विल्डिंग न० 77, उदापुरा इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर जिसका पूर्ण विवरण अलिती द्वारा त्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्तम प्राधि घारी सहायक आयकर आयुकः (विरीक्षण) अर्जः रेव, भोतल आयकर भवन मैदा मिन के तन, भोतल

सारीख: 10-1-1986

मोहर्

प्रकृप बार्'.टी.एन.एस. -----

# नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जावरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्ज'ः/भोताल/6256---अत: मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बादकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इडावें इसकें इसकें वश्चात 'उबत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-च क बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या मनान नं० 31 है, तथा जो चन्द्रनगर (सी) पार्ट इन्दौर में स्थित है (श्रीर इन्नमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विभिन्न है), एजिल्ड्री न्ति अधिकारी के जार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्री-रण अधिक्यम, 1908 (1908 गा 16) के अवीन, मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मिल्य उसके दश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दश्यमान श्रीतफल का लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मृत्य उसके दश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दश्यमान श्रीतफल का स्वास प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथ पाया प्रवा श्रीतफल निम्निवित उद्यक्ष से उसत अन्तरण के लिए तथ पाया प्रवा श्रीतफल निम्निवित उद्यक्ष से उसत अन्तरण कि लिए तथ पाया प्रवा श्रीतफल निम्निवित उद्यक्ष से उसत अन्तरण कि लिए तथ पाया प्रवा

- हैंक) सन्तरण से हुए किसी माय की वावत उचत श्रीचित्रमम के संचीन कर दोने के जन्तरक वें वाशित्व में क्सी करने या उससे उचने के स्विधा से सिक्, सरिश्या
- (क) एंसी किसी जाब या भन या जन्य जास्तिकों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर र्राधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, का धन-कर स्थिनियम, का धन-कर स्थिनियम, का धन-कर स्थिनियम, के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. डियाने में स्विधा के किया;

(1) श्री व..ना थिया माधव चीरणाडे, 14, एम० टी० एच० कम्याउड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोह पिता दत्तात्वय देलवी, महान नं० 6/2, गातम पुरा, इन्दोर

(अन्तरिती)

का वह ब्यना बारी करके पृश्तित स्मिति से अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पृति के वर्षन के सम्बन्द के नार्व भी बाक्षप्त-

- (क) इस स्वरं, ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की स्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविष, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के जीतर पृष्टिक अधिकता में से किसी व्यक्ति हुए। से जीतर पृष्टिक अधिकता में से किसी व्यक्ति हुए। सा

स्थळकरण: इसमें प्रवक्त शब्दों और पदों का, को उनस् अभिनेत्रम क अध्याय 20-क में परिभाश्यक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया सभा है।

# अनुस्ची

मकान नं० 31 चन्द्र नगर पार्ट सी, इन्दोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यक्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोगल

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप बाइ'.दी.एन.एस.----

आयकर किंघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोगान, दिगांक 13 जावरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोनल/6257— अत: मुझे, वी० पी० श्रीव न्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. में अधिक है

ग्रीर ितिकी संख्या भूमि ख० नं० 173 (पी० एच० नं० 15/2) है, तथा जो ग्राम िपलग्रहाता, इंदीर में स्थित है (ग्रीत इंदीर जे ज्याबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विणत है), रितिकी ति अधितारी के नायिका, इंदीर में रिवस्ट्री-करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1985

को पूर्वी कि सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के स्वित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क्स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, कथीन्:→ (1) श्री भगवान पिता गिरधारी, लक्ष्मी ना गण्ण पिता गिरधारी, श्रीमती जलोदाबाई पत्नी श्री मेरूलाल श्रीमती कमलाबाई पत्नी गोपाल, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) परिचारिका गृह िर्माण सहारी संस्था 6/1, के॰ ६० एच० कम्पाउंड, इंदौर । (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

भूमि ख० नं० 173 (पी० एत० नं० 15/2), ग्राम फिल्ल्याहाना इदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण दिवाला अन्ति द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी**ं** पी० श्रीवास्**तव** सक्षम प्राधिका**री सहायस आयकर आ**युक्त (फिरी**क्षण)** अ**जैंन रेंज, मोपाल** आयकर भ**वन,** मैदा मिल के पास, मोपाल

**सारीख: 13-1-1986** 

पोहर:

## प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंड, भोनाल

भोताल, दितांत 13 जावरी 1986

िर्देश सं० अ.ई० ए० सी०/अर्ज /भेराल/6258--भा: मुझे, वी० पी० श्रीधाराव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00.000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर िश्विकी संख्या प्रश्ति नं० 815 एवं बिहिंडग है, तथा

जो स्कीम नं० 44, इर्न्ड डी० ए० खातीवाला टैंग,

इन्दर में स्थिर है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर

पूर्ण रूप से दिएए हैं) रिश्तिट्री ति अधिकारी के वार्यालय

हन्दीर में रिश्निट्री एण अधिकियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन मई 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूलः से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिकात से क्धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरण के लिए तथ बाबा क्या प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गयन है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दान के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए. और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के स्विधा के न्तर.

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक क, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैं उर्स रानी उन्तद्भवास्त कंपनी द्वारा पार्टनर श्री गों तल पिता रामकारा बंसल भिवासी— 9 बी, आदर्श नगर, इंदीर । (अन्तरक)
- (2) श्री राजेन्द्र पिटा जल्लुभाई परीख निवासी-44 श्रद्धानंद मार्ग, इन्दार । (अन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजधन के प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विवास में किए जा सकान।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्वों और पदों का, जा अवस अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं,, वंही अर्थ होगा जा उस अध्याय में विका सवा हैं।

#### अन्सूची

प्लाट नं० 815 एवम बिल्डिंग िर्माणाधीय स्कीम नं० 44 आई० डी० ए० खातीकाता टैंड इंदीर में स्थित है। यह वह स्थावर समाति है जिल्ला संपूर्ण विवरण अनारिती द्वारा सत्नारित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आपुक्त (तिरीक्षण) अमेत रेंग, भोताल आयक्र भवन मैदा मिल के पाल, भोताल

तारीख: 13-1-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायां नच्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंग, भोपाल

भोपाल, दिनां रु 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जः/भोपाल/6259— अत: मुझे, वी० पी० श्रीवार व,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० म गत्त, प्लाट नं० 25-एम (स्कीम नं० 44) है, तथा जो इंदीए वि गस प्राधि एए, खाती- वाला, टैंग इदौर में स्थित है (ग्रीर इन्ते उपाबद्ध स्नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिष्ट्रीवर्ता विधिवारी के कार्यालय, इंदौर में रिज्ट्रीवरण विधितम, 1908 (1908 का 16) के विधीत, मई 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कां) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर व्ययकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री रिवन्द्र धनशानी पिता हरिकृष्णजी धनशानी, निवासी—साधू वारावानी नगर (म० नं० 381), इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) आ शक्ष दी: गृह निर्माण सह हारी संस्था मर्योदित इंदौर, द्वारा सेकेटरी भगवानदासजी मन-सुखानी निवासी-20, हाथीपाला रोड, इंदौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचा की तामील से 30 दिन की खर्वाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क़ी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृगरा उधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान, प्लाट नं० 25 एम पर, स्कीम नं० 44, इंदौर विकास प्राधिकरण खातीवाला टैंग, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर रामात्ति है जिलाका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> बी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल मैदा मिल के सामने भोणाल

तारीख: 10-1-1986

प्रस्य बाइ'. टी. एव. एव.

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

# कार्यात्म, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण)

श्चर्जा रेंज-1, बल्डई

बम्बई, दिनांक 10 जावरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6260--ग्रतः मुझे, वी० पो० श्रीयास्त्रव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिलको पंख्या प्लाट नं० 75, व उन पर निर्मित है, तथा जो कैनास पार्क, इंदोर में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध ग्रनुस्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विभित है), रिस्ट्र-कर्ता ग्रिधवारी के दार्यालय, इंदीर में रिस्ट्रिटिंग्ण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिषक्ष के जिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मवा प्रतिषक्ष, निम्नोलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप स किथित नहीं किया गया हैं क्रिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एनेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था टा किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अव, उक्त अधिनियम औं धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उन अधिनियम की धार 289-म की प्रधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) प्रस्तिन गृह निर्मान सह तर संस्था मर्यादित 146, भावरा कंशाउंड, इदोर

(अन्तरक)

(2) श्रो दोवानी हिं क्षित पोनी ह रघुवंणी 75, रिवन्द्र नगर, इंदोर

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संवध में कांड्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रतानन की नाम के 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रक्रिक स्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस म्बन। के राजपण मा प्रवाशन को तारोख स 45 दिन के भोतर उनत स्थायर सम्पत्ति मो हितजबुध किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा आहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकत्तां।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दी आर पद्यों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, बही अर्थ हाना क उस अध्याम में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

प्लाट नं० 85 एवन् उन पर निर्मित एक स्रपूर्ण कमरा, कैराश पार्क इंदोर से पिथत है। यह वह स्थावर समानि है जिस्ता सपूर्ण वियरण सम्तित द्वारा स्त्यापित फार्भ नंबर 37 जो में निहित है।

> वी० पो० श्रोबास्तव तक्षम प्राधि हारी सहाय हे आय हर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजीव रैंज, भोताल आयकर भवन मैदा मिल के पान, भोताल

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंन, भोगल

भोगाल, दिनाँक 13 जनवरी 1986

निरेश सं० म्राई० ए० सो०/म्रर्जन/भोराल/6261---भ्रत: मुझे, बो० पो० श्रोबास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिनको संख्या महान, प्लाट नं० 15 पर, (ब्लाक नं० 68) है, हाथा जो लालबाग, बुरहानपुर में स्थित है (स्रोर इस्ते उपाबद्ध स्ननुष्या में स्रोर पूर्ण रूप से विजत है) रोत्झाहर्ता स्रोध हारों के कार्यात्व, बुरहानपुर में रिजस्ट्रोहरण स्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रो नथमर निता नागरमल श्रोजवाल जै महाजन, निवासो भवानोपेठ, जलगाँव (महा-राष्ट्र)

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ रतनलाल २ डा॰ बलदेव कुमार पिता बृजलान पाहूजा निवासो--लालबाग, बुरहान-पुर

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पञ्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **बन्**स्**चीं**

मकान, प्लाट नं० 15 पर (ब्लाक नं० 68), लाल-बाग, बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मित है जिनका संपूर्ण विवरण श्रन्धितो द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल)

तारीख: 13-1-1986

प्रस्य बाइ'. टी. यून एस -----

नायकर निधिनयम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंत, भोपाल

भोनाल, दिनाँक 13 जनवरी 1986

निदेग स० ग्राई० ए० सीः/ग्रर्जन/भोगान/6262--न्ग्रतः मुझो, वी० पी० श्रोबास्तव,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो ग्राम अोमाणिर्द तह० बुरहातपुर में स्थित है (ग्रीर इत्ते उपायद ग्रनुप्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिप्ट्रे ती ग्रिधि हैं। के कार्यालय, बुरहातपुर में रिस्ट्रिवरण ग्रिधि हिस्स, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत, मई 1925

- "को प्थोंक्त सम्पिद्धित के उचित बाजार मृल्य स कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) अप अतिरिती (अन्तिशितशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——
  - (क) बन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; बीर/या
  - (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुवैधा के लिए;

बतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त जीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कैं वधीन, निक्निविधित व्यक्तिहाँ, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रो महतार्जी नह पिता नत्यू हि निवासी- रास्ती-पुरा 2. भूरियाबाई पत्नी नत्यू सिंह निवासी-बुरहानपुर जिला खंडवा (ग्रन्तरक)
- (2) 1. डॉ॰ विनोद कुमार निता मुरलीमनोहर देवडा चौक बाजार, बुरहानपुर 2. कायद जौहर पिता ईस्माईल भाई सुरूरी इतवारा, बुरहान-पुर

(ग्रन्तरितो)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक जीविनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, बही जर्व होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

भूमि ग्राम ओमानिर्दे तह० बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिनका संपूर्ण विवरण ग्रन्तिरिती द्वारा सत्यानित फार्म नंबर 37 जी मे निहिन है।

> वी० पी० श्रोवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर पायक्त (विरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-1-1986

प्रका आई टी एन एस ---- -

आप्तकर अधिनियल, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आगन्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपात्र

भोगान, िगाँठ 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सीः/प्रजीः/भोतार/6263- - ग्रतः नम्ने. वी० पो० श्राहानः

मुझे, बीठ पीठ श्राहाब, इसके परचात 'उप्तत अधिनियम' वहा गया है), की धारा 360 म व अपन माम पाधिकारी की रह विशास करन क सारंग है है। प्लिट रामारिक दियाता प्रस्ति सुरुष 1,00 (00/- र स अरीकि है भ्रोर तिक विषा 'गः न० 25 है, तथा जी श्रीरामनगर मनोतः इसा । थि। े (प्रत्य हो। उत्तरह प्रत्यो में प्रारंपी का । ाँ। े), की दूरती पिधारा के निता, इदार व िता रम नितिन, 1908 (1908 रा 16) दे इधन, मई 1985 का पाव भा भार ने के भीता निवास मान्य से कम की दृश्यामान अक्तिपन के लिए पर्यारा की गई है और सभी यह विश्वास करन का भाग में । या। उन तका न वा उच्चा ४ अप . . 1 रम्बद्ध ए १६० च ११ अरे इत्यह (अन्यक्त) और अपिनी ारना, १ - राजास अनग के लिए सम प्या रका प्रतिकाल, निम्नीलीखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण विशिव में शब्दांतक हम से क्षित नहीं किया गया है उ-

- (क) अंतरण से हार्ड किसी आय की बाबता, उक्त किंप-निगम के अधीन पर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी अपने गा उससे बचने में सूर्विधा के लिए; करे/ा
- (म) एसी किसी हाय या किसी धन या अन्य आस्तियों । अन्य रहीय नाय कर अधिनाय, १९२९ । १९२९ । १९२२ व व असितिया, या धन-१९५२ । १११ या उत्त अधिनियम, या धन-१९५२ । १९५७ । १९५७ व व अधिनाय कर्ति । १९५७ व व अधिनाय अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्\*रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधिन, निम्निकिस स्थानिकरां, संयक्ति ;-- (1) श्रो जयगालीह िता जयमन निह माखीजा, 89/1, श्रोल्ड राजनोहल्ला इदौर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सोभागमल पिता सूरजमल जैन एवम् णान्तोलाल निता सूरजमलजो जैन, इंदौर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के रायपत्र में प्रकायन की तारीय वें
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकों वे।

स्वच्दीकरणः --- इसमें प्रयूक्त कट्दों और पदों का, श्रो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस बध्याय में विद्या गया है।

#### मन्स्ची

प्लाट न० 25, श्रीरामनगर इंदौर मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्मत्ति है जिनका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यानित फार्म नवर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 13-1-1986

## प्रक्य बाइ .टी. एन. एस------

बायकर बोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांव 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6264—ग्रतः मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिमकी सं० प्लाट नं० 20-ग्रार पर मकान नं० 1071 है, तथा जो खाती वाला है , इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचों में ग्रौर पूर्णहप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवान, नारीख मई, 1985

करें पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिल्किल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- ्छ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
19—466 GI/85

(1) श्री सच्चानन्द बीं वाधवानी, 20-ग्रार, खाती वाला टेंक, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जय किशन ग्रात्मज मोतीलाल जी, फ्लेट नं० 9, एम०ग्राई०जी० (जे०) ग्रग्रवाल नगर, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

## उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित⁴ कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 20-ग्रार खाती वाला टेंक, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायश स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-1-1986 मोहर ::

# प्रकथ बार्ड .टी . एन . एस .- ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

#### भारत बहुकाडु

# कार्यालय. सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांवः 10 जनवरी, 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०। अर्जन। भोपाल। 6265—अत: मझे, बी०पी० श्रीवास्तव,

कायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बाविनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बधीन सक्षत्र प्राथिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थापर सम्मित्ता, विसका स्रीपत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 20, स्कीम नं० 44, पर निर्मित मकान है, तथा जो खाती वाला टेया, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्प से विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीवरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मई. 1985

को प्रोंक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिक स के लिए अन्तरित की गर् है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बाविस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाउ/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य बास्तियों की जिन्ही भोरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना नाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा खे जिए।

वतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण के न में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ते की उपभाषा (1) वे पारीन . निम्नतिवित व्यक्तियों , वर्षात ह (1) श्री सच्चानन्द वी० वाधवानी, 20-म्रार, खाती वाला टेंक, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर पिता मोतीलालजी, पलेट नं० 9, एम०ग्राई०जी०(जे), ग्रग्नवाल नगर, इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की वनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की वनिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस् अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्धहोगा को उस अध्याय में दिया यवा ही।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 20, स्कीम नं० 44, खाती वाला टेंक, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

# प्रकप बाइ .टी. एत .एस . -----

शायकर विधितिक्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्नासन, तक्षानंक आवकार आयुक्त (निरीकाण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाद 10 जनवरी 1986

निदेश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6266-- ग्रत मझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० प्लाट न० 231 है तथा जा खाती वाला टेक, स्कीम न० 44, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीवर्ती ग्रधिकारी है पार्विलय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरम् ग्रिधिकारी श्रीकारम् ग्रीधिकारी के प्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वो कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कथ के स्वजान वितिष्ठल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार वृश्व, उसके शश्यमान प्रतिष्ठल से, एके श्वामान प्रतिष्ठल का चन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिष्ठल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाब की, बाबस, उजरा अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के बिए; और/वा
- एडं) इसी किसी बाब या किसी धन या जन्म नास्तियों को बिन्हें भारतीय बायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधनियम, वा धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ जन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त बिनियम की भारा 269-म के बनुसरण बें, भैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीग, निस्निविक्त व्यक्तियों, वर्षात् क्र— (1) श्री रणजीतं सिंह पिता मिल्य सिंह होरा और श्रीमित सुरजीत कौर पित सरदार विलोक सिंह होरा, तर्फे श्री ग्रजीत सिंह पिता विलोक सिंह होरा, 231, खाती वाला टेक, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हाजी माहम्मद युसुफ पिता हाजी भूरे खा, साउथ तुको गज, इन्दौर (मकान न० 30/1) । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

## इक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इसस्चमा के राजवन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समित्त में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहेस्ताक्षरी के पांच सिवित में किए का सकर्ने।

स्पन्धीकरण: ---- इतमें प्रयुक्त सन्धां और वदां का, चा उत्तह विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वृधं होगा जो उस अध्याय में विद्य यहां है:

#### अनुसूची

प्लाट न० 231 (स्कीम न० 44 एवम् मकान, खाता वाला टेक, इन्दीर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसना पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न० 37 जो म निहित है।

> वी० पी० र्श्वास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख · 10-1-1986

# प्रकथ् बार्ड ् टी. प्र. एव्. -----

# बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे स्थीय क्षता

#### मारत सरकाड

# क्षाबाय, सहायक नायकार नायकत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6267--ग्रतः मुझ, बो० पी० श्रीवास्तव,

बायकर विधित्यक, 1961 (1961 का 43) विवर्ध द्वार्थ द्वार्थ परमात् 'उन्त विधित्यक' कहा नया है, की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वितका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी स० प्लाट नं० 239 स्रार उस पर बना मकान है तथा जो खाती बाला टेंक, इन्दौर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यात्रय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उद्धके अवभान प्रतिफल से, एसे अवमान प्रतिफल का पंद्रह ब्रियस है और मन्तरफ (बन्तरकों) और बन्तरित (बन्तरित यों) के बीच एसे हन्तरण के निष् तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण संहुई किती बाब की बाबत, उक्त बीधीनवज के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) होती किसी नाय वा किसी धन वा कन्य बॉस्सियों की, जिल्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 ्रेश922 का 11) वा उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधेजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए प्र कियाने में स्विधा के निष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्ष्म

- (1) श्री रणजीत सिंह पिता सरदार मिलक सिंह होरा और श्रीमित सुरजीत कौर पित सरदार तिलो ह सिंह होरा, निवासी—-239, खाती वाला टेक, इन्दौर । (ग्रन्तरवा)
- (2) श्री हाजी मोहम्मद पिता हाजी भूरेखा, निवासी--साउथ तुकोगंज, इन्दौर (मकान नं० 30/1) (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष्ठ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सबध म काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस धूचना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की ननिथ, को भी बनुधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्रथ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्तासरी के पास विश्वित में किए वा सकेंग।

स्वस्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पदों का, वा उपक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं वर्ण होगा, वो उस वध्याय में दिवा नवा हाँ।

# ग्रनुसूची

प्लाट नं० 239 ग्रीर उस पर बना महान खाती वाला हेंक, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

#### बारव बरकाड

# कार्यालय, सहायक जायकर नामुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-- अतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव.

कानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम वरोला तहसील एवम् जिला—रायमेन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायमेन मे रिजिन्ट्री जरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

की पूर्वोक्य संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाम की वाक्त, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाक्तिस में कमी करने वा उससे बचन में सुविधा खे किए; बीर/बा
- (अ) इसी किसी बाध या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा खें सिए;

नत. अव, जनत निर्धानयम की धारा 269-ग की बन्सरण को, को, सनत अधिनियम की धारा 269-च की उश्धारा (६) को नधीग, निम्नसिखिश व्यक्तियों, अर्थात् स— (1) श्री कृष्ण मोहन पुत्र श्री लक्ष्मीभारायण अग्रवाल, भिवासी—–तिलक चौक, विदिशा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित हुसैन वानो पत्ति इक्तराम हुसैन बोहरा, निवासी—माधोगंज, विदिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का की 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान बिखित में किए वा सकेंगे।

स्वाच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्क विधिनियम के अध्यायं 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम वारोला, तहसील रायसेन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्बक्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्या-पित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-1-1986

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - - --

# बायकर विधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्यक्षव, बहायक नायकर नाय्कत (निरीक्षण)

अर्जनरेज, भोपाल

भोपाल, दिनां र 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जभ/भोगाल/6269—-अतः मुझे, वी०पी०श्रीवास्तव

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रार जिमकी स० जमीन ग्रार म गान है, तथा जो ग्राम बरोता, तहसील रायसेन में स्थित है (ग्रांग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है).रिजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय, रायसेन में रिजिस्ट्रीयरण अधिकारी के कार्यालय, रायसेन सारीख मई, 1985

- को पूर्वोक्ठ सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
  - (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त वृधिविषम के संधीन कर दोने के बन्दरक के दावित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के निए; वरि/या
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा और सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री लक्ष्मीनारायण आत्मज श्री नाथूराम अग्रवाल द्वारा मुख्यार आम कृष्णा मोहत पुत्र लक्ष्मी नारायण अग्रवाल,

भिवासी-- विदिशा।

(अन्तरक)

(2) श्री लियाकत अली पुत श्री शब्बीर हुसैन बोहरा, निवासी—कोटा, हाल निवासी माधोगज, विदिशा। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

## उचत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध को कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की वविध, यां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पका ही।

### ग्रनुसूची

भ्मि मकान ग्राम बरोला तहसील रायमेन मे स्थित है । यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्याज पित फार्म नं० 37 जी मे भिहित है।

> वी० पी०श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

नारीख 10-1-1986

# प्रस्य बार्' ती . एवं , एवं . ००००००००००००००००

**कानकार निमित्रम 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-च (1) के नभीन स्चना

#### मारत तरकार

# कार्यासय, बहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 627 0---अतः, मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ित्रसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास र रने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार बस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान न० 25/2054 (का भाग) है, तथा जो कर्नल साहब की ड्योडी, ग्वालियर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के क्ष्यमान मृतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत में निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्त- दिक रूप से क्षित वहीं किया वया हैं:—

- हैंक) जन्तरक से हुई किसी जाय की वावता, उक्त वीधनियम के बधीन कर देने के अन्तरक वी सीयत्य में कमी कर्त या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं डक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिक्ड व्यक्तियों, वर्षांत्र म्र् (1) किधिया देवस्थान ट्रस्ट, रजि० अधिकस सरोजनी नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रहमान अली एवं 16 अन्य, निवासी——कर्नल साहब की ड्योड़ी, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र्स 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उन्त बीधीनयम के बध्याय 20 के में परिभाषित हा, बही वर्ष होगा को उस बध्याय में दिवा नया है।

## म्रनुसूची

मकान नं ० 25/2054 (का भाग), कर्नल साहब की ड्योही, ग्वालियर मे स्थित है। वह यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म जी 37 में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 10-1 1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन., एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, भोपाल

भोपाल, दिभाक 10 जनवरी, 1986

निर्देश स० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/6271—अत: मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य

1,00,000/- रत से अधिक है

ग्राँर भिमकी स्ठ० प्लाट न० 150 है, स्था जो अनूप कालोनी इन्द में रिष्टर है (ग्रास्ट इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीय ती अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीयर्ग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तिगियो) के नीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथीनयम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एमे किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या नत-कार आधानप्रमा, 1957 (1957 का 27) है किया गया पा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से बिए;

जा: जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग की जन्तरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थींब ६--

(1) श्रीमिति विभ्या महूरार पति विभ्य महूरकर, 152, अनूप नगर, इन्दोर।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रामेन पिता लक्ष्मीताल बोराशिया, 1/5, न्यू पत्नामिया, इन्दौर ।

(अन्परिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स् भी

प्लाट न ० 150, अन्प नगर कालोनी इन्दौर मे स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी मे निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्त व सञ्जम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 10-1-1986

प्ररूप बाहे. टी. एन . एस . -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यांतन, तहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/रुर्जन/भोपाल/6272—ग्रीत मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें इसमें परकात् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मजान नं० 9, है तथा जो धार रोड, वैध ख्याल राम मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म ग्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौ म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1985,

को बुर्बोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्ण, उसने दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रस प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्मरण से हुई किसी आग की बाबस उन्त जीभीनवस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय अयय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण पें. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रू—
20—466 GI/85

- (1) सरदार संतोक मिह पिता बेला सिंह, ब्लाक नं 0 14, सर्वे नं 0 16 राय नगर, अमरावती महाराष्ट्र (अन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह पिता बेला सिंह, मकान नं० 9, धार रोड, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आवरे :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो अव अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों अव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करें तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए का सकरें।

स्वष्टीकरणः --इसमें प्रवृक्त कव्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 9, धार रोड, वैध ख्याला मार्ग नं० 1, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्याणित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल ग्रायकर भवन मैदा मिल के पास भोपाल

दिनाँक: 15-1-1986

प्रका बाई.टी.एन.एस. -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन सूचवा

#### भारत तरकार

कार्यातव, सहायक बायकर बायकत (निरीक्रण)

श्रजैन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनांत 15 क्तवरी, 1986

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रजैन/भोपाल/6273---ग्रतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन समम प्रिकारी को वह विश्वास करवे का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार नृस्य 1.00,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 1321/1 है, तथा जो ग्राम-खजराना, तहसील-इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रें ग्रुनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985,

को प्यांकत संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम की खबनान हिताल के लिए अंतरित की गईं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंकन सपत्ति का उपित बाजार मृत्य स्वस्ते क्यामान प्रतिकत से, एते क्यामान प्रतिकत का बन्द्य बिताल से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तम पाना बना प्रतिकत, निम्निसित्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्लि में बास्तिक रूप से किथत नहीं सिया गया है:—

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्क जीध-अधिनियम के अधीन कर दोने के उत्तरक के सीयाल में कनी करने या उससे दणने में मीवधा के निष्; और/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-मन अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में स्विधा खें लिए।

- (1) श्रीमित उमा गुप्ता पित श्री सुभाषचन्द गुप्ता, निवासी-- 37, कटगा तमेदा रोड, जबलपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स ग्रसवाल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी तरफे पार्टनर श्री बालकृष्ण ग्रग्रवाल पिता श्री दौलत राम जी ग्रग्रवाल, निवामी—157, साकेत नगर, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

का वह स्वना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रोप '---

- (क) इस त्यमा के रायपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यना के श्वयम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्वे -किली मृत्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के शास् जिस्ति में किए जा सकोंगे।

# ग्रन<u>ुस</u>ुची

भूमि ख॰ नं॰ 1321/1, ग्राम् खजराना तह० इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती हारा सत्यापित फार्म न॰ जी-37 में निहित है।

> वी० फी० श्रीकास्तव सक्षम प्राधि एरी सहायद श्राय <sup>पर</sup> ग्रायुक्त (नरीक्ष ) मुर्जन रेंज, भो

दिनांक : 15-1-1986

मोहर

# प्रकृत वार्ष द्र होत् एकः प्रकृत सम्म

# भाषकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यातव, बहाबक बायकरु बावुक्त (विट्रीकर्ण)

म्रजनरेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6274--ग्रतः मझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हु"), काँ पारा ∠69-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 363/3, 364/4, है, तथा जो छोटा बांगडदा जिना-इ दौर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्णस्प से विणित है), रजिस्ट्रोऊर्ता स्रविकारी के कार्यालय, इन्दौर म रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधोन, तारीख मई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिकल से, एसे इस्तमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाबा गया प्रतिकल, विस्वतिशिव स्थ्योच से उच्त बन्तरण निश्चित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण संहुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक वे दानित्व में कभी करने वा उत्तसे वचने में तुनिधा के सिए; और/मा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

कतः चव, उक्त विभिनियम वृति भारा 269-ग के अनुसरक मैं, मैं, उक्त बिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निप्छित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमित पुष्पावती देवी पित श्री रामपाल या निवासी—ग्राम छोटा बांगडदा तह० व जिला-इन्दौर तरफे ग्राम मु० राजेश कुमार मोदी पिता श्री रमेश मोदी, निवासी—50, बलभ नगर, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- (2) सितलेश्वर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित कार्यालय, 18, राम वली नगर, इन्दौर। (ग्रतरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

## उच्छ संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के द्वायपुत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्ष क्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्ध लिखित में किए जा सकती।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में "द्वार क्वा है।

#### अनुसूची

भूमि ख नं० 363/3, 364/4, ग्राम छोटा बांगडदा जिला इन्टौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसा पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० जी-37 में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्र यक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोगाल

तारीख: 15-1-1986

# प्रकथ बार्ड. टी एथ. एक्. .....

# नायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वचीन सुचना

#### भारत सरकार

कायांलय. महायक आयकर आयक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांः 15 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6275—ग्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के निधीन सक्तम प्राधिकारी को यह पिष्णाल करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मूख्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संव मकान नंव 26, है तथा जो डाव रोशन सिह भंडारी मार्ग, तुकीगंज, गली नव 1, इन्दौर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्णस्य से विणत है), रिजस्ट्रो नित स्रिधनारों ने कार्यालय, इन्दोर में रिजस्ट्री जर स्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन, तारोख मई, 1985,

को पूर्वांकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिक्र से बीध है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दृष्ट्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुाई किसी जाय की पनत, उक्त जीभिनियम र जभीत कार दन वातरक वी दायित्व में री कारन या उससे उनने मी सावधा के लिए, जीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय अग्रमकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितों द्वारा अकट नहीं किया गया भर या किया अभा जाना जाहिए ने किया है विद्

कतः गाव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्निलियत व्यक्तिया, अधीन

(1) श्रो वोरेन्द्र सिंह ग्रात्मन जीवन सिंह, निवासो --2/2, न्यू पलापिया, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) मार्डन को०-ग्राप० हाउभिंग सोसाइटी लि० इन्दौर 178-179 एम० टी० क्लाथ मार्केट इन्दौर की ग्रोर से ग्रन्थक्ष श्रो नेमीचन्द पिना हस्तीमलजो बोहरा। (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

प्रक्र सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्कप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौल ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति को पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रमुक्त ६ जो का का उपक राधिनियम के राज गुण्यो परिभाणिक ही, वहाँ ५० के जा १९वर समा है।

## वनसदी

म्यू० मकान नं० 26, डा० रोशन सिंह भंडारी मार्ग, तुकी-गंक, गली नं० 1, इन्दौर मंस्थित है। यह वह स्थावर अम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण ऋतरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वीं ० पीं ० श्रीवास्तव सक्षम श्राधि नरी सहायक्ष श्राप्त र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 15-1-1986

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 ज वरी, 1986

बावक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इस्कें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी पंज कुली जमीत पास पा िर्मित मका तहै, तथा जो निवित पाईन्स, नीलकंठेध्य बार्ड, खंड्या में स्थित है (और किसी पात्रबाद अनुसूत्री में और पूर्णकर ने प्रितित है), रजिस्ट्रीकर्ती पिक्करी के वार्यात , खंड्या में एजिस्ट्रीकरण विनिद्यम, 1908 किसी के वार्यात है अधीत, तारीस मई, 1985,

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कक के स्त्यमान अतिफल के लिए अन्तिम्ति की गई और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---
  - (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की ताबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के किए; और/धा
  - (क) एमी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आवकर जिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- सदाशिव आत्मज रामचन्द्र राव गोखले नि० खंडवा,
 रघुनाथ स्रात्मज रामचन्द्र राव गोखले नि० जलगांव
 विनायक राच स्रात्मज श्री रामचन्द्र राव गोखले.
 निचासी----पूना।

(ग्रन्तरक)

(2) साँ। लिलता देवी पत्नी नितिन कुमार जैन, निवासी—42, रामकृष्ण गंज, खंडचा । 2 हरकचन्द ग्रात्मज फूलचन्द जी जैन, निवासी—कहारवाडी, खंडवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो तस अध्याय धा किया सवा है।

## **धनु**सूची

खुली जमीन एवंप पुराना महा : सिविल लाईन्स, नीलकंठेश्वर वार्ड, खंडवा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ब्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० जी-37 में निहित है।

> नी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राप्तकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

नारीख: 15-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेतरेज भोगाल

भोषाल, दिनाक 15 ज-विरी, 1986

निर्देश स० अहि० ए० स०/अर्जन/भोसाल/6277/----प्रत: मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

आए कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी स० प्लाट न० 9 2 पर बना मकान है, तथा जो महा बीर गर, इन्दौर में स्थित है (अोर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णक्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के श्रधीन तारीख मई, 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मैलिखत में बास्तीवक रूप से कि भित नहीं किया गया है ≝

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कराया उससे बचने में सूर्विधा केलिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरि ी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, में उक्त अधिनियम की गारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्रीमित बसंतीबाई
 2 श्रीमित ग्ररूणा माटटा,
 निवासी—128, सुभाष मार्ग, इन्दौर ।

(स्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन कुमार, राम प्रकाश, तिलक नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान महावीर नगर, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वा । सत्वापित फार्म नं जी-37 में निहित है।

> वी० पी० श्रं.व.स्तव सक्षम प्राविकारी सहायक सादका क्षयुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

नारीख 15-1-1**98**6 **म**ंहर . प्ररूप आई .टौ .एन .एस . -----

आवक्र अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरक्षिण) शर्जनरेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० स्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/६२७८—यतः, मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

खानक स्व मिनियम, 1961 (1961 का 43)। विसे इतमें इतमें इतमें परवात् 'स्वत मिनियम' कहा गया ही, की भास 269-व में नभीन तशम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका स्वित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि ख० नं० 352/1 है, तथा जो ग्राम छोट बरगदा, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण का ने विंगा है), एजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई, 1985

को पूर्वेक्त तम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बश्यमान प्रेहेतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बल्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कार्यन तम वास्तिक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे क्चने में स्पृतिभा के निष्; और/या
- (स) एसी किसी जान ना किसी धन ना अन्य आस्सिनों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि वा जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण रं में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री केदार प्रसाद णुक्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) अध्यक्ष, शीतलेख: गृह िर्माण सहकारी संस्था द्वारा श्री राकेश ठाकुर।

(ग्रन्तरिती)

को वह त्वना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्बीत के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

 $\frac{3}{2}$ िष भूमि ख० नं०  $\frac{3}{2}$ िंग, छोटा बरगदा, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं०  $\frac{3}{7}$ -जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-1-1986

अरूप बाहाँ, टी. एन. एस. - -

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा (1969-व (1) को विधीन सुचना

#### धारत सरकार

## कावालव, तहाबक बावकार बाब्क्त (निरीक्षण)

य र्नत रेंज, भोपाल

भोधन, दि कि 15 ज घरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/प्रजेत/भीति (४२७)---यतः, मुझे, बी०पी० श्रीवास्तव,

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269 थ के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक ही

और जिसकी संव प्लाट तंव टीव एसवा, पा वने मका । है, तथा जो योजना कवा 3!, इन्दौर विकास प्राधिकारण, इन्दौर में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुभूकी में औं पूर्ण रूप से विणित है), विजय्द्र कर्ती विविवारी के वार्यालया इन्दौर में जिल्हें वार्ण विविवारी के वार्यालया इन्दौर में जिल्हें वार्ण विविवास, 1908 (1908 का 5) के विधी समई, 1985

करं प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन के करण है कि अधाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाडर प्रकृष्ण, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसं स्थमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिभत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्दरभ त हुट्ट किसी अप की बाबत, उकत बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कनी करने वा उच्च व्यन में सुनिधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हां भारतीय भायकर अधिनियम 1925 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दे धनकर अधिनियम के धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रणादनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया थे। या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए

बतः कद उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, रुक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) मेसर्स दिग्विजय रोड भेलर्स तरफे भागीदार टी० एस०.
मूर्ति व नेनीष ट्रश्ट तरफे ट्रस्टी कांतिलाल पिता
विठ्ठलदास शाह,
15 सीता बाग, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुमैन व श्रकवर श्रली पिता श्री कादरभाई, 274, जवाहर मार्ग, इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन वे स्थि। कार्यवाहियं शरा करता हो।

उक्त सम्पांक के लर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाक्रोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की नामील से 30 दिन की अदिधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थय्द्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहै।

# **प्रन्**यूत्री

प्लाट नं रें। एस०-1, पर वने मकान, योजना कि 31 इन्दौर विकास प्राधिकरण, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-1-1986

## प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

## नार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनाक 15 जनवरी, 1986 निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/6280---ग्रतः मझे, वी० पी० श्रीवास्तव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेंपरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कों भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकोरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं ज्लाट नं 1, टी एस पर बने हुए मकान है, तथा जो योजना का 31 इन्दौर विकास प्राधिकरण इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 85 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तारित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकृत से अधिक हो और अन्तरण के लिए तथ पाया गया है कि वास्तिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विविद्य प्राया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; आर्र/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवार प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बार अब, उब्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ेक् निक्तिवित्र, अधितायों, अर्थात् .—— 21—466 GI/85 (1) भेसर्भ दिग्विजय रोष्ड सेलर्स पार्टनर टी० एस० मूर्ति, जिल्लासी—प्लाट नं० टा०एस० 1, इन्दौर विकास प्राधिकरण की योजना क० 31, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्याम लाल पिता गेंदालाल जाकिर हुसैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए हा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### व्रमुची

प्लाट नं 1, र्ट े प्या पर बने मकान योजना क 31 इन्दौर विकास प्राधिकरण, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं 37-जी व में निहित है।

> त्री० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-1-1986

# प्रकृ वाड हो. एवं एवं .-----

# बायकर विधितिनम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्थान

## भारत बुरकार

# कार्यासय, सद्दानक वायकर वायकत (निर्दाक्षक)

श्चर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 15 जनवरी, 1986 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/ग्चर्जन/भोषाल/6281—श्रतः, मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रथात 'उनके मधिनियम' कहा नया है), की पाछ 269-के में गधिन सहान प्राधिकारों को वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित, विकास उपित बाबाद मृज्य 1,00,000/- क. से मधिन हैं

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 सी, पर बना मकान है, तथा जो स्कीम नं० 31, इन्दौर विकास प्राधिकरण, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के जीवत बाबार बूल्य से कम से कम क्ष्यमान प्रतिक्ष्म के लिए अन्तरित की नर्द हैं बीर मूझे यह विश्वास करने कारण हैं बभापुनोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिक्ष्त से एसे क्ष्यमान प्रतिक्ष्म का पन्नह प्रतिक्षत से विश्व हैं और अंतरक (अंतरकों) बीच अंतरितीं अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब बाबा अवस्त्र प्रतिक्षत निम्नितिस्ता उद्देश्य से उक्त अंतरक किसा में रास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्दाप वे हुई दिवती बाय की बावत, उनके वीपीनवंत्र की वधीन कोए बोने की बन्दाएक के कामित्व में कभी कारने ना सबसे वचने में शृविका के लिए: बीर/वा
- (ल) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपल अधिनियम, वा नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मूलचन्द पिता परसरामजी सचदेव, निवासी-मकान नं० 56, पालसीकर कालोनी, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरेश कुमार पिता श्री भीमनदासजी, निवासी-पालसीकर कालोनी, मकान नं० 38, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृजींकत संस्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्य बन्निया के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इब त्या के राजपन में प्रकारण की बारीय वें 45 दिन की बनीय वा तत्त्रंगंगी व्यक्तियों पर सूचना की बानीय से 30 दिन की वयाय, यो भी सूचीय नार में दनान्त होती हो, के जीवर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीवर उक्त स्थानर संपत्ति में हिस्बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास दिवास में किए या सकेंगे।

#### वनसंची

प्लॉट नं० 1-सी पर बना मकान (स्कीम नं० 31 इन्दौर विकास प्राधिकरण), इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जितका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-1-1986

## प्रस्यः बार्रः टी . एव . एव . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### प्रास्त स्रकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्तिण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 जनवरी, 1986 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6282—-ग्रत मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 पर बना मकान है, तथा जो मनोरम गंज, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण, रूप से विणित है), रिष्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई. 1985

को प्रॉक्त सम्पर्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अस्वताल प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है बीड गूझे यह विस्वास करने का काउण है कि व्याप्कॉक्त बंपरित का उचित बाबाय मृत्य, उत्तके अध्यमान प्रतिपाल से एसे अवमान प्रतिपाल का पंक्र प्रतिवात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के बिए तब पावा पवा प्रतिपाल, निम्नतिथित उद्देश्य से उन्त बन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गवा है है—

- (क्ये) अंतरण से हुई निजी जाय की बाबत, उच्तु अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में क्यों करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी नाम का किसी थन या बन्च वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शता तथा, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें उस्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अर्थी निम्नीबिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमति रुक्मणी पति श्री टीकमवास जी हिन्दुचा 21, चन्द्रालोक कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शांतिदेवी पति श्री सुमतिचन्दजी सुतालिया 10/2 उषा गंज, इन्दौर।

(भन्तरिती)

को यह तुष्पना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कार्ड भी जाकोद है-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की वनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की वयि , जो भी जनिथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में विष्णु वा सकेंगे।

स्थळीकरण:----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### पनुसुची

प्लाट नं ० ८ पर बना मकान मनोरमागंज, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं ० 37-जी ० में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जभोपाल

ता रोख: 15-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त । नरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 15 जावरी, 1986 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन /भोषाल/7283—ग्रतः मुझे, बी० पी० श्रीधास्तव,

जावंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव प्लॉट नंव 45 (सेक्टर ए) पर वना मकान है तथा जो वैशाली नगर कालोती इन्दीर में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अविकारी के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थान् :---

- (1) मैं ० कन्स्ट्रक्सन एण्ड विलिंडन, तर्फे पार्टनर
  - 1 सुमंगलिनी मुकुदनारद
  - 2 पायल श्रीधर तिवेदी,
  - 2 7/7, यगवंत निवास रोड, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री माधवलाल पिता श्री छगनलालजी वर्मा, 30-बी, राधा नगर, एक्सटेंशन, इन्दौर ।

(ग्रन्तिरती)

को मह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पाक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 45, (सैक्टर ए), पर बना मकांन वैशाली नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संत्यापित फार्म नं० 37 जी में िहित है।

> र्वा० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भौंपाल

तारीख: 15-1-1986

प्रस्य बाह'. टी. एन. एस......

भायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुचना

#### शाउद स्रका

# कार्यालय, सहायक कायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6284--ग्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परस्थत् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वत्म करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान नं 57 (श्रोल्ड) एवं नया नं 3/1 है, तथा जो रेस कोर्स रोड, डा॰ रोशन सिह भंडारी मार्ग, इन्द्रोर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचे। में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजिन्द्री कर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, इन्द्रोर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार पुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित से अधिक है और अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तर्थ से हुँ किसी शाय की स्ववत उक्त विध-नियम से वसीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्श में कनी करने वा उससे वसने में स्विभा में निए, बोह/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अप्तियों को जिन्हों भारतीय टाइकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अं अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा जिकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा ने लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उत्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निकासिक व्यक्तिकारों, अधीत के

- (1) 1. वसंत पिता दत्तातीय भालेरावजी
  - 2. बिंदु माधव पिता श्री बसंत
  - 3 नाथ माधव पिता बंसत ,

निवासी--43, सुतार गली, इन्द्रौर ।

(म्रन्तरक)

(2) ऋषभ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इन्दौर द्वारा ग्राध्यक्ष श्री धुरेन्द्र कुमार संघवी पिता जयन्ती लालजी संधवी

निवासी--म० नं० 13-14, जवाहर मार्ग, इन्दौर । (मन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन क जिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के बम्बन्थ में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को सक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को जस अध्याय में विकास वाही।

#### वन्स्पी

मकान नं० 57 (ग्रोल्ड) नया नं० 3/1, डा० रोशनसिंह भंडारी मार्ग, इन्द्रौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-1-1986

# प्रकार बाई : टी. एव : एव :-----

# बाबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6285--ग्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निर्मानयम' कहा गया है), की भारा 269-व के नथीन सक्षम प्राधिकारी के वह विस्वाध करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से निषक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो उद्योग नगर, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख, मई, 85

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचितः वाचार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिकास के लिए वंदरित् की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उचित्त वाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास कम पत्त्वह प्रतिवाद से विभिक्त है और अंतरक (वंदरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त कमारण तिचित में वास्वविक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी नाम की बावत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दानिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा में विक्: और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अध्य आस्तियां को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा चा वा किया काना आहिए चा, जियाने में स्विधा के निए,

बहः वयः, उत्त वीभीनयन्, की भारा 269-व के बनुतरण वें', वें', उपत वीभीनयन की भारा 269-व की उपधास (1) के बचीन, विकासियंक व्यवस्थित वर्षात्र क्र—

- (1) श्री कीरतराम कौरोमल द्वारा चिमनदास बलीराम 38, तेल गली, इन्दौर।
  - 2. जयपाल दास,
  - 38, जयरामपुर कालोनी, इन्द्रौर ।
  - मुरलीदास पिता कौरोमल द्वारा चिमनदास विलीराम,
  - 38, तेल गली इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमति चन्द्रकला पत्नि महे श कुमार
  - 25, ग्रग्रवाल नगर, इन्द्रौर।
  - 2. श्रीमति शाँतिदेवी पत्नि रामस्वरूप
  - 3. वंदना देवी पत्नि सतीश,
  - 25, म्रग्रवाल नगर, इन्द्रौर।

(अन्तरिती)

को वह बूजना जारी करके पूर्वोक्त राज्यहिंत के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त समिति के नवीन में सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तात्रील से 30 दिन की नवीभ, को भी नवीभ सनद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर ब्रम्मित में हिस-बहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवस्त में किए वा स्कॉपें।

स्वक्षांकरण:--इतवं प्रवृक्त वन्दां बीर वदां का, जो उक्त विकायन, के बच्चाव 20-क में वरिशावित हैं। बढ़ी वर्ष होता, जो उस बच्चाव में दिया वया है।

## धनुसूची

प्लॉट, उद्योग नगर, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा, सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-1-1986

# प्रथम बार्ष है है है स्मृत् वृष्टि • • • •

# कारकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नमीन सूचमा

#### भारत वरकाइ

# कार्यासय, सहायक बायकर नाय्क्त (निर्देशिय)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6286--ग्रतः मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

वारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विविनयमं कहा क्वा ही, की भाउ 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेदान करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक ही

श्रीर जिसकी सं० भूमि ग्राम बहादुरपुर (बुरहानपुर) है, तथा जो ग्राम बहादुरपुर (बुरहानपुर) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का. 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाबार मृत्य से कम के अवसाय अधिकल् के लिए कन्तरित की गई है और मृखे वह पिक्सल करने का कारण है कि बचामूर्वोक्त कन्नित का उत्तिव बाबार मृत्य, उतके क्ष्यमान प्रीत्कल से, एसे अवसाय प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से विभिक्ष है और बन्तरक (अन्तरका) बार बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरच के लिए तब धारा नया प्रतिकल, निम्नतिचित उत्त्रदेश से उक्त अन्तरफ लिकत से बास्तिक रूप से किया नहीं किया यहा है :---

- (क) अन्तरण पं हुई कियी बाव की बावत उन्तर विभिन्निय के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में केनी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; धरि/वा
- (क) ख्री किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों की बिन्हें नारतीय वासकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रकेषनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में व्यविधा वे तियह

मतः भव, उक्त सीपीनयम की पांच 269-म के अवृत्यस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) 1. कु० हंसाबाई पुत्री किशनदास प्रताप,
  2. रश्मि --तवैन-निवासी--राजपुरा, बुरहानपुर।
  (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री पंडरी पिता बालचन्द महाजन,
  2. ताराचन्द पिता पंडरी महाजन,
  दोनों निवासी—-न्यामतपुरा, बुरहानपुर जिला खंडवा।
  (अन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके पुर्वोचन्न सम्मर्टित के वर्षन के निर्प कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

## क्क सम्मत्ति में सर्वय के सम्मन्य में कोई श्री वासीप 🦫

- (क) इव सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की जनिथ, को भी जनिथ नार में समाच होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास;
- (क) इव सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हित-बहुध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिचित में किए जा सकोंगे।

निकरण :— इसमें प्रयुक्त हाब्दों और क्दों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

# **भनुसू**ची

भूमि ग्राम बहादुरपुर, बुरहानपुर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सश्रम प्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 15-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

म्याकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध (१) के नधीन स्थना

#### शायत सरकार

# कार्यांनय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6 287--ग्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 4सके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 208-ए, (ग्राउण्ड फ्लोर) है, तथा जो पलसीकर कालोनो, इन्हौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक्षर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्द्रौर में रिजस्ट्रीक्षरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1386

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए द्या बाया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण विश्वति में वास्तिविक क्या से किंशत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, स्वस्त विधिनियम के बुधीय कड़ दोने के बन्तरक की बाजित्य में कभी करमें वा उससे दचने में सविधा के सिक्; बरि/शा
- (क) एती किसी बाय या किसी थव वा सन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय बाय-कार बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर बिधिनियम, या थन-कार विधिनियम, या थन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वामा वाहिए था, कियाने में सुरिष्ट के निष्ट्र विद्या वा वा किया वामा वाहिए था, कियाने में सुरिष्ट के निष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र

अत: जब, उपत जिथिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण भ , मैं , अकत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) क अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पडरीनाय किंगा नत्यूजी जोशी, 208-ए, पलसोकर कालोनी, इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

(2) गोविन्द पिता ग्रामनदासजी चन्दानी 6, नन्दलालपुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह बुचना बारी करके पूर्वोक्त संपंक्ति के वर्षन् के खिल्ल कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बार्शन रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश क्र 45 दिन की खबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिथ, जो भी बबिथ बाद से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताझरी के पास सिसिन में किए जा सकते।

स्थम्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पदों का, यो उन्ध विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभावित है, कही कुर्य होगा वो उस बध्याय में दिका स्था है।

# वयुष्यी

मकान न० 208-ए (तल मज़िल) पलसीकर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी मे निहित्त है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपान

तारीख: 15-1-1986

बाबसर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं॰ ग्राई॰ ए॰ सी॰/ग्रजैन/भोपाल/6288— अत: मुझे, बी॰ पी॰ श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पीत्त, त्रिमका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रूप में अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 26 है तथा जो बक्षी कालोनी एक्टेंशन सदर बाजार एरीया इंदोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री— कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इंदोर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम

- (क) अन्तरण से हर्ष किटी आय की पावत., उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ द्यायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा औरिना: और/या
- (क) ऐनी किया काय पा किसी हन या असा शास्त्रियों करों. बिन्हों भारतीय गण कर परिचार 1322 (1922 का 11) या इक्स अधिनियम, पा बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिन देश देश प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

बंद: अंध उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बज्यरक हों, नों. जस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के समीत भनगीलिकत व्यक्तिकों अर्थात् हो—— 22—466 GI/85  डा० महेन्द्र पिता गनपतराव नादकणीं निवासी-31-सी मंगरीश प्रामिसेस को ग्रा० सोसायटी एम० एम० चोटानी रोड (एक्स लेडी जमशेदजी रोड) माहिम, बम्बई

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुधा विषयवर्गीय पत्नी लक्ष्मीनारायण विषयवर्गीय म० नं० 79 नारायणबाग, इंदौर । (ग्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके प्वारक्त संपरित के वर्षन के बिष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोड भी वाक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  4.5 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद्
  स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर मम्पित्त में हितबद्द किसी बन्य श्यक्ति. द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस भ्याय में दिशा गया है।

## **ग्रन्**सुची

प्लाट नं० 26 बक्षी कालोनी एक्टेंशन, सदर बाजार एरिया इंदोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपान

दिनांक: 15-1-1986

आयकर अधिनियम, ,961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

वारत वरमार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरोक्षण) प्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विदांर 15 जनवरी 1986.

निदेश सं० आई ती०/%र्जन/भोपाल/6289—-ऋतः मुझे, बी० पी० श्रीबास्तयः, आगानर पीधिक्तिः । । १०६१ १८४१। (जिस्से इसमें

हानित स्थिति । (तिस हम्म हमसे पश्चात् (उस्त हम्म समसे पश्चात् (उस्त हम्म मार्ग वा ग्या है), की धारा 269-मा को स्रोत स्थान स्थान स्थान स्थान हम्म जिल्ला है कि स्थान स्थान स्थान जिल्ला जिल्ला जिल्ला स्थान सूच्य 1,00,000

और जिसकी संक स्याव गंव नंव 108-ए (प्रथम मंजिल) है तथा जो पलिनीयर कालोनी इंदौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसर्वी में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिगारी के गर्यात्मय इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार एल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का बारण है कि यथपार्टित सम्पति का अधित बाजार बस्य, उसके द्वयमार प्रतिष्ठ में भी क्षणमान प्रतिष्क कर पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितों) के गीन एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठ, निम्नलिखित राष्ट्रिय से उन्तरण हिनमित में वास्त-विक स्प से किथा नहीं किया गया है:—

- का करण्यात संबंध कियाँ पान कर समाय आपके स्थितियास के प्रार्टिंग होते प्रश्ने के उत्सारक वृक्षां स्टब्स को क्ष्मों करण में क्ष्मां के अवस्था के अवस्था के किया
- (क) गाँ जिसे क्षाया निर्माणिक या उत्य आस्तियों करों कि द्वा अवस्थित राज्यकर क्षितिस्त्रकः, 1922 (1922 13) पर इक्ता क्षितिस्वक, का पन-कर व्यक्तिस्त्रकः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ व्यक्तिस्ति ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में. में, उक्त अधिनियम भी धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यवितयों, अर्थात:— (1) श्री पंढ़री नाथ पिता नत्थूजी जोशी, निवासी 208ए पलसीकर कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) विष्णु पिता ग्रासन दास चंदानी, 6 नंदलालपुरा, इंदौर।

(ग्रन्तरितीं)

को यह स्वना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्नि के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासप:-

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीय से 45 दिन की अवध्य या नत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवध्य हात में नागरा होती हो, के भीतर प्रांकत करिकारों के किसी स्वाप्त होती हो,
- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकारण की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभेहस्ताक्षरी के एम निक्ति में किये का रकेंगे।

स्यष्टिफरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होना को उस अध्याय से दिया गया है।

## अनुस्ची

म्यु० मकान नं० 208-ए (प्रथम मंजिल) पलसीशर कालोनी, इंदौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, भोपाल

तारीख: 16-1-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

# बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-व (1) के बधीन स्पता

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोवाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6290--यत:, मुझे, वी० पी० श्री वास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 262-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण हं कि स्थावर मम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्ह 1,00.,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 25 है तथा जो माधवनगर, फीगंज, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरिनियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्त्रविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बानत, उक्ट बधिनियम को बधीन कर वंत्रे की बन्तरफ बं बायित्व में कमी करने वा उससे बन्धे में स्विधा के बिए; बाँड/वा
- (च) एेसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपान में स्विधा के लिए;

बतः वदः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के वनुसरव में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स मथुराजाल गणपतजी कर्ता भगवानदास पुत्र श्री फूलचंदजी निवासी-जवाहर मार्ग सोनकच्छ जिला देवास।

(अन्तरक)

(2) जगदीश वुमार पिता श्री तीर्थरामजी नारंग, निवासी-कलेक्टर बंगले के पीछे माधवनगर,फीगंज তত্ত্বীন ।

(ग्रन्तरिती)

का यह मुखना जारो करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता है।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ें भी जाक्षेप :

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ह 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियाँ पर सुचनाकी तामील मं 30 दिन की सर्वाच, **वां भी** अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवर म्यक्तियां मं से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना की राज्यक में प्रकाशन की तारीख ह 45 दिन के भीतर लक्त स्थावर समारित में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताधरी के पास . निस्ति में किए का अकरी।

स्वस्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त जीभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, थी उस क्रभ्याय में दिया

#### ग्रनुसूची

म्यु० मकान नं० 25, माधवनगर, फीगंज, उज्जैन में यह वह स्थावर सम्पत्ति है स्थित है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) म्रर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 15-1-1986

प्ररूप बार्ड. टी. एन., एस., कार्यकार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुभना

#### भागत सरकार

# कार्यास्य, बहायक बायकार बायकत (निर्धायक)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6291-**ग्रत:** मुझे वी० पी० श्रीवास्तव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हाँकि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 25 है तथा जो माधवनगर फीगंज उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सर्पत्त का उचित बाजार मृत्य, उपाके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान् प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच एसं बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रशिक्त, विम्नीनिवत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निष्ठित कों बास्तिविक रूप से काशित मुद्दी किया गया है है---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विषम् कं मधीन कु दोन के बन्तरक के दायित्व में कती कहत या उत्तर दश्य दे स्विधा के शिवा बीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनयम, या धन-क्र जिमीनवर, 1957 (1957 का 27) के इयाजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

बहः वव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यवित्रयों, अर्थात :--

(1) मेसर्व गणपतजी मथरा लालकर्ता पुत्र श्री फुलचंद िवासी-जवाहर मार्ग सोनव च्छ जिला देवास

(अन्तरक)

(2) ज़िलोक नाथ पिता श्री तीरथराम जी नारंग निवासी-वलेक्टर बगले के पीछे माधवनगर फीगंज उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विधित में किए या सकते ।

स्पद्धकरण इ-इसमें प्रयुवत सब्दों और पदों का, वो उनक बिधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया म्पा है .

#### गन्स्थी

म्यृ० मकान नं० 25 माधव नगर फीगंज एजजैन में स्थित है। यह वह स्थो।वर सम्पति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

> बी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक: 15-1-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र भोगाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० झाई० ए० सी/झर्जंन/भोपाल/6292— झर: मुझे वी० पी० श्री वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० नं० पुराना 44, 45/1149/1/49/2 जिसपर मशो : टाकी ज बना है तथा जो फ़लनगंज वार्ड खंडवा में स्थित है (ग्रांर ,इससे उपाबद्ध अनुस्ची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है) रिज्स्ट्री ! तो श्रीधकारी के कार्याज्य खंडवा में रिज्स्ट्री रूरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक मई, 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मेर्स अशोक ट.कीण पंजीबढ भागीएदारी प्रमं द्वारा इसके भागीदार श्री हेमचन्द सेठी व नंदराम सेठी ए वंग पार्टनर कुल 11, पढाका रोड, खंडवा। (अन्तरक)
- (2) स्त्यानारायण, मोहन लाल, बंस्त कुमार वल्द बालुराम चांबे निवासी जसवाडी रोड, खंडवा। (ग्रन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट न० पुराना 44-45/149/1, 49/2 का भाग व 75/11 का भाग जिस पर अशोक टाकीज बन है, कस्लनगंज वाई तह० खडवा जिला खंडवा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूण विवरण अन्तरिती हारा सत्यापित फार्म न० 37 जी में निहित है।

वी० पी०ं श्रीवास्त्रव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धजन क्षेत्र भोणाल

दिनांक: 15-1-1986

बस्प बाह्र था. एन. एव. ....

अनुष्य अधिनियम, 1981 (1981 मा 43) भी धारा 269-म (1) को अधीर श्रुपा

#### भारत सरकार

क्षत्रमास्त्रम्, सहायकः आण्यत्र आण्यत् (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोराल

भोत्स, वितार 15 वत्यरी 1986

निर्देश सं० झ.ई० ए० सी/अर्थन /भोषारः/6293---- । स्र3: मुझे बी० मी० मी अल्डाय

अप्युक्तर अधिनियम, 1909 (1961 का 45) विका इसमें इसके प्रचार उन्नेत शीच एम गण गण हो। भी भाग १९७-स की अधि। एकम शिवारी की, यह विकास छान्दे अ कारण ही कि स्वायर सम्बद्धा, जिल्ला अधित पातार मूल्य 1,00,000/- एक में शिवार ही

श्रीर िंग्सी संच कृषि स्थित हो एक 140/3 है हमा औ दाराशाली तहुंच हवी। भे रिश्त है (क्रिंग राउट १ म्यह अनुपूर्वी में श्रीर पूर्व का ) जीता है, पीएईएसी के आयीर्य इसीर में जीस्ट्री एक श्रीजीसम 1908 का 16) के अवीस स्थित गई, 1985

कर वृच्चित्र मण्डात हो स्तर है है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कर सम्मान्त का जीवत वाजार भृत्य, उन्तर है कि यथापूर्व कर सम्मान्त का जीवत वाजार भृत्य, उन्तर दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का धन्द्रह प्रतिकाल से अधिक हो और अनारक (अनरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एस अन्तर्ण के अवस्थ प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रतिकाल, जिम्मिलिखत उद्वेष्ट्य से उज्ज अंतरण निष्तित में वास्त्रिक क्य से किथा नहीं किया गया है रू---

- (या) बन्दारण से अपूर्ण गयाती कार का वातला, राजन जोचित्राम के लेकी कर यात के शता के प्रतान के में कार्या करण का उक्त बाला मा कुनिया का रूप, अंदि/या
- (रा) एसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों करों, जिन्हा अवदीत अत्य वह की तेन्द्रमा, १५२५ (1922 का ११) मा उत्त विदेशियम अत्र अन्व के अभिनयम, १८३४ (१८८० विदेशियम अत्य अभ्यति होता द्वार अञ्च नहीं विदेशा गया या किसा जाना माहिए मा छितन में द्वीरात दर्शन्त्र,

सतः अव उक्त अधिनियम ना धारा 269-म के अन्मरक भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भए। 269-भ की उपयारा में से सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :— (1) भुषपाण विश्व विकास रिह्न 57, न्यू० देवात रोड, इंबोर।

(ग्रन्टरक)

- (2) ध्रुणं कुमार पिया श्री जोत्री हाहां जी (2) अभीय शुमार पिया भ्रेष्टुख जी नियासी-494, एसक जीव मार्ग इंदीय।
  - (3) कीर्तिकुमार किया बाबु सास जी झाझरिया जिलासी--24, चैन सिदा का बगाचा (अन्हिस्ती)

का वह सुबना लाशों करकं प्याक्ति सम्मत्ति के वर्षन के लिए काववर्ष हरेंग करता हो।

पक्त गापतिला की अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (ग) उस सबना के राज्यत्र मों प्रकाशन की तारीं सं a 5 जिन की किमीं भा तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामोज से 30 दिन की अपि , जो भी अपि अपि अद मों परापत होती हो, के भीतर प्वेंक्त पर्व स्वयों को से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) एम । ज्ञान के । ज़ान्य में प्रकाणन की तारीख है कर ित है मीर- उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किये जन व्यापन द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास कियान में किए का सकीरो।

स्थव्योग्रहाः--- तर्गे प्रस्ता शादां और पदौं का, जो उक्त अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उक्त सध्याय में दिया भया ही।

#### अनुसूची

्रकृषि भूमि सर्वे नं० 145/2 दालावाली चन्दा उह० इंदो: में स्थित है यह यह स्थावर सम्पत्ति है विस्का संपूर्ण विवरण इन्ति।तो द्वारा रात्यापित फार्म 237 जी में निहित है।

> बी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधि गरी सहायक ग्रायकर श्रायुक्ट (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोगंन

हिलांग: 16-1-1986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन क्षेत्र, भोः।ल

भोजल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं आई० ए० सी/शर्जः/भोगःः/6294— अतः मझे वी० पी० श्रीकारत्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1061 का 43) (जिसे दगमें इसके ण्डचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकार करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 160, है तथा जो न्यू देशस रोड, इंदोर में स्थित है (श्रीर इस्ते उपावड इत्युची में श्रीर पूर्ण इस से विणित है, जिस्ट्रीयती श्रीवजनी के जब्दिय के मधीन दिसार सह, 1985

को पर कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफता को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीच्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंडत प्रतिकत स अध्याद है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्लित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिख्ति में बांस्तिन रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबन, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ठेगी किसी आय या किसी धर्न या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः दब, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निधिकार स्मिक्तयों, अर्थात :---

(1) मूराजन्द थिया यामचन्द्र 2 सुन्दर लाल (3) नरेन्द्र बुमार (4) झायाद बुमार (5) झायात बुमार (5) झायात बुमार (5) झायात बुमार (5) झायात बुमार पिटा मुदार लाल जी 51, यियागीय इंदोर पर्टमय ममें भेरार्स सुन्दर लात जी मूलजंद जी जैन 31, वाछी मोहल्ला इंदोर।

(म्रन्तरक)

(2) शान्तिकाल पिता दामोदर दास पण्डया (2) दिपिन (3) प्रदीप हुमार (4) निरीट हुमार पिता पानि लाल प्रसीडया 25, जाँग बिल्ड पानोनी, इंदोर 1

(श्रद्धिती)

को यह स्पना जारी करके प्योंकत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यनिहिंग करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध को कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना को राजपत्र मो प्रमाधन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की नामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वता के रोजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्वत तथातर स्मात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणं:—इसमें प्रयत्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुमुची

प्लाट नं० 60 न्यू देवास रोड, (देवी ग्राह्माता न्यू गोगाचा कंपाउंड इंदोर में स्थित है। दह बहु स्थावर दम्कि है िता संपूर्ण निवाण ग्रन्तरिती द्वारा स्ट्राफित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्री वास्तव सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र भोगल

दिनांक: 15-1-1986

or the grander-reason remarks and the same are represented to the same and the same

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

श्चार्यासय, सहायक बावकर सायक्त (निरक्षिण) श्चर्णन क्षेत्र, भोणाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० छ।ई० ए० सी/इ.जन/भोपाल/6295--ग्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचतु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिल्ली सं० महान म्यू० नं० 10/2 (फ्लेट ऋ० 2) है एथा जो साउथ तुकोगंड, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे डप बढ़ शर्सुची में र्बाप पृणं रूप से विणित है), पिरद्रीति अधिकारी के वार्यास्य इंदौर में परिस्ट्रोत्रण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई,1985 का पर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शुल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, द्या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में से लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:---

(1) माधवी गोतावी पिता श्री निवास गोसावी निवासी-10/2, साउथ तुकोगंज इंदौर।

(ग्रतरक)

(2) डा॰ नीता नातु पति श्री विजय नातु निवासी-10/2, साउथ तुकोगंज, इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

#### उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप कु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस स्चना कै राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### धनुसूची

मकान म्यु० नं० 19/2, फ्लेंड क्रमांक 2 (साउघ तुकोगंड इंदौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है डिसका संपूर्ण विवरण श्रन्टरिती द्वारा स-यापिट फाम नं० 37 जी निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनांक : 15-1-1986

## प्रकार कार्य हो । प्रकार प्रकार

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

#### मार्च सरकाड

## कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6296—— ग्रतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं 1,टी० एस०पर बनां मकान है तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण योजना क्रमांक 31, में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का वन्तरका वन्तरिती (जन्तरितीयों) के बीच एसे जन्तरिण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिख उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित में बास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन जिल्लानिवास व्यक्तियों अर्थात् :--- 23-466 GI/85

- (1) मेसर्स दिग्विजय रोड, सेलर्स उरफे पार्टनर टी० एस० मूर्ति टी० एस० इंदौर विकास प्राधिकरण योजना क्रमांक 31, इंदौर। (ह्यातरक)
- (2) शरीफा बाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सन्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप श--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन की नविभ या तत्वंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति सें हिस् वस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंने।

भ्याक रणः — इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, वो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

#### ग्रन्युची

प्लाट नं 1, टी ०एस० पर, बना हुआ मकान इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 31, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्णण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फर्म मंनं 37 जी में निहिन है।

> वी० पी० श्रीवास्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षोत्र भोपाल

दिनांक 15/1/1986 मोहर

# प्रस्य बाहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रजन क्षोत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6297---यतः मुझे वी० पी० श्रीवास्तव

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, टी० एस० पर बना हुग्रा मकान है तथा जो इंदौर स्कीम नं० 31, इंदौर विवास प्राधिव रण में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1980 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिशत के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक य से किथत नहीं किया गया है:——

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

त्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मोलिखन व्यक्तियों, अर्थात् ४——

- (1) मेसर्स दिग्विजय सिंह रोड, सेलर्स पार्टनर टी॰ एस॰ मूर्ति प्लाट नं० 1, टी॰ एस॰ इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 31, इंदौर। (भ्रन्तरक)
- (2) हमीदा बाई।

(ग्रन्तरिती)

कोः यह सूचना जारी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पहस लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

प्लाट नं० 1, टी० पी० एस० पर बना हुआ मकान इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 31, इदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फामं नं० 37 जी म निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र भोषाल

दिनांक : 15/1/1986

प्रकथ बाह् . टी. एव. एव. ----

बायकर विधिनियस, 1964 (1981 की 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन स्वना

#### धारव तरकार

## कार्यालय, महायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी/अजंन/भोपाल/6298----ग्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्ताल करने का कारक हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उन्तित नाजार मृन्य 1,00,000 / - रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 426 पर बना मकान है तथा जो उषा नगर एक्सटेंशन कालोनी इंदोर म स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक मई, 1985

को पूर्वा कित सम्मति को उज्जित बाबार ब्रुब्य से कम के ब्रुव्यमान प्रतिपत्त के लिए जन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप् वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार ब्रुब्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बचा प्रतिकस, निम्नतिश्वत उद्देश्य से उसत बन्तरण विश्वत के बास्तिक स्प से क्रियत नहीं किया क्या है ---

- (क) बन्तरण से हुई किंसी काब की वावत, उक्त वीधनियम को वधीन कर दोने के बन्तरक के दाविस्त में कवी करने वा उससे वचने में सुविधा के निसार; जील/वा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें आएतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के स्थिए;

चतः जब, उक्त अधिनियम श्री भारा 269-म के अनवरण श्रें, श्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चुं बुभीम, निम्नसिचिद् व्यक्तिस्यों, वर्षांद् ध— (1) जमना प्रसाद पिद्धा श्री शिवदयाल साहू निवासी-11 हेमसन कालोनी, इंदोर।

(मन्तरक)

(2) कुमुद पित श्री सुरेद्र कुमार कोल्या निवासी स्टेट वैक ग्रॉफ इन्डिया, दो बत्ती चौराहा रतलाम। (ग्रन्तरिती)

भी यह सूचना बारी करके कृतींकत न्यम्पति के वर्षन के विष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियां प्र तृचना की ताजील से 30 विम की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोज्ञर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्रागः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास स्तिश्चित में किए वा सर्कों गे।

प्रवासिकारण : अन्यसमें अन्यक्त बन्धों और यदां का, जो अवल विधिनियम के वश्यास 20-क में परिश्रविष है वही वर्ष होगा, जो उस वश्यास में दिया गया हैं।

#### प्रनुसूची

प्लाट न० 426 पर बना हुंग्रा मकान उषा नगर, एक्सटेशन कालोनी इंदौर म स्थित हैं यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी म निहित्त हैं।

> बी० पी० श्रीवास्तव स्रक्षम प्राधिकारी सहायक श्राजकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 15-1-1986

# प्रकृत बाइ . ही . एम . एस . -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० थ्राई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6299--श्रवः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान म्यू पा० नं० 48 है तथा जो छोटी ग्वाल टोली मेन रोड, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 1908 का 16) के ग्रीधीन, मई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अहरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में बास्तविक रूप से कथित हों किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय वा किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से सिष्ट;

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्मतिश्विष्ठ व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) ग्रानंदी शर्मा पत्नी सूरजमल शर्मा हरिश व हर्ष पिता सूरजमल शर्मा, निवासी-19/2 मनोरमागंज, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) खुशीराम पिता श्री ग्रमीचंदजी डाबर 10/5, न्यू पलासिया इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

नो यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

मकान म्यु०पा०नं० 48 छोटी ग्वाल टोली मेन रोड इंदौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में किया निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिन**ि**कः 15/1/1986

मोहर '

प्रकर्ु बार्च ुदी एन् प्रक् ----

# भावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### बारत सरकार

## कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निश्रीकण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6300— श्रतः मुझे; वी० पी० श्रीवास्तव नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5, (द्वितीय मंजिल,) है तथा जो साउथ तुकोगंज, इंदौर मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनॉक मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किंप्स नहीं कि बसा है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से बिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) माधव पिता ्रश्ची श्रीनिवास गोसावी, निवासी 10/2, साउथ तुकोगंज, इंदौर । (ग्रन्तरक)
- (2) भारती पत्नी श्री प्रफुल कुमार दवे, निवासी 10/2, तुकोगंज, इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यकाह्नि करका हुं।

## उनक संगति के वर्णन के संगंध में कोई भी नासीन :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश हं 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किशी जन्म व्यक्ति द्वारा सभाइत्ताक्षरी के पास जिख्छ में किए या सकते।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त वन्दों और पदों का, वो उनक विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अल्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया स्था है।

#### मन्यू ची

फ्लेट नं० 5, (द्वितीय मंजिल, )साँई ग्रपार्टमेंट, 10/2, साउथ तुकोगंज इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म नं० 37 जी मे निहित है। तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया श्रया है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, भोपाल

दिनाँक: 15/1/1986

## बाह्रन बाह्र हरी. हुन . वृष . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन वृचना

#### TICE TRUE

## कार्याजन, सहायक नायकर नायुक्त (निद्रीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी 1986 निर्देश सं० नाई ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6301--ग्नतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उपत विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 60 है तथा जो न्यु देवास रोड, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक मई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाबार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के सिए बन्तिर्त की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गृवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिबक स्म से कियत नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण ते हुन्द्र किसी बाय की बाबत उक्त निधिनयम के सधीन कर दोने के संतरक को दाक्तिय में कभी करने ना उत्तते बखने में सुविधा में लिए; निर/वा
- (क्) एती किसी नाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिन्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या धनकर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना बाहिए था छिपाने ने स्थिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन. निम्निलिक्त व्यक्तियों, नुकति ध—

(1) भाई लाल भाई पिता जवे भाई पटेल 57, बीर सावरकर मार्केट, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2ि) शांन्ति लाल पिता दामोदर दास पण्ड्या (2) विपिन कुमार (3) प्रदोप कुमार (4) किरीट कुमार पिता शान्ति लाल पण्डया, 25, जाय बिल्डर्स कलोनी इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

करें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्युत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शय हन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की वर्वाध, को औी वर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हूं 45 दिन के भीतह उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंने।

स्वकारणः इसमें प्रयुक्त करनों और पदों का, वह कित अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### **अनु**ज्**धी**

प्लाट नं० 60 न्यु देवास रोड, ग्रहिल्ला माता गोशाला इंदोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज भोपाल

दिनाँक: 15-1-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्षाबां सब , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० ग्रर्जन/भोपाल/6302---भतः मुझे वी० पी० श्री वास्तव

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सङ्घत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से बिधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 25, तल मंजिल) है तथा जो वार्ड कमाक 4, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम

1908, (1903 का 16) के अधीन दिनाँक मई, 1985 का पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमाय प्रित्तकल के लिए अंतरित का गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का मृल्य, विश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक हम से किथत नहीं किया गया है ं—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- को प्रेमी किसी नाम या किसी धन या कस्य अमेरितको को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का व्यक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तीरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा प्राना चाहिए था, स्थिकने में सुविका के लिए

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) डब्ल्यू जी । पाचेको पिता डी । एस । पाचेको, (ईसाई) 25, डाटकी पुल रोड, रतलान

(अन्तरक)

(2) हकीम उददीन (2) मुश्तफा पिता हाजी अकबर भाई बोहरा, **बारूदवाला**, बोहरा बाखल, चाँदनी चौक रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

को बहु मुचना जारी करके पूर्वोच्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनीध या तत्सैंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनीध, जो औं अनिध के बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितकद्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकिस में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिका गया है।

#### वयस्यी

मकान नं० 25, तल मजिल, वार्ड क्रमाँक 4, जटकी पुल रोड,रतलाम में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित्त है। तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनाक: 15-1-1986

## प्रकृप साई . टी . एइ . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के बचीन स्चना

#### मारत सरकार

## ध्यानिय, सहायक वायकर नाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 6303 ग्रतः मुझे वी० पी० श्रीवास्तव

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की चारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का स्थारण ही कि स्थायर सम्बद्धित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं॰ मकान नं० 27, (प्रथम मंजिल) है तथा जो वार्ड क्रमाँक 4, डाटकी पुल रोड, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध, श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रतलाम मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक मई, 1985

करे पूर्वोक्त सपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमाल प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीतफल से ऐसे दश्यमान प्रीतफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के कीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया गया गिक्क निकल्ति विश्व सुकल्प से जनत अन्तरण निकलित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त विभावन के तथीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिस्ए: और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) आर० ए० पाचेको, पिता श्री डी० एम० पाचेको निवासी-27 डाटकी पुल रोड, रतलाम। (ग्रन्तरक)
- (2) हकीम उददीन (2) मुश्तफा पिता हाँजी स्रकबर भाई बोहरा, बारूद वाला, बोहरा बाखल, चाँदनी चौक रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 27, वार्ड न 4 (प्रथम मंजिल) डाटकी पुल रोड, रतलाम में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है तथा प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया जा चुका है।

> वी० पी० श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

भतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के विधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षांत :---

दिनाँक: 15-1-1986

मोहरः

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक जायकर जाध्कत (निरोक्तक)

· ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6304— मझे, सनील चोपड़ा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्स विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार बृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान म्यु० नं० 136 है तथा जो गोपाल मंदिर मार्ग बड़ा सराफा उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1'908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निविधित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निविध के पास्त्रिक रूप से किथित नहीं किया गवा है :---

- (क) कन्तरण संहुदं किसी बाय की नायतः, उपक इधिनियम के स्थीन कर दोने के सन्तर्क के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के हिस्प; सुद्/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया जाना चाहिए था, छिपारे में सविधा के तिय,

अत: 'प्रव, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की, अनुसर्ग भा, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) № कर्भाण निम्मिलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :—— 24—466 GI/85

- (1) कमला बाई पत्नी चिरंजी लाल जैन। निवासी मकान नं० 2 नीलकंठ क्रालोनी उज्जैन। (ग्रन्तरक)
- (2) रमेश स्रवयस्क पिता हीरालाल सरंक्षक एव्म पालक पिता हीरा लाल निवासी-ग्राम वडई तह० बड़नगर जिला उज्जैन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

#### तकत सम्परित के वर्षन के संबंध में कोड़ें भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिड हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

## वनुसुची

मक्तान म्यु नं० 136 गोपाल मंदिर मार्ग बडा सराफा उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्री वास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक: 15-1-1986

मोहर।

## त्रका बार्ड्, टी. एन. एउ. :----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ण (1) से अभीत सूचना

#### भारत बरकार

## कार्यांतय, सहायक वायकर वायुक्त (जिल्ह्सिण)

म्रजन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक, 15 जनवरी 1986

निर्दोश सं० ब्राई० ए० सी/ब्रर्जन/भोपाल/630,5----अत: मुझे वी० पी० श्री वास्तव

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (धिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकरी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 154 है तथा जो न्यू रोड रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1985

भारे प्रशेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कहने का कारण है कि यथाप्वेवित संपत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वन्तरक (वन्तरकों) और वन्तर दिती (वन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाता गया प्रतिफ ल्लीम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1 को या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

- (1) साम पिता दारवणा दलाल निवासी रतलाम। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स सेन्ट्रल कन्सट्रक्शन रतलाम। (ह्यन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाश्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वांक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में क्लिया गया है।

## वन्स्ची

मकान नं० 154 न्यु रोड रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन क्षेत्र भाषाल

दिनांक: 15-1-1986

में(हर:

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6306— अत: मुझे वी० पी० श्री वास्तव

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 25 है तथा जो माधवनगर फीगंज उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबड़ ग्रनुसूजी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मई 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य से कन के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे अवसान प्रतिकल का चंद्रह प्रतिस्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच होसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत अव्ययस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक कें दावित्य में कमी करने वा उत्तबे बच्चने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तियों जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बवाः, उक्त विधिनियव की धारा 269-ग के बनुबर्ग रे भी, नी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीसंवित व्यक्तिवाँ, वर्णात ड--- (1) मेसर्स मथुरालाल गणपित जी कर्ता भागवान दास पिता श्री फूलवंद जी निवासी-कलेक्टर जवाहर हमार्ग सोनकछ जिला देवा ।

(अन्तरक)

(2) रामिनवास पुत्न श्री तीरथराम जी नारंग निवासी— कलेक्टर बंगले के पीछे माधव नगर फ्रीगंज उज्जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह जुषना बारी करके पूर्णेक्त संस्पृत्ति के अर्थन के कि। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  15 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  त्वाना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी
  ध्विभि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकन।

क्षच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त छन्दों और पदों का को छक्त विभिन्निम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इति, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मना है।

## ननस्ची

म्यु० मकान नं० 25 माधव नगर फ्रीगंज उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी के निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनांक। 15-1-1986

## त्रक्य बाइ ुटी पुन, एस \_-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सूचना

याऱ्स सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र भोपाल भोपाल दिदांक 15 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6307---श्रत: मुझे वी० पी० श्री वास्तव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अतीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला प्लाट नं० 350 है तथा जो साकेत नगर इंदोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1986

क्रो प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्ति,रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विश्व के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने जा उसके नुषने में सुविधा के जिल्हा; बीड/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भग या बन्य जास्तिवों को, बिन्ह नारतीय वायकर बरियनिव्यं, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया बागा वाहिए था, कियाने मा सुविचा के रिवाड

ब्दः, बंबः, उक्त बिधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्राधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ए— (1) डा० विजया कुमारी गोपालन पुत्री डा० ई० गोपालन निवासी- रतलाम

(ग्रन्तरक)

(2) स्रनंत गृह निर्माण हकारी संस्था मर्यादित 8 जोरा कंपाउंड इंदौर द्वारा श्रध्यक्ष श्री दरालदास पिता श्री जेठानंद चावला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यत्राहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगितन मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित मों किए जा सकींचे ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही बर्ध होगा, जो उस अध्याय में क्वि-त्रया हूँ।

## **जन्सूची**

खला प्लाट नं ० 350 नर संत नगर इदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वार। सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनांक: 3-1 -1985

प्रस्प बाई., टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 व (1) ये वधीर मृत्या

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनाक 23 दिसम्बर 1985

निर्देश स० अ।ई० ए० सी०/फ्रजेन/भोपाल/6304—अत. मुझे वी०पी० श्रीवास्तव

बायकर अधिनि में , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमक प्रकार उदन अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- स के अर्थान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र . उ अधिक हैं

स्रौर जिसकी सच्या खुला प्लाट न० 11/9, म्यु० म०न० 11/2 है, तथा जो साउथ तुकोगक, इन्दौर में स्थित है (स्रोर, इससे उपावड ऋनुसुची में स्रोर पुर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीक्ती स्रधिकारी के टार्यालव इन्दौर में रिजस्ट्रीवरण स्रधिनियम 1908 (1908 दो 16) के स्रधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों किसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों किसे, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

बतः अग, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मं. रक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री कौशल्याबाई पत्नी श्री कृष्णारावजी गावड निवासी 11/5, माउथ तुकोगज, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री तुलसीदार पिता श्री टीकामदार इन्ट्र्जा 2. श्रीमती कीगा पत्नी श्री तुलसीदास हिन्द्र्जा 3 श्री प्रदीप पिता निवासी 153, साकेत नगर, इन्दौर

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निचित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाशित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### अनुसुची

खुला प्लाट नं 0 11/4, म्यु० म० न० 11/5, साउथ तुकोगठज, इन्दौर मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी मे निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोषाल

वारीख: 23-12-1985

## प्ररूप बाइं टी.एन. एस.-----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज भोगाल

भोगल, दिनांक 23 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोनाल/6309--श्रदः मुझ वी०पी० श्रीवास्तव

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या खुला प्लाट न० 11/2, म्यु० म० न० 11/5 है, तथा जो साउथ तुकोगण, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रुतुची मे ग्रौर पूर्ण कर ते विणा है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय इन्दौर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रुयीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त मंपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूरिवधा के लिए;

बत: बत, उन्हें अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की, की, उन्हें अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलेखत कार्यियों, बर्धात ह—

(1) श्री मती कौराल्याबाई पत्नी क्रुज्णरावजी गावडे 11/5 साउथ तुकोगंज, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री 1 देवेन्द्र बुमार पित्तः श्री घनश्याम भाई मिस्त्री 2 श्रीमती अनुसूयाबाई पत्नी श्रीपी० के० मिस्त्री नियामी-6, वल्लभ नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

खुला प्लाट नं० 11/2, म्यु० म० नं० 11/5, साउथ तुकोगंज, इन्दौर मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पेण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोजल

तारीख: 23-12-1985

## प्ररूप बार्ड , टी. एन . एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीत क्षना

#### शारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जनवरी 1986

निर्दे ज सं० अहै ० ए० सी ०/अर्जन/भोपाल/ 6310—अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सख्या भूमि खसरा नं० 9/3 है, तथा जो ग्राम दाम-खेडा, तह० हुजूर, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय भोपाल मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मुधीन, मई 1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा नवा प्रतिक क्ष विम्नितिष्टित उद्विष्ट से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक कर के स्वर्थ विश्वत वहाँ किया प्रा है कन्तरण विश्वत में वास्तविक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- ं बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्यात =——

(1) श्री प्यारेलाल आत्मन छोटेराम, निवासी दामखेड़ा तह० हुजूर, भोषाल

(अन्तरक)

(2) राजहर्ष गृह निर्माण सहनारी संस्था मर्या० 17/16 साउथ टी०टी०नगर, भोषाल

(अन्भेरिती)

क्षे वह सूचना चाडी कड़के प्वास्त सम्मित के वर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्वित्त को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभि, को भी तबिम बाद में समाप्त होती हो, के भीतृत प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाडा
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें
  पास लिखित में किए जा सकरें।

क्ष्मिक्षरण:---इत्सों प्रयुक्त सन्दों और पदों का, की उक्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

जभूमि खसरा नं० 9/3, ग्राम दामखेड़ा तह० हुजूर, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव स्क्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

नारीख ' 17--1--86

प्ररूप बाई .टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यांशय, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्ण) ऋजीन रोंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 17 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी ०/ग्रर्जन/भोपाल/ 6311—- स्रतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1.00,000/- क. से आधिक हैं

ग्रौर जिसकी सख्या भूमि खरर नं० 9/3 है, तथा जो ग्राम दाम खेरा, तह० हुजूर, भोपाल में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीर र्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भोपाल मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त , सन्तरण कि बित के वास्तविक स्थ से किथा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के सावित्य में कमी करने वा उससे बचने में सृष्टिमा के निष्ट; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नएरि किए गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में मुविधा के लिए:

अत प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग हे रानसरण गै. गै. अपत अधिनियस की धारा 269-व की उपभारा (1) के स्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11

(1) श्री प्यारेलाल म्नात्मञ छोटे राम, निवासी ग्राम खेटा हुजूर, भोषाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजहर्प ग्रह निर्माण सहकारी संस्था मर्या० 17/16, साउथ टी०टी० नगर, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य विकत ख्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास विखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

भृमि खसरानं० 2/3 ग्राम दामखेडा तह०हजूर,भोपाल मे स्थित है यह वह स्थावर सभ्यक्ति है. जिम्हा सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म न० 37 जी मे निहित है।

> वेट प्राय्मण श्रीवास्तव स्थम प्राधि ारी गहायक स्रायक्र स्र युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज, भोषाल

तारीख: 17-1-86

प्रक्रप नाद' टी. एन. एस. -- -

नाम-भर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6312—-ग्रत: मुझे वी०पी० श्रीवास्तव

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से बिधिक है

स्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 31/352 है, तथा जो नया बाजार, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (स्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, मई 1985

को वृशेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमत 'श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, दिश्नीलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल के बास्तिक स्थ से स्विधक नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई कि ती बाय की बावत, उपत विधिनयम में वधीन कह दोने की बन्तरक सें वादित्य में कड़ी कहने वा उससे बचने में कृषिका से लिए; बरि/या
- (क) एसे किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा औं लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण बँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) बे अधीन, निम्निसित अधिकताँ के अधार ३—— 25—466 GI/85

- (1) डा० रामदास गुप्ता म्रात्मज केदारनाथ गुप्ता.निवासी सदर बाजार, मुरैना
- (ग्रन्तरक)
  (2) श्रीमती शातिबाई पत्नी श्री श्रीरामजी निवासी
  सराफा बाजार, लक्ष्कर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

. डक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीख़ से 30 दिन की अविधि, जो औं वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थावर सम्पत्ति में हित- स्थावर सम्पत्ति में किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शक् निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इक्स्में प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जा उक्त बिधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्थ होया को उस अध्याय रे दिया गया है।

#### जन्स ची

मकान नं० 31/352 नया बाजार, ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थापित सम्पत्ति है, जिस सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-1-86

प्ररूप आईं.टी.एम.एस.-----

जावकर जिभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 17 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6313—श्रातः मुझे वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूख्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 31/352 है, तथा जो नया बाजार लग्नकर में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन महै 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूच्य से कन के व्यवमान प्रीकृत्वन के सिंह अंकरित की गई है और मूझे यह किल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके व्यथमान प्रतिपत्त सं, एसे व्यथमान प्रतिपत्त का पत्त्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाना गवा प्रतिपत्त , भिम्मजिखित उन्दर्भय से उच्या अन्तरण जिलित में बास्तिवक रूप से कांभित नहीं किया गवा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधास (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) डा० रामदास गुप्ता ग्रात्मज श्री केदार नाथ गुप्ता निवासी सदर बाजार म्रना एवं श्रीमती ग्रानन्दी बाई पत्नी श्री केदार नाथ गुप्ता सदर बाजार म्रना

(म्रन्तरक)

(2) श्री सदीप मित्तल पुत्र श्री श्रीराम मित्तस सराफ़ा बाजार लश्कर ग्वालियर

(भ्रन्वरिती)

को वह तूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविशेष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवशिष, जो भी अवशिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किए जा तकोंगे।

स्पब्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनद अधिनियम के अध्याप 20-क में परिशायिक है, वहीं अर्थ हमेगा को उस अध्याय में दिका गया है।

#### अनसची

मकान नं० 31/352 नया बाजार न्वालियर में स्थित है यह वह स्थापित सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म 37-जी में निहित है।

> बी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 17-1-1986

नों :

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

## भागातार विधितिनान, 1961 (1961 का-43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचका

#### भारत संस्कार

## कार्थास्य, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1.7 जनवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6314—म्प्रतः मझे वी०पी० श्रीवास्तव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रथार 'उक्त बधिनियम' कहा नवा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मून्य, 1,00,000/- रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि एंव जमीन हवीब (मंजिल) है, तथा जो ईदगाह हिल्त, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान श्रीतफास को लिए बंतरित की नई हैं जार युक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दरयमान प्रतिकास से, ऐसे अस्यमान प्रतिकास का बन्दह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के जिय तय पाया क्या प्रतिकास निक्कितिकार सक्योच से उच्छ अन्तरक विविद्ध में शास्त्रिक अन्य से कांग्रिक नहीं किया क्या हैं:--

- (क) ब्रुक्टप्रमु से हुए प्रिक्री जाय की बाक्त, क्या वर्गपनियम को बधीन कर दोने के बन्तरण के खाब्रुक्ट में कनी कर्य या उक्ट व्यून में द्विशा के शिक्षा ब्रीडा/का
- ्ष) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य बास्सियों को, विक्तुं भारतीय जाव-कर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) वा उसक व्यविविद्यम, वा धन-कर अधिविद्यम, वा धन-कर अधिविद्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनेतिर्देशी द्वारा प्रकट नहीं विका पता था वा विका काना वाहिए था, कियाने के स्विधा के लिए;

शिश्व कर, उक्त किथिनियम की भारा 269-व के अनुसर्क भी, मी, उक्त किथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती तैफ़ीक जहां बेगम पत्नी ईशाक श्रली बेग, निवासी शौकत महल, भोपाल

**ंग्र**न्तरक

- (2) श्री बाबूलाल ग्रग्रवाल ग्रात्मज श्री किशनदासजी (2)श्रीमती तारादेवी (3)श्री राजमोहन
  - (4) श्रीमती बेला अग्रवाल (5) श्री शरीमोहन
  - (6) श्रीमती नीलम (7) श्री जगमोहन
  - (8) श्रीमती वर्षा ग्रग्नवाल, निवासी चौक बॉजार, भोपाल (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

## उक्त सम्बंधि के क्यान के सम्बन्ध में कोई बाक्सेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितर्क्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, खो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### ग्रनुसूची

मकान एवं जमीन (हबीब मंजिल) ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नं० 37-जी में निहित है।

> बी० पी०श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

वारीख: 17-1-1986

## प्ररूप आई. टी., एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भोपाल भोपाल, दिनांक 17 जनवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6315---म्रत मुझे वी० पी०श्रीवास्तव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 107 (स्कीम नं 19) है, तथा क्रिं जो मेजर शापिंग सेन्टर, जोन नं II, हवीवगंज, भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिज़स्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय भोपाल म रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पीत के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बिह्र प्रतिकृत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में बाह्मतिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से इर्इ किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीतिवित व्यक्तिसां, अर्थात् क्ष-- (1) श्री बद्री विशाल भागंव श्रात्मज श्री राधा वल्लभ भागंव, दीपक कुमार भागंव श्रात्मज स्व० श्री जी० एस० भागंव, निवासी डी-100/ 46, शिवाजी नगर, भोषाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सैयद गजफ्तरम्रली म्नात्मज सैयद याकूब म्रली, श्रीमती फ़रजाना शाहीन म्रली पत्नी सैयद गजफ्तरम्नली मास्टर सयद गाजी मली एव सैयद जामिन म्रली म्नात्मज एव संरक्षक सैयद गजफ्तरम्रली भोपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त रब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं 107, स्कीम नं 19, मेजर शापिंग सेन्टर जोन नं II हवीबगंज, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित्त है।

> वी० यी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-1-86 मोहर :

## प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . -----

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनाँक 17 जनवरी, 1986

सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजँन/भोपाल/ 6316:--ग्रतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं 127 है, तथा जो मेजर शार्षिण सेन्टर, जीन नं 11, हबीवगंज, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भोपाल मे रजिस्ट्री करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन, तारीख मई, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

श्री सत्यदेव मेहुता ग्रात्मज श्री एम० एल० मेहता निवासी—–महादेव ग्रपार्टमेंट, ई-5, ग्ररेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती सरोज स्रग्नवाल पत्नी शिव मोहन स्रग्नवाल, 2. श्रीमती सन्ध्या स्रग्नवाल पत्नी श्री महेश चन्द्र निवासी चौक, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 हिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं 127, मेजर शार्पिंग सेन्टर, जोन नं II, हबीबगंज, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा पत्यापित फार्म नं 37 जी में निहित हैं।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-1-1986

## प्ररूप बाह् दुर्त , एस , "------

# नावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाँक 15 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6317--ग्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या बंगला एवम् खुली भूमि है तथा जो नील कंठेश्वर वार्ड, खण्डवा मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसके ग्रन्तरण से सम्बन्धित विवरण उक्त ग्रिधिनयम की धारा 269 ए० बी० के ग्रन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में दिनाक जन, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मृत्य है सिक से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिक निम्निविश्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्यतिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बंसरण से हुन्दं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दावित्व में कमी करने वा उत्तर्श बचने में सुविधा के लिए; बौर्/वा
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन मा नन्म नाहिस्तमों को, जिन्हें भारतीय नाम-कर निभिन्यमं, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियमं, का धन-कर निधिन्यमं, का धन-कर निधिन्यमं, 1957 (1957 का 27) के प्रसोवनार्थ नन्तिहस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिन् था, स्थिनने में सुविधा से जिन्ही।

भतः शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की अनुसरंग में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निश्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र---

- श्री सदाशिव पिता रामचन्द्र राव गोखले, हरीगंज, खण्डवा,
  - 2. रघुनाथ पिता रामचन्द्रराव
  - विनायकराव पिता रामचन्द्र राव, हरी गंज, खण्डवा।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती लिलिना देवी पत्नी नितिन कुमार जैन 42, राम कृष्ण गंज, खण्डवा,
  - 2. हरकचन्द पिता फूल चन्द, कहारवाडी, खण्डवा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को स्वक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाविक्त हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

## वन्स्यी

त्रंगता एवमृ खुतो भूमि, ब्लाक नं० 69, प्लाउ नं० 1, नील कंठेश्वर वार्ड, खण्डबा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज भोपाल

तारीख: 15-1-1986

## प्रकप बाइं.टी.एप.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### बाह्रत प्रस्कृत

कार्यालय, सहायक जावकर जाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोवाल

भोपाल, दिनाँक 16 जनवरी, 1986 सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6318:—-ग्रतः मुझे, वेद प्रकाश श्रोवास्तव,

वावकर विधिनयम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया ही, की धरण 269-इ के वधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का स्वरण ही कि स्थापर सम्बीत, विश्वका उचित वावार मुख्य 1,00,000/- रः. से विधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 6 (तल मंजिल) है तथा जो झाबुश्रा ट ।वर्स, 170, श्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनस्चा मे श्रीर पूर्ण रूप से गिहै), श्रीर जिसके श्रन्तरण सेसंबंधित विवरण उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 ए० बी० के श्रन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में दिनाँक मई, 1985

देकी वृषेक्त सम्मित के उचित वाकार मूल्य में कम के क्ष्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित बाखार मृक्ष्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रक्रिकत से अभिक है जौर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्रियों) के बीच ऐसे अन्तरक के जिए तस वाका क्ष्य बित्रक, निम्निसिचत उद्देश्य से उच्छ अन्तरक निम्निसिचत उद्देश्य से उच्छ अन्तरक निम्निचल के बाला नहीं किया वा है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाव की वाबत, उक्त बीध-विषय के बचीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने वा उचने बचने में सुविधा के लिए; सौर/ख
- (ब) एसी किसी व्यव या किसी धन या बन्य अधिनयों करे. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रका नहीं किया गण धा का किया जाना चाहिए था, उष्णाने में लिक्ष खे जिहा, श्रेष्ट के जिहा की जिहा था, अष्णाने में लिक्ष खे जिहा,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

 मैं तर्स परिजात पिनेमेटिक इन्टर प्राइसेस प्राइ० लिमि,० इन्दौर।

(ग्रन्तरक)

श्री कल्याण मल गर्ग
 28, मर्वोदय नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा अगरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप न्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अनिध दा तत्स्विधी व्यक्तियों पर सूचन की तानीज से 30 दिन की अवस्थि, यो भी अवस्थि वाद में संवाध्य होती हो, के जीतर पूर्णविद्य व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति सुनाराः
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस वे 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्मित में किस-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

भाषानिकरण:----इसमें प्रवृत्त कर्यों और पर्यों का, को उपस गीभिनवन, के वधीन मध्याय 20-क में परि-मापित हैं, वहीं वर्थ होगा, को क्या मध्याय में दिया नवा है ।

#### प्रसम्बी

दुकान नं० 6 (तल मंजिल), झाबुग्रा टार्क्स 170, ग्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोजाल

तारीख: 16-1-1986

प्ररूप गाइ . ठी . एन . एस . ------

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आधकर आंय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 16 जनवरी, 1986

सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 6319:--ग्रतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या दुकान नम्बर 16 (तल मंजिल) है तथा जो झाबुझा टावर्स, 170, ग्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसके ग्रन्तरण से संबंधित विवरण उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 ए० बी० के ग्रन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय भोपाल में दिनाँक मई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से क्ल के रूबमाल श्रीतफल के लिए जिन्तरत की गई है और

प्रतिफल के लिए अन्तिरत को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान ग्रीतफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किंवल महीं किया गया है किया गया है

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाब की बाबत, उक्त जिसीनग्रम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उत्तवे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, जिलाने में सिंडिधा के निए:

जतः जबः, ज्वतः विधित्यमः की गारा 269 ग के जनुसरण वं , में , उदत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन जिल्लानिक व्यक्तिकों, सर्वात कि

 मैनर्न गरिना। तिनेनिटिक इन्टर प्राइसेस (लिपिटेड 170, श्रार० एन० टा० मार्ग, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

डा० स्रिनिल त्यागी ।
 (डा०) श्रोमती मीना त्यागी
 साउथ नुकोगंज, इन्दौर।

(भ्रन्तरित

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी कन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त कर्वों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित . हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### समाची

दुकान नं० 16 (तल मंजिल) झाबुम्रा टावर्से, 170, म्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

**तारीख: 16-1-1986** 

प्ररूप नार्ड . टी . एन . एस . -----

मायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोनाल

भोपाल, दिनांक 16 जनवरी, 1986

सं० आई० ए० सी०/अर्जः/भोपाल/6320---अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उन्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षमं प्रधिकारी को यह विक्वास करने का फ़ारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी संख्या दुकान नं. 11 (तल मंजिल) है तथा जो झाबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्राँर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 एबी के अन्तर्गत सजम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में मई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्रयमान तिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विक्वास ..स्ने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाइ सूक्त उसके क्ष्रयमान प्रतिफल का एन्स्र इस्त्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हो आर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया स्रतिफल, निम्नीसिंशत उद्देश्य से उक्क अन्तरण लिखिल में वास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया बना है है—

- ्ष) मन्तरण संहुइं किसी बाय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने वा उससे अपने में स्वीत्था के किए; और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी क्या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195/ का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिषान में सर्विधा खे जिए;

क्य: जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-व के जनुसरण हैं, मैं उक्त जीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकिंखित व्यक्तियों, जर्थाव :—
26—466 GI/85

1. मैंसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टर प्राइसेस प्राय० लि॰ इन्दार ।

(अन्नरक)

श्री प्रेमनारायण अवस्थी
 153, रेडियो जालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

का यह सूचना जारी करकें पृत्राँक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्च- वाहियां करता हुं ।

उक्त मंपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष्र --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के शस निस्ति में किए जा सर्कांगे।

स्पद्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 11 (तल मंजिल) झाबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दोर में स्थित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंग क्षेत्र भोपाल "आयकर भवन" होशंगाबाद रोड,भोपाल

तारीख: 16-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोपाल, दिनां अ 16 जनवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जम/भोपाल/ 6321—अत: मझे वेद प्रकाण श्रीवास्तव,

अभवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या जाफिस नं० 2 ए (प्रथम मजिल) है तथा जो झाबुआ टावर्स, 160, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 259 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय भोषाल में जून 1985

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूज्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल रो, एसे द्रियमान प्रतिफल का गृंबह प्रतिक्षत म अित्र है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के डोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: ङब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भ, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधोन, निम्निसित व्यक्तितयों, अर्थात् :---  मै असं परिजात सिनेथेटिक इन्टरप्राइसेस प्रा० लि०, इन्दोर।

(अनारक)

 श्रीमती चन्द्रा जैन पत्नी श्री आर० सी० जैन बी० बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर

  स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्टीकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम., के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

आफिस नं० 2 ए (प्रथम मंजिल), झाबुआ टायसँ 170, आर० एप० टी० मार्गं, इन्दीर में स्थित है।

> वी० पी० श्रीवास्त्रव, सक्षम प्राधि घरी, ग्रहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जैन क्षेत्र भोराल

दिनांक: 16-1-1986

## प्रकृ बार्ड हो पुन ्य ुनान्य

# नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 जनवरी 1986

निर्देश स० अई-1/37-ईई/6751/84-85—अत मुझे, निसार अहमद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा थया हैं), की भारा 269-का के वधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित वाकार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रोर जिसकी सख्या जमीन का हिस्सा, जिमका सी० एस० न० 1633, माहीम डिविज', ग्रौर फायनल प्नाट न० 20०, टी० पी० एस० 4, माहीम, हाउस के साथ, डी० एल० वैद्य रोड, दादण, बम्बई-28 है तथा जो बम्बई 28 में स्थित है (ग्रीर इासे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्दी है, तारीख 27-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सफित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उसस बचने में सुविधा क लिए शीर या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी भन या बच्च बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में बिका के लिए;

क्ताः वच, उक्त विभिनयम की भारा 269-य के बनुबरण क्रें, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे क्यीन, निस्तिविक व्यक्तियों, वर्षाक हु--- 1 मैसर्सं राज इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2 श्री सरीता सुरेश वैद्य ग्रौर श्री सुरेश के० वैद्य।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्बक्ति से वर्णन के हिम्पू कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्यक्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी जाखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की जनिध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, वो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में डि्स-बहुध किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरों के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उक्त सिन-निवस के बध्याव 20-क में परिभाष्टित है, कहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### ग्रनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सी० एस० न ● 1633, माहीम डिविजन, ग्राँर फायनल प्लाट न० 206, डी० पी० एस० 4 माहीम, हाउस के साथ, डी० एल० वैद्य रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनसूची जैया कि क सं० अई-2/37-ईई/6712/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27-5-85 को जिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख 7-1-1986 मोहर प्रकष बाह् ं ट्री . एन . एह ु-----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासम, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/9734/84-85--अ $^{3}$ : मुझे निसार अहमद

कार्यकर कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य १,00,000/- रु. से बिधिन स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से बिधिक हैं

ग्रीर जिनकी संख्या फ्लैट नं० 3, जो 4थो मंजिय, राधे बल्लभ को आप हाउसिंग सोसायटी लि०, फ्रैंच बीज, आपेरा हाउस, बम्बई-4 है भथा जा बम्बई-4 में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 21-5-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रीं उपन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा चया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिविक के बास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुन्दं किसी आय की बावंत, उक्त बाधिनियस के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व दों कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अंबरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना काविष्य था, छिपाने में सूरियभा के विष्रु

कड: वय, व्यव विधित्यम की वारा 269-म के वनुसर्भ वो, वो, उक्त विधित्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) के गर्भाव, निम्निनिविध व्यक्तियों, वर्षाव्य---- (1.) श्रीमती विरमती जेलिंग लाल भगत।

(अन्धर्ह)

(2.) श्री अशोक कुमार जैन

(अव्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाह्येप रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय चे 45 दिन की क्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किह जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, वा उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्पी

फ्लैंट नं० 3, जो, 4थी मंजिल, राधे बल्लभ को-आप० हाउसिंग सोमायटी लि०, फ्रेंच ब्रीज, आपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसुची जैसा ि कं० सं० अई-I/37ईई/6203/85-86 और जो सक्षीम प्राधि गरी, वम्बई द्वारा दिनांक 21-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नितार अहमइ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 बम्बई

तारीख: 9-1-1986

## प्रकर् बारं दी एत एव . -----

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### बारद इरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर वाम्कत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज 1 बम्बई

बम्बई, दिनाक 1 जनवरी, 1986

सं० ग्रई-1/37/ईई/6546/84-85—ग्रत: मझे, निसार ग्रहमद,

भावकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने वर्ष कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी संख्या कमरा न० 7, जो, शाती भवन ग्रोल्ड हनुमान लेन, मई-2 है तथा जो बम्बई-2 में स्थित हे ग्राँर इससे उपाबद्ध गनुसूची में पूण रूप से विणित है),

ग्राँर जिसका टरारनामा ग्र यटर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 ट, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के ट्यापिय में रिजस्ट्री है ग्रोर तारीख 10-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ट्यामान प्रिक्ति के लिए अंतरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य स्वाकार मूल्य स्वाकार मूल्य के का प्राप्त की स्थापन प्रतिकल से, एसे द्रामान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिवकत, निम्नीलिखत उद्देखों से उच्क अन्तरण बिवित में बास्तिक रूप से द्रियत नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क निष् और/या
- (भ) एकं किसी लाक वा किसी धन धा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भाष्ट्रतिय जाय-कर जिथिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्ननिश्चित व्यक्तिको, अधौत :--- 1. श्री वल्लभ वास धरमसी।

(म्रन्तरक)

2. श्री सुरेश शहा।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग मे सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के निए कार्यश्राहियां शुरू करता हुं।

दक्त स्मिति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नर्नाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी वनधि नाद में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वायः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **प्रमुस्**ची

कमरा नं० 7, जो, शाती भवन, ग्रोल्ड हनुमान लेन, बम्बई-2 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रई-1/37ईई/6075/85-86 ग्रीर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाए 10-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **म्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1 बम्बई

तारीख 10-1-1986 मोहर ज

## प्रस्प बाई.टी.एव.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जन्भीन सूचना

#### भारत बरकार

## कार्यामय, तहायक वायकर आकृत (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई, 6750, 86-85—ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इतके बश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सबत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन का हिस्सा, जिसका फ़ाइनल प्लाट नं० 1117, सी० एस० न० 1689, लोग्नर परेल डिविजन, टी० पी० एस. 4, मरार बाग माग, प्रभादेवी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 27-5-1985।

को पूर्णिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्रल निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित मे बास्वविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय ना किसी धन या अन्य जास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियमों, अर्थात :---  श्री ए० ग्रार० नाईक श्रीमती ए० ए० पाटील, श्रीमती के० ग्रार० नाईक, श्रीमती वजयन्ती (रजनी) पी० माली, श्रीमती वी० एम० परलकर, श्री प्रताप ग्रार० नाईक, श्री ग्रानिल ग्रार० नाईक, श्री सुनील ग्रार० नाईक

(ग्रन्तरक)

2. ग्रन्नपूर्ण महिला मण्डल दुस्ट।

(अन्तरिती)

3. किरायेदार ।

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्किरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क मैं सथा परिभा-वित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्वाय में दिया गया है।

## वपुष्ट

जमीन का हिस्सा, जिसका फाइनल प्लांट नं० 1117, सी० एस० नं० 1689, लोग्नर परेल डिविजन, टी० पी० एस० 4, मरार घाग मागं, प्रभादेवी, बम्बई में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क स॰ स्र 2-1/37ईई/6216/84-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 27-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निष्ठार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, बस्बई

तारीख: 7-1-1986 मोहर: प्रकृषाहै, टी. प्र. प्र.-----

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वकः

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जाबूक्त (निरीक्षण)

अर्जनरें ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 जगवरी 1986

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चित इसमें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या ग्रीखोगिक यूनिट नं० 6, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस सोसायटी, फर्ग्युसन रोड, गोवालिया हनुमान गली, राया जी मिल के पीछे, लोग्नर परेल, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका नराउनामा ग्रायद ग्रीधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष, मिन्निविद्य उद्योक्य से उच्य कन्दरण सिविद्य में वास्य-विक रूप से कवित्य नहीं किया बया है है

- (क) क्लारण वे हुई कियों बाद की पावक करवा वृद्धि। भिवस की स्थीद कर योचे से बध्यरक से दावित्य वे क्ली करने वा लखेंसे क्याने में सुविधा के सिचे; सौर वा/

अस. कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को, अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिनिकित कविस्तवों, अभित क्रिक (1) तुलसीदास पुरूषोत्तम दास सुचक

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्स इलैन्द्रोमेटालाईन कारपोरेशन।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्तित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ह सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का जनिथं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथं, वो जी जनिथं बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी कें पास निवित में किए या सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होना को उत्त अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्की

स्रौद्योगिक यूनिट नं० 6, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस र सोभायटी, फर्ग्युसन रोड, गोवालिया हन्मान गली, स्याजी मिल के पीछे, लोग्नर परेल, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुभुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई- 1/37ईई, 6111/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी में बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोंज I बम्बई

तारी**ख** : 7--1-1986

प्ररूप बाईं.दी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधिन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/6561/84--85-- यतः मझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 32, जो, 3री मंजिल, रजत श्रापार्टमट्स, माउण्ट प्लीमेट रोड, मलवार हिल, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रामुची में ग्रीर पूण रूप ने विण्ट है), ग्रीर जिसका बनारनामा श्रायत्र ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 व, ख के इधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-5-1985

की पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शित कर्ति के स्थापूर्वों के दिल्ला कर प्रतिफल का पन्द्रह शितकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय वाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें बास्तिक रूप से क्रियत कर्ति है

- (क) बन्तरण वेहूई किसी लाव की बाबत, उक्त वर्षिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक को दावित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा को किस: बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, स्थिन में सुविधा की लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बक्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती अ।शा अनील लोनावत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जश हिरो थडानी स्रार श्री हिरो मूलचन्द थडानी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तिकों नम्न स्वता की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के शाजपण में अकाशन की तारीस से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डि्त- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याव में दिया गया। है।

#### गग्सूची

प्लैंट नं० 32, जो, 3री मंजिल, रजत श्रमार्टमस, माउण्ट प्लीझंट रोड, मलबार, हिल, बम्बई-,6 में स्थित है। श्रनुभुवी जैसा कि के सं० श्रई- 1/37-ईई/6096/95-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14-5-85 को रिकस्टर्ड शिया गया है।

> निसार ग्रहमद सञ्जप प्राविकारी सहायक प्राप्तकर प्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्ब**ई**

तारी**ख**: 9-1-1986

## प्ररूप बाह्य हो, एन ु एस ------

## बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० % ई $\cdot 1/37$  अईई/6752/84-85--अतः मुझे, निसार अह $\mathbf{H}$ द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट सं० 301, जो, बास्बे मेट्रल महारा को०--आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, ंग्लाट सं० 45, डा० अन्तर रावनाथर रोष्ठ, नायर हास्पीटल के सामने, बस्बई--8 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), और जिसका करार तमा आयकर अधि यम, 1961 की धारा 269 बाह के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 27--5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 27-466 GI/85

- (1) मेसर्स म्हैसूर प्लाईबुड रिपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) कुमारी पेरीन जे० संजाना और कुमारी **झ**रीन जे० संजाना ।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप -- .

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की जविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हा

## अनुसूची

फ्लैट सं० 301, जो, बास्त्रे मेंट्रल महारा को०-श्राप० हाउसिंग सोसाधटी लि०, प्लाट मं० 45, डॉ० श्रनन्तराजनायर रोड, नायर होस्पीटल के सामने, बस्बई-8 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37 ग्रईई | 6218 | 85-86 और जो सक्षय प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 27-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> िसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महाथक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, बस्ब**ई**

दिनाक : 9 · 1-1986

## प्रथम बाहे, ही, हो, एवं , प्रान्त अन्यत्यासम्बद्ध

# बावकर व्यथिनियन्, 1961 (1961 का 43) की पाय 269--व (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $\pi \hat{\mathbf{y}}$  पंत रेंज- $\mathbf{I}$ , बस्बई

वम्बई, दिनाक 8 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ग्रईई/6439/84-85---ग्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्ते इसके वश्यात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाधार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसका सं कि कार्याला मक 91/91ए, जो, 9र्वा मंजिल, मित्तल चेंबर्स, नरीमन पाइंट, बस्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसवा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 3-5-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफन के लिए जन्तरित की गईं हैं और मुक्ते अपने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूच्य, उत्तर्ध अयमान प्रतिफन सं, एसे अवसान प्रतिफल का निष्कु प्रतिस्तत से विषक है बीर कन्तरक (जन्तरका) कीर जन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एरे जन्तरण के जिए सम वाचा यथा प्रतिफल निम्नतिस्ति उद्देश्य से उस्त जन्तरण विश्वित में नास्तरिक रूप से स्विधित नहीं किया प्रवा है:----

- (क) बन्दरण वे हुई फिली बाब की राघट उनत बीध-हैंब्द्य के कथीय कार दीने के बन्दरक के दायित्य में कभी करने या उन्नते वचने में वृषिधा के लिए; बीर/मा
- (क) एंडी किसी बाद वा किसी अन् वा क्ला क्रान्तियां को, चिन्हें भाउतीन बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उचत विधिनियम या धर कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध- वार्ष क्लारिटी क्लाय प्रकट कहीं किया क्या था वा किया जाना चाहिए था क्लिनों में परिवर्श के विश्वा

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ज्योन, निकासिसित व्यक्तियों, वर्णन इ (1) मेसर्भ श्री माई कारपोरेणः ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जॉइट प्लान्ट कमिटी ।

(श्रन्निर्तिः)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्माल के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष हु---

- (क) इस ब्यान के प्रवास में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अवधि मा तत्स्वप्रवन्धी व्यक्तिमां पर क्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो., को भीतर प्रकेशक व्यक्तियों में से किसी अधिकत स्वास,
- (क) इक्ष सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिक्षित में किए वा सकीने।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उन्त वीधीनवस् को अध्याय 20-क में परिश्लाविक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उल अध्याय में दिया नवा है।

#### **ग्रनुसू** वा

कार्यालय सं० 91/91ए, जो, 9ी मजिल, मित्तल चेंबर्स, नरीमन पाइंट, वस्वई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० सं० अशई-।/37-ईई/6012/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिना 31-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नितार अहमद सक्षम प्राधिकारी म्हायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज—I, बम्बई

दिनांक : 8-1-198 ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई. दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6392/84-85--अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० कार्यालय प्रिमायसेस सं० 38, जो, तीसरी मंजिल, अटलांटा प्रिमायसेस को०-आप० सोसायटी लि०, प्लाट सं० 209, 'रोमन नाइंट, वस्वई-21 में स्थित है (ग्रौर इंससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>5</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, किपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (६) कं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स कें ० कें ० इक्लेट्टी कल्स । हिं० अ० कु०) ग्रौर श्री रिव कुमार तेजूजा (मायनर)
  - (अन्तरक)
- (2) मेसर्स जेट्रान लेबोरेटरीज प्राइवेट लि॰। (अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो श्री अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ता**क्षरी के पास** निस्ति में किए जा सकोंगे।

ल्पच्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त सच्दों और पदों का, जो इक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय प्रिमायमेस सं० 38, जो, तीसरी मंजिल, एट-लांटा प्रिमायमेस को०-आप० सोमायटी लि०, प्लाट सं० 209, नरीमन पांइट, बम्बई-21 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/5978/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-1-1986

## वक्त बाह्य ही एत , स्व , -----------

अभिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

## कार्यसय, बहायक बायकर बायुक्त (देनरीक्रक)

अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिभाक 9 जनवरी 1986

निवेण सं० अई-/37-ईई/6529/84-85---अन मुझे. निमार अहमद,

नामकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाश् 'उचत संधितियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के संधीत सभन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित संखार नृत्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी सं० फ्लैट सं० 17सी/18सी, जो खुला गैरेज के साथ, वूडलैण्ड, पेदर रोड, वस्वई-26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण कर से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयहर अधिन्यम 1961 की घारा 209 व्ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिन्न 13-5-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार बृष्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द और मझे यह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उतके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का बन्झह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गवा शितफल, निस्निचित उद्देश्य से उस्त बन्तरण विचित में बास्तिन के रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- [क] बन्तरण वं हुई किहीं नाय की वानत, क्या विधिनियम के सभीम कर दोने के जन्तरथ के दागित्य में कभी करने या क्याचे वसने में द्विशा के विक; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन वा बन्ध शास्त्रियों को, विषद्दे आरतीय सार्थ-कर श्रीमिनवय, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिनवय, वा थव-कर विधिनवय, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्मीरती हुनाए प्रकट वहीं किया वहा या वा किया प्रावा पार्टेड्स था, कियाने में स्विधा के स्विद्ध;

कत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) बोभ्बे गैं। पी० एलं० सी०।

(अन्तरक)

(2) वूडलैण्डम एसोसिएटस प्राइवेट लि॰ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसदे अधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह बुचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्चन के किए कार्वगाहिकां करता हूं।

#### क्या राज्यित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उम्रतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिगा गया है।

#### वन्स्ची

फ्लैंट सं० 17सी/18सी, जो, खुता गैरेज के साथ, वूड लैन्डस, पेडर रोड, बम्बई-26 में स्थित है ।

अनुसूची जैना कि ऋ० न० अई-I/37-ईई/6078/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनाक 13-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> निनार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनां क : 9-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

वार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश लं० ग्रईI/37-ईई/6675/84-85---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इत्तरें इसके प्रधार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौं भारा 269-- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6. जो, दूसरी मंजिल, अजमल मैन्सन, 22, पेडर रोड, बम्बई र26 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामः आयकर अधित्यम, 1961 की धारा 269 कख दके अर्थान वसाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-5-1985,

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूंल्य से कम के इस्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तिओं का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिना में सुविधा के लिए।

अतः अब, उमत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विभीत बाबूलाल महता और श्री नितीन बाबूलाल मेंहता ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वंदना विनायक सामंत ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री वि० बी० सामंत । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूफ करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारील भा 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्याब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स कियाय 20-क में सभा परिभा-है, यही अर्थ होगा ज़े उस अध्याय में दिया गया है।

## घनुसूची

**फ्लैंट मं**० 6 जो, दूसरी मंजिल, श्र**्रम**ल मन्णन, 22, **पेड**र रो**ड**, बम्ब**ड**—26 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई -I/37-ईई/6.84/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिताक 20-5-85 को रजिस्टर्ड किया या है।

निसार श्रह**मद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶<sup>I</sup>, **बम्ब**ई

दिनांक : 9-1-1986

मोह्यर :

## बक्त बार्'ं ही. प्रनु एक . -----

भाषक ए व्यक्तिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकात

## कार्यांतय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, नश्वधे

वष्यई, दिनाक 9 जावरी 1986

निदेग ग० यई-I/3 /- ईई/6589/84-- 85 -- यतं मुझे निसार श्र्मद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप संपरित जिसवा उचित वाबार ब्रुक्व ;

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
और निपकी ना यू दि सार्वा । तो, प्राप्त मिन इण्डिस्ट्रियल प्रिमापसेस को उ-प्राप्त रामादि लिंग अजीर वार्डा, डार्थ में कारिन में राप्त ने प्राप्त निवास हैं। विभिन्न हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूव। से और पूर्ण का निवास हैं), और जिसका करावनामा नार कि प्राप्त मिन 1961 की जा 1 269 कख के अवीन बम्बई जिस्मानम पाकिसार के वार्यालय से रिजर्म्ट्री हैं। विभन्न 16.5.1985,

को प्यांक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान हित्यस के निरं बन्तरित की गई है, और मुक्ते यह निरंगा करने का कारण है कि वधापुर्वोक्त अंपत्ति का उचित आहार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से एसे दश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निरं तब पाया नवा हिक्का, विम्नुसिचित अद्वादन से उपत बन्तरण निर्मित के वस्ति नहीं किया गया है हम्म

- (क) बन्तरम से हुए जिसी साथ की बादत उक्त अधि-विवास के स्थीन कर दोने के सम्तरक को दास्तिस में कमी करने या उदस स्थान में द्विभा के लिए, बीर/वा
- (क) एसी किसी शाव वा किसी धन या बन्न लास्सियों की, जिन्हों भारताथ ताय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विधिनियम वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थं ब्रुस्तिकों वृधाय प्रकट वहीं किया गया था विकास भाग चाहिए था, कियाने में स्विधा से क्रिया है।

नत. नद, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के, ननुसरण हो, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नवित है—

(1) श्री लंबार हेटा ति पुरीया ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मूनटैक्स ।

(यन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यनाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- कि इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जनिध, वो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत परिवारों में माध्य समी स्मित्त इसी स्मित्त हैं साम्य
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के मीतर उन्हत स्थावर सम्पति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति मा क्या आ एका ।

स्वय्द्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिः नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगें, तो उसे अध्याय में दिया गढ़। हैं।

#### अन्स्ची

त्रूनिट न ० 40', जो छजा सर्विम इध्स्ट्रिय प्रिमायभैस को०-प्राप्य साना टी विर जनार प्राप्त डा० मैस्कारेन्ह्स राष्ट्र, मासगाव, वश्वर्ष 10 म स्थित ह

स्रतुमूची जैसा कि कि स० रई-ग/37 ईई/6115ए/95-86 ओर जो सारा प्राप्त कारी, बानई द्वारा दि तक 16-5-85 को निजर2ई किया गया है ।

> िसार श्रह्मद सक्षम प्राविकारी सहावक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बस्ब\$

दिनांक 9-1-1986 मोहर .

## प्रक्ष बाईं.टी.एम.एस. =-=-

# बायभर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निदेग सं० अ**ई**-137 /**ईई**5141/84-85-**--ग्र**त. मुझे, निसार अहमद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अौर जिमकी सं० फ्लैं न० 02 जो, 17वीं मजिल, द महल ए, नेपियत सी रोड, बम्बई में हैं (और इसके उपाव अनुसूची में और पूर्ण रूप ते घींजत हैं), और जिसका करान्याम आयकर अधितियम, 1961 को बारा 269 कव के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 14~ ≤ 5~1985

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिक ब के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थामृत्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिक स से एसे दश्यमान प्रतिक स के क्ष्यमान प्रतिक स से एसे दश्यमान प्रतिक स के क्ष्यमान प्रतिक स के क्ष्यमान प्रतिक स के क्षयमान प्रतिक स के क्ष्यमान प्रतिक स के क्ष्यमान प्रतिक स के क्ष्यमान प्रतिक स के किए तथाया गया प्रतिक स के किए तथाया गया प्रतिक स किए तथाया गया प्रतिक स किए तथाया गया प्रतिक स स स के किए तथाया गया प्रतिक स्थान स के किए तथाया गया प्रतिक स्थान स के किए तथाया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उकत बिधनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की तिए? और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री विद्या सागर धवन और श्रीमती सरला धवन । (श्रन्तरक)
- (2) श्री राधेश्याम गिरधारीदास वजाज गिरीधारीदास सुन्दरदास वजाज श्रीमति साविती देवी जी० बजाज और एस० सी० बजाज ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) सागर तिर्थ को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०। (वह व्यक्ति जिसके जिसके वारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परिः के वर्णन के निष्क कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी स्वक्ति इवाद:
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्नारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्त में किसे जा सकारी।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, बहुी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### भन्सूची

फ्लैट मं० 102, जो, 17वीं मजिल, दर्या महल ए, नेपियन सी० रोड, बम्बई में स्थित है ।

यनुगूची जैसा कि कि सं े  $= \xi - I/37 - \xi \xi/6456/85 - 86$  और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्ब $\xi$  द्वारा दिनाक 14-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज--I, बस्ब**्र** 

दिनांक: 7-1-1986

## प्रकार बाइं.टी.एन,एस.----

# कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारक 269-व (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

श्रायां तय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)श्रर्जन रेंज , बम्बई

वमत्रई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० हाई-ा/37-ईंड/5286/84--85---म्रतः मुझे, निसार म्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 5. जो, "ग्रनीता", 3 359, माउंट प्लीझंट रोड, वर्वाई--6 में स्थित है (और इसने उपावद्ध श्रनुसूची, में और पूर्ण रूप मे विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कवा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजिस्ट्री है, दिनांक 20 -5--1985.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान् वितफल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य' उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप क कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा **बे निए**; और/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अधिक अब, उन्त विधिनिषम की धारा 269-व के अनुकरण में जे उन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात :---

- (1) श्री शेवकराम जी० महनानी द्वारा कन्स्टी ट्यूटेड श्रटनी श्री गोविंद के० दर्यनानी । (अन्तन्क)
- (2) हिन्दुम्तान लिचर लिमिटेड ।

(ग्रन्नरिती)

- (3) अन्तरितियों । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (3) ग्रन्तरितियों । (वह व्यक्तिः, जिसके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरा जातता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अजन क निष् कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बचिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनखब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अथोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :- --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियस के अध्यास 20-क को परिभाषित हैं, वहीं तथें क्षेत्रा, जो उस अध्यास में दिया बना हैं।

## अनुसूची

फ्लैट सं० 5, जी, "श्रनीता", 3/359, माउंट प्लिझंट रोड. बम्बई- $\cdot$ 6 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि गं शई-1/37-ईइ/6430/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बावई हा दिनां प्राधिकारी, बावई हा दिनां प्राधिकारी, बावई हा दिनां प्राधिकारी

> तिमार घटनद मक्षन पःत्रिकारी सहायक ग्रायकर घायकर घायका (तिरीक्षण), र् ग्रर्जन रेंज–I, बम्ब**ई**

दिनांक 9-1-1986

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -=---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्याल्य, सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> त्रर्जन रेंज∽1,बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6506/84-85--ग्रतः, मुझे, निसार ग्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्रण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00.000/- स. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, जो पहली मंजिल, एफ० पी० नं० 747 ग्रीर 749, टी०पी०एस० 4, माहीम विभाग, एस०वि० सावरकर मार्ग, दादर, बम्बई-28 है तथा जो बम्बई-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णितहै), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269-कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 9-5-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतिय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अधीन.

- (1) मेसर्स मेरीलैण्ड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश चिमनलाल शाह । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त, सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिका-षित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनलची

फ्लैट नं० 1, जो पहली मंजिल, एफ० पी० नं० 747 श्रीर 749, टी० पी० एउ० 4, माहिम विभाग, एस० वि० सावरकर मार्ग, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा ि क० स० ग्रई-1/37-ईई/6054/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिटई किया गया है ।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, बम्बई

दिनाक : 7-1-1986

# प्रकर बार्ड हो पन वह ,--व्यवस्थान

बावक़र अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### नाइत वरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर जागुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6528/84-85---ग्रतः, मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्तन प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/-कः से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० निवासी इमारत के साथ कर्मचारी क्वाटर्स, गैरेज स्ट्रक्चर, जो 31, भाउ दाजी रोड, माटुंगा, बम्बई-19 है तथा जो वम्बई-19 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से ग्रीर विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13-5-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डिचत बाजार मृत्य से कम के क्षयमान् इतिकास के निए जन्माद्वित की नई हैं जीर मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिस्ति से जिथक है और जंतरक (जंतरकों) और संब-रिनी (जंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पाया क्या प्रतिकल निम्मृद्धिका उद्युद्धिक से उक्त जंतरण निक्कि में वास्तिनक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उनस वृधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक कें स्वित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में कृतिभा के निए; बॉर/बा
- (व) एसे किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया वर्षा या विक्या बाना चाहिए बा, क्रियाने में सृविधा से निस्ह ।

प्रतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के में, उक्त अधिनियम की भारा 269-इ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलीसित व्यक्तियों अर्थात् है—

- (1) बाम्बे गैस पी० एल० सी० । (ग्रन्तरक)
- (2) (बुडलैण्ड्म एसोमिण्टस, प्राइवेट लि०), नामिनिज आफ श्री गौनम कुमार नेमानी। (अन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरकों । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को बृह बुचवा बारी कर्ड पूर्वोक्त सम्पृति के बुचन के दिन्ह कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय :---

- (क) इस बुचरा के रावप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधित या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर बुचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, को सी बन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तितों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सुकना के राजपत्र में त्रकाकन की तार्डी के 45 दिन के भीतंत्र उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पाष निश्चित में किए वा सकेंगे।

# अनुसुची

निवासी इमारत के साथ कर्मचारी क्वाटर्स, गैरेज स्ट्रक्चर, जो 31, भाउ दाजी रोड, माटुगा, बम्बई-19 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/6077/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां र 13 5 85 को रिजस्टई किया गया है।

नि र ग्रहमद यक्षम प्रावि गरी सहाय : ग्राय गर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजन रेंज-I, बस्बई

दिनांक : 7·1-1986

# प्रकृत बार्ष : श्री . यम . यस :----

बाबफर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नकीन क्षना

#### बारत तरकाइ

# कार्यावय, बहायक वायक ए वायुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-I/37-ईई/6395/84-85--ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उन्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की भक्त 269-ख के जधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- फ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो दूसरी मंजिल, मंगराम निवास, प्लाट नं० 281, ईस्ट श्राफ सायन माटुंगा स्किम नं० 4, सी०एस० नं० 581, सायन डिविजन, सायन (पू०), बम्बई— 22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयार श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1—5—1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कंत्र के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा प्रा प्रतिफल निम्निलियत उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण विधिष्ठ में सास्तिक क्य ने कृषित नहीं किया वया है क्ष्म

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्ट श्रीपनियम के वधीन कार दोने के बतरक के सामित्क के कभी करने या उत्तवे वच्चे में सुविधा के बिक्; बॉर्ट/श
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1357 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती श्वास अकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छियाने में स्विभा के जिए;

बत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री नरेंद्र मूलजी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती देवकीबेन दामजी शाह ग्रीर श्री दामजी वेलजी शाह ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियो ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना धारी करके पूनों कर सम्पत्ति से वर्षन् के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायमंत्र में प्रकाशन की तारीश क्षे 45 दिन की बनीं ना तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनींथ, जो भी विषय सों समाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्क मृषिनियम के वश्याय 20-क के विद्यापिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया गुजा हैं।

# श्रनुसूची

पलैट सं० 6, जो, दूसरी मंजिल, मंगराम निवास, प्लाट नं० 281, ईस्ट ग्राफ सायन, मांटुग। स्थिम सं० 4, सी० एस० नंट 581, सायन डिविजन, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित ़ है ।

म्रनुसूची जैसा कि न्न० सं० ऋई $-I_1$ 37-ईई $_1$ 5980 $_1$ 85-86 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

निमार ग्रहमद सक्षम प्राधि । रो सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 7-1-1986

मोहर 🖫

# प्रथम बाह् , दरी. एक. एक : -------

(1) भी नवीन जे ० कुरिया

(अन्तर्स )

(2) मैसर्स सागर ड्रेसेस

(अन्तरिती)

# बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन त्वना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, **बम्ब**ई बम्बई, दिना है 9 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6662/84-85---यतः मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्बत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा से निधक हैं

और जिसकी संव युनिट संव 40 2, जो, 4र्था मंजिल, अव्य इण्डस्ट्रियल इस्टेट प्रिमॉयसे न कोव - आपव सोनायटी, अंजीरवाडी, डॉव मस रिन्हन रोड, मझगांव, बम्बई – 10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिकसा र रारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधि अरी के रार्थालय में रिवस्टो है, दिनाक 29-5 85

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने पा तससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/बा
- (च) ऐसी किसी बाब या फिसी धन या बन्य बारितयाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्हें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चारिए था, क्रियाने में सूविधा वै विद्;

बत: अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-म के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को वह तुमना चारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता ह**़**।

# हबस सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास > निक्षित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चो उन्ह विधीनसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिका सवा है।

#### **प्रनुमूची**

युनिट स० 402, जो, 4थी मजिल, अजय इण्डस्ट्रियल प्रिमाय-सेम को०-ग्रॉप० सोमायटी, अजारवाडी, डॉ० मस्नॉरेन्हस रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा ि कि स० अई-1/37-ईई/6171/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार श्रहभद मक्षम प्राविज्ञारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, **बम्बर्ड** 

दिनांकः : 9-1-1986

# प्रकष बार्ष - ठो ु एन ु एक अ व्यवस्था

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बामकर वाय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनाँक 9 जनवरी, 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6466/84-85-यतः मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय नं० 1106, जो 11वीं
मंजिल, इमारत रहेजा सेंटर, 214, नरीमन पॉइंट, बम्बई21 है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़
श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका

्र करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269
क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 6-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पौति के उचित बाजार मूल्य से कमं के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्क विधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वीवित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा कानए, और/या
- (ख) प्रेसी किली बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय शय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाडिए था, खिशाने में स्विधा के लिए:

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) इंटरनेशनल मेज्टिक प्राइवेट लि०। (श्रन्तरक)
- (2) किनका मरीटाइम श्रौर मर्कन्टाईल्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गेर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इतः ुनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जक्षोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा एरि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उद्ध अध्याय में दिया गया है।

# र नस्ची

कार्यालय नं० 1106, जो 11त्री मंजिल, इमारत रहेजा सेंटर, 214, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

प्रस्य बाह् . टी. एन. एस.

बायभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बाधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यां क्य, सहायक वायक र आयुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेच-1, बस्वई बस्बई, दिनॉक 9 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6503/84-85--ग्रतः, मुझे, निसार ग्रहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं जिमान के साथ इमारत "कृष्णराज इमारत", जो वालकेश्वर रोड, मलबार ग्रौर खंबाला हल डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची मे ग्रार पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-5-1985

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्दारित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सपित का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए से क्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और वह कि क्यरक (अंतरकों) और बंद्यरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ए ते बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिकत उद्यस्य में उक्त बन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किकन नहीं किया गया है अ—ं

- (क) बन्तरक से हुई कियी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, बॉड/का
- (क) एसी किसी आय का किसा धन या बन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आर कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1557 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया था वा किया वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बत्र जब, उक्क अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, वंशित :---

(1) श्रो अरुगकुमार गोपालदान मुजानी स्रौर कृष्णराज गोपालदान मुलानी ।

(अन्तरक)

- (2) शेठ झवेरचद प्रतापचंद सुस्पर्शनाथ जैन संघ उपाश्रय, श्री भाविन एम० पटेल, श्रीमती मिनल धर्मेंद्र जे० शाह, श्रीमती के० जे० शाह, श्री एस० एम० पटेल, श्रीमती आई० ग्रार० शाह, श्री जे० ग्रार० हवेरी, श्रीमती पी० एम० पिघानिया श्री ए० ग्रार० झवेरी, श्री बी० एफ झवेरी श्रीमति ग्राई० आर० देसाई और श्री के० चेतनटास।
- (3) ग्रन्तरितीयी (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह तुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस ब्रम्बन के राज्यन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की नदींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मान की सामील से 30 दिन की नवींथ, को भी नवींथ दास में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वे किंट व्यक्तियों में से किसी क्योंक्ट ब्वाय;
- (ब) इस स्वना के स्वपन में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उन्ह विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ब्न्स्ची

जमीन के साथ इमारत "उष्णराज इमारत", जो वासकेश्वर रोड़, मलबार स्रोर खबाता हिल, डिबीजन बम्बई में स्थित है।

ग्रन्मूचो जैसािक क० स० ग्रई-1/37-ईई/6052/85- 86 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 9/5/85 को रिजस्टर्ड कया गया है।

तिसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बम्बई

तारोख: 9-1-86

प्रसम्ब आई. टी एन एस -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

#### शारत सरकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 9 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6741/84-85--ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

जायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-व के जधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित वाचार मस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 65, जो दरीया महल, ए, 80, नेपियनसी रोड, वम्बई-6 है तथा जो वम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारानमा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 झी धारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम सी अस्यजान श्रीतफल के सिष् अंतरित की गर्द

हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य स उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथब नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाक्तिय में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के तिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा चै किए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीग, गिस्नितिस्त व्यक्तिस्यों वर्धात क्र---

(1) श्रीमती रेनू जें० सदारंगानी, ।

(ग्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरितीयो ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4' ग्रन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे म्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

# उक्त सम्पत्ति को अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :~~

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगाहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गड़ा

#### मम्स्यी

पलैंट नं० 65, जो दरीया महल, ए 80 नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क० सं० श्रई-1/37–ईई/6210/85–86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा तिनाँक 22–5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निहार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

प्रक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

# बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आव्क्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 13 जनवरी 1986

निर्देश स० ग्रई- 1/37-ईई/6669/84-85--ग्रत : मुझे,

निसार ग्रहमद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैट नं० 72, जो शिक्नेर इमारत, गिविशवीर को-श्राप० हासिंग सो गयटी लि०, 84-बी, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थिन है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 239 के खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनकारी के कार्यालय में रिजन्ट्री है, तारील 20-5-1985 को पूर्वों कर सम्मत्ति के डियत बाजार मून्य से क्या के स्थान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बभाववाँकत सम्मत्ति का उपित बाजार मून्य, इसके स्थान प्रतिफल ते एसे स्थान प्रतिफल का जंद्ध प्रतिकात से बीधक है और मन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (बम्बरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निष् तब पाया मूल इतिकात, विस्नतिवित उद्देश से उपन बन्तरण कि विश्व पाया मूल इतिकात, विस्नतिवित उद्देश से उपन बन्तरण कि विश्व पाया मूल इतिकात, विस्नतिवित उद्देश से उपन बन्तरण कि विश्व पाया मूल इतिकात, विस्नतिवित उद्देश से उपन बन्तरण कि विश्व पाया मूल इतिकात, विस्नतिवित उद्देश से उपन बन्तरण कि विश्व पाया मूल इतिकात, विस्नतिवित उद्देश से उपन बन्तरण कि विश्व पाया मूल इतिकात, विस्नतिवित उद्देश से उपन बन्तरण कि विश्व पाया मूल इतिकात स्था के स्था के स्था कि विश्व पाया व

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कता. उका, उक्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधि,, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् ;—-

- (1) श्रो नागिनदार विठठलदात कॉंं वाना, श्री प्रविण नागिनदात कॉंटावाता, ग्रोर श्रीमती कल्पना प्रवोण कॉंटावाला ।
  - (म्रन्तरक)
- (2) श्रीमतो निलेश ग्यानचद लूनिया ग्रौर श्री सजय ग्यानचद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

फ्लैंट नं० 72, जो शिवनेर इमारत, शिवशिबीर को-स्राप० हाउसिंग सोमायटी लि०, 84-बी, नेपियनसी रोड, बम्बई- 6 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि० म० ग्रई-1/37-ईई/6178/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनॉक 20/5/85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमः सजा प्रामिहारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज-1, वस्बई

तारीख: 13-1-1986

प्रस्य बाह्र'. टी. एन्. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

#### WITH WITHIS

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 1/37-ईई/6444/84-85-- ग्रतः पुझे, निसार ग्रहमद,

धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9 जो 3री मंजिल सुख शांती 870, गोखले रोड कास लेन नं० 2, दादर बम्बई-28 है तथा जो बम्बई-28 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 6-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के जोचत बाजार मृत्य से कम से स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-निषम के अधीन कर देने के बन्तरक के दाबित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय रायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचित्र के प्रतियों देशा प्रकार कही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें सिए;

ब्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—466 GI/85 (1) श्रीमती रसिला ग्रार० शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० जे० गावस्कर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

इस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के द्वाजपत्र में प्रकाशन की तारीय थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी कें गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं क्षं होंगा े उस सध्याय में दिवा गया हैं।

# अन<u>ु</u>सुची

फ्लैंट नं० 9 जो 3री मंजिल सुख शांती 870, गोखले रोड कास लेन नं० 2, दादर बम्बई-28 में रिथत है।

ग्रनुसूची जैसानि कि सं० ग्रई-1/37-ईई/6017/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप बाइ ुंटी, एन, एस्,-=---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकंर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 जनरी 1986
निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6574/85-86--ग्रनः मुझे,
निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन के साथ स्ट्रक्चर्स जो सैफी ज्युंबिली स्ट्रीट जिसका पुराना सर्वे मं० 4409 और जिसका सी० एस० नं० 4233, भुलेश्वर डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इतमे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन., निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती तारावाई सातेबाई इलेबिट्रकवाला । (ग्रन्तर्क)
- (2) श्री इब्राहीम ग्रलीमोहम्मद और इस्माईल ग्रली मोहम्मद ।

(ग्रन्तरिती)

(3) भाडूत । (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्स बिधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

खुला जमीन के साथ स्ट्रक्चर्स जो सैफी ज्युबिली स्ट्रीट जिसका पुराना मर्वे नं० 4409, और जिसका सी० एच० नं० 4233, भूलेज्वर डिवीजन, वम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क० सं० श्रई-1/37-ईई/6105/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 13-5-85 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 1, बग्बई

तारीख - 13-1-1986 मोहर: त्रस्य नाइं टी. एत्. एस.-----

नाय्कर निधित्वम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थान

#### शास्त बहुकाड

# कार्यास्य, बहायक वायकर वायक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिशांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं॰ श्रई-1/37-ईई/6562/85-86--ग्रतः मुझे, निश्वार ग्रहमद,

मायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परकात उनत निधनियम कहा गया है) की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उनत नावार मृत्य 1,00,00,0 रा. से अधिक है

और जिसकी सं कार्यालय प्रिमायसेस नं 31 जो ग्रटलांटा इमारत नरीमन पाइंट बम्बई-21 है तथा जो वस्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बंई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम संहुमं किसी नाय की वाब्स, उक्स विविद्यम् के मुनीन फर दोने के मुन्तरक के वाब्स्य के कती करने वा उन्नर्थ पुनने में सुविधा के तिए; बार्ड/ना
- (क) एसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाध प्रकट नहीं किया गया का वा किया निया आहिए था, जिमाने में शृष्या के किए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बचीन निम्निक्त व्यक्तियों, वर्षात् ध-

(1) मैसर्स हिन्दुस्तान इंजीनियरिंग वर्क्स और कमल कुमार तेजूजा

(म्रन्तरक)

(2) मैंसर्स जेट्रान लेबोरेट्री प्राइवेट लि॰

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस न्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूक्तें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंबारा अभाहेस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधितियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

कार्यालय प्रमायससे नं० 31 जो अटलांटा इमारत नरीमन पाइंट बम्बई-21 मे स्थित है। अनुसूची जैसाकि कु० सं० अई-1/37-ईई/609

ग्रनुसूची जैसाकि क्र॰ सं॰ ग्रई-1/37-ईई/6097/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रासुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1; बम्बई

तारीख: 13-1-1986

# प्ररूप बार्ड, टी. एन., एस्, -----

# नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीम त्मना

#### शास्त्र सहस्रा

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निर्देशका) ग्राजन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक, 13 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/7509/85-86-ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' बहु गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- कि. से अधिक हैं

और जिसकी सं० हुसेनी लाक्डा बभर प्राइवेट लि० के 4 भाग जो बेलासिस रोड वम्बई-400008 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 259 क क़ ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्यीलय में रिजस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरण से हुई किसी नाव की वानत उक्त निध-नियम के बधीन कर दोने के उत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए वरि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य अमस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार्जनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन कि निम्मिसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ग्रहमद कादरभाई हीरानी तुरब कुर्बानग्रली गादीवाला और सैंफ्ट्रीन ग्रब्दुलकादर लाकडा-वाला

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सैफ्हीन ग्रब्दुलकादर लाकडावाला और ग्रब्बास संफ्हीन लाकडावाला

(ग्रन्तरिती)

(3) मैंसर्स <sup>7</sup>ए० एम० लाकडावाला (वह व्यक्ति जिसिके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना बाही करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्बन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की स्वीध ना तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों एक सूचना की हामील से 30 दिन की स्वीध, को भी वर्षा नार में समान्त होती हो, के भीत्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (व) इस बुक्ता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त जन्दों और पृथा का, को उक्त नियम, के बध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

हुसेनी लाक्डाबझार प्राईवेट लिमिटेड के 4 भाग जो बेलाजिस रोड बम्बई- 400008 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि सं० अई-1/37-ईई/6057/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-85 को रिजस्टिं किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहयक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीक: 13-1-1986

प्रारूप बाह .टी.एन.एत :----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन मचन

भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (विरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिदां 3 जनवरी 1986 . निर्देश सं० ग्रई-1/37—ईई/6400/85—86—-ग्रत : मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापृक्षित संपत्ति का उचित बाबार मृस्व, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, जो 6टी मंजिल, झिया मंजिल, बी-विंग, बेलासिस रोड, सी० सर्वे नं० 264, भायखला डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिपता बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के बित्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बित्यत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिक विचरित के विचर कर्याण के लिए तय पाया गया शित्यकत, विम्नीलियत उद्योकों से दृष्य कन्तरिक विचर विचर में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्धहरू वे हुए कियाँ बाय की बावस्त, क्या वीत्रतित्व से वयीत कह देने के बन्धहरू के स्वीत्रत् वो कती करते वा उससे व्यव वो स्वीत्रा के जिल्ह और/वा
- (च) एंसी किसी काम वा किसी कर वा बन्स वास्त्रवाँ की चिन्हों भारतीय बाय-कर वीधीनवज, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वीधीनवज, वा धन-कर वीधीनवज, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया काना चाहिए चा, ज्याने में सुविधा की किया

अत: अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्री मुरेमान ग्रोमर लायडावाला,

(अन्तरकः)

(2) मोहम्मद सिही इ अलीमोहम्मद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) मेसर्स झिलानी बिल्डर्स

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे ग्रवोहस्ताक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# बक्त सम्मत्ति की वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारी कु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:----इसमें प्रवृक्त सन्दों बीट पत्तों का, जो सक्स सिनियम के सभाव 20-क में परिभाषित हैं, यही स्थ होगा भी उस सभाव में दिस्स भूमा हैं .s.

# धनुसूची

फ्लैंट नं० 604, जो 6टी मंजिल, झिया मंजिल, बी-विंग, बेलासिस रोड़, सी० सर्वे नं० 264, भायखला डिवीजन बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं० श्रई-1/37—ईई/5982/85-86 श्रीर जो सक्षम श्रधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

# बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर वाब्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनां  $\pi$  13 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रर्इ-1/37-ईई/6425/85-86---ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 105, जो 1ली मंजिल, सिंधु अपार्टमेंटसः को-श्राप० हार्डासंग सोसायटी लि०, नारायण नगर, सी० टी० श्राई० के सामने, चुनाभट्टी, बम्बई-22 है तथा। जो बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रविफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं कया गया है है—

- (क) बनारण से हुई हिंकती बाय की बावत है उक्त बीधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दावित्व के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी जाव या किसी धन या अन्य अस्तियों के: जिन्हें भासतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुनिधा के सिष्ट;

श्रतः श्रव, उन्तः विभिनियम की भारा 269-म के बनुसरम में, में उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्ण्ड म— (1) श्री जमनादास गोर्धदनादस वाडेरा ग्रौर श्रीमती भाग्यवंती जे० वाडेरा

(अन्तरक)

(2) श्री सेम्युअल थांकाचन ग्रौर श्रीमती वी० थांकाचन

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयो (वहं व्यक्ति, जिसके अधिभोगं में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यवित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्तित दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै। 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मुखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वाचित है वही अर्थ क्लोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वव्स्क

फ्लैट नं० 105, जो 1ली मंजिल, सिंधु ग्रपार्टमेंटस को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, नारायण नगर, सी० टी० ग्राई० के सामने, चुनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थिन है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० म्रई-1/37 ईई/5958/85-86 म्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृंग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप आर्ड .टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6595/84-85---ग्रत : मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो 4थी मंजिल, महावीर ग्रपार्टमेंटम, न्यू जिवम को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 292 (ग्रंश), वी० एन० पूरव मार्ग, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है). ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से प्लेसे दृश्यमान प्रतिफल से पल्लेस प्रतिफल से पल्लेस प्रतिफल से पल्लेस प्रतिफल के बार अन्तरका अनेर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिला कर बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन यां बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उन्ह अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) थी के बी कोटारी,

(ऋन्तरक)

(2) श्री हेमेन एम० गहा और चेतन एम० गहा, (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रबंक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यत्राही शुरू करता हुं।

उन्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस नुवना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्रूथ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पांच जिल्हि में किए वा सुकेंगे।

क्षकाकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्स विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

#### बनसन्धे

फ्लैंट नं० 402, जो 4थी मंजिल, महावीर अपार्टमेंटस न्यू शिवम को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 292 (अंश) वी० एन• पूरव मार्ग, बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसुची जैगाकि क० सं० श्रई- 1/37-ईई/6119/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 16-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नियार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **बम्बई**

तारीख: 13-1-1986

प्रारूप अन्न टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिना 13 जनवर। 1986

निर्देश स० ग्रई-1/37-ईई/6398/84-85--ग्रत मुझे, निसार ग्रहमद,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 265-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० टेनमेट न० 263, इमारत नं० 17, सरदार नगर 4, सायन-कोलीवाडा, बम्बई-37 है तथा जो बम्बई-37 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभो यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकाँ) और अन्तरितौ (अन्तरितियाँ) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिविक रूप से किथत नदी किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व कों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मृजिधा के लिए;

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अचि :--- (1) श्रोगतो विना हरोशबद जगी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्राशारानी इदरजीत रतो

(म्रन्तरिती)

को यह \सूचना जारी करके प्वाँक्त संपत्ति के बुर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिम्मिनयमा के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

टेनमेंट नं० 263, जो इमारत नं० 17, सरदार नगर 4, सायन-कोलीवाडा, बम्बई-7 में स्थित है। श्रनुसुची जैसाकि ऋ० ए० श्रई-1/37-ईई/5981/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 1-5-85 को रजिस्टई विया गया है।

> निसार ऋहमद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बस्बई

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप साई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ग्र 23 जनवरी 1986 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6594/84-85-- अतः मुझे, निसार शहमद,

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ब्रियात (उक्त बिधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित विश्वका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर शिसकी सं० फ्नैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, महावीर अपार्टमेंट्य, न्यू शिवम को-प्राप० हाउनिंग सोन्यटो लि०, प्लाट नं० 222 (ग्रंश), वी० एन० पूरव मार्ग, सायन-चुनाभट्टी, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका व पारनामा श्रीयवार अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन्. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 30---466 GI/85

(1) श्री वी० विनो त्कुमार

(अन्तरक)

(2) श्रो मफतलाल ए० शहा ग्रौर कमल एम० शहा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारंशि से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रितबच्ध. किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पांच निविद्य में किए या सकरेंगे।

स्यध्टाकरण:—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# वन्स्ची

फ्लैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, महावीर अपार्टमेंटस, न्यू शिवम को-प्राप० हाउचिंग सोराायटी लि०, प्लाट नं० 292 (अश), वी० एस० पूरव मार्ग, सायत-चुगामट्टी, बम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा क० सं० ग्रर्ह-1/37-ईई/6118/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधि नारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-85 को विणत है रिजस्टर्ड विया गया है।

निसार ऋहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रोंज-1, बस्बई

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### मारत तरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंं-1, बम्बई बम्बई, दिनां: 16 जनवरी 1986

निर्देश सं० १:ई-1/37-ईई/6665/84**-85-- स्रतः मुझे,** निसार शहराद

गायकर गांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारों करें, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थापर सर्पान जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर िक संव वसार नंव 13, जो, गिरगांव सराठा को-आपव हर्स्डिंग सो : यटा विव, राम विवास, 249, जेव एएवरोड, बम्बई-4 हें बाजो बर्च्य-4 में विवास है (श्रीर इससे उपाबद अनुपुचा में श्रीएपुण रूप से पणि हो), श्रीर विस्ताप परारतामा आयप र स्वितियम, 1961 का घार 269 का खा के अवीत बम्बई विवत एका प्रावि परी के कायांवय में एपिस्ट्री हैतारीख 20-5-1885

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लए अर्दारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत, उक्त शाधीनयम के अधान कर दान के अन्तरक के दायित्व मैं कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बार्यया
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या नकर अधिनियम, या नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया एवा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण नं. मैं. हक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभित् :— (1) श्रांडा० ग्रांस० जीसा

( इ.स्तरवः)

(2) श्री गीतम चन्द रिखबचन्द शेठ श्रीएशाशा गीतमचन्द शेठ

(ऋग्तरिर्वः)

(3) अन्तरकः

(वर् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क · कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यय में दिया गया है।

# अनुसूची

कमरा नं ० 13, जो, गिरगांत्र मराटा को-आप० हार्जी ग सोसायटी लि०, राम निवास, 249, जे० ए २० रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसुची जैसा िक०सं० १६-1/37-६६/6174/85-86 और जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दियां 20-5-85 को रिक्टर्ड ियागया है।

> ि तर नहाःद सक्षम प्राधि तरी **सहाय**क शायकर द्वायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रें -1, बन्दई

तारीख: 13-1-1986

प्रकार बाह'. टी. एन. एक. - --

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2/59-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरोक्षण)

द्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांच 13 जनवरी 1986

िर्देश सं० ाई-1/3:-(ई/6441/84-85-**-ग्रतः** मुझे,

निसार र हमद, गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर िको सं ् फ्लैंट नं ् सी-1, जो, रस्धारा को-ग्राप ् हार्जी सो पायटो नि ्, 385, ए िवा ने रोड, दम्बई-4 है तथा जो बम्बई-4 के स्थित है (श्रीर इससे छप बढ़ श्रनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर िस्ता स्राप्तामा श्रायकर श्रीवियम 1961 को धारा 269 व, ख के श्रधान दम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्री है तरीख 6-5-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण संहुर्य किसी बाय की बाबत उचत अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आह्र/मा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या ध्रु-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ मा किया शाना वाहिए था, ख्रियाने में स्विधी के जिया:

सक्ष: अस. उस्त नौधीनयम की भारा 269-म की अनुस्रम में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभादा (1) के नभीन, निम्निस्तिक व्यक्तियों, नर्थात्:— (1) श्रांतिक की ना ए (० स्टक्किक श्रांटश्रा संदोष एन० स्टक्किक

(अन्तरः)

(2) श्रोमती व स्त एम० पोपट, श्रो होमन्त एम० पोपट, श्रीर श्रोमती बोना एच० पोपट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृद्योंक्य हम्मोस्य के बर्डन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वक्तिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास् निश्चित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिस्कित हौ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दि॰ गया है।

# श्रनु सूची

फ्लैंट नं० सी-1, जो, र वारा को-प्राप हाउँ। सोसायटी जि०, 385 एच० वो० रेड, बम्पई-4 में स्थित है। श्रतुसूबी जैदा ि क० सं० डई-1/37-ईई/6016/35 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिला कि 5-85 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> ि तर अहमद सज्ञार गांत्रि शरो, सहायक अत्यक्तर आयुक्त (तिरिज्ञण) अर्जनरें निकास दे

तारीख: 13-1-1986

# प्रकृप बाई.डी.एन.एस.-----

# नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें 7-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० इ.ई-1/37-ईई/6522/84-85--इ.त: मुझे, निसार इ.हमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रौर जिल्ला सं इमान्त नं 14, जो, फूल वाला हाउए, 1ली कारपेंटर स्ट्रिट, बम्बई-4 में स्थित है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व: में स्रौर पूर्ण रूप से पणित है), स्रौर जिल्ला अरारनाम आयार अविनियम, 1961 का धारा 269 का, खाने स्वीन बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के प्रायलिय में रजिस्ट्ली है, तारीख 10-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री चन्द्रशांत राम चन्द्र भुजवल श्रीर श्रीमती लक्ष्मीबाई चन्द्रशांत भुजवल

(अन्तरकः)

(2) मेहता एण्ड संघवी आसो स्एटस और (भागीदार ——धवलचन्द एस० मेहतस और वःपूरचन्द ए० संघवी

(ग्रन्तरिती)

(3) भाडूत

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बंध 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, श्री और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुक्तरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पहाँ बा, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उक्क अध्याय में दिखा गया है।

# नम्सूची

इमारत नं० 14, जो, फूल वाला हाउस, 1ली कारपेंटर स्ट्रिट, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा ि क० सं० अई-1/37-ईई/6070/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार छह्मद सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप बाइं. टी. एव. एस.----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

# भारत सरकार

# कायालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, वस्बई बम्बई, दिनाक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6598/84-85---- स्रतः मुझे, निसार स्रहमद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलैट नं० 302-बी, जो, मार्कह भेरान, पारसी कालनी, दादर, वम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में स्थित है (म्रौर इस्ते उनाबद्ध म्नन्सूचों में म्रोर पूर्ण का से विजित्त है), मौर जिसा करारनामा भायकर म्रिविनियम, 1961 की भारा 269 के, ख के मुधीन बन्बई स्थित सक्षम प्राधिक री के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 16-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख, उसके क्यमान प्रतिफल से एशे क्यमान प्रतिफल का पन्नद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिचित उद्वेष्य से उच्त अन्वरण किया गया प्रतिफल, निम्निशिचित उद्वेष्य से उच्त अन्वरण किया गया है इन्स

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बांधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनं या उससे बचनं में सृविध। के लिए; बीर/या
- (७) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जात: अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, को उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैदर्स सुण इंजी दर्स

(ग्रन्त∵्त)

(2) श्रीनती रोगनभपुरइएणी।

(अन् रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त राम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स . ) शा अता का निल्हा के व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हैं, के भीतर पूज ने व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीम म 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर मर्गान भा ह बद्ध किसी अन्य व्योक्त द १ । २ वहन्त गम लिखित में किए जा सकता।

स्थव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20 के में पारका जिल् है, वहीं अर्थ हाया, बा उस अध्याय है दिया गया है।

# अन्सूची

फ्लैंड नं० 302-त्री, जो, नार्कर रेन्यन, धरसी वासनी, दाद", दम्बई-14 में विक्त है।

श्रनुसूची जै ति क० सं० अर्-1/37श्रीई/उ.17/8586 श्रीरजाः स्तान प्राविकारी, यन्यई हो त दिलाय 10-5-85 को रिक्टर्ड िया गया है।

> नियर श्रह्मद रमक श्रधितरी सहायत आयहर अयुवर (निरीक्षण) श्रुजन रेज-1, बम्बई

दारीय : 13-1-1986

प्रकप बाइं.टी.एन एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### धारत सरकार

# कार्यालक, सहावक वावकर वाव्कर (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांव 13 दनदरी 1986

िर्देश सं० अई-1/37-ईई/6745/84--85---- अतः मुझे निरार अध्मद

कासक । आभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्राहित अभि संव पजैट नंव 102, जो, निर्मा मंजिल, इमार नव ए-3, पूला पार्क, प्लाट नंव 6, सीव एएव नंव 7/50, हाराबार इंडि इस्टा इस्टेट, राहाबार, बाबई-(12 हैं भा जो बाबई-12 में स्थित हैं (ग्राह इस्ते भागबद्ध इनुसूची में ग्राह पूर्ण रूप व विभिन्न हों। ग्राह विभाग सामार इस्पर होंगे का 1961 की धाल 269 एख के ग्रामीन बम्बई स्थित अभ प्राणित हों। ग्राहित में प्राणित हों। स्रोह है दाराख 27-5-1985

का पृथितत सम्पत्ति क उचित बाजार मृल्य सं कम क दश्यमान शातफंल क लिए अन्तरित को गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, इसक दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंत-रिता (अतरितया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया कथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति अक्ष सं कृथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचन मा सूविधा असिए, आर/या
- ्रि, ६६ फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधा के लिए;

सत. अत्र., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनयम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्वीण निम्निशिखन व्याक्तयों, अथोत :—

(1) पत्री हान बल्डर्न प्राप्तेट लि॰

(ग्रन्ऽरक}∽

(2) श्रीप्र अया जे० जैन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील म 30 दिन की सविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यविद्या में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस र जा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन क भीतर उक्त स्था कर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाध्योकारण ----दाम जाना शब्दों और पर्दों का, जा उनत वाधिविक्षक की कश्चाय 20 के में परिभाषित ह, जा अब हाना का उस मध्याय में दिया यहा है।

#### ग्रनुभूचा

फ्लैंट नं ० 102, जो, 1र्न मंजिल, इमाएट नं ० ए-3, ूनम पार्क, फ्ताट नं ० 6, सी ० एर ० नं ० 7/50, लालबाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, रालबाग, बाबई-12भे १९थ८ है।

इनुसूर्या जैकि कि अल्लाब्स् इन्ति। अन्तर्दिई | 6211 | 85-86 और जो क्षेत्र आदिक्षित्र वस्पई द्वारा दिनांक 27-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निचार झह्मद सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंग-1, बम्बई

टारीख: 13-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भोगकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जैन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांदः 13 जनवरी 1986

निर्देश सं ॰ अई-1/37-ईई/6487/84-85-- झर: मुझे निसार अहमद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भिश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विशास करन का कारण है कि स्थावर संपोत्त जिसका\_उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर विशेकी सं पर्लीट नं 6, जो, तम मारा, पूनल ग्राहिमेटस बी, ऑफ डा० एनी बेनन्ट रोड, पर्ली, वश्वई-18 है अप जो बस्बई-18 म स्थित है (ग्रीर इस्ते उसबद सनुपूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणय है), ग्रीर विस्ता प्रास्ता ग्रीस कार स्विधित स्थान 1961 की धारा 269 स्या के ग्रीस वस्वई स्थित स्थान ग्रीधिनारी के दार्यालय में एपिएई है स्ट्रीख 1--5-1985

दी पूर्वोवा संपत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/सा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ंघ की उपधारा (1) की अधीत किम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्रीमती राजः कुमारी गप्ता।

(ग्रन्दरङ्)

- (2) मार्स लेवो कान इन्स्ट्रूमें टस प्रायवेट लि०। (श्रन्तिती)
- (3) अन्दरिदियों (वह व्यक्ति, िसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी प्र 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पाति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक स् 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिमाधित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, तल माला, पूनम अपार्टमेंटस वी० आफ़ डा० एनी बेजन्ट रोड, वरली, बम्बई-18म स्थित है।

स्रतपुत्री जैपा ि क० सं० सई-1/37ईई/6058/85-86 स्री: जो सक्षम प्राधिक री, बम्बई द्वारा दियां र 13-1-86 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> निपार ग्राहमद सक्षम प्राधि घरी सहायक ग्रायकर ग्रायुका (निरीक्षण) ग्राजैन रोंज 1, बम्बई

ारीख: 13-1-1986

ावर बाह्र सं एम एस -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्क्षयांलय, क्रामक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्थन रेज-1, बरवई

बम्बई, दिनां : 13 जनपरी 1986

िर्को पं० हार्-1/37-र्दि/0648/84-85-—श्रतः मुझे निराप ऋष्य

भायकर अधिनाम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनिगम' कहा गया हो), की धारा १69-स के अपीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विक्यास करने का कारण ही 'क स्थापर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

- (क) कल्दरण स्ट इंड्र किया बाय की बायत, स्वतः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राशिय में एमी स्टरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- [अ। एसो किया राध या किसी धन या बस्थ नास्तियों का, जिस्त भारतिय आय-कर लियानयम, 1922 (1922 का न्या या उकर क्षेप्रीनयम, या धन-कर किथानिया, या धन-कर किथानिया, वा धन-कर किथानिया, वा पाउट पाउट का 27) के प्रयोजनाथ अन्ति रही लिया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सावधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग की अनुसरण बा, से, उक्त आधारण की धारा 269-प की रापधार (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रिक इ— (1) श्री महेद्र ए० वो ा

(अन्तरक)

(2) श्री वाडिलाल ध्रमुलखभाई वोरा।

(ग्रन्वरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्तिः, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संवत्ति के बर्चन के सब्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इव रा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास सिचित में किए बा सकों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा ववा हैं।

# श्रनुसूची

फ्लैट नं० बी-5, जो, 11वी मंजिल, भातृ स्नाशिश, 39, नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनशुची जैसा ि क० सं० श्रई-1/37-ईई/6160/85-86 श्रीर जो रक्षम प्राधिवारी, बम्बई द्वारा दिनांद 20-5-85 को रिक्टर्ड ियागया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-1-198**6** 

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांः 13 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6535/84-85— ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थाने परदात 'एका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सध्य अधिकारों की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो, प्रेम कोर्ट, 5, पेडर रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है),श्रौर जिसका परारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रिजस्ट्रो है तारीख 13-5-1985

की पर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त बाबार मून्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल कम रंग्न्ड प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तम पाशा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चिक में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी जात की दावत, उसत विधिनियद के सधीन कर दोने के वंतरक के दावित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एस० ग्रार० जरीवाला ग्रीर श्रीमती उषा एस० जरीवाला

(अन्तर ह)

(2) श्री सौरभ पी० शहा और श्रीमती शिला एस० शहा

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों

(वह व्यन्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके प्रक्रिय सम्मात्त क वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत बम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 हिन की कर्म पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियाँ में स किसी व्यक्तियाँ इसाराह
- (व) इत तुमना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीय ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्द किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के वास सिवित में किए का स्कॉने।

# अनुसूची

फ्लैंट नं० 9, जो, प्रेम कोर्ट, 5, पेडर रोड, बम्बई-26. में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि सं अई-1/37-ईई/6083/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> निनार ग्रहमद सलम प्राधि ारो महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंन-1, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

# इस्न बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### शारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-1, बम्बई बम्बई, दिन77-13 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई 1/6676/84-85--ग्रन: मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीय सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ामरा नं 873, जो, इमारत नं 37, श्रादर्श श्रीमा को-श्राप हाउनिंग सोमायटी, वरली, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25; स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसान करारनामा श्राय र श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 है, खे के श्रिशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधित री के प्रयोगिय में रिजिस्ट्री है तहरोख 20 5-85 को पूर्व के सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्व क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का बन्द श्रीत श्रीत के विषय है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निग्निचित उद्देश्य से उनत अंतरण लिखित में धास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने से जन्तरक की दायित्व को कसी करने या उसमा उचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब. उक्त विभिन्धिम की भारा 269-न के बन्सरण भा, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मद.वन भार० नायर।

(ग्रन्तर ;;)

(2) श्री नरेन्द्र ग्रात्माराम पोवार ग्रौर श्रीमती उमा नरेंद्र पोवार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षण के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तहरीब से 45 दिन की नवीध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववीध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वयद्धिकरण: — इसमें प्रमुक्त सब्दों और वदों आहा, जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा खे उस प्रध्याय में दिशा यया है।

# शन्स्ची

कमरा नं० 873, जो, इमारत नं० 37, ब्रादर्श श्रिमिए को-श्राप० हाउसिंग सोपायटी, वरली, बम्बई-25 में स्थित है। ब्रानुसुचो जैसा ि. ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6185/85 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनार 20 5 85 दो रिजस्टर्ड दिया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) . ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

मोहर .

प्रक्ष बाह . टी . एन . एव -----

बायक्टर बरियनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अमीन सुमना

#### बारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1966 निर्देश सं० श्चर्ड-1/37-ईई/6644/84 85 -- ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद,

बत्यकर विश्विमयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'त्रवह विश्विमम' कहा गया है), की पारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विश्वक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो, इमारत नं० 14, वरली शिव शाही की-श्राप० हाउसिंग सोसायटी, डा० ए० बी० रोड, ग्लैंक्सो लेबोरेटरीज के भामने, बम्बई-25 है तथा जो बम्बई-25 में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारानामा ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 द, ख के ग्रीचीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के नार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20 5-1985

को प्रांविश कम्मीत के उचित बाजार मून्य से कम के स्वमान प्रविक्त के लिए सम्मिर्डी की पर्द और मुन्ने यह विश्वास कम्ब का कारण है कि वसम्पूर्वेन्द्र सम्पर्शि का उपित बाजार मून्य, उसमे स्वमान प्रतिकास से, एंडे सम्मान प्रतिकास का पन्द्र प्रक्रिक्त से मिस्स है बीड मन्तरक (सम्बद्धों) और सम्मिर्डि (सम्प्रिक्ट) से बीम एंडे सम्बद्धम से सिए तम सम्मिर्ग प्रतिकास विश्वासिक स्वूर्वेश्य से स्था वस्तरम् लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है :---

- (ध) वन्तरण ने हुन् किही नाम की सनत, उस्त वीभित्तव से वनीन कर रोगे के सम्बद्ध में विकल में कही करने मा वस्ते नमने में स्विमा के निष्; मीर/मा
- (भा) एखी किसी बाय या किसी धन या जन्य अस्टियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रवोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविभा के किए.

अ: क्य, उन्छ बर्गिनियम की भाषा 269-थ के बन्दरच में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बचीन, निकासियम व्यक्तिं, वर्षांस् क्र--- (1) श्री कोटच् कोरन कुमारन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजूलारानी गुप्ता और श्री सुभाष छोटेलाल गुप्ता।

(ऋन्तरिनी)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह क्ष्या चारी करके पृथ्यिस सम्पत्ति के अर्थन का लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मिति के नर्चन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीच या तरहम्बन्धी व्यक्तियाँ पर कृषणा की ताबीच से 30 दिन की अवधि, जो की बनीच बाद में इमान्त होती हो, के जीतर पर्योक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ह्वाय;
- (क) इस यूजना के ख्रमपत्र में त्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्वावत सम्मत्ति में हित्तकव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताकरी के पास सिश्चित में किए वा सर्वोंगे ।

स्थानिकस्य :-- इसमें प्रयुक्त कम्बां और पखें क्षप्त, को उनका अधिनियंव के अध्याय 20-क में परिधायिक ही, वहीं अर्थ होता. को उन अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसुची

फ्लैंट नं० 11, जो, ब्लाङ 14, वरली शिव शाही को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, डा० ए० बी० रोड, ग्लैंक्सो लेबोरेटरीज के सामने, बम्बई-25 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा ि क सं० ग्रई-1/37-ईई/6157/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> नियार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

तारोख: 13-1-86

प्ररूप बाह्र .टी . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सूत्रका

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अन्तित (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनां । 13 जनवर। 1986
निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6623/84-85--श्रतः मृझे,
निसार श्रहमद,

कायकर मिश्रीनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर निस्ति। सं० ब्याः नं० 15, जो कमरा नं० 6, ए उ०एस०एस नगर कोलीवाडा, बम्बई-37 है तथा जो बम्बई-37 बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका वारारनामा श्रायकार प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ा, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिक्टूं। है तारीख 17-5-85

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं क्यमान प्रविफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नचित्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्त्रिक रूप से कथिक नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तर्भ सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त व्यथितियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (ख) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निए;

बतः नथ, उक्त विधिनयम की थारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त विधिनयम की थारा 269-च की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, वर्षात् : — (1) श्रीमती गीता ग्रार० वालचन्दानी।

(अन्तरक)

(2) श्री सुन्दर बाघचन्द बेलानी।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हों।

उबत सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वगरा ची

ब्लाक नं० 15, जो कमरा नं० 6, एस०ए- ०एम० नगर, कोली-वाडा, बम्ब -37 नें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा िक० सं० ग्रई-1/37-ईई 6143/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां ः 17-5-85 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें -1, **बम्बई**

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनां3 7 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-I/37-जो/5229/85-86 -श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 2085, भुलेश्वर डिविजन, 343 जगन्नाथ शंकर सेठ मार्ग, ठाकुरद्वाप, बम्बई-2 में तथा जो बम्बई-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध जारी के जार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 2-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्श्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक्:--

- (1) मराठा मार्केट पिपस्स को-ऑप० बैंक कि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जिजाई इस्टेट।

(ग्रन्तरिती)

(3) भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जर्न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसुची

म्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम 1272/83 म्रीर जो उपरिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिमांक 2-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1 बस्बई

तारीख: 7-1-1986

# प्रमण बाह्र', स्त्री . एवं . एवं . ---

# बाम्कर विविन्धन, 1961 (1961 का 43) की गस्त्र 269-म (1) के बधीन क्षेत्रा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-I/37-र्जा/5228/85 - 86 ---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

सौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 2086, भुलेश्वर डिविनन, 345, जगन्नाथ शंर शेठ रोड बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के वार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवोन तारीख 2 · 5 – 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाचार मृत्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बामार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है जोर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बामार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरकां) बार बन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्नित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशित्त में गस्तिक क्रम से किथत नहीं किथा गया है :—

- (क) अन्तरण तं हुन्दं किसी बाब की, बाबदा, धनका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने वा उत्तसे वचने में तृतिधा के लिख; और/वा
- (क) इसी हिन्नी बाब वा किसी धन वा अन्य बाहिलायों को चिन्हें भारतीय वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियानं में सुविधा जीवका;

जत: जब, उक्त जीवनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, क, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, विस्तिसिक व्यक्तिकां, वर्षांच :---

- (1) मराटा मार्केट पिपल्स को-ऑप० बैंक বিमिटेड। (अन्तरक)
- (2) जिलाई इस्टेट।

(अन्तरिती)

(3) भांड्त।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चित के अर्थन के जिस् कार्यवाहिंगां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इतस्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के फंच सिसिस में किए जा सकांगे।

स्पन्दिकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होने को उस्त अध्याय में विका मना हैं ह

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा ि विलेख सं० बॉम 1270/83 श्रीर जी उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद जक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

सारी**ख**: 7-1-1986

प्ररूप बाइ :- टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्मना

# भारत संग्कार

कार्यालयः, महायक आगकः आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज,-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-१/37-वी/5230/85-86--- ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर जिथिनियम, 1961 (.961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाणी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर तिसकी सं० सी० एस० नं० 702, फोर्ट डिविजन, डा० डी० एस० रोड बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्री र्ता यधि-दारी के पर्णालय बम्बई में रिस्ट्रिं रण ग्रधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन तारीख 31-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास हरने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्दोष्य से हक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधित त्रिक्तिश्रो, अर्थात् :--- (1) थामस कूल ट्रुडेलर्स चेक्स लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) धामस कु ः (इंडिया) निमिटेड

(अन्तरिती)

(3) भाडूत

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# अनुस्ची

श्रनसूची जैसा ि विलेख सं० बाम 1177/81 श्रीर जो उपरिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिना ४ 31-5-19 5 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> निपार ग्रहम्य रक्षम प्राधि गरी सहाय ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-1, बम्बई

न रेख: 9 -86

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.----

पंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)  $\pi = \pi \cdot \mathbf{I}$ , बम्बई

बम्बई, दिनांयः 7 जनवरी 1986 निर्देश सं० अई-1/37-जी/5231/84-85--अत. मुझे, निसार ग्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू से अधिक है

स्रीर जिसको सं ज जमीन का हिस्सा जो, खेडिय स्रीर स्ट्रवचर्स के साथ, जिसका सी जिसका के जम्ब के 41, माझगांव डिविजन, च इस्ट्रीट माझगांव, बम्बई-10 है तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में स्रीर पूर्ण क्प से वणित है), रजिस्ट्री क्ति स्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 17-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——[

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-र के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निकास्तिषत व्यक्तियों, अर्थात् ह— - (1) श्रोमतो वसन्तबेन पो० ठक्कर श्री किरीट कुमार पी० ठक्ःर, श्रीमती एन० ए० ठक्कर, कुमारी जे० पी० .ठक्ःर, श्रीर कुमारी पा० पी० ठक्कर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री टो० वी० स्खाना, श्री एच० टी० दावडा, श्री डी० टा० दावडा ग्रीर श्री एच० जे० राययथा (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री वार्ब्ड जे० वाधमारे ग्रीर 7 ग्रन्य। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिवा गया है।

# प्रनुसूची

ग्रनुमुची जैसा ि विलेख सं० बॉम 1513/81 ग्रीर जो उपरजिस्टार, बम्बई द्वारा दिनां : 17-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, **बम्बई** 

तारीख: 7-1-1986

# प्रमार बाह्", हो. एक. एस. .....

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के कधीन मुखना

#### भारत सरकाइ

कार्वालय, सहायक वायकर वाय्यत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

वम्बई, दिनाँक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-जी/5225/85-86--ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपवे

ग्रौर जिसकी सं० सम्यति, जो, ठाकुरद्वार सी०एस०एम० 2086 भूलेण्वर डिविजन बस्पई है तथा जो वस्त्रई में स्थित है (ग्रोर इसने उपावद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 2-5-1985

आते पूर्वोक्त बम्पत्ति के उचित ,वाजार मृल्य से कम के करयमान प्रतिफस के किए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारज है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसको इत्यमान प्रतिफल भे, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रक्रिक्क से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए व्यदि/या
- (ख) एरेरी किसी अपय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा क्त-कर लिधनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्योजनार्थं बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधः के निए

हर गढ़ उनस लिभियम की धारा 269-ग के जनसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1)

गर्जिनिहर व्यक्तियों सर्थात :--

(1) दि न्यू इंडिया ग्रंशुरेन्स कंपनी लि०।

(अन्तरक)

(2) मराठा मार्केंट पिपल्स को-ग्रॉप० बैन्क लि०। (अन्तरिती)

(3) भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरितियों (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सुचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किमी ब्यक्ति दुवारा:
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा

#### वन्स्ची

ग्रन्यूची जैशाकी विलेख सं० बरंम-801/80 ग्रौर जो उपरजीस्ट्रार बम्बई द्वारा विनाँक 2-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायनर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1 बम्बई

दिनाँक: 7-1-1986

मोहर:

12-466 GI/85

प्रारूप जाई. दर्ने. एन . एस . , =======

# बायकर वीधनियत, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्बाज्य, सहायक वायकर बायकर (विद्रोक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनौंक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्र-1/37-जी/5232/85-86 ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् जिस्त विधिनयम क्रम नया ही, की धास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वासार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं स्नीता इमारत श्रीर दूसरा स्ट्रक्चर्स प्लाट नं 238, सायन माटुंगा (पूर्व) सी एस नं 538/6, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है (रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 29-5-1985

की प्रामित सम्मतित के उचित बाचार मुख्य से कान के करणवाल प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास अरले का कारण है कि स्थाप्षों का सम्मति का उचित बाचार स्वा उसके कामान प्रतिकाल को गोल करणवाल प्रतिकाल का अन्तरह प्रतिकात से अधिक है और क्षित्र (जन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकाल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिक क्य से किसत नहीं किया नवा है ---

- (क) बन्सरण में हुद्र किसी ए म श्री शतस, उक्क किसिंग्डर के किसीत कर ार्ग ए जैतरक के हाकित्य के कभी करने वा उनने वचने के सविधा क लिए; बीर/बा
- कि हो कि सी बाव का किसी वन वा बन्य बास्तिवीं को, जिन्हों शारतीय बायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-काण अधिनियस, १०५७ (1९६५ का १७० के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया बाना बाहिए वा स्किन्य में सन्तिधा अं विकार

अंगः कव, उदत विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण कै, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) है ब्रंधीन, निकालिकित व्यक्तियों, वर्षात १--- (1) श्री मती श्रायवी गणपत दादरकर।

(अन्तरक)

(2) दलीप हरीराम सोमैया।

(ग्रन्तरिती)

का यह यून्नका प्रश्नी कालो प्रतिक प्रज्ञीता से वर्षण से जिल् सार्वगाहियां करता हूं।

उक्क सम्परित में वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी साम्रोप :---

- (क) इस स्पना के समयम में प्रकाशन की तारीय हैं
  45 विश्व की समीच या तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पह
  स्पना की ताबीय में 30 दिन की स्थाप, को भी
  समीच नित्र में समान्य होती हो, में नीतर प्रवेतन
  व्यक्तियों में ते विश्वी व्यक्ति स्वाहः
- (क) इस स्थान के राजदन के प्रकारन की तार्शिय से 45 विक के बीवर उपक स्थानर सम्माद्ध के हिस्त्रमुप्त विकास का कावित स्थान, नभोहरतास्त्री के पास सिवित के किए का सकीन।

स्वाक्रिकः :---इसने प्रमुक्त कर्का निष्ठ पक्षी का, को उपस् स्वीपित्यम्, को निष्पाय 20-क में परिशामित्र हाँ, वहीं नर्ज मोना को उस निष्पाय में दिन। पदा हाँ।

# बन्स्ची

श्रनुसूची जैसाकी विलेख सं० बांम 146/182 श्रौर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनाँक 29-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनाँक: 6-1-1986

# प्रका बाह् ही हर हर ---

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्ष भाषा 269-म (1) को वभीण सूचना

#### बाहद दरका

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्त)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-जी/5226/85-86--ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परवार, 'क्वम विधितमम' कहा गया हैं), की पार 269-स के विधीन स्थान प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानक कम्बित, विश्वका विधित्त वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जो ठाकुरद्वार सी० एस० नं० 2085, भुलेश्वर डिविजन, बम्बई में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक 2-5-1985

को पूर्वेक्स सम्वर्गत के जीवत बाबार मृत्य से कम के क्रायाम शिक्त के लिए बंसरित की नर्द है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानुकॉक्त सम्पत्ति का जीवत बाबार गृत्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे क्रायमान प्रतिफल का पल्डह भिक्त से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और बंतनिरती (जन्तरितयों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तम पामा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उद्धत बन्तरण जिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुएं किसी बाव की बावत, खबत बीधनियम् के बधीन कर दोने के बन्तपुरक के बायित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में बृणिया खे सिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी ध्य का बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाएकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नाहीं किया गया था या किया वानर चाहिए था, छिनान में जुनिधा के किस्,

और: लंब, उक्त अधिनियंत्र की धारा 269-ग के अनुसरण के, की, उक्त अधिनियंत्र की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) दि न्यू० इंडिया श्रशुरन्स कंपनी लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) मराठा मार्केट पिपल्स को-श्रांप बैन्क लि०। (ग्रन्तरिती)
- (3) भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं),

(4) ग्रन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करूके पूर्जेयत सम्मत्ति के वर्षत के जिए कार्यवाहियां कृष करवा हुं।

हमा सम्मति के वर्षन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध की 45 दिन की जनिय वा तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों वह सूचना की हानील से 30 दिन की जनिय, जो भी जनिय बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस सुक्ता के राज्यत्र में प्रकारत की तारीस से 45 किय के मीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हिन्न- कृष्य किसी बन्य व्यक्ति द्याद्रा, मुभोह्स्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सन्तेंगे।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया यम है।

# अन्सूची

श्रन सूची जै ताकी विलेख मं० वांम- 802/80 श्रीर जें। उ ।-रजीस्ट्रार वम्बई द्वारा दिनाँक 2-5-1985 को रजीस्टर्ड विया गया है।

> निचार ग्रहमद मिक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रुर्गन रेंज-1, बस्वई

হি নাঁচ : 7- 1- 1986

प्रक्रम सम्बद्धः, ब्री., एनः एसः. 🗸 - -

es o interestada a mena afairada o estado en e

जाशकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-म (1) को नभीन सक्षना

#### WING THE

# कार्याज्य, सहायक वायकर वायकत (विद्रक्षित्र)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्चर्ड--1/37-जो/5234/84-85--श्चतः मुझे, निनार श्रहमद,

कायकर गिंधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विस्थात करने का सारण दें कि स्थावर सम्पत्ति, किम का 'तेल्यत वाजार मुख्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं. वसीन जा िस्ता गैरेज ग्रीर दुगरे स्ट्रक्चर्स के जाथ जो, नेपियनसी रोक, स्या पर्वे नंक उए/ 7224 ग्रीर सीठ एक नंक 344. मगान प्रीप खंबाता हिल डिविजन बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से बिंदित है), ग्रीर जिस.ज र रारताना ग्रायकर ग्रीधिनियम की धारा 269 ल, ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय धमवर्ड में रिजस्ट्री है दिनाँक 30-5-1985

को पृथोंकत सन्परित के स्थित वाचार मुख्य से कल के दश्यकाल शितम्कर के लिए जन्तरित की गई हो और मुक्ते बह विश्वास करकों का कारण है

कि यथा प्वोंक्त सम्बन्धि का उचित काचार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीक्कत से, क्से करमान प्रीसफल का पन्छ प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीक्किन, निम्म-निश्चित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कीभत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण एं तुर्व किसी जाम की बाबता, सकत सीपीयक नी अपीन कर कोने के सन्तरफ सी वास्तिक में कनी करणे वा उसले त्यमें में स्वीवधा के लिए: कॉर/मा
- (ख) एसी किसी आध या किसी धन या अस्य आस्तियों को किस्हें भारतीय अपकर अपनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उस्ते अधिनयम, टा अस- अर औधिनयम, टा अस- कर अधिनयम, टा अस- कर अधिनयम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किशा गर या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा से सिए;

कतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सैं, उक्त अधिनियम की धार 269-ए की उपधारा (1) हे जभीम, निकाकिखित व्यक्तियों अर्थात :— (1) साराभाई प्रायवेट लिमिटेट।

(ग्रन्तरक)

- (2) नरयू इन्वेंश्टमेंटम् प्रायवेट लिमिटेड । विजनेस एकजीक्युटिव स्नारगनाइजेशन प्रा० लि०, श्री वि० जी० पिट्टी, श्री के० एम० वन्वाक्तर, विजनेन एकजीक्युटीव प्रा० लि० श्रोमती स्नार्थ एन० पान्य, विजनेन एकजीक्युटीव प्रा० लि०, श्रीर विजनेन एकजीक्युटीव प्रा० लि०। (स्न-वरिता)
- (3) यदि कोई किरप्येदार हो (दह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना बारी करकं प्रविक्त सम्पत्ति सं उर्धन के जिल् कार्वनिक्ष करका हु

अवस सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकः वन की तारोख स 45 बिन की नजीव मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी जनपि नाद मो सनगत होती हो, के भीतार बृतीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्यागः;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तार्यक्ष से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थानर सम्मति में दिशकबृथ किसी जन्म म्हिन द्वारा अधारुस्तासरी के वास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: --- इसमे प्रमुक्त शब्दों और वदों का, जो उन्सर अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिश्वनिका हैं, नहीं नर्थ होना नो उस अध्याय में दिका प्रया सी ।

अस्टर

जनुपूत्रों जैनाको जिलेख सं० वांप~1353/84 स्रीर जो. उपरजोस्ट्रार वम्बई द्वारा दिनाँक 30-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> तिसार ग्रहमद नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायहर ग्रापुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बर्म्बी

दिनाँक: 7-1-1986

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वन

#### शारत क्षत्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-४३, वाकई

वम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई| 2| 37ईई| 2009 7| 84--85---अत: मुझे, प्रशांत राध

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26:)-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव सीव एसव नव 2037, दरगाह स्ट्रीट माहीम त्रम्बई में स्थित है (और इनसे ज्यावह अनुसूबी में और पूर्ण रूप ने विणत है) और जिसका कराउनामा ग्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन समक्ष प्राधिकारो के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 9-5-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्क बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या जिसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखन व्यक्तियाँ अधीन,

(1) श्रीमती हजीरा वाई हज्जन।

(धन्तरक)

(2) इब्राहीम श्रब्दूल गफाए मर्बेट और श्रन्य। (श्रन्तरिती)

क्षां यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सत्यित में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्खी

जिमन का हिस्सा जिसका सी० एस० नं० 1087 जो, बार्ड नं० 5285 (2), 5286 म्ट्रीट नं० 24,25, 25ए, 26, दरगाह स्ट्रीट, मार्हाम, बम्बई है।

श्रासुची जैगाकी कर संर श्रई-2/3 -ईई/20097/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वात्रई द्वारा दियांक 9-5-1986 को रजीस्टई किया गया है।

प्रकार राध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक: 15-·:·1986

मे(पृष्:

## ब्रुप् वार्व व दी . एक . एक . ---

## भायकार माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) ते नधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृत्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

म्बई, दिनांक 19 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्रई--2/37--ईई/20104/84--85----श्रत:, मुझे प्रशांत राद

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त बीधनियम' कहा गया हैं), की बाख 269-व के बधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का काष्ट्रम हैं कि स्थानर इक्षीच, विश्वा उचित्र नावार मृज्य 1,00,000/- रा. से बीधक हैं

और जिसकी सं पलेट नं 501, मरीडेन बिल्डिंग, बान्द्रा, बम्बई--50 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है),

और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961, की धारा 269 क, ख के श्रधीन बमाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है

दिनांक 9-5-1985

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित नाकार मृत्य से कम के क्यमान प्रित्कत के तिए बंसरित की नई है और मृद्धे यह निश्नास करने कको का कारण है कि यथान्त्रोंकत सम्पत्ति का उचित नाकार गृत्य, उसके क्यकान प्रविक्षय से, इसे क्यमान प्रविक्षय का पंक्र प्रतिक्षय से विध्य है और मंतरक (वंतरूकों) और वंक्रिकी (अन्तरित्तिकों) के बीच एसे नन्तरम के निष् तय पाया क्या प्रविक्षय, निम्नसिद्धिय उद्युक्षिय से क्या व्यवस्थ विक्षित् में वास्कृतिक क्य से कथित नहीं किया नका है हि—

- (क) बन्धरम से हुई फिक्षी नाम की नावत उक्त संघन निवय की नवीम कर हो। को बन्तर्क को दावित्य में खबी करने या उद्यो में में सुविधा के लिए क्षेप्रिया
- (ख) एसी किसी बाद वा िल्सी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्य-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, बा धन-कर विधिनयम, बा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया जाना अधिकृत था किया के सुविधा से बिक्श

अतः अवः, उक्त अधिनियम कं धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स खेरानी केस्टो एन्टरप्रायसेस।
- (2) श्री रोनाल्ड विनसेन्ट सीक्वेरा और श्रीमती डेसलली ए० सीक्वेरा।

(ग्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

का यह सूचना चारी करके पूजा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाडिकां करता हुं।

उच्च सम्पत्ति के वर्षन के गम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष् :----

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकारण की तारीक के 45 दिन की नवधि वा तत्स्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचवा की तानीन से 30 दिन की नवधि, जो भी सब्देश बाद में समान्त होती हो, को मीलर पूर्वोक्स व्यक्तिकार्यों में से किसी नवित्त द्वारा;
- (व) इव ब्रुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की वारीच के 45 दिन के मीदर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिस-क्ट्र फिदी नम्य व्यक्ति द्वास्य नभोइस्टाकारी के पास विवित में किए जा सकतेंगे।

स्वक्षीकरणः—इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विधिक्षित्र, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, क्ष्मी नर्ग होगा, को उन अध्याय में दिया यहा हैं।

#### गन्स्ची

फ्लेट नं० 501 जो पांचवी मंजिल, मेरीडेन बिल्डिंग, टीं० पी० एस० 2 नं० 3, सोलावा रोड, बान्द्रा, बम्बई- 40050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० शई  $\cdot 2/37$ —ईई/20104/84—85 और जो, सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार आयुक्त (तिरीक्षण) श्रर्वत रेंज-2, त्रम्बई

दिनांक: 14 · 1-· 1986

में हर:

प्रकृष कार्ष, ट्री, एतं, एस,,------

## कारकार क्रिपेक्सिक, 1961 (1961 का 43) कर्र पास्त्र 269-क् (1) के वर्धीन स्वकृत

#### THE THE

## कार्यानव, व्यानक बायकर बायक (विरोधक) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1986

निर्देश सं० ऋ**ई**-2/37-ईई/20105/84-85---- अतः, मुझे, प्रशांत राय

वाबकर विधिनवन 1961 (1961 का 43) (चिन्धे छक्त्रों इसके परमात् 'उक्त विधिनवन' बहा नवा ही, जी परख 269-च के लथीन तक्षम प्राधिकारी को यह विस्थाद करूने का बहारण ही कि स्थापक चंचिक जिल्लाक प्रक्रिक विद्याद मुख्य 1,00,000/- स. से विधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, मेरीडेन बिल्डिंग, बान्द्रा, बम्बई--50 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतामा आधकर अविनियम 1961, को धारा 269 क, ख के अधीन व अई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यांचा में रजीस्ट्री है तारीख 9-5-1985

नित क्षेत्र संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के अपवान प्रतिपक्ष के लिए अप्तरित की वह है और मृत्ये कह विश्वाच काले का कारण है कि अपायुक्तिक संपत्ति का स्टियत वाज्य मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिपत्त से, एसे अप्यमान प्रतिपत्त का वाज्य प्रतिप्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अप्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरक के लिए तब पावा बना प्रतिप्रक कि निम्नितियां उद्देश्य से उपक अम्तरण जिल्कि में बाज्यिक कि क्ष्य से अध्यत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किती शाय की बावत उक्त शीधीनयम के अधीन कर दोने के खन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंबी किसी भाव या किसी भाव या अन्य आदिताओं की जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुरूप भा या किया जाना चाहिए था छिनाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेसर्स खेरानी-केस्टो एन्टरप्रायमेस ।

(प्रनारक)

(2) श्रीमती डेमले ए० सीक्वेरा और श्री रोनाल्ड वीनमेन्ट सीक्वेरा।

(श्रन्तरिती)

का वह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

## क्वल सम्मन्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासोप ह---

- (क) इस त्यमा से रायपण में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की जवींथ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीश से 30 दिन की जबींथा, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तिस्थ में से किसी व्यक्ति सूचारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में त्रकासन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध फिबी सम्य न्यांकित इचारा सभीहस्तासरी के पास किंदिसत में किंदा को किंदा सामा किंदी सामा

रमक्कीकरण: इसमें प्रयुक्त सक्दों और पश्चों का, को सकस वीभीनश्चन के बच्चाय 20-क में परिशाणिक हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सम्बाध में किया गया है।

## मन्सूची

फ्लेंट नं० 601, जो छठवीं मंजील, मेरी हन बिल्डिंग, टीपीएस 3, सोलाचा रोड, बान्द्रा, बंबई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क०सं० ग्रई-2/37-ईई/20105/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 14-1-1986

## प्रकृष बार्ड . की. एन . **इस** . कार्यन

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के बधीन सुवना

#### भारत सरकार

## कार्यासम, सहामक नायकर नायुक्त (निरीक्सण)

गार्थन रेंड-८, उपवर्ष

वम्बई. ि वि १ जावरी 1986

िर्देण मं० १६-2/37-ईई/ 0277,84-85---श्रतः मुझे,

प्रशति राय

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चित्र 'त्रक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धाख 269-क के अधीर कलक गाधिकारी को गह दिस्साल करने का सारण क्षे कि अधिर करते हैं। पिसका अधित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी एं ऑफीस मंग 203 सावना बन्हा (पुर्) वस्वई-51 में स्थित है (ओर इसी उपावद्ध अनुस्ति में और एणे रूप में प्रिंग है) और जिसका करास्तामा आधकर अविनिध्म की वादा 269 बाब के अवित सक्षम प्राधिकारी के प्राथित बंबई में प्रिंग्ड्री है तार्राख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमाय प्रिक्रिय के सिए जंतरित की गई है और मफे गई विक्तत्ति करने का उचित चालार मून्य, उसकी क्रियमान विकास की, एसे दश्यमान प्रांतफक का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरमा) बार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक में वास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है :----

- (क) श्रुक्क संहुई किसी बाग की पानता, उनता निर्माणका से अभीत कर होने के ज्ञुकरक को अधिक्त को क्षित को क्षित कर हो के लिए।
- 'एं) इसे किसी अप या किसी धन या अप आहिएका को चिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त प्रितियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकंजनार्थ अन्तरिसी क्यास प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा में किए

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) इवर्ष चुर्नाला घा व नानवानी।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती अभिना ती० देशी और श्री जीतेन्द्र ी० भाभेगा।

(अन्तरिती)

का क्या कारी करके पूर्णेक्ट सम्मास्त के अर्थन के फिए कार्ववाहियां स्रूक करता हूं:

## उक्त सम्बन्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षीय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तापीच से 45 पिन की वनित्र मा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर कृषना की ताबीस से 30 पिन की स्वीच, को की नवीम बाह में नवीम होती हों, के जीता पूर्वीक्स प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सुम्मा वो राजनक मां प्रकाशन की शारीक में 45 दिन को भीरार उक्त स्थापर शन्यीत में दिशक मा किसी नन्य स्वतित इकारा नमाहस्ताबारी में ास विकास में किस का मकीने।

स्थाकिरण :--इलमें एय्क्य कट्टा और पताँ का, जो स्वाप जीवित्यम के सम्बाद 20-क में दिस्तारिक हैं. वहाँ अर्थ होना को जस वप्यास में शिक्स कार हैं:

## अनुसूची

ऑफीस नं० 205 जो पाँचवीं मंजिल माववा, प्लोट नं० सी-4 व्योग इ. बान्द्रा हर्ली कोम्प्लेक्स बान्द्रा (पु०) वंबई-40005: में स्थित है।

अनुसूर्वा जैसा की कर्ता अई-2/37-ईई/20277/34-85 और जो नजन स्थिपनी पंथई द्वारा विशंक 13-5-1985 को विस्टई किया गया है।

> प्रणांत राज सन्तर्भा प्रतिवासी सहाराज शासकर शासका (निरीक्षण) धर्ना रेज-2,स्मझई

तारीख: 9-ा-1986

## 164 111 . 21. 14 . Ct ...

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्इई

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1986 निदेशसं० एम्रार-II/37-जी/3768/मई 85---म्रतः, मुझे, प्रशान्ता राथ

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे पृश्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम,प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

बीर जिसकी सं० सी०एस०नं० 1/86, 1/78, केडेल रोड, बीर सावरकर मार्ग. माहीम, बंबई है तथा जो बंबई में स्थिम है (और इसने जपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से विगन है). रिनाष्ट्री नो अधिकारी के कार्यांक्य, बंबई में रिजर्ट्यकरण अधिरियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-5-1985

करे प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल के फंद्रह पंद्रह प्रितिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरच संहुइ किश्री जाय की शावतः, सक्तः जिन्नियम के स्थीत कर दोने के अन्तरक वे दायित्व में किश्री करने या उत्तस्ते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्ही आरतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत जिथिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा वित्या जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
33—466 GI/85

(1) श्री चन्द्रचवन प्रानलाल कपाडीया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र गोविंदराच नेरूरकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर स्वना की तामील में 30 दिन की सविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, को उपक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वृक्षा है।

## अनुसूची

श्रनुसूर्व। जैसा की विलेख सं० बंवई-3176/89 और जो उपरकार्यार बंबई द्वारा दिनाक 13-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशान्ता राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर हायुक्त (िरीक्षण) श्रर्ज रेंज-2, बस्बई

नारीख: 14-1-1986

भोहर.

## प्रस्व बाह्रे.टी.एन एस .----

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजित रेंज 2, बमबई बमबई, दिनांक 19 जनवरी 1986

निदेश सं० ए० ब्रास् 2/37-ी-3801/85 --- ब्रतः मुझे प्रणान्त राष्ट्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव सीट एस नंव वी/463, 464, मुनिसीपल नंव 5, बरोड़ा रोड, बान्दा. बंबई है तथा जो बंबई में स्थित है (और इसने उपायद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप में बिजित है), रिजस्ट्रोफर्जी अधिकारी के कासीलय बम्मई में रिजस्ट्रीकरण अधिकाम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1985

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीसफत के सिष्ट् अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ल्यू प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय साबा मया प्रतिस्ता , निम्मलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किन्सित में वास्कीयक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त कर्टिंघनियम के जधीन कर देने के अन्तरण के शामिल्य के कमी करने या उससे वचने के सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी नाम का किसी धन या अल्य नास्तियों को, जिल्हें भाष्ट्रीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा को किस्ट;

क्कटः वबा, उचत विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण को, को, उचत विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के विधीन, निम्मिसिकित व्यक्तिस्यों, अर्थातुः— (1) श्रीमती रोज उरसूला फीडेल।

(भ्रन्तरक)

(2) एडवर्ड गोनसालवीस और श्रीसती सीसीर्लाया गोनसालवीस।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और श्रीमती भेरी डीमेलो । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है.।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 414/76, श्रीर जो उपरिजय्ट्रार बम्बई ग्रारा दिनांक श्रगस्त 1985 को रजीस्टर्ड िया गया है।

> प्रशान्त राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर नायकः (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 14-1-1986

प्ररूप ब्राइ. टी. एन. एस. -----

•

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 9 जावरी 1986 िदेश सं० प्रर्ध-2/37-ईई/19965/84-85----म्रतः, मुझे, नशांत रायः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

मार जिसकी सं० फ्लेट नं०सी०-87, सूरज की-श्रांप० हाउ-तिंग सोतान्धा जिल्लिड, सारताक्त्र, बस्बई-49 में स्थित है) मीर इसने उपाबद्ध अनुसूती में ओर पूर्ण रूप से धींगत है) मीर जिसका करारनामा श्राधकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 2-5-1985

की प्वंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अर्न का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृध्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिहित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, धनल नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) को अधीन, निम्नीकिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) जगदीश राम टक्कर।

(भ्रन्तरक)

(2) बी०के० नाईका

(भ्रन्तरिती)

कों यह सूचना नारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्राक्तियों में से किसी व्यक्ति इता,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, को उचक अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषिक ह<sup>\*</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>\*</sup>।

#### भनुसूची

फ्लैंट नं॰ सी-87, जो सूर्ज को ऑर॰ हाउसिंग सोसादटी लिमिटेड, आनन्द नगर, दूसरी पान्डया लेन, जुहू तार रोड, सारताकज, बबई-400049 में स्थित है

धनु भूवी जैसाकी करलं घई-2/37-ईई/19965/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 2-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख: 9-1-**1986

मोह्य:

. - . अग्र वेष . इ. . इ. .

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) क्रे बधीन सुचना

#### मार्त् सरकाड

## कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जावरी 1986 निदेश सं० ऋई-2/37-ईई/20002/84-85---ग्रतः, मुझे, प्रशांत राय,

इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), श्री भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

वीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 122, नोर्थ बीन्त्रे की-गी। हाउसिंग सोसायटी लिसिटेट, बंदई-49 में स्थित है (जीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से दिण्त हैं) जीर जिसका करार तमा कालकर श्रीधिन्यम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बण्दई में रजीस्ट्री है तारीख 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास की लिए अन्द्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कुन्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल को कुन्य प्रतिकत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्य की जिम्मिलिब्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिविक क्ष्य के कियत नहीं किया गया है ं →

- [क] ब्रॉटरण से हुइ किती शाय की वावत, उक्त बाधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बादित्य में सभी कड़ने वा चवल देखने में सुविधा के लिए, बाँड/वा
- (क) एती किसी बाद वा किसी अन वा अन्य आरिएव! को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोबनार्थ बन्दरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया ज्ञान जाहिए ना, क्रियान में ब्रुविधा की प्रियः

चत्र वर, उक्त विभिन्यम की भारा 269-व के बनुसरण कीं, की, उक्त विभिन्यम की भारा 269-व की उपभारा (1) के क्षीन, निक्नतिविक्त स्पन्तियों, अर्थात् दर ►

(1) श्रीमती मूर्लाकाई जीतलदास प्रहुजा।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक वी० ठाकुर **औ**र श्रीमती मींनू ए० ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीतः के वर्षन खे जिल्ला कार्यवाहियां करता हों।

## उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोच्:--

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की बनीध या तत्सवंधी व्यक्तिकों पर सूचना की सामीत से 30 दिन की वचिष, सो बी अवाध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वांबा व्यक्तियों में से निस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा सकेंगे।

## वनुसूची

फ्लैंट नं 122, जो पहली मंजील, एच० ब्लॉक, नोर्थ बोम्बे को०आंप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेट, जुरू तारा रोड बंबई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची पैसाकी क०सं० श्रई-2/37-ईई/20062/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई एप्प दिनांक 9-5-1985 को प्रशिस्ट बिला गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 9-1-1986

अक्य कार्ड, टी. एन, एसं, -----

बायक दूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### धारत प्रश्नाह

## कार्यांसय, सहायक जायकार जायकत (निर्देक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

बम्बर्ड, विमांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं॰ श्रई-2/37ईई/20324/84-85--यतः मुझे, प्रशात राध,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कीर जिसकी सं० पलेट नं० 2, ब्लाक ए, श्रानन्द निलन प्रीमायनेस, सान्ताकूज (५०), बंदई-54 में स्थित है (कीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से दिणत है) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रवीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीज 14-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का बेक्स प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तिबंक कप से कथित नहीं किया गया है हू---

- (क) अन्तरूप हो हुई किसी बास की सामत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक हो दाग़ित्य में कमी करने या उग्रसे वचने में सूविधा के सिए; बीड/या
- (ब) एनेसी किसी बाय ग्रा किसी धन या अन्त्र आस्तियों का जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियस . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा जा जा या किया का बाहिए था, किया के विकास के विका

नतः नव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-मध्यों नंतृक्षरण में विद्यास्य की धारा 269-म की उपधारा ं(३०) के क्षीन, निस्तिविक व्यक्तियों, वर्धात् ह—

(1) श्री प्रहहाद सींग श्राल्द।

(भ्रन्धरक)

(2) श्रीमती रेनू कीशोर सबनानी।

(अन्तरिती)

की यह पूजरा आरी करके पूजीरत व्यवस्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिया क्राउता हुन्।

बनत सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की तावधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकिश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सुमना को रामपन में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के प्रास निवित में किए वा सकींगे।

स्वव्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस ब्रध्याय में दिवा सवा है।

### बन्स्ची

फ्लेट नं० 2, जो तीसरी मंजील, ब्लाक ए, श्रानन्द मिलन प्रीमायसेस को०श्राप० सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 47/48/49/61, सान्ताकूज (५०), बबई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०स० श्रई-2/37-ईई/20324/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनाक 14-5-1935 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज 2-, बस्बर्ध

तारीख: 9-1-1986

मोहर .

प्ररूप शाह .टी . एन . एस . ----

बायकर बिधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकाड

भार्यालय, सहायक कायकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

बग्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० अई 2/37 ईई/20420/84 85— **मतः मुझे,** प्रशांत राय

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शांप नं० 4 परसरंपूरीया अपार्टमेंट सान्तात्र्ज (प०) बंबई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई में रजीस्ट्री है तारीख 17-5-1985

को प्वंवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य हे कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के फेह प्रतियत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फ., निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्य-विक रूप से किथात नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वावस्ता उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कभी करने या उत्तरसे वस्ते में सुविधा के लिए; और मा
- (ख) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विस्था जाना आहिए था, छिपाने में सृतिशा है लिए।

कतः अव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के वनुसरक मं, मं, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, वर्षात् क्ष---

- (1) परासरंपूरीया इस्टेट डेवलोपर्स प्राईवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महैन्द्र रसीकलाल शाह। (मन्तरिती)

को वक्ष सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रात्त के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की वविध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पहु सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, को भी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाकन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबह्थ
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  सिखित में किए वा सकेंगे।

स्वक्रिक्ड कर्न इसमें प्रयुक्त कव्यों और पूर्वे का, को उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया करा है।

#### बन्स्ची

शाप नं 4 जो पराक्षरंपूरीया ग्रपार्टमेंट प्लोट नं 80-81 टी पी पि पक 6 मीनन सीनेमा के पाक धव-वे क्षेत नं 1, सान्ताकृष (प०) बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० ग्रई 2/37 ईई/20420/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनकि 17-5-1985 को रजीस्टडं किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी श्रहायण यायकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्वन रेंब-2, वस्बई

तारीक: 9-1-1986

## रका मार्च से पर पर

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-द (1) वे वधीन सूचवा

### बारक करकार

कार्यालयः सहायक बायकर आय्क्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज ३, बम्बई

बम्बई हिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं॰ ग्रई 2/37 ईई/20421/84-85--- मत: मुझे, अशोत राम,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंशि जिसकी संव पलैट नंव 208, 297 का हिस्सा परस-रंपूरीया अपार्टमेंट सान्ताकूज (पव) बम्बई 54 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है दिनांक 15-7-1985

को प्टॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान वित्रक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्टोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए तय पादा गया प्रतिक्र का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में वास्तिक कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में वास्तिक कम ने कथित नहीं किया यथा है

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके अधने के बुविधा के निया और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी थय वा अच्छ आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, ख्याने में स्विधा खें खिए;

बत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण बॅ, मॅं, इक्त बिधिनियम की धारा 269-- की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ड—

- (1) परक्षरंपूरीया इस्टेट डेवलोपर्स प्राईवेट लिभिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्यामजी मेघजी रायोड। (श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृश्वित सम्मिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं!

## वन्त सम्पारत के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मचत्री की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृदारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिम के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में दिसा बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवास में किए का सकरें।

भक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में ारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

## अनुसूची ं

पलेट नं० 208 और 207 का हिस्सा जो परस-रंपूरीया अपार्टमेंट टीपीएस नं० 6 मिलन सीनेमा के पास सब-वें लेन नं० 1 सान्ताकूज (प०) बंबई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋन्तर्भि अई-2/37-ईई/20421/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 17-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी स्राप्तक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप बार्ड ु टी., एन., एस. -==-व्याप

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन स्मृत

#### प्रारत सरकाड

## कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षक) प्रजन रेंज-2, बस्बई

बम्बई दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/20486/84-85--- अतः मुसे, प्रशांत राथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शॉप नं० 22 रीजवी नगर सान्ताकूज (प०) बंबई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 18-5-1985

को प्वें कित सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखिड में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- को शिक्षी काम या किसी पन मा कन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कृषिनियम, 1957 का 27) क इयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

दत: आप, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री धनजी क्वरजी छेडडा।

(मन्तरक)

(2) श्री निर्भय रामनरेश सींग ।

(अन्तरिती)

(3) धन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिनके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिष् कार्यवाहियां करता हुं ।

## दक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालेर हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकास व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहल्लाक्षदी के पास सिवित में किए या सकी।

स्पष्टिशकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्रस्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, श्री उस क्रांक्स में दिया गया है।

## धनु सूची

शॉप नं० 22 जो तल मंजील रीजरी नगर स्वामी विवेकानन्द रोड, सान्ताकूज (प०) बंबई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/2048.6/84-85 और जो समम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-5-1985 को रजीस्टडं किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीम : 9-1-1986

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्वई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/20645/84-85— अंत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० व्याक नं० 10 श्रीर १ए, काथी यावार को० हार्जिय सोताईटी, बम्बई में स्थि। है (श्रीर इतसे उपाबढ़ अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जितका करारतामा आयक्र अधितियम की धारा 269 कख के अतीन, संज्ञस प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिष्स्ट्री है कारीख 23-5-1985

की प्रविकत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के क्ष्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के क्लाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से उचन अन्तरण किलिए तम

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, खक्त बिधिनयम के बंधीन कर देने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्सरण बै, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (६) कै अधीन: निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

34-466 GI/85

(1) श्री वी० जी० उटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित जी० सी० मसानी श्रीर श्रीमती यार० वी० मसानी।

(अन्तरिती)

(3) अनः रिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिथ कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई बाक्षेय :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अगिन या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरो।

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, **ओ उच्छा** बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अनुसुची

ब्लाक नं० 10 ग्रौर 9 ए, जो 2री मंजिल, काथीयावार को०आप० हाउँ जा सो आइटी, प्लाट नं० 12, नवां रास्ता, बम्बई-49 में स्थिश है।

अनुसुची जैता ि ऋ० सं० अई-2/37ईई/20645/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वाप दिलाँक 23-5-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

प्रजशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, वस्बई

तारीख: 9-1 1983

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस. +=-----

बायकर विचित्रकर, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन क्षमा

भारत सरकार

## कार्यक्रम, सङ्गयक डावमर वाय्वत (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/20646/84-85:— अतः, मुझे, प्रशांत राय,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20, अमन निवास को०आप० हार्ज नग सोसाइटी, बम्बई-54 में स्थित है (भ्रीट इउसे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से बिणन है), भ्रीर जिसका करारनामाआयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 23-5-1985

कर्र पर्शेक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मफ्ते यह विश्वास का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिस्ति से बीचक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के तिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टिक का से कीचल नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त बीधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सहीयत्व यें कमी करचें या उससे वचने यें तृतिका के विष्टु; बीत्र/या
- (क) इसी किसी बाप या किसी धन या नत्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधितियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त निधितियम, या ्त्रकड स्थितियम, 1957 (1957 का 27) डि प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा यदा भा या किया जाना चाहिए था, कियाने वें दिश्या के सिद:

कतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-व के अनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को सभीन निम्नीनिविद्य व्यक्तियां कर्तत् हु— (1) ५टेल ज्याभाई छीटाभाई।

(अन्तरक)

(2) इसमुख आल दामजी गाला।

(अम्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उनक निधिनियम, के निध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस बध्याय में दिया नुवा हैं।

## अनुसूची

पलेट नं० 20, जो, असन निवास को०-आप० हाउसिंग सोसा-पटी, 19 बेसन्त स्ट्रीट, सालाकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/20646/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां 23-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/19947/84-85— अत: मुझे, प्रशांत राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिल्ला सं० भार नं० 11ए, बिल्डिंग, नूतन नगर, प्रिमायसेस वस्त्रई-50 में स्थित है (ब्रीट इस ने जतवाद अनुसूची में भौर पूण काले विजन है), ब्रोट जिल्ला करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कल के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है। तारीख 2-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री श्यामताल के० छाबरिया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधा हरेश जगतोंयानी ग्रोर श्रीमती नीमा श्रीचन्द परदासानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवदृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

शाप नं 0 11, जो तन मंजिल, ए बिलींडग, नूतन नगर, प्रिमायसेस, कौ०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०,टरनर रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/19947/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रसांत राय सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

प्रकृष बार : ही. एन. एवं .----

नाय कर विधित्तियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के लधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक शामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजीत रेंग-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ' 9 ा वरी, 1986

निदेश सं० ाई-2/3; ईई/ 19932/84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय

अप्रयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इक्क पश्चात् 'उनत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 62 जातुजा कुटी जान्द्रा (५), बन्बई-50 में स्थित है (ग्रोर इज १३ १५छ जनुमूची में ग्रार पूर्णका ते वर्णित है), ग्रीर जिस जा करार तमा जान जर जार्थात्रन 1951 को घारा 269 का, ख के अवीत, धम्बई रिजा जनम जाध जारी के जार्थालय में रिजिस्ट्री है। तारोख 2-5-198

की प्रांक्त सम्पत्ति के जीवत वाजार मृत्य सं कम क दश्यमान प्रिंक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वामत सपोस्त का जीवत बाजार पूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्त उद्दश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृष्क रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबता उक्त बिपिनियम के अभीन कहा दोने के अन्तरक को वाध्यस्य में अभी करने या उसने बचने में सुन्विभा के दिन्ह और/यह
- (स) श्रमी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार अतारती द्वारा प्रकाट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियान से प्रवेश के लिए;

(1) मनीहर ए० सजानी।

(अम्तरक)

(2) श्रीमती सरोज जे॰ सजनानी।

(अन्तरिती)

(3) अनारिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येष अ-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध , को भी वविष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी. के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, दही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया ही।

### ग्रनुसुची

फ्लैंट नं० 62, जो, असुधा कुटीर, 217-सी, माउण्ट भेरी रोड, ब्रांदा (प), बम्बई 50 में स्थित है। अनुसुची जैसा कि क० सं० अई 2/37ईई/19962/84 85 ग्रोर जो सुक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1986 को रिजस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम ग्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण है, भैं, उश्व अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 9बाबा 986

प्ररूप बाई .टी . एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यां वय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॅज-2 बम्बई

बम्बई, दिनां क 9 जनवरी 1986

भिवेश सं ० अई-2/37ईई/19981/84-85-- अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 402, नेक्टर 1, बांदा, बम्बई-50 में किया है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 2-5-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मिन्छल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह भित्रवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस बन्तरण के निए दय पांचा प्रतिस्चल, निम्निचित उद्देश्य से उदत बन्तरण लिखित मा अस्तिक का से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति र्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विध्य के लिए;

जतः अवं, उकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) भेसर्स कीर्ति इन्टरप्राइजेस ।

(अन्तर ह)

- (2) श्री श्रीताश नन्दी और श्रीमित रीना श्रीताश नन्दी, (अन्तरिती)
- (4) नेक्टर को०-आप० हार्जीतग सोताइटी लि०।
  (वह अपनित, जितने बारे में अधीहरताक्षरी जापता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए काञ्चाह्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से निरुक्षी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कै राष्पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तत स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यान्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास कि खित में कि थे जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अथे होगा जो उस अध्याय में दिया ग्रार है।

## **प्र**नुसूची

फ्लेट नं॰ 402, जो नेक्टर 1, मी॰टी॰एस॰ नं॰ 1437, शेरली राजन, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/19981/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रजांत राय नक्षम त्राधि इ.री महायक अध्यकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2. बस्बई

सारीख : 9-1-1986

मोह रः

## **५३म बाइं.टी. एन. एक**ु------

बायकर बिधिनियम, 1981 (1961 का 43) का धाष्ठ 269-व (1) के बचीन सूचना

#### मारत तरकार

## धार्यां बन्:, बहायक शामकर वायुक्त (निर्दाक्रण)

अर्जन रें ज-२, अम्बई

बम्बई, दिनां : 9 जावरी, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/120041/84-85-- अत: मुझे, प्रशांद राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1969 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांच जिसकी सं व आ पिए नं द 52, रीजिसी विवर्डिंग, बाह्रा (प), बस्बई-50 में स्थित है (प्रांच इरासे उपावद्ध अनुसूची में प्रांच पूर्ण कर से विकर है), प्रांच जिस्ता बनाइस मा लायब अधि एम, की धारा 269 वस्त से अधीर, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिक्तारी के कार्यालय में प्रास्त्वी है। सारीख: 6-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रश के दश्यमान प्रतिकल के तिए अन्तरित की गईं हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण हैं कि वथापृवां कर संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एखे अववान प्रतिकास का पंक्र प्रतिकास से विधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तर्भ के बिए तब नामा ग्वा प्रतिक्र फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबब, सकत अधिनियस के अधीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने वा उससे बलाने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी बन वा सम्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषना बन्दिएसी द्वारी अक्ट नहीं किस वना वा वा किया करना वाहिए वा, किसने में सविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- ग के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269- ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-- (1) मेसर्स कावेरी कारपोरेशन।

(अगरक)

(2) श्री ट्रेंबर एम॰ सलविन श्रोर श्रीमती मरलीन पी॰ सलविन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाह्य करता हूं।

## वक्त कम्पीरत् के सर्वय के कम्पन्य में कोई भी आयोप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वान की तामील से 30 दिन की वनभि, वो भी वनभि वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर द्वांक्य व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त द्वाराध
- (व) इच त्यना के रावपत्र में प्रकारन की शारीय वे 45 दिन के मोकर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवहुष् किसी बन्य व्यक्ति इनास न्थोहस्ताश्रदी के पाद निहित में किस जा बकोंगे।

स्वाधिकरणः--इतमे प्रमृत्य बन्दों सीर वर्षों साह औं स्वध् स्रीप्रियम्, में ब्याम 20-क में प्रिशाविक हाँ, यही वर्ष होगा को उस क्याम में दिया वया हो।

## वन्स्ची

आफिस नं ० 52, जो, 5वी मंजिल, रीजेन्सी बिल्डिंग, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि ऋ॰ सं॰ अई-2/37ईई/20041/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 6-5-1985 को रिजस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अजैन रॅज-2, बम्बई

**ारीख: 9-1-198**6

## मक्त बार्ष है हो हुन् हुन् क्षा

## बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के स्वीत सुवता

#### बारा राजा

कार्यातय, सहायक नायकर नायक्त (विर्याक्षण) अर्जन रेंज-2, धन्मद्

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1986

निर्देश सं ॰ अई-2/37ईई/20257/84-85-- वतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उनत निधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिल्का उचित्र वादार सूक्ष्य 1,00,000/- रा. से जिथक हैं

- हैंक) बनारण वें हुई किवी बाव की बावता, उपत अधिनियम के बचीन कर दोने के बनारक के रामित्य में कमी करने वा उसके बचने में वृतिका के सिए; शृद्ध/वा
- (व) ऐसी कियों बार वा कियों पर वा बन्य वास्तियों को, विन्हीं भारतीय वायकर वीपनिवन, 1922 (1922 का 11) वा बन्ध वीपनिवन, या पंत्रकर वीपनिवन, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ वन्तियों देवारा प्रकट नहीं किया नेवा वा वा किया सन्त पाहिस् का किया की बृद्धिया वे विक;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण को, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमिति एथेल मोतसुरते और श्री रनेत मो। नुते। (अन्तरक)
- (2) श्रीमति मालती देवराज पा हा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ग्रीर उनके परिवार के सदस्य । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्बत्ति है)।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

## वक्त सम्बक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्षा की तामीज से 30 दिन की बनीध, को भी कनीध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्थान के राजपण भी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर डेक्त स्थावर सम्भीत में हित-बद्ध किसी बन्य स्थित द्वारा, बध्ध स्ताक्षरी के राख निवित में किए या सकेंगे!

स्वतीकरणः -- इसमें प्रवृक्त कव्यों और पर्वे शे, का नमस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में विका गया है।

#### अनुसुची

पलेट नं० 461, जो, 2री मंजिन, इमारन नं० डो-49, एम० खाई० जी० कालोनी, बान्द्रा (प), बम्बई-51 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई- 2/37ईई/20257/84-85 भीर जो तक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशात राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रुपंत रेंज,-2 बम्बई

सारीख: 10-1-1986

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 गशवरी, 1986

निदेग सं० अई-2/37ईई/20269/84-85- अत:-मझे, प्रशांत राय,

कायकर द्विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य का जान जाति हैं।

भीर जिसकी सं ० पलैट सं ० 34 सोलोमन बिलेडिंग बान्द्रा - बस्बई-50 50 में रिवर है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विकर है) श्रीर जिल्हा वरारकामा अववर अधिरियम 1961 की धारा 269 कर्य के अधीत बस्बई थियत सक्षक प्राधिकारी के नार्यालय में रिजरही है। तारीख 13-5-1985

की यहें क्या संपन्ति की उचित बाजार मृश्य से कम की क्यामां हिल्ला की निए अन्तरित की गई है और मृश्वे वह विश्वास करने ता प्राचन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्ये, उसके क्यमान प्रतिफन में, एसे क्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकान से बिक्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के जैय एसे अन्तरक के लिए तथ पास ब्या प्रतिक का रिजनित्यों) के जैय एसे अन्तरक के लिए तथ पास ब्या प्रतिक का रिजनित्यों के जैया एसे अन्तरक के लिए तथ पास ब्या प्रतिक का रिजनित्यों के जैया एसे अन्तरक के लिए तथ पास ब्या प्रतिक का रिजनित्यों के जैया एसे अन्तरक प्रतिक के लिए तथ पास का प्रतिक का राज्यों की जिया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, अक्ट जिमित्रम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायिता में कभी करने या नससे बचने में मृतिधा के किए। और/सा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी घन या बन्च बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तौरती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था रा फिया जाना चाहिए बा, कियाने भें बन्तिका के निक्ष

करा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अवभारा (1) के अधीक, जिल्लिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) एस ए० को द्वटर एण्ड का।

(अस्तर्ह)

(4) श्रीमिति अश्राफ हसतअलो मचेंट श्रीर श्री हसतअली जूमा मचेंट।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(बड्ड ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिब्ध कार्यनाहिया करता हुं।

## उक्त हम्मीत के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेड्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय है 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह स्वना की तामील से 30 दिन की नविभ, को औं अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिंत- बहुभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद चिकित में किस् वा हकोंने ।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शर्गे और पदौ का जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा है।

## बन्स्ची

फ्लैट नं० 34 जो, 3री मंजिल, सोलोमन बिल्डिंग, धार्नी माला रोड, घारली राजन, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है। अनुसुची जैना कि ऋ० सं० अई-/37ईई/20239/84-85 भीर जो नजन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> प्रशांत राय, मझम प्राधिकारी पङ्ग्यक अग्यकर अग्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

कारीख 9-1-1986 मोहर

## प्रकृष **बाइं. टी**. एन्. एसं.-----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्ववा

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ट

बम्बई, दिनार 10 जनवरी, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/20278/84-85-- अन्: मुझे, प्रशांतराय,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की थाछ 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा से अधिक है

स्थार जिसकी सं० फ्लैंट गं० 403, नेक्टर 1, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (प्रोर इसने उसबद्ध अनुसूचि में और पूण्का से बिणत है), स्थार जिन से जान्यामा अस्य पर अधिनियम, 1961 की धारा 269 पख के जीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिम्ट्री है। नारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया द्वी स्था किया गया है स्था से किया से किया गया है स्था से किया से किया गया है स्था से किया गया से किया गया है से किया गया है से किया गया से किया गया है से किया गया है से किया गया से किया से किया गया से किया से किया गया से किया से किया गया से किया से किया से किया गया से किया से किय

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बात की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/अ
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की न्या।

बत: अब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग की बनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

35-466 GI/85

(1) नेसर्स की (1) इन्टन्प्राइजेज ।

(अन्तरक)

- (2) श्री मुकेण गुप्ता श्रौर श्रीमित नूतन गुप्ता । (अनः रिती)
- (3) नेक्टर को० आप० हाउसिंग सोमाइटी लि०। (वह ब्यक्ति जिसके बारे में अद्यो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचला जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा?
- (व) इस स्वना के हाज्यम्त्र में प्रकारन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याक में दिया गया है।

#### नग्सपी

फ्लेट नं० 403 जो नेक्टर । सी० टी० एम० नं० 1437 शरली राज्य तान्डा 50 वस्त्रई में स्थित है।

अनुसूचि जैरा ि क० स० अई-2/37ईई/20278/84-85 म्रोर जो सक्षम प्राधिकारी व्यई द्वारा दिना र 13 5 1985 को रिजस्टर्ड स्थि। गया है।

प्रशां राय सक्षम प्राधिनारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बम्बई

तारीख: 10-1-1986

and the transfer of the transfer of the state of the stat प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेंग-2, बम्बई

बम्बई, दिभाग 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० 덕숙-2/37달년/20283/94 85--मुझे, प्रशांत राय,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ण्डचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 1.,00 000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिन्नो सं अपने इन कि जैन चेम्बर्स प्रामाय ।स, बान्द्रा, वस्टई 50 में स्थित है (प्रोग इ ाजाध्व नुसूची में फ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), क्रोर िमा का का क्रमा क्रायक अधियम की धारा 269 ंच के अधीर, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी क । यालिय मे रिक्स्ट्रो है, नारीख 13-5-985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय अधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृदारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी। निर्मालिखत व्यक्तियो, अर्थात :--

(1) ভা০৭০ি ছ০ হল্ছা।

(अन्तप्क)

(2) ভাত চাৰত চূৰত বাসালে স্থাগে अन्य।

(अर ित्रा)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभौग मे सम्बत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्ज़न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

फ्लैंट न० 5, जो पहली मंजिल, जैस वेम्बर्स प्रिमायशंस को० 🏗 हाउपिंग मोगाइटी लि०, ५७% एम० बी० रोड बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसूची जैपा वि ऋ० सं अई-2/38ईई/२० १२/स -15 श्रीर जो ।क्षम प्राधि गरी वस्बई द्वारा दिवा : - :- १८२ वं : रिया गया है।

> प्रशांत र प सक्षम प्राधि निरी महायक आयमर आयका (निनीक्षण) अर्जन रेज-?, बम्बई

ध्**ग**रीख : 9-1- 9. ्र

प्ररूप बाइ'. टां. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा /69-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

श्चार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2 वम्बई

वम्बई, दिना क 9 जगवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/20456/84-85--- अतः मुझे, प्रशात राय,

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु में अधिक है

म्रोर जिनकी स० फ्लैंट नं० 9, सुरबाला विलंडिंग वान्द्रा (प) वस्वई-50 में स्थित है (ग्रौर इसने उभावद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप व विगित है) ग्रार्भिन मा प्रशास्त्रमा अत्य प्रर अधिनियम 1951 की धारा 269 खाके अधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिन गरी व प्रार्थित में रिजिन्ट्री है, तारीख 17-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एक यह विश्वास करने का कारण है

क यथा पुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्धयमान श्रीत कर में, एोसे द्ध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमति ईश्वरी एम० गोकलानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लक्ष्मी एम० लाखानी ग्रौर श्री जयकिशन एम० लखानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख ध 45 दिन की अविध या सरसंबधी व्यक्तियाँ पर स्वन। की तामील से 30 श्रेटन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया ग्या गक्षा है।

#### अनुस्ची

फ्लैंट नं० 9 जो सुरबाला बिल्डिंग, 287 एस० बी० रोड, बान्द्रा (प) बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/20456/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलाँक 17-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रतात राय सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आ**युक्त (**निरीक्षण) अ**र्जेन रेंज-**2, **बम्बई**

त, रीख: 9-1-1987

## प्ररूप आईं.डी.एन.एर. ----

4।वकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनां ७ जलबरी, 1986

निदेश सं० अई 2/37ईई/20569/8485-- अतः मुझे, प्रशान राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्थ

1,00 000/-रुः से अधिक है

ग्राँर जिन्नी मं० फ्लैंट न० ए 16, यूनिवर्मल को० आप० हाउमिग सोमाइटी, लि०, वम्बई 50 में िथन है (आर इसने उनाबद्ध अनुसुची में ग्रोर पूर्गमा में विश्वत है), ग्रोर जिन्ना का उन्ना आग्र पर अधिनियम, 1961 की धीरा 269 क्खके अधीन, वम्बई स्थित ज्ञान प्राधि कारी के ठार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 23-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पद्गृष्ठ प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित गृहीं किया गया है :---

- (क) असरण से हुई किसी आय की शबत, उच्छ अधिनियम के अधीम कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में मृतिधा के निर्, शीर/वा
- (स) एंसी किसी बाय वा किसी थम या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के सिक;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री अनवर इब्राहोम रूपन्ती।

(अन्तरक)

(म) श्रीमति मिलड्रेड पोनीथ।

(अन्तरिती

को बहु सूचना बारी स्राह्म पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हु

उन्त गर्मात के अनि क पम्बाध म कार्ड भी आक्षप ---

- (क) इस सूच्या के राज्यक माँ प्रकाशन की तारीस सं
  45 हिन का अविश्व या तत्सवधी व्यक्तियां पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
  अविश्व बाद माँ समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों मों से कियी क्यों कर देशरा,
- (बा) इस स्वान के राजपत्र के प्रकालन की तान के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित के किस् च सकों के।

स्पष्टिकिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुस्**ची

फ्लैट न० १-10, जो उन मंजित यूनिवर्मल को०आप० हाउनिंग सोमाइटी लि० सेन्ट जोन बेप्टीस्ट रोड बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसुची जैसा ि करु सं० अई-2/37ईई/20569/84-85 ग्रींट जो सक्षत प्राविकारी, धम्बई द्वार्श क्या 2.3-5-85 को रिजम्बई किया गया है ।

प्रमांत राय ादाम प्राधिकारी राहायक आयकर जायुव: (तिरीक्षण) वर्जात रेज:2**, बम्बई** 

तारीख ' 9-1-1986

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 9 जनवरी, 1986

सं० अई-2/37ईई/20619/84-85:--अत मझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 130 i, पाकिंग स्पेस नं 15, बृन्दावन, बम्बई—50 में स्थित है ग्रीर इस्ते उपावढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर में वर्णिन है ), यो कि का परारचामा आयकर अधिनियम की धारा 269 , य के अधीर सक्षम प्राधिकारी, ते पार्यालय, वम्बई में रिक्रिट्री है. जिख

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिश्वन से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक हुए से क्षिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, कै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन., निम्नोलखित व्यक्तिसयों, अर्थात :---- 1. श्री सोहन लाल अरोरा

(अन्तरक)

 श्रीमती रेखा पुरस्वानी ग्रीर श्री मूली पुरस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तार्माल स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयूक्त इब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1301, जो तेरहवी मंजिल श्रौर पार्किंग स्पेस नं० 15 जो वृन्दावभ को० अत्पं० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, 32 माउण्ट मेरी रोड वान्द्रा बम्बर्ड-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैमा ि क सं० अई-2/37ईई/20619/84-85 श्राँर जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक <math>24-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रणात राय, मक्षम प्राधि जारी महायक आयक्षर जायुक्ध (किरीक्षण) अर्जीय रोज-2, वस्बई

तारीख: 9-1-1986

मुक्त बाहुं .. टी .. प्र वस . ----

बार्क द अधिनियम, 1961 (196, का 43) की धारा 269-छ (1) की अधीन सुचना ा श्रो सुक्तां कुमार जना ।

(এলংক)

2 श्री एम० एच० पुस्तानो

(अन्तरिती)

#### शाहत हर साह

कार्यात्रय, महायक आयकर आयुक्त (। नरीक्षणः)

स्था इंस्ट सम्ह

बम्बई, हिन्त 10 विवास 98

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'जिसे न्याम' इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्यकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. स अधिक है

अस् जिन्ही सब्बा प्रति । 500, हुन्द वं, बन्द्रा वस्बई—50 में श्थित है (अस् इर्ष उन्तवह निसूची में अस् पूर्ण रूप स्वर्णित है) अस् जिल्ला । जारामा लयसर अधिनियम को वा । 209 स्वर्ण विशेष जिल्ला विश्वर के तार्याच्या वस्त्र में उद्योग वस्त्र वस्त्र में उद्योग वस्त्र के तार्याच्या वस्त्र में उद्योग वस्त्र के तार्याच्या वस्त्र में उद्योग वस्त्र के तार्याच्या वस्त्र में उद्योग वस्त्र है, विश्व = 5-5-1955

को पूर्वोक्त सम्पन्ति क उर्वन बाउत् मू य र कल है द्यामान प्रतिफल व लिए अन्तिक्त की गई है और मूक्त पह विश्वाम करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिबक एप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त बीधनियम के अधीर कर देने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उसके दचने में शुक्रिका के सिए; बीर/बा
- (अ) एसी किसी आय राजिमी वन या जन गास्त्य, की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त आधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिम के सिक्ष;

बतः बब, उन्स बिधिनयम को धारा 269-ग क अनुसरक बे, में, धनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थातु:--- की यह सूचना जारा करके पूर्वाक्त सम्प्रांत से वर्जन के लिए। फार्यचाहिया करता हुं:

उत्त स्थाति के सहन के सम्बन्ध के कार्ड भी वाओं -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 निन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिए पर मूचना दी तामील से 30 दिन को अविधि , तो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविधा
- (क) इस हमना क या : तमान की नारांक ... 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह-नाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिन भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याब में दिया गया है।

## अनुमुची

पत्रैट त० (303, तो, तिन्त्रवे मंजित, पृन्दावन को० अति ह। उसिग सातायटी लिमिटेड, 0.2, स उन्ट मेरी राड, बान्द्रा, सम्बई-400050 से (स्थत है।

नतुसूची जैसा ि क सा नई - 3/37ईई/20020/81-85 ग्रार जो नक्षम प्रावित्तरी तस्त्रई हो। दिला 23-5-1985 को र्जन्टर्ड निया गया है।

> त्रतः ।प नगम राजानो राहाज १ नायतः आयुक्त (निराक्षण) -अर्जन रेज-2, बम्बई

भारीम्ब -- 1-198**6** मोहरः वरूप बाइ .टी.एन. एव .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) को अभीन सुखनः

#### भारत सस्यार

## ग्डाबॉलय, सहायक जायकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-2, वस्वई

बम्बई, दिनां र १ जनवरी 1986

नि**र्देश सं ०** अ**ई** -2/37**ईई**/20622/84-85:---अत: मुझे, प्रशां : राय,

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा २69-व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

श्री निक्षिति संज्ञा पाट तं 2 4 2. इमारां नं डी-1/49, एम आई० जी० फलोती, बम्बई-51 में स्थित है (श्रीण क् इसी, असबढ़ समुद्धी में श्रीत पूर्ण क्य से बिणा है), और निक्रा बद्धारामा अस्व कर अधिनियम की धाल 269 क, खु के स्थीत, असम प्राधिकारी, के नार्यालय, बस्बई ने रजिस्द्री है, तारीख 24-5-1985,

को प्वीवत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रभाप्तीक्त सपीच का उचित बाबार मृत्य उसके दश्यमान प्रिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत, निम्निलिसत उद्देश्य से उसत अन्तरण निस्ति में बास्तिविक स्थ से दिश्य नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, डक्ट अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भी, भी, उदल की पिक्टर कि लग 269-त की जगभाग (1) की प्रकृति निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :— ा भी धरम बोर सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री अवीत टी० विजाने

(अन्तरिती)

का यह स्वना चारी करलो पृत्रोंक्त संघत्ति के अर्थम के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रुक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तारसंबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मा;
- (ब) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थाक किरणः — इसमें प्रश्नुक्त शब्दों और पदौं का, श्रों उपस विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अप स सी

पलैट गं० 462, जो, इमाएत गं० डी-1/49, एम० आई० जी० पाचीती, बान्द्रा  $( \mathbf{q} )$  बस्वई-400051 में स्थित है।

अनुसूची जैला जि क०सं० अई-2/37ईई/20622/84-85 खोर जो जलम प्राधि गरी, बस्बई द्वारा दिनां र 24-5-1985 को एजिस्टई केंद्रा गता है।

त्रगः। राय सन्नम प्राधिकारी सहायत आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अती रोंज-2, वम्ब ई

नारीख: 9-1-1986

मोहाः :

इक्ष्ण् आहें. टी. एन्. एत. - - - ---

## भागकर जीभृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के स्थीन सूचना

#### भारत हरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जनवरी, 1986

सं० आई-2/37ईई/20733/84-85:—-अत मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उस्त सिंधानयम' कहा गया हैं), को अध्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर शिसकी संख्या पर्नेट, झेबा अतर्टमेंट, बान्द्रा, बम्णई-50 में स्थित है (ग्रौर इत्ते उताबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णि: है), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रो है, तारीख 27-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार शृंस्य से कम के करमान शानकम् के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृत्रे यह विस्वास करने का कारण है कि बधायूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफान से, एसे दरयमान प्रतिफान के बंदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए दय पाना गया प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण विविद्ध में पास्विक कम से कांचल नहीं किया नहां है ह—

- (क) बुन्त<u>दल संहूर्य किसी शाय की बावत, शक्त</u> राज्य नगम के लभीन कर दोने के बन्तरक के भी अर्थों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (१957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तिरितो द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

धतः जब उक्त निभिन्यित की भाग 269-ग के जन्सरक जं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं उसी जेब । एक्ट पाइजेस ।

(अन्तर ह)

2. एम । एड इन्टरनश्याल हेर एण्ड व्यूवरी कर तम स्कूल जाफ व्यूवटी कल्चर एण्ड हेरड्रेसिंग . (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कारता हो।

उक्त बर्म्यात्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोंप :---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिधि, जो भी जनिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाच;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंश किसी कन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

पलैट जो तीसरी मंजित, झेबना अक्षर्टमेंट न्यू टाकीज के सामने, बांद्रा, बस्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैजा ि क संश्व अई-2/38ईई; 20733/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बईद्वारा दिलांग 27-5-1985 को राजिस्टई जिया गया है।

> प्रमात पाय, सजन प्राधि हारी, सहायक आयकप आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजें-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

## 'प्रकथ बाह<sup>4</sup>. टी एन. एत.----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूखना

#### भारत बहकार

## कार्यांक्य, प्रहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 9 जनवरी, 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/20735/84⊸85:--- ग्रतः मुझे प्रशीत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ये इसमें इसके पश्चात् 'उकत बिधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 637 इमारत नं० डी-1-66, एम० आय० जी० कालोनी, बम्बई-31 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 27-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्द, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बादरिक का से कीयत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त,, उक्त जीधीनयम के अधीन कर देन के अन्तरक के सीक्त में कमी करने वा उससे बचने में सुविवा के सिष्; और/का
- (स) एं ती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क जनूसरण में, ं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्निकिया व्यक्तियों, नर्थात् :--- 36-466 GI/85

1 श्री जी० एउ० श्रहना।

(अन्तरक)

2. श्री एत० एच० इनामदार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजित्त्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पष्टिकिरण — इगमे प्रशुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

## अनुसूची

फ्लैंट न० 657, जो दूसरी मंजिल, इसारत नं० डी- 1-66, एम० ग्राय० जी० मालोनो, बान्द्रा (पु), वम्बई-400051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क स० श्रई-2/37-ईई/20735/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 27-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रणॉन राय, गक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

तारीख ' 9-1-1986 मोहर: THE STATE OF SHE SHEET SHOWS

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 क (चे वे प्रचीत मंजक)

#### STATE STREET

खाळांच्या सञ्चासक रूपण्डल वालावन क्षेत्रर ५००५

म्रजीत रेंच-२, तम्बई बम्बई, तिताँक १ रावकी, 1986 **निर्देश** सं० मई- 2/37ईई/20753/84-85:—म्ब्रतः मुझे, त राय.

बाह्यकार परिवारणाय (१८८१) १८८० २५ १) है तिस्ते र प्रमें इस्हाले सहस्राहर पित्रण क्वी-लीपण १८८ रक्त हैं। एवं श्राप्त स्थाप । १८७ स से बाबीन सक्षम परिवारणार्थ की त्राम विश्वपात प्रमान का सामक हो कि स्थापन त्रीक्षण (प्राप्त प्रतिवारण होत्र

1.00.000/- ਲਾ 🕟 ਨੀਆਂ ਵੀ

श्रीर जिसकी संख्या पर्नेट गं० 639. गाइट विश इसारत गं० डी-आग 36, पपाई-51 में पिश्च है (और इससे उपाबद प्रतृत्की में गंग पूर्ण लग से बीग्य है), श्रीर जिस्हा करारनामा आयका जिबितियम की धारा 269 ग. ख के श्रधीन सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय, तस्तई में रुक्टिट्री है तारीख 27-5-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर गण दोने के अधारक के दायित्व में बसी करने था उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एति किस क्या या गाति भग रा उनए आस्टिका रिकृति में उन्हें के प्रतिक कितालक स्वास्त्र श्रिकृति में उन्हें प्रतिक कितालक स्वास्त्र अस्य कितिकान नव्हत (1957 स्वास्त्र 27) के ध्वासनार्थ के स्वासी क्यान स्वास्त्र के स्वास्त्र को ना निर्मात स्वासी स्वासी के स्वास्त्र के स्वासी के स्वसी के स्वासी के स्व

कत. १४. अकत का बिलयम की भार १०५० व व्यक्त की मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती हरभजन कौर धौर श्री मोहिन्दर सिंह

(अन्तरक)

2. श्री महेश प्रकाश कबा

(श्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्र<mark>िधभोग</mark> में सम्पत्ति है)।

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त संपर्शित वर्जन के जिल्ह कार्यक्तियाँ करता हो।

इक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वें 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीन से 30 दिन की जबीध, खें की जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर जिस्ती करिनत द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर सकत स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक विवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिस है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिवा गथा है।

## ग्रनुसूची

पर्लैंड नं० 639, जो, तीसरी मंजिल, राइट विंग बिल्डिंग नं० डी श्राय - 66, एम० ग्राय० जी० कालोनी, गाँधीनगर, बान्द्रा, (पु), बम्बई-400051 में स्थित है।

अनु सूची जैशा कि क० सं० भ्रई- 2/37-ईई/20753/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 27-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, . सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

प्रक्ष्य बाहें. टी. एन. एस. ----

बाय्कर बाधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यां स्य, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण)

म्रजॅन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनाँक 5 जनवरी, 1985 रिरेंग रं० प्रई-2/37-ईई/20815/84-85:--म्रतः मुझ,

प्रणाँत राय, बायकर जोधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 4, सी० विंग, कान्ती अपार्ट-मेंट, बम्ई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), गौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 30-5-1985

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से क्षम के क्ष्यमान शिक स के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लान करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित कारण बूँस्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से बोधक है और बन्तरक (बन्तरका) कार बसरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण किस्कित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/धा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तान को, बिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार नार्थ कर्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सूतिया के निए;

बतः बंब, उक्त बर्धिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधार () के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तिस्तुल अर्थात ह— 1. श्री कें र सार भावनानी

(ग्रन्तरक)

2. उदोस्न मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>ग्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है)।

का यह स्थला लारा करक पुष्तिक अपनेत के अर्थन के निष् कार्यवाहिए। करता हा ।

वनत सम्पत्ति के क्रवंत के सर्वत में कर्नाई भी बाक्षेप :--

- (क) इस भूचना के शक्यत ना ताश्चन की टारीस से 45 दिन की टारीय या तत्थायता की स्वित्यों पर स्चान की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यीक्टरों में ते प्रदर्म करिक एवाए;
- (ब) इस सूचना के राजपत्रं में प्रकाशन की तारीब से 45 पत्र में तार प्राप्त का प्रकाशन की तारीब से किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण:—इसमें प्रमृतः प्रका भीर को का, वा उक्त विधिनियम को अध्याय 20-रू मी परिभावित है वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नया में

#### जन्सची

पलैट नं० 4, जो, नबवीं मंजिल, सी विंग, कान्ती श्रपार्ट-मेंट, माउण्ट मेरी रीड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैता कि क० सं०ग्नई-2/37-ईई/20815/84-85 श्रीर जो जन्न प्राधिकारो, बम्बी द्वारा दिनाँक 30-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणाँत राय, तक्षम प्राधि हारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

प्रक्ष आर्द . टी . एन . एस . -----

## सायक्त सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) खें अधीन सूचना

#### भारत संस्थार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज 2. बम्बई

बम्बई, दिनाँ । 9 नंतवरः, 1986 सं 2 म्रीं- 2/37िं19939/84- 85--म्रतः मुझे, प्रणांत

राय, बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

स्रौर जिलकी संख्या फ्लैंट नक 8 ख्खताना अपार्टमेट, खार, बम्बई-62 में स्थित है (अप उसे प्रावद अनसूच में स्रौर पूर्ण क्या संवर्णित ह), प्रोप क्या कार्यकार आधिनियम की धारा 269 व, स्वात कार्यकार प्रधान नदाम प्राधिवारों के कार्यालय, बम्बई में रिक्ट्रिंहे वार्राख 2-7-1986

श्रों पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई ही और मुफे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्व क्ष सम्पति या उत्ति काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, एस दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरिश लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण म हुइँ अस्ती आय की बाबत, उक्का अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के शायित्व में कमी प्रति या उस्त बचन में सावधा के लिए; अरि/या
- (क) ऐसी किसी अप्रय या किसी धन या अन्य अम्सियों को, जिन्हों भारतीय आधकर अभिनियम, 1922 (1924 का 117 या उन्त आधिनयम, या अनकर न भनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति इति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सुविधा से सिए;

कतः, बक, उक्त आधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातु :--- 1. श्री धीरेन्द्र हण्डा।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स मलिक ट्रासपोर्ट कोली।

(भन्तरिती)

3. श्री जोगेन्द्र मोहन कटयाल

(वह व्यक्ति, जिसके **घष्टिमोगो** में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

नक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बंधि, बो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णक निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिजाबित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याव में विका गया है।

फ्लैंट न० 8 जो, पहली मंजिल, रूखसाना ग्रपाटंमेंट को प्राप० हाउभिग सोभायटी लिमिटेड, यूनियन पार्क, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूंची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/19939/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज- 2, बस्बई** 

तारीख 9-1-1986 बोडर ≋ प्रकृष वार्षं . टी . एन . एस-----

बायकर मधिनयम, 1961 (1961 का 43) की षाय 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजनरेंज 2 बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी, 1985 निर्देश सं ॰ अई-2/37ईई/20330/84-85:--अतः मुझे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे **१वने पश्चात् 'उन्त विधानियम' नहा गया है), की धररा** 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का **कारण है कि स्थाव**र सम्पत्ति, जिसका उचित बादार सम्ब 1,00,000/- रा. से बिधक है

भीर जितकी संख्या फ्लैट नं० 19, धनलक्ष्मी की-आप-हाउसिंग सो गयटी, लिमिटेड, बम्बई-16 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयकर अधितियम की धारा 269 क, ख के अजोत, सक्षप गाविकारी क कार्यात्य, बनवई में रिकारहो है तारीख 14-5-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाषार मृत्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल **स्व्य**भान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से गरि जंतरक (अंतरकों) गौर अंतरिती (अंतरितियाँ) के **बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नखिखित** वब्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में वास्तविक रूप से क्वीधह नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के. कारियत्व में कमी करने या उससे बचने में अविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी बाम या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1947 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

क्का: क्या, उपत वीधीनवम की धारा 269-न के जनसरण **बें, बें, उपत विधिनियम की धारा 269-थ की उपकारा (1)** वे वर्षाणः निम्नशिवित व्यक्तिका वर्षातः :---

1. श्री चूनी लाल बनवीर

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकांत बनवीर।

(अन्तरितीः)

को यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वया के राज्ञपन में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर बुचना की तामील से 30 दिन की बर्चीभ, वो भी व्यविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्कत में हित-बदुध किसी बन्य व्यक्ति युवारा बधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकें ने।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त वन्दों और पदों का, वो उक्क अधिनियम के बध्याय 20-क में परिश्राचित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### वनुष्यी

फ्लैट नं । 19, जो, घनलक्ष्मी कौ- आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गोगल लेन, मांट्रमा, बम्बई-400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/20330/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशति राय सकाम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 वम्बई

तारीख: 9-1-1985

## वृक्ष बार्ं े टी , एवं , एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### नारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई बम्बई, दिनार 9 जनवरी 1986 निदेंश सं० अई-2/37ईई/20669/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय,

बत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिनती संज्ञा या पानं०, 4, वूडनेन्ड अपार्टमेंट, पाना, बन्बई में थित है (औरइससे उन बद्ध अनुसूचि में पूर्ण छप से विणित है), जिनका करारास धारता है दिसम, 1931 की धारा 269 कवा के धिरी, बस्बई रियत सहस

ति । ते ते के कार्यों ते में एजि है है है है है को ब को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पादा गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित् में वास्त्रिक कम से किथा नहीं किया बया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वे दायित्व में कभी करने दा उन्नसे बचने में सुभिधा के सिए; बौर/बा
- (श) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का जिन्हों भारतीय आय-कर अपधीन में 1022 (102 के 11 विकास 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- । श्री प्रेम एप० लालवानी

(अन्तरक)

2. श्री सत्यमाभा ग्रीर अन्य।

(अन्दरिती)

की यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए

सकत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कहिं भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इन स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिने बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क गस लिखित में किए जा सकेंबे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क मा परिभाषित हां नहीं अर्थ के जा उम अध्याय मा दिसा एक्षा है ।

#### **यनुसूची**

दार नं० 4, जो, भन मंजिन, नूड लेंड अपार्टमेंट, सोना-वल्ड पनारी लेंग, टी० पी० एस० 3, माहीम, बम्बई-4000र में स्थित है।

ानुसूती जैजा कि क०सं० अई-2/37ईई/20669/84-85 ग्रांट जो जलम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-5-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

The second section of the section

THE RIE" 21. CT (18. ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### मार्ड सहस्राह

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांज 2 जनवरी, 1986

निर्देश सं ० अई-2/37ईई/1988 (/84-85--- अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं।, की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्त्रारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं /

भौर जिसकी संख्या पलैट नं 0 301, राजेन्द्र को-आए हार्टी म सोसायटी अन्बेरी (पु), बम्बई-99 में विश्वत है (र्घार हरासे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पुणै कर ने विणा है ), श्री जिस्सा करारतामा आयकर अधितियम की धाम 209 ने, ख के अधीन, सक्षम प्राधितारी के कार्यालय, बम्बई में रिवर्ट्री है, तारीख 2-5-1985

- श्री अन्तरण संहुई किन्ने बाब की बाबत उपल अधिनिवस को अभीन कर दोने के बन्तरण में वासित्य में कमी करने या उससे उचने में सदिभा ले निष: वरि/वा
- ाका एसी किसी काक या किसी धन वा अन्य कास्तिकों जिन्न भागनीय काम-न्य क्षीविसमा 1022 (1022 का 11) या जन्म क्षीविसमा 1022 अप प्रकार कियिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का बा सा का का का का किया की सिए;

चतः वव, उक्त अधिनियम की भारा 260-म है अन्यान भी में में, अक्तर अधिनियम की भारा 260-म की स्थानका (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बुधाँत :---

1. मैं उर्स घोनेक्स बिल्डर्स एण्ड को दूक्टर्स।

" (अम्तरक)

 श्री जीतेन्द्र एम० पारीख ग्राँर श्रीमती जसवन्ती जे० पारीख ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी कारके पृवाकित स्वयत्ति के अर्थन के विष

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में होड़ें भी बाहारे "-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर एक्ना की तामील ने 30 दिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाक्त योक्तरों में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (क) इस मृजन के राजपत्र मां प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पन्ति मां हित्ब स्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक सिक्ति मां किए जा सकींगे।

न्यस्टीकरण - इत्यमं प्रयन्त कन्दां जर पदां का, का उक्क अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ हाना. जो उस अस्माग में दिया शका

## अनुमूची

पलैट नं० 301, जो, तिसरी मंजिल, राजेन्द्र को-आप-हार्जींग सोनायटी, च तला, अन्बेरी (पु), बम्बई-400099 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० सं० अई-2/37ईई/19886/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय जक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर शायुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख 2-1-1986

भक्य बार्ड .टी. एव .एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भरा ?69-च (1) के बधीन सुचना

#### माउट सुरका

नार्याक्यः, बहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 2 जनवरी, 1986 सं० अई-2/3/ईई/19887/84-85--अतः मुझे, प्रशात राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्यमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिनकी संख्या फ्लैंट नं० 201, राजेन्द्र को० आप० हाउर्जिंग सोनायटी, अंबेरी (पु), बम्बई-99 में स्थित है और इन्ने उनाबद्ध अनुसूची में ओर पुर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनयम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिनारी, के नार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-5-1986।

को प्वा क्त संपत्ति 'अषित वावार मृन्य से कम के व्ययमान व्रतिफल है लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार बृन्ध, उसके व्ययमान प्रतिफल औ, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, जिम्निसिंखन उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिसिय में वास्तिक रूप से कथित नहीं विश्वा वया हैं —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बावत, उक्त विश्वनिव्या, से बसीय कर दोने के अस्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के जिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी बाय वा किसी थन या अन्य वास्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया नया था का किया बादा चरिहर था, छिपाने में कृषिका डे किया

प्रतः अव, उक्त बीवनियम की वाहा 269-म के काम्बन्धः प्रभा प्रता अधिनियम को बारा 269-म की उपधारा रि। वे अधीर, निकानिस्ति अधितयों, अर्थात् —

- मैसर्स श्रोमेक्स बिल्डर्स एण्ड कोनदृक्टर्स ।
   (अन्नरक)
- 2. श्रीमती मालीता परेरा ग्रोर श्री अलबर्ट परेरा

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त प्रस्पत्ति के ब्रुटन के ब्रिट्स कार्यवाहिया शुरू करता हु।

वक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी वास्त्रेय ---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की प्रविध या तरस्त्रवस्थी व्यक्तिकों पर स्वान की नामीस से 30 दिन की वर्गीय, यो बी वर्गीय वाद में समाप्त होती हो, के भौतर प्रविद्य व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति विव
- (क) इस स्पना के राज्यन में प्रकारन मी शारीन से 45 दिन के फीतर उक्त स्थानर सम्मारत में हितववृथ किसी बन्द व्यक्ति इवारा क्योहस्ताशकी के शक निविध में किए सा सक्तें हैं.!

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिधारिकत हैं, वहीं वर्ष होता, वो सब सध्याय में विका भवा हैं।

## धनुसूची

फ्लैट तं० 201, जो, दूमरी मंजिल, राजेन्द्र को आप हाउनिंग सोनायटी, वकारा तरूण भारत सोमायटी, अंबेरी (पु), बम्बई-400099 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कि० सं० अई-2/37ईई/19887/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशात राय क्षित प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंग रेंज-2, बम्बई

तारीख: 21-1-1986

मो हर

प्ररूप बाइ. टर्ड. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहकाड

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/19895/84-85---म्रतः

मुझे प्रशांन्त राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 12, बिल्डिंग नं० ए 1, विद्या दैनी सोसायटी ग्रंधेरी (पु), बम्पई-99 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिस में प्रारंपनामा ग्राय र ग्रिधितिनम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रंथोन सक्षम प्राधि गरी के कार्यात्रय बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 2-5-1985

भा वर्त कर रित्त के उचित बाजार मल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा इंतिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए;

कार: अव, उक्त विधिनयम की धारा 269-त के बन्तरण जें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 37—466 GI/85

(1) मैं पर्स इंडोको जन् द्रवशन को०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पीटर ग्रनट्रेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ निधित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### बनुसुची

शाप नं० 12, जो तल मंजिल, विद्यादैवी को० स्नाप० सोसायटी, बिल्डिंग ए1, चकला , स्रंधेरी (पु), बम्बई-400099 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा ि कम स० अई  $\cdot 2/37$ ई  $\frac{6}{1}$ 1989 $\frac{5}{1}$ 84-85 और जो सनम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक  $\frac{2-5-1985}{1}$ की रिल्स्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांबः : 7-1-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनां 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/19897/84-85--ग्रत मुझे, प्रशांत राय

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात 'इ॰ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
ग्रीर सिकी संव प्लेट नंव 2, शान्ती सुप्रीम कोव ग्रीपव
सोसायटो अंबेरी (यु) है तथा जो बम्बई 93 में स्थित है
(श्रीर इससे उप बहु अनुपूची में ग्रीप पूर्ण इप से विणा है)
ग्रीर ित पररशास्त्री का प्रतिस्थित 1961 की धारा
269 है, ख के दिशी सकता प्रतिस्थित रिंके सार्यालय

बम्बई में रिट्टों है, गरीख 2 5 1985

को पूर्विषः। सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत ने लिए अतिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, जगदी दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिश्वन से अधि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आा या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रोमती मोहोनीकाई रामकद्र दश्या । (अतरा)
  - (2) श्रीमती सुधा सुरेशचन्द्र चतुर्वेदी । (इस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मत्रंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर राम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यान, अन्तरमाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पद। का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैंट नं० 2, जो शान्ती सुप्रीम को० श्राप० सोधायटी चरत जिह रालोती, कुर्नारोड, चराना, श्रंधेरी (पु), बावई 400093 में स्थित है।

अगुसूची जैसा ि कम सं० प्रई 2/37ईई/19897 84-85 और जो एक्षम प्राधि रो, प्रमाई इत्यादिए । 2 5-1985 की प्रस्टिई दि गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि-गरी सहायकद्वारकर अपृक्ष्त (निर्राक्षण) स्रजी: रें।-2, बम्बईई

दिनां ३: **7-1-19**96

## प्ररूप ६ हैं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग-2, बम्बई बम्पई, दिना: 7 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई 2/37ईई/19907/84 85 — ऋतः मुझे,

प्रशांस र.य,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मणीन, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर शिका संव पलैट नंव 302, सी निग मिनल श्रम टेमेंट श्रोगी (पु), बन्बई 69 में निम्न है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रमुची में श्रीर पूर्व का से बींगा है) श्रीर िस हा बार रामा श्रम ए श्रीमित्रिय 1061 की धारा 269 है, ख के श्रवीन रक्षम प्रावित्तरी के पार्यात्रय बम्बई में रिस्टी है, तरीख 2 5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अतिरत की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिक्त से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिविक हम्म से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहिंदि किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपान में सुविधा के लिए।

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उन्क्त आधीनयम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) श्रीनिती कृपुम लियाणजी माता ग्रीर श्री परेश कल्याणजी माला ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री पुरषोतम रंगीलदास गांधी।

(भ्रन्तरिती)

(3) इन्तरक ।

(बह व्यक्ति िसके ह्राविभोग में सम्पत्ति है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी बाक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकंग।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### प्रन्युवी

फ्लैंट नं० 302, जो सो बिंग, किन्न ग्रवर्टिनेंट, ग्रोल्ड नगरदास रोड, श्रंबेरी (पु), बस्बई 400069 में स्थित है।

अनुसूचो जैया ि कम सं० अई 2/37ईई/19907/ 84 85 और जो असम प्राधितारो, बमबई द्वारा दिनांत 2-5-1985 को रिस्टिई थि। गमा है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक्त आयक्ष्य ऋायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-2, वस्बई

दिनां : 7-1-1986

श्रक्य आह. टी. एन. एस.-----

## काषकर बॉधनियम, 196। (1961 का 43) की शरा 269-म (1) के बधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) इ.जंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेंश सं० ग्रई-2/37ईई/19910/84-85--- ग्रतः मुझे प्रशांत राय,

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त विधिनयम' कहा गया है कि धारा 269-स के विधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का काहुण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 15, देव दर्शन, ग्रंधेरी (पु), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारानामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269%, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वीश्वत सम्पत्ति के उत्पित गाजार मूल्य से कम के अपमान प्रतिफल के लिए **ब**न्तरित की गङ् और विश्वास करने का कारण प्रांक्त सम्पत्ति का र्जाचत बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफन के पन्द्रह प्रतिशत से मिधक है और ब्न्तरकः (बन्तरकों) और वन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे वन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य बं उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है ६--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ध) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तिवाँ की, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा की खिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) सीको एन्टरप्रायसे ः।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक उद्योग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए.जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नया है।

#### ग्रनुसूची ,

शाप नं० 15, जो, तल मंजिल, देव दर्शन स्रोल्डनगर दास रोड, स्रंधेरी (पु) बम्बई-400069 में स्थित है। स्रनुसूची जैसा कि कम सं० सई-2/37ईई/19910/ 84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांबः : 3-1-1986

धारकर अधिनियम, 1961 (1561 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुमना

#### बाइत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्ज : रेंज--2, बम्बई

बम् ई वितंत 7 ज हरी 1986

िदेश सं० ऋईं ः/37ईई/19955/84 85 स्प्यतः मुझे, प्रशांत ाथ

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाद्ध सम्पत्ति, विसका उचित् बाबार मृल्य 1,00,000/- रा., से अधिक है

और जिसकी संव माला नंव 9, विराल शाणि रेंटर, अंबेरी (पु), श्रम्पई 69 में स्थित है (और इसने उपायक अनुसूर्च में ऑंग्: पूर्ण रूप ने प्रियत है और जिसका करार-नामा आयकर अधि रिम की धारा 269क, काके अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्प ई में किस्ट्रं है, तारी कर 3-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल म. एम दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल म. एम दृश्यमान प्रतिफल का उच्छ प्रतिकान में मिथक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (जन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रति-फ विश्वित में बास्त्रिक के प्रतिकारित विश्वित में वास्त्रिक क्या में कारित नहीं किया च्या है क्या

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियन में कमी करने या उससे इचने में सृविधा के न्यए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के निए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कृत्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमाती पुष्प कीर।

(अन्तरक)

(2) भेसर्स देवचन्द शामर्जाभाई एन्ड को० (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पात के कर्जन के हैं कर कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्यप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अंबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) १४ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तरिष्ठ सं ४० दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् विश्वित में किए जा सकरेंगे।

### **डन्स्थी**

माला नं० 9, जो ति ताल शास्ति सेंटर, एम० वी० रोड, अंपेर्र: (पु), वर ई-400069 में स्थित है। अतुसूत्री जैसा कि कम सं० धई 2/37ईई/19955/ और 84 85 और जो सक्षा प्राधिशार्र, वर्ष्य द्वारा दिनांक 3.5.1985 को रिजिस्टर्ड विद्या गरा है।

> प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज→2, बस्बई

ित्रीका : 7--1--1986

मोहर ;

प्ररूप बार्इ..टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भार 269-म (1) के बधीन सुचना

#### भारत तरकाइ

### कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्था रेंग •2, बन्मई बम्बई दिशक ७ जहारी, 1986

िदेश सं० धई -2/37ईई/ -9975/84--85 --श्रतः मुझे प्रसात राध,

अत्यकर अधिनयः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उनेश अधिनयम कहा गया है), का धारा 269-ख के अधीन कक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनका संव युद्धि नंव 9 एफ, नंदवाम इंडिस्ट्रान इसीर इसेर (१) रायस १०० से स्थान है । अ इसी उपानद्ध धनुसूर्व में और पूर्ण रूप ने धनिता है) और जिसदा करा समा आपवार अधियम की धारा 269म, ख के असीर सजम समाधिकारी के कार्यालय वस्पई में रिष्ट्र है हारिख 3-5-1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उक्ष के अध्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दृह प्रतिशत ते अधिक है और अंतरिक (अतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित अही किया गया है :——

- [क) कछरण ते हुई किसी बाब की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ण, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्त्यां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192: का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: क्रम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) धा स्थलाल एल० असरानी ।
- (भ्रन्तरक)
- (2) नेतर्न स्टाल धार्ज इंडर्स्ट्राज । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया ग्रंक करता हू ।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाइरेष :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से ते 15 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा बधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकों में ।

स्पब्हीकरण न्यस्म प्रयुक्त इन्दों और पर्धों का, वो उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अधि हाना जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## अनुसूची

युद्धि नं 9, एक, नो तान मंजिल, नंदधाम इंडस्ट्रियल स्टेट, रारा र ११ रड, जाक नुली, अंबेर्र, रोड अंबेरी, (पु). या दें 40003 में रिवा है।

प्रदुर्ग ैसा ि शत मं∘ घई •2/3/ईई/19975/ 85 •85 आ: ा: साम प्राविकारी, वार्ट्ड द्वार दिनाक 3 •5 •1983 को इंग्लियई विकासिता है।

> प्रयांत राय सक्षम प्राधिकारी सर्द्राय घाटकर घायुक्त (दिरीक्षण) घर्जा रेंज--2, बस्बई

दि देश : 7--1--1986

प्रकार बार्ड, टी. एन. इस. ----

(1) दिक्क जिल्डन प्रहर्वेट लिनिटें ।

(ंन्यरक)

(2) श्री राजेन्द्र जी० सेठी।

(अन्तिति)

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घ्रजन रेंज-12, दाय**ई** 

बन्दर्भ, दि पम 2 ज पर्रा 1986

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संव पलेट तंव 12, इसार तंव 2, प्लाट तंव 14, भनाती रागर, अंधेरी (ए), टायही हुए में व्यित्त है (और इससे उपायब अनुसूर्च में और एणे साने विधित है) और जिसका कारायनामा वादवा विधिय की धारा 2690, खा के अंधीर संशय प्राध्यारी के

कीयीं वर बन्दर्ध में रिजिस्ट्री है, तारी 6.5.1935 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित राजार मन्य में उन के रज्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीनिस्ति उद्दोक्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दांने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सिबधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिस्पाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य के अनसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य की उपधारा (1) विकास किम्मिस्टिस व्यक्तियों, वर्धास् का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

फ्लेट नं० 12, जो तीसरी मंजिल, इम्रत नं० 2, प्लाट नं० 14, भवानी नगर, मरोल मरोशं(3) रोड, ध्रंेरी (3), बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूर्वी जैसा कि कम सं० ६६–2/3 ६६/ 19998/84.85 ग्री: जो सत्तम प्राधिकारी, बस्दई द्वारा दिनाक 6-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहत्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीज्ञण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्ब\$

दिनोक : 2-1-1986

मंहिरं हा

#### प्रकथ बार्ष टी इन . एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज--2, बम्बई बम्बई ,िनावा 8 जारीर 1986

दिंग सं० १ ई न्यु ३ईई। 9999,81 (83 - न्याः मुझे, प्रशांत परः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स कं अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य '.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पनेट नं० 5, इसाय नं० 1, पनाट नं० 9, भनानी रुपा, अंदि (प) वा ई. 59 में विषा है (और इसने रुपायह ग्यास में भंधी पूर्ण का सिर्मा है) और जिसका का भागा पराय गिरिम की घरा 269 क, ख के अधीन सनम प्राधिसारी के कार्याता वर्ष में रिजर्स्ट्री है, विषय 6.5 1985

को वृर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिक्षत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिकी (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक किए तय पाया गया प्रति- खब विश्वलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण निखित में बाक्तदिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को; जिल्हें भारतीय भायकर भिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भिंधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किल। गया या का निया जाता बाहिए या, खिला में विश्वा के लिए।

कतः अरु जवल क्रीधितयम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभास (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दिक्क जिल्हां प्राइतेट लिनिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश बीठ नाईक ।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिवियम, के अध्याय २०-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिव गया है।

#### श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 5, जो, पहली मंजिल, इमारत नं० 1, प्राट नं० 9, भगती ता, पराय परोसी रोड, अंधेरी (पू), बाबई 400059 में सित्त है।

धनुसूत्रं जैसा कि का संवर्त रे 2-37/ईई/19999/ 81-85 और जो सक्षम प्रतिकारी, बन्दई द्वरत दिनाक 6-5 1985 को रजिएको किया गया है।

> प्रकाप राय सधम प्राविकारी सहातक क्रायका (सिरीक्षण) क्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्तर्घालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1986

मिदेश सं० ऋई-2/37ईई/20008/84-85--- स्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर िं तकी सं० प्ताट सं० 185, शेर ए० पंजाब को० स्राप हाउगि सो नायटो निनिटड, बम्बई - 58 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है) स्रोर जिसका करारनरमा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 6-5-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--38---466 GI/85

(1) श्री कवलजीत सींग छडा।

(अन्तरक)

- (2) श्री सुदेश कुमारी ग्रार० ग्रग्नवाल । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री गनपत सीताराम वाडकर । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रश्नुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

"प्लोट सं० 185, जो शेर ए पंजाब को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केव्हज रोड, ग्रंधेरी (पु), बम्बई— 400058 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/20008/84- 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, कम्बई

दिनांक : 10-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जत रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांद 3 जनवरी 1986

निदेण सं० ग्रई - 2/37-ईई/20076/84-85---ग्रत: मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर शिसकी सं० य्निट सं० 27, दासजी शामजी इंडस्ट्रियल कोम्पलेक्स, बम्बई-77 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), स्रीर जिसवा करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम की धारा 269 कख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रिजस्टी है, दिनांक 9-5-1985,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दृश्यमान ्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाक्ष करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविश्त रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मेर्स दामर्जा शामर्जा एण्ड सन्स

(ग्रन्तरः)

(2) श्रीमती शेनाज जया पूथन

(ग्रन्तरितो)

(3) ग्रन्तरिती

(वः व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

"यूनिट सं० 27, जो तल मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल कोम्पलेक्स, प्लोट सं०-28, महल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाजाली केल्हज रोड, अंबेरी (पु), बम्बई 400077 में स्थित है। अनुसूची जैसा ि क० सं० अई-2/37-ईई/20076/84-85 और जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्ष ), स्नर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-1-1986

प्रकल बाह्यं, दी, एन, एव, =====

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन सूचना

धारत बरकार

कार्याबय, बद्यायक जायकरु बायुक्त (निरुक्षिक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरो 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/20124--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण प्रिक स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० शाप सं० 67, विशाल स्रपार्टमेंट, स्रंघेरी (पु) बम्बई—69 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है, दिनांक 9-5-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान व्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से सिथक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखिल के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है देन

- (क) बुक्तरूप वे हूर किया बाद की वायक, उपव विधिन्यन के वयीन कर देने के बन्तरूक के वादित्व में कवी करूने या क्यूचे व्यन में द्विया के तिहा; और/वा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया बाना चाहिए था खिपाने में खांचभा के सिष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिराज इस्फली काचवाला

(ग्रन्तरवः)

(2) मेसर्स दूराबिल्ड ।

(ग्रन्तरिती)

की बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्चन के हिन्य कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष ध---

- (क) इस सूचना के एकपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की जनिध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्वर की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति ग्रें हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगें।

स्यव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उतर जिभितियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं 🗓

## अप्तुजी

"शाप सं० 67, विशाल ग्रपार्टमेंट, एम० वी० रोड, ग्रंधेरी (पु), बम्बई-400069 में स्थित है ।

ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/20124/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-1-1986

मोहर इ

## 

# बारकार वीभविषय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना श्रास्त सरकार

## कार्वासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज∸2, बम्बई बम्बई, दिनांकः 3 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/20128/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रूठ. से अधिक हैं ,

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 7, इमंग्रित सं० 5, प्लोट सं० 9, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पु), बम्बई 59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 जख के ग्रंधीन सक्ष म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ट्री है, दिनाक 9-5-1985,

को पूर्वीक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के तिह; बरि/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्स आस्तियां को, जिन्हें सारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269- व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269- व की उपधारः (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) दिपव बिरुडर्स प्राइवेट लिम्टिड । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पाबेन डी० खती श्रीर देवीदास एच० खती ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रूचित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उक्त बिधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### **प्रनुसूची**

"फ्लैंट सं० 7, जो दूसरी मंजिल, इमारत सं० 5, प्लोट . सं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रंधेरी (पु), बम्बई— 400059 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/20128/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक **ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज–2, **बम्बई** 

दिनांव : 3-1-1986

## क्ष्म बाहु हो हुन हुन -----

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1986

िदेश सं० म्रई-2/37ईई/20176/84-85--म्रमे मुझे प्रशांत राय,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के वधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी-सं० प्लोट सं० 195, शेर ए० पंजाब को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बम्बई—93 में स्थित (है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है,) और जिसना करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख, के अधीन सक्षम प्राधिवारी के वार्य हर, बश्बई में रिजरट्री है, दिनांक 9-5-1985,

हीं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रेतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापुनोंक्त कम्पत्ति का उचित बाजार सूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिस्त से विश्व हैं और बंतरक (बंतरकों) नीर बंतरिती (बंदी-तियों) के वीच एसे बन्धरण के विश् तक पावा नवा प्रति-क्ष विश्व विश्व तक वृद्ध से बन्धरण के विश्व तक पावा नवा प्रति-क्ष विश्व तक वृद्ध से बन्धरण के विश्व तक पावा नवा प्रति-क्ष विश्व तक वृद्ध से बन्धरण के विश्व के वास्त्रविक क्ष्य से कथित नहीं किया नवा है है—

- कि कर्षा पं हुन किसी बाय की बावस स्वस् विक् नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए क्षेत्र/पा
- (व) इंसी विकसी बाथ वा किसी धर ता कर्म जास्तिकों को, चिन्हें भारतीय बायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता विधिनियम, दा धन-कर निधिनियम, दा धन-कर निधिनियम, ता धन-कर निधिनियम, ता धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोगार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा ब्या या किया बाबा चाहिए था, कियाने में बृदिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री इंदर जीव सींग सेहगल

(ग्रन्तरक)

(2) सी० के० बिल्डर्स एण्ड डेवलोपरस

(ग्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जाड़ी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्षन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की बदिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बदिश को भी बदिश दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिप्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में दिया नवा है।

## अनुसूची

"प्लोट सं० 195, जो शेर ए पंजाब, को० ग्राप० हाउसिंग सोसयटी लिमिटेड, विलेज मोग्रा, महोकाली केव्हज रोड. ग्रंधेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/20176/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-1-1986

प्रारुष बाइ. टी. एन. एस.,-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्वता

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाव 10 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/2017क/84-85—ग्रतः मुझे प्रशांत राय,

बायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लोट सं० 12के, शेर ए० पंजाब को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बम्बई-93 ह स्थित में (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रौर जिसका वरारनामा आय्वार श्रीविष्म की धार 166 व्य के श्रधीन सक्षम प्राधिवारी के व याल्य, बग्बई में पिप्ट्री है दिनाय 9-5-1985,

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क बिश्विस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखिए चिकावी, धर्मीय क्रि (1) श्री गुरुचरन कौर तनेजा

(अन्तरक)

(2) सी० के० बिल्डर्स एण्ड डेवलोपरस ।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की नाराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मारेहतबद्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकांगे।

#### **अनुसूची**

"प्लोट सं० 218, जो शेर ए० पंजाब को०-भ्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, महाक्वाली केव्ह्ज रोड, ग्रंथेरी (पु), बम्बई-4000943 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/20177/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-1-198ष्ट्र मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कावकर क्रीधीयसह, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37—ईई/20129/84- 85—-श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व्ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संज पलैट संज 10, इमारत संज 5, प्लोट संज 9' भवानी नगर, श्रंधेरी (पु), बम्बई- 59 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबढ़ स्रनुसुकी में स्रोर पूर्ण रूप से बिणित है), स्रोर जिसदा बारारनामा स्राया र स्टिनियम की धारा 269 द ख के स्रधीन सक्षम प्राधित ही वार्याद्य, बम्बई में किस्ट्री है, दिनांव 9- 5- 1985,

को प्योक्त सम्पत्ति के जीवन बाजार बृत्य से काम के क्ष्यमान पित्रक के किए वन्सरित की वर्ष है बीर मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रकार, उद्धक्षे दश्यमान अतिकास से, एंडे दश्यमान प्रतिफल का रंदह प्रतिस्व से वाभक हैं और अंतरक (अंतरका) बीर वंतरिती (अन्तरितिया) के चीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिवत उद्ध रेय से उक्त बन्तरण सिविष्ठ में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण स हुइं किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

बत: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मं, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलोक्टर व्यक्तियां. वर्षात् :---

(1) दिपान बिल्डर्स प्राइवेट निषिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेनर्म गायरो लेबोरेटरीस (सर्वीसीस) (अन्तरिती)

र प्रस्चन। कारी करके पृता क्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीस से , को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि मी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकारणः --- इसमें प्रश्वत शब्दों दौर उने क्ल, बा उक्त बिधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

"पलैंट सं० 10, जो दूसरी मंजिल, इमारत सं० 5, प्लाट सं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (g), बम्बई – 400059 में स्थित है ।

अनुसुची जैसा कि अ० सं० अई-2/37-ईई/20129/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टई किया गया है '

प्रशांत राय सक्षम प्राधि गरी सहाय । ऋायकर ऋायुक्त (निरीक्षण), ऋजीन रेज-2, बम्बई

दिनां ७ : 3-1-1986

प्रकल काई. टी. एत. एक. ------

वायकर विधिनियम, 1961 (1**961 का 43) की** थारा 269-व (1) के विधीन स्थान

#### मारत सर्कार

## शवांसब, सहायक नायकर नाम्क्त (पिर्दीक्षण)

म्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/20155/84-85--श्रत: मुझे, प्रगांत राय,

नाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के न्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित् वासार मृज्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 36, सी-2, मापखान नगर, संघेरी (पू), बम्बई-59 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), स्रीर जिसका करारनामा स्रायकर स्राधिनयम की धारा 269 क ख, के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 10-5-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान विफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का पत्रह शतियत से विभक्त हैं और वन्तरक (वृन्तरकों) बार बंदरित (क्ष्यारितियों) के वीच एसे वन्तरक हैं सए तब पाना नवा प्रतिक्य निम्मिनिक्त उद्योक्य से उक्त बन्तरम विभक्त के वास्तरिक्य कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्राष्ट्र वे हुई निक्की आम् की बान्त्, उनके श्रीपृत्रिक् के स्वीत कर दोने के अन्त्रक में खरित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधन के सिक्; और/का
- (ख) ध्रेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिकों काँ, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्रव-कर बोधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध। के लिए;

बादः सम उन्ह विधिनियम की बाद 269-न के बनुसरण हैं, हैं, उस्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीरः निम्नित्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक (1) ए० एस० बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुक्तदर हमीद खान

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**ाहियां करता ह**ै।

## डक्त सम्मित के वर्षन के बुम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की ब्विंग मा उत्स्वन्यन्थी व्यक्तिकों पूर् सूचना की तानील से 30 दिन की ब्विंग, जो भी व्यक्ति वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रांचक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित्बब्ध किसी कन्य स्थानत द्वारा नथोह स्ताक्षरी के शब जिल्ला के शब किसी वर्ष किसी किस वा कुकेंगे !

ल्लाकरणः इस्ते प्रमुख्य कच्याँ सीत पूरी प्रात्त हो स्वीतनम्, से अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### ग्रनुसूची

"फ्लैंट सं० 306, जो सी-2, मापखान नगर, मरोल नाका, श्रंधेरी (पू), बबर्म्ड-400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि त्र० सं० ग्रई-2/37ईई/20155/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-1-1986

## श्रम् नार्षेत्र सी<sub>ल</sub> प्र<sub>य</sub>्ष्य <sub>अ</sub>न्त्र स्थान

## बायकर बर्शियम्ब, 1961 (1961 मा 43) की भार 269-म (1) के ब्योग स्मृत

#### alan Karas

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/20179/84-85—- अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सर्भ प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा आरण है कि स्थाबर सम्पत्ति , विश्वक उचित वाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० गाला सं० 10, इमारत सं० डी० नन्द धाम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, स्रंशेरी (पु), बम्बई—59 में स्थित है (स्रौर इसने उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूसे विणित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 वख के स्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 9-5-1985,

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्ममान श्रीताल के लिए जम्मीरत की नहां है और मुक्के यह विस्थास कारने का कारण है कि यथाप्कोंक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रुट्स, उसके स्ममान प्रतिकास सं, एसे स्ममान प्रतिकास का कम्बृह प्रतिकास से स्मित्त है और सम्बद्ध (बन्धरकों) और अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम गमा गमा प्रतिकास, विस्नितियां उद्योग से उच्छ अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा खे खिए:

मतः स्व, उक्त अविधिषयं की वारा 269-यं के, बगुउद्दर्भ, में, ज़क्त अधितियमं की वारा 269-यं के उपभाग (1) के स्केट निकालिका व्यक्तिकों, वर्षात् क्रिक्त अधितियमं 39 —466 GI/85

(1) श्री लाखमशी देवचन्द शाह

(ग्रन्तरक)

(2) पायनीयर सर्जीकल्स ।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बंप म-

- (क) इस त्यना के ग्रावपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वान की तामील से 30 दिन की स्वीध, को भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, से भीतर व्यक्तिया व्यक्तिया में से किसी व्यक्तिय ब्वाग्र;
- (ब) इस स्था के राष्ट्रभ में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहण किसी अन्य व्यक्ति इवाय अभोहस्ताकरी के पास सिधित में किए था सर्वोंने।

स्माक्करणः - इसमें प्रयुक्त बब्दों और वर्षों का, जो उपस अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जी उस अध्यास में दिक्स गया ही।

#### अन्त्र्र्ह

"गाला सं० 10, जो इमारत सं० डी०, तल मंजिल, नन्द धाम इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, मरोल मरोउशी रोड, मरोल, ग्रंधेरी (पू), बम्बई-400093 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/20179/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई पारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांमे राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-1-198 ज

मोहर '

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

## बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/20183/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 6, इमारत सं० 4, शेर ए पंजाब सोसायटी, ग्रंधेरी (पू), बम्बई 93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 का, प्र के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रो है, दिनांक 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किय एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उक्द से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया म्था हैं:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्दः वन, ब्यतः विधिनियम की भारा 269-ग के बन्दरम बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित अंग्रेड अर्थात् ध---

- (1) श्रो स्रक्षोक कुमार मदनगोपाल मारवाह (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाषचन्द्र ग्रार० ग्रग्नवाल । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट दं० 6, जो इमारत नं० 4, शेर-रा-पंजाब को० माप० हाउमिह सोसाईटी लि०, महाकाली केण्हज रोड, अंधेरी (पू), बम्बई 400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ० सं० ग्रई- 2/37ईई/2018 3/8 4-१ 5 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बर्म्बी द्वारा दिनाँक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गथा है ।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ~ ग्रर्जन रेंज~2, **बम्बई**

दिनाँक : 7-1-1986

## प्रस्त बाई 🗈 ही । पुरु । पुरु -------

## बावकद्ध सिभिषयं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बभीन सूखना

#### बाउन इस्ता

## कार्यासय, बद्धायक बायकर बाय्क्स (निहासिक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 2 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/20191/84-95--ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० यूनिट सं० 112, एफ० बिल्डिंग, श्रंसा इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, वम्बई-72 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री हे, दिनाँक 10-5-1985, को पूर्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिष्क के स्वारण है कि मुभापूब्रोंक्त संपरित का उचित बाबार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिषक में स्वारण है कि मुभापूब्रोंक्त संपरित का उचित बाबार मूक्य उसके दश्यमान प्रतिषक में प्रतिषक में प्रतिषक का प्रवृद्ध प्रतिषत से अधिक है बार बन्तरक (अंतरका) तीर बंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक अंतरका) तीर बंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक के जिल्ल प्रवृद्ध प्रतिषक कि विष् प्रतिष्क के स्वारण कि विष् प्रतिषक के स्वारण कि विष् प्रतिषक के स्वारण कि विष् प्रतिषक के स्वारण के विष् प्रतिषक के सिक्त के स्वारण कि विष् प्रतिषक के स्वरण से कि प्रतिष्ठ के स्वरण के विष् प्रतिषक के स्वरण के विष् प्रतिष्ठ के वास्तिक के स्वरण से कि प्रतिष्ठ के स्वरण के वास्तिक कर से कि प्रति व्या व्या है कि स्वरण से विष् प्रतिष्ठ कर से कि प्रतिष्ठ व्यव वास्ति वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्ति वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ विष वास्तिक वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक कर से कि प्रतिष्ठ वास्तिक वास

- (क) बन्तरम के हुई किती बाब की बाबत , उक्त विधिनियम के वधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने कें सुन्तिभा केंकिए; बार्ड/बा
- (क) एती किसी नाय वा किसी धन वा नाय बाहिराकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिन्नियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उनत विभिन्नियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रकृतियों वालिया वालि

काश वय, उपन विधितियम की भाषा 269-म की वयुत्रस्थों, में, उमत अभिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) के अभीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थात् हे

(1) मैसर्स ग्रन्सा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हिस्तीन एन्टरप्रायसेस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जुन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

## बक्त बुम्बुरित के बुर्बन के बुम्बन्ध में कीई भी नासोंचे ह---

- (क) इस सूचना के एकपन में प्रकाशन की ताड़ीय है 45 दिन की जनभि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तित्वों पर बूचना की ताबीस से 30 दिन की सनिथ, यो सी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतह पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हुवाछ;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्षेष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाच विचित्त में किए जा सक्तें दें।

## वन्स्की

"यृतिट सं० 112, जो पहली मंजिल, एफ बिल्डिंग, ग्रंसा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-. 400072 में स्थित है ।

अनुसुची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/20191/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है !

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक : 2-1-1986

प्ररूप आई.. टी. एन. एस:------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/20192/84-85--प्रत' मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट सं० 109, ई बिल्डिंग अंसा इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट, साकी नावा, बम्बई-72 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्रधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 10-5-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---- (1) मेसर्स ग्रंसा बिल्डसी

(प्रन्तरक)

(2) मेसर्स मेता ऋाषट ।

(म्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

"यूनिट सं० 109, जो पहली मंजिल, ई० विल्डिंग, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड, खाकी नाका, बम्बई— 400072 में स्थित है ।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/20192/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि तरी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज-2, बम्बई

·दिनांक : 2-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

## नायकर निपिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स र्री) के सधीय स्थान

#### भारत सरकार

## शर्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्काक्ष)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 जनवरी 1986

निद्रेश सं० श्रीं-2/37-ईई/20236/84-85--श्रत : मुझे, प्रशाँत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ५३ शात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है , की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- स. से वीभक्त है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 4, सूप्रमीत इमारत नं० 12, ग्रंधेरी (पु), बम्बई 59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-5-1985

को प्रतिकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के महयमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रविकत के रुक्त प्रतिकत से विभक है और जन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरिक्यों) से बीच एके अन्तरक के लिए तय पाया गया क्या दिक्कितिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरक ब्रिटित में वास्तिवक में वास्तिक रूप से कार्यक नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की शक्त , उक्त विभिनियस के वभीन कर दोने के लन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, बांदु/या
- (ध) ऐस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, चिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानसन, या चन-कर ज्याबित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

बतः स्थः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जिनोद जयंतीलाल रूपरेलिया, । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मयूरकुमार पदमशी शाह ग्रौर श्री (परेश कुमार पदमशी शाह। (ग्रन्तरिती)

की यह तृष्या बाएँ करके पूर्वोक्त संस्थित से वर्षण से लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कीई भी त्राक्षेप :--

- (क) इस स्था के राजपत में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५६ स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुए किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम निवित में किए जा सकीये।

स्थळीकरण -- इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उस सम्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

"शाप नं० 4, जो तल मंजिल, सुप्रमीत इमारत नं० 12, कान्ती नगर, ग्रंधेरी (पु), बंबई 400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमािक कि सं ग्रई-2/37-ईई/20236/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1986

## रुष्य वाद'. की प्रय . वर्ष

## बाव्कर बॉिप्नियन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के नधीन ध्यना

#### MIS THE

### कार्यावय, सहायक जायकर जायक्छ (पिपरिक्ष्य)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनॉक 7 जनवरी 1986

निद्रेंग मं० ग्रई-2/37-ईई/20245/84-85--ग्रत : मुझे, प्रशाँत राय,

शांबकर निविनियम, 1961 (1961 का 43) (फिले इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया हाँ), की धारा 269 स के बंधीन तक्षव प्राधिकारी को, धह क्विवास करने का धारण हाँ कि स्थावर संपर्ति जिल्ह्या स्वित कायार मृज्य

1,90,000/- रतः से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० यूनिट नं० 5ए, बिल्डिंग बी, हिन्द सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रंधेरी (पू), बंबई 59 मे स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुम्ची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

की पूर्वोग्य बम्बित के उपित वायार मृत्य वे कर के करवज़ल प्रीएमल के लिए करविता की गई है कोई मुख्ये यह किरवास करने का कारण है कि वयाप्योंकर संबोध्य का क्षित वायान प्रम्य, उसके दश्यनान प्रविक्षण है, देशे दश्यनान प्रविक्षण का कुल्ल प्रविक्षण के निष्क है बौद बखरक (बलाइकों) और वंतिकती विकितियों) के बीच एसे बंतरण के सिक्ष तय नाम चला प्रविक्ष क्या, विकासिक्ष उद्योग्य से उसके बीहरून विक्षण में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्दरण ते हुई जिली बाव की वाक्क, उक्त व्यथिन निवम के वधीन कर दोने के बच्चरक के व्यथित्व वो कभी करने या उबसे वजने में बृतिधा के क्रिक् वरि/वा
- (ख) इसे किसी जाय या किसी धन वा बन्ध जास्तिवों को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना जाहिए था, ज्याने वें सुविधा के सिक्ष;

कशः वन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रक्ष में, में, क्या वीधिनियम को धारा 269-म की उपभाष (1) के अधीन, जिन्नकित नियम का अधीन, क्या (1) श्री दिलिप डी० रत्नानी

(ग्रन्तरक)

(2) मेलर्स ज्योतो इनवेस्टमेट कारपोरेशन (ग्रन्तरिती)

को यह बुचना बारी कारचे वृत्रॉवंश सुन्तिक में अर्चन के सिष्ट् नार्वपाहिनों सुरक्षा हुए।

वन्त सम्मान्त के वर्जन के सम्मान में वनेतुं भी वर्जन:--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन को बार्गीय से 45 वित नहीं नवीं न तर्जना के सिन नहीं न दूजना की सामीय से 30 वित्र की नवींच, को नी बंदिय नाम में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्णीयत क्यांचित को की तर्ज में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्णीयत क्यांचित का में समाप्त होती क्यांचित क्यांच
- (ख) इस क्यान के राजपन में प्रकाशन की सारीस ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मतित में हिस-बच्च किसी मन्द व्यक्ति क्यारा मुभोहस्तालरी के राख विविध्य में किस् आ सक्तेंगे ।

रनक्षेत्रकन:--इसमें प्रयुक्त कर्कों और पक्षे मता, को उसस नीभीनवस के नभ्याब 20-क में परिभाषित है, नहीं तर्थ होगा को उस नभ्याव में किया गया है।

#### अन्स्**प**र

"यूनिट नं० 5ए, जो इमारत नं० बी, हिन्द सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रंधेरी कुर्ला रोड, ग्रंधेरी (पू), बंबर्म्ड 400059 में स्थित है।

श्रन, सूची जैसादि क० सं० श्रई -2/37  $- \frac{1}{2}$   $= \frac{1}{2}$  =

प्रशाँत राय सक्षम प्राधि कारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 7-1-1986

## 

## मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) में मुशीन सुक्रमा

#### मारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
वम्बई, दिनॉक 3 जनवरी 1986

निर्देश मं**् ऋई- 2/37-ईई/20251/84-85--** ऋ र: : मुझे,

प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 17, इमारत नं० 3, प्लाट नं० 7, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पू), बंबई 59 मे स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है). ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन नभ्रम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंबरितियों) के बीच ऐसे बंवरण के लिए क्य पामा नमा प्रदिक्त फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाम की बत्तात, उत्तव बाँचनियम के जधीन दार दोने में अफरदा के साधित्व में कभी करने या समुसे बचने में सुविधा से लिए; बाँद/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, वा बनक्त कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया यवा या तिवस जाना चाहिए कर, कियाने में मुनिया वी विश्व ए

जलः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के अपूक्र को , मैं . उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों , वर्षात् हरू

(1) दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड,

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी भार० रेबेली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बार्री करके पूनोंक्त स्व्यक्ति के वर्षन् के बिद् कार्यवाहियां करता हूं।

## वनत कमित के बर्चन के सम्बन्ध में और भी आर्क्ष :---

- (क) इंड यूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तत्त्रावन्धी व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, वो की नवींथ नाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वीवश्व व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस सूचना के वजनम में प्रकाशन की सारीय है 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिस्बाइथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकी ने।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पत्नों का, को उनके विभिन्नम के कथ्याय 20-क में परिवाधिक हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस सध्याय में दिवा क्या हैं।

#### अन्सू जी

"फ्लैंट नं० 17, जो चौथी मंजिल, इमारत नं० 3, प्लाट नं० 7, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पू), बंबई 400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क० स० ग्रई-2/37-ईई/20251/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-1-1986

एस्प नाइं.डी.एन.एव.------

बाबकर अभिनियम, 1,961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायुक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, वमबई

वम्बई, दिनाँक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 2/37-ईई/20252/84 85- -म्रत: मुझे प्रशांत राय,

शासकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पात्त. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,90,800/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 105, इमारत बी, प्लाट नं० 18, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पू), बंबई 59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध त्रनुस्ची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिविनयम की धारा 269 क, ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मृन्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित वाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे वंतर्ज के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हुन्य

- (क) अल्टार ए इ.इ. किसा बाद का यादध, उक्क कार्याच्यम के संधीत कर यांचे के बन्तरक बी कावित्य में कभी करत ना उत्तर्थ नचने के स्विधा के निष्; व्यरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिये था, किया में सुविधा के दिस्ए;

कराः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) द्रीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड,

(ग्रन्तरक)

(2) नेइम्हीन अजीज्हीन

(भ्रन्तरिती)

को यह भूषना जा<u>री करके प्वोंक्स सम्पृत्ति के वर्धन के विश्</u> कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्तन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्त निवित में किए का सकतें है।

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और प्दों का, वो उक्त विध-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिया गण हुँ।

#### **मन्स्**ची

फ्लैंट नं० 105, जो पहली मंजिल, इमारत नं० बी, प्लाट नं० 18, भवानी नगर, मरोल मरोशी रो , ग्रंधेरी (q), बंबई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि० सं० श्रई-2/37-ईई/20252/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

मोहर 🦙

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 8 जनवरी 1986

निव्रेश सं • शई-2/37-ईई/202म3/84-85--मत: मुझे अश्वीत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

बीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, इमारत नं० 5, प्लाट नं० 9, भवानी नगर, अंधेरी (पू), बंबई 59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणल है), भीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण बै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---40---466 GI/85 (1) में सर्व दिनक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन्थोनी ए० गोनसालवीस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पत्रैट नं० 3, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 5, प्लाट नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेंरी (पू), वंबई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/20253/84-85 श्रौर जो तक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 13/5/1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

(प्रशांत राय) सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-1-1986

## भक्क बार्: टी एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क्कार्यालय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्राजैन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 जनवरी 1986

निर्देण सं ० ग्रई-2/37-ईई/20254/84-85--ग्रत : मुझे प्रशांत राय,

श्री कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस की प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सभाग गरिएए कि एक जिल्हाम करने का कारण है कि स्थानर एक्पील दिस्तर उच्चित बाखार मन्य 1,10,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, इमारत नं० 3, प्लाट नं० 3, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पू), बंबई 59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका नरारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रंघीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

का वृश्वांक्त संपत्ति के रिकट नाका मृत्य में कम के दिश्यमान प्रतिफल के छिए अंतरित की गई है और मुम्ने ग्रह दिश्यास करन का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्परित का सिवत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अधरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददंत्य से उसत अंतरण लिखित में वासविक रूप में किश्मन नहीं किया गया है:—

- (क्ष्ड) सम्बद्ध से हुव किसी आप की बासस, उनस् अधिनिवय के स्थीन कर दोने के अनरक के दाधित्व में कभी अरने दा प्रतर्श स्थाने में स्वितार में लिए; और/भा
- (क्य) होती किसी बाब या किसी भव वा जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ जन्मिरियों इवास प्रकट नहीं किया यस स्था वा किया जान सामिर था. जिस्सान में सविधा को निर्हा को निर्हा

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नलिखित व्यंक्तियों, वर्धात ह— (1) दिपक बिल्डसं प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) सूहास पी० नायक

(श्रन्तरिवी)

स्त्रों यह सुषना नारी करके ध्वॉक्त सम्पत्ति के धर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हुं ।

उक्त सम्मित्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीचा चें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अच्या व्यक्ति इतारा- अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण ६----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याब 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया मुसा हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो चौथी मंजिल, इमारत नं० 3, प्लाट नं० 11, भवानी नगर, मरोल मरोशो रोड, श्रंघेरी (पू), बंबई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० स० अई-2/37-ईई/20254/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनौंक 13/5/1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-1-1986

## स्थ्य कार्यं अधिक पुरस्क पुरस्कार कार्या ।

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### STATE VICES

कायलिय, सञ्चयक वायकर जाबुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, वंग्वई

बम्बई, दिनाँक 10 जनवरी 1986

जिद्रेश सं • शई-2/37-ईई/20288/84-85--- ग्रत: मुझे क्साँत राम,

अध्यकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचल किथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बचीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जितको सं० शाप नं० 4, विलकीन अपार्टमेंट, अंधेरी (पू), बंबई 93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की घारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख - 13-5-1995

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह नियमास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रीतफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरक (अंतर्यकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्व पाया भ्या अतिकस, निम्नसिक्त उद्देश्य से स्वस्त अन्तरण सिर्क्त में समझ्यिक स्थ से स्थित नहीं किया ग्या है:—

- (के) कंत्यरण से हुई क्षियों बाद की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाक्तियम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिहा; बॉड/या
- (स) एसी किसी नाथ वर किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाह्य असिहए था, कियाने में सुविधा के सिहर;

वितः वज्ञं, उनसं अधिनियम की भारा 269-म के अनुस्रय की, मी, उनस अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निम्मलिकिक व्यक्तिक्यों, नर्भाव ध— (1) श्री लेक श्रहमद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुन्दरलाल मगनीरामजी सेवक ग्रौर श्री छगनताल रूपशंकर सेवक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जार्री करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हु।

दक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी कार्यन :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद्र सूचना की तामील से 30 दिन की अधींभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वादा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए का सकी।

स्यक्ष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धा का, जो उक्त जिसियम के अध्याय 20-क जें परिभाषिक हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

#### अनुसूचा

"शाप नं० 4, जो तल मंजिल, बिलकीस अपार्टमेंट, महाकाली केव्हज रोड, ग्रंधेंरी (पू), बंबई 400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/20288/ 84-85 ग्रीरं जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13-5-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीद: 10; 1-1986

## शक्य बार्ड दी एन एस -----

कायकर विश्वितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की नभीन सुचना

#### श्रारत सरकार

## कार्यक्रय । बहायक वायक र वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/3/-ईई/20351/84-85--अत:**मुझें** प्रशांत राय,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इबके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० गुनिट नं० 6, एफ बिल्डिंग, मरोल नंदधाम उद्योग प्रिमायतेस, ग्रंधेरी (पू), बंबई-59 में स्थित है (ग्राँर इसने उनाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में विणत है), ग्राँर जिसका करायतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ः, खंक अवीध सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में एजिस्ट्री है, तारीख 14-5-1985

- हुँक) सन्तरण से हुई किसी साम की वानत् हु क्या वृश्वित्वत्र स्त्रे अधीन कर देने स्त्रे सन्तरण से दारियल में कमी करने या छत्तने वसने में सुविधा स्त्रे क्षिए; स्रोर/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन वा जन्य आस्तिवों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर जिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा था या किया जाना जाहिए जा, जिमाने में सुविधा के निहा;

बत्त बद, उस्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण कें, कें, उस्त अधिनियम को धारा 269-व की अपधारा (1) कें अधीन, जिल्लीमृचित व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) श्री पोपटलाल आर० शाह

(अन्तरक)

(2) मेसर्स उषा प्लास्टिक्स

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधियोग वें सम्पत्ति है)

(4) मेससं सुमन इंजीनियारिंग वनसं (वह ब्यक्ति, जिसके सारे वें अधोहंस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन भी दिवस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त स्मिति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधीप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो और अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त कन्दों और पदों का, वो उच्छ विकः नियम के अध्याय 20-क में परिश्राणित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा वका हैं।

## वनुसूची

"यिनट नं० 6, जो एफ० बिल्डिंग. मरोल नंद धाय उघोग प्रिमायसेस को० आप० सोसायटी लिमिटेड, मरोस मरोबी रोड़ श्रंधरी (पू), बंबई ६०००५७ में क्यिट है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2/37-ईई/20351/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिनांक 14-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्वन रेंच-2, ब्रम्बई

तारीख: 7-1-1986 मोहर प्रकथ बार्ष: टी. पुन: पुर्व : :

बावकरु विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### ब्राइव बरकाड

## कार्याज्ञय ह सहायक वायकर वायकत (निर्दाक्क)

ग्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० मई-2/37-ईई/20373/84-85--- सत: मुझे प्रशांत राय,

जायकर जिभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं॰ क्लैट नं० 104, इमारत नं— 2, विमान क्षांन, अंग्रेरी (पु), बंबई 69 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसुनी में भीर पूर्ण रूप वर्णित है), जिसना करारतामा आयकर अधितियम की धारा 269 क, ख अधीन सक्षम प्राधिति के कार्यालय, बन्नई में रिजस्ट्री है, सारीख 16—5—1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान दित्रका के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवोंक्त क्षम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्य-

कि सथापूर्वाक्त शम्मिता का जीवत बाजार मृत्य, उसके श्रवम-बान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का यन्द्रह प्रतिकात से बीधक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीध एसे बन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निध्य-शिक्षिक उद्देश्य से एक्ट अंतरक जिल्लित में वास्त्रविक क्य से क्षिक सहीं किया एसा है है—

- (क) बनारण से हुई किसी बाय की वायक, उक्स बीधिनयम के बधीन कर देने के बन्तरुक के बादित्य में कमी करने मा उससे क्यने में सुन्धि। के निष्णः कीर/मा
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-वार्च बन्हीं दिवस प्रया भा वा किया जाना, पाहिस, का क्रिया में स्विभा के विस्ता

हतः स्व, उक्त जीपनियम की पारा 269-म की सन्दर्भ है, वे सक्त वीपनियम की पारा 269-म की स्वथारा (1) वे वर्षण, निज्निकिक व्यक्तियों, क्यांत् :---- (1) श्री लक्ष्मन शंकर वर्तक

(भ्रम्तरक

(2) भी जगदीश माधव दाते

(फ्रांतरती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां कुक करता हुं।

बबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रस्कान की तामीन से 30 दिन की सविधि, तो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख). इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबृध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच भावत में किस का सकेंचे के

स्वक्षांकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्त वीधीनयम को उध्याय 20-क में परिकाधित ही वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मन्द्र्यी

"पसैंड नं 104, जो इमारत नं 2, विमान दर्शन नीत्यानम्द मार्गे, घंधेरी (पु), बम्बई 400069 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकि ₹० सं० श्रई-2/37-ईई/20373/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण सर्जन रेंज-2, बम्बई

वारीख: 7-1-1986

## प्रस्य बाह्र हो. एव. एस.

## धायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### षारव सरकार

## कार्यालय, सङ्घायक जायकर आवृत्रक (निर्दाक्तिक)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20381/84-85--अत: मुझे प्रशांत राय.

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर िसकी सं० पलैट नं० 611, निद्यादैनी को० प्राप्त हाउित्य सोतायटी, इमारत ए1, भंबेरी (पु), बंम्बई 69 में स्थित है (श्री इसे उपाबद्ध अनुसुनी में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर िसका परारतामा भायवार अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्तम प्राधि कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-485 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिबक कम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए; और/या

अतः शब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह——

(1) मैसर्स इंडीको कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रहास एव० सेलीयन घौर श्रीमती शकुंतला सी० सेलियन

(भग्वरिती)

को यह सुचना जाती करके पूर्वीक्त सम्मृतित के सर्चन के जिल् नार्यवाहियां करता हुं।

## उस्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी अक्षरे !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की क्विंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वा स्वासः;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी लन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कन्दां और पदों का वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याम में दिया नवा हैं।

## वन्स्ची

"एलैंट नं० 611, जो छटवीं मंजिल, इमारत ए 1, विद्यादैनी को० ग्राप० हाउँ शिंग से सायटी, चनाला, ग्रंधेरी (पु), बम्बई 400069 में स्थित है।

अनुसुची जैसाङि क० सं० प्रई-2/37-ईई/20381/ 8485 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 17/5/1985 को रिजस्टई किया गया है।

> प्रशांत रायं नंक्षम प्राविकारी सहायकं ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-1-1985

प्ररूप बाइं., टी., एम. एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

## क्लांतर, बहुम्सक बायका बायका (निर्देशक)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई कमाई, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं० झई-2/37-ईई/20386/84-85-- झत: मुझे, प्रशीत राय,

भावकर व्यभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात 'उक्त विभिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 189 शेरए पंजाब को-आप० झुर्जीसम सोसायटी जिमिटेड, बंग्बई-93 में स्थित है (और इस्से उपाबड़ अनुसूची म भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कामलिय, बंबई में मुजिस्ट्री है, तारीख 16-5-1985

करे पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मिक्क को सिए अंतरित की वहुँ हैं और मुक्ते यह विक्वात करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रशिक्षत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :——

- ें धन्तरण वे हुई किही काय री अवल हजा हजा विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का चए; चार का
- (का) एंकी विश्वसी आस या कि व्या का या अन्य अप्रित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिये था, स्थिपाने से स्विधा से सिस्

कतः वब, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपस्था (1) के वधीन, निम्नीतिखित व्यक्तियों, वधीत् ह— (1) श्री धरमपाल एत० मेहरा

(धन्तरक)

(2) श्रीमती सारंगा ए० ग्रमरवात

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्थन के लिए करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध से इस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, से भी अविध नाद में इस्तम्बन्ध होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तिमों में से ि है अविक्त स्वारा,
- (ब) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खंधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिखित में किए जा सकरें

स्वक्रिकरण : इसमें प्रयुक्त क्षच्यों और पदों का, जो छक्त जिथिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गुया है।

#### धन् सूची

"ब्लाट नं० 189, जो शेर-ए-पंजाब को०-ग्राप० हाउँसिंग सोप्तायटी लिमिटेड, महाकाली केव्हज रोड, सी० टी० एड० नं० 368/182 श्रॉरी (पू), बंबई400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० प्रई-2/37-ईई/20386/ 84-85 और जो समम प्राधिनारो, बंबई द्वारा दिनांक 16-5-1985 को र्जास्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधि तरी सहायक भागकर ऋागृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

सारीख: 10-1-1986

मीहर:

सक्य कार् ः दी., एन. एत.----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-स (1) के बचीन स्थान

#### भारत बरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्स (निर्दाक्षण)

ग्रजैन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं ० ग्रई - 3/37-ईई/20501/84-85--- धत: मुझे, प्रशांत राय,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृन्य 1.30,090/-रु. से अधिक हैं

भीर निसकी सं० प्ताट नं० 265, भेर ए पंजाब की-भाष० हार्जी:ग सोनायटी लिमिटेड, बंब-ई93 मैं स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर निसना परारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के भवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-5-1985

को पूर्णेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को निए अंतरित की गई है और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफल को 'उह प्रतिशत से बिधक है और जन्तरक (जन्तरकों) और बंत रिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में हों वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (म) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
  - ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्सियों को, जिन्ही भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) है अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों हु स्थिति है— (1) भीमती हरवन्यवाल घोर गुसाटी,

(यन्तरक)

(2) सूत्रीम डेबलोपरस

(एग्तरिती)

की यह सूचना जारों करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

## वनत् सन्तरित् के वर्षाद में सम्बन्ध में कोई श्री वार्षाप्र==

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीचड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सक्ष्में।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों बरि पदों का, जो उच्छ कीधनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं बर्च होगा जो उस संख्यास से दिया गया ही।

#### मन्स्यी

"प्लाट नं० 265, जो शेर ए पंजाब को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केन्द्रज रोड, श्रंधेरी (पु), बंबई 400093 में स्थित है।

श्चनुसुची जैसाकि कि॰ सं॰ श्रई-2/37-ईई/20501/ 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 17-5-1985 की रिजिस्टर्ज किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यायन रेंज-2, वस्वई

तारीख: 10-1-1986

प्रक्ष आइ. टी. एन. इस . ------

व्यक्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शस्त्र 269-स (1) के अभीन स्त्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर झाएकत (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज- 2. बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 जनवरी 1986

निर्देश सं॰ घई-2/37-ईई/20502/84-85---ग्रत: मुझे, मशीत राम,

क्साक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें स्थान इसमें क्सा प्रकार के भिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राक्षिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

होर जिसकी सं० प्लाट मं० 154, घेर ए पंजाब को-सापरेटिव हार्जीसम सोझामटी लिमिटेड, बंम्बई 93 में स्थित है (क्लीर हक्से उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, संबद्ध में रुजिस्ट्री है, तारीख 17~5~1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्सरी बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) रहेती किस्सी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, फिन्ही आररतीय आय़ कर अधिनियम, 1922 (4922) का 11) हा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, अबस अधिनियम की धारा 269-म की क्रपधारार (1) के अधीन, निम्नीलिंबत व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री मनमिर सिंह बजाज ग्रौर जसबीर सिंह बजाज ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स सूत्रीम एन्टरश्रायसेस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताहरीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्ति में हि तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

स्यष्टीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुची

"फ्लैंट नं० 154, जो शेर ए पंजाब को-आप० हाउसिंग सोपायटी लिमिटेड, महाकाली केव्हज रोड़, ग्रंधेंरी (पु) बंबई-400993 में स्थित।

श्रनुसूची जैसािक ऋ त सं० श्रई  $\sim 2-37$   $\sim 100$   $\sim 10$ 

प्रशाँत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-1-1986

मोहरः

## प्रख्य बाह् . टी . एन . एख . -----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) में अधीन सुचना

#### शास्त्र उरकार

कार्यालय, सहायक आयदार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बध्बई बम्बई, दिनाँक 10 जनवरी 1986

निर्देश स० ग्रई- 2/37-ईई/20509/84- 85-- श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), जी धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार भूग्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट न० 36, विलेज मरोल, बंबई में स्थित है (श्रोर इनमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रोर जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन नक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 18-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल हो, ए से इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतर्गण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त स्वृद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिक रूप से करित महीं किका गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उपनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा

बतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की अनुसरण वो, वो, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) ओ आधीन, निम्निविष्य व्यक्तिकों, अधील क्र-- (1) घन्दुल करोम हबीब लालजी

(मन्तरक)

(2) फकोरमहमद हाजी स्थानी, शैरीफभाई । प्रेमजी दूदोसा भौर भ्रमिन कूरेशी

(भग्वरिवी)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित सै वर्षक के कि। कार्यकाहिया करता हूं

उक्त सम्पन्ति के वर्षण के बज्जन के कार्ष भी बाखेर हन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की राष्ट्रीय है 45 विन की व्यक्ति या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताबील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति नास में समाप्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हिस-वहुध किसी जन्म व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकत्वें।

ल्क्यीकरण ह—स्वने प्रमुक्त क्यां और वहां का, के स्वत अधिनियम के सभाव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उस सभाव में हिका पना हैं।

## अनुसूची

प्लाट नं० 36, जो मरोशी फील्ड रोड़, सर्वे नं० 8, हिस्सा नं० 10, मरोल विलेज, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जै ॥िक क० स० मई-23/7-ईई/20509/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 18-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजंन रेंज- 2, बस्बई

तारीख: 10-1-1986

रक्य बाद' .टी . एग . एस . -----

नायकर मीर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुपदा

#### बारब सस्कार

कार्यक्षक अवकर अवुक्त (निर्यक्षण)

व्यजंन रेंज-2, वस्वई

बम्बई, दिनाँक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं व मई-2/37-ईई/20510/84-85-- मतः मुझे, प्रशति राय,

बावकर विभानवन, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रधात् 'उनक अधिनिवन' कहा स्वा हैं), की धार्स 269-ख के अधीन तक्षत्र 'त्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस-का उचित नाजार मध्य 1;00,000/- रू. से अधिक है

मौर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल शेंक नं० 142, फेज नं० 3, शिवशक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरी (पु), बंबई-59 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयकर प्रधि-नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-5-85

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हो कम के दश्यमाण प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वीक सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल के एसे दश्यमान प्रतिफाल का कारण है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफाल, विम्निचित्तित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि लिए तय पावा गया प्रतिफाल, विम्निचित्त उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि लिए तथ भावा गया प्रतिफाल, विम्निचित्त उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि लिए तथ भावा गया प्रतिफाल, विम्निचित्त स्था स्था स्था स्था है .---

- (क) बन्तरण सं हुं किसी बाद की बाबत, उसत विधिनियम के विधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसदे बन्दाने में सुविधा के सिद्: बॉर/या
- (व) देनी किसी जाय या किसी जन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं आरतीय आयक्द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (19//का 27) के प्रवोधनार्थ अस्ति देवस्य प्रकट नई किया गया था वा किया प्राथा प्राहिष्

काः वयः, उपत वीर्धीनयम् का पास 200-म वे वक्तरण वे, ये, समा वीर्धीनयम् की भाष 269-म की उपभाशः (१) के वर्धीन निकासियात व्यक्तियों, वर्धात् हः— (1) मैसर्स कत्यायानी प्रिन्टर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोय-डीमेलो

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जनं के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अक्श्रीत की तारीय के 45 दिन की बनीय ना शस्त्रक्रमधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी नवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशैंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मत्ति में हितबब्द किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अनेहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें 1

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

- "इंडस्ट्रियल शेंड नं० 142, जो पहली मंजिल, फेज नं० 3, शिवशक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, एच० नं० 15, 80, 1, मरोल विलेज, स्नाफ कुर्ला-स्रंधेरी रोड़, संघेरी (पु), बंबई 400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक क० सं० ग्रई-2/37-ईई/20510/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 19-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) **ग्रजैन रेंज-**2, **ब**स्ब**ई** 

तारीख: 7-1-1986

## प्रकप नाई.दी.एन.एए.

शायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनाँ ह 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 2/37-ईई/20552/84-8**5--ग्रत** : मुझे, प्रशांत राय,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 107, रवी इंडिस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी (पु), बंबई 93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनिथम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 21-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे क्रयमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिकात से के के अविधिक हैं और वितरक (अतरकाँ) और अंतरिती (अंतरिक्यों) के नीय ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलित सक्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से का अविध्य महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की बानत्, उचत जिपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी मान वा किसी भन मा अन्य जास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता । अधिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा खें शिष्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाव :— (1) मायो हेल्थ केर प्राइवेट सिमिटेड,

(बेलिएक)

(2) मायो फर्मी प्रायवेट सिमिटिंड

(धार्माखी)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षण की विष् कार्यवाहिमा करता हूं।

धमत संपत्ति को गर्जन की संबंध में कोई भी बार्डप हैं---

- (क) इस सूर्यना के राजपंत्र में प्रकाशन की तीरीं के 45 दिन की जविध या तत्सवंधी व्यक्तियों देखें सूर्यना की तामील से 30 दिन की विविध, वी की अविध वाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्विकें व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजदत में प्रकाशिंग की धीरींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हिंहें कर्ड़ेंच किसी मन्य व्यक्ति ह्वारा अभीहरताकारी के पींच सिवित में किए वा सकेंगे।

स्यक्कीकरण:----इतमें प्रयुक्त कर्यों और पर्दी का, को उनेक निविनयमं, के कथ्याय 2-0-क में विद्यानिकी हैं, वहीं अर्थ ही गेर की उस मिलाबि में विकेष गमा हैं।

## धनुसूची

"गाला मं॰ 107, जो पहली मॉर्जिल, रॅबी इंडस्ट्रियच इस्टेट, प्लाट नं॰ 25, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, बाफ महाकाली केव्हज रोड़, मंधेरी (पु), बंबई 400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/20552/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौक 21-5-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्वन रैंज-2, बण्बरी

तारीख: 3-1-1986

# प्रका वार्ड ही एवं एक

(1) मैंसंसे अहाँगीर बिल्डर्स

(श्रन्तरक)

विक्रिंद बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुवना

(3) मारकस बी० मोरेस

(भन्तरिती)

#### माख ररकार

कारीक्य, बहायक वायकर आगुक्त (निर्दोक्क)

ग्रजैन रेंज-2, बम्ब€

वम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1986

निर्देश सं॰ ध**६** -2/37--**६६**/20559/84--85---धतः मृत्ते,

लायकरं कियंनियम , 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके करपास् 'उमेर विधिनियम' मेहा गैंवा हैं), की भारा 285-च के बचीन समर्भ प्रश्चिकारी की यह विकास करने का वधीन सक्षम प्रशिवकारी की, यह विदेवास करने को कारण हैं कि क्थावर संगीन जिसका उचित बाजार मुख्य

‡,0**0**,000/- स्त. से अधिक ह

- वो जिसंकी से 6 पसीट मं 3 501, सी जिंग, हथा प्रपाटेंगेंट, विधेरी (क्रूं), बेंबेई-93 में स्थित हैं (और ईसी उपाबद प्रमुखी में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतामा प्रायकर प्रधितियम की धारा 269 क, ख के धीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीखं 23-5-1985
- कीं प्रेंबित सम्पत्ति के उपित बांबार मूंख से कम के स्वयमान अतिका की लिए अतिरत की नहीं ही और मूझे यह निश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उपित बाजार पंचह प्रतिस्वास का अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती धूंबन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चवा अधिका निश्निविद्या सहीं किया व्याप्त की सामा किया की सामा विद्या की सामा किया की सामा की सामा की सामा किया की सामा की सा
  - (क) बन्तरण से हुई फिती बाव की बावत्। स्वतः बीधनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के सिविस्य में कर्ती करने या स्वते वे सुविधा के सिविह बीर/वा
  - (क) दिनी किसी नाय या किसी धन या जल जास्तियों की, जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 की 11) वा उंक्त जिनियमं, या धनकर जिधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा में स्थिए;

को बहु सूचना जारौँ करके पूजीं केत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हां।

र्डमेंसं सीपीता की वर्जन की सीबेथ में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इंस सूर्वनी की राजिपित्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की. तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा बंधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा संकों।

स्विधिकरण:---दिस्य प्रयुक्त बर्ध्या कार पंदी का, जी उसल कार्जिनियम, की कध्याय 20-के में पंरिशाधिक ही, वहीं वर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### पनुसुची

फ्लैंट नैं॰ 361, जी तीसरी मंजूल, सी विग, हवा धपाडेमेंट, महाकाली केव्हज रोड़, अंधेरी (पू), बंबई-400093 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसाकि कर संर श्रई-2/37/ईई/20559 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वेगरा दिनाक 23/5/1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> र्प्रशात राथ सक्षेम प्राधिकारी सङ्ख्याक खायकर आर्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज−2, बम्बई

वर्षः अथ, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की अनुभूष्य वी, नी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (ई) के वधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :---

वारीखं . 2-1-1986 मोहर , प्रस्य बाइ . ती , एन . एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज--2, बस्बई बस्बई दिनांक 2 जनवरी 1986

िर्देग सं० प्रई •2|37-ईई|20594|84--85---पतः

मुझे, प्रशात राय,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

वार जिसकी सं० यूनिट कि क, आपोला इंडस्ट्रियस इस्टेट, बंधेरी (पू), इबई 93 में स्थित हूं (बार इसके उपाबद अनुसूर्वा में बीर पूर्ण रूप से विणव हैं), बार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्याक्य, बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-5-1985

को पूर्वा क्या सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमाय प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास स्थरने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल स, एसे स्वयमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिवाद से बिथक हुं भीर अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, विम्निसिक उव्देश्य से उक्त बन्तरण निविद्य में वास्त्रिक रूप से क्षिणक महो किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत विधिनयम के अधीन कर देने के बन्तरक के वामित्व में कमी करने या उत्तसे ब्वाने में बृतिधा के लिए; बॉर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विकास जाना चाहिए था, जियाने में बुविधा के सिए;

नतः नव, उनत निभिनियम की भारा 269-व के अनुतरम में, में, उनत निभिनियम की भारा 269-म की उपचारा (1) के नभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैसर्स कैनासकुपा एन्टरप्रायश्वेस

(प्रम्तरक)

(2) मैससे बी॰ रावन एण्ड कंपनी

(घग्तरिती)

न्य यह सूचना थारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति के सूचन की सिय कार्यवाहियां करता हूं।

सकत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मेंप :----

- (क) इस त्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिए या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की जनिए, के भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों स्थान व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी स्यत्रित द्वारा, जभोहस्ताक्षरी को पात सिवित में किए था सकोंने।

सम्बद्धियमः :---व्यानं प्रयुक्तः सम्बद्धं नीर पद्धां गतः, यो सम्बद्धः अधिनियमः, के अध्यायः 20-कः ने परिशाणितः ही, यही नर्भहोगा यो उस सध्याय ने दिवा गता ही।

#### seri

यूनिट गं० 27, जो ग्रापोलो इंडस्ट्रियस इस्टेंट, महाकाली केव्हज रोड, अंधेरी (पू), बंबई 400093 में स्थित है।

प्रनुसूर्व। जैसाकि ऋ॰ सं॰ प्रई--2/37-ईई/20594/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 23-5--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी बहायक श्वायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन चैंज- 2, बस्य**र्ड**

ता**रीख। 2-1-1986** मोहर:

# क्ष्म बार्षु । सीत हुन्। हुन्।

वातवाः स्थितियमः, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-स (1) वे स्थीप स्थान

#### . WILL BERTH

# व्यवस्थितः, बहार्क नायकर नायुक्तः (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिलाक 2 जनवरी 1986

निर्देश सं० भई -2/37-ईई/20597/84-85--- भवः मुझे, प्रमातः राय,

नागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके प्रवाद 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धाय 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित गानार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव प्रिट मंव 65, प्रापंक्षी इंडस्ट्रियन इस्टेट, अंधेरी (पु), बंद हैं 93 में स्थित है (और इससे छपाबद्ध प्रमुख्ती में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका करारनामा भाषकर प्राधिनियम की घारा 269, क, ख के प्रधी: सक्षम प्राधिकारी के कार्यांक्य में रिजस्ट्री है, तारीख 24-5-1985

को प्वॉक्त सम्मत्ति के उचित वाबार म्स्य से कम के स्वयंत्रम्म हितकस के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि प्रथाप्योंकत संपीत्त का उचित वाबार मूल्य उसके स्वयंत्रान प्रतिकल से, एसे स्वयंत्रान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रक्रिकन, निम्निविचत उद्योग्य से उच्च अन्तरण किविस से वास्तिक रूप से कथित नहीं क्या क्या है हिन्त

- (क) जनरण से हुई कियी बाय की वायत स्वयः वीपीनपत्र की वर्षान कर दोने के बन्तरक की वाजित्य में क्रती करने या उसने बचने में कृषिका के जिए; भीर/वा
- (ख) इचिं किसी बाव वा किसी वन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयम, या धन-कर अधिनयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम जन्तरियी व्यास प्रकट नहीं किया व्या वा वा किया याना चाहिए चा, किसाने के खुविया के विक्:

बत: बत, उक्त विधिनियम की धारा 269-प के अन्सरण हों. हीं, गुक्त विधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) द स्पोन निकालिसित व्यक्तियों, वर्षाद ह— (1) मैससं हरीओम एसासिएटस

(भन्तरक)

(2) मैसर्स आर॰ राघल एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (धन्वरिती)

को यह सूचना ब्रारी करके पृशांक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति से वर्षन से सम्बन्ध में न्यांद्र भी बासेप :---

- कि इस ब्यान के राज्यन के प्रकारण की ताड़ीय है 48 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण ह—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

युनिट मं० 65, जो श्रापालो इंडस्ट्रिशन इस्टेट, महाकासी केन्द्रज रोड़, अंधेरी (पु), बम्बई 400093 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि क॰ सं॰ भई-2/37-ईई/20597/ 84.85 और जो सजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा खिनोक 24-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सद्दायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) यजेंन रेंज - 2, बस्बई

तारीख: 2-1-198<sup>6</sup> मोहर *उ* 

# प्रकल् बार्च औ पूर्व पूर्व - -----

ल्याकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन क्ष्यना

#### तारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर नायुक्त (निराक्षण)
अर्जन रेंब-2, बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1986

निर्देश सं० श्र**ई ·**2/37श्र**ईई**/**°0599/84·85--शत** : **मुद्री,** , प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके राप्तान 'उक्त अधिनियम' कहा बया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मृस्य 1.90 030/- रा. से अधिक है

जीर जिसकी सं० युनिट नं० 11, प्रापोली इंडिस्ट्रियल इन्ट्रेट, अंग्रेरी (पु), बस्वई 93 में स्थित है कि और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिपका करारनामा आयकर अधिकियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है. तारीख 17-5-1985

करे पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गड़ हैं और मुने कह जिक्काल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोते दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अस्य जास्तियाँ की, चिन्हों भारतीय नाय-कर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या सकत जिएनियम, दा धन-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्मिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नाया था या किया नाम चाहिए था, कियाने में अधिवा के विद्या

कतक कव उनत विधिनियम की भारा 269-म के क्यांतरक वो, में उनत विधिनियम की भारा 269-म की उपभाख (1) में वभी। निम्नलिखित व्यक्तियों, क्यांत टू---- (1) मैससे चित्रात एक्ट्रियायनेस

(ग्रन्तरक)

(3) श्रीमंबी गीता कीशोह दनानी

(भन्वरिवी)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति से अर्थन से जिल्क कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

स्वत सम्पत्ति के वर्षन् के स्प्यत्थ को कोई भी वाक्षेप्रक्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिस की अवधि, को श्रीक अविश्व वाद में स्माख होती हो, को श्रीक्य मृह्मेंच्य स्वत्रितकों में से किस्मी स्वदिस इसाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर समस्ति में हितबहुद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहुस्ताक्षरी के पास निवित्त में किय वा सकेंगे।

स्वत्वीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी संस्था अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागिका हैं, वहीं अर्थ होना को सर अध्याय में विद्या क्या है।

# वन्सूची

युनिट नं 11, जो तल मंजिल झानीलो इंडस्ट्रियल इस्टेट महाकाली केव्हज रोड अंधेरी (पू). बंबई-400093 में स्थित है।

धनुसूनी जैसाकि क॰ सं॰ धर्ड-2/37-ईई/20599/ 84-86 और जो सम्मन्न प्राक्षिकारी बस्सई द्वारा दिनांक 17/5/1986 की रजिल्टर्ड किया, सम्म है।

> प्रशांत राष समय प्राधिकारी सहायक प्रायकर खायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2. बम्बर्ड

तारीख: 2 -1--1986

## प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ----

# बावकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 2 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई 2/37-ईई/20636/84-85--श्रत: मुक्ट प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि रथावर मम्पित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर िसकी सं० युद्धि नं० 126, ई बिक्सिंडग ग्रंसा इंडस्ट्रियन इस्टेट, बम्बई 72 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुनी में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), ग्रीर जिसला करारनामा अयार स्थिरियम की धारा 269 वा, ख के श्रवीन सक्षम प्राधि गरी के सार्यात्रय, बम्बई में रिक्ट्री है, तारीख 24-5 1985

को प्वींक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कर सम्पित का उचित्त बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा वया इतिफल निम्निसित उद्देश्य से उसत अन्तरण विविद्ध में बास्तविक समृ से कियत बद्धों किया वया है

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी आय का बाबत, उकत नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीड़/शा
- (ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या बन्व जास्तियाँ को, जिन्हाँ जारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम, वा धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा सी लिए?

बत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें, कें उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अकीस निकासियन स्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स ग्रंसा बिल्डर्स

(ग्रन्तरवः)

(2) मैंसर्स गागन पेकेजीगस प्राइवेट विभिटेंड (अस्तरिती)

की यह अपना बारी करके प्वॉक्त संपत्ति के वर्णन के विष् कार्यवाहियां करता हो।

#### उक्त सम्मत्ति के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः 'की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रजानिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकोंग।

स्वव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्स व्यक्षिनियम के अध्याय 20 कि में परिसाधिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## श्रनुसूची

"युनिट नं० 126, जो पहली मंजित, ई बिल्डिंग, श्रंखा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साको विहार रोड, साकी नाका, बंग्बई 400072 में स्थित है।

भ्रनुसुची जैसाकि कि॰ सं॰ श्रई 2/37-ईई/20636/ 84-85 श्रीर जो सक्षत प्राप्ति तरो, बम्बई हारा दिनां छ 25/5/1985 को रिन्स्टिई िया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राविकारी । सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रें ४-2, बम्बई

तारीख: 2-1-1986

भोहर:

प्रक्ष. बाइ. टी. एत. एस्. - - - -

# मायकड ज्यानियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् ((1) के स्पीत स्पना

#### बार्ख बढ़का

## कार्यासय, सहायक बायकर बाव्यस (निरीक्षण)

ग्रजैंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई -2/37-ईई/20606/84-85---ग्रतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 135, शेर ए पंजाब सोसायटी, श्रंथेरी (पु), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबह श्रनु-सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर सिशा करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख श्रधीन असक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिस्ट्रिं है, तारीख १ 23-5-1985

को पूर्वेक्त सम्मित के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान व्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया क्रियफल निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तीयक रूप से किया नहीं किया गया है ॥

- [क) बन्तरम् तं हुई किसी बाय की सम्सान स्वतः वीधित्वन से वधीन कर दोने से सन्तरक सी वादित्य में कमी करने वा उससे सम्बंधी सुविधा के लिए; और/वा
- (बा) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा चन-कर अधिनियम, बा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खें लिए;

बता वय उपत विधिवय की पारा 269-म से वयुक्रण की, मी, उस्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधिन, विक्तिविध व्यक्तियों अधित हा—466 GI/85

- (1) श्रीमती तलकोकचन कौर रनजीत सिंह (अन्तरक)
- (2) मैसर्स पूष्पा कंस्ट्रवशन्स

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जनिध, को औं जनिध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में त्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वाहित्व :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस्अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

प्लाट नं 135, जो शेर ए पंजाब सोसायटी, महावाली कैव्हज रोड़, ब्रंधेरी (पु), बबर्म्ड ; स्थित है। श्रनुसुची जैसाकि का सं श्रई-2/37-ईई/20606/

श्रनुसुना जसाक क० स० ग्रई-2/37-ईई/20606/ 84-85 श्रीर ज सक्ष,म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-5-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजेंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप . बाइ . टी . एक . एस् , - + - - -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकाडु

## कार्यालयः, सहायकः वायकर वायक्तः (निर्मक्षकः)

फ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनां र 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई 2/37 ईई/20648/84-85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं युनिट नं 8 ग्रीर बेस्मेन्ट नं 8, 9, नन्दघनश्याम इंडस्ट्रियन इस्टेट, ग्रवेरी (पु), बम्बई 93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुनी म ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रीयकर ग्रिधिनियम की धारा 269 की, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी कार्यात्रय, बम्बई म रिस्ट्रिट, है, तारीख 25-5-85

कारी कार्यात्रय, बम्बई म रिल्ट्रा है, तारीख 25-5-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार
बृत्य उसके दश्यमान गतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
वाबा गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
किश्वत में बास्तविक स्पू से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त सीधीनयम के अधीन कर देने के बन्तरक के दासित्य में: कमी करने या उसक्त बचन मं सूर्विधा के लिए, सरैंर/बा
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को. किन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः प्रक, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स श्रोराम ट्रेडर्स

(ग्रन्तरकः)

(2) मैं सर्स हसको

(ग्रन्तरिती)

की वह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

वक्त सम्परिष्ठ के, बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में २० दिन की प्रविध , जा भी अविध बाद में रूपप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भे रर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास किसबत में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण: ---हरूपें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

# ग्रनुमूची

"युनिट नं० 8 ग्रीर बेमिट नं० 8, 9, जेम बाहा म इंडस्ट्रियन इप्टेट ग्राफ महंली केहा रोड, ग्राजेरी (पु), बम्बई 400994 में स्थित है।

श्रनुसुनं जैसा कि स० सई 2/37 ईई/20648/84-85 श्रीर जो सक्षमं प्राधि गरो, बम्बई हारा दिना स् 25/5/1985 को रिभस्टर्ड िया गया है।

प्रशांत राय रासन प्राधिकारी सहायन द्वायकर द्वायुका (निराक्षण) द्वर्जन रोंग-2 बन्बई

तारीख: 7-1-1986

मोहर 🛭

प्रस्य नाह<sup>र</sup>े ही<sub>ं</sub> एन<sub>ं</sub> एस<sub>ं</sub> - = - --

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### प्रार्थ बर्काड

कार्यां तय, सहायक वायकर वायकत (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रंई- 2/37- ईई/20660/84- 85—-ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किंधिनियम' कहा गया है कि बारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० युनिट नं० 101-ए डी० बिल्डिंग, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई 72 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणि है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय, बम्बई रिजिस्ट्री है, तारीख 23-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यक्षर प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निव्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य, उसके अध्यमन प्रतिफल हो, एसे अध्यक्षन प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे बाखाविक अप से अधिक का विद्या पता है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्ध् बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तीरती इवाय प्रकट नहीं किया वया भा वा किया जाना खाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ट व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) मैसर्स ग्रंसा बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) राव साहेब एन० पाटील

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए का सकेंचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

"युनिट नं० 101-ए, जो पहली मंजिल, डी० निलिडग श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी निहार रोड़, साकी नाका, बंम्बई-400072 म स्थित है।

श्रनुसुची जैसािक ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/20660/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्नई द्वारा दिनांक 23/5/1985 को रजिटस्ड किया गया है।

> प्रशांत राय स्वाम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

मोहर ध

प्ररूप बाईं. टी. एन. एसा.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनाक 3 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई  $\cdot 2/37$ -ईई/20661/84--85---म्रतः मुझे, प्रशांत रायः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूटि नं० 136-ए, डी बिल्डिंग, अंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-72 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध श्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर अविदिस, 1961 की धारा 269ए, ख के श्रधीन, बन्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-5-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रकारक निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्रारा प्रवृत्त उहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- कता इब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नील शित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

(1) संसर्व अंतर विदर्श।

(भ्रन्तरक)

(2) नेसर्स मरकूरी नेल्स होस्पेन्सिन।

(प्रस्तिरती)

को यह सचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्प्रन्थ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से ज़िसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त २०२१ और पदो का, जो उक्त अधिनियल, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में टिया गया हो।

#### **अनुसू**चो

यूनिय नं 136, जो पहली मंजिल, जी, विहिडंग, अंसा इडाइतार एप्टेंब, साजी विद्वार रोट, साठी व्यक्त, बम्बई 400072 में स्थित है।

चारुद्देश जैनाता क० गं० हिं-2177 84-85 ओ: मा समर प्राधिकारा बावई द्वारा दिसक 23--5--1985 को रजंग्यई किस गंध है।

> प्रसात राध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्वा (िरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिशका. 3-1-1986 मोहर: प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, बहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज--2, बमवर्ष बन्बर्ष दिसांक 3 जन्वरी 1986

िर्देश स**०** १**६** १/37 **६** /20671/84-185----- श्रत. मुक्षे, प्रशांत दृशाय

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं ओर । नसके संव युद्धि नंव 134, एक बिरिडंग, अंसा इंडापुंराच इप्टेंड, अंरिरी (प), त्याई 19 में पिया है (औ: इसी काद्ध कार्ज़ में भे अं पूर्ण रूक ने वित है)आर विकास कर पर असर धरिष .931 का धारा 269, क. ख हे प्रवीत बच्चई स्थित साम प्राधिकारी के कार्यालय में जिप्टूं है। दिना : 25 .5 . 19 .5 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन भा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकां) और (अन्तरिशत्याँ) के बीच एस अन्तरण के लिए सब राया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिश्वित

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त बाध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तिया को, चिन्ह भारतीय बायकर श्रीभी वयः (1922 को 11) या उन्त और नियम के कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपान के शिए; और/या

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

(1) मेसर्भ अंना बिरडर्भ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स चिजय इंजीनियरींग।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के सज्जध में को**र्डभी आक्षेप** :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तिया पर पृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृचींक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस समना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध कि.सी बन्य व्यक्ति दवारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय १०० व गोलभावत है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अ**मृ प्ची

युीट नं० 134, जो 'हिनी मंजिल एफ बिल्डिंग, अंसा इंजीक्ट्रान इक्टि, सार्का चितार रो७, साकी ना<mark>का, बम्बई-</mark> 4000/3 में निया है।

ांगु (तं: हैसार्क: क० सं० हाई :2/37 ईई/20671/ 84:33 आ: ा। मजम गांगिकारी बाजई द्वारा दिनाक 25:5:1935 को जिस्टर्ज किया गया है।

> घराँत **राय** स**अम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) शर्ज रेंज-2, बस्द**ई**

fatt: 3-1-1988

मोहर 🕄

## प्रकृष बाइं.टी.एन.एस -----

# बाथकार आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### बारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बग्टई

बम्ड ई, दि तंक 7 जनदरी 1986

मुझे, प्रगति राह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्व ४,00,000/-रु. से अधिक है

औं: जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, इमाल नं० 30, शेर ए, पंजाब अंदि (प), बाद : 93 सामिता हे (और इसने प्रतिबद्ध अलुदुंबी में औं: पूर्व कर ने प्रणित है), और जिनका करारामा प्रतिकार प्रविधिम 1961, की धारा 309, क, या के प्रविधि व वह गिया सक्षम प्रविकारी के कार्याक्षय में जिल्हा है लिखा 25.5.1985

को प्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अतरित को गई हैं और मूक्षे रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एते दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिंध में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आस या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के [सए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, वर्षीन :---

(1) राकेश सचदेव।

- (अन्तरक)
- (2) राजकुमार एच० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदी का, को उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ग्रनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो, तल मंजिल, इमारत नं० 30 जो शेर ए पंजाब को-आँप हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, माहाकाली केव्हज रोड, म्रधेरी पू०), बम्बई 400093 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37 ईई20676/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनांक 25-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहादक मायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्राजैन रैंज-2, बम्बई

**電荷事: 7-1-1986** 

प्रकृष बाह'. टी: एन. एख.----

हायकर बार्धान ज, 198, (1961 क 43) की भाग्र 269-व (1) के बधीन स्वना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सत्यिक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) राष्ट्रीय रेज-2, बरवर्ष वावर्ष, राष्ट्र 7 जरारी 1986

िर्दो : सं० वर्ष : २३ । १६ २०७४४/८४ -८५---अतः मुक्को, प्रधान राहा,

धायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स व अधीन सब्भ प्राधिकारी यो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

अर्थः स्थिति संव गांचिक १८, आंग मिरिन संव ४, इसारत संव १, निकार गांगि १०११ १० सिता संस हैंडे अधेरी (प्व), २०६ १० १ विकास (आ इस १००० खालुर्ना मों और गांगि १ विकास वेश प्राप्त आराकर विकास १००० हैं १ विकास से किश्मीत बायाई स्थित स्थार गांगि १ के दार्थिका से किश्मीत है । दिश्य 27.5.1935

को प्वेक्ति सन्मति क उचित बाजार मूल्यं से कम के इस्यमान श्रीतफल के लिए अतिरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्मों का संपत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण में हुई विसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्वए; और/या
- (क) एंगी किसी आय ग जिसी धन वा अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भगानाय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा,269-ग के,अनुसरण कि की, उक्त अधिनियम की धारा-269-ग की उपधारा (1) की बंधीन, निम्मलिखित का जिंतायों, अधीत :--- (1) श्री इश्वर लाल पान्टलाल गार्धाः।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लता जय राम शेटटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुस्ची

"शाप नं 16 और गेरेज नं 4 इमारत नं 1 विमान दर्श को अाँप हाउसिंग सोसायटी लिम्टिंड, सहार रोड, अंधेरी (पूर्व), बस्बई 400069 में स्थित है।

ं अनुन्दी जैसाकी कि सं र्ह 3/37 ईई/20754/ 84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बज्बई द्वारा दिनांक 27-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशात राय सक्षम आधिका**री** सहायक ग्राइकर श्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्वर्ष

दिनांक 7-1-1986 मोहर: प्ररूप नाइं. टी. एक. एस., 🗷 🕾 😤 🗝 🕶

बायकर विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के वधीन स्चना

#### धाइत बहुकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 2 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20756/84-85--ग्रतः मुझे प्रशाँत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कर् भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, इमारत नं० 1, प्लोट नं० 9, भवानी नगर, अंधेरी (पू०(), बम्बई—59 में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनाँक 27—5—

को पूर्वोक्त संपंति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिब में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी नार्यकी नार्वति, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने वा उससे व्यक्ते हैं हेकिया से किए; लौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिकों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया बाना चाहिए था, डिक्सारे के सुनिधा के सिए,

अत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ज़पधारा (1) के नधीन, निम्निविचित व्यक्तिवो, के वैद्यान, निम्निविचित व्यक्तिवो, के वैद्यान, निम्निविचित व्यक्तिवो, के वैद्यान 43—466 GI/85

(1) दिपक बिल्डर्स प्रायव्हेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दत्तात्तय एच० घोटगे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्तं सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काहें भी वासेय ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ६ 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भैन्दर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्दभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकैंगे।

स्यष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## <del>ग्र</del>नुसूची

प्लाट नं० 6, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 1 प्लोट नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रधेरी (पू), ब्रम्बई 400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/20756/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहारक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-5-1985

श्रारूप बाई.दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 13, इमारत नं० 1, प्लोट नं० 9, भवानी नगर अधेरी (पू), वम्बई-59 स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि।नयम 1961, की धारा 269, क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 27-5-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्का) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किंशत नहीं किया गया है ——

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिधिनियम के बंधीन कर दैने के अन्तरक की बाबित में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, र धन-कर अधिनियम, 1953 हो 77 के उन्न के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गरु भवा का व्याख्या जाना जाहिन् था, कियाओं सें स्विधा के लिए;

भतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के इत्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) दितक बिल्डर्स प्रायव्हेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्राभाविजय चौधरी। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जासीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की नाराध है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यांक्तया ५६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रध्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विकार गर्म, है।

#### वन्स्थी

फ्लेट नं० 13, जो तीसरी मजिल, इमारत नं० 1, प्लोट नं० 9, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अधेरी (पू) बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कै० सं० ग्रई-2/37–ईई/20758/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27–5-1985 को रजीस्टई किया गया है।

प्रशांत राम संझम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्र-2, बम्बई

दिनाक : 2-1-1986

# प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आया मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनाक 2 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई--2/37--ईई/20759--84--85----ग्रत: मुझे प्रशांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिक रो को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसाकी सं० पलेट नं० 11, इमारत नं० 5, प्लोट नं० 9, भवानी नगर ग्रधरी (पू), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 27-5-195

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अशः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) मेसर्स क्रुरदिपक बिल्डर्स प्रायव्हेट लिमिटड । (श्वन्तरक
- (2) श्री मती सती एच० पंजाबी और रमेश एच० पंजाबी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्व व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास रिस्चित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसम प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय-20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेंट नं 11, जो निसरी मंजिल इमारत नं 5 फ्लोट नं 9,, भवानी नगर, मरोल, मरोशी, ग्रधेरी (पू) बम्बई 400059 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क्रम मंं० ग्रई-2/37-ईई20759/ 4-85 और जो सक्षम प्राधिअकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राल सक्षम प्राधिकारी सेहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-1-196

मोहर।

# प्ररूप आई..टी..एन..एस ...-----

# शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्पना

#### शारत तरकार

# फार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 7 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई--2/37--ईई/20768--84--85---ग्रत: मुझे प्रशांत राय वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पदचात् 'उक्त आंधनियम' कहा गया है), का धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रज. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लेट नं० 102, बिल्डिंग में, रेल्वेमैन ग्रपना घर मोसाईटी ग्रधेरी (पू), बम्बई-69 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची मे और पूर्ण रेप से वर्णित है), और जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियक 1961, की धारा 269, क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनाक 27-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के ब्लयकान शितफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ्थंं। एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बारितयों करें, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा औं जिद्दा;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण भा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वी उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखित व्यक्तियों, अर्थात् : —

- (1) श्री कें बी जोशी
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री डी० के० साने।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हैं।

#### बन्द संपत्ति के अर्जन के मंबध में काई भी बाहतेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ह ींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी मैंबिध बाद में ममाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हित- के किसी अन्य प्रकित किया अधाहस्ताक्षरी के पास लिबिट में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों शरे गदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिझा बया हैं।

#### म्रन्स ी

पलेट नं० 102, जो बिल्डिंग ए, रेल्वेमेन ग्रपना घर को-आँप हार्जीसग सोसाईटी लिमिटेड, मोग्रा विलेज सी० टी० एस० नं० 345 ग्रधरी (प्) बम्बई 400069 में स्थित है।

श्रन्सूबी जैसाकी के० सं० श्रई-2/37-ईई/20768/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय संक्षम प्राग्धकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्-2 बम्बई

दिनांक: 7-1-1986

प्रस्थ बाह . ही. एन एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के बधीन सुचना

#### मार्त सरकार

# कार्यां नय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज→2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 जनवरी 1986

निर्देश ंसं० म्रई-2/37—ईई/20795/84-85— - म्रतः मझे. प्रशांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिमकी मं०.सी० टी०एस० नं० 487, सर्वे नं० 50 ग्रंभेरी (पू), बम्बई म स्थित है (ग्रौर इससे उपाव∉ ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिमका करारनामा ग्रामकर ग्रिधिनियम 1961 को धारा 269, क. ब के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में र्राजस्ट्री है। दिनाँक 28-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अतरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण ग्या श्रीतिकस, दिन्निविधित उक्के विश्व अन्तरण दिनिविध के स्वतिकस, दिन्निविधित उक्के विश्व अन्तरण है ....

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त आर्थानयम क अधान कर दर्न के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उसस बचन में सुविधा क श्रेष्म ; बीड़/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर आंधानयम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त आंधानयम, या धर्न-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का बाहिए था, छिपाने में सुविधा से जिए।

बत: बन, ७ वत अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जपण्या (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित् क्र--- (1) श्री मायकल डीसीलवा।

(ग्रन्तरक)

(2) मोनॉर्क बिल्डमी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकासन की तारीच वें
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
  कर्मा म किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकों में

स्थष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्धां जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रशाही।

# **प्रन्**स्ची

जमीन का हिस्सा जिसरा सी० टी० एस०नं० 1487 सर्वे नं० 50, हिस्सा नं० 12, कोंडोविचटा विलेज प्रवेरी (पू), वम्बई है।

ग्रनुस्ची जैसाकी का संव ग्रई-2/37—ईई/20795/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई हारा दिनाँक 28-5-1985 को रजीस्टई किया गया है।

प्रशाँपत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँ ह: 13-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई-/20798/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लेट नं० 302, हवा ग्रपार्ट मेंट, अंधेरी, (पू), बम्बई 93 में स्थित है (यौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधितियम 1961 की धारा 269, क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। विनाँक 30-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) जहांगीर बिल्डरी।

(अन्तरक)

(2) श्री मती ग्रोफेलिया मेन्डीस ग्रीर ग्रन्थोनी मेन्डीस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट न० 302, जो तोपरी मंजिल, हवा स्रपार्टमेंट, महाकाली केव्हज रोड, स्रंधेरी (पू), बम्बई 400093 में स्थित है।

त्रमुसूची जैसाकी कि० सं० ऋई-2/37-ईई/20798/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बर्म्बी द्वारा दिनाँक 30-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक: 2-1-1986

प्रस्य बाह् . टी. एन्. एस्.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 2 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20818/84-85--ग्रतः मृझे, प्रशांत राय,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यार करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 1, इमारत बी/4, माप खान नगर, ग्रंधेरी(प्) बम्बई-59 में स्थित है (ग्रौर इपसे उपबद्ध ग्रनुसूची मैंग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारतामा आयकर ग्रधि-नियम को धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कांग्रीलंध में रजिस्ट्री है।

दिनांक 30·5-1985

को प्वेंक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रामान प्रतिफल के लिए क्नितिस्त की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बभापवोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से विधिक हैं और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बन्तिरितियाँ)। के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिचल द्रव्येच्य से उसक बन्तर्थ विधित में बाखिलक रूप से कथित नहीं किया गया हैं...

- (क) कन्तरण वं हुई किसी नाग की वाबल, उपल जिल्लीसम में बचीन कर दोने के बन्तरक के रास्तिए में किसी कहते या उद्दर्श देवने में सुविधा के लिए; बीट्/बा
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या किसी जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) यो उनत निधिनयम, या भन-कर निधिनयम, या भन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) से प्रवेशनार्थ नस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा ने सिए;

अतः अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् क्षण- (1) ए० एस० बिल्डसं।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मालती मोती राम तेहसीलदार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीस से 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए वा सकतें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिया वया हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जी, तल मंजिल, इमारत बी/4, माप खान नगर, मरोल नाका, श्रधेंरी (पू), बम्बई 400059 में व्यान है।

यतुसूत्री जैसाकी कि० सं० ६ई-12/37/ईई-120818/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30.5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक थायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-2, बम्बई

दिनांक: 2-1-1986

## प्ररूप आहर . टी. एन्. एस. -----

राय**कर अधिनि**धः.. १५७**१** ( ७६, का ४३ की पास २६० घर्मा के जातिर समस्य

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक अध्यकर वाय्क्त (निरीक्षण)

स्रजेत रेंज⊶2. वस्वई बस्वई, दितंक 2 जतवरी 1986 निर्देण सं० स्रई-2/37-ईई/9467-84-85-ंस्रतः मुझे, प्रणांत राय

बायकर अधिनियम, 1091 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिक्षित्रम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० जी--125, अंसा इंडस्ट्रियत, इस्टेट ग्रंधेरी (प्), तस्वई--72 में स्थित है (और इसी उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण का ने राणित है। और जिसका कराराधा प्राप्तकर श्वितिरम की धारा 269 के, ख के राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है। दिएक 13--5--1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बाधीन , निम्निष्टिखत व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) की अभेद कि पाछ।

(अन्तरका)

(2) मैसर्स कोस्ट एन्ट अध्यसेस।

(अन्तरिती)

की थह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स मम्पत्ति के अर्जन के लिए

## तक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्म्वी

इंडस्ट्रिश्च यूनिट तं० जी-125 तो पहली मंजिल, अंसर इंडस्ट्रिश्च इंस्टेट ती. साकी वितास रोड, अंधेरी (q), सम्बर्ध-400072 में स्थित है।

अनुभूवं: जैसाकी कर संर हा 2/37-ईई/29467/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई हारा विलोक  $13.5\cdot1985$  की रजिस्टई किया गया है।

प्रणान राघ सक्षम प्राधिकारी महाथक राधकः आयुक्त(निरीक्षण) ग्रुकेत रेंज-2, बस्बर्ड

ਿਸ਼ੇਵ : 7-1-1986

गोहर:

# प्रस्य नाइ .टी.एन.एस. = - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर वास्कत (निरीक्षण)

ग्र.जं : रेंज-2. वम्बई बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/29468/84-85--ग्रतः मझे. प्रशांत राय.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी मं० यूनिट नं० 33, इमारन बी, नत्तन्दज्योती इंडस्ट्रियल इस्टेट बम्बई--72 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961, की धारा 269, क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है।

दिनांक 10-5-1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित को गई है और मृक्षे यह विश्वास हैं तो का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्या, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का बृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गथा प्रतिकल, निम्नोलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण कैलिखल के बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
44 —466 GI/85

- (1) श्रीमती उजामबेन जयरामभाई धाक् । (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्री नीवासगोविंद गावकर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षेत्ररणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों कीर पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं 33, जो दूसरी मंजिल, इमारत बी, नन्दज्योती इंडस्स्ट्रियल इस्टेट कुर्ली, अंधेरा रोड, सफेंद पुल, वम्बई 400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं० श्रई-2/37-ईई29468/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 10-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक। 7-1-1986 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन,एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/20123/84-85---ग्रतः मुझे प्रशांत राय

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 14 निले पर्ने उद्याः विकास को औंप हांउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, विले-पार्ले (पू), बम्बई -757 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध छनुसूर्वः में और पूर्ण रूप से विश्वत है), और जिसका करार गमा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 व स के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है। दिनांक 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ स के लिए जन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण रिलीखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबता, उक्त बाधित्यमं के अधीन कर गोने के अन्ताक के बाधित्य में कबी कारने वा उसके उचने में करिया के सिए; बार्ट/मा
- (क) एसा किसी जाय या किसी धन जन्य जाहिलयों स्थं चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था बा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्य रण में, में, उक्त आधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् र— (1) श्री मुनील कमलाकर वरेरकर।

(ग्रन्तरक)

(2) र्श्वामती सुगमा ग्रशोक सूरलाकर और श्री श्रशोक रामचन्द्र सूरलाकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाशेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभा<sup>तिक</sup> है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

### **बनुसुची**

पलैट नं० 14. जो दूमरी मंजिल, विले—पार्ले उद्यान विकास को -ऑप हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, तेजपाल स्कीम नं० 2. विले पार्ले (ए), वस्वई 400057 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी कि मं अई--2/37-ईई/20123/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वाण दिनाक 9-5-10985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रजांत ाय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर आयुका (निर्दक्षण) ग्रार्वेन रेंज 2, वस्बई

विनांक: 3-1-1986

मोहर

प्ररूप् बार्ड्ःटी. एन्. एस .-----

आयकः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्राह्म 269-म (1) के बभीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (जिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1086

निर्देश सं 2 ग्राई-2/37—ईई $/20475/84 \cdot 85$ --प्रतः मुझे, प्रणात ाय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० फ्लैंट नं० 603 शिरिन सोहराव पेलेस विले-पार्ने (प्), बम्बई 57 म स्थित है (और इसमे उत्तरह अनुनुत मे और पूर्ण रूप से टिंगत है), ओर जिसका करारतमा आयकर अधिनियम की धारा 269 क के कारासिक प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री - है. तारोख 17 मई 1985

्ध्र व कि सम्मान क उचित बाजार भून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि मन्तिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हप में कथित नहीं किया गया है:—

- ्रं अन्तरण म हुई किसी जाय की बादत उक्त बिष-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसस बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ्ष्णं एसि किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

1. मेसर्व सवानी फेमीली ट्रस्ट।

(ग्रन्तरक)

 ती महेन्द्र कुमार प्रतापचन्द्र गाह और वदालीबेन प्रतापचन्द्र गाह।

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रशा की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६५ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदि अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में एउटा गया है।

# अनुसूची

फ्लॅंट नं० 603, जो गिरीन सोहराव पलेस, प्लॉट नं० 225, नारीमा गोड, विले पार्ले (पु), बम्बई-400057 में स्थित है।

ग्रनुसूर्च। जैसाकी कि० मं० ग्रई 2/37/ईई/20475/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंतरेंज-2, बम्बई

गारीख: 31-1-1986

त्रक्य बार् ्टी.एन.एस.-----

नाधकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्थान

#### HIST TRAIN

कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निद्वीक्रण)

जग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 जनवरी 1986

िर्देग सं० क्रई-2/37-ईई/2**058**2/<mark>84-85----ग्र</mark>तः मझे, प्रणात राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्वें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संरुप्लोट नं 335, यदीन्द रोड विलेपार्ले (पु) यम्बई-57 में स्थित हैं (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य ने विणित हैं), और जिसका करारनामा आपवार अधिनियम की धारा 2769क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 22 मई 1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते अध्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया दया प्रतिक का निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्यित में वास्तिवक क्य से किश्वत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत उक्त बीध-नियम के बधीन कार दोने के बन्तरक के दादित्य में कभी करने वा उबसे बचने में सुविधा के लिए;
- (स) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्म जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा न्ये लिए;

ब्दः नदः उन्त विधिनयम् की धारा 269-न नै नमृतर्थः मा, मा, उन्त विधिनयम् की धारा 269-म की उपधारा (१) क् वधीन, निम्ननिवित व्यक्तिस्में, बर्णास् हिल्ल 1. मेसर्स गीरीण कन्सट्कणन की०।

(ग्रन्तरक)

2. नेसर्स एम० जी० त्रिल्डर्म।

(ग्रन्तरितीं)

को बह सूचना बादी करके प्यांक्त सम्मन्ति का अवन का विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका अंशीजाल प्लाट नं. 305, टी॰पी॰ एस॰ नं॰ 5, फायाल प्लीट नं॰ 335 श्रद्धानन्द रोड, विलें पार्ने (पु) वस्वई-400057 है।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं गई-2/37-ईई/20582/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बग्बई द्वारा दियांक 22-5-1985 को रजिस्टई विधा गया है।

> प्रशान राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनां 3 जनवरी 1986

निदेश **सं० अई-**2/37-ईई/20712/84-85---अतः मुझे, शांत राय

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 406 कमन कुण विले पालें (पू०) बम्बई-57 में स्थित है (श्रौर इसने उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 में खें अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री ई नारीख 27-5-1985

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाकार मृत्य से का के सहबद्यान् प्रतिपन्न के लिए बंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिखत से ब्रांधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए त्य पाया गया प्रतिक कव निम्मतिसित उद्देश्य से उन्त बंतरण लिसित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधित्यम के बधीन कर दोने के असरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बार/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय कायकर लिएकिया, 1) रें (1922 का 11) या उक्त लिएकित का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के विद्

भतः, भव, उस्त विधितियम की धारा 269-न के अनुसरक कों, भीं सक्त विधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को विधीत, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. एस' जे जनस्ट्रकगन्स।

(अव्रतरक)

2. श्री अर्रावद के० गाह ग्रौर श्रीमती भारती ए० शाह।

(अन्तरिती)

को यह चुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्षन की सिक्ष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के 'साजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों अप हों का, बो उक्ट अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया नया है।

#### awwell

फ्लैंट नं० 406, जो चौथी मंजिल, कमल कुन्ज, 7 मुद्राप रोड़, यूनाइटेंड इन्ह फैक्टरी, विले पार्ले (पू०), बम्बर्ड-400057 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कर संर अई-2/37—ईई/20712/84-85 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थास 269-थ (1) वे वधीन स्चमा

भारत सरकार

# कार्यावयः, समुख्य वायकर वायक्त (पिर्वेक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/20715/84-85--अत: मुझे, प्रशांत राय.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्री जिसकी सं० श्रोरिजनल प्लाट नं० 463, दिले पार्ले, (पू०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारपामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 म, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्ष,म प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के धरामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति शालार मृत्य, उसके दश्यभाग प्रतिफब क्ष्यमान प्रशिकत के पन्द्रह प्रतिकद से बॉर वंतरक (बंतरका) बॉर वंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिपत्न , निकासियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया यदा 🗗 🖫 🛶

- (क) अन्तरण से 🖫 किसी माम की नायतः, अन्तर अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक। थे दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविका के बिक्ट कीर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर बिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया क्या था का विकास कामा काहिए था, कियाने में स्विधा कें सिद्

बत: बब, उक्त अधिनिवय की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मै० पूजा डेवलपर्स।

(अन्तरक)

2. श्री शिवकुमार मोतीलाल जलन जलन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करहा है।

## उनके संपरि के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विम की व्यविष वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पनाकी तानीस से 30 दिन की बविध, को भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका ग्रोरिजनल प्लाट न० 463, टी० द्वी० एस० 5, फायनल प्लाट नं० 272, सी० टी० एस० न० 1695, विले पार्ले, (पु०), बम्बई है। अनुमुची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37-ईई/20715/

84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बट्ट द्वारा दिनांक

24-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

# इस्य बाह्" हो पुन पुर .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को बधीन सुचना

#### ारत सरकार

# कार्यालय, सहारक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

अजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निदेश स॰ अई-2/37-ईई/20203/84-85-अतः मुझे, प्रशांत राय.

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० णाप न० 3, शिरीन सोहराव पेलम, विले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की दादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विश्वित में कमी करने या उससे दचने में सुविधा से विश्व क्षेत्र का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 हैं। 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकक अधिनियम, मा धनकक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को सिए।

जता जब, उक्त जिमिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में जस्त अधिनियम की धारा 260-घ की स्वभार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

1. मै० सवानी फैमिली ट्रस्ट

(अन्तरक)

2 श्री रभेश चूनीलाल वतानी ग्रौर अन्य।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को शीं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा बदा है।

### मन्सू ची

शाप न० 3, जो शिरीन सोहराब पेलेस, प्लाट न० 225, नारीमन रोड़, विले पार्ले, (पु०) बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि कि सिं  $\xi-2/37-\xi\xi/20203/84-85$  और जो मक्षट प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-1-1986

प्रकथ बाइं.टी. इन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2. वम्बई

बम्बई, दिनां व 6 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/19795/84-85--अतः मझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे किमें सिक पण्चात 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रोर जिमकी म ० यूनिट न ० 30/112, लक्ष्मी इडिस्ट्रियल इस्टट स्रधेरी (प०) वम्बई-58 में स्थित है (स्रोर इसमें उपावद्ध अनुसुची में स्रोर पूर्ण कर ने विणित है), स्रोर जिसका करारक्षमा आयणर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, नारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि वथा पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथत नह स्थान गया है है—

- (क) बन्तरण संहुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीण कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने वा परिवास के लिए; बीर/मा
- (ण) एंती किसी नाय वा किसी धन या जन्य नास्तियां को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) चे म्बोक्शर्य जन्मितियम क्लिरियो प्राप्त प्रकट नहीं किया नवा था सा किया जाना चाहिए वा क्लिप में सनिभा के लिए;

शतः नव, उनतः विधित्यमं की भाषा 269-व कं वन्धरमं मं, मं, उनत अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः 1. मे र्स लक्ष्मी इडस्ट्यिल इन्टेट।

(अन्तर ह)

2 मेमर्स अभिग फैमिली दुम्ह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त हम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाकांव हु-

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकानन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, यो श्री नवधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशित की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा हकों ने।

स्वस्टीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

यूनिट नं० 30/112, जो पहिली मंजिल, लक्ष्मी इंड-स्ट्रियल इस्टेट, ना निंक रोड़, आफ वीरा देसाई रोड़, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुभुक्षी जैस. कि ऋ० मं० अई-2/37—ईई/19795/84—85 ग्रोंग जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को पजिन्टई फिया गया है।

> त्रमांत राय तक्षम प्राधिकारी नहाय : आयक्षर आयक्ष (निरीक्षण) प्रजीन रज-2, बम्बई

हारीख: 6-1-1986

माहर:

# प्रस्प बार'. टी. एन. एच

काबकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 2/37-ईई/19931/84-85---ग्रत :मुझे प्रशाँत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० फ्लैंट नं० 204, इमारत नं० 21, जोगेश्वरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3~5—1985

का दूर्बोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिखत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्निसिंख उद्देश्य सं उनत अन्तरण जिस्तित भें वास्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

45—466 GI/85

(1) श्री झीयाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरक)

(2) डा० अब्दूल्ला खान

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिख्य आर्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के वर्जन के संबंध में कोई' भी बाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांबद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीदर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकांगे।

स्वध्दीकरणः --- इसमें प्रगृक्त कब्दौ और पदों का. वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित्र हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया इस हैं।

## मन्स्ची

"फ्लैंट नं० 204, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 21, सर्वे नं० 41 (पार्ट), बेहराम बाग के पीछे, स्रोशिवरा विलेज, जोगेश्वरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है। स्थन सुस्वी जैसािक ऋ० सं० स्रई- 2/37-ईई/19931/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 3-5-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

प्रणाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

तारीख: 7-1-1986

प्रस्थ बाह्र टी. एव. एक. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्थाना

#### मारत हरूकार

## कार्याचन, बहानक जायकर वाग्यत (विरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँए ७ जनवरी 1986

निर्देश मं० ग्रई-2/37-ईई/19933/84-85---- ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० १०३, डमारत न० ३, श्रधेरी (प). वंबई 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 269 की धारा क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वेन्स संवस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यान विकास के लिए बन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने के। कारण है कि यथाप्वोंक्ट मपित का उचित बाजार कृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से कृतिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नसिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्वेद्ध रूपमानिक क्य में किंग्रस गया हैं:---

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उज्ज्ञ अधिनियम के अधीन कर बीने के बन्तरक के दासित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉड/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्ही भारतीय बायकर ब्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनयम, या धन-कर ब्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्राह्म कर नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

स्तर तक अधिनियम की धारा 269-भ के अन्यरण त , मैं उबक अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इंड धीन, जिस्सीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) श्री ज्ञीयाउद्दीन वृखारी

(ग्रन्तरः)

(2) जेख युसुफ याक्व

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रबोक्त संपति के अर्जन के पिए कार्यनाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेष :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारिंश है 45 दिन की जनिश्व या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्यंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस् जा सकोंगे.

स्यक्टीकरणः इसमें प्रयुक्त क्षम्यां जीर पदां का, जा उन्तर शोधीनयम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

"फ्लैंट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं. 3, सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोणिवरा विलेज, स्रंधेरी (प). वंबई 400058 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसाहि करु संद श्रई-2/37-ईई/19933/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाँक 3-5-1985 को रिजस्टिई किया गया है।

> णॉन राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1986

# प्ररूप बार्च, टी. एन. एस..------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सुचना

#### धारुव वहकार

# कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 2/37-ईई/19956/84-85--ग्रन : , मुझे, प्रशाँत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जियकी सं० फ्लैंट नं० 302. इमारत नं० 21. जोग श्वरी (प), बंबई 58 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ग के निए तय पाया मया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में दास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबस, उसके बिधिनियम के अधीन कर दोने के लग्जरक की दाबित्व में कभी करने या उससे बचन में जुनिशा के लिए; कीट्र/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बन, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की ल्पभारा (१) के बधीन, रैनम्निसिस व्यक्तिमां, संसित् क्रिक्ट (1) श्री झीयाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री सागीर ग्रहमद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मध्यित के अर्जन के निम् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबध में कोई भी बाक्षंप ---

- (क) इस स्थना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों मा सं किसी व्यक्ति द्वारा.
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ट्रंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के स्थावर में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसची

"फ्लैट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं० 21, सर्वे नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/19956/ 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बी

तारीख: 7-1-1985

प्ररूप बार्ड्, टी. एन., एस., ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के वधीन स्चना

#### TIST THE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई→2/37—ईई/19958/84-85——ग्रन: मुझे, प्रशॉत राय.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 702, इसारत नं० 21 (ग्रल-मक्काह), जोगेश्वरी (प), बम्बई 102 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हित्फल, निम्निविचत उद्देश्य से उसत बन्तरण सिविचत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अऽरण स हुई किसी बाय की बावत, उक्त जिल्हा के अंतरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) इंसी किसी बाम या किसी वन या बन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने या स्विधा के लिए;

बतः बवः उक्त विधिनयम की धारा 269-म के बन्दरण वे, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात क (1) श्री झीयाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी तबस्सुम म्रब्दुल सत्तार बृ्रूब्द (ग्रन्तरिती)

की बह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओर ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिथ, जो भी बबिध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त ख्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास्;
- (ख) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के धास सिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया नवा हैं।

## अनुसूची

"फ्लैंट नं० 702, जो सातवीं मंजिल, इमारत न० 21, (ग्रल-मक्काह), सर्वे न० 91 (पार्ट), ग्रोशिवरा विलेज, जोगे श्वरी (प), बम्बई 400102 में स्थित है। ग्रनुस्चो जैसािक ऋ० स० ग्रई-2/37-ईई/19958/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बर्म्बों द्वारा दिनाँक 3-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज- 2, बम्बई

तारीख: 7-1-1986

प्रकृष बाहं : टी. एर. एर .....

# भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्रधीन स्पना

#### MING HEWS

# कार्यातय, सक्कारक बायकर वायकत (निर्दाधक) ग्रजित रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवर्रः 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/19959/84-85--- ग्रत: मुझे प्रशात राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके दश्यात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं यिनट न 30/105, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, स्रन्धेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपावद स्रनुसुची मे स्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) स्रौर जिन्हा करारनामा स्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख.के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफरा के लिए अंतरित की गई है और मुके

मह विश्वास करम का कारण है कि यथाप्वास्त सम्पत्ति का स्थित वाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल तो, एसे स्थ्यमान श्रीतफल का पंद्रह प्रतिस्त से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरण के लिए स्थ पाया था प्रतिफल निम्तिलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण के लिए स्थ पाया था प्रतिफल निम्तिलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण के लिए स्थ पाया था प्रतिफल निम्तिलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण के लिए स्था पाया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सूविभा केलिए; अ<sup>के</sup>र/या
- (ख) एसी किसी आग या किसी धन वा बन्य झास्तियों की चिन्हों भारतीय झावकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, दे धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया को साथ में सुनिया के बिए ॥

क्या जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अबे अधीष, निम्निनियस व्यक्तियों, शर्थात् क्रिक (1) मैं सर्स लक्ष्मी: इंडस्ट्रियल इस्टेट

(ग्रन्तरकः)

(2) मैं सर्स एमपी एथीकलस प्रायवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 4-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पीत में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूवा शब्दों ओर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया हया है।

#### **प्रनुस्**ची

यूनिट नं० 30/105, जवे पहली मंजिल, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/19959/-84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 6-1-1986

## इक्त बाई. टी. एन. एत. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के स्थीन स्थन

#### भारत सरकार

# कार्यांलय, सहायक भावकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रजन रें ५-2, बम्बई

वस्बई, दिनां । 8 जनवरी 1986

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान, 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उनित बाबार मृज्य 1,00,700/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं पर्नेट नं 504, इमारत नं 21, प्रस्थेरों (प), बस्बई-58 में स्थित है (स्रोर इससे उपादछ अनुसूची में स्थौर पूर्ण रूप से विणित है (स्रौर विश्वता ारारनामा स्रायगर स्थितियम की धारा 269 ा, ख है स्रवीन एक्षम प्राधितारी के गार्यालय, दम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इस्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे इस्यमान प्रतिकाल का वन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में उन्तरिक अप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा असे किए; बीर/गा
- (क) ऐसी किसी बाब दा किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय अग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना चाहिए था, ख्याने में स्विशा के बिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कों, कीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रो झीयाउई।न यूखारी

(प्रसार ह)

(2) महमद एहतेस्नाम अजमन

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की ज़दिथ, जो भी मृत्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीदार प्रवेकिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राज्यम् में प्रकारत की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बहुद किसी बन्म स्थाक्त ब्लारा, अभोडस्ताकारी के पास निवित्त में किए ना सकार्ष ।

स्वव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि भ-नियम के बध्याय 20-क में परिभागित हैं, बही अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिया गयः। हो।

## श्रनुसूची

पर्लंड नं० 504, जो पाचवी मंजिल, इमारत नं० 21, सर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, श्रधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा शि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/19961/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांच 3-5-1985 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

तारीख: 8-1-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक जायकर जायक (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, व्यस्वई

वम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/19963/84-85----ग्रतः मुझे प्रशांत राय

शाक्कर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० पलैंट नं० 102, जुपीटर-1, ग्रन्धेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिस म करारनामा प्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री है, तारीख 3-5-1985

को प्रोंकत संपत्ति के उनियत बायार मृत्य से कम के उपनान प्रतिकल के सिख् बन्धरिक की नहें हैं और मृत्ये वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्यों वह सम्मति का उपित बायार मृत्य, उसके उपनान प्रतिकल के एसे उपनान प्रतिक के कलाई प्रतिकत से विश्व है वीर अंतरक (बंदरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बाक्तिक रूप से आधित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत, उक्त विधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए कर छिपाने में सुविधा खे सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण थें. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभिन, मिम्सिलिखित व्यक्तियों, नथींत् हु—

(1) कुमारी ब्लोमोम ए० कोलेको

(अन्तरहा)

(2) श्रीमर्ता के० ग्रार० कमलम, ग्रौर श्रो ग्रार० जो० नरसीमां

(ग्रन्गरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसने प्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## **अन्**स्ची

फ्लैट नं० 102, जो जुपीटर-1, चार बंगलोज, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० मं० ग्रई-2/37-ईई/19963/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 3-5-1985 को रिक्टिड िया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिः (री सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज-2, बम्बई

नारीख: 3-1-1986

# 

# भायकर अधिनियम, 1961 (१961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुवना

#### HILL STAIR

# कार्यात्वय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्देण मं० अई-2/37-ईड/19987/84-85 - शतः मुझे प्रशांत राय

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भूमके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आएं। हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका सचित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 1403, माउन्ट सी० व्हीयू को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका पारारनामा ग्रायकर अधिनियम को धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, नारीख 3-5-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्यममान प्रतिफल से, एसे ध्यमान शितफल का नद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त त किमिन्यम के बधीम कर दोने के बन्धरक के बायित्व में कनी करने या उससे व्यन में सुविधा के सिए; कीर/या
  - (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिवा के सिद्ध

ं अतः जल, उन त अधिनियम की धारा 269-व को जनसरण भे, भं, जनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निन्निसित व्यक्तियर अर्थां के

(1) श्री अब्बाकर एच । पारेखा

(ब्रन्तरक)

- (2) डा० च्इन मेंग शीह और श्रीमती यीन चीह (अन्तरिता)
- (3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह प्यता बारी करके पृत्रों कर सम्पृतिस को वर्धन को जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## बक्त सम्मतित् के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स,
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शत्र लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परशंकरणः ----इसमं प्रयुक्त शुब्दों और पदों का, जो उक्तः विधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसुची

फ्लैट नं० 1403, जो चौदवी मंजिल, माउन्ट सी० व्हीय को० ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी, जे० पी० रोड, वर्सोवा, बम्बई 400061 में स्थित है।

ग्रनुमुची जैसा कि त्र० सं० ग्रई-2/37-ईई/19987/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-5-1985 को रिक्टिई किया गया है।

> प्रशांत राष्ट्र सक्षम प्राधिकारी सहा**यक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-2, **बस्ब**ई

तारीख: 3-1-1986

# प्रकल आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आधकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-2, वम्बई

वम्बई, दिनां 🕆 21 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20049/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीण िक्त सं० फ्वैट नं० 301, इमारत बी०, बेनहर को० श्राप० हाउं मि सीपायटी, अन्त्रेरी (प), बम्बई-58 है (श्रीण इपसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीण पूर्ण रूप से विणित है) श्रीण विस्ता अपना प्राथम प्राधिनायम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीक 9-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रह्मा प्रतिकार, निक्की संदित के उक्त अंतरका सिंहित में शास्तिक रूप से किथा नहीं लिया ग्रह्मा सं

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-िनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कचने या उक्त सचने में सृतिभा के लिए; और/दा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुनिक्षा के लिए;

(1) श्री । रिविदलान प्रभ्दास शेथ

(भ्रन्सरका)

(2) श्री जे० एन० मनशरमानी

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्स सम्पर्त्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अन्**स्ची

फ्लैट नं० 301, जो इमारत यी, बेनहूर को० श्राप० हाउसिंग सोपार्टी, चार बंगलोग, श्रम्भेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसुची जैसा िः ऋ० सं० अई-2/37-ईई/20049/84-85 और जो सक्षम प्राधि वारी, बम्बई द्वारा दिनांदः 9-5-1985 को रिजस्टर्ड दियागया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-12-1985

बस्य बाइ टी एन एस .-----

बायकर विश्वितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जनरेंज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी, 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20051/84-85----ग्रत: मुझे, प्रशांत राय

जासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अनीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित काजार मृज्य 1,00,000/- क. से अधिक है

स्रौर िसकी सं० फ्लैटनं० 602, इमारतनं० 20, अन्धरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूर्चा में स्रोरपूर्ण रूप से विणत है (स्रौर जिसका अरारनामा स्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्रो है, तारीख 9-5-1985

को पूर्णेक्स सम्मिति के उणित बाजार मूक्य से कान के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि नभाव्नोंक्त तम्मित का उणित बाजार भून्य, उभक्ते दल्बमान प्रतिकत से, एसे वश्यमान प्रतिकत का पन्तई प्रसिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाजा पना प्रतिकत, निम्नीकिश्वत उज्जद से उन्तर अन्तरण का श्रीकत, निम्नीकिश्वत उज्जद से उन्तर अन्तरण का श्रीकत से वास्तर सम्मित्त, जिसका उणित बाजार मृत्य विविद्य में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्यारण से हुई किसी बाब की बाबत , उक्त आँभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दबीक्त्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के बिक्; और/या
- (स) ऐसी किसी नाथ या रिज़सी धंक पा जन्य आस्तिओं का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, क्लिनों में सुविधा के जिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अबे अधीन नियमित व्यक्तियों, अधीन किस्ति (1) श्री जी० याउदीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्रैया निहली बुगेरी

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिथ् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थात्रर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निविध में किये वा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रन्यूचा

फ्लैंट नं० 602, जो छठवी मंजिल, इमारत नं० 20, सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोणिवरा जिलेज, झन्धेरी (प), वम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा ि ऋ० सं० - ग्रई-2/37-ईई/2005 1/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-11986

प्ररूप बाह'. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्याल**व**, महायक <mark>वायकर वायकत (निरीक्षक)</mark> श्रर्जन रेंज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20070/84-85---ग्रतः मुझे प्रशांत राय

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधित्यम' कहा गया है), की धास 269-स के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित वाकार मृस्य 1,00,000/- रु. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, ए विंग, गीता किरन को श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपापढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर तूर्ण रूप में विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षण प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 9-5-1985

को प्रशंकत सम्पत्ति के उिचत बाजार मृल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंक्ट प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बील एसे अंवरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निजीखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर देने के बंतरक के दायिला में कभी कारने या उससे बचने में मुनिधा के निवार वाँगिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन जन अधिनियम, या धन जन अधिनियम, या धन जन अधिनियम, वा धन प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

बतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अर्थ ।, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती अमनजीत कौर

(ग्रन्तरह)

(2) श्री कृष्ण कुमार प्रेमनाथ सेकी, श्रीमती रनजीत कौर कृष्त कुमार सेकी ग्रीर श्रीमती जन उरानी प्रेमनाथ सेकी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के जिए क संवाहिकां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप ---

- (क) स्व सूचना के द्रावपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जानील से 30 दिन की बविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस बूचना को राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास निविश्त में किए जा क्षकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होने! जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

फ्लैंटनं० 12, जो पहली मंजिल, ए० विंग, गीता किरन को० ग्राप० हार्जेसंग सोसायटी लिमिटेड, चार बंगलोज, जे० पी० रोड, ग्रन्धेरी (प), वम्बई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/20070/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राविकारी सहायक आयागर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्दई

तारीख: 8-1-1986

प्रारूप आईं.टी एन.एस. . . . . . .

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सचनः

#### भारत सरकार

# कार्यांतव, बहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई

वम्बई, दिगांक 6 जनवरी 1986

निर्देण सं० ग्रई-2/37-ईई/20077/84-85 -- ग्रनः सुझे प्रशांत राय

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका श्रीचन बाबार बुक्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 32/117, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रन्धेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावह ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम की धारा 279 के, ख के ग्रधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिनिट्री है, तारीख 9--5-1985

- (क) बन्तरण से हुए किसी आब को बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए बार/बा
- (व) एसी किसी बाब या किसी अन वा कन्य आसिसकी की, बिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वर 11) या उन्ने अधिनियम, 1957 (1957 कर अधिनियम, 1957 (वर्षा) कर नहर सक्या नाम वाहिए था, क्रियाने में मुक्तिया के लिए;

भें, ब्राँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुभार को, ब्राँ, उक्त अधिनियम की धारा १८० च बरी न स्पार १३) धे क्षीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत —

- (1) भैमर्ज एक्मी इंडस्ट्रिया इस्टेट
- (現在代表)
- (2) श्रो हरशरन सींग गुजरान

(धन्तरितो)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्याधितयों पण स्थान की तामील से 30 दिन को अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इंबारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विशेषत के किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, वो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

## अम्सूची

यूनिट नं ० 32/117, जो पहनी मंजित, नक्ष्मी इंडस्ट्रियन इस्टेंट, न्यू जिंत रोड, ग्राफ वीरा देशाई रोड, प्राधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि क० में० अई-2/37-ईई/20077/84-85 और जो नक्षम आधिनारी, वस्वई द्वारा विवां 9 5 1985 को रिनस्टर्ड वियागया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्रावि हारी सहाप्रय प्रायक्षण प्रत्युम्त (तिरीज्ञण) प्रार्वेत रोंच, प्रस्वर्ध

तारी ३ : 6-1-1986

# प्रस्य बाहं .टी .एव .एक .....

# बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

# कार्यालय सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20115/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भव्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्य 1,00.000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, इमारत नं० 19, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपबाद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसवा करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 9-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान ग्रांतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्नलिखित उद्योध्य से स्वक बन्दरण निखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया नवा है —

- (का) सम्बरण वं हुइं किसी बाव की बावस, उपसे अभिनियम वी अभीन कर दोने के सन्तरका वं दायिएय में कारी करवे या उसमें वचने में सुविका वे सिका; विद्-/वा
- (ब) ऐसी किसी लाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 दा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना बाहिए बा, कियाने प्रविवास की किया की विवास की किया की विवास की किया की विवास की किया किया की किया किया की किया की किया की किया की किया किया की किया की किया क

करु. तक, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुकरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री जीयाउद्दीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रव्वास एच० खान

(ग्रन्तरिती)

को यह सुणना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्वन के बिर कार्यवाहियां करता हो ।

## उक्त सम्पत्ति के दर्शन के सम्बन्ध में कोई' भी नाकीए :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा बकींचे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

फ्लैंट नं० 501, जो पांचवी मंजिल, इमारत नं० 19, सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा विलेज, ग्रन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि सं० अई-2/37-ईई/20115/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1986

प्रकृष आहें टी॰ एन॰ एस०-

आधकर अभिनियात्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

# कावसिव,, नहायक आयकर गामृक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंड-2, बरबई

बम्बई, दिनां नवम्बर 1986

निर्देश सं० - ग्रई-2/37-ईई/20116/84-85 ---ग्रतः म्झे, प्रशांत राय

बाधकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परवात (उनत अधिनियम) कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास कारमें का काशिन है कि स्थापर कम्पत्ति दिसवार अधिक बाखार कार्या ।

स्रीर जिसकी सं पलैट नं 502, इमारत नं 19, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड़ अनुसूर्ची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) स्रीर जिसका करारनामा आयकर स्रिधिनियम की धारा 269 का ख के स्रवीन सक्षम प्राधिकारी के सार्यालय, बम्बई में रिक्ट्री है, तारीख 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कृत्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास स्वरः है कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का मंडह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप सं किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण चंहुई किसी बाय की बायत, उक्त अधि-नियम की बनीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा सससे वचने में सुविधा के लिए: बीट/वा
- (च) एंती किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिकों का अन्य आस्तिकों का अन्य अभिनेत्रम, 1922 (1922 जा 11) मा उक्त अभिनेत्रम, 1922 भनकर अर्थार्थक, 1957 (1957 का 27) न्त प्रयासनाथ अन्ति एती व्यारा प्रभट नहीं किसा भरू था था किया जाना आहिए था. जिएाने में स्विभा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुनरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीय, निम्नलिखित व्यक्तिक्षमों, अर्थाक् (1) श्री जीयाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरः)

(2) श्री अध्वाम एव० खान

(अन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्विकत क्षात्र अधाहस्ताक्षरी के पान निकास में किस का सकर्मे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

फ्लैट नं० 502, जो पांचवी मंजिल, इमारत नं०19, सर्वे नं० 41 (पार्ट), ओशिवर विलेज, ग्रन्बेरी (प), बम्बई 400058 में त्थित है।

अनुसुर्च। जैया ि क० सं० अई-2/37-ईई/20116/84-85 आर जो सक्षम प्राविकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय रक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्षर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंच-2, बम्बई

तारीख: 9-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर बरिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की

#### बार्ड बरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनां । 9 जनवरी 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/20185/84-85—ग्रतः मुझे प्रशांत राय

वायक र व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- असे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण-है कि स्थावर सम्पत्ति. विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं यूनिट नं 104, युनिवर्सल इंडस्ट्रियल इस्टेट सन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उप बढ़ ःनुस्कां में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है) स्रौर ि पा रारकामा स्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 बाख के स्रवीन सक्षम प्राधि-दारों के जार्यात्रय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रितिभल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार स्त्य, उसके द्वर्यमान प्रतिभल स, एसे द्वयमान प्रतिभत का भन्तह स्त्यमान प्रतिभत स, एसे द्वयमान प्रतिभत का भन्तह स्त्रात्र का भन्तह प्रतिकात से विधिक है बार संतरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथत नही किया गया है :---

- (क) नन्तारण सं हुइ निक्षी नाय की बाबत उपक विधित्यम के क्योंच कह दोने के जन्तरक हैं श्रीयस्व में कभी कड़ने वा उससे वचने में श्रीवधा के निष्: कीड़/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त आयोजयम की धारा 263 न के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधार भी के अधीन, जिम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमतो निर्मा रमननाल वखारिया

(ग्रन्त रक)

(2) मफ तलाल एण्ड सूमन्तीलाल

(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करक वृज्ञाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए अंग्यकाश्वरा करता हूं।

उक्त सक्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नी अक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी अविश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस ब्रम्मा के राजपन में प्रकाशन की तारीक है 45 विष् के ब्रीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त जिस्ति में किस् ता नुक्ति

स्थब्दीकरणः---इहम प्रकृतन्त शब्दों और पदों का, वो उक्त, अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को तस अध्याम में दिवा गया है।

#### التدوي

यूनिट नं० 104, जो पहली मंजिल, युनिवर्सल इंडस्ट्रियल इस्टेट, जे० पी० रोड, प्रन्थेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

प्रमुद्धाः जैना ि २० सं० ग्रई-2/37-ईई/20185/84-85 ग्रोर जो अक्षत प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड विदा गया है।

> प्रशांत राय · सक्षम प्राधिकारी बहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख ' 9 1-1986

प्रका बाहें. टी. एन. एस.----

# नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### मारत करकार

# काबोसम, सहायक बाबकर कायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांवः 30 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20204/84-85 - रतः मुझे प्रशांत राय

बाह्नकर विभिन्तियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नम' कहा गया हैं), की भारा 269-क् के बभीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 200, कोहीनूर-बी, जोगेश्वरी (प), बम्ब--102 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा अध्यार प्रधिनियम की धारा 269 अ, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य, बम्बई में रजिस्ट्रो है, तारीख 30-5-1985

को पूर्नोक्त सम्मित के उचित बाचार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्नोक्त सम्मित्त का उचित बाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पहले प्रतिकल से बिस्त है और अंसरक (अंतरकों) कोर अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पात्रा गमा प्रतिफल कि निम्नितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गमा है:---

- हुँक) वंशहण वे हुई किसी नाय की बावतः, उक्क बीधनियम् से नधीन कट्ट दोने के बन्तरक के शिवत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से सिए; मोट्र/मा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी भन या जन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिकार अधिकार का प्राप्तियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 किया क्यों कार्या अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ब्या था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा वे नियः

ब्रुत् कत, उक्त जिथिनियम की थाय 269-ग के अनसरण बा. बी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) बा वधीन, निम्निविष्ठिट व्यक्तियों व्यक्ति क्षान्त 1) श्री अनया एम० जतीन

(अन्तरक)

(2) श्री इरफान ए० ग्रजीज ग्रौर श्रोमती फातामाबाई ए० ग्रजीज

(म्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उनक दश्नित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षण .---

- (क) इस स्चना के राजवन में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की जनिंध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पृष्ट सूचना की सानीस से 30 दिन की ब्याप्त, इसे बी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

#### Name of Street, or other

फ्लैट नं० 206, जो काहिनुर-बी, बांदीवली विलेज, जोगेश्वरी (प०), बम्बई 400102 में स्थित है।

ग्रनुमुची नैसा िः के० सं० ग्रई-2/37-ईई/20204/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-85 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-12-1985

प्ररूप बाइं ुटी एन , एव . ----

(1) श्री जीयाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरकः)

(2) बशीरमीयां ग्रब्दुल लतीफ

(अन्तरिती)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

मारत तरकार

# कापांसन, सहायक जानकर जान्कर (निर्दाक्त)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1986

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त कि धिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 303, इमारत नं० 10, स्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा श्रायकर स्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-5-1985

"की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल के रुद्ध प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया नवा है द

- (क) वंदरण से हुई किसी बाब की बाबत, उपस विभिन्निय के वभीन कर दोने के अन्तरक में दायित्व में कमी करफे या उससे बचने में सुविधा से लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय बावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः सम, उमत विधिनियम कौ धारा 269-न के अनुसरक में, गें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, विभनतिस्थित व्यक्तियों, वर्धातः—— 47—466 GI/85 को वह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनिध, को भी जनिध नाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेरू हितबर्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआषित ह<sup>व</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

फ्लैट नं० 303, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं० 10, सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोजिवरा विलेज, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है

ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/20224/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-1-1986

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस. ======

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### नाइत तरकार

# कार्याच्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर, 1985

निर्देश मं० अई-2/37-ईई/20243/84-85--- स्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० गाला नं० 107, श्रीपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, जोगेश्वरी (प), बम्बई 102 में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबढ़ अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम वी धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान शिक्तका के लिए अन्तरित की गर्द है और अनुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्जोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भूक्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एंचे क्रयमान प्रतिकल का भक्क प्रतिकत से बीधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरित्रियों) के बीध एंसे अन्तर्ण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिखित में धास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व कें कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (च) क्षी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कार्रे, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वे विकट

अत: अब, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) इलैक्ट्रो मेकेनी सल इंडस्ट्रीज् ।

(ग्रन्तर३)

(2) श्रोणं इर हिमतलाल पारमार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बविध, वो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (व) इस सूचना के हाचपत्र में प्रकादन की वारीब के 45 दिन के भीतह उक्त स्थादर संपत्ति में दिव-नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त सिष्टित्वत के सभाग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सभाय में दिशा गया है।

# अनुसूची

गाला नं० 107, जो पहती मंजिल, श्रीपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रोशिवरा, एस बी० रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थित है।

अनुसुर्चा जैसा ि त्र० मं० अई-2/37-ईई/20243/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-5-85 को रिजस्टर्ट िया गया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, **बम्ब**ई

नारीख: 30-12-1985

# प्रका बाई ु दीं एत पुरा पुरा ----

# बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे ब्यीन स्थान

भारत सरकार

# कार्यांत्रम, सहायक नायक र नामृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20246/84-85--- ग्रतः मुझे प्रशांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, इमारत नं० 17, ग्राणिश को० ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी निमिटेड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 13-5-1985

श्वां पृथितेक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयंत्र प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंग्यत नहीं किया गया है:——

- (क)। अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-बिब्द के ब्रुपीय कर देने के बन्दरक के कारित्य में कमा करने वा डब्ब क्यने में सुविधा के बिब्दे; बीड/बा
- (क) एती किसी बाब वा किसी अन वा बन्य बास्तियों की, चिन्हें भारतीय बायकर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उनत् अधिनयम, वा चन-कट विधानयम, वा चन-कट विधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोचनार्थ बन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया चना वा वा किया जाना चाहिए था, छिपान में बृद्धिया थे किय;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अकुतरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, क्लिमिलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री जगदीश विरेन तंगी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जरीनावाई म्रली मकबर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वृद्ध सूचवा बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के बिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उनत् बन्दित के वर्षत् के बन्दम् में कीए शी बालेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की नवींच ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की नवींच, को भी वर्षाच नाम में से जाएत होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यम में मुकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपर्तित में हित-बहुध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताकरी के पास निचित में किए वा दकीने।

स्वस्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उस्त विधनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो इमारत नं० 17, श्राधिश को० श्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गुरु नगर, चार बंगलोज, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि से ग्रई 2-/37-ईई/20246/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 13-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-12-1985

# प्रकप नाइ े टी. एग. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20248/84-85---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कस्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 601, इमारत नं० 14, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधनियम कीधारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्टी है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पूसे दृश्यमान प्रतिफल के चंक्क शितशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखत उद्दश्य से उक्त बन्तरण मुंबाबा में बाल्डीबक रूप से कथिल नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के पिए; और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में त्विधा के खिल्ल

कक्षः, तम, उन्त निधीनयम की धारा 269-य के तमृत्रका मैं, के में, उन्त अधिमिनन की धारा 269-य की उपधास (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, तथीन :---

(1) श्री झीयाउद्दीन बूखारी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गञ्बीर ग्रली हुसेन चछमेवाला

(ग्रन्तरिती)

को बहु शुक्ता जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं त्रकाशन की तारीखंसे 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यांकरण:--इसमें प्रब्दत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो छठवी मंजिल, इमारत नं० 14, सर्वे नं० 41 (पार्ट), बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कं स्रई-2/37-ईई/20248/84- 85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जनरेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20250/84-85——ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 37, यशवन्त नगर, ग्रन्धेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलिहत में वास्तविद रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के [लए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1), के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हीरालाल लल्लूभाई चोक्षी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दमयन्ती नवीनचन्द्र शाहग्रौर श्री केतन नवीनचन्द्र शाह।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्नरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

प्लैट नं० 37, जो पांचवी मंजिल, यशवन्त नगर, एस वी० रोड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37-ईई/20250/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब द्वाईरा दिनांक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-1-1986

मोहर ध

प्रका बाई ु टी, एन ु एस ु------

कायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धारीन सूचवा

बाउव सडकाड

# कार्यातय, सहायक नामकर नामुक्त (निद्वीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ऋई-2/37-ईई/20256/84-85---ऋतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की भाख 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाखार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 40/2, वर्सीबा व्यू को० श्रॉप० हार्डिसिंग मो पायटी लि०, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रियोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बल्द्ध प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितीतयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नीलिखित उद्देश्य से उनत अंतरण जिल्दि में बास्तिक क्रम से क्रिकत नहीं किया गया है क्रिक

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बावत उच्छ विभ-रिवाय के बधीन कर दोने के बन्तरक के शावित्य में क्रमी कहने या उत्तर्ध वचने में स्विभा के सिए; करि/या
- (ब) एंबी किसी जाब वा किसी वन वा बन्च आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वब् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या वा वा किया आना बाहिए था, कियाने में सुद्धिया वे जिल्ह;

क्तः अव उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बनसरण भा, में, सक्त विधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) को वधीन, निम्निलिया व्यक्तियों, अर्थास् ह— (1) शेख मुनीरा नेगम शेख मुनीरूद्दीन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पम्पा दोमा डेनजोग्फा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सन्प्रतितु से वर्डन है जिए कार्यनाहियां करता हूं।

# उक्त संपरित के वृर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप ≛-

- (क) इस सूचना के उपनपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनीभ, जो भी नकीभ नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ग्रावरण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सत सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### अनुसूची

प्लैटनं० 4ए/2,जो पहली मंजिल,वर्सीवा व्यू को० म्राप० हाउसिंग सोसायटी, चार बंगलोज रोड, म्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० मं० श्रई-2/37-ईई/20256/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

प्रारूप बाई.टी.एन. श्रुस . . . . . . . .

आवक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा 269 व (1) को अधीन बुचना

#### भारत सरकार

# कार्वालम, सहायक जायकर आवृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20355/84-85→-ग्रतः मुझे, प्रशत राय,

बायकर विधिवनम, 1961 (1961 का 43) द्वीयथी देखवी इसके क्ष्याक्ष क्ष्याक्ष 'उपल विधिवन' वक्ष गया हैं), वर्ष भारत 269-स के वर्धान सक्षम प्रधियकारी को वह विकास कार्य का बाह्रम हैं कि स्थान्य संपर्तित, चित्रका उपित वाकार मुक्य 1,00,000/- रा. ते विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं जाला नं ०-1, ग्रार, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुम्ची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-5-1985

को पूर्वोत्तव बन्नीरत में उपित वाचार गृत्य वे कम में कावणान प्रतिकास में विद्य वण्डान्नित की नए हैं ब्रोप्त मुन्ने मह निक्तामा महलों का कारण है कि वचान्नीयत बंपरित का विच्य वाचार गृत्य, उदाके कावजान प्रतिकास ते, ए'ते जन्मजन प्रतिकाद का पन्नह प्रतिकाद से विच्य है कीर व्यवस्थ (मंद्यकार्ति कीर बंद्यांकी (कावाचित्रकार्ति) के बीच होते कावरण के किए क्य पाना गृज्य प्रविक् का निकासित्रका ज्ञादका से कावस बन्नारण मिणित में पास्त-निक कर से कवित नहीं किया गया है है——

- (क) बन्दरच वं हुई विक्री बाव की बावह, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कवी करने या उपसे बचने में स्विधा के सिए; बीर/सा
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्वा वा या किया बाना धाहिए था कियाने से स्विका के विवस

-लः क्षव, शक्त विधिनविष की धारा 269-व की, बनुबरक ४, में उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) छ बधीन भिन्नलिखिश व्यक्तियों बर्थांश ३—

- (1) मैं पर्स इंडिया इलेक्ट्रीक पोर्ल्स् मैन्युफैक्चिरिंग कं० (ग्रन्तरक)
- (2) मैं मर्स डायना मेच इंडस्ट्रीज।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिनके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह तृष्यमा बारी करके वृष्यिक सन्तरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां मूरू करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (त) इस तूचना के राजवत्र को प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जनिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की ताजील से 30 दिन की जनिश, को धीं अविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस तृत्रना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलाबक्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाल निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण :--इसमें प्रमृक्ता शब्दों शीर पदों का, को उपक अभिनियम, को अध्याय 20-का में परिक्षातीकता ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

#### अनुसूची

गाला नं ० 1-म्रार, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, म्रॉफ वीरा देसाई रोड, म्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा क० सं० श्रई-2/37-ईई/20355/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 6-1-1986

प्ररूप जाई. टी. एन. एसा.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

क्तार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20377/84-85—-ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 105, वर्षा प्रीमायसेस, ग्रन्धेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-5-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा अतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं फिया क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

सत: वच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निवित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्री जीमी जोन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रीरामा हेगड़े।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारा करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **प्रग्**ष्वी

फ्लैंट नं० 105, जो पहली मंजिल, वर्षा प्रीमायसेस को० स्रॉप० सोमायटी लिमिटेट, सात बंगलोज, जे०पी० रोड, स्रन्धेरी (प), वम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० मं० ग्रई-2/37-ईई/20377/84- 85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 6-1-1986

प्ररूप बार्ड .टी .एन एस ----

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

त्रम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20387/84-85--ग्रतः मझे, प्रशांत राय,

बम्यकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० शाप नं० 19, रोशनलाल अगरवाल शापिंग ग्रारकेड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण एव से वर्णित है (भ्रौर जिनका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 फ. ख के ग्रधीन 🗕 सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट़ी है, लारीख 16-5-1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेमे दृश्यमान प्रतिफल का **पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और** अन्तरक (अनतरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त इन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचरे में सविधा के लिए: वरि/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किटी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 192, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--48-466 GI/85

(1) श्री स्नार० एन० ए० बिल्र्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र के० मिरानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

# उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसुची

शाप नं 19, जो तल मंजिल, रोशनलाल ग्रगरवाल शापिक ग्रारकेड, एम० नं० 41 (पार्ट), ग्रेंशिवरा, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

**अनुसूची जैसा कि क**० सं० अई-2/37-ईई/20397-84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखाः: 13-1-1986

# प्रकृत बार्ड . वी . एव . एव . -----

# काथकर वरिशीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ४ 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20394/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत रायः,

बावकर बिधिनवेम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1 | 00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जाप नं 21, रोभनलाल श्रगरवाल शापिंग सारकेड, श्रन्धेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बींगन है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रामकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 16-5-1985

क्यं प्वांक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रांतफस के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रातिकत से अधिक है और मंतरक (बंतरकों) और मंतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिबक क्यं से किथत नहीं किया गया है :—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उँससे बच्चने में सर्विधा के लिए, अर्थर/या
- (४) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों वा, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ उन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दो किया अंता चोहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

बत: बब, जबत जीधीनबम की धास 269-म के बन्हरण को, भी, अबत जीधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) आर० एन० ए० बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र के० मिरानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बोद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वैक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति, में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रन्यची

शाप नं० 21, जो तल मंजिल, रोशनलाल स्रगरवाल शापिग स्रारकेड, एस० नं० 41 (पार्ट) स्रोशिवरा, वर्सोवा, स्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कल्मं० अई-2/37-ईई/20394/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्राबुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

# प्रकार आई.टी.एग.व्य ......

# बावकर वरियनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन श्वान

#### भारत सरकार

# क भानव, तहायक नायकर वायक्त (निर्दाक्तक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/20395/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशाँत राग्र,

भागकर कैं अनिष्यम, 1961 (\$961 की 43) (जिसे इसर्वे इसके प्रकान (उन्त की भिक्यम) क्रहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम श्रीधकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

सौर जिसकी सं० शाप नं० 20, रोशनलाल स्रगरवाल शापिग सारकेड स्रन्धेरी (प), बम्बई-58 मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप मे विणत है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है तारीख 16-5-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्व से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से मिथक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया दितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण विश्वा मं वास्तिवक रूप हो कालिस्त नहीं किया गया ही :---

- (क) जन्तरण से हुन्हां किसी ब्राय की बाजस, उक्त जिथानिवास के अभीन कर बाने के बंतरक के ब्राहिक्स में कमी करने वा उससे बावने में सुविधा के किए: वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सूबिधा के किए;

वतः वव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के वनुसरण वें, वें, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नतिवित व्यक्तिवानी, वर्धात क्रू (1) सार० एन० ए० बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र के० मिरानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां अपूक्त सरका हो।

#### दश्य बन्गलि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, को भी श्री श्री हा , के भीतर शृजीं कर व्यक्तियों में से निकार स्वापता होती हो , के भीतर शृजीं कर व्यक्तियां में से निकार करियत ह्वारा;
- (व) इव कृषणा के राषपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हिण्यक्थ किश्री सम्म वित्तव क्याना अभोहलकाक्षणी के शव विविद्या में क्रिए का बकेंगे।

त्यक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो जक्त गीर्थनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्य होगा को उस अध्याय में दिशा गवा ही।

#### म्रनुसूवी

शॉप नं० 20, जो तल मंजिल, रोशनलाल श्रगरवाल शापिग श्रारकेड, एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा, वसोवा. श्रन्धेरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/20395/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20401/84-85--- ग्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का क्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य वि:,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/60-1223, एम० आय० जी० आजाद नगर, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 17-5-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसौ किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

(1) श्रीमती शेरू होमी ग्यारा

(ग्रन्तरक) -

(2) श्री रामचन्द्र सूरतराम जैसवाल ग्रोर श्रो जगदोश रामचन्द्र जैसवाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फब्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० ए/60-1223, जो ति नरी मिजिन,एम० स्राय० जी० बिल्डिंग नं० ए/60, स्राजाद नगर, विरादे नाई रोड, स्रन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि स्रई-2/37-ईई/20401/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनॉक 17-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशॉत राथ सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

तारीख: 8-1-1986

प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 8 जावरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20445/84-85----ग्रतः मुझे प्रशात राथ

भावकर निर्धानवम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसवे इसके प्रकार 'उनत निर्धानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, कोजो अपार्टमेंट, अन्धेरी (प), वन्बई-61 में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रून से बोगात है) ओर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधाकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैमर्प सान्नी विल्ह्स

(अन्तरक)

(2) श्री रसीक डी० गर्जर

(अन्तरिती)

(3) श्री रझीक डी० गूर्जर, श्रीमती रेखा म्रार० गुर्जर, कुमारी स्विता म्रार० गूर्जर और रोहन म्रार० गूर्जुर

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनसर्ची

फ्लैट नं० 1, जो तल मंजिल, कोजी अपार्टमेंट, प्लाट नं० 6-सी, यारी रोड वर्सीवा, अन्धेरी (प), बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37-ईई/20445/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशात राज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्ब**ई** 

तारीख . 8-1-1986

# प्रस्प नाई.टी. इन. एस . . ....

बायभार अधिनियम, 1961 (1961 सत 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर काम्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, वस्वई

वम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/30454/84-85----श्रतः मुझे, प्रशांत राथ

नामकर निविचम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसमें इसमें पहचात् 'उन्त निविचम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित चाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से निथक हैं

और जिसकी सं० गाला नं० 27/ए, सत्थम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जोगिण्दर्र: (पू), वम्बई-60 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूर्यः में और पूर्ण रूप से बीणत है) और जिसका करारतामा द्राक्षकर सधिनियम की धात 269 के, ख के द्राधीन सक्षम प्राधिकारं के कार्यालय, बम्बई में २जिस्ट्रं, है, तार्र छ 18--5--85 का प्रशिवत शब्दाति के उपित बाजार मृत्य से कम के अवमान प्रतिफंश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संवत्ति का बाबार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. ए से दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से बौर अंतरक (अंतरकों) बौर अंतरिती (अंतरिस्यों) बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीभत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के इरियत्व में अभी अस्ते बाउससे अचने में सुविधा के सिस्; और/या
- (क) एंसी किसी बाब बा किसी धन या अन्य अहिसायों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर दिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सत्यम बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नीयोन एडवरटाइर्म

(ग्रन्जरितेः)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की जनिथ या तरसंबंधी व्यक्तिओं पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की अवधि, जो जी जनिथ बाद में समाचा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी काकित क्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राकान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के प्राप्त सिसित में किए वा सकेंगे।

स्वयद्भीकरणः — इसमें प्रयुक्त किया और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथाय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मन संची

गाला नं ० 27/ए, जो पहली मंजिल, सस्यम इंडास्ट्रेयल इस्टेट, जोगेण्यरी (प्), बम्बई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/20454/84-85 औं जो नअम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रजांत राय मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 6-1-1986

शक्क. बाई. टी. इम. एइ. ----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्थना

#### भारत सरकार

# कार्यातय, सङ्गयक वायकर वावृक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 जावरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20459/84-85 · न्यतः मुझे प्रशांत राथ,

नामकः निर्मानसम्, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरल है कि स्थानर सम्बद्धि, विश्वका जिल्ला स्थार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० यूनिट नं० 30/एनडी, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल स्टेट, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनिथम की धारा 269 का, ख के भर्षी सिक्षम प्राधिन कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्मी है. तारीख 18-5-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित् सावार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एते व्ययमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिस्त से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखिश में गस्तिक, रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- [क] बन्दरण वे हुई किसी बाव की वावस , उनके विधिनिक्ष के बधीन कर दोने के बन्दरक के साबित्व में कबी करने वा उससे वचन वा साबिथा के सिक्; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, चिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । छपान म स्विका के लिए:

बत्ध बंब, उक्त वीयीनवम की धारा 269-ग के वन्त्रप्रण वो, मी, उक्त वीयीनवम की थारा 269-घ की उपधान (१। के वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वधीन :--- (1) मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट

(ग्रन्तरक)

(2) मैं मर्स कोन्टोर फोर्राजग्म प्राथवेट लिमिटेड

(ग्रन्धरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्से :---

- (क) इस ब्रुपना के राजपन में प्रकाशन की सारीख वें 45 किन की नवींथ या तत्वामनकी कवित्रमें दर ब्रुपना की दामील से 30 दिन की नवींथ, जो थी वंदीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेंका व्यक्तियों में हे सिक्स व्यक्ति ब्राटा;
- (क) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी जन्य व्यक्ति देवारा विभावस्थाभरी के पात सिवित में किए का सकते।

स्वच्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहाँ का, वा उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया ही।

# बन्स्ची

यूनिट नं० 30/एलडीं, जो तल मंजिल, लक्ष्मीं इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड, अन्बेरीं (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूर्चः जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/20459/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1.8-5-1985 की रेजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारीः सहायक ग्राथकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 6-1-1986

मांहर 🤞

प्रस्थ बाइं. टी. एन. एस.-----

# सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, रहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जांधरं। 1986

निर्देश मं० ग्रई-2/37-ईई/20476/84 ⋅85----ग्रन. मुझे प्रशांत ाय

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्कें प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकें सं व्यक्तित नं 32/113, लक्ष्मी इडिन्ट्रियल इस्टेंट, अन्वेरं (प), बम्बई-58 में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध प्रमुख में आर पूर्ण कर से चिणत है) ओर जिसका कारामा आयकर अधिक्षिम का धार 269 दा, ख के अधिक सक्षम प्राधिकार्र के कार्याल: बम्बई में रिजर्स्ट्रें हे, तार्रीख 18 -5-1985

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्मान प्रतिफल को एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कर्या नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/भा
- (ख) एरे ति किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर गिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्— (1) मैमर्थ लक्ष्माः इडस्ट्रियल इस्टेट

(ग्रन्तरक)

(2) मैमर्ग गिनसेई इडिस्ट्रिज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूच्ना के रख्जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिन्यिम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>ब</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### पन्मुचा

यूनिट नं ० 32/118, जो पहली मजिल, लक्ष्मी इडिस्ट्रियल स्टेट, न्यू लिक रोड, पाफ वारा देमाई रोड, ओशिवरा, अन्वेरी (प). वम्बई-400058 में स्थित है।

प्रनुसूचः जैमः कि कि के मं अई-2/37-ईई/20476/84-85 और जो मक्षन प्राधिकारों, वस्बई द्वारा दि तं 18-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुका (तिरीक्षण) ग्रजीत रेज-2, वस्बई

तारीख: 6-1-1986

# स्वय बार्ड . ही . एन . एस .- - n n---

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वंशीन स्पन्

#### भारत सरकार

# **कार्यालय, सहायक कायकर नायक्त (निर्दाक्षण)** अर्जन रेंज-2, वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

मिदेश सं० अई-2/37-ईई/20477/84-85---अत: मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थले परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 202, बी विंग, समून्दर दर्शन, अधिरी (प०), वंबई-58 में स्थित है (श्रीर इसमे उनावद्ध अनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) श्रीर जिसका करारमामा आयर अधिनियम की धारा 269 क.स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 18-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अंक्षिक हमा अधिक हमा अस्ति करा अन्तरण के लिए ता पाया स्वास्तिक हमा सिक्त से अस्ति में अस्तिक हमा सिक्त से अस्तिक करा से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---49-466 GI/85 (1) श्री जयराम एच० मारीवाला ग्रौर श्री गूलाव एच० मारीवाला।

(अन्तरक)

(2) श्री यलसीदाद बी नायर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाइलेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस तिस्ति में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीफरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिशा गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं० 202, जो बी-विंग, समून्दर दर्शन को०-आंप० हाउसिंग सोगायटी लिमिटेड, चार बंगलोज, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०) वंबई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कल्सं० अई-2/37-ईई/20477/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधि गरी, वस्बई द्वारा दिनां ह 18-5-1985 को रजीस्टई निया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 वस्बई

तारीख: 30-12-1985

# 

#### भारत सरकार

# कार्यां तय , सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 वस्वई

बम्बई दिनारु 9 जावरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईर्ट/20497/84-85---अन: मझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 601, बेन-हूर डी, स्रोणिवरा, संधेरी (५०), बंबई 58 में स्थि: है (स्रौर इस्ते उपावड अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विधित है) स्रौर जिसका करार-नामा आयर अधिनिरम की धारा 269 के,ख के अबीध सक्षम प्राधिकारी के लार्यालय, बस्वई में रजीस्ट्री है, तारीख 17-5-1985।

को नुनोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोनें के जन्तरक के दाबित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के विष्;

बदः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे वधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थान ३——

- (1) कुमारो समेक्षा मोहनतात वासवानी। (अन्तरक)
- (2) श्री रामसीग जेथसीग रामचन्दानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ख अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भमुसूची

फ्लेट नं० 601, जो छ्ठाी मंजील, बेन-हूर डी, प्लोट न० 15/8,  $\pi$ म०न० 41, जार बंग्लोज, स्रोणिवरा, स्रंधेरी (५०) बंबई-400058 में स्थित है।

अनसुची जैपानी कथ्मथ अई-2/37-ईई/20497/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिपारी, बम्बई द्वारा दिला व 17-5-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 9-1-1986

# प्रस्प बाई ुटी. एवं एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### बाइठ इरका

# कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 वम्बर्ड वम्बर्ड दिनाक 9 जनवरी 1986 निदेश म० अई-2/37-ईई/20535/84-85—अन मुझे, प्रशात राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौंग जिसकी स० यूनिट नं० 103, ग्रधेगी इडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रधेगी (प०), बबई-58 में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रोंग पूर्ण रूप में वीणत है) ग्रींग जिसका कराग-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 21-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपात्त का उचित बाबार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में में आम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्व में कमी करने या उससे बचने में स्पृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया पना था वा किया बाना चाहिए था, ज्याने में धृद्धा के शिष्ण

कतः अब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) भिरजन एल० पनाडीया ।

(अन्तरक)

(2) पद्म कीर्तीलाल भेहता, परेश कीर्तीलाल भेहता ग्रीर कामरूधीन मुहमद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां कर्दी हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना क राखपत्र में प्रकाशन की तारींस हं 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्वा की ताजील से 30 दिन की वविध, को भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिबित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उन्नर जीधिनयम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 103, जो पहली मजील, श्रंधेरी इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लोट नं०22, प्सन० 3 डी (पार्ट) आविवली इस्टेट, आफ जे०पी० रोड, श्रधेरी (प०), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसुची जैसाकी क०स० अई 2/37 ईई/20535/84-85 /84-85 स्रोर जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 21-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 वमवर्ड्स

तारीख 9-1-1980

# श्रुम् बाइं .टी .पृत् .पृष्ठ गुल्न-न्य-न्य-न्य-

# आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### धारत बरकार

# कार्यां वय , सहायक वायकर वायकत (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनाम 30 दिसम्बर 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/20542/84-85—अत: मुझे, प्रशांत राय,

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उनक विभिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-ख के वभीन सभग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी म० फ्लेट न० 205, मी श्री विश्तू भगवाम सोमायटी, ग्रधेरी (प०), बबई 58 में स्थित हैं (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रोर पूर्ण रूप से यणित हैं) ग्रांर जिसका प्ररारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 21-5-1985

को पृथि कत सम्पत्ति के उचित बाबार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि अधाप्लोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से, एसे दश्यमान प्रतिफान का पम्द्रह प्रतिश्चत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफान, निम्मिनिश्चत उद्वेषय से उक्त अन्तरण निष्कृत में शास्त्रीविश्व हप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे ब्चने में सुविधा के किए; बीड/वा
- को, जिन्हें भारतीय शा किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या धन-अर अधिनियम, 19.7 (1957 जा 27) जे अधोवनार्थ अन्तरिकी हुंगरा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बातः कव, उक्त जीधनियम की भारा 269-न के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा ([1]) के अभीत , निम्निसिवत व्यक्तिकों, अर्थात् हु---

- (1) श्रीमती पी अच्छूतम्मा उर्फ जानकी। (अन्तरक)
- (2) श्री तमन कुमार मेनगुप्ता।

(अन्तरिती)

(3) अन्नरिती

(वह ब्यक्ति जिसके अभिगेग मे

सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकारन की तारीख़ के 45 स्थि की ब्यासिश या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ख्रिकायों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं॥

#### असमची

फ्लेट नं० 205, जो सी० श्री विश्तू भगवान को० भ्रॉफ हार्जीसंग सोसायटी लिमिटेड, 137, एस०वी० रोड भ्रघेरी (प०), बंबई 400058 में स्थित है।

अनुसुची जैसार्का क०सं० अई-2/37-ईई/20542/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनाक 21-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 30-12-1985

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरौक्षण)

धर्जन रेज-2, बम्बई

त्रम्बई, दिनाक 7 जनवरी 1986

निदेग सं० अई-2/37-ईई/20568/84-85 · अत

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, इमारत नं० 11, अंधेरी (प०), बंबई-58 मे स्थित है (और इसमे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वार्णत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर यधिनियम की धारा 269 कुख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 23-5-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान . प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभीनयम की भारा 269-व की उपभारार (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्भात् :---

(1) श्री जयाउद्यीन बुखारी।

(प्रतारक)

(2) इर्ग्तायाक ग्रहमद खान ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्सूची

फ्लैंट नं० 601, जो छठवीं मंजिल, इमारत नं० 11. सर्वे नं० 41 (पार्ट), ओशिवरा विलेज, अंधेरी (प०), बंबई 400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क०मं० ग्रई-2/37-ईई/20568/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिलाक 23-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय प्राधिकारी सक्षम सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1986

मोहर ह

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रर्नन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनाव 30 दिसम्बर 1985

निदेश स० अर्ड-2/37-ईई/20589/84-85-- अन मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका स० फ्लैंट न० 403, जैनिका अपार्टमेट, जोगेण्वरी (प०), वस्वई-60 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) और जिसक करारांमा आधकर अधिनियम की बारा 269 काख़ के अबीन सक्षम प्राविकारी के कार्यालया, वस्वई में रिजिस्ट्री है, तारीब 23.5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलम से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पामा गया प्रति-क्ता, निम्निस्तित उद्देश्य से उक्त ख्न्डरण निस्ति में वास्त्रिक स्प से कश्चित वहीं किशा गया है है—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के बर्धनत्व में कसी करने दा बताबे रूपने में सुविधा के किए; सर्दिशा
- (ण) होती किसी नाव वा किसी थन वा बन्च नास्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर नाँधनियनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधनियम, या थन-कर नाँधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किना नवा था वा किया थाना नाहिए वा, जिनाने में सुनिवा के लिए;

बतः क्व, उपत विधिनियम की भारा 269-म की वनुबरण में,, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की वधीन, निम्मलिकित न्यक्तियों, वर्धात् ए--- (1) भेसमं जैनिका बिल्डमं।

(प्रनारक)

(2) श्रा सूलेमान इस्माइल पटेल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हा।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रायपन में प्रकायन की तारीय थे 45 दिन की नवींभ या तत्सम्बन्धी म्यक्तिकों पर स्वना की मामीस से 30 दिन की ववाँभ, यो भी अविश् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकारकरणः -- इज़जें प्रवृक्त बक्तें और पदों का, को उक्त वीधीं नयम के कथ्याय 20-क में पीरभाषिक है, वहीं कर्य होगा, को उस कथ्याय में दिया यवा है।

# मन्सूची

फ्लैंट नं० 103, जो चाथा मंजील जैनीका ग्रपार्टमेट, जागेश्वरी (प०), वम्बई-400060 में स्थित है।

प्रतुनुची जैमाकी क०मं० मई-2/37-ईई/20589/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनाक 23-5-1985 की रजीस्टई किया गया है।.

प्रणान राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, वम्बई

तारीख: 30-12-1985

# प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

# भावकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के ब्रुधीन स्चना

# 

# कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (चिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

िदेश मं ० अई-2/37-ईई/20653/84-85 र-अत: मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी मं० फ्लैंट नं० 12, श्री सम्था श्रपार्टमंट, अग्रेरी (10), वम्बई-58 में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनुसूर्व: में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका वरार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, छ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याल, वम्बई में रजीस्ट्री है, तार्रीख 25-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रोकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्यरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे विका

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीर, निम्निनिचित व्यक्तिकों, अर्थात् ध— (1) मेथर्म मोतानधनी एण्ड कं ।

(अन्गरक)

(2) श्रंत ठकार जयंतीलाल प्रभ्वास और श्रंमिती ठकार हिराबेन जयंतीलाल।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरितीः (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

के पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सुकुँचे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका पक्षा हैं।

#### वन्स्ची

फ्लैंट नं० 12, जो श्री सम्था अपार्टमेंट, जुहू क्रोम लेन, अंधेरी (५०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी कल्मं० अई-2/37-ईई/20653/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनाव 25-5-1985 को रर्जास्टई किया गया है।

> प्रजात राय सक्षम प्राविकारी सहायक आथवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख : 30-12 -1935

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाक 30 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/20654/84-85---- स्रत: मझे, प्रशांत राथ.

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट न० 11, श्री सस्था अपार्टमेट. अंधेरी (५०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूची में और पूर्ण मा से विणित है) और जिसका करार-नामा प्रायक्षण अधिनियम की धारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजीस्ट्री है, तारीख 25-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का उदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

(1) प्रत्मतो पोठगाञ्चामंती ।

( त्रारक)

(2) श्री ठक्कार मुत्रीर छगनलाल और श्रीमती ठकार आशालता सुधीर।

(भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभाग में (3) ग्रन्तरिती। सम्यनि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की पारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी "यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुश्यरा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दो और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 11, तो श्री सम्था ग्रपार्टमेंट, जुह कोम लेन, अंधेरी (५०), वम्बई-400058 में स्थित है। 'त्रन्मूच: जैंमाकी क्र॰मं॰ ग्रर्ड-2/37-ईर्ड/20654/84-85और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1985 को रजास्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राध सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 30-12-1985 भोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सूचना

#### शारत सरकार

# कार्यांक्य, सहायक बायकर बायक्स (निस्क्षिण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

निर्देई सं० आई-2/37-ईई/20661/84-85—अतः मुझे, प्रकांत राय

भावकर त्रीधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिलं इस्तर्श इस्तर्भ वस्त्रात् 'उन्तर निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने स्त्र कारण हैं कि स्थानर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602 मोमीन अपाटमेंन्ट जो जोगेश्वरी (प), बम्बई 60 में स्थित हैं (ग्रोर इसके उपावद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं (ग्रौर जिल्ला करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 25-5-1985

स्ने पृथांक्त सम्पत्ति के उपित नायार कृत के कान के कावशान शितफान के लिए नंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कर्बे कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य उसके कावशान प्रतिफान से, एसे कावशान प्रतिफान का रूल्य शितकत से निथक है जीर बन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरम के हैं अप तक गावा बना प्रतिफान, निम्नितिस्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक कर से किंशन नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किथी आय की बाबत, उक्त जीवियम के अधीन कर दोन के अन्तर्क की दावित्य में भी करने या उससे नकत में स्रिक्ष के लिए; बार/बा
- (क) एसी किसी नाम या किसी तन या जन्य नारितयों को जिन्हें भारतीय नायकर जिन्हें में 1922 (1922 का 11) या उन्त जायोनयम, मा अनकर निधीनयम, मा अनकर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यहा वा या किया जाना चाहिए था, किया वा ही उच्चा के लिए!

का: बक, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग क अनृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---50--466 GI/85 (1) श्री यसीन अली सुवें।

(अन्तरक

(2) श्री वाहब एम० गोपालानी ग्रौर श्रीमती जूलेखा वाहब गोपालानी ।

(अन्तरिती

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् सार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की जनिथ वा तत्संबंधी अमित्रयों दर त्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो और जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वों कर विकास में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताकारी के ग्रस स्थिति में किए सा सकों है।

श्यक्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जींद्र पद्यों का, को उपह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गहा है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं॰ 602, जो छठवीं मंजील, गोमीन अवार्टमैन्ट, बंदीवाली हिल रोड, जोगेश्वरी (प), बम्बई 400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कसें सं० आई-2/37-ई/ईई/20661 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलाह 25-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-2-1985

### प्रकथ आई. टी. एन . ध्स . -----

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के नाथीन सुचना

# भारत सरकार कार्यांत्रय, सहायक गायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/20607/84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय,

जावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जित्तका उचित वाचार म्क्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी०-303, गुरुकीपा ग्रापार्टमेंट ग्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसुजी में ग्रौर पूर्ण रूप में बिणत हैं (ग्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय बम्बई में जजीस्ट्री हैं। (तारीख 25-5-1985

को शुनेक्क रम्मति के उचित बाजार मूल्य से तम के रश्यमान शिक्षक को बिए जन्तरित की नई ही जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि बचा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रसिवत से अधिक ही बीर अंतरित (अंतरिकों) को बीच एसे अंतरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निजीवत उच्चरेक से उसत अन्तरण निचित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) व्यक्तरण से हुइ किसी भाग की वासस, उनस निमान के नभीन कर दोने के अन्तरक की दायिएन में कभी करने या उससे वचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (च) इसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों करें, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सूबिधा के लिक्;

तक: बंब, सक्त जीधीनयम की धारा 269-न के जनसरण में. में उक्त जीधीनयम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निकालिंखत व्यक्तियों, वर्धात् क्रं--- (1) श्री विजय के सावंत

(अन्तरक)

(2) श्री महासुख राय यू० जोशी ग्रौर श्रीमती उषा एम० जोशी

(अन्तरिती)

को यह कृषना पाड़ी कारके पूर्वोक्त सन्वत्ति के वर्षन के विद्रा नार्यगाहियां करता हुई।

हक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबांप :---

- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच हैं
  हैं दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की नविध-, को धीं
  त्रविध बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर प्रविका
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितवकृष किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, को उक्क वीधनियम, को वध्याय 20-क को परिभाषिक ही, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय के दिवा गया है।

## बन्स्की

फ्लैंट नं० बी-303, जो तिसरी मंजिल, गुरूकीपी अपार्टमेंन्ट एस० नं० 19, वीरा देसाई रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूजी जैसा कि ऋ० सं० म्राई-2/37ईई/20670/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिना ह ज 25-5-85 को रजीस्टर्ड हिया गया है।

> प्रशांत राय सक्ष**म** प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण<u>)</u> अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख 6-1-1985 मोहर: प्रकृष बाह . टी. एन एस .-----

# बाथकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वान

भारत सरकार

कार्याक्षयः, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3, जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2 37ईई/20682/84-85—अत: मुझे प्रशांत राय,

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (श्रित इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विस्थाद करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 3, इमारत नं० जे० झकारीय आघाडी नगर, वसौंवा, बम्बई 60 में स्थित है इसमे ग्रौर उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूण रूप सेविणत है ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 265 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 25-5-1985

को पूर्नोक्त सम्मिति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल को एसे दश्यमान प्रतिकल का प्रमुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल को प्रसे दश्यमान प्रतिकल को प्रमुख्य प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रीतिकल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एमी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को विनहीं जारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) हा जिक्त अधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बतः वर्ष, उक्त व्यथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

(1) झकारीया आघाडी बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) हाजी महमद सीकन्दर नूर महमद नागोरी और अल्लाबक्स जहरूधीन नागोरी

(अन्तरिती)

मरो यह सूचना जारी करके पृथींचया सम्पत्ति के अर्थन के तिथ् कार्यवसिंहकां करता हूं।

उक्त सम्वत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी वाश्चेय :---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ ना तत्करनत्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी अन्त्रीथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के सचपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सच्चित्त में हितचद्ध किया करने व्यक्ति स्थावर सच्चित में किया स्थाप अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चिम में किए जा सकेंगे।

रमक्कींकरण:—इसमें प्रतेक्त भव्दों और पदों का, को उन्त विधिनिक्तम, के बध्याय 20-क में पिड्रभाषिक हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस बध्वाय में दिवा गया हैं।

#### नमस्पी

"शाप पं० 3, जो तल मंजील, इमारत नं० जे०, झकारीया आघाडी नगर, गूलमोहर गाडम यारी रोड, वसौँवा बम्बई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा िक कि सं अई-2/37ईई/20682/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 25:5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँन राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजुंन **एज-2 बम्बई** 

तारीख :3-!-1986

**बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961** का 13**) की** धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, महायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बगवई

बम्बई, दिभाक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० अइ-2/37-ईई/20608/84-85---अत मुझे प्रशात राग,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (विश्वे इसमें स्वके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, वह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा संविधक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, मह्मद मजील, जोगेश्वरी (प), बम्बई-102 स्थिन है (मण्ड इस्पेन्टानद्ध नुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है (ग्रीन जिस्ता राज्यमा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख दे अधीन नक्ष्म प्राधिकारी के जार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, कारीख 25-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लोचत बाजार मन्य मे कम के दृश्यमान पतिष्कत के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार जूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल सो,

क्से रुवमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अत-क (अंतरकों) और अतरिती (अतरितियो) के बीच एसे अंत-रण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से सक्त अंतरण लिखित में बास्निविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्मिणा के निए; बरि/या
- (भ) एमी किमी आए या किसी ध्व या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय क्षणकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का ११) र निर्धाण करें के प्रयोजनार्थ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवाग एक की विभाग का ना किस बाहिए था विकास में सविधा के लिए

अतः अव, उसन अभिमास की धारा २६० मा के कमा का का, माँ, उसता अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (।) क अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) हफाया एन्टरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) अमिनाभाई युसुद्धमाई मनेडीया

(अन्तरिती)

का यह भूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के सिष् कार्यगहिया करता हु।

उक्त सपित को वर्जन को सबध में कोड भी बाक्षेप ८---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ेवन की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्ट्राना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यादशिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कन्न, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

"प्लट न० 7, निमरी मंजिल, महमद मंजील, बेंहराम बाग, एम० वी० राड, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400102 में स्थि: है।

अनुसूची जैंग कि ऋ० सं० आई-2/37/20698/84-े5 भी जा त्थम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिना क 25-5-85 का रजीगर्ड किया गया है।

> प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक अ।यकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज-2, वस्वई

नारीख ~-1- 9१८ मोहर: प्राख्य आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वधीन स्थान

#### THE THE

कार्थालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2 वम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई-2 37-ईई/20722/84-85—अतः मुझे प्रशांत राय,

वास्कार विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वास् 'डक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख कि बभीन सक्षम ब्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से कथिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 308, निर्मन कोटेज, वसौँवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई 61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है (श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में जिस्ट्री है, तारीख 24-5-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के इस्प्रान प्रतिकास के बिए क्यारित की नई है और मुख्ये यह विस्तान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थानान प्रतिकास से एसे स्थान प्रतिकास का पंचार प्रविकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रति-क्या जिल्लीकिक उद्वेष्य से उक्त क्यारण कि बिस में नासा-विका रूप से कथित नहीं कि वा नवा है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी आस वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

जबा: अब , सनस निवित्तियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उनत जिथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निकालिकिस व्यक्तियों, अर्थास :--- (1) श्री भारत कान्तीलाल मेहता

(अन्तरक)

(2) कुमारी पम्मी बक्षी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीय से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वृक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्खीकरणः — इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदो का, जो उक्का अधिनियम के बध्धाय 20-क में परिशासिक है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अनुसूची

"फ्लैट नं० 308, जो तिसरी मंजिल, निर्मन यारी रोड, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई 400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं आई-2/37 ईई/20722/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 24-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2 **बस्बई** 

तारीख : 3-1-:986

प्रका बाहाँ, टी. एव. एवं -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

#### भारत सहकार

कार्यासय. सहायक बावकर बावक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/20725/84-85—अतः मुझे प्रशांत राय, .

कार्यकर अधिनियम, 1961 ,,961 की 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का धीरण है कि स्थानर सन्वति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. में अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 201, इमारत नं० 21, ग्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उगाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है (ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 25-5-1985

को प्राचित सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य सं कम के कारकान अतिकास के निए जन्तरित की गई है जीर मुन्ने यह विकास करने का कारण है कि यथाएन क्रिंग्स सम्पन्ति का उचित बाजार मून्य. जसके कायणान प्रतिफल से, ऐसे क्रियमान प्रतिफल की पन्नह प्रोत्तकत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा स्या इतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविचल को बालाबिक रूप से कायत नहीं किया गया है "---

- (क) बन्तरण से हुई जिली जाय की बायतः वयत जीवनियम के यथीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के निष्य: व्यक्ति/जा
- (अ) ऐसी किसी जाय या किसी वन या जरूर जास्तियों को विन्हें भारतीय बायकर विधिनसम, 1922 (1.922 का 11) या जनत अधिनियम, या भन-कर विधिनयम, या भन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया यदा वा वा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के किए:

बत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गर्क अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलींबत व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) श्री झीयाउद्यीन बुखारी

(अन्नरिक)

(2) शेख महमद इलीयास

(अन्तरिती)

हा वह स्थान गरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिक करका हूं।

उक्त राज्यीस से वर्षन के बंबंध में कोई भी बाक्षेय ---

- (क) इच बूचपा के राजपत्र में त्रकायन की तारीचा से 45 दिन की जयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तासीन से 30 दिन की नविथ, जो भी नविथ नाद में समस्य होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (वा) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के शीवर उक्त स्थानह सम्मत्ति में दिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंने।

रुप्यक्रिक हम :---इसमें प्रयुक्त सम्बाकित पर्योका, भी उनके समितिकान, को नम्बाम 20-क में परिश्वापिट ही, यही सर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नका ही।

## वनस्थी

"फ्लैट नं० 201, जी दूसरी मंजिल, इमारत नं० 21 सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा विलेज, श्रंथेरी (प) बम्बई 400058 में स्थित है।

अनसुची जैसा कि कि सं० आई-2/37 -ईई/20725/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्रूप्रकात राय सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 7-1-1986

मोहर 🛭

प्रक्ष बाइं.डी. एम . एइ . -----

जॉक्क्सर किथिकवर्ग, 1961 (1961 का 43) करो भाषा 200 म (1) के अभीन क्याना

#### भगवा सरकार

कार्यास्त । संद्वासक अव्यक्तर आकृत्त (निशीकण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

निर्दे**ई** सं॰ आई-2/37 **ईई**/20744/84-85—अतः, मुझे प्रशांत राय,

वांवकार वंधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त वीधीनवम' कहा गया हैं), की धारा 269-य के वधीन सकाम प्राधिकाही की यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मीख, विश्वका उचित वाबाह मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 109, देश उद्योग मंदिर विल्डिंग, जीगेंश्वरी, बम्बई में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 27-5-1985

को क्योंकत सम्पत्सि के उचित बाबार मूल्य से कम के इस्यमान प्रिक्षित के बिए जंबित्स की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अर्थाप्याक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का क्ष्म्ब्र प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिसी (अंसरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत , निम्निसिस उक्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया नया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाथ की वाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के काविस्त में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) इति किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना खाहिए आ क्रियाने में सूरिधा से खिए;

वतः कथ, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, बं, इक्त अभिनियम की भारा 2<del>0</del>9-घ उपभारा (1) के अभीत, निम्नुजिसित व्यक्तियों व्यक्ति क् (1) मेसर्स विजय बदर्स

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वेलपेक

(ग्रन्तरिती)

(2) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अभिगेग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जाकी करके क्योंक्त संपत्ति के अर्जन के तिक् कार्यशिक्षां करता हुं।

उक्त सम्बीत के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांव :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तार्याध है 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआरा;
- (क) इस स्वना के संजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 किन के भीतर अन्य स्थावर सम्मत्ति में हित-बहुष निकती जन्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के शब सिवित में किए वा तकान।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रमुख्य शब्दों और पदों का, वो उक्स अधिनयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही वर्ष होना को उस सध्याद में दिस्स नवा है।

#### संग्रही

(यूनिट नं ० 109, जो पहली मंजिल, देश उद्योग मन्दिर विल्डिंग के ० हज रोड, विलेज मजास, जोगेश्वरी बम्बई स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37-ईई/20744/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-12-1985

# प्रस्य बाइं. टॉ. एन. एस: ४०००० छ

# बाबकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के बधीन तुमना

#### भारत सरकार

## कार्बालया, सहायक जायकर जाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बंम्बई, दिनाँक 30 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20750/84 85—अत: मुझे, प्रशांत राय,

अपिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 20 ए, सा-एन-1 सो, सोमायटी वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित हैं (स्रौर इता उपायद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) स्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 27-5-1985

भूमें पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्झह प्रतिस्ति से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) क्यारण वे हुई फिली काव की वावता, उक्त विधानियम के अधीन कर दोने के बन्तारक को दाक्तिया में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के खिए; और/वा
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य आस्तिओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिद्धः

नतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नोल्डित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती ग्रवतार कौर खांबे

(अस्तरक)

(2) श्रीमती करतार कौर खाँबे श्रीर श्री चरन सींग खाँबे

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोन सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी काइको पूर्वोक्स सम्मत्ति को वर्षन की जिस् कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो ही जबिध बाद में समाप्त होता हो, के भीषर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्स स्थापर सम्पत्ति में हितबहुद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को स्वका अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाष्टिक ही, वही अर्थ होगा को उत्त अध्याय में दिवा गया है।

## बन्सूची

पलैंट नं० 20-ए, जो तिसरी यंजील, सन-एन-सी-सोसायटी जे० पी० रोड, ववसौंवा बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-2/37 ईई/20750/ 84-85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 27-5-1985 को रजीस्टर्ड किया गमा है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी यक्त (जिरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज-2, **बम्बई** 

**तारीख** : 10-12-1985

त्रस्य बाइं.टी.एन.एस.-----

बावकर बर्डिंचनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक सायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20778/84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय.

नावकर निधित्यन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधीनयन' नहा गया हों), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका जीवत नावार मृस्य 1,00,000/- रु. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, अल-मूफदाली फा, इमारत नं० 14, ग्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उग्रबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रौर जिसका उद्यागमा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अजी। असम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है. नारीख 28-5-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाधार मृन्य से कन के उत्तरज्ञान मित्रकान के लिए अन्तरित की नहां है और मुक्के यह विकास कर वे का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य असकं उत्तरमान प्रतिकास से, ए से उत्तरमान प्रतिकास का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया नया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तरण विविद्य कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की, वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म<sup>4</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--51—466 GI/85

(1) श्री झीयाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक

(2) हाजी अब्दुल अजीम

(अन्रिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, चो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्द्रभ किसी जन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त सिकित में किए का सकी।

स्पच्छौंकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क लिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, नहीं नर्थ होगा वो उस अध्याय में दिकः नया ही झ

## मनुष्यी

पलैंट नं० 202. जो दूसरी मंजिल, अल-मूज्दालीफा, इमारत नं० 14, सर्वे नं० 41  $\cdot$ (पार्ट), स्रोणिवरी विलेज, संघेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37 ईई/20778/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांन राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण), अर्जेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-1-1986

DEN FIN' . ET . ET 10

# बावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की घाए 269-म (1) में बचीन स्चना

### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1986

मिर्देश सं० अई-2/37-ईई/20779/84-85—अत:, मझे, प्रशांत राय,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसजे इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा देवा है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1 00,000/- रु. में अधिक है

भौर जिपकी सं० फ्लैंट नं० 602, इमारत नं० 20, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिसका करारमामा अध्यकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य, बम्बई में रजीस्ट्री है, सारीख 28-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार बृत्य से कम के हण्यमान पतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे वह विश्वास फरने का बारण है कि यक्षायोंका संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एंसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दाह प्रतिश्वत से बिधक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे बन्तरण के तिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखत उद्देश्य से स्वत्त अन्तरण विज्ञित में बास्तविक रूप से किवत नहीं किया क्या है है—

- -(क) बन्नरण में प्रदं निक्ती आध की बाबत, तथक बाँधवियम के कमील कर पोन की जन्तरक बाँ शामित्व में लगी करत या उससे बचने में शुन्धिया की लिए; और/बा
- (क) एसी किसी क्षत्र वा किसी अन वा कस्य आफित्यों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिमिनसम, 1922 १९७७ का ११) का उस्त विभिन्नम, अप्रकर जिमिनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ नकरिती व्यारा पकट नहीं किस। स्था वा वा किवा बाता चाहिए प्रा रिक्पाने के स्था के किया:

बंध सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निम्निसिस व्यक्तियों हर्णण रू-- (1) श्री झीयाउद्यीन बुखारी

(अन्नरक)

(2) श्रीमती श्रायतूनबी महमद अली जखान (अन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के तिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सकत्य में कोई भी नाक्षेप ...

- (क) इस सूचभा के राजपन में प्रकाबन की तारोच हैं
  45 दिन की जबीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीन से 30 दिन की जन्मि, नो भी
  सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा समा है।

## वनस्थी

"फ्लैंट नं० 603, जो छटवी मंजिल, इमारत नं० 20, मर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, श्रधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/20779/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2 बम्बई

तारीख: **7-1-**1986

# प्रस्य बांद्र', टी. एन.. एस.. -----

# भाषका<u>त्र वन्धित्यका, 1961 (1961 का 43)</u> की भारा 269-व् (1) के म्थीन स्वय

#### जारत सरकार

# भारतीलय, सहायक गायकर नायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

शिर्देश सं० अई०-2/37-ईई/20803/84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय,

आयक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किलो इस्में इसके क्रमात् 'उसके विविवय' कहा गया हैं), कही धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्बत्ति, विश्वका उपित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, डी विंग इमारत नं० 2/3/4, ग्रंधेरी मनीज दर्शन गार्डल, बम्बई 58-है (प), .58 में हिथत है (ग्रौर इससे उदाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप ते विंगत है (ग्रौर जिसका उरारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 30-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के डिचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्कल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है द्व-

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाम की बाबत, उक्ष अधिनियम के अधीन कार दोने के जसरक के प्रीकार प्रकार कारन शास्त्रसे बचने में स्विधा कारण, स्वीप्रमा
- (क) एंटी किसी बार या किसी ध्रुप या बन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय बाश्कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या ध्रुप-लाए अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजतार्थ लेतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की खिए;

अस: अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभास (1) हे अथीट, निम्निनिचत व्यक्तियों, अर्थन उ— ()) प्रदीप एस० बडकूर।

(अन्तरक) ·

(2) किरीतकूमार जे० शेथ ग्रौर श्रीमती कल्पना के० शेथ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तः रती

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं!

**अवत स्व्या**ति के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स क्र----

- (क) इस ब्रुवना के राजक्त्म में प्रकारतन की तारींस से 45 दिन की जनीं मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों क्ष स्वाम की सम्बन्धि से 30 दिन की स्वाधि, को मेरे स्वाधि नाद में स्वाध्य होती हो, के शीवर पर्वोक्त व्यक्तियों में से व्यक्ती व्यक्ति ह्वार्स;
- [क] इस स्वना के क्वइन में प्रकाशन की तार्शिव सं 45 दिन के भीकर उक्क स्थावर श्रम्पत्ति में हित्रकृष्ट्य किली नग्य व्यक्ति क्वाब नभोहस्ताक्षरी के शक् सिक्ति में किए जा सकेंगे!

स्प्रक्रिकरण: ---इसमें प्रयुक्त बक्तों और पर्से का, का उपन विधिन्यम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्सुची

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई $\cdot 2/37$ -ईई/20803/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, ग्रम्बई द्वारा दिलांक 30-5-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रकाः राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 काई

तारीख: 30-12-1985

मोहर 🛭

प्रक्य आई.टी.एन.एस.----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन मुखना

#### भारत गरकार

# कार्यास्य, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/20806/84-85—अतः मझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वर्षीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, विसका उचित वाबार बस्च 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, इमा क नं० 8, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं) ग्राइडात जावद्ध नुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं (ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 30-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान अतिफंस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का अभिन बाजार कृत्य, उतके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तक पाचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की अश्वत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कमी कारने या उसस वणवे में अधिका के सिए; और वा/
- (क) एंसी किसी बाव का किसी कर वा अन्य आस्तियाँ का, जिल्हें भारतीय क्याकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियां, अर्थात् क्रे-- (1) श्री झीयाउद्यीन बूखारी ।

(अतरक)

(2) अञ्दूल सत्तार अञ्दूल रहीम ।

(अन्नतरिती)

को यह स्थान बाड़ी कड़के प्रॉक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यग्रहिंग करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सबंभ में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की नविध, को भी नविध नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के गर विवित में किए वा सकरें।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रवृक्त बब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिवा नवा ही।

#### वन्मकी

'फ्लैंट नं० 501, जो पात्रवी मिनित, इमारत नं० 8, सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा विलेज, स्रधेरी (प) बंम्बई 400053 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि क० सं आई-2/36 ईई/20806/ 84-35 श्रीर जो सतन प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनाक 30-5-1985 को रजीस ई किशांगा है।

> प्रशांव र य सक्षम प्राप्तिकरी सहाय र स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

ारीख 8-1-1986

हरूप बार्ष, टी. एन. एवं .....

कावकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-ण (1) के नधीन सुचना

#### भारत संस्कार

## खार्यान्त, बहायक आयकर् वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 बम्बई बम्बई, दिनाक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं > आई/2/37-ईई/20812/84-85---अतः मुझे, प्रशात राय.

बायकर अधिनियम, 1961 ('961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं . क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट न० 2, जय भवानी रोड, ग्रंबेरी (प), वम्बई में स्थित है (ग्रोंर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रार पूर्ण रूप से विणत है (ग्राँर जिसका कराज्यामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 30-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रिपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किश्वत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त विधिन्दम के ज्योन कर दोने के अतुक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा क लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वरा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा से सिए;

जत: बब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) वैथास बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) यू० के० नायर

(अन्तरिती)

को बहु स्थवा जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्स सम्मिति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-- .

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ
  अविधि नार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किय के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी स्वीक्त इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दी का, जा उच्छा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याध परे दिया गया है

## धनुसूची

"फ्लैट नं० 2, जो जय भवानी रोड, ग्रंबोली, सीटी एउ० न० 397, ग्रंधेरी (४०), बम्बई में स्थिन है।

अनुसुची जैसा कि कि सं ग्रईई 2/37ईई/20812/ ६4-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनार 30-5-1985 को रजीस्टर्ड दियागया है

> प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

तारीख 13-!-1986 मोहर.

## प्रकार नार्दः दौद्ध एत<u>ः एत</u>्र न व व व व

## बायकर नौंधनियन, 1961 (193 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीय स्वना

#### भारत सहकार

# कार्यानयः, सहायक जायकर जायूक (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, बम्बई

बम्बईं, दिनांक 8 जनवरी 1986

निर्दोश सं. ए. आर. ।।/37ईई/19898/84-85.--अतः मुक्के, प्रशान्त राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. फलैंट नं. 103, पहली मंजिल, ओशीवारा,

आर जिसका सं. फलट नं. 103, पहला माजल, आशावारी, अंधेरी (पू.) बम्बई -58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं तारीख 2-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, धर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पाँ उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्स को, जिन्हें भारतीय व यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बाबन के प्राप्त कर स्वापितियम, विश्व प्राप्त कर स्वापितियम, विश्व प्राप्त कर स्वापितियम, विश्व प्राप्त कर स्वापितियम, विश्व प्राप्त प्राप्त कर स्वापितियम, विश्व प्राप्त प्राप्त कर स्वापितियम, विश्व प्राप्त कर स्वाप्त कर स्व

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जहाद्दीन ब्खारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्सारी मृहम्मद उसमान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृद्धितत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिः इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पाउ निश्चत में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्षिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दें और पर्यो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 2(,-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फलैंट नं. 103, बिल्डिंग नं. 21, मकान का अगला हिसा सं. 41, गांव ओसवारा, अंधेरी (पूर्व) बम्ब ईं-58. में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क. सं. आई ।।/37ईई/19898/84-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा ित्नांक 2-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशान्त राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, बम्बर्ड

दिगांक 8-1-1986 मोहर: प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर बीधनियम, 1061 (1961 का 43) की वाण 269-ध (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्शाक्क)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिमांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/19982/84-85--अत: मुझे, प्रशांत राय

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित वाबार अस्थ 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, वाइल्ड फलावर होल, ग्रधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 2-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य. उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल क्ष्य बंद्रह प्रतिकत से अधिक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितिकों) के बीज एसे बन्दरण को लिए तब वाया गया प्रति-कल नि-नीलित उद्देश्य से उक्त जनरण लिकिन में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- ंध्यों शमारण में शृध्यें विकासी कावा की बाजदा जनस विचित्रक को बचीन कर पेने की व्यवस्त की पारितक में कभी करने वा सम्रक्त बचन में रुधिभा को लिए; बीर/मा
- (ख) इंसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्टियाँ को, रिक्को भागनीय अध्यान्त अधिनियम, १००० (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लेषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वै अधीन निम्निविक्ति व्यक्तियों, अधीत्:— (1) वेस्ट कोस्ट बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री बाबाजी संभाजी पालव ग्रौर श्रीमती ग्रंजली बी० पालव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के समयत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

#### अनुसूची

"फ्लैट नं० 16, जो तीसरी मंजील, वाइल्डफलावर होल, ज्लाट नं० 1, जय भवानी माता रोड, आंविली विलेज, ग्रंधेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसुची जैसा हि कि० सं० आई-2/37-ईई/19982/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-85 को रजीस्टर्ड कियागया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 13-1-1986 मोहर: प्रकृप बाई.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन स्थना

#### STEEL SECTION

. कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

मिर्देश सं० अई-2/37ईई/20085/84-85—अत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित. विद्यका जीवत वाचार मुख्य 1,00,000 - रा. पे अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैट न० 94, सारगा टावर, रोशनलाल अगरवाल कोम्प्लेक्स, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप ने विणित है) ग्राँर जिसका करारभामा आयकर अधिभियम की धारा 269 म, ख के अधीन सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 9-5-1985

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृध्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पावा बवा प्रदिक्त कर विश्वासित उप्चरेद से उसक अन्तरण विश्वित में बास्कृतिक क्य में करिश बहुँ विश्वास का हैंडिन

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय का बाबत, उक्त स्विधिका के अधीन कर दोने के बन्तरक जे वास्त्रिक में क्रामी करने वा स्वस्ते देखने में सुविधा से जिस; स्ट्रिश्या
- (क) एसी किसी बाब या किसी वन वा बन्य वास्तिकों को, किसू बारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण को, भी, उक्त बिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान ६—— (1) आर० एम० ए० विल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मेमर्स गोलानी ब्रदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उपत क्रमित के वर्षन में सम्बन्ध में कोई भी वासेप ह---

- (क) इस बुचना के ग्राचयत्र में प्रकाशन की ताड़ींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों १६ बुचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति बुवाराः
- (व) इव स्वान के राजपुत्र में प्रकावन की तारीव है 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्मन्ति में हितबहुः किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास्स स्थिति में किए वा सकों में ।

स्वयोकरणः--इत्तमे प्रमुक्त वस्ते वृष्टि वर्षे कात हो जन्म हर्मिक्कृत हो वृष्टाव 20-क में प्रेरमाण्ड हीत वहीं वृष्टि होता हो उक्त वश्याद में दिवा वया हो।

## वन्स्ची

"फ्लैंट नं० 94, जो नविश्वी मंजील, सारंगा टावर, रोजनलाल अग्रवाल कोम्प्लेक्ष्म, ग्रोशिवरा, एस० नं० 41 (पार्ट), बर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि में अई-2/37-ईई/20085/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां कि 9-5-1985 को प्रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय न तम प्राधिकारी महाया आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख 13-1-1986 मोहर:

# प्रकम बार्च .टी. एन .एस .....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

#### मारत उरकार

# कार्याजय, तहायक जायकर जायकत (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश मं० ग्रई-2/37ईई/20086/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत राथ

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 22 ए विंग रोशनलाल ग्रगरवाल शापिंग ग्रारकेड, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है (और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्ट्र है, तारीख 9-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयान प्रतिकल के लिए अन्तरित की महा है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापनोंक्त संपत्ति का उचित वासास मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल के एसे स्वयमान प्रतिकल का बन्तर प्रतिकत से विधिक है और अन्तरक (अन्वरकों) और अन्तर दिती (अन्तरितरों) के बीच एसे अन्तरक के निए तय प्रावा गवा दितिकत, निम्निविदां उद्योध्य से उक्त अन्तरम सिवित में बालाईकक रूप से अनित होंं किया नया है कि

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनक अधिकात से अधीन कर देने के अन्तरण क दावित्व में कशी करने या उसरे अकरे में पृथिका के लिए; और/या
- (ख) एनी किसी बाब वा किसी वन या बन्स बास्तिकों करा जिन्हों भारतीय नावकर बीचित्रव्य, 1922 (1922 का 11) या उन्तत बीचित्रयम, या धरकर बीचित्रयम, या धरकर बीचित्रयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजवार्य बन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियानों में स्विचा से निक्षः

इत: इय, उक्त कथिंगियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त कथिंगियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 52-466 GI/85

(1) श्री स्नार० एन० ए० विल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स गालानी ब्रदर्स

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिंग्स। गया है।

## अनुस्ची

प्लैट नं० 22, ए० विंग, दूसरी मंजिल, रोशनलाल स्नगर-वाल शापिंग स्नारकेड एस० नं० 41 (पार्ट), ओशिवरा, वसीवा स्रपना घर के पास, सन्धेरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि कि के सं श्र स्ट-2/37-ईई/20086/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी सटायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

(1) शारः एनः ए० विल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्य गोलानी ब्रदर्स अर **अभिनियम . 1961 (1961 का 43) की धारा** 

(ग्रन्तरिती)

शापकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/2008 /84-85---श्रतः मुझे प्रशांत राय

वायकर विधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1.00.000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 61, सारंगा टावर, रोशनलाल प्रगरानाल कोम्प्लेक्स, ग्रन्थेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजम्ट्री है तारीख 9-5-1985

को पूर्वोक्त संम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यान अतिकल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार स्था, उसके कावनान प्रतिफल का संस्था, उसके कावनान प्रतिफल को संस्था अविवास के अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक है से कीथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

क्तः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

### मन्सूची

फ्लैंट नं 061, जो छठवी मंजिल, सारंगा टावर, रोशनलाल अगरवाल कोम्प्लक्स, एस0 नं 0 41 (पार्ट), ओणिवरा, वसींचा अन्धेरी, (प), वम्बई-400058 में स्थित है।

गतुसूची जैसा कि क.० सं० अई-2/37-ईई/20087/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-1-1986

एकप<sub>ा</sub> बाह्र'<sub>क</sub> टी. एन. एक. ५----

(1) आर०एन० ए० बिल्डसँ

(अन्तरक)

(2) मसर्स बोलानी ब्रदर्स

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन स्थना

#### गारत बरकाह

## कार्यालय, महायक नायकर नायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं ० प्रई-2/37-ईई/20089/84·85 -- अत: मुझे प्रशांत राय

नाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा है'), की भारा 269- के अभीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उच्चित बासार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 112, सन्तोष टावर, अन्धेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा स्नारकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के खबमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार नुस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल का शन्त्रह प्रतिष्यत से विभिक्ष है और बन्तरक (बन्तरक*ें*} शूर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बिए तय पाया गया प्रतिपन्न निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त बंतरण सिश्वित स बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (का) बागरन सं इ.ड. (कारी अप का राजन, उपर मिनियम् ये स्थीन कर दने के बन्तरक है शायित्व में कभी करते था उसस एकरे के धारित के नियः महिना
- (ब) एंसी किसी नाय वा किसी धम म अ बन्द दास्तिया को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर विधिनिय्म, 1957 (1957 का 27° के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया थया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में विषक्त के विष्

**बस: बब, उक्त विधिनियम क**ी धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निश् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उनत सम्पर्दित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबोप उ---

- (क) इस स्चना के राजधन में प्रकाशन की तारीब बे बर दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर ब्बना की तानील से 30 दिन की ब्बर्सि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्त्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

ल्ब्डीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों जीतु पदों का , को उल्ल निधनियम के बध्याय 20-क में पीट्रअई पह है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया may 💢

## अनुसूची

फ्लैंट नं 112, जो बारहवी मंजिल, संतोष टाचर, रोशन-लाल ग्रगरवाल कोम्प्लेक्स, ओशिवरा, एस० नं० 41 (पार्ट) वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/3*7-*ईई/20089/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

प्रक्ष बार्खं .टी . एन . एस . .....

# भाषकर गणिनगम, 1961 (1961 का 43) की गास 269-ण(1) में गणींग क्षाना

#### गारुत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/20090/84-85---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लॅंट नं० 112-ए, सन्तोष टावर, रोणनलाल ग्रगरवाल कोम्प्लेक्स, श्रन्धेरी (प), वम्बई-58 में स्थित हैं (और समे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्ट्रा है तारीख 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के स्वित बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार सून्य, उसके स्वमान प्रतिफल का सम्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए स्व क्या न्या प्रतिक्रम, विश्वासिक स्वश्रं की स्वस्त क्या क्या न्या प्रतिक्रम, विश्वासिक स्वश्रं की स्वस्त क्या की स्वस्त की स्वस्त क्या की स्वस्त की स्वस्त

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावड, उक्त सीमिनियन के बचीन कर दोने के कन्तरक के सारित्य में कमी करने या उक्क क्याने में सुविधा के निए; बहि:/या
- (क) एसी किसी बाब था किसी घर या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुक्तरा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त बाँधनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त बाँधनियम की धारा 269-म की उदधारा (1) में बधीर, निस्तिविद्य व्यक्तियों, बचीर क्रिक्ट (1) ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गोलानी ब्रदर्स

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिथ् कार्यवाहियां मुरू करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोष्ट में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहम्ताखरी के पास लिसित में क्लिए राजार स्थार

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उन अध्याय में दिया गमा है।

#### **अम्स्**ची

फ्लॅट नं० 112-ए, जो वारहवी मंजिल, संतोष टावर, रोशनलाल अगरवाल कोम्प्लेक्स, ओणिवरा, एस० नं० 41 (पार्ट), वर्सोवा, अन्वेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुपूर्वा जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/20090/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को

प्रशांत राय
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

जिस्टर्ड किया गया है।

# प्रस्पात बार्ड. टी. स्मृत एस.......

बावकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### मारत सरका

# कार्तासय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दालक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/20244/84-85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भास 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लॅट नं० 104, नीलम ग्रपार्टमेंट, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिमका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के स्थ्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिकृत निम्नितिकृत स्वस्थ से उक्त अंत्रण निम्निकृत में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नीलम बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एल० रतनाकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रुफ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप ह---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के एकपण में प्रकाशन की तारलेंक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वृष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त हज्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# ग्रनुसुची

फ्लॅट नं० 104, जो नीलम स्रपार्टमेंटम, सीटीएस नं० 105, स्र०पी० रोड, मछलीमार, स्रंधेरी (प०), बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंपा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/20244/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

## क्षण वस्त ही एक, एक, लाव का क्ष

# बावमञ्ज स्थिनियम, 1961 (1961 सह 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### HTML WINKS

# कार्यातच्य, सहायक्य वायाव्यस् वायाव्यकः (विवरीक्याकः) ग्रार्जन रेज-2, वम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/19971/84-85--अतः मुझे, प्रशाँत राय

सायकर गणितियम, 1961 (1961 का 43) (विसं शस्त्रो हरूके परपात् 'उन्ता निर्मायमां न्द्रहा गया हों), की पाता 269-य के गणीन, समय प्राणिकाकी का, यह निर्माय करने का कार्यक हों कि स्थायर कर्यांत, जिल्लाका उचित बाजार अस्त्र 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

स्रौर जिसकी सं अगेल्ड नर्वे नं ० 177, 177 माहीम, यम्बई-16 में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध अनु हुर्चः में स्रोर पूर्ण छप है विभिन्न है), स्रौर जिसका करारनामा स्राय १८ शिथिम की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, वम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 3-5-1985

- कि क्राप्त में हुए । जाती स्वक की स्वक्रित उक्का सीक्षिक्ष के प्रकृत १९ एन ६८ १०६६७ औ दायित्व में क्राप्त कार्न का उससे बचने मी स्विधा के (हास, १८८)
- (स) एसी किसी अस मा किसी जल मा अन्य आसितया का, जिस्ही गाँउल अस्ति का अस्ति का उपन्य (1922 वा ११० गाँउल अस्ति मान, जल बन-कर अधिमाजम, 1957 (1957 का 27) के ह्योचनार्थ अन्यपिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाहिए भा कियाने में सुविधा के दिवह:

कर: सब, उक्त अधिनिया की नारा काना के स्वास्त्र के स्वास्त्र की, वी उक्त अधिनियाल की पारा प्रस्कान की सारा प्रस्कान की सारा प्रस्कान की सारा का का नाम हो। स्वास्त्र (1) से स्वीम, निम्निसिएड व्यक्तियों, अधिक का

- (1) श्रोमती बानूबाई एन० खाँडवावाला, श्रीमती नसीम एम० पूनावाला, श्रीमती खुरशीद एम० चोरघे ग्रौर श्रीमती शमीम एम० हुसेन । (ग्रन्तरक)
- (2) मंधाना टेक्सटाइल मिल्स प्राईवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुराना वारी करके पूर्वोक्त वस्तित के वर्षक के त्रेष्ठ्य आर्थकरियां शुरू करता हुं।

## उक्त उन्मित्त के वर्षन के रूक्तभ वें कोई जी वासरे हुन्न

- (क) रस शुर्वन के राज्यन में प्रकारत की वाहीय वं 45 विम की सामीप का सरक्रमण्डी व्यक्तियों पूर सूनका की सम्बोध हो 30 दिन की बन्दी , को भी क्कृष बाद में स्वाप्त होती हो, के भीक्र पूर्वों कर प्रकारमों में हो किसी व्यक्तिया स्वाहत;
- (क) इस क्षमप के क्षमपन के क्षमपन की बारीय से 45 विन् के क्षमप उनक् त्याक्त स्थापित में विकायप्थ विकास कर्य क्षमीका कुमका न्यांक्ताश्री के रास विवास में किए जा सकति।

स्प्रधाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ग्रनुसूची

जमोन का हिस्सा जिसंका स्रोल्ड सर्वे नं 0 177,1/177, न्यू सर्वे नं 0 1-2-3/177, टीपीएस, 3, माहीम डीवीजन, मनमाला टेंक रोड, 17 मोंगल लेन, स्रपर माहीम, बम्बई-40016 है।

श्रनुसूची जैसा कि करु संरु श्रई-2/37-ईई/19971/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 3-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

# त्रक्य बाहु . टी. एव . एव .....

काएकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के कथीन क्षान

#### भारत सरकार

कार्यंत्रव, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 9 जनवरी 1986

**िनद्रिश सं० ग्र**ई-2/37-ईई/20546/8485---ग्रतः मुझे, प्र**शी**त राय

कामचर वर्गिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके प्रकास (वरुर क्षिमियम) कहा क्या ही), की भारा 266-च के अभीन सकाम प्रतिधकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्थित बाबार स्थ्य 1,00,006/-रा. से अधिक ही

ग्रोर जिसकी सं० शाप नं० 2, श्रमिरानी मेन्सन, माहिम बम्बई-16 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 21-5-1985

को पूर्वेक्स कम्मीस के उचित बाबार मृत्य से कम के इस्प्रमान प्रियम के किए वंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने क्य कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्बक्ति का उचित बाजार भ्रम्म, उसके दब्दजान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का धन्त्रह प्रतिकात से विभिन्न है और अंतरक (अंतरकों) और उंग्यिती 'जन्तरित से विभिन्न है और अन्तरण के लिए तय कामा नया प्रतिकाल, निम्मीकियात उद्देश्य से उक्त बन्तरण किवित में बास्त्रविक रूप से कीयत नहीं किया गया है अन्तर से कीयत नहीं किया गया है

- (क) बंगरण से हुई किसी जाय की बावस, सबस संविन्धिय के स्थीन कर दोने के संतरक के शक्तिय में काली करने शातमले ग्रकते भी स्थीनभा के सिक्: ब्लेप/बा
- (क) ऐसी किसी नाम मा किसी भूग वा बन्त जास्तियाँ को, बिन्हुं भारसीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए भन-कर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) की एमोकरार्ध अंतरिती द्वारा प्रकट नक्षी किया गया या किया जाना चाहिए था. किया जे नुस्तिमा के निकटा

कर शब, उसत कथिनिकम की धारा 269-म के अनुस्रश भे, में, उसत स्थितिकम की धारा 269-म की उपधारा (1) अ वधीय, निम्म्सिक्टिक स्थितकों स्थीत ह— (1) श्रानता फालोमीना ग्रेनियल डीसोजा

(अन्तरक)

(2) अत्मति गुर्शाला संजीवा मुवनी

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तिरती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवसंद्रमा करता है।

उक्त महार्यान के अर्जन के सरकाश में बोहा भी बाधेंप :---

- (स) इस मुक्का के राजपत्र में प्रकाशन की तहीं हैं 45 दिन की लगीन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गृषका की ताबीन से 30 दिन की क्यों भ, को की अपनिथ शक्ष में गजाप्त होती हो, के नीचर पूर्णकर अभीक्ष शक्ष में न किसी क्योंक्स दुवाका;
- (क) इस न्यन्त के राजन्य में शकायन की सरपित हैं 45 दिन के भंडर उनस स्थावर सम्पत्ति में हिन्द-रद्ध विज्ञी पण व्यक्ति दुगता नवाहुस्ताझरी के गाम निश्चित में दिये वा सकरेंगे।

स्मक्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावका ही, पही धर्म होगा, जो उस अध्याय में किला प्रयास ही।

## अन्मुची

शाँप नं० 2, जो तल मंजिल, श्रमिरानी मेन्सन, 263/इ, मिया महमद छोटानी मार्ग, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैना कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/20546/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 21-5-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) इर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-1-1986

प्ररूप वार्ड . टी . एन । एस . ======

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/20665/84-85--ग्रतः मुझे; प्रगाँत राय,

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें काक पश्चमत् 'उक्त अधिनियम' कहा गका है), की भक्त 269- ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर उम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जियकी सं० शॉप नं० 1, वृड्डलेन्ड श्रपार्टमेंट, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 24-5-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करणका प्रिक्षणल के लिए जन्तिरित को गई है और म्रे यह विश्वास कर्ज़ काः कारण है कि स्था पूर्वेक्त संपत्ति का उचित्र प्राजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकास से, एंचे स्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखिठ उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियौं करों, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एगोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था ता किए जाना चाहिए था, छिपाने में स्वीवधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण गो, भी उत्त अधिनियम भी भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रेम एच० लालवानी

(ग्रन्तरक)

(2) परमानन्द जवारमल

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के वर्षन के तिस् कर्म्यवाहियां सुरू करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोग :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होबी हो, के भीतर पूर्वे किंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षण की तार्विंख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संवर्धि में दिवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में ग्रीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याके में दिवा गया है।

### श्रनुसूची

शौंप नं० 1, जो तल मंजिल, वुडलेन्ड, श्रपार्टमेंट, श्राँफ मोरी रोड, सेना श्रग्यारी लेन, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/20665/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 24-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 9-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/20667/84-85--अतः मुझ प्रशांत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम गाधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 2, वुडलेन्ड ग्रपार्टमेंट, माहीम, बम्बई
16 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप
से विणित है) ग्रौर जिसका दःरारनामा ग्रायदःर ग्रधिनियम की धारा
269 दः, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रिजस्ट्री है, तारीख 24-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
53—466 GI/85

्(1) प्रेम एच० लाल तानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती धनवन्ती परमानन्द नथानी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जोंं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

शाप नं० 2, जो तल मंजिल, वुडलेन्ड अपार्टमेंट, सोनावाला अग्यारी लेन, माहीम, बम्बई-400016; स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० मई-2/37-ईई/20667/84-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक द्वायकार शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, **बम्बई** 

तारीख: 9-1-1986

प्रस्य बार्'.टी.स्य.एस. -----

बायकर विधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वर्धीन स्वना

#### भारत चहुकार

## कार्यासन, सहायक जावकर भावनत (विद्वासन)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/20668/84-85--प्रत: प्रशांत राय

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवी इसके पर्वात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका जीवत वाचार मृत्य 1-00.000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 3, वृडलेन्ड श्रपार्टमेंट, माहिम बम्बई 16 ; स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रन्स्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 24-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्प्रवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्या उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निनिखत उद्देश्य ह अक्त बन्तरुष निवित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है:--

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी अगय की बा<del>वत उक्क</del> अधिनिमन में जरीत एक द्वार पतन्त के दावित्व में कमी करने या उद्यम बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाब-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा बा किया बाना चाहिए वा क्रियाने में मविधा बो विष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री प्रेम एच० लालवानी

(ग्रन्तरक)

(2) दयालदास एण्ड सन्स

(ग्रन्तरिती)

क्को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिच कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीस 🕏 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

न्नव्यक्तिरण:-इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौका, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

#### **धनुस्ची**

शाप न० 3, जो तल मंजिल, वुडलेन्ड ग्रपार्टमेंट, सोनावाला भ्रग्यारी लेन. टीपीएस 3,माहीम, बम्बई-400016 में स्थित

ग्रनुसूची जैसाकि ७० स० ग्रई-2/37-ईई/20668/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 24-5-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहाय । त्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

# प्ररूप बार् .टो .एन .एस .=--=

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ 269-च(1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यांकय, सहायक वायकार वायुक्त (निर्दीक्तज)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20214/84-85--ग्रतः मुझे प्रशांत राय,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, शेवा ग्रपार्टमेंट, खार, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसुचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सृविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री खुबचन्द हेमनदास सेतपाल

(ग्रन्तरक)

(2) एस० एस० मिरांडा लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जव के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इबारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गढा है।

## वन्स्ची

फ्लैट नं० 31, जो शेवा अपार्टवेंस, प्लाट नं० 33-बी, तिसरारोड, विलेख दांडा, खार, बस्कई में स्थित है।

अनुसुची जैसा ि कि सं० अई-2/37-ईई/20214/84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांदा 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायाः प्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, बम्बई

ारी**ख**: 9-1-1986

ाोहर:

प्रकार बाहुं . ट्रां. एन . एस . - -

बाधकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनायः 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/20215/84-85—ग्रतः मुझे प्रशांत राय

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क्ष कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृह्ह 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 212, शेवा ग्रपार्टमेट, खार, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण ६प से पीणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायव र ग्रधिनियम को धारा 269 या, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई से रिजस्ट्री है सारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामन प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का धन्द्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्नि में बास्तिवक रूप स किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की नावत, उक्त वीधीनयम के बंधीन कर दान के बन्तरक के दायित्व मा कमा करन ना उसस अवन मा सुविधा के लिए; बांदु/या
- (ख) एस किसो जाय या किसो धन या अन्य आसिको का, जिन्ही भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) य उक्त जाधीनयम, या धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः वस, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुसरक मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) खुबचन्द हेमनदास सेतपाल

(अन्तरकः)

(2) बिन्दवासानी जे० सिंग, शिवशं हर जे० सिंग, श्रीमतीं कालिन्ददेवी ए० सिंग ग्रौर पक्त्वरदेवी जे० सिंग

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- ्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकने।

स्पष्टिं करण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

फ्लैंट नं० 21, जो शेवा ग्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 33 -बी, तिमरी रोड, खार, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि० मं० श्रई-2/37-ईई/20215/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिवारी, बम्बई हारा दिनां ा 10-5-1985 को रजिस्टर्ड वियागया है!

> प्रशांत राय भक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9-1-1986

## भूरूप बाह<sup>र</sup>्टीः एनः, एतः,--==

# कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### मारत सरकाह

## कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 जनवरी 1986

निर्देश मं० ग्रई-2/36ईई/20270/84-85 · न्यत. मुझे प्रशात राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका स० पत्रैट ० 51, शेवा अपार्टमेंट, खार, वम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा मे और पूर्ण रूप से वागन है) और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा • 269 के, ख के प्रतीन सक्षम प्राविकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक वें दायित्व में कमी करने या उससे त्वने में सुविधा के निगा और/बा
- (ह) एसो किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधानन अस्तिर्या अस्तिर्या एका था या किया जाना चाहिए था, जिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् ध्र— (1) खूबबन्द हेमदास सेतपाल

(अन्तरक)

(2) श्री डी० सी० श्रह्नजा, श्रार० डी० सहजा और सी० डी० श्रह्नजा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह-ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्ते का., जा उकार अधिनियम को अध्याय 20-क में पानमां उत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

फ्लैंट न० 51, जो शेवा प्रपार्टमेंट, प्लाट न० 33-बी, तिसरा रोड, विलेज दाडा, खार, बम्बई मे प्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० शई-2/37--ईई/20270/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13--5--1985 को \_ रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज. रेज-2, बम्बई

त्रीख. 9-1-1986 मोहर:

# प्ररूप बाई े टी. एन. एस ------

# बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

दार्यालया, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० ऋई-2/37-ईई/20473/84--85----- ऋतः मुझे प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्व बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, सम्बाला बिल्डिंग, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनिधम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाय की शाबत, उक्त नियम के अधीन कर दंगे के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या निःगि धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1557 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्व रा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

जत: उज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुँ अधीन,, निम्निनिष्टित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पूरन एम० मोकलानी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती का ए० लाखानी और श्री अशोक आय० लाखानो

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बनुसूची

फ्लैंट नं० 10, जो पाचवी मंजिल, सूरवाला विश्विला, 2.87, एस० वी० रोड, वान्द्रा (४), वम्टई-400050 में स्थित हैं।

ग्रनुसूत्रो जैसा कि क० मं० ग्रई-2/37-ईई/20473/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वःगई द्वारा िनांक 17-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> प्रशांत राय सधम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारउख: 9-1-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं ० अई-2/3-ईई/20563/84-85---अतः मुझे प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० पलैंट नं० 102-बी, कल्पना श्रपार्टमेंट, बान्द्रा, बम्बई-560 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 22-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाश गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स नवभारत डेचलापमेंट कोरपोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भानूमती टी० छेड्डा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>5</sup>।

# **मन्स्**षी

फ्लैंट नं० 102-जी, जो पहली मंजिल, कल्पना श्रपार्टमेंट, बी, शयली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई 4000050 में स्थित है श्रनुस्वी जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/20563/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-5- 985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 9- -1986

प्ररूप बाह् दी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की धन्य 269-य (1) के जभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक वामकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनाक 9 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/20564/84-85---अत. मुझे प्रशांत राथ,

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 48) (प्रितं इसमें इसके परवाद 'इसके परवाद 'इसके मधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह हैं), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह किस्कार कको का नारण है कि रुधायर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

और जिसकी सं प्लैट नं 101-र्जः, कल्पना अपार्टमेंट जीं; बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का ने विगित है), और जिसका करारनामा आधकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 22-5-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के दश्यक्तन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाज्यक्त मूल्य, अध्वे व्यवनाम प्रतिक्षण थे, एसे व्यवकाम प्रतिक्षण का बंबह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिता) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- र्क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के किस्त में कमी करने या उक्त विषय में स्रोवधः के सिष्ट; और/या
- (क) एंकी किसी जाय या किसी धन का जन्य आस्तिक को, जिन्हें अनरतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए;

मत: जब, उन्ह विधिनियम की भारा 269-व के वनुबरण मा, मो, उन्ह जिथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीसिंखित व्यक्तियों, अव्यक्

- (1) मैसर्स नवमान्त डेवलापमेट कारपोरेशन (धन्तरक)
- (2) श्रीमती देवकावाई डी० छेड्डा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बार्क्ष :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

## ग्रनसूची

पलैट नं० 101-जी, जो पहली मंजिल, कल्पना श्रपार्टमेंट बी, शरली राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-40050 में स्थित है श्रनुसूची जैसा कि क० स० शई-2/37-ईई/20564/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनाक 22 -5-1985 को रजिस्टर्ड किया गथा है।

> प्रशात राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 9-1-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस . ----

बायकार बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सचना

भारत सरकार

कायां लय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, 2, वस्वई

वम्बई, दिनाँ त 9 जनवरी 1986

निदेश मं० ग्राई-2/37ईई/20565/84-85---ग्रनः मुझे प्रशाँत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1:00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जितकी सं० प्लाट नं० 104ए, क्ल्पना ग्रपार्टमेन्ट, बाँडा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावड ग्रनुपूर्वा में ग्रौर जो पूर्ण म्प से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिबिनियम, को धारा 269 के, ख के ग्रधीन सक्षम प्राविकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्रो है दिनाँक 22-5-1985

का पूर्वोक्त सपित्स के उचित बाबार मृस्य से कम के इययमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उमके इर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती अन्तरिंग्या) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्ट-विश् लग्ग स कोचत नहीं किया गया है.—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं वचने में सुविधा हे लिए; बार्डि/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या दन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपारत (1) के अभीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :-----54—466 GI/85

- 1. मैं तम् नवभारत डेवलपमेन्ट, कारपोरेशन। (ग्रन्तर क)
- 2. कुमारी कल्पना एस० शाह।

'(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाय वधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उसे अध्याय में दिया हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 104 ए, जो पहली मंजिल, कल्पना, श्रपार्टमेन्ट, ए, गरलो राजन रोड, बान्द्रा, वस्त्रई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि का सं श्रई -2/37 - ईई /20565/84 - 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँ क 22 - 5 - 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक 9-1-1986

पक्ता काइ . टरे. एन एक . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

भागांत्रय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निदेश मं० ग्राई०-2/37-ईई/19843/84-85--ग्रत: मुझे प्रशांत राय

गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसकें पण्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 16 जय भवानी रोड, ग्रंधेरी (प०) बम्बई, में स्थित है (ग्रौर इनमे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिन्हा करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है दिनाँक 30-5-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान शितफन के निए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पत्का प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया शिक्का, निम्नीसचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नेलिंबत में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण स हुई किसी बाय की बाबस, उच्छ बीधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के शिवस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिवधा के नियः:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धास 269-घ की उपध्रा (1) के अधीर :---

1. वैथारा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक

2. श्रीमती करमजीत कौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाद्यियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस वं 45 दिन की नविध या तरसम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ड स्वक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्हीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का जा उथत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

#### अनुसूची

प्लैंट नं० 16, जो निसरी मंजिल, जय भवानी रोड, सी० टी० एस० नं० 397, श्रंबोली, श्रंधरी, (प०), वम्बई में स्थित है।

स्रतुसूची जैसा कि क० सं० स्राई-2/37-ईई/19843/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा, दिनाँक 30-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनाँक 13 जनवरी, 1986 भोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनाँक 13 जनवरी, 1986

निदेश सं० स्राई-2/37ईई/19937/84-85—-स्रतः मझे प्रशॉत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि का 43) (जिसे इसमें कि का 43) (जिसे इसमें कि का 43), की धारा 269-ख के अधीन सक्षर पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्ष्येत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. स अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 16, नन्द कृपा शापिंग सेंटर, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विण्य है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाँक 2 मई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय अया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैलिखर में दास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिध-नियम के अंधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अथ., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुहरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के प्रभीन, निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात् : 1. मैसर्स विमल कन्स्ट्रवशन्।

(श्रन्तरक)

 श्री वासु किणिनचन्द भाटिया ग्रोर श्रीमती गोपी वासु भाटिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जां जन्म अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

शाप नं 0 16, जय तल मंजिल, नन्द कुपा शापिग सेन्टर, चार बंगला रोड, ग्रंधेरी (प०), बस्बई-400058में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कसं० ग्राई-2/37-ईई/19937/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनॉक 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्रयधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई

दिनाँक 13 जनवरी, 1986 मोहर: प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.----

1 श्री ग्रार० बी० वैदया

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती अन्यक्र अर्थिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

 श्रीमती ऊषा प्रकाश मनकोदी और श्री प्रकाश ग्रार० मनकोदी।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 जनवरी, 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37-ईई/19948/84-85- - ग्रन. मुझे, प्रशांत राय

अध्यक्तर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रं. से बिधक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, सी० बिल्डिंग, रूप दर्शन बिल्डिंग, श्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसकी करारनामा श्रीयकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाँक 2-5-85 की पूर्विक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमार एतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, एोसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिन्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कोथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) णंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्यरण ब, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्निः चित स्वितियों, अर्थात् :--- कां यह सूचना जारी करके पृयोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क म यथा परिभा-है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

पलैट नं० 302, जो सी विश्विग रूप दर्शन बिल्डिंग, जुह कोप रोड, अधेरी (प०), बम्बई-400058में स्थित है।

स्रनुमूची जैसा कि करु मरु स्राई-2/37-ईई/199498/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा, दिनॉक 2-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक 13-1-1986 मोहर :

# प्रकृष बाइं टी एन एस -----

ण/बकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं) भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2. बम्बई

वस्वई, दिनाँक 13 जनवरी, 1986

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/20155/84-85--श्रतः मुझे, प्रशाँत राय,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुपास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार भून्य 1,00,(00/- रु. से अधिक है

1,00,(00/- रु. स आधक ही और जिनकी सं० फलैट नं० 414, डमारत नं० 31, एस० एन० नगर, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन सक्षम ग्रंधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाँक 9-5-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, एसे द्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (गा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को चिन्हें भारतीय आवकर जिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधि प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवायु प्रकट नहीं किया गय। धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए।

अतः जब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थातः अ—— 1. श्रो वी० बी० पटेल एण्ड को०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो जगन्ताय टीकाराम महावर।

(ग्रन्तरितो)

3 श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, पारे भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदा बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा चो उस बध्याय में दिवा ग्याहै:

### अनुस्थी

प्लैंट नं० 414, जो चौथी मंजिल, इमारत नं० 31, एस० एस० नगर, ग्राँबोली, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि भ० सं० स्राई-2/37-ईई/20156/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनाँक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक 13-1-1986 मोहर 7804

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नश्चकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन स्चना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 13 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/20157/84-85---ग्रतः, मुझे, प्रशाँत राय

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से लाधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 415, इमारत, नं० 31, एस० एस० नगर, श्रंधेरी (प). वस्वई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, दे के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रिजिस्ट्रो है दिनाँक 9-5-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति क उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एस क्यमान प्रांतफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे बंदरण के लिए इव पाल पना शांतफल, विश्वनितित उक्तेष्य से उच्छ बंदरण विश्वति में बास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (७) संतरण संदुर्श किसी बाय की बाबडा, तकः, निवासिताम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मां काशी करने या तकारो वक्षणे मां सुनिधा को लिए; कांद्रिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बाबा चाहिए था खियाने में हाँविधा में लिए,

वत: शव, उक्त वीधनियम की धारा 269-म के बनुसरण व\*, मैं, उक्त विधिषयम की धारा 269-म की जप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वसीत् डिल्स 1. श्री ती० बी० पटेल एण्ड को०।

(ग्रन्तरक)

[भाग ][[--खण्डे 1

2. श्री सुरेश सदाशिव केलकर ।

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निर्क कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री वास्तेष हिला कि एक स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की वर्जींध से एर स्थान की तामीन से 30 दिन की वर्जींध, जो भी वर्जींध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी वे पार विकित के किस वा बकेंदे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विध-नियम को अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रित हैं, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दया गया है।

#### ग्रनुसूची

पत्रैट नं3 415, जो चौथी मंजिल, इमारत, नं० 31, ,एस० एम० नगर, श्राँबोर्ला, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

प्रनुमूर्वी जैसाकि करु सं अर्ड-2/37-ईई/20157/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनाँक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रगाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक 13-1-198**6 मोहर** ध प्रकार बाहु". टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुबना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 13 जनवरी, 1986

निदेण सं० ग्राप्ति-2/37-ईई/20158/84-85—-ग्रनः मुझे, प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्हों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 310, इसारत नं० 31, एस० एस० नगर, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्यनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण प्य से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 क, ख के ग्रधीन स्सिक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्टी है दिनाँक 9-5-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जिस्त बाजार मृत्व से कम के स्वयमान प्रतिकृत के सिए अन्तरित की गई है और मृत्रे वह विश्वास करने का कारण है कि व्याप्योंक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरक्मां) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ । अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा डे किए:

अत. अब. उक्त विधिनियम की धारा 269-व की बम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं पर्स वी० बी० पटेल, एण्ड को०।

(ग्रन्तरक)

 डा० ए० सी० जसानी ग्रौर श्रोमती विभ्ती एन० पटेल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति. जिनके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ष्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की सामीर से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ट में किये वा सकने।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटाँ का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### नन्सची

फ्लैंट नं० 310, जो तिश्वरी मंजिल, इमारत, नं० 31, एस० एस० नगर, भ्रांबोली, अधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि क्र० मं० स्राई-2/37-ईई/20158/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बर्म्बी हारा, दिनाँक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनाँक 13-1-1986 मोहर:

## प्रकृत दाइं. टी. एवं. एवं. .........

मामकार प्रचितिम्ब, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, बहाधक बायकर बायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेज-2, वम्बई

वम्बई, दिनाक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20159/84-85→-ग्रत मुझे, प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिर री की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैंट न० 519, इमारत, न० 31, एप० एम० नगर ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावद्ध ग्रन्मूची में ग्रोर जो पूर्ण न्य से वर्गित है) ग्रौर जिपका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 लख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है दिनाँक 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी बार की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क बिए; बहि/बा
- [क) एंग्री किसी जाय या किसी थन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (ि 57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा के लिए,

अत. हब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- । श्री बी० बी० पडेल एण्ड को०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नन्दो पूरम रंगस्वामी, प्रकाश।

(ग्रन्तरिती)

3. यन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त बिक्तया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्लाक्षरी के पास रिखित में किए जा सकेगे:

स्पष्टीकरण - इसमे प्रयास शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>त</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कवा है।

#### ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 519, जो पॉचवी मंजिल, इमारत नं० 31, एन० एस० नगर, ऋाँबोलो, ऋधेरी (प०), वस्वई-400058 में स्थित है।

म्रनुसूची जैमा कि क ० म० म्राई-2/37-ईई/20159/84-85 म्रोर जो नजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनाँक 9-5-1985 को र्जास्टर्ड किया गया है।

> प्रशॉत राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनाक 13-1-1986 आहर ह प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/20182/84-85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, हिल सी को०-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्रंधेरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 9-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण निवित्त में नास्तिक रूप से क्रीयत नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साम्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विभ केंनिए;

 श्री मुकूंद एम० गोराडीया श्रीर बमकतलाल कारवा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री बर्नांड रोबर्ट वाज, श्रीमती म्रोलीवोया वाज म्रौर श्री वी० एन० म्ररान्हा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

#### बनत बन्दरित के बर्जन के बंबंध में कोई भी बाखेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश हैं 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों इद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हैदन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिविश में किए वा सकनें।

स्पष्टीकरूगः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, हिल सी को०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं०पी-3, वीरा देसाई रोड, म्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० स्राई-2/37ईई/20182/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 9-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 13-1-1986

#### प्रस्य बार्षः हो . एन . एस . ------

अग्रमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भूजेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/20212/84-85---ग्रतः मुझे, प्रश्नोत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, ग्रंकीपोलीस, ग्रंधेरी (प०) बस्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबह ग्रनुरची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करार गमः ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंबीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 10-5-1985

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के सिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के सन्तरण में, में", उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिन,

1. मैसर्स विजय बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री महेण पाधवन ग्रीर श्री दिनेण माधवन।

(ग्रनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के र जपत्र में पकाशन की तारीस सै 45 दिन की अबिधि या तत्संबंधी व्यक्तियें पर अविध बाद में समाप्त हागेती हो, के भीतर प्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

फ्लैट न० 403, ग्रंकोपोलीस, प्लाट नं० 28, ग्रपना घर को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी के पास, चार बंगलोज, ग्राफ जे० पी० रोड, वर्सोवा, ग्रंबेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० मं० ग्राई-2/37-ईई/201212/84-85 ग्रीर जो रक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 10-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रशान्त राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, **बस्ब**ई

दिनांक 13-1-1986 मोहर: प्ररूप आई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2,

बम्बई दिनांतः 13 जनवरी, 1986

निदेश सं०, ग्राई-2/37ईई/20410/84-85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26७-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 84, ग्रांबिवली भारदावाडी, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रांर जिस गर रारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, की धारा 269 कख के ग्रंबीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांट 17-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का भद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अब उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

1. मैसर्स ग्रंकूर बिल्डर्स ।

(अन्तर वः)

2. श्रीमती लता यू० मलया श्रीर श्री बाबूराव जी० मलया (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जिमन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 84, ग्रांबिबली, भारदावाड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं ग्राई-2/37ईई/20410/84-85 श्रीर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 17-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय **सक्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण</mark>) ग्रजैन रेंज-2, अम्बई

दिनांक: 13-1-1986

#### TOU ME OF STATE OF LANDS

#### शायकः वर्षितिन्त, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के क्वीन क्वता

#### शाउस स्ट्राकाड

#### कार्याचय, बहायक वायकर नावुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रें ज-2

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/20557/84-85—ग्रतः मुझे प्रशांत राय,

नावकर बीचीनवन, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इत्तर्गे इत्तके पश्चात् 'उन्तः वीचीनवन' नहा गवा है), की भारा 269-व के नधीन तक्षव प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर तन्यीत, विश्वका उचित् वाबार नृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, ए विग श्रंक्र, श्रपार्टमेन्ट, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसुची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 22-5-1985 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क् 1. स्रंकुर बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

 श्री भवानजी नरसी शाह और श्रीमती सरलाबेन भवानजी शाह

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तर ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

कर्र वह क्षत्र वारी करके प्यानिश्व संप्रितः के वर्षन के तिह कार्यवाहियां करता हु"।

#### उक्त संगीता के वर्गन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी ब्राध बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाद्ध;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभावनम्, के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस सभ्याय में दिया गवा

#### ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो तीसरी मंजित, ए विंग, श्रंकूर, श्रपार्टमेन्ट, भारदावाडी, श्रंधेरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/20537/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 22-5-1985 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज-2, बम्बई

दिनांक: 13-1-1985

### ter see a significant

#### भारकह विचित्रकर, 1961 (1961 का 43) व्हीं परख 269-प (1) के विपेश क्षामा

#### an state

#### कारीखर, सहायक भारकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986 निर्देश सं० अई-2/37-ईई/20556/84-85:--अत: मुझे, प्रशांत राय,

बारकर विधीनवय, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परचात् 'उनत विधीनयय' बहा गया हीं), की भारत 269-च के वधीन सक्तान प्राधिकारी को यह विकास करने का न्तरण ही कि स्थावर सम्पत्ति विश्वका स्थित वाचार मुम्य 1,00,000/-रु. से विधिक ही

स्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 1, ए विंग, स्रंकूर अपार्टमेंट, स्रंधेरी (प), बम्बई – 58 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है) स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालंग, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22 – 5 – 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाचार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के जिल्लास करने का कार्य है कि स्थाप्तिकत सम्पत्ति का कार्य है कि स्थाप्तिकत सम्पत्ति का उचित नामार मूक्य, ससके स्थापान प्रतिकल से एवं स्थापान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के नीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निचिद स्थापत से उचत अन्तरण विश्विक से नास्तिक रूप से काथित नहीं किया नया है है—

- (क) कर/क्य हे हुन्दें किशी बाव की बारत, उक्त वर्ष-विचय के बधीन कर देने के बन्तरक के खियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड√वा

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा.269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) अंकूर बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश नरसी शाह ग्रौर श्रीमती शोभना दिनेश शाह।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के कि कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वर्ष्यी

''फ्लैंट नं० 1, जो पहली मंजिल ए, विंग, अकूर अपार्टमेंट, भारदावाडी अंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क० सं० अई-2/37—ईई/20556/84—85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22–5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, **बम्बई** 

तारीख: 13-1-1986.

प्ररूप बाई .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निर्देश सं० अई-3/27-ईई/20615/84-85:--अतः मुझे, प्रशांत राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ॰ फ्लैंट नं ॰ 406, वेस्ट विंग विल्डिंग, बम्बई में स्थित है (ग्रार इससे उपाबद्ध अनुमुची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है), ग्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, तारीख 24-5-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स स्रोबेराय बिल्डर्स ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती नजमूनीसा गुलाम महमद आगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

"फ्लैंट तं० 406, जो चौथी मंजिल, वेस्ट विंा बिल्डिंग, स्रोशिवरा विलेज, बम्बई में स्थित है।

अनुसुची जैमा ि क० मं० अई-2/37–ईई/20615/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24–5–1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986.

मक्त बाहे .टी .क्त .एड . .......

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

#### SING ALGERA

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं ० अई-2/37-ईई/19889/84-85:--अतः मुझे, प्रशांत राय,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 404, इमारत बी-2, विद्यादैनी को० आप० हाउसिंग सोसायटी, श्रंधेरी (पु०), बम्बई-99 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसुची मे श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी हार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, नारीख 2-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरफ के लिए तय पाया गया प्रति-फर, विम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-किस कप से कथित नहीं किया स्था है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिविवस के अधीन कर दंगी के अन्तरक अं अधिक्त में कमी करने या उपने सचने में सुविधा र जिए: न्यंद/सा
- (क) एसी किसी आयः या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिला भारतीय गाम कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्मरण कें, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है कभ्रेन, निम्निविधिस व्यक्तियों, अर्थाप क्र-

(1) मैसर्स इंडीको कनस्ट्रक्शन को०।

(अन्तरक)

(2) श्रीभारतएम० शेट्टी।

(अन्तरिती)

को बह त्यना चारी करके व्यक्तित सम्मन्ति के वर्षन के प्रियु कार्यवाहियां करता हूं।

#### डक्स सम्पत्ति के वर्षय में कम्बन्ध में कोई भी साक्षेप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वी कर स्विकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड्ड किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र्ध निस्ति में किए जा सकेंचे।

स्वव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त व्यक्ते वरि वर्षों का, वर्षे स्वरूप विभिन्नियम के वश्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी वर्ष होगा जो उस वश्याय में विषय गया है।

#### ग्रनुस्ची

"फ्लैट नं ० 404, जो चौथी मंजिल, इमारत बी-2, विश्वादैनी को ० आप० हाउसिंग सोमायटी, चकाला, ग्रंधरी, (पु॰), बम्बई-400099 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क० स० अ -2/37 **ईई**-/19889/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्ष**म प्राधिकारी,** सहायक आयकर आयु<del>क्त</del> (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, **बम्बई** 

तारीख: 13-1-1986

प्रस्य बार्षं . ठी . एन . एस . -----

भाषकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यां क्या सहायक आयकर बाब्क्ट (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986 निर्देश सं० अई-2/37—ईई/19890/84–85:—अत: मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिमका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट तं० 403, इमारत तं० बी-2, विद्यादैनी को० आप० हाउनिंग सोनायटी शंधेरी (पु), बस्वई-99 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-5-1985

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूक्त, उद्यक्ते क्यामान प्रतिकाल से, एसे व्यवमान प्रतिकाल का क्या प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए हय गामा गया बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुइ किसी बाय को बाबत, उक्त बिधिययन के स्थीप कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने वा उसके न्यूने में सुविधा के सिहद; शीर/वा
- (क) होनी किन्ही आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया कवा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में हरिक्ता की खिए;

सत्तः शव, उक्त अधिशियम की धारा 269-ग की नव्यरण को, बी, उक्त किधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) का े.. निम्मसिकित व्यक्तियों, क्याँत :— (1) मनर्म इंडीको कनस्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

(2) श्री महावल अनंत शेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह त्यना चारी कपुके पूर्वोक्त स्थापि के धर्मन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उपत स्मारित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबांध :---

- (क) इत स्थना के राज्यक में प्रकाशन की तारीय सं 45 वित्र की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीध, जो भी बर्धीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किसी वा सकों है।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विवा न्या हैं!

#### क्रमुची

"फ्लैट नं० 403, जो चौथी मंजिल, इमारत नं० बी-2, विद्यादनी को० आप० हाससिंग सोसायटी लिमिटेड, चकाला, अंधेरी (पु), बम्बई-400099 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/19890/84-85 भ्रांट जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशात राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त ्(निरीक्षण), अजन् रेज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 19856

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/19891/84-85:--श्रतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्वत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, मारत बी-2, विद्यादेनी को० म्राप० हाउसिंग सोसायटी, अंधेरी (पूं०), वम्बई-99 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा म्रायकर मधिनियम की धारा 269 क, ख के मधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के तिए अन्तरिट की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रविक्रल निक्निचिति उद्देश्य से उसत अन्तरण किला में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण वे हुई किसी जाय की वावत उक्स विधिनियम के बचीन कर दोने के शन्तर्क में दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; बहु/बा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन वा बन्द बारिसकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था कियाने में सर्विधा के जिल्ह;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स इंडीको कनस्ट्रक्शन को०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वैशाली ए० गांधी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अतुसुची

फ्लैंट नं० 401, जो चौथी मंजिल, मारत बी-2, विद्यादैनी को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी , चकाला, अंधेरी (पू०), बम्बई-400099 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37—ईई/19891/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय; सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986

#### प्ररूप आई.टी.एन.एस.

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/19893/84-85:--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, इमारत बीं—2, विद्यादैनी को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, अंधेरी (पु), वम्बई—99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनिय की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 2-5-1985

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरिक (अंतरिकों) और अंतिस्ति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित अद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा की किए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) चैं अधीन, निम्मिन्यिक व्यक्तिकों, अर्थीक् ह— (1) मैसर्स इंजीको कनस्ट्रमधन को०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाशवन्ती भारद्वाज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में डिक्र-बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंमे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### बारम की

फ्लैंट नं० 2, जो तल मंजिल, इमारत बी-2, विद्यादैनी को० ग्राप० सोसायटी, चकाला, अंधेरी (पु), बम्बई-400099 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37—ईई/19893/84-85 और जो सक्षम प्राधिक।री, बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)' ग्रुजैन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-1-1986.

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 13 जनवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37मईई/19894/84-85:---म्रतः मुझे, प्रशांत राय.

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, इमारत बी-2, विद्यादैनी को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अंधेरी (पु०), बम्बई-99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुणे रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 2-5-1985

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयम। प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-निक स्प से किंक्त नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे तिए; बाह्र/या
- (क) एसी किसी नाव वा किसी वन या नन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम, या धन-कर निर्मानयम, या धन-कर निर्मानयम, या धन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में स्नियंध के लिए;

बतः अथ, उक्त विधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स इंडीको कनस्ट्रक्शन को ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम नाथ भारद्वाज।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षण के कि कि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप हु-

- (क) इस स्चना के हाक्पज में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति इंगरा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेगें।

स्थव्यक्तिरुक्तः - प्रत्यसं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो टक्क बीधनियमं, के बध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिर गुरुष्कृष्टि

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 1 जो तल मंजिल इमारत बी-2 विद्यादैनी को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड चकाला अंधेरी (पु) बम्बई-400099 में स्थित है।

ग्रनुम्ची जैसा कि कि के सं ग्रई-2,37ईई,19894,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13-1-1986.

प्रारूप आई .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/20382/84-85:---ग्रतः मुझे; प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 इमारत ए-4 विद्यादैनी को० श्राप० हाउसिंग सोमायटी अंधेरी पु) बम्बई-99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से वाणित है) और जिसका करारनाम। श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क खके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है; तारीख 10-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मैसर्स इंडीको कनस्ट्रवशन को०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जनादर्दन के० सावकारे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

फ्लैंट नं 101, जो पहली मजिल, इमारत ए-4, विद्यादैनो को अप , हाउसिंग सोसायटा, चकाला, अंधेरी (पु), वम्बई-400099 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-3ईई/20382/84-85 और जो मेक्षम प्राधिकारी, चम्बई द्वारा दिनाक 10-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्**ब**ई

त.रीख: 13-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की पाल 269-व (1) के बचीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20383/84-85:---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की यह विस्वास करने का स्थापर सम्बद्धि, जिसका उचित्त काचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 106, हमारत ए-4, विद्यद्याद नी की श्रीप हार्जिस सोसायटी, श्रंघेरी (पु), वम्बई-99 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका व रारानामा श्रायक र श्रिधिनियम की धारा 269 व, ख के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री है, तारीख 16-5-1985

- (का) करमुख्य से हुई फिली माथ की माधक उकत मधि-शियक की बधीय कर दोन के तस्तरक के दायित्व में कभी कह्न या उल्लंबयन में सुविधा के लिख; बीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयंजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया समा सा सा सा सा सामा वाला या साहित था, जिनाने में स्विता से सिका;

मां, मं, उक्त अधिनियस जी पाछा 269-म सं समृत्यस मां, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— (1) मैसर्स इंडीको वन्सट्रक्शन को०।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र बाबू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्वधाहियां करका हूं।

क्यत सम्मति के बर्चन की सम्बन्ध में और भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्रूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीझ से 45 दिन की जविंध या तत्वंबंधी व्यक्तियों दर तृथता की तामील से 30 दिन की सर्वोध, को भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीस से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकारी के पास विश्वित में किए जा सर्कांगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्ष अधिनियम, को अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होनेंद्र, जो उस अध्याय में दिया सहा हैं।

बन्स्ची

"फ्लैट नं ० 106, जो पहली मंजिल, इमारत ए-4, विद्यादैनी को-प्राप० हाउनिंग सोपायटी, च प्राला, ग्रंबेरी (पु), बम्बई-400099; स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि सं० सई-2/37-ईई/20383/84-85 स्रौर जो पक्षम प्राधि हारी, बमबई द्वारा दिनाक 16-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 13- 1- 1986

#### प्राच्या नार्षं हो स्य एस :----

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### बारत परकार

#### बार्यानव, सहायक बावकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986 निर्देश सं॰ ग्रई-2/37-ईई/20496/84-85:---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

बाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० सी/201, शालीमार श्रपार्टमेंट, सान्ताकूज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-5-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय काया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से स्वत बन्तरण विश्वित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गवा है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनवन के बधीन कर दोने के बन्तरुक के शाबित्य में कनी करने वा उससे बचने में बृतिया के किए; ब्रीट्र/था
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्य वास्तियों को विन्हें धारतीय बावकर विश्वित्यम्, 1922 (1922 का 11) या उस्त बिधिनयम्, या धन कह विधिनयम्, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थं जन्तिहिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना चाहिए था खिपाने में सुविधा थे सिद;

बतः ,श्व, उक्त वीधीनयम की धारा 269-म के बनुसरण के, में, उक्त वीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) क वधीन, निकासियत व्यक्तियों, वर्षात् ह—

(1) श्री ग्रतुल जे० शाह।

(अन्तरक)

(2) श्री रतीलाल एस० दफतारी, श्री विद्यूत ग्रार॰ दफतारी ग्रौर श्री किशोर ग्रार० दफतारी।

(ग्रन्सरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग वें सम्पत्ति है) ।

#### महें मह वृष्या प्राप्ती करके प्रविषय क्ष्मित् से वृष्य से विष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा ववा है।

#### अनुसूची

"फ्लैट नं० सी-201, जो दूसरी मंजिल, शालीमार ऋपार्ट-मेंट, कोरनर ग्राफ स्टेट ट्रान्सस्पोर्ट रोड़ ग्रौर टागोर रोड़, सान्ता-कुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई 2/37-ईई/20496/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-5-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),
 ग्रार्जन रेंज-2, बस्बई

तारोख: 13-1-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 2,बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई- 2/37-ईई/20525/84-85:--ग्रत: मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, ग्रीन स्टार, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 18-5-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान

Уप्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मृल्य, इसके इश्यमान प्रितफल से, एसे इश्यमान प्रितफल का

पंक्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स रीजवी बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती संजीवनी शिवराम भौंसले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक बें 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 205, जो दूसरी मंजिल, ग्रीन स्टार, सी टी एस नं० 1281 (पार्ट), 1282, 1428, 1429 (पार्ट), 1430 (पार्ट), शरली रीजन, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/20525/84 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रंजन रोज-2, बस्बई

तारीख: 13-1-1986

#### प्रक्ष बार्: टी.एन.एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### बारत अल्ब्बर

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रोंन-2, वस्वई वस्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/20656/84- 85:-/ग्रत:, मुझे, प्रशांत राय,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख रो अभीन सक्षम प्राध्थिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 2, मनमार को-ग्राप० हाउसिंग सौसायटी लिमिटेड, गान्ताकुज (प), वम्बई-54 में स्थित है और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका वारारनामा ग्रायार अधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-5-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ने, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के नेलए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उद्युत बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बावन, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/।
- (स) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों की िकहुं भारतीय आयकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धक्कर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चािहए था, िछपान में सुविधा के लिए;

कतः कव उक्त विधिनियम का धारा 269-ग की अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) मेरी लोयोनोरा मचाडो।

(अन्तरक)

(2) श्री मुनीस गुताब वापवानी।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टांकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो तल मंजिल, मनमार को-आप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, प्लांट नं० 68, सेन्ट जोसेफ एवेन्यू, सान्ता-कुंज (प), वम्बई-400054 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-2/37-ईई 20656/84-85 म्रीर जो सक्षम प्राधि कारी, वस्बई द्वारा दिनांक 25-5-1985 को रिकस्टर्ड दिया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज-2, बम्बई

तारीख: 31-1-1986

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/20792/84-85:--- ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार नृत्व 1,00,000/- रा. से निधक हैं

स्रोर जिसकी सं० पलैंट नं० ए/1, ज्ञात-विकॉत को-स्राप० हाउगि सोसायटी लिमिटेड, सान्ताकुज, बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) है, ग्रौर जिसका जरारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28-5-1985

करे प्रवेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार भूल्य से कम के क्ष्यमान शितकल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्में वह विषयां करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार बृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का रुक्द प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पत्मा गया प्रीक-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्क जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने वा उससे बदने में सूविथा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी थव वा बन्ध वास्तियों क्यों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिजव, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिजव वा धनकर अधिनिजय, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए चा, जिल्पाने से एटिया के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) स्रिन्दर क्मार भरहाज।

(ग्रन्तरः)

(2) श्री ग्रनिल ग्रार० सखाल ःर।

(ग्रन्तरिती)

की वह त्यना बारी करफे प्रोंक्त संपत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वासील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति वास में समाप्त होती हो, लें भीतर पूजेंक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द वहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-के में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जन्सू ची

"फ्लैट नं० ए/1, जो तल मंजिल, ज्ञात—विकांत को—ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, प्लॉट नं० डी/17,टी पी एप नं० 1, पान्ताकुङ, बम्बई-400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/20792/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 28-5-1985 को रजिस्टई जिया गया है।

> प्रणांत राय, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण), ग्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

ताराख : 13-1-1986

मोहर ४

क्रांत वहाँ ही , इन , एव .----

काष्धार विभिन्त्रिक, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के अभीन सुपता

#### नारव सहस्रार

#### सार्यालय, बहुत्यक वाय कर वाय वस (निरुध्याण)

ग्रर्जन रेज, पटना

पटना, दिनाक 14 जावरी 1986

निदेश म० III/1139/श्रर्जन/85-86----श्रत , मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बावकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के सभीन सक्ता प्राधिकारी की, वह निरवास करने का कारण इ कि स्थानर उपाँच दियका उच्चित बाजन र न्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अर्थ जिसकी में शांता ने 14, तो तं. ने 5241, खता नं 2र्व. ने 21, प्लाट नं 9, 92 93 94 ने अण है, तथा जो मौजा पह उपुर, थाना गर्दनीयाग जिला पटा। में सित है (और इसरे. उपावह क्रुम्ची के और पूर्ण ते में विणत है), राजिष्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के व्यायालय पटन में राजिष्ट्रीकरण श्राधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 5 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से काम के दश्यसान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं कार मुम्हें यह विश्वाल करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त काजार मृत्य उतके दश्यमान प्रतिकाल की कार वात्रक (अंतरका) कोर कंचरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बिए तय पत्था नया प्रतिकाल, निम्निसिबित उद्दूर्णय से उच्त अंतरण कि बिए तय पत्था नया प्रतिकाल, निम्निसिबित उद्दूर्णय से उच्त अंतरण कि बिए तय पत्था नया प्रतिकाल, निम्निसिबित उद्दूर्णय से उच्त अंतरण कि बिए तय पत्था नया प्रतिकाल कुए से क्षिण्य नहीं विज्या गया है :----

- (क) बलारण से हुई किसी आप औं बायन, 'जन' बिसिन्स के अधीन कर दोने के कन्तरक के अधीन कर दोने के कन्तरक के अधीन कर होने के किसी करने या स्थित के तीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन वा अस्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय बानकर वीधीययम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनिवम, या धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्त्रीरसी क्षाय प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, दिगान की समेक्सा के सिद;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, गं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थन्तः

- 1 श्री मात्व प्रत्मार पर प्रली समार सा० बली संजिल चौहट्ठा, थाना—पीरवहाँ र जिला स्टन । (अन्तरक)
- 7. श्रीमतो आध्या जकी दाख्तर सैन्द मत्मर जर्व उद्दोत, सा० बी--39 जाकीर नगर कवटदाम, जिला पटना।

(ग्रन्निती)

को बहु सूचना बारी कर्क पूर्वोक्त संपर्तित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या नग्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील है 30 दिन की अविधि, जां भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकार कार्यक्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हितंबद्ध
  किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिश्चित मों किसा जा मकोंचे ।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों वीर पदों का, को उक्त विधीनयम के अध्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होना जो उस कथ्याव में दिया नवा है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रहा। 3800 वर्षाकिट हे प्या जो मीजर पड़ाडपुर, था० गर्दनीबाग, जिला पटा मे लिखा है एवं को पूर्यका न विसिक्त स० 3039 दिशक १-5-1985 में वागम ह और जिसका निबंधा जिला प्रवर्गान्तवा पटा के द्वारा सम्बन्ध हुआ है।

> द्वृगी प्रसार सन्तम प्रतिकृति सहायक क्रांग्यार प्रायुक्त (क्रिंगण) पर्वन रोग पटा

तारीख 14 1- 1996 मोरर

#### संघ लोक सेवा भ्रायोग

#### नोटिस

#### इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1986

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 फरवरी 1986

सं० एफ० 2-5-85 प० I (ख)—भारत के राजपात दिनांक 22 फरवरी, 1986 में परिवहन मंत्रालय, रेल विभाग (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाणित नियमो के अन्सार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आगरतला, आहमदाबाद, ऐंजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकला, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिमपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्भू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पफजी(गोबा), पटना, पोर्ट ब्लेश्चर, रायपुर, शिलांग, शिनला, श्रीनगर, तिस्पति, विबेन्द्रम, उदयपुर और विशाखा का जाएगी।

श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों पिरवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदबारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसंद के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंग तो भी श्रायोग पिरिस्थितिवश किसी उम्मीदबार को श्रपनी विवक्षा पर अलग-केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे द्विया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (श्रनुंबंध 1, पैरा 11 देखिए)।

2 इस परीक्षा के परिणाम के श्राधार पर उक्त मेवाश्रों/पदों के निम्नलिखित वर्गों में भर्ती की जाएग़ी:——

वर्ग I

--मिविल इंजीनियरी

वर्ग II

--यांत्रिक इंजीनियरी

वर्ग III ·

--विद्यंत इंजीनियरी •

वर्ग IV

 इलैक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी

प्रत्येक वर्ग के श्रन्तगंत विभिन्न सेवाश्रो/पदों में लगभग किसनी रिक्तिया है, यह नीचे दर्शाया गया है:---

> वर्गं I--सिविल इंजीनियरी ग्रंप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा 10 (ग्रं० जंि के उम्मीदवारों के लिए 1 और ग्रं० जंि जाि के उम्मीदवारों के लिए i ग्रारक्षित रिनित सम्मीदवारों के लिए i ग्रारक्षित
- (iv) सेना इंजीनियरी सेवा (भवन 78 (अर्थ जार्ड के उम्मीदनारों के तथा सड़क संबर्ग) लिए 12 और आर्थ जार्ड जार्ड के उम्मीदनारों के लिए 6 आरक्षित रिक्तियों सम्मिलित हैं)
- (v) सैन्य इंजीनियरी सेवा (निर्माण 6(1 रिक्ति प्र० जा० हेतु सर्वेक्षक संवग) ग्रारक्षित)
- (vi) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा 34\*\* (सिविल इंजीनियरी पद)

- (vii) सहायक कार्यपालक इंजी— नियर (सिविल) (डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कब्ध)
- (vii) भारतीय ग्रायुद्ध कारखाना 8(ग्रं०, जा० के उम्मीदवारों के सेवा (इंजीनियरी शाखा) लिए 1 तथा ग्रं० ज॰ जा० के सिविल इंजीनियरी पद उम्मीदवारों के लिए 1 ग्रारक्षित कित सिम्मिलित है)

ग्रप 'ख'की सेवाएं/पद

(ix) सहायक इंजीनियर (मिबिल), श्राकाशवाणी का सिबिल निर्माण स्कंध

वर्ग-II---यांत्रिक इंजीनियरी

ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) यांत्रिक इजीनियरी की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा

2\*\*

- (iv) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- 10 (दो रिक्तिया) ग्र० जा० के लिए आर<sup>िश्</sup>ने तथा एक रिक्ति ग्र०ज०जा० के लिए ग्रारक्षित सहित)।
- (v) भारतीय श्रायुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक)
- 57 (ग्रं० जां० के उम्मीदवारों के लिए 9 ग्रौर ग्रं० जं० जां० के उम्मीदवारों के लिए 5 ग्रारक्षित रिक्तिया; सम्मिलित हैं)।
- (vi) भारतीय नौसेना श्रायुद्ध सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- 6 (ग्र॰ जा॰ के उम्मीदवारों के लिए 1 ग्रीरं ग्र॰ ज॰ जा॰ के उम्मीदबारों के लिए 1 ग्रार— क्षित है)
- (vii) सहायक प्रबन्धक (कार-खाना) (डाक व तार दूर-संचार कारखाना संगटन)
- (viii) सैन्य इंजीनियरी सेवा (वैद्युत स्नौर यात्रिक 'संवर्ग) (यात्रिक इंजीनियरी पद)
- (ix) कर्मशाला ब्रधिकाी (यांतिक) ई० एम० ई० कोर. रक्षा मंत्रालय
- हि' (ग्रन्न जान के उम्मीदवारों के लिए 1' ग्रीर 'ग्रन जन जान के उम्मीदवारों के लिए 1 रिक्ति ग्राहक्षित है)
- (x) केन्द्रीय विद्युत और यात्रिक 1 इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (xi) सहायक विकास प्रधिकारी \* (इंजीनियरी) का पद नक-नीकी विकास महिनदेशालय (यांबिकं इंजीनियरीं पर)-

(xii) सहायक कार्यपा क इंजी-	18(अं जा० के	उम्मीदवारों
नियर (बैद्युत तथा यात्रिक)	के लिए 3 तथा ग्र०	ज० जा० के
यात्रिक इजीनियरी पद,सीमा	उम्मीदवारो के लिए	2 ग्रारक्षित
सडक इजीनियरी सेवा ग्रुप	रिवितया सम्मिलित है	)
'क'	•	,

- (xiii) भारतीय ग्रापूर्ति सेवा ग्रुप "क" (यांत्रिक इजीनियरी पद)
- (xiv) बालिक इजीनियर (कनिष्ट) भारतीय भविज्ञान सर्वेक्षण

#### मुप '**ख**' की सेवाए/पद

(XV) कर्मशाला ग्रष्टिकारी (यान्निक 4(ग्र० जा० के उम्मीदबारी के इजीनियरी पद) ई०एम॰ई० लिए 1 स्रौर भ्र० ज० चा० के उम्मीदबारो के लिए 1 ग्रारक्षित कोर, रक्षा मनालय रिक्तिया सम्मिलित है)

#### बर्ग-III-वैश्वत इजीनियरी मुप 'क' की सेवाये/पद

- (1) बैद्यत इजीनियरो की भार-तीय रेल सेवा
- (11) भारतीय रेल भडार सेवा (त्रैत्रुत इजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय वैद्या और यात्रिक इजीनियरी सेवा (केन्द्रीय इजीनियरी पद)
- (1V) भारतीय श्रायुद्ध नारखाना 20 (ग्र० जा० के उम्मीदवारो के लिए 3 ग्रौर ग्र० ज० जा० के उम्मीदवारो के लिए 1 श्रारक्षित (इजीनियरी शाखा) (वैद्युत् (रिक्तिया सहित) इजीनियरी पद)
- ( v) भारतीय नौसेना आयुद्ध सेवा 6 (ग्र० जा० के उम्मीदवारो के (वैद्युत् इजीनियरी पद) लिए 1 ग्रीर ग्र० ज० जा० के उम्मीदवारो के लिए 1 ग्रारक्षित रिक्तिया सम्मिलित है)
- 35 [5 रिक्तिया (V1) केन्द्रीय शक्ति इर्जानियरी म्र० जा० के लिए ग्रारक्षित तथा 2 खिक्तया ग्र० ज॰ जा० के लिए ग्रारक्षित (वैद्युत् इजीनिवरी पद)
- (vii) सहाज्ञक कार्अवालक इजीनिजर (बैबुत) डाक व तार मिविल इजीनिवरी स्कश्र)
- (viii) कर्मशाला प्रविकारी (वैजुद्) ई० एम । ई० कोर, रक्षा मझालब
- (ix) सहायक विकास श्रिकारी (इजीनियरी का पद) तकनीकी बिकास महानिदे-शालय (वैद्युत इजीनियरी पद)
- (x) भारतीय श्रापूर्ति सेवा ग्रुप 'क' (वैद्युत् इजीनियरी पद)
- (X1) सैन्य इजीनियर सेवा (वैद्युत् ग्रीर यात्रिक सवर्ग) (वैद्युत् इजीनियरी पद)

26 (ग्र० जा० के उम्मीदवारो के लिए 4 श्रारक्षित रिक्ति ग्रौर ग्र० ज॰ जा० के उम्मीदवारो के लिए 2 ग्रारक्षित रिक्तियो सहित)

#### ग्रप 'ज' सेवाये/पद

- (Xii) सहायक इजीनियरी (वैद्युत् सिविल ग्राकाशवाणी निर्माण विभाग
- (X111) कर्मशाला ग्रधिकारी (वैद्युत्) 1 ई० एम० ई० कोर, रक्षा महालय

#### वर्ग-IV–इलैक्ट्रानिकी तथा दूर सचार इजीनियरी

#### ग्रृप 'क' सेवार्/पद

- (1) सिगनल इजीनियरो की भारतीय रेल सेवा
- (1i) भारतीय रेल भडार सेवा सचार/इलैक्ट्रानिक इजीनियरी पद)
- (iii) भारतीय दूर सचार सेवा
- (iv) इजीनियर, बेतार योजना ग्रीर समन्वय स्कन्ध/ग्रनुश्रवण सगठन, सचार मन्नालय
- (v) उप-प्रभारी इजीनियरी समृद्रपार सचार सेवा
- (vi) भारतीय प्रसारण (इजी-9 (ग्र० जा० के उम्मीदवारो के नियर) सेवा लिए 1 ग्रीर ग्र० ज० जा० के लिए 1 ग्रारक्षित रिक्ति सम्मि-लित है)।
- (vii) तकनीकी श्रव्धिकारी, सिविल विमानन विभाग ग्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।
- (viii) भारतीय आयुद्ध कारखाना सेवा (इजीनियरी शाखा) (इलैक्ट्रानिकी इजीनियरी पद)
  - लिए 3 भ्रौर भ्र० ज० जा० के लिए 1 ग्रासंक्षत रिक्ति सम्मिलित है) 17 (ग्र० जा० के उम्मीदवारो के

लिए 2 ग्रारक्षित रिक्तिया सम्म-

3 (ग्र० ज० जा० के लिए 1

20 (ग्र० जा० के उम्मीदवारो के

- (ix) भारतीय नौसेना, ग्रायुद्ध सेवा (इलेक्ट्रानिकी इजी-नियरी पद)
- 5(1 रिक्ति अः जा० के लिध (x) केन्द्रीय शक्ति इजीनियरी सेवा (दूर सचार इजीनियरी यारक्षित सहित)।

लित है)।

- (X1) सहायक विकास अधिकारी (इजीनियरी) का पद तव-नीकी बिकास महानिदेशालय, (इलेक्ट्रानिकी दूर सचार इजीनिय से पद)
- (X11) भारतीब श्रापूर्ति सेवा ग्रुप "क" (इलेक्ट्रानिकी इजीनियरी पद)
- (xiii) कर्मशाला अधिकारी (इलै- 1 क्ट्रानिकी इजीनियरी पद), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मन्त्रालय
- (xiv) सचार ग्रधिकारी मिनिल विमानन विभाग

#### ग्रुप 'ख' सेवाए/पद

(XV) सहायक इजीानच समुद्रपार सचार सेवा

(xvi) तकनीकी सहायक (ग्रुप 'ख') ग्रराजपत्रित समृद्रपार सचार सेवा

(xvii) कर्मशाला श्रधिकारी, (इलेक्ट्रानिकी इजीनियरी पद), 1 ई० एम० ई० कोर, रक्षा मदालय

भारतीय श्राधुद्ध कारखाना सेवा (सिविल, यादिक, बैद्युत श्रीर इलेक्ट्रानिकी) तथा भारतीय प्रसारण (इजीनियर) सेवा तथा सङ्गयक कार्यपालक इजीनियर (वैकृत तथा यादिक), यादिक इजीनियरी पद, सीमा सडक इजीनियरी सेवा, रूप क, के सामने दिखाई गई रिक्तिया स्थायी है।

ग्रन्य सभी सेवाऋने ग्रीर पदो के सामने दिखाई गई रिक्तिया श्रस्थायी है।

उपर्युक्त सख्याम्रो में परिवर्तन किया जा सकता है।

\*रिक्तिया सरकार ने सूचित नही की ह।

\*\* अनुसूचित जातियो तथा अनुसूचित जनजातियो के उम्मीदवारो के लिए प्रारक्षित रिक्तियो की सख्या, यदि कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धा-रित की जायेगी।

टिप्पर्तो -- उपर्युक्त सेवाश्रो/पदो पर भर्ती नियमावली के परिशिष्ट-1 में निर्श्वारित परीक्षा योजना (योजनाग्रो) के ग्राबार पर की जाएगी।

3 उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उक्तिलिखन सेवाग्नो/पदो में से सम के लिए या किमी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए प्रावेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के वर्ग के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन—पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नोटिम के पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क केवल एक बार देना हागा और प्रत्येक वर्ग के सेवा/पद, जिसके लिए यह आवेदन कर रहा है, के लिए अलग—अलग शुल्क नही देना होगा।

विशेष ध्यान 1 — उम्मीदवारो से यह अपेक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाओं /पदो के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हो, अपने आवेदन-पत्नों में उनका वरीयता कम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करे। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे तािक योग्यताकम में उनके रैक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर उचित ध्यान खिया जा सकें।

विशेष ध्यान 2—उम्मीदवार जिल्ल सेवा/पद से सम्बद्ध वर्ग/वर्गी प्रार्थात सिविल इजीनियरी, याविकी इजीनियरी, विद्युत इजीनियरी और इलिक्ट्रानिकी तथा दूर सचार इजीनियरी के प्रतिशोगी हैं (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके ग्रतगंत ग्राने वाली सेवाग्रो/पदो के बारे में उसके द्वारा निर्दिष्ट वरीयताग्रो में परिवर्तन के ग्रनुरोध पर काई ध्यान तब तक नही दिया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का ग्रनुरोध ग्रायोग के कार्यां में प्रतिशास के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के ग्रदर प्राप्त नहीं हो जाता है। ग्रायोग या परिवहन मतालय (रेलवे विभाग) उम्मीदवारो को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे ग्रावेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न सेवाग्रो/पदो के लिए परिशोधित वरीयता निर्दिष्ट करने को कहा जाए।

विशेष ध्यान 3—उम्मीदवार केवल उन्ही सेवाक्रो और पदो के लिए प्रपनी वरीयता बताए जिनके लिए वे नियमो की शर्तों के अनुसार पाल हो और जिनके लिए वे प्रतियोगी हो। जिन सेवाक्रो और पदो के वे पाल नहीं है और जिन सेवाक्रो और पदो से सबधित परीक्षाक्रो म उन्हे प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई वरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

तिगेंग ध्या 1 -- वे विभागीय उप्पीदवार, जिन्हें आयु सीमा में छूट के अधीन (देखिए नियम 5(ख) परीक्षा में भाग लेने की प्रतुमति दो गई है, अन्य मनानगों विभागों में में बाआ | पर नियुक्त किए जाने के लिए भी प्रमति वरीयता दे सकते हैं। तथापि पहने उन्हें उनके अपने ही विभाग में से नाशो | पर नियुक्त करने पर विचार विभा जाएगा और केवल उन बिभागों में रिक्तियों के न होते अथवा ऐसे उन्मीदवारों के उनके अपने ही विभागों में सेवाओं | रदों के लिए , चिकित्मा जाच में अयोग्य रहने की न्यिति में ही उनके द्वारा दी गई वरीयताओं के अधार पर अन्य मत्रालगों विभागों में सेवाओं | पर नियुक्त करने के सबध में विचार किया जाएगा।

विशेष ध्यान 5 — नियम 6 के उपबंध के ग्रन्तगंत परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की केवल उन्हीं बरीयताग्रों पर विचार किया जाएगा जो उक्त उपबंध में निर्दिष्ट पदों के लिए हैं, श्रीर ग्रन्य सेवाग्रों श्रीर पदों के लिए उनको बरोयनात्रा, यदि काई हो, पर विचार नहीं किया जाएगा।

4 परोता में परण चाइने वात उमोहरारों को निर्यारित आवेदन-प्रपन्न पर सचिव, सब लाक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निधारित आवेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण बिवरण (रु० 2/-) दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, सब लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआईर द्वारा या सचिव, सब लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकवर पर देय भारतीय पोस्टल आईर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआईर/पोस्टल आईर के स्थान पर चैक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किये जायेगे। ये आवेदन-प्रपन्न आयोग के काउटर पर नकद भुगनान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। (रु० 2/-) दो स्पये की यह राशि किश्वी भी हालन में वापस नहीं की जाएगी।

टिप्पणी — उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे ग्रपने ग्रावेदन-पन्न इजीनियरी सेवा परीक्षा, 1986 के लिए निर्वारित मुद्रित पन्न में ही प्रस्तुत करें। इजीनियरी सेवा परीक्षा, 1986 के लिए निर्वारित ग्रावेदन-प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर प्रस्तुत ग्रावेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5 भरा हुआ आवेदन-पत्न आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 21 अप्रैल, 1986 (21 अप्रैल, 1986 से पहले की किसी तारीख से असम, मेथा-लय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति चिले तथा चम्बा जिने के पागी उत्मडल अडमान और निकोकार द्वीप समृह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने बाले और जिनका आवेदन-प्रपत्न उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र में डाब द्वारा प्रान्त होता है उन उम्मीदवारों के मामले में 5 मई, 1986 तक या उससी पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वत्र आयोग क काउटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने बाले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर नागालैण्ड, विपुरा, मिकिनम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लक्षण्व प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले चवा जिले, के पागी उपमडल अडमान और निकोबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीद—वारों से आयोग यदि चाहे तो इम बान का जिल्बिन प्रमाण प्रस्तुन करने के लिए कह सकता है कि वह 21 अजैल, 1986 से पहने का किसी तारीख से असम, मेघालय, अहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, विपुरा, मिकिनम, जम्मू और कश्मीर राज्य के नहाख प्रभाग, हिमाच प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चम्बा जिले के पागी उपमडल अडमान और निक्रोबार द्वाप समह रा लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- हिष्पणी (1):—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहा के रहने वाले ग्रावेदन की प्रस्तुती हेतु ग्रातिरिक्त समय के हकदार है उन्हें ग्रावेदन—पत्न के संगत कालम मं ग्रापने पतो में ग्रातिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (ग्रावात ग्रासम, मेघालय, जम्म् तथा कश्मीर राज्य का सहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए ग्रान्यमा हो सकता है कि उन्हें ग्रातिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (2):---उम्मीदबारो को सलाह दी जाती है कि वे प्रपने आवेदन-पद्मीं को स्वयं सक् लोक से आक के काउण्टर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारो को भरे हुए ग्रावेदनपत्न के साथ ग्रायोग को \$0.00 (श्रस्सी रपये) का शुल्क इस प्रकार
भेजना होगा जो सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान
डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ग्रार्डर या सचिव, संघ लोक
सेवा ग्रायोग को स्टेट बैंक ग्राफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में
देयं स्टेट बैंक ग्राफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए
रेखांकित बैक ड्राफ्ट के रूप में हो। ग्रनुस्चित जातियो/ग्रनुस्चित जनजातियो
के उम्मीदवारों को कोई श्रुलक नहीं देना है।

बिदेश में रहने वाले उम्मीदवार को निर्धारत शुल्क भारत के उच्च आंधुक्त/राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी, भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग——परीक्षा शुक्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और उन्हे आवेदन—पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी वाहिए।

जिन ग्रावेदन-पत्नों में उक्त ग्रपेक्षाएं पूरी नहीं होंगी उन्हें एक रूप ग्रस्थीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागृ नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के ग्रंतर्गत निर्धारित शुक्क से छूट चाहते हैं।

- 7. श्रायोग यदि चाहें तो उस स्थिति में निर्धारित शुरुक से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि श्रावेदक यातो 1 जनवरी, 1964 श्रोर 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्ताम (ग्रब बंगला देश) से भारत श्राया हुआ वास्तविक विस्थाणित व्यक्ति है या वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति है श्रोर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया था या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो श्रक्तूबर 7, 1964 के भारत श्रीलंका समझौत के श्रंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्राया था या वा या शाने वाला है या भ्तपूर्व पिच्चम पाकिस्तान से वास्तविक विस्था—पित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की श्रवित के ौरान भारत प्रवजन कर चुका था श्रौर बह निर्धारित श्रुस्क देने की स्थिति में नहीं है।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ए० 54.00 (चव्वन रुपये) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नीट 1 की शतों के अनुसर परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पन्न यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अहंक परीक्षा में असाफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नीचे के पैरा 9 के उपबन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर में तिश्विचार किया जाएगा और नहीं शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

- 9. यदि कोई उम्मीदवार, 1985 में ली गई इंजीनियरी सेवा परीक्षा में बैठा हो ग्रीर ग्रब इस परीक्षा के लिए ग्रावेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये बिना ही ग्रपना ग्रावेदन पत्र ग्रवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह ग्रायोग के कार्यालय में निर्घारित तारीख तक पहुंच जाए। यदि वह 1985 की परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर नियुक्ति हेतु ग्रनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके ग्रनुरोध पर 1986 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर वी जाएगी ग्रीर शुक्त लौटा दिया जाएगा बंधर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने ग्रीर शुक्त वापस करने का ग्रनुरोध ग्रायोग के कार्यालय में 1985 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रीजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के ग्रन्दर प्राप्त हो जाता है।
- 10 आवेदन-पत्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट 1 में परीक्षा योजना में यथासिम्मिलित सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न-पत्न और सिबिल इंजीनियरी, यात्रिक इंजीनियरी, वैद्युत इंजीनियरी और इलैक्ट्रांतिकी और दूरसंचार इंजीनियरी में से प्रत्येक के दो प्रश्न-पत्नों में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तुपरक परीक्षण और नमूने के प्रश्नों के विस्तृत विवरण के लिए उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका के अनुबंध II को देखिए।

एम० बालकृष्णन उप सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग

#### ग्रनुबंध I उम्मीदवारों को ग्रनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे ग्राबेदन-प्रपत्न भरने से पहले नोटिस ग्रीर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पान्न है भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

ग्रावेदन पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा-1 में दिए गए केन्द्रों में किसी एक को जहा वह परीक्षा करने का इच्छुक है ग्रन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहना है तो उमने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यो चाहना है। ऐसे अनुरोधो पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 10 जुलाई, 1986 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2 उम्मीदवार को आवेदन-पुत्र तथा पावती काई अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइन्ट पैन से ही भरना चाहिए। ग्रंधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्न अस्वीकार किया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि श्रावेदन-पत्न भरते समय उन्हें भारतीय श्रंकों के केवल श्रंतराष्ट्रीय श्रंकों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक, स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समक्त प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी श्रंकों में दर्ज हो तो भी उम्मीदवार यह सुनिष्टिन कर लें कि वे शावेदन प्रपत्न में प्रविष्टि करते समय इसकी. मारतीय श्रंकों में केवल श्रंतर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में तिंगेष सावधानी बरते कि शावेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियों स्पष्ट श्रीर सुप्तार्ट्य हों। यदि वे प्रविष्टियां श्रपाठ्य या श्रामक हैं तो उनके निवंचन में होने वाली श्रान्ति या सन्देह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा धावेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्न धादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में हो या सरकारी श्रौद्धोगिकी उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या ग़ैर-सरकारी संस्थाओं में निधुक्त हा अपने आवेदन-पत्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आविद्यी तारी ख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या प्रस्थायी हैसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं, प्रथवा जो लोक उद्यमों के प्रधीन कार्यरत हैं, उन्हें यह परिवचन (ग्रंडरटेंकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से ग्रंपने कार्यालय/विभाग के ग्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए ग्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैटने से सम्बद्ध भ्रमुमित रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदनप-त्र अस्बीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

- उम्मीदवार को ग्रपने श्रावेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रलेख
   ग्रवस्य भेजने चाहिए।
  - (1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाण-पस्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए: नोटिस का पैरा 6 और 7 और नींचे पैरा 6)।
  - (2) ग्रायु के प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (3) ग्रैंक्सिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की श्रनुप्रमाणित/ प्रमाणित पतिलिपि।
  - (4) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट ग्राकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैमी प्रतियां जिम पर उम्मीदवार के हस्ताझार हों।

फोटो की एक प्रति को आवेदन-पत्न के पहले पृष्ठ पर ग्रौर दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (5) लगभग 11.5 से. मी. × 27.5 से. मी. के दो बिना टिकट लगे हुए लिफाफे जिन पर आरापका पता लिखा हो।
- (6) जहां लागू हो बहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने का दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (7) जहां लागू हो वहां श्राय में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न . की श्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5) ।
- (8) उपस्थिति पत्नक (ग्रावेदन-पत्न के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुग्रा ।
- टिप्पणी (1):—उम्मीदवारों को श्रपने श्रावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (2), (3), (6), श्रौर (7) में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों को केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपितत श्रधिकारी द्वारा श्रनुप्रमाणित हों श्रथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्भीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के श्राधार पर ब्यक्तित्व परीक्षा हेतु माक्षात्कार के लिए ग्रहंता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्न मूल

रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः दिसम्बर, 1986 में घोषित किए जाएंगे उन्हें अपने मूल प्रमाण-पन्न साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए । जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पन्न मृल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रह् कर दी जाएगी और उनका आग़े विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी (2):— म्रावेदन पत्नों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे ग्रीर तारीख भी देनी होगी।

उपर्युक्त मद (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों में विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (6) और (7) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4,5 और 6 में दिये गये हैं:---

> (1) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल ग्रार्डर ।

प्रत्येक पोस्टल ध्रार्डर ध्रनिवार्यतः रेखार्कित होना चाहिए और उस पर "सचिव", संघ लोक सेवा ध्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकबर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी ग्रन्य डाकघर पर देय पोस्टल ग्राडर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जायेंगे । विरूपित या कटे-फटे पोस्टल ग्राडर भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे ।

सभी पोस्टल आईर पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह प्रवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल ग्राइंर रेखाकित नहीं हैं ग्रौर न ही सचिव, संच लोक सेवा ग्रामोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर चर देय हैं उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

#### (ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखार्कित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा प्रायोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय हो तथा विश्विवत रेखार्कित किया गया हो।

किसी भ्रन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जामेंगे।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को ग्रापने ग्रावेदन-पन्न प्रस्तुत करते समय बैंक ड्रापट की पिछली ग्रोर सिरे पर ग्रापना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल ग्राडरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल ग्राडर के पिछली ग्रोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर ग्रापना नाम तथा पता लिखें।

(2) श्रायु का प्रमाण-पत्न :—श्रायोग जन्म की बह तारी स्विकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा भ्रनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो । जो उम्मीदवार उञ्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है ।

प्रायु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथ-पव, नगर निगम से सेवा अभिलेख से प्राप्त सम्बन्धी उद्धरण तथा श्रन्य ऐसे ही प्रमाण-पत्न स्वीकार नहीं किए जाएंसे।

श्रनुदेशों के इस भाग में श्राए हुए मैट्रिकुलेशन/उभ्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्न वाक्याश के श्रन्तेंगत उपर्युक्त वैकल्थित प्रमाण-पत्न सम्मिलित है। कभी-कभी मैद्रिकुलेशन/उच्चार माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नही होती या ग्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष ग्रीर महीने ही दिए होते हैं । ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चार माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की ग्रनप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रतिलिपि के ग्रितिरक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसीपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उनने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उतीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की त्मरीख या वास्तिवक ग्रायु लिखी होनी चाहिए । उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि ग्रानेदन-पत्र के माथ इन ग्रानेदेशों में यथा निर्धारित ग्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया नो ग्रावेदन पत्र ग्रस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करते के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो उसे केवल ग्रायु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ट की श्रनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ।

िटप्पणी 2---उम्मीदवार यह ध्यान मे रखे कि ग्रायोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि ग्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करने की नारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चनर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न में दर्ज है ग्रीर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किशी ग्रारोध पर न तो विचार किया जाएगा ग्रीर न उसे स्वीकार किया जाएगा।

िटपपणी 3—उम्मीदनार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में. प्रवेश के लिए जन्म की नारीख एक बार घोषित कर देने ग्रीर श्रायोग द्वारा उसे श्रपने श्रीभलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की श्रनुमिन नहीं दी जाएगी।

(3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्न :—उन्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (अर्थात विश्वविद्यालय या किसी परोक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने वावे की पृष्टि में किसी प्रन्य प्रमाण पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

श्रायोग को श्रपना श्रावेदन-पत्न भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के श्रधीन दिए गए प्रमाण-पत्न के प्रपत्न के पैरा 1 में निर्धारित प्रपत्न में सम्बद्ध कालेज/विश्वविद्यालय के प्रिसीपल/रजिस्ट्रार/डीन के लिए इस श्राशय के एक प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए कि उसने ग्राहंक परीक्षा उतीणं कर ली है श्रीर डिग्री प्रदान किए जाने के लिए श्रावश्यक सभी श्रपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

टिप्पणी 1:—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उतीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से श्राह्ता प्राप्त हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के पिरणाम की सूचन। न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के तिर् आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की आईक परीक्षा में बैठना चाहना हो वह भी आवेदन कर सकना है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पान्न होगे तो उन्हे परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अविध अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे आईक परीक्षा

में उतीर्ण होने का प्रमाण जल्दी ने जल्दी श्रीर हर हाल में 31 श्रक्तूबर 1986 तक नीचे निर्घारित प्रपन्न में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रह की जा मक्ती है।

श्रहें क परीक्षा उतीर्ण करने का प्रमाण दश्योंने वाला प्रमाण-पत्न \*1 प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* सुपुत्न / सुपुत्नी\* · · · · · ने जो इस कालेज के/की\* छात्न / छात्न / छात्न । छात्र ।

\*2' प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*सुपुत्र/सुपुत्री\*
' माम, 19 ' में वाले/वाली\* है/बैटी\* है ग्रीर उक्त परीक्षा
के परिणाम की ' ' 19 ' तक घोषित
हो जाने की संभावना है :

हस्ताक्षर पदनाम सस्था का नाम स्**चै**न जहां स्थित है

दितांक

\*जो णब्द लागु न हों उसे कृपया काट दें।

टिप्पणी 2'--नियम 6 के परन्तुक में उल्लिखित योग्यताग्नों के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को सम्बद्ध कालेज/संस्था/विश्व-विद्यालय के प्रिन्सीपल/डीन से यह दर्शाने वाले प्रमाण पन्न की एक भ्रनु-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसमें दिए गए विशेष विषयों में से एक विषय लेकर एम० एस०सी० टिग्नी परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है/परीक्षा दी है।

(4) फोटोग्राफ:—-उम्मीदवारों को श्रपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी × 7 से. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए । इनमें से एक प्रति आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए । फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याहीं से हस्ताक्षर करने चाहिए ।

विशेष ध्यान :-- उभ्मोदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि ग्रावेदन पत्न के साथ ऊपर पैरा 3 (2), 3(3), 3(4) 3 (6) ग्रीर 3 (7) में उल्लिखित प्रलेख आदि में से कोई एक संलग्न न होगा ग्रीर उसे न भेजने का उचिन स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गथा होगा तो श्रावेदन-पत्र प्रक्षोकार किया जार्गा ग्रीर इस श्रक्षीकृति के विरुद्ध कोई ग्रपील नहीं सुनी जाएगी।

ग्रीद कोई उम्मीदबार किमी अनुसूचिन जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिने के, जिनमें उसके माना पिना (या जीवित माना पिना) आमनौर से रहने हों जिला अविकारी या उप मडल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य मरकार ने यह प्रमाण-तव जारी करने के लिए 'नभ्रम प्राधिकारी के रूप में नामित किया हो, नाचे दिये काने में प्रमाण-पन्न लेकर उसको एक अनुप्रमाणिन/प्रमाणित प्रतिलिशि प्रस्तृत करनी चाहिए। यदि उम्मीदबार के माना और पिना निर्में की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पन्न उन जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहा उम्मीदबार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने बाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पद्म का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है श्रीं श्रीमती कुमारी * सुपुत्र सुपुत्री * श्री जो गांव किस्बा *	%3. श्री/श्रीमती/कुमारी		
संविधान (भ्रनुसूचित जातियां) भ्रादेश, 1950@ संविधान (भ्रनुसूचित शनजातियां) भ्रादेश, 1950@।	कार्यालय की मोहर्र <b>सहि</b> त र)ज्य मंश राज्य केस्र		
संविधान (अनुसूचित जातिया) (संघराज्य क्षेत्र), आदेश,1951 @। संविधान (अनुचितजन जातियसूां) (संघराज्य क्षेत्र) आदेश 1951 @। संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघराज्य क्षेत्र) आदेश	तारीख  *(जो शब्द लागून हो उन्हें कृपया काट दें)।  @कृपया राष्ट्रपति का विशिष्ट श्रादेश उद्धृत करें।  %जो पैरा लाग्नहीं है उसे कृपया काट दें।		
[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) 1956, बम्बई पुनर्गठन श्रिधिनियम 1960 पंजाब पुनर्गठन श्रीक्षित्यम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधि,नियम 1970 और उत्तर पृवीं क्षेत्र (पुनर्गठन) श्रीक्षिनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा श्रमुसूचित	टिप्पणी:यहां प्रयक्त "श्रामतौर से रहते/रहती हैं" का श्रश्च वहीं होगा जो कि "रिप्रजेन्टशन भ्राफ दि पिपुल एक्ट 1950 की धारा 20 में है।  **जाति/जनजाति प्रमाण पत्न जारी करने के लिए सक्षम श्राधिकारियों		
जनजातिया अधिक (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारायथा संशोधित]। संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956@। संविधान (अडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजातियां	की सुची। (1) जिला मैं जिस्ट्रेट/ग्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलैक्टर/डिप्टी किम्प्नर/एडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रजन श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैं जिस्ट्रेट/सिटी मैं जिस्ट्रेट/† स्व डिश्रेजनल मैंजिस्ट्रेट/ताल्लुन मैं जिस्ट्रेट/ए क्जीक्य्टिन मैं किस्ट्रेट एक्स्ट्रा		
प्रादेश, 1956@ श्रनुसूचित जातियां भ्रौर भ्रनुसूचित जन जातियां भ्रादेश  (संशोधन) श्रधिनियम, 1976 द्वारा संशोधित* ।  संविधान (दादरा श्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जातियां भ्रादेश,  1962@ ।  संविधान (दादरा श्रौर नागर हवेली) श्रनुसूचित जनजातिया	श्रसिक्टेंट किमश्नर ।  †(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ड्रेट से कम श्रोहदे का नहीं )।  (2) चीफ प्रेसोडेन्सी गैजिय्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट प्रेसीडेन्सी मैजिस्ट्रेट।		
श्रादेश, 1962@ ।  संविधान (पांडिचेरी) धनुसूचित जातियां श्रादेश, 1964@।  संविधान (प्रनुसूचित जन जातिया) (उत्तर प्रदेश), श्रादेश, 1967@।  संविधान (गोन्ना दमन श्रीर दियु) धनुसूचित जातियां श्रादेश,	(3) रेवेन्यु धफसर जिसका आहृदा तहसीलदार से कम न हो। (4) उस इलाके का सब डिबीजनल प्रफसर जहां उम्मीववार और/या उसका परिवार धामतौर से रहता हो। (5) ऐडिमिनिस्ट्रेटर/ऐडिमिनिस्ट्रेटर का सिवव/डेवेल्पमेंन्ट अफसर लक्षद्वीप"।		
1968@ ।  संविद्यान (गोभा दमन भौर दियु) भ्रनुसूचित जन जातियां भ्रादेश,  1968@ ।  संविद्यान (नागालैंग्ड) भ्रनुसूचित जनजातियां भ्रादेश, 1970@ ।	5(1) नियम 5 (ख) के श्रन्तंगत श्रायु सीमा में छूट के लिए दावा करने वाले सरकारी कर्मचारी को ग्रपने विश्वाग/ कार्यालय के श्रद्यक्ष से नीचे दिगे फार्म में प्रमाण-पत्न की गूल प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।		
संविधान (सिक्कम) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश. 1978@ । संविधान (सिक्कम) श्रनुसूचित जनजातियां श्रादेश, 1978@ । %2. श्रनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के ऐसे व्यक्तियों	उम्मीदबार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-वन्न का फार्म। प्रमाणित किया जाता है कि		
के मामले में लागू है जो एक राज्य/क्षेत्र संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन से  प्रवासन कर चुके हैं।  यह प्रमाण-पन्न श्री/श्रीमती/कुमारी*  ॥ सम/नस्था*	से स्थार्थी है।  *(2) श्री/श्रीमती/कुमारी किन्द्रीय सरकार के श्रद्यीन नियमित श्राक्षार पर स्थायी रूप से		
जिला/मंडल*	*जोलागून हो उसे काट दें। हस्ताक्षर		
की जारी प्रमाण-पत्न के आश्वार पर जारी किया जाता है । के द्वारा जारी दिनाक	मंचालय/कार्यालय कार्येलय की मोहर		
58—466 GI/85			

- (2) नियम 5 (ग) (2) या 5 (ग) (3) के ग्रन्तंगत निर्धारित ग्रायु सीमा में छूट का दावा करने वाले ग्रीर/या उक्त नोटिस के पैरा- प्राप्त 7 के ग्रधीन शुरूक से छूट का दावा करने वाले मृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब संगला देश) से विस्थापित ब्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गए प्रमाण पत्र को ग्रापिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह मृतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से ग्राया हुन्ना वास्तविक विस्थापित ब्यक्ति है ग्रीर 1 कनवरी 1964 भीर 25 मार्च, 1971 के बीच की ग्रविध के दौरान ग्रवजन पर भारत ग्राया है :--
  - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों प्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के णिविर कमांडेंट ।
  - (2) उस क्षेत्र का जिला मैं जिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
  - (3) श्रपने-श्रपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी श्रतिरिक्त जिला शैजिस्ट्रेट।
  - (4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजनल का सब-डिबीजनल ग्रफ्सर।
  - (5) उप भारणार्थी पुनर्वास ग्रायक्त. पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकता।
- (3) नियम 5 (गं) (4) अथवा 5 (ग) (5) के अन्तंगैत निर्धारित पाय में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन भुल्क में छट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रयावित ता अस्यावितित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भरत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आश्रय के प्रमाण पक्ष की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुन करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर. 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्रीया है या अने वाला है 1
- (4) नियम 5 (ग) (6) ध्रथना 5 (ग) (7) के ध्रव्यं गत निर्धारित श्राय सीमा में छूट का दावा करने वाले ध्रौर/या छक्त नेटिस के पैराग्राफ 7 के श्रधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले क्रमि से प्रत्यावितत मृलतः भारतीय व्यक्ति की भारतीय राजदूतावास. रंगन होरा दिये गये पहचान प्रमाण पत्न की एक धनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बह भारतीय नागरिक है जो 1 ज्म. 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है. श्रथवा उसे जिस कींच का वह निवासी है उसके जिला मिलस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्न के श्रन्प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बमी से श्राया हुंद्रा वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है श्रीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारन श्राया है।
- (5) नियम 5 (ग) (8) प्रथा 5 (ग) (9) के अन्तेगत आयु सीमा में खूट चाहने वाले ऐसे उम्मीद्यार को जो रक्षा सैवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है. महानिदेशक पून: स्थापना, रक्षा मंखालय, से निम्नलिखित निर्धारित कार्म पर इस आश्रय का एक प्रमाण पत्र लेकर उसकी एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शाहु देश के साथ संवर्ष में अथवा प्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजो कार्यवाही के दौराम विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मृत्त हुआ।

\*जो शब्द लागून हों उसे क्रपया काड दें!

(6) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त ग्राधिकारी (ग्रापात कालीन सेवा कमीशन प्राप्त श्रविकारियों श्रिल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त भ्रधिकारियों सहित) नियम 5 (ग) (14) भ्रथवा 5 (ग) (15) की शर्तों के अधीन श्रायु सीमाधों में छूट का दावा करते हैं उन्हें नंबद प्राधिकारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपत में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पत्न की, एक प्रमाणित/अनुप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्कृत करनी (क) कार्यमुक्त/सेवानिवृत कार्मिकों पर लागू। प्रमाणित किया जाता है कि सं० . . . . . . . **रैंक . . . . . .**. नाम . . . . . . . . . . . ने . . . . . . से . . . . . . तक सेना/नौसेना/वायु सेना में सेवा की है ब्रीर वे निम्निसित में से एक शर्त वूरी करते हैं। (क) उन्होंने पांच या पांच से श्रधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है ग्रीर कार्यकाल के समापन पर कदाचार या भक्षमता के कारण बर्बास्त या कार्यकाल होने के अलाबा अन्ब द्याधार पर कार्यमुक्त हुए हैं। (ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण . . . . . . . को कार्ध मुक्त हुए हैं। सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम . . . . . . मोहर स्यान ...... (ख) सेवारत/कार्मिकों पर लागू प्रमाणित किया जाता है कि सं० . . . . . . . . रैंक . . . . . . . . . . नाम . . . . . • • • • • • • • • • • • • • • • • • • 🗜 . . . . . . . . . . . से सेना/नीसेना/वायुसेना में सेवा कर रहे हैं। 2 उन्हें . . . . से कार्यमुक्त सेवा निवृत होना है । जनका पांच वर्षे का कार्यकाल . . . . . . . . तक स सास्त होने की सम्भावना है। सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा बदनाम . . . . . . . मोहर स्थान . . . तारीखा . . . . . . . प्रमाण पत्न जारी करने वाले सक्ष्म प्राधिकारी निम्नलिखित हैं। (क) कमीशन प्राप्त अधिकारियों (ग्रापातकालीन कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/भ्रत्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों सहित) के मामले में। थल सेना--मिलिटरी सेकेटरी की शाखा, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली । नौसेना--कार्मिक निदेशालय, नौ सेना मुख्यालय, नई दिल्ली। बायु सेना--कार्मिक निदेशालय, (श्रधिकारी) वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली। (ख) नौसेना तथा वायु सेना के जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारयों। श्रन्य रेंकों तथा समकक्ष श्रधिकारियों के मामले में :--

मुख्यालय, नई दिल्ला ।

ब) नौसेना तथा वायुसेना के जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारयों/
अन्य रैंकों तथा समकक्ष अधिकारियों के मामले में :-सेना--विभिन्न रेजिमेटल रिकार्ड कार्यालयों हारा
नौसेना--बी०ए० बी०एस० बग्बई।

बायुसेना--वायुसेना रिकार्ड एन० ई० श्रार • डस्ट्यु० नई
दिल्ली ।

- (7) नियम 5 (ग) (10) या 5 (ग) (11) के अर्न्तंगत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्तित को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, इसके जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण पल की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखालाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह वितनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (8) नियम 5ग (12) या 5 (ग) (13) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले की निया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से प्रवजन कर आये हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावींतत हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेंट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिये गये प्रमाण पत्न की एक अनुप्रमाणित-प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करना चाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवृजन कर आया है।
- (9) नियम 5(ग) (16) या नियम 5(ग) (17) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने बाले भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से किस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित में से किसी प्राधिकरी से इस आशय के प्रमाण पत्न की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये कि यह भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 से बीच की अवधि के दौरान, भारत प्रवृजन कर चुका था --
- ์ 1. विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्र या राहत शिविरों के शिबिर कमांडेंट;
  - 2; उस इलाके का जिला मैं जिस्ट्रेट जिसमें वह फिलहाल रहता हो;
- 3. ग्रपने-ग्रपने जिलों में गरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी ग्रतिरिक्त जिला मैं जिस्ट्रेट;
  - 4. ग्रपने प्रभारान्तप्रान्त सब-डिवीजन के ग्रन्दर सब-डिवीजनल ग्रफसर
  - शरणार्थी पुनर्वास का उपायुक्त।
- (10) ग्रसम में रहने वाले व्यक्तिको, ो नियम 5(ग) (18) ग्रथवा 5(ग) (19) के अन्तर्गत आय सीमा में छूट चाहता है, उसको उस जिला मैं जिस्ट्रेट से जिसके क्षेत्राधिकार में वह साधारणतः निवासी रहा हो अथवा असम सरकार द्वारा इसके लिये प्राधिकत किये गये किसी अन्य प्राधिकारों से इस आशय के प्रमाण-पद्म की एक अभिष्रमाणित सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह 1 जनवरी, 1980 से 15 ग्रगस्त, 1985 की प्रविध के दौरान श्रसम राज्य का प्रवासी रहा था।
- 6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(2) (3) (4) धौर 5(9) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विद्यान मण्डल के सदस्य से यह दिखलाने के लिये कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित अति लिपि प्रस्तुत करनी होगी।
- 7 जिस व्यक्ति के लिये पालता प्रमाण पत्न आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के परिवहन शहरी विकास/रक्षा/उर्जा/जल संसाधन/संचार/वाणिज्य/सूचना भ्रौर प्रसारण स्पात श्रौर खान/उद्योग मंत्रालय द्धारा श्रावश्यक पात्रता प्रमाण पत्न जारी कर दिये जाने के बाद ही दिया जायेगा।
- 8 उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जानी है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेर बदल करें और न ही कोई फेर बदल किये गये/ अट्टे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या उससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में

- कोई श्रशुद्धि श्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पध्टीकरण प्रस्तुत किये जायें।
- 9. श्रावेदन पत्न देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि श्रावेदन प्रपत्न ही श्रमुक तारीख को भेजा गया था। श्रावेदन-प्रपत्न का भेजा जाना हो स्वत इस बात का सूचक न होगा कि श्रावेदन-प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान्न हो गया है।
- 10. श्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्न जिसमें देर से प्राप्त आवेदन पत्न भी सम्मिलित है की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्न की प्राित के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण अंख्या सूचित कर दी जाती है यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्न प्राप्त करने के लिये निर्धारित अन्तिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतू सम्पकं करना चाहिये।

इस तब्य का कि उम्मीदवार को आवेदन । जीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं कि आवेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है और अयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके ग्रावेदन पत्न के परिणाम की सूचना यथाशीझ दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्ष के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को ग्रापने श्रावेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा श्रायोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे श्रायोग से तत्व ल सम्पर्क स्थापित करना चाहिये। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह श्रपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।
- 12 संघ लोक सेवा श्रायोग में "संघ लोक सेवा श्रायोग की वस्तु पूरक परीक्षार्थी हेतू उम्मीववार विवर्णिका " शीर्थक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है। यह पुस्तिका सं० लो० से० श्रायोग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीववारों को सहायता देने की उद्देश्य से तैयार की गई है।

यह पुस्तिका और पिछली परीक्षाओं की नियमावली तथा पारम्परिक प्रकार के प्रश्न पत्नों का उल्लेख करने वाले पैम्फलैटों की प्रतियां प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली—110054 के पास बिकी के लिये सुलभ है और इन्हें उनसे सीधे मेल भ्रांडर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिवाली सिनेमा के सामने. एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लाक, बाबा खड़ग सिह मार्न नई दिल्ली—11001 और (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली—1100011 स्थित प्रकाशन भाष्त्रा का बिकी काउण्टर और (3) गवर्नमेंट भ्राफ इण्डिया बुक डिपो, 8के०एस० राय रोड, कलकत्तः—700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुभन पैम्फलैट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

- 13 आवेदन पत्न से सम्बद्ध पत्न व्यवहार श्रावेदन पत्नों से सम्बद्ध सभी पत्न श्रादि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, घौलगुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली- 110011, को भेजे जायें तथा उनमें नीवे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाये --
  - (1) परीक्षाकानाम
  - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
  - (3) उम्मीदवार की ग्रावेदन पंजीकरण सं० रोल नम्बर भ्रथवा जन्म की तारीख, यदि श्रावेदन पंजीकरण सं०/ग्रन्त्रमां मृचित नहीं किया गया है।
  - (4) उम्मीदवार का नाम (तूरा तथा बड़े ग्रक्षरों में)।
  - (5) भ्रावेदन पत्न में दिया गया पत्न व्यवहार का पता।

विशोष ध्यान (1) :--जिन पत्नों ग्रादि में यह ब्यौरा नही होगा, सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

विशेष ध्यान (2):- परीक्षा के समाप्त हो जाने के बाद यदि उम्मीदवार
से कोई ऐसा पत्न/सूचना प्राप्त होती है जिस पर
उसने प्रपना नाम ग्रीर ग्रनुक्रमांक नहीं लिखा है।
तो ऐसे पत्नो पर कोई ध्यान नहीं दिया जायेगा
ग्रीर न ही उन पर कोई कार्यवाही की जायेगी।

14. पते में परिवर्तन--उम्मीदवार को इस बात की व्यवम्था कर किनी चाहिये कि उसके अविदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्न आदि, आवश्यक होने पर उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करे। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिये यशापि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा प्रयत्न करता है किन्तु, इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### ग्रनुबन्ध-II उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

#### (क) बस्तुपरक परीक्षण

नियमावली के परिक्षिष्ट - 1 में डंजीनियरी की प्रत्येक ज्ञान विधा (श्रवीत् सिविल, यांत्रिक, वैद्युत ग्रीर डलंक्ट्रानिकी दूर संचार के श्रन्तर्गत भाग-1 के प्रश्न पत्न मे श्रापकी परीक्षा "वस्तुपरक परीक्षण" के नाम से जानी जायेगी इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) मे श्रापको उत्तर लिखने नहीं होगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसके श्रागे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिये कई सुझाये गये उत्तर (जिसको श्रागे प्रत्युन्तर कहा जायेगा) दिये जाते है उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिये श्रापको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य ग्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जान-कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण भ्रापको कोई हानि न हो।

#### (ख) परीक्षण का स्वरूप

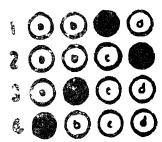
प्रकृत पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3— मादि के क्रम प्रश्नाश होंगे। हर प्रश्नाश के नीचे ए, बी सी, डी, चिह्न के साथ सुझाये गये प्रत्युत्तर लिखे होगे। आपका काम एक सही या यदि श्रापको एक से श्राधिक प्रत्येत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (ग्रन्त मे दिये गये नमूने के प्रश्नाश देखे ले)। किसी भी श्रिथित मे प्रत्येक प्रश्नाश के लिये आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि श्राप एक से श्रिष्ठ चून लेते हैं तो श्रापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

#### (ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में भ्रापको अलग एक उत्तरपत्न किया जायेगा जिसकी एक नमूना प्रति श्रापको प्रवेश प्रमाण पत्न के साथ भेजी जायेगी। भ्रापको भ्रपने प्रस्युत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने हों। परीक्षण पुस्तक में या उत्तर पत्नक को छोड़कर भ्रन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जांचे जायेगे।

उत्तर पत्नक (नियमावली के अन्त में नमूना संलग्न) में प्रश्नांशों की संक्यायें 1 से 160 तक चार खण्डों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने, ए, बी, सी, डी चिक्त वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पाइ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सार्नतम है आपको उस प्रत्युत्तर के उत्तर वाले वृत्त को पेंसिल में पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के िये) नीचे दिखाया गया है।

उत्तर-पत्नक के वृत्त को काला बनाने के लिये स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिये।



यह जरूरी है कि:---

- प्रशनाशो के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्म की एचं० बी० पेसिल (पेसिले) हो लायें और उन्हीं का प्रयोग करे।
- गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिये ग्राप भ्रपने साथ एक रबड़ भी लायें।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई ऐसी ग्रसावधानी न हो जिससे वह फट जाये या उसमें मोड़ व मिलवट ग्रादि पड़ जाये या वह खराब हो जाये।

#### (घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- 1. श्रापको परीक्षा भ्रारम्भ करने के लिये निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा भ्रौर पहुंचते ही भ्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका श्रौर उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौप दे। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्ड दिया जायेगा।
- 5. म्रापको उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। म्रापको कुछ विवरण उत्तर पत्नक पर कूटबद्ध भी करने होंगे। इसके बारे मे ग्रापके नाम अनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजे जायेंगे।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्नक पर कोई प्रविष्ट संदिग्ध है, तो उस प्रश्नाश के प्रत्युत्तर के लिये आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षण किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. प्राप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाये, आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शापंनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाई दी जाती है कि आप अपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाये जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरंखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मागने पर कच्चे काम हे लिये आपको एक अलग कागज दिया जायेगा। आप कच्चा काम या शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

#### (ड्) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में ग्रपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक ग्रापको उत्तर पत्नक देंगे। उत्तर पत्नक पर ग्रपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक ग्रापको परीक्षण पुस्तिका देगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर ग्राप यह ग्रवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है ग्रन्थथा, उसे बदलवा लें। परीक्षण पुस्तिका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर ग्रपना ग्रनुकमांक लिख दें। ग्रापको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की ग्रनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहें।

#### (च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथा सम्भव दक्षता से उपयोग करें। सन्तुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। इसरे प्रश्नों की आर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के श्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। श्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के श्राधार पर ही श्रापकी श्रंक दिये जायेंगे। गलत उत्तर के लिये श्रंक नहीं काटे जायेंगे।

#### (छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक ग्रापको लिखना बन्द करने को कहे, ग्राप लिखना क्रम्द कर दें। ग्राप ग्रपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक ग्रापके पास ग्राकर ग्रापसे सभी ग्रावश्यक वस्तुएं ले जायें ग्रौर ग्रापको हाल छोड़ने की ग्रनुमित दे। ग्रापको परीक्षण पुस्तिका ग्रौर उत्तर पत्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की ग्रनुमित नहीं है।

#### नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट:--\*सही/सर्वोत्तम (उत्तर विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

#### 1. सामान्य ग्रध्ययन

बहुत उम्चाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है?

- (a) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- \*(b) रक्त या दाव वायुमण्डल के दाब से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाम्रो की म्रन्दरूनी तथा बाहरी शिराम्रों पर दाव समान होता है।
- (d) रक्त का दाब वायु मण्डल के दाब के अनुरूप घटता-बढ़ता है।

#### 2. English

#### (Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections:

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

#### 3. कृषि

भ्ररहर में फूलों का झड़ना निम्नलिष्टित में से किसी एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- \*(a) बृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
  - (b) दूर-दूर पौधे लगाना
  - (c) सही ऋतु में पौधे लगाना
  - (d) बोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना

#### 4. (रसायन विज्ञान)

 $H_3VO_4$  का एनहाड़ाइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a)  $VO_3$
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub>O3
- \*(d)  $V_2O_5$

#### 5. (ग्रथंशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- \*(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी शीमांत राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

#### 6. (वैद्यस इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को आपेक्षित पैरावैद्युतांक 9 के पैरावैद्युत से सम्पू-रित किया गया है। यदि C मृक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शांता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा ?

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

#### 7. (भूविज्ञान)

बैसाल्ट में ग्लेजिश्रोक्लेस क्या होता है।

- (a) जालिगोक्लज
- \*(b) लेब्रोडोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एनाथाईट

#### s. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने बाला और  ${
m d}^2 {
m y}$   ${
m d} {
m y}$  समीकण  $----=\varnothing$   ${
m d} {
m x}$ 

को संगत रखने वाला वक परिवार निम्नलिखित में से किस से निदिष्ट है ?

- (a) y = ax + b
- (b)  $y=a^x$
- (c)  $y = ae^x + be^{-x}$
- $*(d) y=ae^x-a$

#### 9. (भौतिकी)

एक ब्रादणं ऊष्मा इंजन  $400^\circ\,\mathrm{K}$  ब्रीर  $300^\circ\mathrm{K}$  तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
  - (c) 4/(3+4)
  - (d) 3/(3+4)

#### 10. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रमरण निम्नलिखित में से क्या होगा ?

- (a)  $4^2$
- \*(b) 3
  - (c) ∝
- (d) 5

#### 11. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की श्रत्याधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- \*(b) बर्मा की ग्रधिकांश निदयों का डेल्टाई भाग है।
  - (c) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
- (d) देश के श्रधिकांश तेल क्षेत्र धसी भाग में हैं।

#### 12. (भारतीय इतिहास)

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्मणवाद के श्रनुयायियों की संख्या बहुत श्रधिक थी।
- (b) बाह्यणवाद बहुत स्रक्षिक कर्मकांड भीर ग्राडंबर से पूर्ण धर्म था।
- \*(c) क्राहःणवाद के ग्रध्युदय के साथ, बलि संबंधी स्नज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशास्रों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

#### 13. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन समूह कौन सा है?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमासा
- (b) न्याय, वशेषिक, जैन ग्रीर बौद्ध, चार्वाक
- (c) भ्रद्धन, वेदांत, सांख्य, चार्वाक, योग
- \*(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

#### 14. (राजनीति विकान)

"वृत्तिगत प्रतिनिधान" का भ्रर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

- \*(a) व्यवसाय के म्राधार पर विद्यानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन ।
- (b) किसी समृह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन। ।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा ग्रप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

#### 15. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किसकी निर्देशित करती है ?

- (a) लक्ष्य संबंधी श्रावश्यकता में वृद्धि भावात्मक।
- \*(b) अन्तर्नोद अवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (वै) पक्षपात पूर्ण श्रधिगम
- 16. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्था श्रों की निम्न में से कौन-सी उपलब्धि है ?

- \*(a) ग्राम सरकार में महिलाग्रों तथा कमजोर वर्गों को ग्रीपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुग्रा है।
  - (b) छुत्राछूत कम हुई है।
  - (C) वंचित वर्गी के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

दिप्पणी '-- उम्मीदवार को यह ह्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा के पाठ्यचर्या के श्रनसार हों

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 17th January 1986

No. A-12025 (ii)/1/83-Admn.III.—Consequent on his having been nominated to the UPSC as Section Officer on the basis of Combined Ltd. Departmental Competitive Examination, 1983 vide Deptt. of Personnel And Training's OM No. 5/6/84-C.S.I (Vol.III) dt. 14-1-86; the President is pleased to appoint Shri Mehtab Singh Jain a regular Assistant of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Section officer in the same cadre w.e.f. 15-1-86 until further orders.

2. His appointment shall be subject to the results and final decision of the CWP No. 1194/78 pending in the Delhi High Court, Delhi and also CWP No. 44830 of 83 and CWP No. 9323-33/82 in the Supreme Court.

No. A-12025(ii)/1/83-Admn.III.—In partial modification of this office Notification No. A-32014/1/85-Admn.III dated 15-1-86, the period of ad-hoc appointment of Shri K. S. Kochar, appearing at s. no. 23 in the said notification, as Section officer would be for 1-1-86 to 14-1-86.

2. Shri K. S. Kochar stands reverted to the post of Assistant w.e.f. 14-1-86 (A.N.).

D. KAILASA PRASAD Dv. Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

#### New Delhi, the 20th November 1985

No. A-19011/12/85-Admn.I.—The Fresident is pleased to appoint Shri Prem Lal, IDAS, as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission with effect from forenoon of 11th November, 1985, until further orders.

- No. A-19011/12/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. M Santhana Krishnan, IC&AS, as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 11th November, 1985, until further orders.

#### The 3rd December 1985

No. A.19011/10/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. N. Andrews, IAS, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 4th November, 1985.

2. Shri Andrews assumed the charge of Deputy Secretary in the Commission's Office on the forenoon of 4th November, 1985 after availing himself of 2 days joining time on 2nd and 3rd November, 1985.

#### The 30th December 1985

No. A.32011/2/85-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of UPSC to Officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period shown against each or until further Orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of UPSC (Staff) Regulations, 1958.

Sl. No Name and Period

S/Sh.

- 1. B. D. Sharma—for 3 months w.e.f. 3-12-85
- 2. D. R. Madan-for 3 months w.e.f. 3-12-85
- 3. Dhanish Chandra-from 3-12-85 to 3-1-86.

#### The 9th January 1986

No. A 32011/2/85-Admn I—The Chairman, Union Public Service Commision is pleased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period from 4-1-86 to 24-1-86 or until further Orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

The 15th January 1986

No. A-32014/1/85-Adm.III.—The President is pleased to appoint the following regular Section officers of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No. Name and Period

#### S/Shri

- 1. Ram Autar-1-1-86 to 28-2-86
- 2. Sudesh Kumar-1-1-86 to 28-2-86
- 3. N. P. S. Gujral-1-1-86 to 28-2-86
- 4. D. Sivarajan-1-1-86 to 28-2-86
- 5. Krishan Lal-II-1-1-86 to 28-2-86
- 6. Y. P. Dabas-1-1-86 to 28-2-86
- 7. Anil Kumar—1-1-86 to 28-2-86.

2. The above noted persons shall draw special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and ARS.OM No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

M. P. JAIN
Under Secy. (Pers. Admn.)
Union Public Service Commission.

### MINISTRY OF PERSONNEL & TRG., ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

# DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING CENTRL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 28th January 1986

No. A-31016/20/83-AD. I (DPC)—The President is pleased to appoint the following officiating Dy. Legal Advisers, CBI as Deputy Legal Advisers in subsantive capacity w.e.f. the dates mentioned against each:—

Sl. Nan No.	ne						Date of confirmation
1	2			-,			3
S/S 1. S.C.	Angrish	•	•	•	•	•	11-4-81
2. P.V.	Ramakrishna						31-7-81

No. 3/6/86-AD.V.—The Director/CBI and IGP/SPE hereby appoints Shri V. Gopalakrishnaiah, Crime Assistant/CBI to officiate as Office Superintendent in GOW Madras Branch with effect from the forenoon of 13th January, 1986 vice Shri S. Ramamoorthy, Office Superintendent, proceeded on leave.

#### The 29th January 1986

No. 3/4/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri M. P. Nandapurkar, Deputy Superintendent of Police/CBI/SPE to officiate as Supdt. of Police in the CBI/SPE with effect from the forenoon of 10th January, 1986 and until further orders.

No. 3/5/86-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Sharma, Deputy Superintendent of Police/CBI/SPE to officiate as Supdt. of Police in the CBI/SPE with effect from the forenoon of 20th January, 1986 and until further orders.

R. S. NAGPAI Administrative Officer (E)

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF New Delhi, the 24th January 1986

No. O-II-I/86-Adm-3 — Shri M. T. Shewak Ramani, SM (Office Sundt) of the CRPF has been promoted to the garde of Section Officer in the Directorate General, CRPF,

New Delhi with effect from the afternoon of 14th January. 1986,

KISHAN LAL Deputy Director (Adm).

#### New Delhi-110 003, the 29th January 1986

No. O.II-2044/85-Estt.—The President is pleased to appoint Shri C. Subramaniam, IPS (Kerala: 1958) as Inspector General of Police in the CRPF on tenure basis for a period of 5 years in the pay scale of Rs. 2500—2750/-.

2. The Officer accordingly took over charge of the post of IGP, S/IV. CRPF. Shillong in the forenoon of 31-7-85.

No. O.II-2127/85-Estt.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Saha, IPS (W.B: 1960) as Inspector General of Police in CRPF in the pay scale of Rs. 2500—2750/- on tenure deputation basis for a period of 5 years.

2. The officer, accordingly took over charge of the post of IGP, S/II, CRPF, Calcutta in the forenoon of 16-1-86.

#### The 30th January 1986

No. O.II-1703/81-Estt.—Shri G. P. Yadav, Dy. SP, Group Centre, Central Reserve Police Force, Durgapur expired on 13-1-1986. He is accordingly struck off the strength from the forenoon of 14-1-1986.

#### The 31st January 1986

No. O.II-1321/76-Estt.—Consequent upon his retirement from Government service, Shri Satya Deo has relinquished charge of the post of Dy. S. P., 1st Bn., CRPF on 31-12-85 (AN).

M. ASHOK RAJ Asstt. Director (Estt).

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT-I

#### CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 30th January 1986

No. Admn.I/O.O.No. 365.—Shri M. P. Mathur, an officiating Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in the Trade Fair Authority of India, New Delhi with effect from 30-8-85 (A.N.) on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has the approval of the Govt. of India conveyed vide C.A.G's letter No. 121-GE-II/20-85 dated 10-1-1986.

#### The 31st January 1986

No. Admn.I/O.O. No. 366.—The Director of Audit, Central Revenues, I hereby appoints Sh. Y. S. Gupta an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840—1200/- with effect from 1-1-1986.

Sd/- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn).

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700001, the 31st January 1986

No. Admn.4/C/470/3388—The Director of audit, Central, Calcutta has been pleased to appiont the following Assistant Audit Officer to officiate as Audit Officers in temporary capacity with effect from the Forencon of 1-1 86 or the date on which they actually take over charge as Audit Officers in the Wing/Office noted against each whichever is later and until

further orders. They should report for duty to the Officers noted against each.

Sl. Name No.		ne referred spreames.	,	Wing or office in which they will report for duty
1	2			3
	Shri d. Abdul Wähhab			D.D·A· (Adm.)
2. N	ani Gopal Mahalanabish			D.D.A. (Admn.)

The inter-se seniority of the two Officers will be as stated above.

Md. Abdul Wahhab immediately after joining at Ca lcutta will proceed to Port Blair by the next available ship. Joining time and transfer T.A. will be admissible to Md. Wahhab accordig to normal rules.

Sd./ILLEGIBLE
Deputy Director of Audit (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, A & E, MAHARASHTRA

Bombay, the 24th January 1986

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/326.—The Principal Accountant General, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint Shri H. P. Mishra, Section Officer to officiate as Accounts Officer, w.e.f. 13-1-86 (F.N.) until further orders.

Sd/- ILLEGIELE
Principal Accountant General

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 31st January 1986

No. AN-I/1692/5/I.—SHRI S. S. SHUKLA, IDAS has attained the age of 58 years on 24-12-1985 (his date of birth being 25-12-1927) has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-12-1985 and has been accordingly transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-01-1986.

No. AN-I/1694/5/I.—Shri S. MALLICK, IDAS who will be attaining the age of 58 years on 30-6-1986 (his date of birth being 01-07-1928) will be struck off the strength

of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 30-6-1986 and will be accordingly tarnsferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-07-1986.

A. K. GHOSH Addl. Controller Genl. of Defence Accounts (Admn).

#### MINISTRY OF DEFENCE

# INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES ORDANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 24th January 1986

No. 6/G/86.—The President is pleased to release Shri V. K. Singh AWM/Prob/from IOFS with effect from 15th December 1984/AN consequent on his selection for Indian Police Service.

No. 7/G/85.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri U. V. Menon (Subst. & Parmt DADGOF/WM) offg. DCM retired from service with effect from 31st Aug. 1984 (AN).

No. 8/G/86.—Shri R. Mohanarangan, Dv. General Manager (Subst. & Permanent Dy. Manager) voluntarily retired from service on 10th April 1985 (AN).

No. 9/G/86.—On attaining the age or superannoaco. (58 years) Shri M. K. Bhaskaran, AWM/OF Ambajhari retired from service w.e.f. 31st July 1984 (AN).

V. K. MEHTA.

DDG/Estt.

#### MINISTRY OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th January 1986

No. 2(31)/EST-I/86/445.—Shri R. K. Kulkarni, Joint Textile Commissioner, Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on Superannuation from the afternoon of 31-12-1985.

> ARUN KUMAR Textile Commissioner

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the January 1986

No. A-17011/13/71-A-6.—The President is pleased to appoint Shri D. Ramachandran, Deputy Director of Inspection (Engineering) Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engineering Branch) as Director of Inspection, Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A' on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 1st January, 1986 and until further orders.

- The ad-hoc promotion of Shri D. Ramachandran will not bestow on him any claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of Seniority in that grade for eligibility for promotion and
- 3. The appointment of Shri D. Ramachandran as Director of Inspection, Grade 1 of Indian Inspection Service, Group 'A' is subject to the outcome of the three L.P.A.'s No. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by Union of India in Delhi High Court and Writ Petitions No. 3001/83 and 35/83 filed by Shri S. C. Anand, Deputy Director of Inspection in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court wnich are still pending in Delhi High Court.
- 4. Shri D. Ramachandran, Dy. Director of (Engg.) at Bombay on ad-hoc promotion assumed charge of the office of the Director of Inspection in N.I. Circle, New Delhi on the Forenoon of 1st January, 1986 on temporary transfer basis for a period not exceeding 180 days.

#### The 27th January 1986

No. A-17011/305/86/A-6.—The Director General of oblies and Disposals is pleased to appoint Shri N. Bala-Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri N. Bala-krishnan, Examiner of Stores (Engg.)/officiating Junior Field Officer in the office of Director Supplies and Disposals. Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) basis in the office of Dy. Direction

Pune, under the Bombay Inspection on ad-hoc Director of Inspection, from the forenoon of 31st December, 1985 and until further

No. A.17011/306/86/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri K. S. Samuel, Examiner of Store (Engg.) in the office of Director of Inspection. Calcutta, to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.), on ad-hoc basis in the office of Inspecting Officer (Engg.), Jamshedpur under the Calcutta Inspection Circle from the forenoon of 31st December 1985, and until further

59-466 GI/85

#### The 29th January 1986

No. A.17011/307/86/A-6.—The Director General Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Raj Kumar Goel. Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection, NI Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the office of Inspecting Officer (Engineering) Baroda under the Bombay Inspection Circle from the forenoon of 27th December, 1985 and until further orders.

#### The 30th January 1986

No. A-6/247(470)III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Asst. Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') (Engg. Branch) wef 3-9-85 in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on ad-hoc basis for a period of six months or till the regular arrangements are made whichever is earlier.

2. Shri S. P. Gupta relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection Calcutta on the afternoon of 2nd September. 1985 and assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection/Inspecting Officer (Engg.) in the office of D.G.S. & D., New Delhi on the Forenoon of 3rd September, 1985.

R. P. SHAHL Dy. Director (Admn.)

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA) (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 24th January 1986

No. 658B/A-19012(5-DRA)/85-19B.—Shri D. R. Arora, Foreman (Senior), GSI has been appointed on promotion Foreman (Senior), GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th December, 1985, until further orders. further orders.

#### The 27th January 1986

No. 460D/A-19011(1-PARB)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri P. A. Ramesh Babu to the post of Geological (II.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2-12-85, until further order.

446D/A-19011(1-YJR)/83-19A.—The pleased to appoint Shri Y. Jyothender Reddy to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 13-12-1985, until further orders.

#### The 28th January 1986

No. 685B/A-32013(1-Geol.)(Sr.)/84-19A(7).—The President is pleased to appoint Shri Prakas Chandra Ghosh, Geologist (Jr.) Geological Survey of India, on promotion as Geologist (Senior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/--on temporary provisional basis with effect from 7-1-1986 (AN), until further orders.

The above promotion to the post of Geologist (Sr.) in G.S.I. is on ad-hoc basis in terms of the interim order of the Hon'ble High Court, Calcutta, as passed on 28-2-1985 in F.M.A.T. No. 507 of 1985 posting coids the interim colds. in F.M.A.T. No. 507 of 1985 setting aside the interim order of stay as passed by the Learned Single Judge on 1-2-1985 and 18-2-1985 in the Writ Petition filed by Shri Tridib Laskar and others against Union of India and others subject to the result of the Writ Petition.

A. KUSHARI Director (Personnel)

#### SURVEY OF INDIA

#### Dehra Dun-248001 the 27th January 1986

No. C-15/718-A—The undermentioned officers are appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post), Survey of India, in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date(s) as shown against each, on regular basis:—

\$1. No.		Unit/Office	With effec <sup>1</sup> from
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Kailash Chand Superintendent, Surveyor General's Office.	Directorate of Survey (Air), New Delhi.	2-12-85 (F/N)
2.	D.L. Kapur, Suprinntedent, Surveyor eneral's Office.	Scuth Central Circle Office, Hyderabad,	30-12-85 (Γ/N)

#### The 29th January 1986

No. C-17/913-H.—The undermentioned officers are appointed as Hindi Officer (G.C.S., Group 'B' post) in a substantive capacity with effect from the date(s) as stated against each:—

Sl. No., Name and Date

- 1. Shri Laxman Singh Gussain, 18-4 1983.
- 2. Shri R. K. Chamoli, 28-11-1985.
- 3. Shri Jagadish Prasad Naithani, 28-11-1985.

G. C. AGGARWAL Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

# DEPARTMENT OF CULTURE ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 31st January 1986

#### (ARCHAEOLOGY)

No.10/1/86-M.—In exercise of the powers conferred under rule 4 of the ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, M.D. Khare, Director (Monuments) hereby direct that the Basicali of Bom Jesus Church will remain closed to the public on 5th and 6th February, 1986.

M. D. KHARF Director (Monuments)

#### SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 28th January 1986

No. A.19018/7/83-CGHS.I.—Consequent upon the termination of the Services, Hakim Zakiuddin, Unani Physician (ad-hoc) relinquished charge of his post in Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the 8th August, 1985 (Afternoon).

No. A.19018/6/85-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Sadananda Sahu

to the post of Homoeopathic Physician in Central Govt. Health Scheme on temporary basis with effect from the foremoon of the 31st December, 1985 till further orders.

#### The 29th January 1986

No. A.19018/4/85-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mahesh Kumar Sharma to the post of Homoeopathic physician in the Central Government Health Scheme, on temporary basis, with effect from the forenoon of the 23rd December, 1985, till further orders.

#### The 30th January 1986

No. A.19018/5/85-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Pulin Behari Guchhait to the post of Homocopathic Physician in Central Government Health Scheme, on temporary basis, with effect from the forenoon of the 30th December, 1985 till further orders.

T. S. RAO Deputy Director Admn. (CGHS)

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 30th January 1986

No. NAPP/Adm/O&M/15/85/S/1294.—In supersession of all previous orders on the subject, Chief Administrative Officer. Narora Atomic Power Project is hereby declared as "Estate Officer" in terms of para 3 of Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 in respect of Public Premises in NAPP Township (Anu Vihar) and Contractors' Camp adjacent to NAPP Township owned by the Narora Atomic Power Project.

K. S. CHOPRA Project Director

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 30th January 1986

No. AMD-16/8/85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Smt. Saraswathi Venkatachalam, a permanent Assistant Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of December 12, 1985.

Sr. Administrative & Accounts Officer

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENFRAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th January 1986

No. A-32013/4/85-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Gahlot in the grade of Deputy Director/Controller of Communication in the Civil Aviation Department on regular basis with effect from 14-11-1985 and until further orders.

#### The 20th January 1986

No. A-32013/7/80-EC.—In Partial modification of this Department's Notification No. A-32013/6/83-EC dated the 4th February, 1985, the President is pleased to appoint Shri N. K. Puri in the grade of Deputy Director of Communication Controller of Communication in the Civil Aviation Department on regular basis with effect from 29-9-1982. Shri Puri. will be immediately senior to Shri Suresh Chandra, who is placed at serial No. 8 of this Department's Notification No. A-32013/7/80-EC dated 8-11-1982.

V. JAYACHANDRAN Dy. Dir. of Admn.

#### 7841

### OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Vadodara, the 21st January 1986

No. 1/86.—Shri R. H. Desai, Administrative Officer of Central Excise & Customs, (Group 'B') of Division-III. Vadodara on attaining the age of 58 years on 15-1-1986, shall retire on superannuation in the afternoon of 31-1-1986.

No. 2/86.—Shri M. B. Chandratre, Superintendent of Central Excise & Customs. (Group 'B'), Division-III, Vadodara on attaining the age of 58 years on 15-1-1986, shall retire on superannuation in the afternoon of 31-1-1986.

A. M. SINHA Collector, Central Excise & Customs, Vadodara

# DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 29th January 1986

No. 1/85 C. No. 1041/3/86.—Shri Gautam Ray, lately posted as Assistant Director, Regional Training Institute, Customs & Central Excise, Calcutta, on his tarnsfer to the Directorate General of Inspection, Customs & Central Excise, New Delhi vide Ministry of Finance, Deptt. of Revenue's No. 1/86 dated 2-1-86 issued vide letter F. No. A-22012/1/86-Ad. II, assumed charge of the post of Assistant Director w.c.f. 10-1-86 (AN).

B. K. AGARWAL Dir. Genl. of Inspection

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 006, the 28th January 1986

No. A-19012/1133/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Sh. Ithi Yesudanam, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 19-11-1985.

MEENAKSHI ARORA
Under Secy.,
Central Water Commission

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 24th January 1986

No. 3-734/86-CH(Estt)-618.—Shri Shailendra Nath Sinha is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B (Gazetted) in the scale of Rs. 630-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 30-12-85 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

# DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th December 1985

No. 32/3/85-ECII.—Shri P. D. Gupta, Superintending Engineer (Bombay Distt. 2) Bombay-12 of Central Engineering Services Gr. A on attaining the age of superannuation has

been retired from Govt. Service with effect from 30-11-1985 (Afternoon).

K. C. DEHURY Dy. Dir. of Admn. for Dir. Genl. (Works)

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE INDUSTRIAL COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st January 1985

No. A-19018(481)/80-A(G).—The President is pleased to permit Shri RPS Verma, Economic Adviser in the office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30-9-1985.

No. A-19018(727)/84-A(G).—The President is pleased to appoint Shri Gopal Krishan Datta as Asstt. Director (Gr. I) (Chemical) at Branch Small Industries Service Institute, Tezpur under under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 22-11-1985 until further orders.

No. A-19018(747)/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Chhonker, Small Industry Promotion Officer (Leather/Footwear) in Small Industries Service Institute, New Delhi as Asstt. Director (Gr. I) (Leather/Footwear) at Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 29-11-1985 until further orders.

No. 12(208)/61-Admn.(G)Vol.Vl.—The President is pleased to permit Shri C. P. Rao, Deputy Director (Mechanical) in Small Industry Development Organisation to retire from Government service on attaining the age of Superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 85.

C. C. ROY Dy. Dir. (Admn.)

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Commapies Act, 1956 and of M/s. Sheela Cine Company Private Limited

Gwalior, the 28th January 1986

No. 2337/PS/CP/1812.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sheela Cine Company Private Limited has that day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

#### OFFICE OF THE

INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th January 1986

#### **CORRIGENDA**

Ref. No. JDR/2/82-83.—In my notice u/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (Ref. No. JDR/2/82-83 dated

13-12-1982) the name of the transferee should be read as under:—

Shri Ajay Kumar s/o Shanti Sarup R/o Civil Line, Jagadhari.

in place of

Sh. Vijay Kumai s/o Shanti Sarup R/o Civil Line, Jagadhari.

The 22nd January 1986

Ref. No. JDR/25/80-81.—In my notice u/s 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (Ref. No JDR/25/80-81 dated 6-3-81) the figure of land measuring should be read as under:—

land measuring 8 bighas 12 biswas, in place of

land measuring 25 bighas 2 biswas

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna, the 14th January 1986

Ref. No. III-1139/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 14 Touzi No. 5241, Khata No. 2 and No. 21, Plot No. 91,93.94 part situated at mouza Raharpur, P. S. Gardanibagh, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englet to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahboob Ahmad S/o Shri Wali Ahmad, "Wali Manjeel", Chouhatta, P.S. Pirbahore, Patna.

(Transferor)

Kum, Avesha Jaki
 D/o Sayed Md. Jakiuddin
 W/o Dr. Sah-E-Bahadur Rehman,
 B-39, Jakir Nagar, Kankarbagh,
 Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3880 sq. ft. situated at Mouza Paharpur, P.S. Gardanibagh, Patna and morefully described in Deed No. 3039 dated 2-5-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 14-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR. BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna, the 15th January 1986

Ref No III-1146 Acq /85-86—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Khata No 352, Khesra No 1180 situated at Mouza Pokhra, Hajipur/ Dist Vaishali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 16-5-1985

Vaishalt on 16-5-1985

Vaishali on 16-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Chendeshwar Narain Singh S/o Shri Rajendia Singh, Village Katia, Bharat Rawat, Hajipur, Distt Vaishali
- (Transferoi) (2) Hajipur Adarsh Sahakari Girh Numan Samity Itd., Through Shii Bindeshwai Pd Singh, At Pokhia) Hajipur, Distt Vaishali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3 kathas of land situated at Mouza Pokhra Happur, Dist. Vaishali and morefully described in Deed No. 3790 dated 16-5-1985 registered with D.S.R. Vaishali.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna, the 15th January 1986

Ref. No. III-1149/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Holding No. 567/401. Ward No. 2, Circle No. 6, Plot No. 762, Thana No. 137 situated at New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 11-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than finteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income asising free the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sardar Amrik Singh S/o Late Labh Singh of New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna-11.

(2) Shri Ramawatar Rungta S/o Shri Matadin Rungta, Karta of joint family "R. Rungta and Sons" of Boring Road, P.S. Srikrishnapuri, Dist. Patna.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Northern part of the 4th floor of the Complex measuring 840 sq. ft. situated at New Dak Bunglow Road, P.S. Gandhi Maidan, Patna and morefully described in Deed No. 3260 dated 11-5-1985, registered with D.S.R. Patna,

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna, the 15th January 1986

Ref. No. III-1148/Acq./85 86—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
New Khata No 409. Khesia No. 2959 old Khata No 16 khesia No 7 satuated at Monza Chakbag, Mada Kakai P.S. Hajipur, Distt. Vaishali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or we Wenth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Shri Paimanand Sah S/o Sri Ram Rang Sah, Village Lawapur, P.S. Mahanar, Dist. Vaishali.

(Transferor)

(2) Hajipui Nogaipalika Waid No. 14 Sahakati Gith Nirmin Samity Ltd., Through Secretary Suresh Pd. Singh S/o Sit Coandrika Pd. Singh, At Samata Colony, Hazipui, Dist. Vaishali,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Land measuring 2 katha 15 dhur situated at Mouza Chakbag, Mada Kakar, P.S. Hajipur, Dist. Vaishali and morefully described in Deed No. 4237 dated 30-5-1985 registered with D.S.R. Vaishali.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-1-1986

### 7847

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 700/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop situated at Mayur Complex, Gunfoundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

60-466GI/85

(1) M/s. Mayur Complex, Rep. by Mg. Partners R. Ramdev Rao, 8-2-616/1/A, Banjara Hills. Hyderabad.

(Transferee)

(2) Mr. B. R. Chandra Reddy, S/o B. S. Chandra Reddy, 8-2-616/1/B/1, Road No. 11, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. B-17 in Mayur Complex, Gunfoundry, Hyderabad Area 268 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 2891/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 701/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop situated at Mayur Complex, [Gunfoundry]
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/1985

for an apparent consideration which is fair market value of the aforesaid is less than the have reason to believe that the fair market and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- (1) M/s. Mayur Complex, Rep. by Mr. R. Ramdev Rao, Banjara Hills. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. B. R. Chandra Reddy, S/o B. S. Chandra Reddy, 8-2-616/1/B/1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. B-16 in Mayur Complex, Gunfoundry, Hyderabad Area 268.4 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 2890/85.

M. JEGAN MOHAN-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-1-1986

\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX, COMMIN

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 702/85/86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act ) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

Shop situated at Mayur Complex, Gunfoundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/1985

Hyderabad on 5/1985

flyderabad on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair amarket value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mayur Complex, Rep. by, its Mg. Partner Sri R. Ramdev Rao, Banjara Hills. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Khader Mohiuddin S/o Md. Shareef, 17-6-712, Babarpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop Nos. D-101 to 103 in Mayur Complex, Gunfoundry, Hyderabad area 1026 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 2901/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) M/s. Mayur Complex, Rep. by Mr. R. Ramdev Rao, Banjara Hills Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Adarsh Enterprises, Rep. by Mr. V. V. Gupta, 6-3-609/157, Anand Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 703/85-86.--Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop premises situated at Mayur Complex, Gunfourry (and more fully described in the Schedule approved hereta)

Shop premises situated at Mayur Complex, Gunfounry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop premises No. B-103 to 105 in Mayur Complex, Gunfoundry, Hyderabad, area 1309.53 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 2894/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Mayur Complex, Rep. by Mr. R. Ramdev Rao, Banjara Hills Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Swarupa W/o Dr. Jaipal Reddy, 10-20/6, Ramanthapur, Hyderabad.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 704/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop situated at Mayur Complex, Gunfoundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop A-113 in Mayur Complex, Gunfoundry, Hyderabad area 412 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 2895/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 705/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Tirumala Towers, Golconda X Roads Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1-1-593/C, Gandhi Nagar, Hyderabad.

(1) M/s. Tirumala Tower Constructions,

(2) Mrs. A Radhamma W/o late A. Narayana, Flat No. 3, Tirumala Towers, Golkonda X Roads, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cays from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3 in Tirumala Towers, Golkonda X Roads, Hyderabad, area 825 sq. ft. registered by the SRO, Chikkad-pally vide Document No. 654/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFF WE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

RAC No. 706/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd.

Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 5/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— (1) M/s. Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd., Rep.: by its Director 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. M. S. Madhava Rao (HUF) S/o Sri Nagabhushan Rao & others,
  - 2. Smt. M. Ramani W/o Sri M. S. Madhava Rao 3-6-492/1, Himayatnagar, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation '-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat A-706 in Matrusri apartments, Hyderguda, Hydera-bad, area 1150 s:ft. registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 706/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

JEFACE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

RAC. No. 707/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Tall Block situated at Matrusri apartments, Hyderabad (and more fully described in the scheduled annexed hereto), (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Chikkadpally on 5/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficer ner cent of such apparent consideration and that the exteres the apparent consideration discretor by more shan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of seansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoseys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd., Rep.: by its Director 3.5-873, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. G. Arun Jyothi, W/o Sri Prabhakar Reddy, 2-1-71 Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Tall Block A-506 in Matrusri apartments, Hyderguda, Hyderabad, area 1150 s.ft. registered by the SRO, Chikkad-pally vide Document No. 649/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Sagar Constructions, 1-2-524, Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. S. Lalitha W/o Shri Nageswara Rao, 30, Venkateswara Colony, Hyderabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

RAC. No. 708/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Sagar apartments, Domalguda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THP SCHEDULE

Flat No. 202 in Sagar apartments, H. No. 1-2-524, Homalguda, Hyderabad, area 1000 s.ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3247/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

61-466GI/85

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

RAC. No. 709/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing No.
Flat situated at Karan Centre, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the property as a foresaid to the second of the sec said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

M/s. Uma Karan & Tej Karan, 8-2-547, Dharam Mansion, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Sakhina Sadıqui Ali Khembaty, Flat No. 502, Karan Centre, S.P. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 502 in Karan Centre, S.P. Road, Secunderabad, area 850 sq.ft. registered by the SRO, Secunderabad vide Document No. 163/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority , Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

RAC. No. 710/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit situated at Karan Centre, S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Uma Karan & Tej Karan, 8-2-547, Dharam Mansion, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

 Mrs. Roda Sahrab Jalnawala and Mr. S. K. Jalnawala, 148, West Parade, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 406 in Karan Centre, S.D. Road, Secunderabad, area 850 s. ft. registered by the SRO, Secunderabad, vide Document No. 161/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC. No. 711/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Karan Centre, S. D. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Uma Karan & Tej Karan Dharam Mansion, Banjara Hills, Hyderabad.

 Dr. B. Shankar Rao C/o E.N.T. Nursing Home, Karan Centre, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 11 on ground floor in Karan Centre, 5D Road, Secunderabad, area 766 sq. ft. registered by the SRO. Secunderabad vide Document No. 162/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

(1) Smt. T. Vijayalaxmi W/o T. Janardhan, P. Ds. quarters, Balanagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Monic Lachan Melwani W/o Lachman K. Melwani 3-6-441, Hardikar Bagh, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC. No. 712/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat situated at Krishna Apartments, Tilak Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat in Krishna Apartments, H. No. 4-1-938/R 16 & R17, Tilak Road, Hyderabad, area 775.71 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3498/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-1-1986

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC. No. 713/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Sujatha Apartments, Padmarao Nagar has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) M/s. Kamal Roop Builders Rep: by its Mg: partner, 3-4-183, Tobacco Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri P. V. Subba Rao 1-10-122/18/8, Ashok Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5 on I Floor in Sujata Apartments, Padmarao Nagar, Secunderabad, area 750 sq. ft. registered by the SRO, Secunderabad vide Document No. 169/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986 Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Mohd. Aamer Bin Jung Vilayat Manzil, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Swatantrakala Mirta and Dr. (Mrs.) Mitta Sharda 16-2-661/A, Malkpet, Hyderabad.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC, No. 714/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

House situated at Kharatabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as ner deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fan mainest value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any racintating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing so the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 6-3-1219. Khairatabad, Hyderabad, admeasuring 600 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 3231/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 715/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Portion of a house situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-gistering Officer at Hyderabad on 5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sri Mohd Saad Bin Jung, Vilayat Manzil, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Harish Shah S/o Narayanadas & other, 1-2-122/F, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of premises H. No. 6-3-1219, Khairatabad, Hyderabad, area 592. sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3232/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Sunrise Builders, 11-54-348, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. M. V. S. Prakasa Rao, 1-1-230/6. Vivek Nagar, Hyderabad-4.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 716/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing No.
bearing No. Flat situated at Arun apartments, Red Hills.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isnasovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat in Arun Apartments No. 712, Red Hills, Hyderabad, area 65 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 2885/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. w the following persons namely:—.

Dated: 9-1-86,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NO.) 11 1 1 1 ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref: RAC No. 717/85-86.---Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No Flat situated at Dharam Kaiam Road,

Ameerpet.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 'actinating the reduction or evasion of the finening of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manuely:—

 M/s. Raghunadha Rao Associates, Rep: by its Mg: Partner M. Raghunadha Rao, 7-1-70 Dharam Karan Road, Ameerpet, Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Anupam Dass, C/o A. N. Dass, "Megha Mallar Flat 10-D1, 18/3, Gariahat Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat F on I Floor in Dharam Karam Road, located at S. No. 78, Ameerpet, Hyderabad, area 1161 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3519/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderaba 1

Dated: 9-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 9th January 1986

Ref RAC No 718/85-86—Whereas, I, M JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fur market value exceeding Rs 1,00,000/- and

bearing No Flat situated at Asiana Apaitments, AC

Guards

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 5 1985 her an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Hyderabad Builders, Rep by its Mg Partner N Hanumantha Rao, 11 4-623, A C Guards, Hyderabad

(2) Sri M Vijender, 16 2 145/4, Malklet, Hyderabad

(Transferee)

(Transferoi)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offic al Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No 403, Block B in Ashiana apartments H No 11 4623, A C Guards, Hyderabad area 1075 s ft registered by the SRO Khairatabad vide Document No 1396/85

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Date 9-1-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 9th January 1986

Ref. RAC No. 719/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Bhagyanagar Construction Co., Road Hills,

Co., Road Hills,
(and more fully desribed in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Tarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri R. V. Rajan S/o N. Ramasubramanian, Brindavan Apartments, Hyderabad.

(Trænsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 509 in Block B in Brindavan Apartments, Red Hills, Nampally Lane, Hyderabad, area 816 sq. ft. registered by the SRO, Khairatabad vide Document No. 1390/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-1-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, 9th January 1986

Ref: RAC No. 720/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Land & building situated at

J.P.N. Road

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Sri M. Nandaiah S/o Sadasivaiah, 8/985/5, JPN Road, Warangal.

Warangal.

(2) Smt. P. Nagalaxmi W/o Linga Murthy, 8/654, Station Road,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 8-7-126 (MS No. 8/633), JPN Road, Warangal, area of land 33.37 sq. yds. registered by the SRO, Warangal vide Document No. 929/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-1-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (AP)

Hyderabad the 9th January 1986

Ref. No RAC 721/84-85 — Whereas I,

M JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a far market value exceeding
Rs 1,0000) - and bearing
House situated at JPN Road, Warangal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been trunsferred under the
Registrial 1 of 100 (16 of 1908) in the office of the
Registrian Officer of Wirangal on 5/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market valve of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not ocea truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

(1) 1 B Venkatiah S/o Laxmiaah 2 B Prameela, W/o Venkataiah, Papaiah pet Chaman, 12-4-86 Waiangal

(Transferor)

(2) 1 Jagdesh Prasad S/o Srikishan Upadhyal
 2 Smt Shantha Devi W/o Srikishan
 H. No 8/1073 Warangal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property was be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

# THE SCHEDULE

House No 9-8-74, JPN Road, Warangal, total area 122 sq yds registered by the SRO, Warangal vide Document No 971/85

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incometax
Acquisition Range
Hyderabad (AP)

Date · 9-1-1986 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC.770/85-86.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding
Rs 1.00.000/- and bearing No.
Flat situated at Patamata. Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Vijayawada on 5/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any ancome arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sad Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following accounts. namely

 M/s. P. R. Family Trust, Rep: by Trustees
 Sri Posani Pattabhi Ramarao S/o Sri Subba Rao,
 Smt. P. Rajyalaxmi W/o Sri P. Rama Rao, Kasturi Bai Pet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Arigapudi Venkata Ram S/o Sri Arigapudi Madhura Prasad, Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A flat in the premises of Sri Posani Pattabhirama Pao, Patamata, Vijayawada, plinth area 800 s ft registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 3002/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

# (1) Sri Kurumaddali Audinarayana Murty 5/0 Sti Konda Rajendra Sarma, Patamata, Vijayawada.

(Transferor)

(1) Smt. Singamsetty Sujacha W 10 Sri Peda Brahman, Prop. x: Sii Anjaneya Vilas, Mouia Panja Street, Vijayawada.

(Transferee)

may be made in writing to the undersigned :-OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**ACQUISITION RANGE** HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC.771/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Sammetavari Street, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed here'o),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Door No. 11-13-34, Sammetavari Street, Vijayawada, admeasuring 318 sq. yds registered by the SRO, Vijayawada, vide Document No. 3167/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC.772/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing

House situated at Laxmi Durga Agraharam, Vijayawada (and more fully described in the Schedule appayed hereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

nas been transferred under the Registration 'Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayada on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such than far as agreed to between the parties consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-63-466GI/85

 Smt. Gondesi Venkataratnamma, W/o Late Simhachala Reddy, Durga Agraharam, Koka Chalapathirao Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Dr. Vallabhaneni Jagan Mohan Rao, S/o Sri Ananda Rao, Durga Agraharam, Mogalrajpuram, Vijaywada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 30-5-10, Durga Agraharam, Koka Chalapatirao Road, Vijayawada, admeasuring 275 sq. yds registered the SRO, Vijayawada vide Document No. 3351/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 773/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Museum Road, Governorpet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lusbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of way income arising from the transfer, and /re
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (b) facilitating the concealment 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I herefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Madduri Surya Prakasa Rao S/o Late Laxminarayana Sarma & 7 others, Museum Road, Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Annavarapu Pardhasaradhi S/o Kanakaratnam, Governorpet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House old No. 175/23, Museum Road, Governorpet, Vijayawada, admeasuring 167 sq. yards registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 3318/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 774/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Nandanam Apartments, Nampally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection '(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Nandanam Construction Co., Rep. by Sri P. Siva Kumar Reddy, Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

 Smt. C. Suseela W/o C. Thimma Reddy & others, 5-8-42, Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat C-604/64 in Nandanam appartments, Fatch Sultan Lane, Nampally, admeasuring 1000 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3199/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 775/85-86,—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Flat situated at Nandanam Apartments, Nampally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Nandanam Construction Co., Rep. by Mr. P. Sivakumar Reddy, Fateh Sultan Lane. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. A. Padmanabha Reddy S/o A, Krishna Reddy, Vidya Nagar, Vakadu P.O., Gudur Tğ. Nellore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C-906/87 in Nandanam Apartments, Nampally, Hyderabad, area 1235 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3200/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

# PORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Ranga Prasad & Co., Rep. by its Mg. Partner Sri Prasad, 276/3, RT, Sanjeeva Reddy Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri G. B. Shastry GAP: Sr Shastry. 1-8-222/20/2, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 776/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Matrushri Apartments, Hyderguda,

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chikkadpally in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Rai of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax 'Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nerve in the Official Gazette or a period of 30 days from the 'service 'of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat A-203 in Matrushri Apartments, H. No. 3-5-873, Hyderguda, Hyderabad, area 1150 sq. ft. registered by the SRO, Chikkadpally, vide Document No. 652/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 777/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.30,000/- and bearing Flat situated at Srinath Complex, S.D. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Secunderabad in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. C. Sulochana, 3-4-526/1/A, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Balumal, Flat No. 1005, n H. No. 1-1-58/1 to 58/11, Srinath Complex, S. D. Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1005 in Premises No. 1-1-58/1 to 58/11, Srinath Complex, S.D. Road, Secunderabad, area 1000 sq. ft. registered by the SRO, Secunderabad vide Document No. 182/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 778/85-86.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Chandralok Complex. S.D. Road,

Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers ini/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sant Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. G. V. Sanjay, S/o G. V. Krishna Reddy, 6-3-1089/A/5 Samajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. P. V. S. Varma, S/o P. V. Raju, B/2/3, Chandralok Complex, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in H. No. 1-7/234-241 at S. D. Road, Chandralok Complex, Secunderabad, area 1170 sq. ft. registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 3517/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Mr. M. Vinayak S/o M. Govind Rao, 3-4-536, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri D. Krishna Murthy, S/o Munuswamy, LIC Branch Managar, Cuddapah, A.P.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 779/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat situated at Himayat Nagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chikkadpally in May, 1985

Chikkadpally in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the crusideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same, meaning in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tak under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat in H. No. 3-5-585 & 586, Himayatnagar, Hyderabad, area 1006 sq. ft. registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 784/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC. No. 780/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Poggulkunta (and more fully described in the Schedule appeared here of the sche

(and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in May 1985

for an apparent consieration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

 Mr. K. B. Sadanand S/o Mr. K. Bhushan & others, 'Church House', Old Bushes Lane, Secunderabad. A.P.

(Transferor)

(2) Methodist Church,
Rep. by Rev. M. Stanley Peter,
(Methodist Church, Vikarabad),
Resident of H. No. 4-1-1044, Boggulkunta,
Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 4-1-1045, Boggulkunta, Hyderabad, admeasuring 2232 sq. yars registered by the SRO, Hyderabad, vide Document No. 2886/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

New, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—64—446GI/85

Date: 9-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 781/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible approach begins a fair market value exceeding

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at Javuli Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palamaner Chittoor dist. in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforecald property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Mr. P. Krishnaiah Setty S/o P. Sandeppa Setty, 61, Puttanna Road, Bahavana Gudi, Bangalore.

(Fransferor)

(2) Mr. Gandikota Reddappa Setty, 18-50, Bazaar Street, Palamaneru P.O., Chittoor Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wnichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Door No. 6-41, Javuli Bazar, Palamaner, Chittoor Dist. admeasuring 195 sq. yards, registered by the SRO, Palamaner vide Document No. 1204/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri K. Sanjeeva Rao S/o late K. N. Rajan & others, 8-3-22/27 Second Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mulukala Venkaiah S/o Brahmaiah & Others, 1-8-434/2, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 782/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at Chikkadpally, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chikkadpally on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and ox

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Acts 1927 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1-8-434/2, Chikkadpally, Hyerabad, admeasuring 269.11 sq. yards registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 647/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 9-1-1986

See! :

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AND REAL PROPERTY AND REAL PRO

#### GOVERNMENT OF INDIA

**FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC. No. 783/85-86.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit stuated at S.P. Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Secunderabad in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Uma Karan & Tej Karan, 'Dharam Mansion', Banjara Hills, Hyderabad.

(Transefror)

(2) Mr. K. S. Nataraj, 10-3-85/3/4, Fernandez Manzil, Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit 207 in Karan Centre, S.P. Road, H. No. 1-2-17 to 24, Secunderabad, admeasuring 850 sq. ft., registered by the SRO, Secunderabad vide Document No. 175/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. No. RAC No. 784/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Bhavani Puram, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) 1. Sri Gutha Koteshwara Rao S/o Narasayya. Gaddamanugu Village, 2. Sri Manne Nageswara Rao, S/o Venkateswara Rao, Konduru village, Mylavaram Tq, Krishna Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Kulpaware Housing Corporation, Rep. by its partner Sri Sha Heramaniklal, Vjiaywada.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area of land 1067 sq. yards and 1021 sq. yards in RS No. 72/3, at Bhavani Puram, Vijayawada registered by the SRO, Vijayawada vide Document Nos. 3370/85 and 3372/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANFE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 785/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Arundalpet, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

Guntur on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. Of the Wearth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Att. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Sri Nandiraju Ravendranath
   Venkatachalapathi Rao & 2 others,
   Arundalpet, Guntur.
- (2) Sri Rai Jayaprakash Narayana S/o Venkayya, Pattai gudem, Chintalapudi Tq., WG Dist.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 6-6-73, Arundalpet, Guntur, admeasuring 250 sq. yds. registered by the SRO, Guntur vide Document No. 5072/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 9-1-86 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 786/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Arundalpet, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer Guntur on 5/1985 at Madras Central/Doc. No. 447/85 in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Sakala Veera Raghavamma W/o Venkataramayya,

2. Sri S. Veera Raghavaiah S/o Venkataramayya, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Somarouthu Veera Sekhara Rao, S/o Raghavaiah, Opp: to Krishna Mahal Cinema Theatre. Lalapet, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the altoresal persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- .(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 12-29-51, Arundalpet, Guntur, admeasuring 316 sq. yds. registered by the SRO, Guntur vide Document No. 5345/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-86

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Vuyyuri Kameswara Rao S/o Narasayya, Pandaripuram, Guntur, Guntur Dist.

(Transferor)

(2) Sri Parvathaneni Satish Babu S/o Bhadraiah, Laxmi Puram, Guntur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 787/85-86.—Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Chandra Mouii Nagar, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

119-456GI/85

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for two purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 2957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 5-87-70, Chandramouli Nagar, I lane, Guntur admeasuring 492 sq. yds. registered by the SRO, Guntur vide Document No. 4920/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-86

The second secon

#### PORM ITMS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 788/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

M. HUAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land situated at Oppicharla village, Gurazala Tq., fond more fully described in the Schedule appayed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurazala Guntur Dist, in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

new, merenore, in pursuance of Section 269C of the said nce. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpoetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—65—466GI/85

(1) Sri Batchu Subba Rao, S/o Saidayya, Karampudi, Gurajala Tq., Guntur Dist.

(Transferor)

(2) Sri Panguluri Ananta Ramayya S/o Butchayya & others, Oppicharla Village, Gurajala Tq., Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area of land 1107 sq. yds. consists of rice & floor mill situated at Oppicharla village, Gurajala Tq., Guntur dist., registered by the SRO, Gurazala vide Document No. 1485/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 790/85-86,—Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

1/3rd share in land & building situated at Narayanpet,

Amalapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Indian Registration Act of the Registering Officer

Amalapuram in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Mohd. Vaziruddin S/o Mohd. Yusuf Saheb, Narayanpet, Amalapuram.

(Transferor)

(2) Smt. Doolam Anantalaxmi, W/o Nageswara Rao, Vanteddu Street, Amalapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in Acres of land 0-83 cents and in M/s Leela Mahal, at Narayanpet, Amalapuram, registered by the SRO, Amalapuram vide Document No. 2370/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD .(A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 791/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Gokhale Road, Maharanipet, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

Vizag on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferée for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri Vadlamani Madhusudhana Dutt
 Sri V. Subrahmanyam
 late Venkata Subbaraidu,
 Maharanipet,
 Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Smt. T. Varalaxmi W/o Dr. TJL. Narasimha Rao, Main Road, Door No. 26-15-166, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2, Gokhale Road, Maharanipet, Visakhapatnam, admeasuring 697 sq. yds. registered by the SRO, Vizag vide Document Nos. 5538/85 and 5536/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 792/85-86.—Whereas I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at AP Gazetted Officers Colony, Nallapadu,

Quintur

(and: more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Gudiseva Satyanarayana S/o Dharma Rao, Retd. Bank Officer 6-3-609/1, Anand Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

 Mr. Bezwada Jacob S/o Issack
 Mrs. B. Rechalamma (Rachel),
 W/o Jacob Christian Missionary, Georgepet, Guntur-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

House No. 2-14-135, AP Gazetted Officers Colony, Syamala Nagar, Nallapadu, Guntur, registered by the SRO, Guntur vide Document No. 4409/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-86 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 793/85-86:--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Allipunam Ward, Daba Gardens, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

Vizag on 5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incress arising from the transfer; sad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. T. V. Ramanamma W/o late T. V. Ramamurthy & others, Sai Baba Street, Daba Gardens, Visakhapatnam.

and the second second property of the second second

(Transferor)

(2) Sri N. Narayana (alias: Thatha Rao) & his 3 sons, S/o N. Narayanaswamy, Sai Baba Street, Daba Gardens, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 31-31-3, Daba gardens, Visakhapatnam, admeasuring 240 sq. yds. registered by the SRO. Vizag, vide Document No. 6458/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th January 1986

Ref. RAC No. 794/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Gajuvaka, Vizag (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 5/1985

Vizag on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by moto than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri V. Subba Rao S/o Satyam, Gajuaka, Visakhapatnam-26.

(Transferor)

(2) Sri P. Muralikrishna S/o Adiramaiah, D. No. 49-12-35, Lalit Nagar, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

#### THE SCHEDULE

House No. 6-25, Gajuvaka, Visakhapatnam, admeasuring 350 sq. yds. registered by the SRO, Vizag vide Document No. 5474/85.

M. JEGAN MO: Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-1-86 Seal:

and the same of th

#### FORM ITNS

(1) Smt. Rayala Panchakshari Delli W/o Late Rama Rao, Visakhapatnam.

(2) Shri Paideti Rama Rao

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### S/o Survanarayana. GOVERNMENT OF INDIA Nunnavari Street, Eluru, W.G. Dt.

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1986

Ref. No. RAC.795/85-86.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

House situated at Eluru

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) !acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 23 A-6-4 situated at Eluru registered with Sub-Registrar's Office, Eluru, vide document Nos. 6382 and 6383/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesæd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri K. R. Laxma Reddy, 5-5-448/1, Khaleelwadi, Nizamabad.

(Transferor)

(2) M/s. Desai Brothers Ltd., Yellamagutta, Nizamabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th January 1986

Ref. No. RAC.796/85-86.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at Armoor
(and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Armoor on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ort

THE SCHEDUE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Portion of House No. 1-7-38 situated at Ziratnagar near Z. P. High School, Armoor, registered with Sub-Registrar's Office, Armoor vide document No. 681, 682 and 683/85.

M. JEGAN MOHAN Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. ( hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

nersons. namely ...

66-466GI/85

Date: 15-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. 125/37EE/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority Section under 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot of land situated at 38, Major Banks Read, Lucknow (and more fully described in the Schedule approved havete) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered U/S. 269AB of the J.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority.

at Lucknow on 8-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. A. M. Das,

(Transferor)

(2) M/s Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court. Hazratganj, Lucknow

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 18,295.44 sq. ft. situated at 38, Major Banks Road, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority. Lucknow, under Sl. No. 138, dated 8-5-1985.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-1-1986

\_\_\_

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. A-190/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hours of fair market value was disconsistent. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.

Land situated at Bhadora Teh, & District Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of hte liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Lalit Miglani.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abdul Rasheed. 2. Shri Riyasat Husain.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 823-85 sq. mtrs. situated at Bhadora, Tehsil and District Moradabad (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefor, in pursuanc of Sction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-1-1986

(1) Shri Gulam Husain Zaidi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Bindeshwari Prasad. 2. Dr. Ram Lal Rastogi.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. B-137/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 466/41-C situated at Peer Bukhara, Chowk, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence as apparent consideration independ by more than influence per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 466/41-C, situated at Peer Bukhara, Chowk, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. B-138/Acq.-Whereas, I.

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Three-storeyed House No. C-9/66 situated at Moh. Habibpura,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer

at Varanasi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Shri Amarnath alias Bulli.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Bimla Devi. 2. Smt. Usha Devi.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- of any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; (a) by any of the aforesaid persons within a
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Three-storeyed house No. C-9/66, measuring 651-20 sq. ft. situated at Mohalla Habibpura, Varanasi (as mentioned in Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. H-62/Acq.-Whereas, I,

Ker. No. G.I.K. No. H-62/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Khasra No. 535 situated at Sonakpur, Pargana. Tehsil and District Moradabad (and more fully described in the Schedule approval herein)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Ram Kishore.

2. Bhurey.

Chhotey 3.

4. Choukhey.

Jabar Singh (Minor).
 Macan Lal (Minor).

7. Vinod (Minor).

Through their Mother & Guardian, Smt. Somti.

8. Smt. Somti.

9. Amar Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Hind-Nihon Proteins Private Limited, Sonak, u. Moradabad, Through Shii I. N. Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette er a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Khasra No. 535, measuring 1-77 decimals (7163-19 sq. mtrs.) situated at Sonakpur, Pargana, Tehsil and District Moradabad.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. J-82/Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House Nos. 74, 76 and part of 56 situated at Hewett Road (Vivekanand Marg), Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Aliahabad in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (1) 1. Shri Lakshman Das Agrawal.

2. Shri Anand Agarwal. 3. Shri Shaterl Agarwal.

4. Shrij Dhruva Agarwal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagdish Pal Singh.

Smt, Harjindar Kaur.
 Shri Manjeet Singh.

4. Shri Ranbir Singh.

5. Smt. Jaswant Kaur.

6. Shri Harmindar Pal Singh, 7. Shri Mohanjeet Singh.

8. Shri Sarvajeet Singh.

(Transferee)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property.)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /in

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act. 1957 (27 of 1957).

Three-storeyed house Nos. 74, 76 and part of 56 with land, building and other structures standing thereon measuring 257 sq. mtrs., situated at Hewett Road (Vivekanand Marg), Allahabad.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No J-83/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. C-27/266 situated at Lachhipura, Chetganj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Varanasi in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jai Ram Rai.

(Transferor)

(2) 1. Jagarnath Agarwal. 2.Satya Narain Agarwal.

Ramesh Kumar Agarwal.
 Rajendia Prasad Agarwal.

5. Sushil Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) Vendces.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-27/266, measuring 900 sq. ft. situated at Lachhipura, Chetgani, Varanasi (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Luc'

Date: 14-1-1986

(1) Shri Anang Pal Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Laloo Singh. Smt. Lajjawati.

3. Shri Kali Charan. 4. Shri Conu.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. L-52/Acq.—Whereas, I.

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot situated at 184/A, Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly in May, 1985

an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salt Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-67-466GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 305 sq. yards situated at 184/A, Civil Lines, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-1-1986

(1) Begum Noor Jahan.

(Transferor)

(2) Dr. Mohammad Ishtiaq Husain Quraishi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF IMPLA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-255/Acq.—Whereas, I,

Ref. No. G.I.R. No. M-255/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Building No. 178/149 & land plot No. 37 situated at Golagani, P.S. Wazirgani, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 9-5-1985

Lucknow on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double-storeyed building bearing Municipal No. 178/149, together with a strip of lease-hold open land being plot No. 37 of Baroodkhana Scheme, adjoining to the building situated in Mohalla Golagani, Ward and P.S. Wazirgani, Lucknow.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-256/Acq.-Whereas, I.

Ref. No. G.I.R. No. M-256/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. CK-39/24 and CK-39/25 situated at Moh. Kundigar Tola, Chowk, Varanasi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:-

(1) 1. Smt. Hamida Khatoon.

Smt. Asma Begum.
 Smt. Afsari Begum.

Through Attorney, Mirza Rafiuddin Ahmad 4. Shri Saiduddin Ahmad alias Asif Mian. 5. Mirza Rafiuddin Ahmad.

6. Smt. Maimuna Begum alias Maimuna Khanam. (Transferor)

(2) Markazi Darul Oloom Jamia Salafia, Rewri Talab, Varanasi, Through Secretary, Haji Maulvi Abdul Waheed and Treasurer, Haji Mohammad Yunus. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the 'aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. CK/39/24 and CK-39/25, measuring 6337 sq. ft. situated at Mohalla Kund gar Tola, Chowk, Varanasi.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range, Lucknow

Date: 14-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Mudit Verma.

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow, Through Secretary, Shri Dhian Singh.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. M-257/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Vijaipur, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be disc osed by the transferee for the purposes of the In-lian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bighas, 6 Biswas and 18 Biswansis, situated at Vijaipur, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1986 Seal:

Sear

#### FORM ITNS----

#### \_\_\_\_ (1) Shri Munna.

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow. Through Secretary, Shri Dhian Singh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-258/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land situated at Vill. Ismailganj, District Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Lucknow in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the seduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Incian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaetzte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and measuring 22596 sq. ft. situated at Vill. Ismaiiganj, Dis rict Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisit on Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1986

(1) Shri Mewa Lal.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSINEOR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-259/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANIILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Kalyanpur, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating he reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discluded by the transferee for the purposes of the Incian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Manav Utthan Evam Kailyan Sahkari Avas Samiti LTD., Lucknow. Through its Secretary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 10 Biswas, situated at Kalyanpur, Lucknow (26 mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-1-1986

(1) Smt. Parveen Talat Ara Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Mahesh Kumar Suri. 2. Shri Ashok Kumar Suri. 3. Shri Arun Kumar Suri.

  - 4. Shri Kaushal Kumar Suri.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. M-260/Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Udaipur Khas, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the Office of the Registration Company. of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 600 sq: yards, situated at Uaidpur Khas, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-1-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Dorothi Stephen.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narendra Singh2. Shri Sonal Man Singh...

(Transferee)-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. N-107/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land including Farm house situated at Mauza—Jilling

Patti Sarna, Nainital
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nainital in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 662 Nali including one Farm house of 4 rooms measuring 120 sq. ft. each, double-storeyed servant quarters 4 rooms 48 sq ft. each, one godown 80 sq. ft., situated at Mauza Jilling Vatti Saran, Nainital (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Date: 14-1-1986 Seal:

#### FORM ITNS-

(1) Samachar Lok Asthan Sahkari Avas Samiti, Lucknow (Transferor)

(2) Shri Om Prakash Jain.

(Transferee)

7911

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. 0-18/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1 situated at Puraniya, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following

persons. namely:---

Inspec

Date: 14-1-1986

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1, measuring 9800 sq. ft. situated at Puraniya, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, I UCKNOW LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I R. P-161/Acq -Whereas I, MRS. U. KANJILAL.

MRS. U. KANJILAL.
being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tax market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Premises No. B-12/112-1 situated at Mohalla Gouriganj.

Bhelupura, Varanasi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 18-5 1985

Varians on 18-5 1988
for an apparent consideration which is less than the fair purchet value of the aforesaid property, and I have reason to telieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) racifitating the reduction or tvasion of the liability of the transferor to pay ten under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Worlth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following acreons, ramery :-

(1) Shri Gautam Dey.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Prema Devi.

2 Shri Mahesh Kumar Jindal.3 Shri Manish Jindal

Minor Sons through their guardian and Father, Dr. Baij Nath Prasad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Premises 'No. B-12/112-1, along with land measuring 13605 sq ft. bearing Survey Plot No. 447, situated in Mohalla—Gouriganj. Bhelupura, Varanasi.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Date · 14-1-1986

#### FORM ITNS \_\_\_

### TE HINDED SECTION 269D(1) OF THE

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. R-268/Acq.—Whereas I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Village Haru Nagla, Distt. Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 24-5-1985 (17 an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating hte concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

(1) Shri Sher Khan

(Transferor)

(2) Rohelkhand Sahkari Avas Samiti Ltd., Bareilly through Secretary, Shri Krishna Avtar Agarwal.

(Transferee)

(3) Vendor.

( Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas, 19 Biswas and 15 Biswansis, situated at Village Haru Nagla, Distt. Bareilly (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Date: 14-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. R-269/Acq.-Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

First Floor Flat building situated at 35-A, C. Y. Chintamani

Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1900 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Sanat Kumar Ghosh
  - 2. Shri Sudip Ghosh

  - 3. Shri Sushant Ghosh
    4. Shri Samir Ghosh
    5. Shri Sanjib Ghosh
    Chool
  - 6. Smt. Pramila Ghosh
  - Smt. Pratima Mallik

8. Smt. Chitra Sarkar

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chandra Shukla.

(Transferee)

(3) Vendee

( Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First Floor Flat building part (G. Floor) situated at 35-A, C. Y. Chintamani Road, Allahabad (as mentioned in 37G Form).

> U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow

Date: 14-1-1986

(1) Smt. Sideshwari Devi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Narain Bansal.

(3) Vendor

(Transferee) (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. R-270/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 255/390/1(1) situated at Kundari, Rakabganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme-vable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 255/390/1(1), measuring 2264 sq. ft. situated at Kundari, Rakabganj, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-1-1986

# NOTICE INDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G N. No. R-271/Acq.—Whereas, I,

MRS. 14. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) theremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

First Floor Flat and building situated at 35-A, C. Y. Chinta-

mani Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Registrar/Sub-Registrar at Allahabad on May 1985

for an appropriat consideration which is less than the fair market valve of the aforesaid property and I have reason to believe that we fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tne purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) I. Shri Sanat Kumar Ghosh
- Shri Sudip Ghosh
   Shri Sushant Ghosh
  - Shri Samir Ghosh
     Shri Sanjib Ghosh
  - 6. Smt Pramilia Ghosh
  - 7. Smt. Pratima Mallik 8. Smt. Chitra Sarkar

(Transferoi)

(2) Shri Ramesh Chondia Shukla.

(Transferee)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immost. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

First floor Hat and building and room of ground floor, situated at 35-A, C. Y. Chintamani Road, G. Town, Allahabad (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Date: 14-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. R-272/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing Potton of House No. 118/95 situated at Cantt. Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Lucknow on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

(1) Shri Syed Sarfaraz Ali.

(Transferor)

(2) 1. Rais Ahmad

Nafıs Ahmad 3. Husain Ahmad. 4. Haseen Ahmad.

(Transferce)

(3) Vendee

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid pere was within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in an raid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The trains and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in aapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. .118/95, measuring 6200 sq. ft. situated at Cantt. Road, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Date: 14-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Bhawan Singh

(Transferor)

(2) M/s. Singh Finance & Savings Co., Bhotia Parao, Haldwani, Nainital.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. S-398/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Village Haripur Purnanand, Teh. Haldwani,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Haldwani on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are define! in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 9 Bighas and 10 Biswas situated at vill. Haripur Puranand, Tehsil-Haldwani Distt Nainital (as mentioned in 37G Form)

> MRS. U. KAINJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-1-1986

(1) Madhuban Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow.

(2) Samachar Lok Asthan Sahkari Grih Nirman Samiti

(Transferor)

(Transferee)

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. S-399/Acq.—Wheres, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and beating Land Khasta No. 28/2, 81/2, 82 & 83 situated at Puraniya, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on May 1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of the said i transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ltd., Lucknow.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 28/2, 81/2, 82 and 83, measuring 3 Bighas, 12 Biswas and 14 Biswans is situated at Puraniya, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 69-466GI/85

Date: 14-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. C.I & No. T-44/Acq ---Whereac, I MRS. U. KANJILAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3 (Vivekanand Marg) situated at Hewett Road,

Allahabad

Allahabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habitty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Raj Tandon.

(Transferous

(2) 1. Shri Tribhuwan Nath Gupta. 2. Smt Sobha Rani Gupta.

(Transferee)

(3) M 8 Nath Brothers ( Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 42 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

3 (Vivekanand Marg) measuring 244.44 sq. mtrs., Hewett Road, Allahabad (as mentioned in 37G Form).

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shri Mahesh Kumar Mathur.

Mrs. Sarojni Mathur.
 Shri Vinod Mathur
 Shri Rajesh Mathur.

5. Shri Kumud Mathur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Uma Agarwal 2. Shri P. N. Agarwal.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

Ref. No. G.I.R. No. U-47/Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-124 situated at Sector-A, Mahanagar Housing

Scheme, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Allahabad in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-124, area 3362 sq. ft. situated at Sector 'A', Mahanagar Housing Scheme, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. V-91/Acq.--Whereas, I. U. KANJILAL,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ch 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land suated at Vill. Vilayet pur, Tch. & Distr. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on May 1985 for an annarent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlib-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:---

(1) I. Shri Abdul Majid. 2. Shri Abdul Aziz.

(fransferor)

(2) Vi<sub>n</sub>ay Pra ap Naga Sahkan Avas Samiti 1 td. Lucknow, through Secretary, Shii Guin Prasad.

(Transferee)

(3) Vendor

(Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period if 45 days from the date of publication of this nature in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 54450 sq. ft. situated at Vill. Vijayeepur, organa. Tehall and Distt, I teknow (as mentioned in 37G) Pargana

> U. KANJILAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 14-1-1986 Seal:

(1) Shri Bakaullah Khan.

(Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. V-92/Acq.--Whereas, I, Mrs. U. KANJILAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Hhereinafter referred to as the 'said Act'), have reasonto believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing No.
House situated at Narkulagani, Nai Basti, Bareilly fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

(2) 1. Shri Ved Prakash, 2. Shri Atul Kumar (Minor), 3. Shii Amit Kumar (Minor).

(3) Vendor

(Person in occupation of the property) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House with land measuring 470 sq. yds. situated at Narkulagani, Nai Basti, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Ran Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nmaely:—

Date: 14-1-1986

(1) Shri Surendra Singh.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Wimco Seedlings Itd., Bareilly, through Attorney, Shri R. S. Rawat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. W-4/Acq.-Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot Nos. 2 and 3 situated at
Vill. Chandain, Tehsil Bilaspur, Dist. Rampur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Rampur on May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters

#### THE SCHEDULE

Land plot No. 2 measuring 4.03 hectare and plot No. 3 measuring 1.06 hectare, total 5.09 hectare, situated at Vill. Chandain, Tehsil Bilaspur, Distt. Rampur (as mentioned in 37G Form).

> U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-1-1986

(1) Smt. Ramesh Lata.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Zakir Husain

(Transferee)

(3) Vendor

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57 RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th January 1986

G.I.R. No. Z-7/Acq.—Whereas, I,
MRS. U. KANJILAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot situated at Civil Lines. Barcilly
(and more fully described in the Schedule annexed herto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Barcilly on May, 1985

Bareilly on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hie transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 447.33 sq. yards situated at Civil Lines, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucl now

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-1-1986

(1) Mercurv Petromax Industries, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE I NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii I olumal S/o Shri Harumal C'/o Lolumal Harumal & Sons, Naharpara, Raipur.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6211,--Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 292/4 situated at Naharpara (Kelkapara Ward), Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

at Raipui in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Faplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 292/4 is situated at Naharpara (Kelkarpara Ward) Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Fax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6212.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing House on plot No. 189-A, Sector, situated at Indrapuri, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in May, 1985

at Bhopal in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

  11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

70-466GI/85

(1) Shri Lav Kishore Sharma S/O Shri Chaitram Sharma R/o Indrapuri, Bhopal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abdul Sajid KhanS/o Shri Abdul Haikhan2. Smt. Tashnim Jehan W/o Shri Abdul Sajid Khan R/o Aam Wali Masjid, Jehangirabad, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated on plot No. 189 (A-sector) is situated at Indrapuri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 8-1-1986

#### FORM IINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6213.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authoraity

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
Plot sitiated at Maharani Laxmibai Ward, Katni
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Katni in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Diers Stone Lime Co. (P) Ltd., H.O.: 10, Alipur Road, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. National India Rub. Works Ltd.
Thro Manager Parwan Kutar Jain
S/o Shri J. Kharilal Jain R/o Nai Basti, Katni,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gametic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot is situated at Maharani Laxmi Bai Ward, Katni. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 8-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6219.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House situated at Subhash Ward, Hata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hata, Dist. Damoh in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) 1. Smt. Sushila Bai Wd/o Shri Kundanlal

Smt. Sushia Bai Wd/o Shri Kundani
 Bharat Kumar S/o Kundanial Jain
 Vijay Kumar S/o Kundanial Jain
 Pradeep Kumar S/o Kundanial Jain All R/o Khurai, Dist. Sagar.

(Transferor)

(2) Smt. Janak Dulari W/o Rchhela Shrivastava R/o Subhash Ward, Hata Teh. Hata, Dist. Damoh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated at Hata (Subhash Ward), Dist. Damoh. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 8-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/6215.—Whereas, I, V. P. SHRIVASΓΑVA, V. P. SHRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Agricultural land Kh. No. 11/2 situated at Vill. Podi, Teh. Patan. Dist Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than "i'teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in test of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Dwarka Prasad S/o Shri Purshottamlal Nayak R/o Asati Ward No. 1, Damoh.

(Transferor)

(2) Smt. Durgesh BaiW/o Shri Pyarelal Shri Jairam Sahu R/o Padariya Teh. Gadarwara, Dist. Narsinghpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Agricultural and Kh. No. 11/2 (Area 7.50 acre) is situated at Vill. Podi, Teh Patan, Dist. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37 G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Acquisition Range Income Tax Boilding
> Near Central India Floor Mills, Bhopal Bhopal

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6216.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House on plot No. 187, Sheet No. 7 (Kh. No. 721) situated at Juna Bilaspur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bilaspur in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Shri Arunkumar Sengupta S/o Shri Motilal Sen Gupta R/o Vill. Juna-Bilaspur, Kranti Nagar, Dist. Bilaspur.

(Transferor)

 Smt. Shakuntala B. Madhankar W/o Shri B. P. Madhankar
 Shri B. P. Madhankar S/o Shri Prahlad Madhankar R/o Akola, Maharashtra, Presently at Tilak Nagar, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. 187, Sheet No. 7 (Kh. No. 721) is situated at Juna-Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/6217.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1086, 1087 & 1088 (part of) situated at Ram Manohar Lahiya Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Rameshwar Prasad S/o Shri Chiranjilal Bhargava R/o Aligarh (UP).

(Transferor)

(2) Smt. Shantidevi W/o Shri Sunderlal Narang, R/o 216, Bhartipur (Jabalpur).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 1086, 1087 & 1088 is situated at Ram Manohar Lohiya Ward, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 8-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6218.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. EWS-57 situated at Harshwardhan Nagar, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Suraimal S/o Shi Maniram Ghadse, R/o 57, Harshewardhan Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Ghadse S/o Shri Surajmal Ghadse R/o Indian Fertilizers Corporation, Korba Mandal Post Hastdev Project, Dist. Bilaspor, Korba (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to be apquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. EWS-57 is situated at Harshwardhan Nagar, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 8-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6219.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House situated at Ward No. 1, Satna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Satna in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Snehlata Khandelwal W/o Shri Dineshchand Khandelwal R/o Adarsha Nagar Colony, Rewa Road, Satna.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Narayan Mehra S/o Jainarayan Mehra, Patna (Bihar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House is situated at Ward No. 1, Satna. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-1-1986

(1) Kallu Enginetring Works, Prop. Mohd. Jabir R/o Modhapara, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Sattar S/o Mohd. Kasim R/o Bajnathpara, Raipur.

Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6220.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Kh. No. 98/6 & 68/7 situated at Gondwara, 'F. . ]

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 98/6 & 98/7 is situated at Gondwara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

71-466GI/85

Date: 8-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Resham Kaur, W/o Mahendra Singh R/o E-2/211, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Renu Girdhari W/o Sh. Kishanchand Girdhari, R/o Kawar Ram Colony, Bhopal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn /Bpl./6221.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 283, Major Shopping Centic situated at Habibganj. Bhopal Zone II, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Pacification of the paintening of the Pacific II. 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the upperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 283 is situated at Major Shopping Centre. Zone II, Habibganj, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income Tax Building Near Central India Floor Mills. Bhopal

Date: 8-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Rukya Iqbal W/o M. A. Iqbal, R/o Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jang Bahadur Singh S/o Gurnam Singh 2. Ravindra Singh
S/o Gurnam Singh
R/o Idgah Hills, Bhopal.

(Transfer.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6222.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 140

No. Plot No. 140 situated at Idguh Hills, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhopal in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent agreed to bet and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 140 is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 8-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 8th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6223.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 5 (Shop-cum-residence) situated at Berasia Road, Bhopal

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Bhopal in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Parmanand S/o Nedomal and Smt. Padma Bai W/o Parmanand R/o Rajdeo Colony, Bhopal,

(Transferor)

(2) Shri Ahmed Hassan S/o Mohd. Hassan

R/o Masjid Shakkur Khan, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5 (Shop-cum-residence) is situated at Berasia Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition kange Income Tax Building Near Central India Floor Mills

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6224.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 34, 40 (P.H. No. 21) situated at Govindpura, Teh. Huzur, Bhopal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Biharilal S/o
 S/o Shri Murlidhar
 R/o Pul Bodgha,
 Ashok Nagar, Bhopal (MP).

(Transferor)

 (2) Sangam Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit Bhopal
 64/5, South T.T. Nagar, Bhopal, Thro' President: Shri M. P. Padmanabhan.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 34, 40 is situated at Govindpura, Teh. Huzur, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferre

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills

Now. therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhogal, the 24th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6225.—Whereas 1, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 188 situated at Major Shopping Centre,
Maharana Pratap Nagar, Bhopal,
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bhopal in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Krishna Mittal W/o Shri Ashok Kumar Mittal, R/o 99/67, Tuisi Ivagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Mavu Sen S/o Machang Sen Smt. Janat W/o Mavu Sen R/o 85, Saraswati Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 188, Zone-1 is situated at Major Shopping Centre, Maharana Pratap Nagar, Bhoral. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills

Date: 24-42-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 24th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6226.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land Kh. No. 90/91/2 situated at Chuna Bhati, Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 cf 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:--

(1) Shri Govindram Ram Prasad S/o Gulabsingh R/o Chunte Bhati, Teh. Huzur, Ehopal. (Transferor)

(2) Danish Housing Co-op. Society, Through President: Shri Mohd. Shahid \$/o Irshad Khan R/o Itwara Bhopal.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 90/91/2 (Part thereof) is situated at Chuna Bhati, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G (Part thereof) is situated at duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Flour Mills

Date: 24-12-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, MP.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6227.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

v. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 79, E-1, Arera Colony, situated at Berrel

situtated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, (1) Smt. Lt. Col. Jasbir Singh Khurana S/o Lt. Col. S. Mehtab Singh Khurana R/o B-45, Defence Colony, New Delhi, Thio attorney Sardar Tajendra Singh, Si1 Sardar Avtar Singh E-4/35, Arera Colony, Bhopal,

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Kumar Agrawal S/o Ramesh Chandra Agarwal, Agatwal Bhavan, Sultania Road, Bhopal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 79, is situated at E-1, Arera Colony, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Acquisition Range Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6228.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 240, 241, 246/1, 244 situated at Vill. Bavadiakalan, Teh. Huzur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Bhopal in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 2600 of the Said Act to the following persons, namely: 72-466 GI/85

(1) Shri Dwarka Prasad S/o Shri Jagdish Prasad Dwivedi 70/15, South T.T. Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) New Friend Housing Co-op. Society Ltd., Bhopal, Thro, President Shri Sheetal Prasad Tiwari, 93/27, 1250 Qrs. Bhopal.

(Transferce)

Objections if any, to the acquinition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 240, 241, 246/1, 244 is situated at village Bavadiakalan, Teh. Huzur, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Savita Sarkar W/o Sachindra Kumar Sarkar R/o 769/1, Wright Town, Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ramsingh Pawar and Narendra Singh S/o Shri Hiralal Puwar, 1180, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHORAL, M.P.

Bhopal, the 2nd January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6229.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 3/2, Block No. 4
situated at Civil Station, Jabalpur (Near Napier town),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3/2 (Block No. 4) is situated at Civil Station, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri Mohd. Ali S/o S/o Ismail, 174, Kotwali Bazar Uprainganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Tushar VaidyaS/o Shri Maharudra Vaidya230, Ravindra Nagar, Adhartal, Jabalpur.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6230.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Godown on plot No. 335 (S. No. 664) situated at Maharajpur, Jabalpur, (and more fully described up the Schedule approved beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Godown on plot No. 335 (S. No. 664) is situated at Maha-lappur, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6231.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House on Kh. No. 58/2 & 62 P. H. No. 28 Plot No. 9 situated at Ratan Nagar, Bharat Colony, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fak market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or swamon of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

Shri Pradhyumn Singh
 Sh. Gurubux Singh,
 D/4, Circular Road, Buranpur, Dist. Bordwan (W. Bengal)

(Transferor)

- (2) 1. Dr. Anil Kumar Beohar S/o. Rajaram Singh Beohar, R/o. Ratan Nagar Bharat Colony, Iabahaur
  - Ashwin Beohar (Minor)
     S/o Dr Anil Kumar Beohar
     R/o Bharat Colony, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on Kh. No. 58/2 & 62 (P. H. No. 28) Plot No. 9 is situated Ratan Nagar, Bharat colony, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-Tax Building
Near Central Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6232.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immervable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 52 situated at Shree Nagar Main colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed lecrete),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surendra Narayan Mungee, 27/2, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Usha W/o Kailashchandra, 25-26, Ramchandra Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 52 is situated at Shree Nagar Main colony, Indore. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Near Central Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

#### PORM FINS

MOTICI: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M, P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6233.--Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Land Survey No. 99, 100 & 102 situated at Vill. Sutar Bicholi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cugit to be distincted by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heretore, in pulsuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

- (1) Shri Ramesh S/o Ram Prasad, Ashok S/0 -do-Geeta Bai W/o Ram Prasad, Khajrana, Indore. (Transferor)
- (2) 1. Shri Balaram S/o Mahavir.
  - Shyamlal Gordhan.
     Gendalal Ishwar Lal.

  - 4. Tasodabai Ishwarlal. 5. Murlidhar Pannalal.
  - 6. Sharadkumar Balaram.
  - Sakuran Dhirji.
     Shokat S/o Başhir.
     Gama Rahimji.

  - 10. Bashirkhan Sultan Khan.
  - 11. Hashmat Bi Ibrahim.
  - 12. Siraj.

  - 13. Salim Bashir.14. Rashid Khan Bashir Khan.15. Prahlad.

  - 16. Kishan.
  - 17. Ranjit.
  - 18. Gopal S/o Shivnarainji
    (Satyam Shivam Sundaram Housing Soceity Indore).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 99, 100 & 102 is situated at Vill. Sutar Bicholi. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Near Central Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

(1) Shri Jaipal S/o Sh. Shyamandas Lulla, 65, Katju colony, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailashchandra Jain & Sunil kumar Jain, S/o Gulabchandji Jain, 10, Nasiya Road, Indore,

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6234.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 61 (Shiv vilas Palace) situated at M. G. Road,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actics on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as fined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 61 is situated at Shiv Vilas Palace, M. G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central Flour Mills, Bhopal

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6235.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23/25 situated at 170, R. N. T. Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16)

Flat No. 23/25 situated at 170, R. N. T. Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Parajit Cinematic Enterprises (P) Ltd.
   R. N. T. Marg, Indore Thro' Narendra Singh, Jhabua.
- (2) Shri Madanlal Anand,S/o Sh. Deenanath Anand,R/o 2, Yashwant colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 23/25: situated at 170, R. N. T. Marg, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-Tax Building
Near Central Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) 1. Ramesh Matakar S/o Dattatraya Matkar,

2. Smt. Nilanjana W/o Ramesh Matakar 13, Jayashri colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Parash Mehta S/o Kalyanmalji Mehta, 104. New Dewas Road Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6236.—Whereas, I,

V. P. SHRIVASTAVA, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 23 situated at Manishpui colony, Indore (and more fully described in the schedule approved beauty).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the farm market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the one deration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The tenns and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Plot No. 23 is situated at Manishpuri colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . 73-466 GI/85

Date: 10-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bachhulal S/o Shri Dayaldas, 24/1, Moti Tabela, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sudhirkumar S/o Shri Govind Wadikar, 34-A, Bhavanipur, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NEAR CENTRAL INDIA FLOUR MILLS BHOPAL M, P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6237.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 66 & single storeyed house situated at Vaishali Nagar, Sectore-II, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 66 & single storeyel house thereon is situated at Vaishali Nagar, Sector-II, Indore. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income-Tax Building Near Central Flour Mills, Bhopal

Date: 16-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref No. IAC/Acqn/Bpl./6238.—Whereas, I, V P SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) )hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No.

Rs 1,00,000/- and bearing No House on Plot No 222 situated at Jai Jagat Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of gransfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharampal S/o Shri Nagayandasji, R/o Jai Jagat Nagar (H. No. 222), Indore. (Transferor)

(2) Shri Hasanand S/o Shri Mulchandji Jaiswani, R/o 1162-A Gumastha colony, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No 222 & the house thereon is situated at Jai Jagat Nagar Indore This is the immovable property which has been described in form No 37 G duly verified by the transferee

V. P SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Fay Building
Near Central Flour Mills Bhopal

Date · 10-1-1986

A COLUMN TO THE PARTY OF THE PA

# NOTICE UNDER SEGTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P. NEAR CENTRAL INDIA FLOOR MILLS

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6239.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to beliee that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Vill, Varola, Teh. Raisen (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset: which have not been or which ought to be disc osed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to th following persons, namely:—

(1) Shri Sudama Prasad S/o Mathuralal Agrawal, R/o Bada Bazar, Vidisha.

The same of the sa

- (Transferor)
- (1) Shri Kaisher Abhas S/o Iqval Hussain Bohra, Sironj Present at Madhavgani, Vidisha, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period engires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at village Varola, Teh. Raisen. This is the immovable property which has been described in in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Near Central Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Ghanshyamdas S/o Shri Saligram Agrawal, R/o Jumerati, Bhopal.

(Transferor)

 Sagira Bano W/o Hussain Ali Bohra.
 Aminabai W/o Dr. Imran Hussian, R/o Madhavganj, Vidisha.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6240.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Vill. Varola, Teh. & Dist. Raisen (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985

of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985 for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons, and a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Vill. Varola, Teh. & Dist. Itaisen. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Comrussioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-Tax Building
Near Central Ind a Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6241.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6241.—wnereas, 1, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 75 & House thereon situated at Anupnagar, Indore ford more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in May 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other a sets which have not been which ought to be disclosed by the transferee of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate process lings for the acquisition of the aforesaid property by the is see of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namedy :---

- (1) Smt. Amarjeet Kau W/o Sardar Darshansingh, R/o 75, Anup Nagar, Indore.
- (2) Shii Nalinchandra S/o Manmohandas Saraf, R/o Govt, Dist. Hospital, Rajgarh (Biaora) 75, Anup Nagar, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 75 & the house thereon is situated at Anupnagar, Indore. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I come-Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6242.-Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 116 & House thereon situated at Indiragandhi Nagar,

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the main Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Jayesh Kumar S/o Mangubhaiji, R/o 116, Indiara Gandhi Nagar, Kesharbagh Road, Indore,

(Transferor)

(2) Shri Gyanchand S/o Bhabhutmalji Jain, R/o. 295, M. T. Cloth Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 116 is situated at Indiragandhi Nagar. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income-Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 13-1-1986

### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhanwarlal S/o Shri Narayanji Sharma R/o 10<sup>1</sup> Mahavii Nagar, Indote

(Transferee)

PART III-SEC. 1

(2) Shri Satyanarayan S/o Balmukundji Bhandari R/o Village Kalariya,

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhoral, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6243.—Whereas, I,

Re'. No. IAC/Acqu./Bpi/6243.—whereas, 1, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 104 & the house thereon situated at Mahavir Nagar,

Indoie

7958

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expression as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

House & Plot No 104 s situated at Mahavir Nagar This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly varified by the transferee

> V P SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Income-tax Bu lding Near Central India Flour Mills Bhopal

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 13-1-1986 Seal .

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shiri Nandialli S/o Pratapji Rathore 2468, Gokulgani. Mhow. (Chhavni)

(Transferee)

7959

(2) Smt. Jankibai W/o Khemchandra 147, Sanghi Street, Mhow Cantt, (MP).

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6244.-Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Admortty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

House No. 2534 situated at Gokulgani, Mhow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mhow on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of rainsfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—74—466 G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 2534 is situated at Gokulganj, Mhow. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 13-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6245.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing land bearing No. 148/1 situated at Mohammadpura, Teh. Burhanpur, Dist. East Nimad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on May, 1985
for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely.—

(1) 1. Shri Garbad Ramu Mahajan

Sh. Anokhilal

S/o Garbad Mahajan Sh. Laliba: & Bhagabai Son & Daughter respectively of Ramu Mahajan R/o Alamganj. Burhanpur (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Salimuddin Bhai Anisuddin Shri Salimuddin Bhai Anisuddin S/o Jennuddin Kazi R/o Lohaar Mandi, Burhanpur (MP). Shamshul Arefin Jainul Abedin Daudpura, Burhanpur. Syed Ikaramuddin Syed Shafiuddin Niyamatpura
Iqbal Khan
S/o Sattar Khan
Khankah, Burbanpur.
Makbul Hussain Mohd. Hussain Budhwara, Burhanpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 148/1 is situated at Vill. Moham-ladpura, Burhanpur, Dist. Khandwa. This is the im-ladpura property which has been described in form No. madpura, movable 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 13-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6246.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 106 (Scheme No. 47) & Flat No. 4 thereon situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Badjatya Construction Co. Partner Sh. Sanatkumar Badjatya 146, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Lalita Mishra W/o Lalchand Mishra Flat No. 4, H. No. 106, Scheme No. 47, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4 on plot No. 106 (Scheme No. 47) is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6247.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 10, Second floor situated at I.D.A. Scheme No. 47

M/G. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Unicer at Indore on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a said unarrument of parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Devendra Kumar Ghanshyamdas 6/2, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Usha W/o Bhuvaneshwar Trivedi 53, Lalaram Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 10 (on second floor) in I.D.A. scheme No. 47 is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 10-1-1986

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF DIDIOLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6248.—Whereas. I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. A-2, House No. 1049 situated at Khatiwala Tank,

indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the mirroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Biyani Construction Co.
 Jawahar Marg
 Indore.
 (R/o Garden No. 100, MHOW)

(Transferor)

(2) Shri Jayant Bhise 71, Shanker Bagh, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the apprinting of the said property may be made in writing to the midersigned:—

- (a) by any et the aferentid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-2, House No. 1049 is situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GUVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6249.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land with Part of a Bldg. of H. No. 67 situated at V. V. V.

Marg, Ujjain

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krisha Raj S/o Gopal Rajji Khimji Gujarati, 67, V. V. V. Marg, Ujjain.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kailash Prasadji
 S/o Pt. Ram Prasadji Bhargava
 2. Shri Yogesh Kumar
 S/o Kailash Pd. Bhargava

S/o Kailash Pd. Bhargava

Smt. Ushadevi
W/o Satish Chandraji
Pt. Ram Pd. Bhargava Road,
Ujjain.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with part of the building is situated at H. No. 67, V. V. V. Marg, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified, by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6250.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House on plot No. 15 (Block No. 68) situated at Burhanpur, Dist Khandwa (Lalbagh)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Burhanpur on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Nathmal S/o Sagarmal Oswal Jain Mahajan R/o Bhavanipet, Jalgaon (Maharashtra).

(Transferor)

(2) Shri Devichand S/o Surajmal Oswal Jain Mahajan R/o Lalbagh, Burhanpur, Dist. Khandwa (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. 15 (Block No. 68) is situated at Lalbagh, Burhanpur, Dist. Khandwa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 13-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6251.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Plot No. 75 & Bldg. thereon situated at Anupnagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sardar Darshan Singh S/o Sardar Bachansingh R/o 75, Anupnagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Nalinchandia S/o Manmohandas Sraf R/o Govt. Dist. Hospital, Rajgarh (Biaora), Presently at 75, Anoop Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 75 & the house thereon is situated at Anupnagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No; IAC/Acqn/Bpl/6252.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Plot No. 36 (Near Harijan Basti) situated at Palasia Hana

Street No. 4, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957):
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -75-466 GI/85

(1) Shri Sureshchandra S/o Shri Madhavji Joshi, Ganji Compound, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Suman W/o Digvijaysingh Jain R/o 37, Kanchan Bag,

Indore.
2. Smt. Sharda Purohit
W./o Maheshchandra Purohit, II, Subhash Chowk, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 36 is situated at Palasia Hana Street No. 4, near Harijan Basti. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 10-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jagdish S/o Shri Shyamandas Lulla 65, Katju Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kamalkumar Singhai & Numalkumar Singhai S/o Shri Gokulchand Singhai R/o 25, Kamatipura. Indore.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

'Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6253.—Whereas, I. V. P SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimeter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1.00,000/- and bearing
Plot No. 60, Shiy V las Palace situated at M. G. Road,

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May, 1985

notice on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 66 (Shiv Vilas Palace) is situated at M. G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Flour Mills Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date: 10-1-1986

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6254.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 19 situated at Scheme-A, Madhav Nagar, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under exection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prithvi Singh S/o Dungarsinghji Gadia R/o Namak Mandi, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Babulal S/o Munnalalji Jain R/o Laxminagar Colony, Ujjain,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 19 is situated at Dussehra Maidan Scheme No. A, Madhav Nagar, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Near Central India Flour Mills
Bhopal

Date: 10-1-1986

#### FORM ITNS...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Tajunnisa Wd/o Sh. Abdul Kaddir, 2. Mohd. Iqbal and Sh. Mohd. Jaffar S/o Sh. Abdul Kaddir, R/o 4/5, Ranipura, Indore.

(Transferor)

(2) Sh Sardar Mohd. S/o Shri Rahman Baksh, R/o 76, Udapura, Indore.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6255.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No Single storeyed bldg. No. 77 situated at Udapura. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May/85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. to respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed building bearing No. 77 is situated at Udapura, Indore. This is the immovable property which Udapura, Indore. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

n pulsuance of Section 269C of the said Now, therefore, Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, Mainery :---

Date: 10/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./6256.—Whereas, 1, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

House No. 31 situated at Chandranagar 'C' Part, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 f27 of 1957);

Shri Vasant
 S/o Sh. Madhav Chorghade,
 M. T. H. compound,
 Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashok
 S/o Sh. Dattatray Dalvi ,
 H. No. 6/2, Gautam Pura,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 31 is situated at Chandra Nagar 'C' Part, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ret. No. IAC/Acqn./Bpl/6257.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing Land Kh. No 173 (P. H No 15/2) situated at Vill. Pipalitya

Hana, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indoie in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhagwan S/o Shri Girdhari Sh. Laxmi Narayan S/o Shri Girdhari Smt. Josoda Bai W/o Shri Bherulal Smt. Kamlabai W/o Shri Gopal, Indore.

(Transferor)

(2) Paricharika Grih Nirman Sahkari Sanstha. 6/1, K.E.H. compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 173 (P.H. No. 15/2) is situated at vill. Pipaliya Hana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 13-1-1986

#### FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6258.—Whereas, I. V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 815 & Bldg. thereon situated at Scheme No. 44 of I.D.A., Khatiwala Tank, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the cuid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) M/s Rani Construction company Thro' Partner Shri Gopal S/o Shri Ramsharan Bansal, R/o 9B, Adarsh Nagar, Indore

(Transferor)

(2) Shri Rajendra S/o Shri Bhallubhai Parekh, R/o 44. Shradhanand Marg, indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given be that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 815 & the building thereon is situated at Scheme No. 44 of I.D.A., Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flcor Mills Bhop:1

Date: 13-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6259.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. House on plot No. 25-M (Scheme No. 44) situated at Indore Development Authority, Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pacietration Act. 1908, (16

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Ravindra Ghanshyani S/o Shri Harikrishnaji Ghanshyani, R/o Sadhu Waswani Nagar (H. No. 381), Ludore

(Transferor)

(2) Akash Deep Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Indore Thro' Secretary Shri Bhagwandasji Mansukhani. R/o 20, Hathipala Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor

House on plot No. 25-M. Scheme No. 44 of Indore Development Authority is situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6260.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 85 & the structure thereon situated at Kailashpark,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the few market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
76—466 GI/85

(1) Arihant Grih Nirman Sahkari Sanstha Marayadit, 146, Jaora compound, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Diwansingh S/o Shri Popsingh Raghuvanshi, 75, Ravindra Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given hat Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 85 & the structure thereon is situated at Kailash Park, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 10-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6261.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House on plot No. 15 (Block No. 68) situated at Lalbagh.

Burhanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property ÞΥ aforesaid exceeds the apparent consideration therefor mone than fifteen per cent of such apparent consideration and het the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Nathmal S/o Shri Sagarmal Oswal Jain Mahajan, R/o Bhavanipet, Jalgaon, Maharashtra,

(Transferoi)

(2) Dr. Ratanlal Dr. Baldevkumar
 S/o Shri Brijalal Pahuja,
 R/o Lalbagh, Burhanpur (MP).

(Transfere.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on plot No. 15 (Block No. 68) is situated at Lalbagh, Burhanpur, Dist. Khandwa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely ;-

Date: 13-1-1986

Soal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6262.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Land situated at Vill. Aimagird, Teh. Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indoie in May 1985

in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the consideration of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Shri Mahtabsingh
 S/o Shri Nathusingh
 R/o Rasthipura
 Smt. Bhuriabai

Wd/o Shri Nathusingh, R/o Burhanpur, Dist. Khandwa.

(Transferor)

 1. Dr. Vinod Kumar S/o Shri Murlimanohar Devda, Burhanpur,

Chow Bazar,

2. Shri Kayad Johar
S/o Shri Imsail Bhai Sururi,
Itwara,
Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Land is situated at Vill. Aimagird, Teh. Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

THE SCHEDULE

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1986

#### **FORM ITNS-**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6263.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 25 situated at Shriram Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mechanys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaipalsingh S/o Shri Jaimal Singh Makhija, 89/1, Old Rajmohallah, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sobhagmal S/o Shri Surajmalji Jain and Shri Shantilal S/o Shri Surajmalji Jain, Indore.

(Tranferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5 is situated at Shrinagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Bu'lding
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 13/1/1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6264.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 20-R & House thereon bearing situated at Khatiwala Tank, Indore No. 1071

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ·—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

- Shri Sachhanand B. Wadhwani, 20-R, Khatiwala Tank, Indore.
- (2) Shri Jaikishan S/o Shri Motilalji, Flat No. 9, MIG (J), Agrawal Nagar, Indore.

(Tranferee)

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unacreigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 20-R is situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 10/1/1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6265.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 20 & House thereon (Scheme No. 44) situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Sachhanand B. Wadhwani, 20-R, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar S/o Shri Motilalji, Flat No. 9, MIG (J), Agrawal Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 20 (Scheme No. 44), & the house thereon is si uated Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills
> Rhonal Bhopal

Date: 10/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6266.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot Po. 231 & house thereon situated at Khatiwala Tank
(Scheme No. 44), Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Ranjit Singh S/o Shri Sardar Malik Singh Hora and Smt. Surjit Kaur W/o Shri Sardar Tirlok Singh Hora Thro' Sh. Ajitsingh S/o Shri Malik Singh Hora, 231, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Haji Mohd. Yusuf S/o Shri Haji Bhure Khan, R/o South Tukoganj, Indore (H. No. 30/1).

(Tranferee)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 231 (Scheme No. 44) & the house thereon is tuated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 10/1/1986

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6267.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 239 & house thereon situated at Khatiwala Tank Indore

Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ranjtsingh S/o Sardar Malik Singh Hora & Surjit Kaur W/o Sardar Trilok Singh HORA R/o 239, Khatiwala Tank, Indore.

(Transefror)

(2) Haji Mohd, Yusuf S/o Haji Bhurekhan R/o South Tukoganj, Indore (H. No 30/1).(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 239 & house thereon is situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

Dated: 10-1-86.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th January 1986

fi Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6268.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Agrl. land situated at Vill. Varola, Teh. & Dist. Raisen (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisen

in May 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Krishna Mohan S/o Shri Laxminarayan Agrawal, R/o Tılak Chowk, Vidisha,

(Transferor)

(2) Hussan-Vano W/o Ikram Hussain Bohra R/o Madhoganj, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Brelanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Village Varola, Teh. Raisen. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly veried by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following norsons, namely :-77-466 GI/85

Dated: 10-1-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6269.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & House situated at Vill. Varola, Teh. Raisen. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May 1985 in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Laxminarain S/o Sh. Nathuram Agrawal Thro' Genl. power of attorney Krishnamohan S/o Laximanarayan Agrawal, R/o Vidisha. (Transefror)
- (2) Liyagat Ali S/o Sh. Shabbir Hussain Bohra R/o Kota Presently at Madhoganj, Vidisha.

(Transferee ):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land and House is situated at Vill. Varola, Teh. Raisen. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Bhopel.

Dated: 10-1-86.

 Scindia Devasthan Trust, Regd. Office: Sarojini Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Rehman Ali & 16 Others, Ro/ Col. Saheb Ke Deodi, Gwalior.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6270.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 25/2054 (Part of) situated at Carnal Saheb Ki Deyedi, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 25/2054 (Part thereof) is situated at Carnak Saheb Ki Deyedi, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Dated: 10-1-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Vijaya Mahurkar W/o Sh. Vijay Mahurkar, 152, Anoop Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Chandrasen S/o Laxmilal Boradia, 1/5, New Palasia, Indore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6271.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

situated at Anoop Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer the per training the per training to the property as a support of the property as a support of the per training the per trai between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 150 is situated at Anoop Nagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 10-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6272.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing House No. 9 situated at Dhar Road, Vaidya Khhyali Ram

Marg. Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sardar Santoksingh S/o Shri Belasingh,
Block No. 14, Survey No. 16,
Ram Nagar, Amravati (Maharashtra).

(Transferor)

(2) Shri Harbhajansingh S/o Belasingh, H. No. 9, Dhar Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 9 is situated at Dhar Road, Vaidya Khyali Ram Marg Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, na nely:-

Date: 15-1-1986

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6273 -- Whereas, I,

Ret. No. IAC/Acqn./Bpl./62/3—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 1321/1 situated at Village Khajrana Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer et Indore on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Uma Gupta, W/o Shri Subhash Chandia Gupta, R/o 37, Kantaga Narmada Road, Jabalpur. (Transferor)

(2)) M/5 Agrawal Construction Co Thro Partner: Shu Balkrishna Agrawal, S/o Doulatramii Agrawal, R/o 157, Saket Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHFDULE

Land Kh. No. 1321, 1 is situated at Vill. Khajrana, Indore. This is the irimovable property which has bee described in form No 37-G duly verified by the transferee heen

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6274.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 363/3, 364/4 situated at Chhota Bangdda,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Pushpavati Devi, W/o Shir Rampal Yaday, R/o Vill. Chhota Bangdda, Teh. & Dist. Indore, Thro' Genl. power of attorney Rajeshkumar Mo Thro' Genl. power of attorney Rajeshkumar Modi, S/o Ramesh Modi, R/o 50, Ballabh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Sitleshwar Grih Nirman Sahgari Sanstha Maryadit, Off: 18, Ram Wali, Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ÉXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 363/3, 364/4, is situated at Vill. Chhota Bagadda, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 26, situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Tukoganj. Gali No. 1, Indore (and morefully described in the Schedule annexed heleto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said. Ast
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Virendrasingh, S/o Jeevan Singh, R/o, 2/2, Ney Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Modern Co-op. Housing Society Ltd., Indore, 178-179, M. T. Cloth Market Indore, Thro Shri Nemichand, S/o. Hastimalji Bohra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 26 is situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Tukogani, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central Flour Mills, Bhopl

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

(1) 1 Sadashiv, S/o Shri Ramchandia Rao Gokhale, R/o Khandwa Raghunath S/o Shri Ramchandra Rao Gokhale, Jalgaon 3 Vinayak Rao, S/o Shri Ramchandra Rao Gokhale, R/o Poona

(Transferor)

(2) Smt Lalitadevi, W/o Nitin Kumar Jain, R/o 42, Ramkrishnaganj Khandwa Harakchand, S/o Phoolchandu Jain, R/o Kaharwadi, Khandwa

(Transferee)

Ref No IAC/Acqn /Bpl —Whereas, I,

V P SHRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing

Open land & the house thereon situated at Civil Lines, Neelkanteshwar Ward Khandwa

(and mo c fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mhandwa in May, 1985
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Open land and the house thereon is situated at Civil Lines, Neelkanteshwar Ward, Khandwa This is the immovable property which has been described in form No 37 G duly verified by the transferee

THE SCHEDULE

V P SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Income Tax Building
Near Central India Floor Mills Bhopal

low therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons name!

78-466 GI/85

Date : 15-1-1986 Seal :

### FORM I.T.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6277.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,07.000/- and bearing

House Constructed on Plot No. 2 situated at Mahavir Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Basantibai, 2. Smt. Aiun Matta, R/o 128. Subhash Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shii Darshan Kumar, and Ram Prakash, Tilak. Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

House is situated at Mahavir Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 15-1-1986

Seal '

### (1) Kedar Pissad Shukla

(Transefro)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) President Sheetleshwar Grih Nirman Sahkari Sanstha, Thro' Shri Rakesh Thakur. (Transferec)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

phopal, the 15th January 1986

Rcf No IAC/Acqn Bpl/6278.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have cason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No land Ish. to 322/1 tuated at Vill Chota Bagaida Indore exceeding

(and more tully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at larger on May, 1985

for an apparent consider ion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Oiections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date or date or the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same monning as given in that Chapter

### THE SCHEDULL

Agricultural land Kh. No. 352/1 is situated at vill Chotabagarda, Indore. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 15-1 1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6279.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. TS-1 and the house thereon situated at Scheme No.
31, 1.D.A. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of Registering Officer at Indoe on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentment or any income or moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s Digvijav Road Sellers Thro' Partner: T. S. Murti & Manish Trust, through Trustee: Shi. Kantilal, S/o Vithaldas Shah, 15, Sitabagh, Indore.
- (2) Mohd. Hussain & Albarali. S/o Shri Kadarbhai, 274, Jawahar Marg, Indore,

(Transferee)

('Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. TS-1 & House thereon is situated at Scheme No. 31 of Indore Development Authority, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 15-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6280.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. TS-I & House thereon situated at Scheme No. 31.

I.D.A., Indore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Digvijay Road Sellers, Thro' T. S. Murti, R/o Plot No. TS-1 Indore Development Authority Scheme No. 31, Indore.

(Transferor)

(2) Shyamlal, S/o Gendala Zakir Hussain.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undertigued---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. TS-I & Bldg, thereon is situated at Scheme No. 31 of Indore development Authority, Indore. This is the immovab'e property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. !AC Acqn/Bpl./6281.--Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVÁ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plot No. 1-C & bldg, thereon situated at Scheme No. 31, Indore Development Authority, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indote in May, 1.85

Indo:e in May, 1.85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration to the consid more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trussfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 // 1957);

(1) Shri Moolchand, S/o Parasramji Sachhdev, R/o House No. 56, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Nateshkumar, S/o Shri Bhimandasji, R/o Palsikar Colony (H. No. 38), Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1-C & the bldg, thereon is situated at Scheme No. 31 of Indore Development Authority, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-6 duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

new, mer store, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 15-1-1986

### FORM ITNO-

Smt. Rukmani,
 W/o Shri Tikamdasji Hinduja,
 Chandralok Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Shantadevi, W/o Sumatichandji Sutalia, 10/2, Ushaganj, Indore.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6282.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 8 & house thereon situated at Manoramagani, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of

  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning re given
in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 8 & house thereon is situated at Manoramagani, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6283.—Whereas, I. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 45, (Sector-A) & House thereon situated at Vaishali

Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lightility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Shri Construction & Builders, Thro Partner: Sumangalini Mukadnarad, Payal Shridhar Trivedi
 Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Madhaylal, S/o Shri Chaganlalii Verma, 30-B. Radnanager Extension, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot No. 45 & House thereon is situated at Sector-A, Vaishali Nagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Data: 15-1-1986 Seal:

### FORM I.T.N.S.—

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6284.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 57 (Old) & New No. 3/1 situated at Race Course Road, Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May/1985 for an apparent consideration which is less than the first and the said of the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

79-466 GI/85

(1) Shri Vasant S/o Shri Dattatrayaji Bhaleraoji, 2. Smt. Bindu Madhav S/o Shri Basant, 3. Shri Nath Madhav S/o Shri Basant, R/o 43, Sutar Gali, Indore.

(Transferor)

(2) Rishabh Grih Nirman Sahkar Sanstha Maryadit, Indore Thro' President Shri Surendra Kumar Sanghvi S/o Shri Jayantilaji Sanghvi, R/o Jawahar Marg, H. No. 13-14, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 57-old (New No. 3/1) is situated at Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 15/1/1986

NOTICE UNDFR SECTION 269D(!) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6285—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot situated at Udhyog Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

able property, having a fair market value exceeding

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and less
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kiratraj Kauromal C/o Chimandas Valiram, 38, Telgali, Indore.
 Shri Jaipal Dass, 38, Jairampur Colony Indore.
 Shri Murlidas -S/o Shri Kauromal C/o Shri Chimanda, Valiram, 38, Telgali, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrakala W/o Shri Maheshkumar, 25, Agrawal Nagar, Indore.
2. Smt. Shantidevi W/o Shri Ramswarup, 3 Smt. Vandana Devi W/o Shri Satish, 25 Agrawal Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections if in, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot is situated at Udhyog Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6286.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land at Bahadurpur (Burhanpur) situated at Vill. Bahadur-

pur Burhanpur Vill.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tak under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Km. Hansabai D/o Shri Kishandas Pratap 2. Miss Rashmi D/o Shri Kishandas Pratap, Both R/o Rajpura, Burhanpur.

(Transferor)

(2) Shri Pandri S/o Shri Balchand Mahajan, 2. Shri Tarachand S/o Shri Pandri Mahajan, Both R/o Niyamatpura, Burhanpur, Dist. Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION: in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land is situated at Vill. Bahadurpur, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Insome-tax, Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopai

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6287.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No House No 208-A (Ground floor) situated at Palsikar colony

Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax . Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Pandrinath S/o Shri Nathuji Joshi, 208-A, Pasikar colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Govind S/o Shri Asandasji Chandani, 6, Nandlalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

House No. 208-A (Ground floor) is situated at Palsikar colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills · Bhopal

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6288.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 26 situated at Baksni Colony Extension, Sadar

Bazar Area, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore

in May, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Dr. Mahendra S/o Shri Ganpatrao Nadkarni, R/o 31-C, Mangareesh Premise's Co-op. Society, M. M. Chotani Road, (X. Ledy Jamshedji Road), Mahim, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Vijayvargiya W/o Shri Laxminarayan Vijayvargiya, H. No. 79, Narayanbagh, Indore.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from. the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 26 is situated at Bakshi Colony Extension, Sadar Bazar Area, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 15-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6289.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

v. P. SHRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
House No. 208-A (1st floor) situated at Palsikar colony

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Possem, namely :--

(1) Shri Pandrinath S/o Shri Nathuji Joshi, R/o 208-A, Palsikar colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri VishnuS/o Shri Assandas Chandanı,6. Nandlalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 208-A (1st floor) is situated at Palsikar colony, Indore This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 15/1/1986

The second secon

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6290.—Whereas, I. V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 25 situated at Madhavnagar, Freeganj, Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore
in May/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Mathuralal Ganpatji Karta Bhagwandas S/o Shri Phoolchandji, R/o Jawahar Marg, Sonkachh, Dist. Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Kumar S/o Shri Tirathramji Narang R/o Behind Collector's Bungalow, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 25 is situated at Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 15/1/1986

Seal

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF 'INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

8006

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6291.—Whereas, I. V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have neason to believe that the memovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 25 situated at Madhavnagar, Freegani, Unit (and more fully described in the Sendulle annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Mathuralal Ganpatji Karta Bhagwandas S/o Shri Phoolchandji, R/o Jawahar Marg, Sonkachh, Dist. Dewas.

(Transferor)

PART III-SEC 1

(2) Shri Triloknath
S/o Shri Tirathramji Narang
R/o Behind Collector's Bungalow, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 25 is situated at Madhav Nagar, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 15/1/1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6292.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. Old 44, 45/1, 59/1, 49/2 & 75/11 & Ashok Talkies thereon situated at Kallanganj Ward, Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May/1985 for an annarent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for so n transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely:—
80—466 GI/85

(1) M/s. Ashok Talkies,
Regd. firm Thro' Partner:
Shri Hemchandra Sethi and Partners total
Shri Nandram Sethi,
11, Padava Road,
Khandwa.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarayan,
 Shri Mohanlal,
 Shri Basantkumar
 S/o Shri Baluram Choubey,
 R/o Jaswadi Road,
 Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. Old 44, 45/1, 49/1, 49/2 & 75/11 & Ashok Talkies Thereon is situated at Kalingaj Ward, Khandwa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 15/1/1986

### FORM I.T.N.S .--

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th January 1986

IAC/Acqn./Bpl./6293.--Whereas, I, V. P. SHRIVASŤAVÁ,

v. P. SHRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agricultural land Survey No. 145/2 situated at Talaweli

Chauda, Teh. Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Texaster with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Shri Gurucharan Singh S/o Shri Sardar Singh, 57, New Dewas Road, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Arunkumar S/o Shri Joharilalji Jhanjaria, 2. Shri Pramodkumar S/o Shri Pramsukhji Jhanjaria, R/o 494, M. G. Marg, Indore. 3. Shri Kirtikumar S/o Shri Babulalji Jhanjaria, R/o 24, Chain Singh Ka Bagicha,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immuvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Survey No. 145/2 is situated at Talawali Chanda, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 16-1-1986

#### FORM I.T.N.S. 187————

NOTICE UNDER SECTION 2000(1) OF THE INCCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl /6294.--Whereas, I,

No. IAC/Acqui./Bpi/6294.—Whereas, 1, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 60 situated at New Dewas Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis.ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acrespect of any income arising from the tran

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Moolchand S/o Shri Ramchandra, 2. Shri Sunderlal, 3. Shri Narendrakumar, 4. Shri Azad Kumar, 5. Shri Ashok Kumar S/o Shri Mookhandji, 6. Shri Rakesh S/o Shri Sunderlalji R/o 51, Siyaganj, Indore, Partnership firm M/s. Sunderlalji Moolchandji Jain, 31, Kachhi Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal S/o Shri Damodardas Pandya, 2. Shri Vipin Kumar, 3. Shri Pradeepkumar, 4. Shri Kirit Kumar S/o Shri Shantilal Pandya, 25, Jai Builders colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte.

### THE SCHEDULE

Plot No. 60 is situated at New Dewas Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this profiles and section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15/1/1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6295.—Whereas, I, V, P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (incremater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immercable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 10/2 (Flat No. 2) situated at South Tukaganj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of zansfer with the object of :-

- (a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i asseby initiate proceedings for the acquisition of the aforese roperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Madhav Goswami S/o Shriniwas Goswami, R/o 10/2, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

 Dr. Smt. Neeta Natu W/o Shri Vijay Nathu, R/o 10/2, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official-Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 10/2 (Flat No. 2) is situated at South Tukoganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 15/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/6296.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

v. P. SHRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1 TS & Bldg. thereon situated at Scheme No. 31 of Indore Development Authority, Indoie (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May 1985 at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Ms. Digvijay Road Sellers Through Partner: Shri T. S. Murti, T.S.I. Scheme No. 31 of Indore Development Authority, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sharifa Bai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1, T.S. & Bldg. thereon is situated at Scheme No. 31 of Indore Development Authority, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Ttax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 15-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6297.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6297.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1 TS & Bldg. thereon situated at Indore (Scheme No. 31 of IDA) (and more fu'ly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May, 1985

at Indore in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration consideration for such the second consideration for such the second consideration and that the consideration consideration for such the second consideration for such that the second consideration for such that the second consideration considera and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Ms. Digvijay Road Sellers Through Partner: ShriT. S. Murti, I. T. S. Development Authority, Scheme No. 31 of Indore, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Hamidabai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1, T.S. & the Building thereon is situated at Scheme No. 31 of Indore Development Authority, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Ttax Building Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6298.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Plot No. 426 & the house thereon situated at Usha Nagar Extension colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect, of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jamna Prasad S/o Shri Shivdayal Sahu R/o 11, Hemsan Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kumud W/o Shri Surendra Kumar Kotiya R/o State Bank of India, Do Batti Chowraha, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovability property within 45 days from the date of the pulse cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 426 & the house thereon is situated at Usha Nagar Extension Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Ttax Building
Near Central India Floor Mills

Date: 15-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acan/Bp!/6299.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA. b ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House bearing No. 48 situated at Chhoti Gwaltoli, Main Road, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore in May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Anandi Sharma W/o Shri Surajmal Sharma Harish & Harsha S/o Shri Surojmal Sharma R/o 19/2, Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Khushiram S/o Shrì Amichand Dawai, 10/5, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Seal EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing Mun. No. 48 is situated at Chhoti Gwaltoli, Main Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mill Bhopai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to be following nercons, namely :-

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6300.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 5 (Second floor), Sai Apartment situated at 10/2 South Tukoganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsestion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Madhav, S/o Shri Shriniwas Goswami, R/o 10/2, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Bharti, W/o Shri Prafullkumar Daye, R/o 10/2, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5 (Second floor) is situated at 10/2, South Tukoganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills Bhopal

Date: 15-1-1986

Seal:

\$1-466 GT/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6301.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plet No. 60 situated at New Dewes Read, Indere
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registration efficer
at Indore in May, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the orderty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 1590 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the ramisition of the adorsaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the fell wang section, namely:—

Shri Bhailal Bhai
 S/o Shri Jevar Bhai Patel
 Vir Savarkar Market,
 Indore.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal
So Shri Damodardas Pandya
Virit Kumar 3. Pradeep Kumar
4. Kirit Kumar 3/o Shantilal Pandya,
25, Jai Builders Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 60 is situated at New Dewas Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 15-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6302.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

v. P. SHRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 25 (Ground floor) situated at Ward No. 4, Ratlam

House No. 25 (Ground floor) situated at Ward No. 4, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri W. G. Pacheko, S/o D. S. Pacheko (Christian), 25, Datki Pul Road, Ratlam.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hakimuddin,
  - Mustaffa S/o Haji Akbar Bhai Bohra, Barudwala, Bohra Bakhel, Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 25, (Ground floor) is situated at Ward No. 4, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Mills, Bhopal

Date: 15-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6303.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 27 (1st floor) situated at Ward No. 4, Datki Pul

Road, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaxl property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri R. A. Pacheko, S/o Shri D. M. Pacheko, R/o 27, Datke Pul Road, Ratlam.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hakimuddin 2. Mustaffa S/o Haji Akbar Bhai Bohra, Barud Wala, Bohra Bakhel, Chadni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 27 (1st floor) is situated at Ward No. 4, Datki Pul Road, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Mills, Bhopal

Date: 15-1-86

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6304.—Whereas I. V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 136 situated at Gopal Mandir Marg, Bada Sarafa,

Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamlabai W/o Chiranjilal Jain, R/o H. No. 2, Neelkant Colony, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh (Minor) S/o Hiralal, Guardian & father\_Shri Hiralal, R/o Vill. Badai, Teh. Badnagar, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

—: pendianopum out of Suntana m opms of Aust

- (a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 136 is situated at Gopal Mandir Marg, Bada Sarafa, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:

Date: 15-1-86

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Sam S/o Darvasha Dalal R/o Ratlam.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Central Construction, Ratlam.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6305.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 154 situated at New Road, Ratlam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ratlam on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fasilitating the reduction or evasion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the ateresaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 154 is situated at New Road, Ratlam. This is the immoable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Mills, Bhopa<sup>1</sup>

Date: 15-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961-143 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Mathuralal Ganpatji Karta Bnagwandas S/o Shri Phoolchandji R/o Jawahar Marg, Sonkachh, Dist. Dewas. (Transferor)

(2) Shri Ramniwas S/o Shri Tirathramji Narang, R/o Behind Collector's Bungalow, Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6306.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, v. r. SPIRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 25 situated at Madhav Nagar, Ujjain (Freeganj) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlo

4b) facilitating the concealment of any income or any suggests or rather assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afercaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 25 is situated at Madhav Nagar, Freeganj, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Mills, Bhopal

Date: 15-1-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF ENDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6307.—Whereas I, P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Sestion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Open plot No. 350, situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on May 1985

8022

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- 1) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (i) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dr. Vijaya Kumari Gopalan, D/o Dr. E. Gopalan, R/o Ratlam (MP).

(Transferer)

(2) M/s. Anant Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit 8, Jaora Compound, Indore. Thro' President Shri Dayaldas S/o Sh. Jethanand Chawla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from he service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot No. 350 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Mills, Bhopal

Date: 23-12-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6308.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

v. P. SHRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open plot No. 11/4 of M. H. No. 11/5 situated at South Tukarani Indexani Indexan

Tukoganj, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

82-466 GI/85

'(1) Smt. Kaushalyabai W/o Sh. Krishnaraoji Gawde R/o 11/5, South Tukoganj, Indore.

(2) 1. Shri Tulsidas S/o Shri Tikamdas Hinduja Smt. Gita W/o Shri Tulsidas Hinduja
 Shri Pradeep S/o Tulsidas Hinduja

R/o 153, Saket Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot No. 11/4 of M. H. No. 11/5 is situated at South Tukoganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Mills, Bhopal

Date: 23-12-85

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Kaushalyabhai W/o Shri Krishnaraoji Gawde, R/o 11/5, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 23rd December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6309.—Whereas I,

V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Open plot No. 11/2 of M.H. No. 11/5 situated at South

Tukoganj, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as served to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weslib-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) 1. Shri Devendra Kumar S/o Shri Ghanshyam Bhai Mistry, Smt. Anusuja W/o Shri Praveenkumar Mistry, R/o 6, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcis of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot No. 11/2 of M.H. No. 11/5 is situated at South Tukogani, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Mills. Bhopal

Date: 23-12-85

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6310.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 9/3 situated at Vill. Damkhera, Teh. Huzur, Phoen!

Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on May, 1985 fot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Pyarelal S/o Chhoteram, R/O Damkhera, Teh. Huzur, Bhopal.

(Transferor)

(2) M/s. Rajhersh Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, 17/16, South T. T. Nagar, Bhopal. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 9/3, is situated at vill. Damkhera, Teh. Huzur, Bhopal This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
> Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills. Bhopal

Date: 17-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second section of the sect

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1986

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./6311.—Whereas I, Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6311.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Land kh. No. 9/3 situated at Vill. Damkhera, Teh. Huzur,

Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Pyarelal S/o Chhoteram, R/o Damkhera, Teh. Huzur, Bhopal.

(Transferor)

(2) M/s. Rajhersh Grih Ni:man Sahkari Sanstha Maryadit, 17/16, South T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation. The terms and explications used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 9/3, is situated at Vill. Damkhera, Teh. Huzur. Bhopal This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Builds Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 17-1-1986

The contract of a second contract of the contr

#### FORM ITNS

to an experiment is made the control of the definition of the control of the cont

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6312.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sait Act'), have reason to believe that hte immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 31/352 situated at Naya Bazar, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering fficer

Gwalior on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arrets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Dr. Ramdas Gupta S/o Kedarnath Gupta, R/o Sadar Bazar, Murena.

(Transferor)

(2) Smt. Shantibai W/o Shri Shriramji, R/O Sarafa Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 31/352, is situated at Naya Bazar. Lashkar. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills. Bhopal

Date: 17-1-1986

(1) Dr. Ramdas Gupta S/o Kedarnath Gupta, Smt. Anandibai W/O Shri Kedarnath Gupta, R/o Sadar Bazar, Murena,

(Transferor)

(2) Shri Sandeep Mittal S/O Shri Shriram Mittal, Sarafa Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6313.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding.
Rs. 1.00,000/- and bearing.
House No. 31/352 situated at Naya Bazar, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of svasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer and/or

th) Yacilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 31/352, is situated at Naya Bazar, Lashkar. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Mills. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-persons, namely '—

Date: 17-1-1986

Scal:

(1) Smt. Tofiq Jehan Begum W/o Ishaq Ali Beg, R/o Shoukat Mahal, Bhopal.

(Transferor)

8029

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6314.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Building and land (Habib Manzil) situated at Idgah Hills,

Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on May, 1985 for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, as pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely: (2) 1. Shri Baboolal Agarwal S/o Shri Kisandasji,

Smt. Taradevi
 Shri Rajmohan

4. Smt. Bela Agarwal, 5. Shri Shashimohan

6. Smt. Neelam

Shri Jagmohan.

7. Shri Jaginonan.

8. Smt. Varsha Agarwal,
R/O Chowk Bazar, Bhopal (M.P.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building & land (Habib Manzil) is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 17-1-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6315.-Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 107 (scheme No. 19), situated at Major Shopping Centre, Zone No. II, Habibganj, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the registering Officer at

of 1908) in the Office of the registering Officer at

and/or

bhopal on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Badri Vishal Bhargava S/o Shri Radhavallabh Bhargava, Deepak Kumar Bhargava, S/O late Shri G. S. Bhargava, R/O D-100/46, Shivajinagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Syed Ghazaufar Ali S/o Syed Yakub Ali, Farzana Saheen Ali W/o Syed Ghazaufar Ali, Master Syed Gazi Ali and Syed Gamin Ali S/o and under guardianship of Syed Ghazanfar Ali, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 107, Scheme No. 19, is situated at Major shopping Centre Zone No. 11, Habibganj, Bhopal. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
A Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Mills. Bhopal

Date: 17-1-1986

#### (1) Shri Satyadeo Mehta S/o Shri M. L. Mehta, R/O Mahadev Apartment, E-5, Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) 1. Smt. Saroj Agarwal W/O Shivmohan Agarwal, Smt. Sandhya Agarwal W/O Shri Mahesh Chand, R/O Chowk, Bhopal. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P. Bhopal, the 17th January 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6316.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 127, situated at Major shopping Centre, Zone No.

II) Habibganj, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bhopal on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SHEDULE

Plot No. 127, is situated at Major Shopping Centre, Zone No. II, Habibganj, Bhopal. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-83-466 GI/85

Date: 17-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th January 1986

Ref. No. IAC/Acq./BPL./6317.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Bungalow & Open land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

((1) 1. Shri Sadashiv S/o Ramchandra Rao Gokhale, Hariganj, Khandwa.

2. Raghunath S/o Ramchandra Rao 3. Vinayak Rao S/o Ramchandra Rao,

Hariganj, Khandwa.

(Transferor)

Smt. Lalitadevi W/o Nitin Kumar Jain 42, Ramkrishnagani, Khandwa.
 Harakchand S/o Phoolchand, Kaharwadi, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as Chapter XXA of the said are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow & Open land is situated at Neelkanteshwar Ward, Khandwa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Ir recting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Mills, Bhopal

Date: 15-1-86

25 14

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 16th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6318.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 249R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value succeeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 6 (ground floor) of Jhabua Towers, 170, R. N. T.

Marg, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Section 269AB of the 'Said Act' in the office of the Competent Authority at Bhopal in May 1985

competent Authority at Bhopai in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the 'Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kalyanmal Garg, 28, Sarvodaya Nagar, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6 (ground floor) of Jhabua Towers is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date: 16-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., Indore

(Transferor)

(2) Dr. Anil Tyagi, Dr. (Mrs.) Meena Tyagi, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 16th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6319.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 16 (ground floor) of Jhabua Towers, 170, R.N.T.

Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Section 269AB of the 'Said Act' in the office of the

Competent Authority at Bhopal in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 16 in ground floor of Jhabua Towers is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following v-rsons, namely :-

Date: 16-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 16th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6320.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 11 (ground floor) of Jhabua Towers, 170 R.N.T.

Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been register red under Section 269AB of the 'Said Act' in the office of the Competent Authority at Bhopal in May 1985

Competent Authority at Bhopal in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., Indore.

(Transferor)

(2) Shri Premnarayan Awasthi, 153, Radio Colony, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 11 in ground floor of Jhabua Towers is situated at 170, R.N.T. Marg, ndore.

V. P. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date: 16-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 16th January 1986

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6321.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 2A (1st floor) Jhabua Towers, 170, R.N.T. Marg, Indone

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the said Act

has been transferred under Section 269AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registe red under Section 269AB of the 'Said Act' in the office of the Competent Authority at Bhopal in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to 'believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.. Indore
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Chandra Jain Wo Shri R. C. Jain, 17, Vinay Building, B, Builders Colony, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 2-A 1st floor) of Jhabua Towers is situated at 170, R.N.T. Marg Indore.

> V. P. SHRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 16-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1901)

#### (1) M/s. Raj Enterprises.

(2) Smt. Sarita Suresh Vaidya & Shri Suresh K. Vaidya.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6751/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing C.S. No. 1633 of Mahim Division, Final Plot

No. TPS Mahim, Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from: the service of notice constitue respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said imanoable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing C.S. No. 1633 of Mahim Division and Final Plot No. 206 of T.P.S. IV Mahim together with house standing thereon situate lying and being at D.L. Vaidya Road, Dadar, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6217/84-85 on 13-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1986

Scal:

(1) Smt. Virmati J. Bhagat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6734/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marke: value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, Radhey Vallabh CHSL situated at Opera House,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said properties may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression as are defined in Chapter XXx of the said Act, shall have the same meaning as given it that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on the 4th floor, Radhey Vallabh Co-op. Housing Society Ltd., French Bridge, Opera House, Bombay-400004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6203/85-86 on 21-3-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, named :--

Date: 9-1-1986

(1) Shri Vallabhdas Dharamsev.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6546/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Room No. 7, Shanti Bhuvan situated at Old Hanuman Lane,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-1985

Bombay on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 7 Shanti Bhuvan, Old Hanuman I ane, Bombay-400002

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6075/85-86 on 10-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, ramely :--

84-466 GI85

Date: 10-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6750/85-86.—Whereas. I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing Piece and Parcel of land bearing Final Plot No. 1117, situated at Prabhadevi, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and transferee has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Smt. Malti R. Naik,

2. Smt. Anjani A. Patil, 3. Smt. Kumudini R. Naik,

4. Smt. Vaijayanti (Rajani) P. Mali.

5. Smt. Vinodini M. Paralkar,

Shri Pratap R. Naik,
 Shri Anil R. Naik,

8. Shri Sunil R. Naik

(Transferor)

(2) Annapurna Mahila Mandal Trust.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece and Parcel of land bearing Final Plot No. 117, C.S. No. 1689 of Lower Parel Division. TPS IV, Murar Dhag Marg, Prabhadevi, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6216/84-85 on 27-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 7-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Tulsidas Purshottam Suchak.

8041

(2) M/s. Electrometaline Corporation.

(Transferor)
(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6580/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit Nc. 6, I axmi Industrial Estate, situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 18-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Industrial Unit No. 6, Laxmi Industrial Premises Society, Ferguson Road, Gowalia Hanuman Gully, behind Sayaji Mllis Lower Parel, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6111/84-85 on 13-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section ?69D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

(1) Mrs. Asha Anil Lonavat.

(Transferor)

(2) Mrs. Jash Hiro Thadani & Mr. Hiro Mulchand Thadani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6561/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 32. Rajat Apartments situated at Mt. Pleasant Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay in May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to polieve that the fair market value of the property as afore-asid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or liber assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period cf 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that . howers

#### THE SCHEDULE

Flat No. 32 on the 3rd floor at Rajat Apartments. Mount Pleasant Road, Malabar Hill. Bombay-400006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6096/85-86 on 14-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 9-1-1986

(1) M/s Mysore Plywood Corporation.

(Transferor)

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6752/84-85.—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing

No. Flat No. 301, Bombay Central Sahara CHSL

situated at Dr. Anantrao Nayer Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec'ion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reductive or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :--

(2) Miss Perin J. Sanjana and Miss Zarin J. Sanjana.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, Bombay Central Sahara Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 45 Dr. Anantrao Nayer Road, Opp. Nayer Hospital, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6218/85-86 on 27-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-1-1986

(1) M/s Shri Sai Cornoration.

(Transferor)

(2) M/s Joint Plant Committee.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-I** BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6439, 84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Office No. 91/91, Mittal Chamber

situated at Narlman Point,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 8-5-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 91 & 91A. 9th floor, Mittal Chambers, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6012/85-86 on 3-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 9-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

#### (1) M/s K. Electricals (HUF) Ravi Kumar Tejuja (Minor).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s Jetron Laboratories Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6392/84-85,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 38 Atlanta Bldg.

situated at Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB o fthe Income-tax Act. 1961 in the office the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian France for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 38 on the third floor, Atlanta Premises Co-op. Society Ltd.. Plot No. 209, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5978/85-86 on 1-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namels:

Date: 9-1-1986

and the second s

FORM I.T.N.S .--

(4) Bombay Gas P. L. C.

(3) Transferee.

(2) Woodlands Associates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6529/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

hisAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat No. 17c/18c, Woodlands

situated at Pedder Road,

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income of Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Flat No. 17c/18c alongwith two open garages in Woodlands, Pedder Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 6078/85-86 on 13-8-85.

NISAR AHMED Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 9-1-1986

(1) Mr. Bipin Babulal Mehta and Mr. Nitin Babulal Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vandana Vinayak Samant.

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(Transferent

(3) Mrs. V. B. Saman.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6675/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 6. Ajoemal Mansion

situated at Pedder Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec ion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Ajoomal Mansion, 22, Pedder Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6184/85-86 on 20-5-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-85-466 GJ/82

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

. Date: 9-1-1986

beal:

(1) Navin Jethalal Furia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Moontex.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6589/84-85.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 401, Ajay Service Ind.

situated at Premises Mazgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB o fthe Income-tax Act, 1961 in the office the Competent Authority, at Bombay on 16-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/o
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys er other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 401, Ajay Service Ind. Premises Co-op. Society Ltd., Amjir Wadi, Dr. Mascarenhas Road, Mazgaon, Bom-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6115A/85-86 on 16-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-1-1986 Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVRENNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/5141/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, Darya Mahal A situated at Napeansea Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and us
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vidya Sagar Dawan, Smt. Sarla Dhawan.

(Transferor)

(2) Radheshyam G Bajaj, Girdharidas S Bajaj, Smt. Savitribai G Bajaj, Shakuntala G Bajaj.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)
(4) Sagar Teerth CHSL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 17th floor, Darya Mahal A, Napeansea Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6456/85-86 on 14-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-1-1986.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/5286/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 5, Anita Bldg. situated at Mount Pleasant Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 20-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

transfer with the object of :--

the parties has not been truly stated in the said instrument of

(h) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any reconcers or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Sewakram G Mahtani. through his CA Mr. Gobind K Daryanani. (Transferor)

(2) Hindustan I ever Limited.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 'Anita' 3/359, Mount Pleasant Road, Bombay-400 006

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay, under Serial No. AR-I/6430/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1986.

#### (1) M/s. Maryland Construction Co. Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Shri Jagdish Chimanlal Shah.

may be made in writing to the undersigned:---

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6506/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, on F.P. No. 747 & 749 situated at Dadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 1st floor on F.P. No. 747 & 749, T.P.S. IV, Mahim area, S V Sawarkar Marg, Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6054/85-86 on 9-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-1986.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF DIDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6528/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

Residential bldg. with servants quarters, garage structure Matunga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to puy tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bombay Gas PLC.

(Transferor)

(2) Woodlands Associates Pvt. Ltd., Nominees of M1 Gautam Kumar Nemani. (Transferee)

(3) Bombay Gas PLC.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period off 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential building with servants quarters, garage structure at 31, Bhau Daji Road. Matunga, Bombay-19.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6077/84-85 on 13-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1986.

(1) Shri Narendra Mulji.

(Transferor)

(2) Smt. Devkiben Damji Shah & Shrı Damji V Shah.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6395/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 6, Mangaram Nivas situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6 on the 2nd floor, Mangaram Nivas, Plot No. 281, East of Sion Matunga Scheme No. VI, C.S. No. 581 of Sion Division. Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5980/85-86 on 1-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1986.

(1) Shri Navin J Furia.

(2) M/s Sagar Dresses.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6662/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Unit No. 402, Ajay Indl. Estate situated at Mazgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any

Unit No. 402, 4th floor, Ajay Indl. Estate, Ajay Indl. Premises Co-op. Soc. Anjirwadi, Dr. Marcarehans Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

NISAR AHMED Competent Authority Inspeccing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accression property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1986,

and the same of the same of the same of the

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6466/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 1106, Raheja Centre situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 'ct, I sereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

86-466 GI/85

- (1) (1) International Meditek Pvt. Ltd.
  - (Transferor)
- (2) Kanika Maritime & Mercantiles Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 1106 on the 11th floor of the building known as 'Raheja Centre' situated at 214, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6026/85-86 on 6-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-1-1986.

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6503/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land with building standing thereon known as 'Krishnaraj

Building' situated at Walkeshwar oRad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority. at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) Mr. Arunkumar G Mulani & Krishnaraj G Mulani.
- (Transferor) (Transferor)

  (2) Seth Zaveichand P S Jain, Shri Bhavin M Patel,
  Smt. Meenal D Shah, Smt. Kallashben J Shah
  Shri Sambhubhai M Patel, Smt. Induben R Shag,
  Shri Jayendra R Haveri Smt. Pushpaben M.
  Singhania, Shri Amarchand R Jhaveri, Shri Bachubhai, P Jhaveri, Smt. Indumati R Desai &
  Shri Kishanlal Chetandas.

(Transferee) (3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building standing thereon known as 'Krishnaraj Building' situate lying and being at Walkeshwar Road of Malabar & Cumballa Hill Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6052/85-86 on 9-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-1-1986.

#### 8057

#### FORM ITNS-

(1) Mrs. Renu J Sadarangani.

(Transferor)

(2) Hindustan Lever Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY** 

Bombay, the 9th January 1986

f. No. AR-I/37EE/6741/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 65, Dariya Mahal 'A' situated at Napeansea Road (and more fully described in the Schedule appared by the said of the schedule appared by the said of the sa

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 22-5-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitaing an reduction or evasion of the transferor to pay tax under the ect of any income arising from the

#### THE SCHEDULE

ib) facilitating the concealment of any income or a moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 65, Dariya Mahal, A, 80, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6210/85-86 on 22-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C at the s Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-1-1986.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Mr. Nagindas V. Kantawalla, Mr. Pravin N. Kantawalla, Mrs. Kalpana P. Kantawalla.

(Transferor)

(2) M18 Nilesh G. Lunia & Mrs. Sanjay G. Dunia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6669/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herainafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 72. Shivnor Building situated at Napeansea Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-5-1985

some ay on 20-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inflicova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer and or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 of 1957).

#### THE SCHEDULE

Flat No. 72, Shivnor Building, Shivshibir Co-op. Hsg. Society Ltd., 84-B, Napeansea Road, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6178/85-86 on 20-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

Date: 13-1-1986

(1) Mrs. Rasila R. Shah.

(Transferor)

(2) Mr. P. J. Gavaskar.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

**BOMBAY** 

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6444/84-85.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the mmevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Sukh Shanti Bldg. situated at Dadar (and more fully described in the Schedule aunexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,

at Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. ported expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein EXPLANATION :are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 3rd floor in Sukh Shanti, 870, Gokhale Road, Cross Lane No. 2, Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6017/85-86 on 6-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 13-1-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6574/84-85.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the ('ompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. CS. No. 4233 of Bhuleshwar Divn. situated at Saifee Jubilee Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-5-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Tarabai Salebhai Electricwalla.

(Transferor)

(2) Ibrahim Alimohamed & Ismail Alimohamed.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Piece or parcel of quit and ground rent land or ground with structures standing thereon situate lying and being at Saifee Jubilee Street, bearing Old Survey No. 4409 and bearing CS. No. 4233 of Bhuleshwar Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6105/85-86 on 13-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 13-1-1986

Scal:

(1) M/s. Hindustan Engineering Works Kamal Kumar Tejuja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Jetron Laboratories Pvt. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6562/84-85,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 31, Atlanta Building situated at Nariman Point,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

No., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 31, Atlanta Building, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No., AR-I/6097/85-86 on 13-5-85,

NISAR AHMED-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Date: 13-1-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6509/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Shares of Huseini Lakda Bazar Pvt. Ltd. situated at Ballasis Road. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bembay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (h) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Ahmed Kaderbhai Hirani, Shri Turab K. Gadiwala & Shri Saifuddin A. Lakdawala.

(Transferor)

(2) Shri Saifuddin A. Lakdawala & Shri Abbas S. Lakdawala.

(Transferee)

(3) M/s. A. M. Lakdawala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 shares of Huseini Lakda Bazar Pvt. Ltd., Belasis Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6057/85-86 on 9-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 13-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6400/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 604, Ziya Brilding situated at Bellasis Road, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1985

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—87—466 GI/85

(1) Mr. Suleman Ooomar Lakdawala.

(Transferor)

(2) Mr. Mohamed Siddiq Alimohamed.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Zillani Builders.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 604 on 6th floor, Ziya Manzil B Wing, Belasis Road, Cadastral Survey No. 364 of Byculla Division, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5982/85-86 on 1-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 13-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

**Ref.** No. AR-I/37FE/6425/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 105. Sindhu Apartments situated at Chunabhatti,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been study stated in the said instrument of variety with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely:-

(1) Shri Jamnadas Gordhandas Wadera & Smt. Bhagyavanii J. Wadera.

(Transferor)

(2) Shri Samuel Thakchan & Smt. Valsamma Thakachan.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Sindhu Apartments Co-operative Housing Society Ltd., Narayan Nagar, Opp. C.T.I., Chuna-Bhatti Bombay-400022.

The statement has been registered by the Competent uthority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. Anthority AR-I//5998/85-86 on 3-5-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Mr. K. V. Kothari.

(Transferor)

(2) Mr. Heman M. Shah & Mr. Chetan M. Shah.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37FE/6595/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 402, Mahaveer Apairments situated at V. N. Puray

Marg, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Copetent Authority at

Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; audi or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 402. Ath floor, Mahaveer Apartments—New Shivam Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 292 (Pt.) V. N. Purav Marg Bombay-400022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6119/85-86 on 16-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1986

(1) Smt. Veena Harishchandra Jaggi.

(Transferor)

(2) Smt. Asharani Inderjit Ratti,

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE, 6398/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Tenement No. 263, Sardar Nagar IV situated at Sion-

Koliwada Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein is are defined in Chapter NXA of the said.

Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Tenement No. 263, Building No. 17. Sardar Nagar-IV, Sion-Keliwada. Bombay-400037.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay. under Serial No. AR-I/5981/85-86 on 1-5-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1986

### FORM I.T.N.S.——

(1) Shri V. Vinodkumer.

(Transferor)

(2) Shri Mafatlal A. Shah & Kamal M. Shah.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6594/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, Mahaveer Apartments situated at Sion, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Mahaveer Apartments, New Shivard Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 292 Part, V. N. Purav Marg, Sion-Chunabhatti. Bombay-400022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6118/85-86 on 16-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 13-1-1986

and a second support the second support the second second

(1) Shri D. R. Joshi.

(Transferor)

(2) Shri Gautam Chand Rikhabchand Seth, Asha G. Seth.

The Part of the State of the St

(Transferee) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OMMISSIONER OF INCOME-TAX .COUISTION RANGE-T. BOMBAY

Domoe, the 16th January 1986

Ref. No. AR-I 37EE, 6665/84-85.-Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Room No. 13, Gligania Maratha CH5L shuated at J.S. Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the moresaid persons within a period of 45 days from the dete of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 820 /UI

Room No. 13, Girgaum Maratha Co-operative Housing Society Ltd., Ram Niwas, 249, J.S Road, Bombay-400004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6174/85-86 on 20-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

. NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore in mirruance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 16-1-1986

#### .\_\_\_

### FORM ITNS-

(1) Smt. Nalini N. Marfatia & Shri Sandeep N. Marfatia.

(Transferor)

8069

(2) Smt. Vasant M. Popat, Shri Hemant M. Popat & Smt. Bina H. Popat.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EC/6443/84-85 —Whereas, J, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. C-1, Rasadhara CHSL situated at S.V.P. Road,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C-1 in Rasadhara Co-operative Housing Society Ltd., 385, S. V P. Road, Bombay-400004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6016/85-86 on 6-5-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-1-1986

### FORM I.I.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6522/84-85.--Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Building No. 14. Phoolwala House situated at Carpenter

Street, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chandrakant Ramchandra Bhujwal & Smt. Laxmibai C. Bhujwal.

(Transferor)

(2) Mehta & Sanghvi Associates & Partners (a) Dhawalchand S. Mehta & Kapoorchand A. Sanghyi.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building No. 14, Phool Wala House, 1st Carpenter Street, Bombay-400004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Seria! No. AR-I/6070/85-86 on 10-5-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2699D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

(1) M/s. Super Engineers.

(Transferor)

(2) Mrs. Roshan Shapur Irani.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE, 6593/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 302-B. Markar Mansion situated at Dadar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 302-B, Markar Mansion, Parsi Colony, Dadar, Bombay-400014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6117/85-86 on 16-5-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons narrows narrows 88—466 GI/85

Date: 13-1-1986

#### FORM ITNS----

(1 M/s. Poonam Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Prakash J. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6745/84-85---Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 102, Poeram Park situated at Lalbaug, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor of Building No. A-3 of Poonam Park, Plot No. 6, C.S. No. 7/50, Lalbaug Industrial Estate, Lalbaug, Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6211/85-86 on 27-5-1985.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuames or Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

FORM I.T.N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6487/84-85.--Whereas, I NISAR AHMED,

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6, Poonam Apts. B situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Raj Kumari Gupta

(Transferor)

(2) M/s. Levcon Instruments Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Ground floor, Poonam Apartments B, Off Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent

Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6058/85-86 on 1-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1986

(1) Mr. Mahendra A Vora

(Transferor)

(2) Shii Vadilal A Vora

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

### JFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6648/84-85.—Whereas, 1 NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269AB of the 'terome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to it the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. B 5, Matru Ashish Bldg, situated at Napeansea Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-5-1985

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the promestion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

### THE SCHEDULL

Flat No. B 5 on 11th floor, Matru Ashish, 39, Napeansea Road, Bombay-6.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6160/85-86 on 20-5-85

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE **INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6535/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 9, Prem Court situated at Pedder Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. S. R. Jariwala & Mrs. Usha S. Jariwala (Transferor)
- (2) Mr. Saurabh P. Shah & Mrs. Shilpa S. Shah (Transferee)
- (3) Transferees
  [Person(s) in occupation of the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9 in Prem Court, 5, Pedder Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6083/85-86 on 13-5-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-1-1986

(Transferee)

### FURM ITNS

(1) Shri Madhavan R. Nair.

(Transferor) (2) Mr. Narendra A. Powar & Mrs. Uma N. Powar.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6676/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 873, Adarsh Shramik CHS situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the aforesaid property, and I have reason aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Room No. 873 in Building No. 37, Adarsh Shramik Coop. Housing Society, Worli, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Pange-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6185/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-1-1986

the state of the s

(1) Shri Kotchu Koran Kumaran

may be made in writing to the undersigned :-

- (Transferor)
- (2) Smt. Manjularani Gupta & Shri Subhash C. Gupta (Transferee)
- (3) Transferees

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6644/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 11 Worli Shiv Shahi CHS situated at Dr. AB Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) by any of the aforesaid parmens within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whickever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Bldg. 14, Worli Shiv Shahi Co-op. Hsg. Society, Dr. A B Road, Opp. Glaxo Laboratories, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6157/85-86 on 20-5-85.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date: 13-1-1986

### The state of the s FORM ITNS-

(1) Mrs. Geeta R. Balchandani

(Transferor)

(2) Shri Sunder B Belani

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6623/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 15, SSS Nagar situated at Koliwada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limitality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

-ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 15, Room No. 6, SSS Nagar, Koliwada, Bombay-

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6143/85-86 on 13-5-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 13-1-1986

### FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Maratha Market Peoples Co-op. Bank Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(2) M/s. Jeejaee Estate

(Transferor)
(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37G/5229/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Author.ty under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C. S. No. 2085 of Bhuleshwar Din. situated at Thakurdwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsole property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1272/83 and registered on 2-5-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260°D of the said Act, to the following persons namely:—
89—466 GI/85

Date: 7-1-1986

### PORM ITMS-

### (1) M/s. Maratha Market Peoples Co-op. Bank Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :

(2) M/s. Jeejaee Estate

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5228/84-85.—Whereas I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
C. S. No. 2086, Bhuleshwar Divn situated at Thakurdwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more with a consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which exight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any off the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1270/83 and registered on 2-5-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5230/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C. S. No. 700 of Fort Division situated at Dr. D. N. Road

C. S. No. 700 of Fort Division situated at Dr. D. N. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2698 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Thomas Cook Travellers Cheques Limited (Transferor)
- (2) M/s. Thomas Cook (India) Limited

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1177/81 and registered on 31-5-1985 with the Sub-Registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-1-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF\_1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5231/84-85. - Whereas, I NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land with Sheds & Structures situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transformed.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax act, 1961 in the office of the Competent Autho-

Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personi namely:-

(1) Smt. Vasantben P. Thakkar, Shri Kirtikumar P. Thakkar, Smt. N. A. Thakkar & Ku. J. P. Thakkar, Kum. A. P. Thakkar

(Transferor)

(2) Shri T. V. Rukhane, Shri S. T. Dawde, Shri D. T. Dawda Shri H. J. Gaithesha Saurabh

(Transferee)

(3) Shri Y. V. Waghmare & Others (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM/1517/81 and registered on 17-5-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1986

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### **ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37G/5225/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C. S. No 2086 of Bhuleshwar Divn situated at Thakurdwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) M/s. The New India Assurance Co. Ltd.
- (Transferor) (2) M/s. Maratha Market Peoples Co-op. Bank Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 801/80 and registered on 2-5-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1986 Seal:

(1) Mrs. Ivy Ganpat Dadarkar.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Hariram Somaiya

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5232/84-85.--Whereas, I NISAR AHMED,

Authority under Section 269B being the Competent the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land with building 'Sunta' and other structures, Plot No.

238 situated at Sion-Matunga (East)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1461/82 and registered on 29-5-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-1986

### FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5226/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. No. 2085 of Bhuleshwar Divn. situated at Thakurdwar

C. S. No. 2085 of Bhuleshwar Divn. situated at Thakurdwar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration must than fifteen per cent of such apparent apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. The New India Assurance Co. Ltd.
(Transferor)

- (2) M/s. Marathe Market Peoples Co-op. Bank Ltd.
  (Transferee)
- (3) Tenants
  (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 802/80 and registered on 2-5-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

(1) M/s. Sarabhai Private Limited

(Transferor)

(2) M/s. Sarayu Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5234/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land with multi-storeyed residential building, C. S. No. 344 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Napeansea Road Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclowed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, vamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-1353/84 and registered on 30-5-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 14th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20097/84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 1087, Mahim Division, G-Ward No. 5285(2), 5286 at Dorseh St. Moking Republic

5286 at Dargah St., Mahim, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
90—466 GI/85

- (1) Mrs. Hajirbai Hajian.

(Transferor)

(2) Ibrahim Abdul Gaffar Merchant.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as reveris that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property bearing Cadastral S. No. 1087, Mahim Division, G-Ward No. 5285(2) 5286 and Street Nos. 24, 25, 25A, 26 at Dargarh Street, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20097/84-85 on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1986

### FORM ITNS----

enganganishtematikan panyara sahadana etkitaina are manyangangahikan arias NY - Arias ati sa isi satur ter unpanyanyan arias asar eti satu - ar asar a

(1) M/s Kherani Crasto Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ronold Vincent Sequeira and Smt. Desley A. Sequeira.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20104/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, Mariren TPS III, Bandra, Bombay-50,

Flat No. 501, Mariren TPS III, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax unde the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, of the building 'Mariden' F.P. No. 371, TPS III, 16th Road. Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authors v, Bombay under No. AR.II/37EE/20104/84-85 on 9-5-1985.

PRASANTA RAY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 14-1-1986

(1) M/s Kherani Crasto Enterprises.

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Desley A. Sequeira and Shri Ronald Vincent Sequeira.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20105/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 1601, 'Mariden' at F.P. No. 371, TPS III, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the schedule appeared hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used-herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor of the building 'Mariden at F.P. No. 371, TPS III, 16th Road, Bandra, Bombay-400 050.

Flat No. 601, 6th floor of the building 'Mariden' at F.P. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20105/84-85 on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namedy: ing persons, namely:-

Date: 14-1-1986

(1) Miss Sushila R. Vaswani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Amisha V. Doshi and Shri Jitendra J. Bhabhera.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20277/84-85,—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 205, 'Madhava' Plot No. C-4, Block 'E'

Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Bombay-51, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Office No. 205, 5th floor, 'Madhava, Plot No. C-4, of Block 'E' of Bandra Kurla Complex, Bandra (East) Bombay-400 051.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20277/84-85 on 13-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-1-1986

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Mr. Chandravadhan Pranlal Kapadia.

(Transferor)

(2) Mr. Ravindra Govindrao Nerurkar.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### **ACQUISITION RANGE-II BOMBAY**

Bombay, the 14th January 1986

Ref. No. AR-II/37G/3768/May 85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Piece of land S. No. 1A/1620, 2/A/1620 and part of new S. No. 1/1614, Cadell Road, Veer Savarkar Marg,

Mahim, situlated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason o believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the true and /or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sehedule as mentioned in the Registered Deed No. 3176/84 and on 13-5-1985. Registered with the Sub-Registrar, Bombay

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bandon

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-1-1986

(1) Mrs Rose Ursula Friedel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Cecilia Gonsalves. (2) Edward Gonsalves and

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 14th January 1986

Ref. No. AR.II, 37G/3801/May 85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land bearing C.T.S. No. B/463, 464 with Building
therein bearing Municipal No. 5A, Waroda Road Bandra situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay in August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 414/ 76 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay in August 1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-1-1986

- (1) Gadish Ram Thapar.
- (2) B. K. Naik.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19869 and 19965/84-85.— Whereas, I, PRASANT A RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-87 Suraj Co-op. Housing Society Ltd.,

Juhu Tara Rd., Santacruz, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between The parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the sai dAct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)i

Flat No. C-87, Suraj Co.op. Housing Society Ltd. Anand Nagar, 2nd Pandya Lane Juhu Tara Road, Santacruz, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/19869 and 19965 on 2-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-1-1986

(1) Smt. Mulibai Sheeldas Ahuja.

and the second supplies the second supplies to the second supplies t

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok V. Thakur and Smt. Meenu A. Thakur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 9th January 1986

Ref. No. AR.11/37EE, 20062/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 122. H. Block Juhu Tara Road,

Bombay-49,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or
- of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 122, H-Block, Juhu Tatu Road, Bombay-400 049. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomaby under No. ARII/37EE/20062/ on 9-5-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-1-1986

- (1) Shri Prahlad Singh Anand.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Renu Kishor Sabnani.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,** 

### **ACQUISITION RANGE-II BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20324/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat No. 2, Anand Milan Premises Co.op. Society Ltd.

Santacruz (West),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument it spafer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lasease arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor Block 'A', Anand Millan Premises Co. op. Housing Soc. Plots No. 47/48/49/61, Santacruz (West) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20324/ on 14-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I issue initiate proceedings for the acquisition of the starseald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :

91-466 GI/85

Date : 9-1-1986

FORM ITNS----

(1) Parasrampuria Estate Developers Pvt. Ltd.

(Transferor) (2) Shri Mahendra Rasiklal Shah.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20420/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the incorrectax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Shop No 4. Paiasrampuria Apartment, Near Milan

Cinema, Santacruz (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is ltss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly statted in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Parasrampuria Apartment, Plot No 80-81, TPS No. 6, Near Milan Cinema Sub-way Lane No. 1 Santa-cruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR II /37EF/20420/84-85 on 17-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 9-1-4986

(1) Tarasrampuria Estate Developers P. Ltd. (Transferor)

(2) Shri Shyamii Meghii Rathod.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20421/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

PRASANTA KAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

RS. 1,00,0007- and bearing
Flat No. 208 and Part 207, Near Milan Cinema,
Santacruz (West), Bombay-54,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority,
at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the of 45 days from the date of publication of the motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 208 and Part 207, Plot No. 80-81 TPS No. 6, Nr. Milan Cinema Sub-Way Lane No. 1, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20421/ on 17-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20486/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 22, ground floor, 'Rizvi Nagar' Swami Vivekanand Rd. Santacruz (West), Bombay-54.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 18-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Dhanji Kunverji Chheda,

(Transferor)

(2) Shri Nirbha Ramnaresh Singh.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 22, ground floor, 'Rizvi Nagar Swami Vivekantand Road, Santacruz (West) Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-II/37EE/20486 on Authority, 18-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 9-1-4086

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE.20645/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 10, 9-A, Kathiawar Co.-op. Housing Society, Rombay 400 049

Bombay-400 049. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 23-5-1985

at Bombay on 23-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shree V. B. Patel.

(Transferor)

(2) Mrs. G. C. Massani & Mrs. R. V. Massani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 10, Flat No. 9-A on 2nd floor of East-south side of bldg. Kathiawar Co. op. Hsg. Soc. on plot No. 12, 9th road, Bombay-400 049.

The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20645 on 23-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-1-1986

(1) Patel Jashbhai Chhotabhai

(Transferor)

(2) Hasmukhlal Damji Gala

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## CAFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref No AR-II/37EE/20646/84 85.--Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing

Flat No. 20, Amata Niwas Co op Housing Soc, Bombay (and more fully described in the Schidule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sec ion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth iax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 20, Amar Niwas Co. op. Housing Soc., 18, Besant St., Bombay-54.

The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20646 on 23-5-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1986

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE .N OME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### JUVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19947/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immosphe property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Shop No. 11, Nootan Nagar Premises Co. op. Society Ltd.,

Bandra, Bombay-50.

'and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. 20 Luc
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Shri Shyamlal K. Chhabria.

(Transf w

(2) Mrs. Radha Haresh Jagtiani, Mrs. Nima Shrichand Pardasani.

(3) Transferor.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground Floor of 'A' Building, Nootan Nagar Premises Co. op. Society Ltd., Turner Road, Bandra, Bombay-50.

The agreements has been registered by the Competent Authority, Bommay under No. AR.II/37EE/19947 on 2-5-85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19962/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 62. Asuda Kutir 217-C Mount Mary Road, Bandra

(West), Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any incusa arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Manohar A. Sajnani.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj J. Sajnanı.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 62. Asuda Kutir 217-C Mount Mary Road, Bandra (West), Bombay-50

The agreements has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19962 on 2-5-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commission of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons as well. ing persons, namely:-

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-II BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19981/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 402, Nectar I, Sherli Rajan, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office

nas been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to the the the foir market value of the property. believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 259D of the said Act, to the following mersons, namely:—
92—466 GI/85 (1) M/s. Kirti Enterprises.

(Transferor)

- (2) Mr. Prithi Nandy & Mrs. Rina Pritish Nandy.
- (4) Nector Co. op. Housing Society Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, Nectar I at plot bearing CTS No. 1437, Sherli Rajan, Bandra Bombay-50.

The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19981 on 2-5-85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 9-1-1986

(1) M/s. Kaveri Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Trevor N. Selwyn & Mrs. Marlene P. Selwyn.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### **ACQUISITION RANGE-II** BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20041/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have least to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,(000/- and bearing

Office No. 52, Regency & Bandra (West), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under sect on 26% B of the Impome-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-5-1985
for many contention which is less than the fair

market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid excee is the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

# the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 52, 5th floor Regency & Bandra (West), Bombay-50.

The agreements has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20041 on 6-5-85.

PRASANTA RAY Competent Authority inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Pate : 9-1-1986 al :

(1) Mrs. Ethel Monsurate. Mr. Ruseel Monsurate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Malti Devraj Paka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee & her family

(Person in occupation of the property)

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20257/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable prope ty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 461, Bldg. No D-49 M.I.G. Colony, Bandra, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1985

at Bombay on 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the restrict her particular than the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 461, 2nd floor Bldg. No. D-49 M.I.G. Colony, Bandra (East), Bombay-51.

The agretment has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20257 on 13-5-85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1986

FORM LINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20269/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34 3rd floor of Bldg. Solomon, at Sherly Rajan,

transfer with the object of :--

Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. A. Contractor & Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Ashraf Hasana'i Merchant & Mr. Hasanali Jooma Merchant

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 34 3rd floor of Bldg. Solomon, at Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50.

The agretment has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20269/84-85 on 15-3-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely: --

Date: 9-1-1986

(1) M/s. Kirti Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mukesh Gupta & Ors.

(Transferee)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1986 Ref. No. AR.II/3/EE/20278.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, Nectar I, Bandra, Bombay-50. (and more 1 illy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-5 1985

at Bombay on 13-5-1985

for an appa en. consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the a parent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons whichever period expiles later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Nectar I, C.T.S. No. 1437, Shesli Rajan, Bandra, Bombay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20278 on 13-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, name'y :-

Date: 10-1-1986

(1) Dr. P. A. Dalvi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. N. S. Bajaj & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20283.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the 1-come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, Jain Chambers Premises Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Bandra, Bomoay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable croperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, Jain Chambers Premises Co. op. Hsg. Soc. Ltd., S. V. Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eombay under No. AR.II/37EE/20283 on 3-5-85.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1986

(1) Smt. Ishwari M. Goklani.

(2) Smt. Laxmi M. Lakhani & Ors.

(Transferee)

DTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20456.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No 9, Surbala Bldg, Bandra (W), Bombay-50
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of Said Act in the Office of the Competent
Authority

at Bombay on 17/5/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fairlies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(a) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, Surbala Bldg.,  $287\ S.\ V.\ Road,\ Bandra\ (W),\ Bombay-50.$ 

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20456 on 17/5/85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rarge-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and restaurance (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9/1/1986 Seal :

(1) Shri Anwar Ebrahim Rupani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Mildred Ponnoth.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref No AR II / 37EE / 20569. — Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Compant Authority under Schich 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'aid Act) have reason to blave that the immovement ii mike vlu exceeding

Rs 100,000/- and bearing
Flat No 16-A, Universal Co. op Hsg See Ltd Bombay-50
(and more fully scribed in the Schedule annexed hereto)
has been transfer ed and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 23/5/85

8110

at Bombay on 23/5/85 for an appear consideration which is less than the fair multer value of the forms of property and I have reason a believe that the fair murket value of the process as as a seed to promite a uniteration he esto by nore than fifteen per cuit of such a parent consideration and that the consideration for such a refer to ensideration and that the consideration for such a refer to ensideration and that the participation is not all the participations of the process of the participation of the participation of the process of the participation of the partici

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) field ring the concerlment of any income or any mon vs or o her ass ts which have not o en o which ought to be de losed by the trusferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with n a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the solvice of rotice on the respective persons, whethever period expires later;
- (b) by any other p rson interested in the said immovable pepty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPIANATION —The terms and expressions us I herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 16-A, ground floor, Universal Co op. Hsg. Soc. Ltd, St John Baptist Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37/20569 on 23/5/85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 9/1/1986

(1) Mr. Schanlal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Mrs. Rekha. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-II BOMBAY** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 9th January 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/20619/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1301, Parking Space No. 15, Vrindavan C.H.S.L.,

Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 24/5/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/er

Flat No. 1301, Parking Space No. 15, Vrindavan C.H.S.L., Bombay-50.

The agreement has been registered by the Com Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20619 24/5/85. Competent

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

PRASANTA KAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
93—466 GI/85

Date: 9/1/1986

Scal:

(1) Shri Sunilkumar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. H. Purswani (H.U.F.).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMESTAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20620/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1303, 13th floor Vrindavan C.H.S.L., 32, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 23/5/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1303, 13th floor, Vrindavan C.H.S.L., 32, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/20620 on Authority, 23/5/85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9/1/1986

(1) Mr. Dharam Bir Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ajit T. Bijlaney.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20622/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 462, Bldg. No. D-1/49 MIG Colony, Bandra (E), Bombay-51.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of soch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:may be made in writing to the undersigned:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid personns within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by anny other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 462, Bldg. No. D-1/49 MIG Colony, Bandra (E), Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20622 24/5/85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9/1/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s. Zeba Enterprises.

(Transferor)

(2) Emeralde International Hair & Beauty Care Cum School of Beauty Culture and Hairdressing.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20733/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat on the 3rd floor, Seba Apartments, Bombay-50. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Claustte.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on the 3rd floor, Zeba Apartments, Opp. New Talies. Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under No. AR.II/37EE/20733/84-85 on 27/5/85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons samely:—

Date: 9/1/1986

(1) Mr. G. S. Ahuia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. H. Inamdar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20735/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 637, M.I.G. Colony, Bandra (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 27/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferciaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are: defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 637, 2nd floor, Building No. D-66 M.I.G. Colony, Bandra (E), Bombay-51.

The agreement has been registered by the Compathority, Bombay under No. AR.II/37EE/20735 Competent Authority, 27/5/85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date ': 9-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20753/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 639, MIG Co. op. Housing Society Ltd., Bandra (E) (and more fully described in the Schedule annexed here), has been transferred and the squarement is recreated hered.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the office of the Competent

at Bombay on 27/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the arparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Harbhajan Kaur and Shri Mohinder Singh.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Prakash Kabra.

(Transferee)

(3) Transfere.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 639, 3rd floor Building No. D-I-66, M.I.G. Co. op. Housing Society Ltd., Gandhinagar. Bandra (East), Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/20753 on Authority, 27/5/85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 9-1-1986

(1) Shri K. C. Bhawnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Adisun Marketing Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

(3) Transfere.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undessigned:—

Bombay, the 9th January 1986

of the aforesaid persons within a period of a the date of publication of this notice tte or a period of 30 days from les on the respective persons, windsh-

Ref. No. AR-II/37EE/20815/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

(b) by any other person interested in the said immovable a 45 days from the di cation of the notice in the Official Gamette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, together with car parking space at Mount Mary Road Bandra

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the sale and shall have the same meaning

given in that Chapter.

Road, Bandra.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 30/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the elect of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 9th floor, Wing No. C, Kanti Apartments, at Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/20815 on Authority, 30/5/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-1-1986

interested in the property)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be

FORM ITNS-

(1) Mr. Dhirendra Handa.

(4) Transferee.

(Transferor)

(2) M/s Malik Transport Co. (3) Jogender Mohan Katyal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE QNYOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE '19939/84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8. 1st floor Union Park, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (8) facilitating the reduction or evenion of the liability ot the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse the purposes of the Indian Income-tax Act, 19 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Act, 1957 (27 of 1957); Wealth-tax

therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Apartments Co. Flat No. 8, 1st floor, Rukhsana op. Housing Society Ltd., Union Park, Khar, Bombay-52

The agreement has been registered by the Compathority, Bombay under No AR.II 37EE/19939 2/5/85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Date: 9/1/1986

(1) Shri Chunilal Vanvir.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Vanvir.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAN ACCE TO DO DE 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20330.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 19, Dhanlaxmi Co. op Hsg. Soc., Bombay-16.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Compe ent

at Bombay on 14/5/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; med/er
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 157 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--94-466 GI/85

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 19, Dhanlaxmi C.H.S., Mogul Lane, Matunga, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/20330 on Authority, 14/5/85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 9/1/1986

(1) Prem H. Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sa ayabhama & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20669/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4, Woodland Apartments, Mahim, Bombay-16. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Woodland Apartments, TPS III, Sonawala Agayari Lane, Mahim, Bombay-400 016.

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20669/84-85 on 24/5/85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A-4, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9/1/1986

(1) Ms. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jitendra M. Parikh Mrs. Jasvanti J. Parikh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II|37EE|19886|84-85.--Whereas. I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No Flat No. 301, Rajendra Co-op. Housing Society Chakala,

Andheri (East), Bombay-99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any

1957 (27 of 1957).

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the

purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No 301, Rajendra Co-op. Housing Society Ltd., Chakala, Andheri (East), Bombay-99.

The agreement has been registered by The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|19886|84-85, en 2-5-1985

> PRASANTA RA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Dated 2-1-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19887/84-85.—Whereas I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 201, Rajendra Co-op. Hsg. Society Chakala, Andheri (East), Bombay-99.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

(2) Mrs. Malna Pereira & Mr. Albert Pereira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 201, Rajendra Co-op. Hsg. Society Chakala Tarun Bharat Society, Andheri (East), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|19887|84-85 on 2-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Bombay

Date : 2-1-1986

(1) Ms. Indice Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Peter Andrade.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/19895/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. Shop No. 12, Vidyadaini Co-op. Housing Soc. Ltd., Chakala,

Andheri (E) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ask in respect of any income arising from the transfer. and /or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAMATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

"Shop No. 12, Vidyadaini Co-op. Hsg. Society, Ground floor, in Bldg. Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|19895|84-85, on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Dated 2-1-1986

(1) Mrs. Mohinibai Ramchandra Wadhya.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudha S. Chaturvedi,

(Transferee) ·

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II|37FE|19897|84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing.
Flat No. 2 'Shakti' Supreme Co-op. Society Ltd., Chakala, Andheri (East), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

**B**ombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shiet of the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment any moneys or other esects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Wealth-tax

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the federating persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property to made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a paried of 30 days from the service of notice on the respective persons. ichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immed able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 2, 'Shakti' Supreme Co-op, Hsg. Society Charat Singh Colony, Kurla Rd., Chakala, Andheri (East), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|19897|84-85, on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19907/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 302 'C' Wing in Minal Apartment, Nagardas
Road, Andheri (E) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(1) Mrs. Kusam Kalyanji Gala & Mr. Paresh Kayanji Gala.

(Transferor)

(2) Purshettam Rangildas Bandhi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offiical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, 'C' Wing Minal Apartments at Old Nagardas Road, Andheri (East). Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]19907[84-85, on 2-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 7-1-1986

The same of the sa

FORM ITNS----

(1) Seiko Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Dipak Udyog.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/19910/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Shop No. 15, at ground ficor, Dev Darshan, Andheri (East), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

Bombay en 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

"Shop No. 15 at ground floor, Dev Darshan at Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Covinetent Authority, Bombay under No. AR.II[37EE]19910[84-85, on 2-5-1985,

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afoiesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt, Sunder Kaur

(Transferor)

(2) M/s Devchand Shamjibhai & Co.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19955/84-85.—Whereas I. PRASANTA RAY

PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 9, Vishal Shopping Centre Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority Authority

at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believt that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 9, Vishal Shopping Centre M. V. Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombey under No. AR.II/37EE/19955/84-Authority, Bom 85, on 3-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26910 of the said Act, to the follows ing persons namely 95—466 GI/85

Date: 7-1-1986 Scal;

(1) Shree Nandlal L Asirani

(Transferor)

(2) M/s. Steel Arm Industries.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19975/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Unit No. 9-F, Nandham Industrial Estate, Andheri

(East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 9-F, Nandham Industrial Estate, Marol Maroshi Road, Off Kuila Andheri Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR II/37EE/19975/84-85, on 3-5-1985,

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Date: 7-1-1986 Seal;

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Rajendra G. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19998/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

prasanta RAY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 12, Bldg. No. 2, Plot No. 14, Bhawani Nagar,
Andheri (E), Bombay 59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 12, Bldg. No. 2, Plot No. 14, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay 59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19998/84-85, on 6-5-1985

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-1-1985

- (1) Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Shri Prakash B. Naik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19999/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mail Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 5, Bldg. No. 1, Plot No. 9, Bhawani Nagar,
Andheri (E), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the waid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5. Bldg No. 1, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Andheri (E) Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37E/19999/84-85, on 6-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, marrely:—

Date: 3-1-1986

(1) Mr Kanwaljıtsingh Chadha.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumar R. Aggarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20008/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res. 100,000/-, and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 185, Sher-E-Punjab Co-op Hsg. Society Ltd.,
Mahakalı Caves Road, Andheri (E), Bombay-58
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 185, Sher-E-Punjab Co-op. Housing Society, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20008/84-85 on 6-5-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

**sub**wing Date: 10-1-1986

Seal:

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Damji Shamji & Sons.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shenz Jaya Puthian.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Person in occuaption of the property)

### SFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the vaid property may be made in writing to the undersigned :--

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20076/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the sammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing Unit No. 27, Damji Shamji Industrial Complex, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; iii/er

THE SCHEDULE

(3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, :457 (27 of 1957):

Unit No. 27, Ground floor, Damji Shamji Industrial Complex, Mahal Industries Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/20076/84-85 on 9-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Man, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-1-1986

(1) Shri Shiraj Esoofally Kachhwalla.

(Transferor)

(2) M/s Durabuild.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20124/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 67, M. V. Road, Andheri (East), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the office of the Competent Anthority

at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immsevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 67, on M. V. Road, Vishal Apartment, Andheri (West), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/20124/84-85 on 9-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

------

(2) Smt. Pushpaben D. Khatri and Shri Devidas H. Khatri.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20128/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,0,000/- and bearing
Flat No. 7, 2nd floor of Bldg. No. 5 Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be ieve that the fair market value of the property as aforethan fifteen percent of such apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 2nd floor of Building No. 5, Plot No. 9 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri Fast, Bombay-400 059

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20128/84-85, on 10-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authors Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :-

Date: 3-1-1986

- (1) Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) M/s Gyro Laboratories.

(Transfere )

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20129/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, 2nd floor of Bldg. No. 5 on Plot No. 9 in Bhawani Nagar, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Saction 260AB of Said Act in the office of the Competent.

Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as sgreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the consealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisities of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 2nd floor of bldg. No. 5, on Plot No. 9 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20129/84-85, on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sain act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following property:

96-466 GI/85

Date: 3-1-1986

(1) A. S. Builders.

(Transferor)

(2) Muqaddar Hameed Khan.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20155/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 305, Markhan Nagar, Morol Naka, Andheri (East),

Bombay

(and more fully described in the schedule innexed hereto), has been therefore d and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent

at Bombay on 10-5-1985

8136

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the rurpises of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereb initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid typerty by the issue of this notice under subsection (1) (Symp. 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 306, C/2 Building, of Mapkhan Nagar, Marol Naka, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20155/84-85, on 10-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Data: 3-1-1986

Scull.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bomboy, the 10th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20176/84-85.—Whereas, J.

PRASANIA RA1, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 195 in Shere-E-Punjab Co-op. Hsg. Soc. at Village Mogra, Andher. (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bembay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been se which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Inder Jeet Singh Sehgal.

(Transferor)

(2) M/s C. K. Builders & Developers.

(Transferee)

Transferees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 195, Shere Punjab Co-op. Hsg Society Ltd., village Mogra, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20176/84-85 on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commiss oner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-1-1986

(1) Gurucharan Kaur Taneja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M/s C. K. Builders & Developers.

(Transferee)

(3) Transferees. 1AX ACT, 1961 (43 of 1961)

(Person in occupation of the property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RAINGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20177/84-85.—Whereas, I. PRASANIA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 218 Shere Punjab Co-op. Housing Society Ltd.

(and more july described in the schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the occe of the Competent

at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sranster with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art I hereby initiate proceedings for the acquisition of the abusesaid property by the issue of this nation under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

# THE SCHEDULE

Plot No. 218, Sher-E-Punjab Co-op. Housing Society Ltd., Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20177/84-85 on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang -II, Bombay

Date: 10-1-1986

FORM LINS-----

(1) Lakhamshi Devchand Shah.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Pioneer Surgicals.

#### (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### (3) Transferee.

(Person in occuration of the property).

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20179/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D/10 Nand Dham Industrial Estate,

Marol. Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D/10 Nard Dham Industrial Estate, Marol.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/20179/84-85, on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 7-1-86.

- - - - - -

FORM ITNS-

(1) Sh. Ashok Kumar Madangopal Marwah. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sh. Subhashchandra R. Agarwal.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20183/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 6, Building No. 4 at Shere-PunjabCo.op. Housing Soc. Ltd., Mahakali Caves Road,

Andheri (E), Bombay-93.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-1985

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason no believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration aid that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Govette or a period of 30 days from the service of notice on the re-pective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 6, Building No. 4, Shere Punjab Co.op. Housing Society, Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20183/84-85, on 10-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 7-1-86.

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACI 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20191/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 112, in F Building,
Ansa Industrial Estate, Saki Naka,
Andheri (East), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ag eed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957); (2) M/s. Histeen Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Unit No. 112 in F Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20191/84-85 on 10-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, assets?

Dated: 2-1-86.

FORM ITN9-

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Meta Craft.

(Transferee)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20192/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 10000/- and bearing No

Unit No. 109, E-Building, Ansa Industrial Estate, Saki Naka,

Andheri (E), Eombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the 'air ma ket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; rol bes
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Unit No. 109 in E Building, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20192/84-85 on 10-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 2-1-86.

(1) Sh. Vinod Jayantilal Ruparelia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mayurkumar Padamshi Shah Sh. Pareshkumar Padamshi Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20236/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 4, ground floor of Suprameet Building, Kanti Nagar,

Andheri (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Shop No. 4, on ground floor of Suprameet building Kanti Nagar, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/20236/84-85, Authority, Bombay on 10-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-1-86.

Seal:

97-466GI/85

(1) Mr. Dilip D. Ratnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Jyoti Investment Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20245/84-85 — Whereas I, PRASAINTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing No.
Unit No 5A, Hind Saurashtia Industrial Estate, Andheri (E) Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such temperature apparent consideration. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 5A, Hind Saurashtra Industrial Estate Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/20245/84-85 on 13-5-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 7-1-1986

Seal ·

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.,

(Transferer)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kumari R. Rebello.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20251/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 17, Bldg. No. 3, Plot No. 7, Bhawani Nagar, Andheri

(E), Bombay-59.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 17, Bldg. No. 3, Plot No. 7, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20251/84-85, on 13-5-1985.

> PRASAN'TA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the subtact, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 3-1-1986

(1) M/s. Deepak Builders Pvt Ltd,

(Transferer)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Neimuddin Azizuddin

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR II/37EE/20252/84-85 —Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs 1,00,000/- and bearing No
Flat No 105, 1st floor, Bldg No B', Bhawani Nagar,
Andheri (East), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of Said Act in the Office of the Competent
Authority Authority

at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No 105, 1st floor of Bldg No 'B' on plot No 18 in Bhawani Nagar situated at Maiol Maroshi Road, Andheri East Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/20252/84-85 on 13-5-1985

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated 3-1-1986 Seal.

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anthony A. Gonsalves.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Bombay, the 3rd January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. AR.II/37EE/20253/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the im-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st floor in Bldg No. 5, on plot No. 9, Bhawani Nagran Andhori (E) Rombay 50

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein. \* as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Negar, Andheri (E), Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-5-1985

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

# THE SCHEDULE

(à) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 3, 1st floor in Bldg No. 5, on plot No. 9, Bhawanf Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/20253/84-85, on. 13-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-1-1986

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suhas P. Naik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF IMPLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS. THE OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 31d January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20254/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mirket value exceeding Rs. 1.00,000/- and buring No.

Flat No. 15, Bhawani Nagar, Andheii (East), Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-5-1985

market value of the aforesail property and I have reason to belter a sparent consideration which is less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to belter a sparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or . -

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and . h

(b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Ax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act EXPLANATION shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th floor, Bldg. No. 3, Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Rombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20254/84-85 on 13-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ik Bon b

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 3-1-1986

Seal ·

(1) Laiq Ahmed. M/s. Abode Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sunderlal Magniramji Sevak.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 10th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20288/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Shop No. 4, Bilquis Apart, Mahakali Caves Road, Andheni (E). Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tern Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

Shop No. 4. Bilquis Apartments. Mahakali Caves Road, Andheii (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/10288 on 13-5-85.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons namely .-

Date: 10-1-1986

Seal ;

#### FORM FINS-

(1) Mr Popatlal R. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Usha Plastics.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
ROMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20351/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 6. F Bldg. Marol Nand Dham Udyog Premises Coop. Soc. Ltd., Marol Maroshi Road, Andheri (E). Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent

Authority

at Bombay on 14-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 6, F Bldg. Marol Dham Udyog Premises Co-op. Soc. Ltd., Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20351/84-85 on 14-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

seal :

(1) Shri Laxman Shankar Vartak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Jagdish Madhav Date

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20373/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 104, Bldg. No.2, Viman Darshan Swami Nityanand Marg, Andheri (East), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Flat No. 104, Bldg. No. 2, Viman Darshan Swami Nityanand Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Objections, if 2ny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires hater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapte.

### THE SCHEDULE

Flat No. 104, Bldg. No. 2, Viman Darshan Swami Nityanand Marg, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20373/84-85 on 16-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay,

Now, therefore, a missiance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—98—466GI/85

Date: 7-1-1986

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Chandrahas S. Salian & Smt. Shakuntala C. Salian.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 31d January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20381/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 611, Vidyadaini Co-op. Hsg. Soc. Chakala, Andheri

(East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the 42 d Act or respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gszette.

EXPLANATION -- The forms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 611, Vidyadaini Co-op. Hsg. Soc Ltd. Bldg. A1, Chakala, Andheri (East), Bombay

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR. II/37FE/20381/84-85, Authority, E on 17-5-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 3-1-1986

===

#### FORM ITNS-

#### (1) Dharampal L. Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Saranga A. Aggotwal.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1986

Ref. AR.II/37EE/20386/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot No. 189, CTS No. 368/182 village Mogra, Andheri (E). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concedenant of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Piece of land bearing plot No. 189 at village Mogra, Andheri bearings CTS No. 368/182.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20386/84-85 on 16-5-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-1-1986

\_ \_ \_\_\_\_

#### FORM ITNS---

(1 Smt. Harbans Kaur Gulati

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Supreme Developers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 **BOMBAY**

Bonioay, the 10th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20501/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing • Plot No. 265, Sher-E-Punjab Co-op. Hsg. Society, Mahakali Caves Road, Andheri (East). Bombay (and mountailly described in the Schedule appeared bareto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between 'he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 265. Shei-E-Punjab Co-op. Hsg. Society, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/20501/84-85 on 17-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1986

Seal-

The state of the s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20502/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 154 in Sher-E-Punjab Co-op Soc. Ltd., Bombay-93

bay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent

at Bombay on 17-5-1985

at Bombay on 17-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act
   in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Manbirsingh Bajaj & Jagbirsingh Bajaj. Jagbirsingh Bajaj.

(Transferor)

(2) M/s. Supreme Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 154 in Sher-E-Punjab Co. op. Society Ltd., Mahakali Caves Road, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20502/84-85 on

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-1-1986

(1) Abdul Karim Habib Lalji.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Fakirmahomed Haji Syani. 2. Sherifbhai Premji Dudia and 3. Amin Quershi.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20509/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.0,000/- and bearing
No. Plot No. 36, Village Maiol, Andheri (E),
Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 36, Taluka Andheri, Village Marol.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20509/84-85 on 18-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the coresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to be following persons, namely :--

Date: 10-1-1986

- (1) M/s Katyayani Printers.
- (Transferor)

(2) Mr. Joe D'Mello.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20510/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immev-

to as the 'said Act') have reason so ceneve that the intervable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Shed No. 142, Shivshkti Industrial Estate, Andheri (East) Bombay-59. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under the interval of the Income tow Act. 1961 in the office. section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-5-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 142, 1st floor in Phase No. III Shivshakti Industrial Estate, Marol Village Off Kurla Andheri Road, Andla 11 (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20510/84-85 on 19-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

Date · 7-1-1986

(1) Mayo Health Care Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mayo Pharms Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20552/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 107, Ravi Indl. Estate, Andheri (E), Rombay-93

Bombay-93,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-5-1985

and /or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 107, Ravi Indl. Fstate, Andheri (E), Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombav under No AR.II/37EE/20552/84-85 on 21-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said At. to the following persons, namely:-

Date: 3-1-1986

#### FORM TINS --

(1) Jehangir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Marcus V. Mortaes.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20559/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing
No. Flat No 301, C wing, Hawa Apartments, Andheri (E),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesair! exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and thes the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --- 99-466GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, C wing, Hawa Apartments, Andheri (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20559/84-85, on 23-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-1-1986

The second state of the se (1) M/s Kailashkripa Enterprise.

(Transe fro: )

(2) M/s B. Rawal and Company.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transfe.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20594/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

No. Unit No. 27, Apollo Indl. Estate, Andheri (E), Bombay-93,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority Bombay on 23-5-1985 Kanpur under Registration No. 11012 dated 14-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the 1979oses of the Indian Income-tax Act, 1922 III of 1977) of the said Act, or the Week tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No 27, Apollo Indl. Estate, Andheri (F), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombav under No. AR II/37EE/20594/84-85, on 23-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Rombay

Date: 2-1-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s Hariom Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s R. Rawal Exports Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20597/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No 65, Appollo Indl. Estate, Andheri (E),

Bombay-93,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 65, Appollo Indl. Estate, Andheri (E), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20597/84-85, on 24-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-II BOMBAY**

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II / 37EE / 20599.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Unit No. 11, Appollo Indl. Estate, Andheri (E),

Bombay-93, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s Vishal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mis. Geeta K. Danani,

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 11, Apollo Indl. Fstate, Andheri (E). Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20599 84-85, on 17-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-1-1986

(1) Smt. Tarlochan Kaur Ranjit Singh.

(Transferor)

(2) M/s Pushpa Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR II  $_{\rm J}$  37EE  $_{\rm J}$  20606  $_{\rm J}$  84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No Flat No 135, Shere Punjab Society, Mahakalı Caves Road, Andheri (East), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

Bombay on 23-5-1985

andjor

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwee the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concentment of any income or any memory, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No 135, Shere Punjab Society, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20606 on 23-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons assety:—

Date . 9-1-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s Gagan Packagings Pvt. Ltd.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-11** BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR II/37EE/20636/84-85—Wheras, J, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Unit No. 126, 'E' Building, Ansa Industrial Fstate,

Saki Naka, Andheri (Fast), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereo) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

of the Competent Authority

Bombay on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fau
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fau market value of the property as aforesaid
excects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such in the series in boween the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

- in a landitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; 10\ DES
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Unit No. 126, 1st floor, 'E' Building, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/20636/84-85 on 24-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1986

(1) M/s Shreeram Traders.

(Transferor)

(2) M/s Hasco,

(Transferee)

# NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20648/84-85.—Whereas, I, PRAS ANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 8 and 8 here. It Nos 8 and 9 Nandghanshyam

Unit No. 8 and Bisement Nos 8 and 9 Nandghanshyam Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the India ratio Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1985

in an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Se'd Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from 'the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 8 and basement Nos. 8 and 9 Nandghanshyam Industrial Estate, Off. Mahakali Caves Road, Andheri (East)

The pareement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20648/84 85 on 25-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: '7-1-1986

FORM ITNS——

(1) M/s Ansa Builders.

(Transferor) '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rao Saheb N. Patil.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20660.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 101-A, Ansa Industrial Unit, Saki Naka,

ransfer with the object of :-

Andheri (East),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used her are defined in Chapter XXA of the used herein Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 101-A, 1st floor, 'D' Building, Ansa Industrial Unit Sakı Naka, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/20660/84-85, on

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-1-4986

(1) M/s Ansa Builders.

(Transefror)

(2) M/s Mercury Sales Corporation.

(Transfe e.)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20661/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing

No. Unit No. 136-A, Ansa Industrial Estate, Andheri

(East), Bombay,

100-456GI/85

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuant, manually:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period description of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immot able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 136-A in 'D' Building Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/20661/84-85, on 23-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-1-1986

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vijav Engineering.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No AR.II/37EE/20571/34-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tix Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 10000 '- and bearing Unit No 134, Anga In u total Estate, Andheri (East).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ansferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 25-5-1985

1

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expers later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 134, Ist floor, 'F' Building, Ansa Industrial Estate, Sakinaka Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20571/84-85, on 25-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissione of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Pated: 3-1-86 Soul:

(1) Shri Rakesh Sachdev.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rajkumar H. Shah

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIUNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20676/8485.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269 B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, Bidg No. 30, Sher-E-Punjab Society, Mahakali Caves Road, Andneri (East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 25-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Building No. 30, Sher-E-Punjab Society, Mahakali Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20676/84-85, on 25-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-1-86

(1) Mr. Ishwarlal Popatlal Gandhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Latha Jayaram Shetty.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/20754/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 16, Garage No. 4 in Bldg. No. 1 Viman Darshan Co-op. Hsg. Society Ltd. Andheri East, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the

Competent Authority at

Bombay on 27-5-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not open or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notise in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 16, Garage No. 4 in building No. 1, Viman Darshan Coop. Hsg. Society Ltd. Eahar Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20754/84-85, on 27-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Dated: 7-1-86

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri D. H. Ghotge.

(Transferee)

# WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay ,the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20756/84-85.—Whereas, I,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has, not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in C<sup>1</sup> pter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Bldg. No. 1, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Andheri (3), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR.II/37EE/20755/84-85, on 27-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commission's of Income-tax Acquistion Fance-II. Bombay

Dated: 2-1-86 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Decpak Builders Pvt. Ltd.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Abha V. Chaudhary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20758/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immov ble proper y, have reason to believe that the immov ble proper y, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, Blug. No. 9, Bhawani Nagar, Andheri (E), Borabay 59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Computant Authority at

Bomb..y, on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wentth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHFDULE

Flat No. 13, Eldg. No. 1, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20758/84-85, on 27-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 2-1-86

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sati H. Punjabi & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20759/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. Flat No. 11, Bldg. No. 5, Plot No. 9, Bhawani Nagar, Andheri (E), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, Bldg. No. 5, Plot No. 9, Bhavani Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20759/84-85, on 27-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 2-1-86

leal:

(1) Mr. K. B. Joshi.

(Transferor)

NOTICE INDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-LAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

4 - 4 ---

(2) Mr. D. K. Sane.

(Transferee)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No AR II/37EE/20768/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 102, Bills ng No. A in Railwayman's Apna Ghar Coop. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (East), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such a parent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Building No. A in Railwaymen's Apna Ghar Coop. Hsg. Society Ltd., Mogra Village, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20768/84-85, on 27-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-1-86

(1) Mr. Micheal D'Silva.

(Transferor)

(2) Monarch Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20795/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot of land at village Kondivita, CTS No 485, Andheri (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-5-1985

Bombay on 28-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

101-466 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -Tht terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land (FSI) at Kondivita, Andheri Taluka (East) CTS No. 485, S. No. 50/51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20795/84-85 on 28-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-1-86

(1) Jehangir Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Ophelia Mendes & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20798/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 302, Hawa Apartment, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, Hawa Apartment, Andheri (E), Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/20798/84-85, on 30-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 2-1-86

#### (1) A. S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Malti M. Tahsildar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 2nd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20818/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Bldg. B/4, Map Khan Nagar, Andheri (E),

Bombay-93

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. B/4, Map Khan Nagar, Andheri (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/20818/84-85 on 30-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 2-1-86

#### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR, II/37EE/29467/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing G-125, Ansa Indl. Estate, Sikivihar Road, Bombay-72 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrunt of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Jayesh K. Shah.

(Transferor)

(2) M/s. Quest Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

G-125, Ansa Indl. Estate, Sakivihar Road, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/29467/84-85 on 13-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 7-1-86

(1) Mrs. U. J. Dhakan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shreenivas Govind Gaonkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/29468/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 33, 2nd floor, Bldg, B, Nandjyoti Indl. Estate, Kurla, Andhell Road, Safed Pool, Bombay-72
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphism able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 33, 2nd floor, B Bldg. Nandjyoti Indl. Estate, Kurla Andheri Rd., Safed Pool, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/29468/84-85 on 10-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-1-1986

Scal:

#### (1) Mr. Sunil Kamalakar Warerkar.

(Transferor)

(2) Smt. Sushama Ashok Surlakar & Mr. Ashok Ramchandra Surlakar.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January, 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20123/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

pering the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, Vile-Parle Udyan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which htave not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. 14, 2nd floor, Vile-Parle Udyan Vikas Co op. Hsg. Soc. Ltd., Tejpal Scheme, Road No 2, Vile Parle (East), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20123/84-85, on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 3-1-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20475/84-85.--Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Flat No. 603, Shirin Sohrab Palace, Vile Parle (East), Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy more than exects the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse forthe surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Savani Family Trust.
- (Transferor)
- (2) Mahendrakumar P. Shah Vadaliben P. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45, days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b); by any; other present interested in the said immov-nish property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 603. Sirin Sohrab Palace, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20475/84-85 on 17-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 3-1-86,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Girish Construction Co.

(Transferor)

(2) M. G. Builders.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20582/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60 000/- and bearing No.

Plot No. N.F.P. 335,

Plot No. N.F.P. 335,
Sharadanand Road,
Vile Parle (East), Bombay-57.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of said Act in the office of the Competent
Authority at Bombay on 22-5-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mainovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing N.F.P. 335 at Shradanand Road Ext. Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20582/84-85 on 22-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 13-1-86.

(1) S. J. Construction,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Arvind K. Shah & Smt. Bharati A. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION KANGE-II, BOMBAY

Bombty, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37FF/20712/84 85 —Where is, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No

Flat No 406, Kamal Kunj, Vile Parle (E), Bombay-57.

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority, at Bombay on 27-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties the not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

taclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, increfore, in pursuance of Section 269C of the said Act. (, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

at No. 406, Kamal Kunj' 7 Subhas Road, Opp. United factory Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20712/84-85 on 27-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 3-1-86

Seal:

102-466 GI/85

(1) Pooja Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20715/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 463, TPS No. V Vile Parle (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the

office of the Competent Authority at Bombay on 24-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or the make to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(2) Shri Shivkumar Motilal Jalan.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 463 of Vile Parle (East), TPS No. V. F.P. No. 272, CTS No. 1695, Vile Parle (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20715/84-85 on 24-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Dated: 13-1-86.

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20203/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and

bearing No. Shop No. 3, Shirin Sohrab Palace Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-57 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority, at Bombay on 10-5-85

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Savani Family Trust.
- (Transferor)
- (2) Mr. Ramesh Chunilal Vasani & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Shop No. 3, Shirin Sohrab Palace, Nariman Road, Vile Parle East, Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20203/84-85 on 10-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 3-1-86.

Sea1

- (1) M/s. Laxm; Industrial Estate.
- (Transferor)
- (2) M/s. Aneesh Family Trust,

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19795/84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY

PRASANTA RAY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 30/112, Laxmi Industrial

Estate, New Link Road,
Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert) may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 30/112, 1st floor, Laxmi Industrial Estate New Link Road, Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19795/84-85, on 1-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 6-1-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Dr. Abdulla Khan.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19931/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 204, 2nd floor of Bldg. No. 21

Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Officer of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ither assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor of Bldg No. 21, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19931/84-85 on 3-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-1-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Shaikh Yusuf Yakoob.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19933/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Bldg No. 3, Village Oshiwara, Andheri (West),

Bombay-58.

(and more suily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Officer of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, in Building No. 3 forming Part of S. No. 41, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19933/84-85 on 3-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sagir Ahmed,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19956/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, Bldg. No. 21,

Behind Behram Baug, Jogeshwari (West)

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor of Building No. 21, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19956/84-85 on 3-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 7-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Miss Tabassum Abdul Sttar Burud.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19958/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 702. Bldg. No. 21, Village Oshivara, Jogeshwari

(West), Bombay-102

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Officer of the Competent Authority at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeoshieve that the fair market value of the property as anore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ex. : NATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 702, Building No. 21, Village Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19958/84-85 on 3-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:---

Dated: 7-1-1986

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) M/s. Mph Ethicals Pvt. Ltd.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19959/84-85.-Whereas, I,

PRASANTA RAY
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 30/105, Laxmi Industrial

Estate, New Link Road, Andheri (West)

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the Officer of the Competent Authority, at Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 30/105, 1st floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/19959/84-85 on 3-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons as melv 103-466 GI/85

Dated: 6-1-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mohd. Entesham Ajmal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 8th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/19961/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tait Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 504, Bldg. No. 21, Oshiwara, Andheri (West),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or 2DY moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorpe-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor of building No. 21, S. No. 41, Flat No. 504, 5th floor of building No. 21, 5, No. 41, f village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The statement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-II/37EE/19961/84-85 Authority, on 3-5-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Rtnge-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-1-1986

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/19963/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, Jupiter-1, 4, Bunglows, Andheri (West), Bom-

, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets wihch have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Kum. Blossom A. Colaco.

(Transferor)

(2) Smt. K. R. Kamalam & Mr. R. G. Narismhan.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Jupiter, 4, Bunglows, Andheri (West). Bom-

bay-58,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR--II/37EE/19963/84-85 on 3-5-1985

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rtnge-II Bombay

Date: 3-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/19987/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 1403, Mount J. P. Road, Versova, Bombay-61 Ranut Nagar Community Centre, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Aboobakar H. Parekh.

(2) Dr. Chuen Seng Shieh & Mrs. Yin Chih.

(Transferor)

(3) Transferee.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1403, 14th floor, Mount J. P. Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19987/84-85 on 3-5-1985

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Rtnge-II Bombay

Date: 3-1-1986

(1) Shri Arvindlal Prabhudas Sheth.

(Transferor)

(2) Shri J. N. Mansharamani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/20049/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 301, Bldg. 'B' Benhur Co.op. Housing Society, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ot :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax refer the said Act. to respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, Building 'B', Benhur Co.op. Housing Society, 4 Bunglows, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20049/84-85 on 9-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rtnge-II Bombay

Date: 27-12-1985

(1) Mr. Zituddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Suraiya Fatehali Busheri.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20051/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58 (ord. proper failly described in the Schedule empayed hands)

(and more fuly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent

Authority at

Authority at Bombay on 9-5-1985 • market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) faculitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# THE SCHEDULE

Flat No. 602, Bldg. No. 20, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20051/84-85 on 9-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rtnge-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-1-1986

(1) Mrs. Kamaljit Kaur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Krishankumar Premnath Sekhri Mr. S. Ranjit Krishanpumar Sekhri Mrs. Janakrani Premnath Sekhri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. . OWNISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20070/84-85.—Whereass I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Gita Kiran Co.op. Hsg. Society Ltd., Andheri (West), Bombay-58 (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Authority at

Authority at
Bombay on 9-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sair Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, A-Wing, Gita Kiran Co.op. Housing Society Ltd., 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20070/84-85 on 9-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rtnge-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-1-1986

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harsharan Singh Gujral.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20077/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Unit No. 32/117, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has beeen transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SHEDULE

Unit No. 32/117, 1st floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Rotd, Off Veera Desai Rd., Andheri West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20077/84-85 on 9-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1986

(1) Mr. Ziauddın Bukhari.

(Transferor)

(2) Abbas H. Khan.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20115/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to a the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501, Oshivara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

tor an apparent consideration which is less than the faur warket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expers later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

fie) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 501, building No. 19, S No. 41 of village Oshiva a, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Autho.ity, Bombay under No. AR-II/37EE/20115/84-85 on 9-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-1-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abbas H. Khan.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

November 1985 Bombay, the

Ref. No. AR-II/37EE/20116/84-85,---Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 502, S. No. 41, Oshivara, Andheri (West). Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has beeen transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502, Building No. 19, 5th floor, S. No. 41 of village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20116/84-85 on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: -11-1985

(1) Smt. Nirmala Ramanlal Vakharia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mafatlal & Sumantilal.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR, II/37EE/20185/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and braring No. Unit No. 164, 1st floor, Universal Industrial Estate, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in a spect of any income arains from the transfer; and lor
- Unit No. 104, 1st floor, Universal J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58. Universal Industrial Estate.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-II/37EE/20185/84-85 on 10-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Annaiya M. Jatin.

(Transferor)

(2) Mr. Infan A. Aziz, Mrs. Fatimabai A. Aziz.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR-II/37EE/20204/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 2093 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein, her note, el to, as the 'said Act'), have reason to be leve that the month vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 206, Kohinoor B' Bandivii Violige, Joyeshwali (West), Bombay-102

and more fully described in the Schedule smart difference, has been transferred and the agreem at in great the lace. Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-5-1985

and or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea in to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(8) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ide property, within 45 days from the date of the property; iblication of this notice in the Official Gazette.

FARIANAI ON :--The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 206, Kohinoor 'B', Bandivli Village Jogeschwari (West), Bo mbay-400 102,

the agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20204/84-85 or 10-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Da e: 30-12-1985

FORM I'INS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bashirmiyan Abdul Latif.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20224/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating Flat No. 303, 3rd floor of Bldg. No. 10 forming part of S. No. 41, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the presentation registered under

has beeen transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the soid Act, to the following persons, mamely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, forming part of S. No. 41, village Oshivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR-II/37EE/20224/84-85 Authority, Bo on 10-5-1985.

> PRASANTA RA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 8-1-1986

(1) Electro Mechanical Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jhankar Himatlal Parmar.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGEJI BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/20243/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 00 1/2 m.l. bearing Gala No. 107, Shreepal P.emi'es Co-op, Housing Society, Jogeshwari (W) Bombay-400 102 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Authority at

Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the proper y as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazere

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 107, 1st floor Shreepal Industrial Estate of Shreepal Premises Co-operative Society Ltd., Oshiwara, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-400 102.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.II/37EE/20343 on Authority, 10-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Dated: 30-12-1985.

(1) Shri Jagdish Viten Tangi.

(Transferor)

(2) Smt. Zarinaba: Aliakber.

may be made in writing to the undersigned '-

(Transferee)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

HÖTTCE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/20246/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 1, Bldg. No. 17, Ashish Co-op. Housing Soc., Ltd., Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance o' Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. 17, Ashish Co-op. Housing Society Ltd. Guru Nagar, 4 Bungalows Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20246 on 13-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 30-12-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37E/20250/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the as the said Act'), have reason to believe that the said Act's property value excepting immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 37 at Yaswant Nagar, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1985 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andles
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--105-466 GI/85

(1) M/s. Hiralal Lalwlubai Chokshi.

( Fransferor)

(2) Smt. Damyanti Navinchandra Shah Shri Ketan Navinchandra Shah.

(Iransteree)

(3) Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. 37 at 5th floor Yaswant Nagar, S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20259/84-85 on 13-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dated: 9-1-86,

(1) Sheikh Munira Begum Sheikh Munirudin.

(Transferor)

(2) Mrs. Pempra Doma Denzongapa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20256/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4A/II, 1st floor, Versova View Co-op. Hsg. Soc.

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the oce of the Competent Authority at Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is

less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:— Objections, if .amy, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

"Flat No. 4A/II, 1st floor, Versova View Co-op. Housing Society, 4 Bunglows, Andheri West, Bombay-58.
The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/20256/84-85, on 13-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-1-1986

M/s. India Electric Poles Mfg. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dyna Mach Industries.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20355/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

oeing the Competent Authority under Section 2693 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 1-R, Laxmi Industrial Estate, Andheri (West),

Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the said Act in the office of the Competent Au hority at Bombay on 16/5/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION :- The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 1-R, Laxmi Industrial Estate, Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20355/84-85 on 16/5/1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting AssistantCommissionerofIncome-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6/1/1986

#### RORM ITMS

(1) Shri Jimmy John.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sriram Hegde.

(Tranferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20377/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 105. Plot No. 8/9, 7 bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent

at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Plot No. 8/9, S. No. 91 (Pt.) 7 Bunglows

J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58,
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20377/84-85, on 16-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (') of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

Date · 6-1-1986

# FORM I.T.N.S.-

# (1) M/s R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Narendra K. Mirani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20387/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

as the Sada Act), have reason to believe that the limitovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Shop No. 19, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 et 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 19, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20387/84-85, on 16-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1986

(1) M/s R. N. A. Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Narendra K. Mirani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20394/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

PRASANIA KAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 1,00,006/- and bearing No.

Shop No. 21, Roshanlel Aggarwal Shopping Arcade, Andheri (Wast) Pambay 58

(West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapte

# THE SCHEDULE

Shop No. 21, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII/37EE/20394/84-85, on 16-5-1985:

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, namely :-

Date: 13-1-1986

(1) M/s R. N. A Builders.

(Transferor)

(2) Mr Narendra K. Mirani.

(Transferee)

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II / 37EE /20395/84-85.—Whereas, 4, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (fifereinafter referred to as the 'sa d' Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop. No 20, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping

Arcade, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent

at Bomby on 16-5-1985

for an equation consideration which is less than he fair for an equator consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used in chapter XXA inf the shall have the same meaning as that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Shop No 20, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Versova, Andheri (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20395/84-85, on 16-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1986

# FORM ITNS----

(1) Smt, Sheroo Homi Cyara.

(Transfe10

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. S. Jaiswal and Shri Jagdish Ramchandra Jaiswal.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/20401/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 on 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

A/60-1223, M.I.G., Azad Nagar, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

Authority

at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwee the parties has not been truly stated in the said instrume of transfer with the object of(b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at Chapter-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

# THE SCHEDULE

A/60-1223, M.I.G. Azad Nagar, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20401/84-85, on 17-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in purveance of Section 269C of the said ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 8-1-1986

(1) M/s Sabri Builders.

(Transfero

(2) M1. Rasik D. Gutjar. (3) Transferee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1986

Ref. No. AR II/37EE/20445/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa d Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Cozy Apartments, Pari Road, Versova, Andheri

(West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 18-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insucovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Cozy Apartment, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20445/84-85, on 18-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I h reby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely 106-466 GI/85

Date: 8-1-1986

(1) M/s Satyam Builders.

(3) Transferor.

(Transferor)

(2) M/s Neon Advertisers.

(Transferec,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20454/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 27/A in Satyam Industrial Estate, Jogeshwari (E),

said Instrument of Transfer with the object of :-

Bombay-60.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

SectionAB of Sa'd Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such a apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property).

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 27/A in Satyam Industrial Estate, 1st floor, at Jogeshwari (East), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20454/84-85, on 18-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-1 1985

(1) M/s Laxmi Industrial Estate.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Contour Forgings Pvt. Ltd.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20459/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 30/LD, ground floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 18-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act: shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 30/LD, ground floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road. Andheri (West). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20459/84-85, on 18-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-1-1986

(1) M/s Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Shinsei Industries.

(Transferee

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 6th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20476/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovation of the incometation of the immovation able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 32/118, 1st floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 18-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oth assets which have not been or moneys of other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immeraable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Unit No. 32/118, 1st floor, Laxmi Industrial Estate New Link Road, Off. Vera Desai Road, Oshivara, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE 20476/84-85, on 18-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

row therefore, in pursuance of Section 269C of the said nct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-1 1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/20477/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 202, B-Wing, Samunder Darshan Co-op Hsg. Society Ltd., Andheri (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 18-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fisteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 1210 Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Jairam H. Mariwalla and Shri Gulab H. Mariwala.

(2) Shri Tulsidad B. Nayar.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202 B-Wing, Samunder Darshan Co-op. Housing Society Ltd., 4 Bungalow, Versova, Andheri (West), Bombay-400-058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/20477 on 18-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-12-1985

(1) Miss Sangeeta Mohanlal Vaswani.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(2) Mr. Ramsing J. Ramchandani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons whin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. AR.II/37EE/20497/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value

exceeding Rs, 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 601, 'Ben Hur' D. 4 Bunglows, Andheri (West),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 601, 'Ben Hur' D Plot No. 15/8, S. No. 41, 4 Bunglows, Oshiwara, Andheri (East), Bombay-58.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bómbay under No. AR.II/37EE/20497/84-85, on 17-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1986

(1) Niranjan L. Patadia.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pankaj Kirtilal Mehta, Paresh Kirtilal Mehra, Kamruddin Mohamed,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20535/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Unit No. 103, Andheri Industrial Estate, Andheri (West),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule anneved hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reductkion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 103 1st floor of the building known as Andheri Industrial Estate, on Plot No. 22-S. No. III-D (pt.) of Ambivali Estate, Off J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20535/84-85, on 21-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely;—

Date: 9-1-1986

Sęal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR. II/37EE/20542/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 205-C in Sri Vishnu Bhagwan Co-op. Housing So-Ltd, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent Authority. Authority

at Bombay on 21-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. P. Atchutamma Alias Janaki.

(2) Shri Tapan Kumar Sengupta.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 205-C in Sri Vishnu Bhagwan Co-op Housing Society Ltd., 137 S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20542/84-85, on 21-5-1985

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 30-12-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ishtiaque Ahmed Khan.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II/37EE/20568/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 601, Oshivara, Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent

at Bombay on 23-5-1985

Authority

for an apparent cinsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason is believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

# THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Building No. 11, forming part of S No. 41, of village Oshivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent A thority, Bombay under No. AR.II/37EE/20568/84-85, on 23-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-107-466 GI/85

Date: 7-1-1986

Scal:

# (1) M/s Jainika Builders.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE 20589/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 403, Jainika Apartments, Jogeshwari (West)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Shri Sulaman Ishmail Patel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No 403, at 4th floor in Jainika Apartment, S. V. Road, Jogeshwari (West), Bombay-4000102

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20589 on 23-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30/12/1985

# FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE 20653/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY, being the Competent

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 12, Shree Sastha Apartments, Andheri
Bombay-58

West),

West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the astrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer Smt. Thakar Hiraben Jayantilal.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid supporty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Sitalakshmi & Co.

(Transferor)

(2) Shri Thakkar Jayantilal Prabhudas and Smt. Thakkar Tiraben Jayantilal.

(Transferee) (3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12, Shree Sastha Apartments, Juhu Cross Lane, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II37EE 20653 on 25-5-Competent 1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30/12/1985

interested in the property)

#### FORM ITNS-

(1) Smt. P. V. Vasanthi.

(Transferor)

(2) Mr. Thakkar Sudhir Chhaganlal, Mrs. Thakkar Ashalata Sudhir.

(3) Transferee,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/20654/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Shree Sastha Apartments, Juhu Cross Lane, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(Person whom the undersigned knows to be

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, Shree Sastha Apartments, Juhu Cross Lane, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Andheri (W), Bombay-400 058. 1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30/12/1985

- (1) Mr. Yasin Ali Surve.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Mr. Wahab M. Gopalani, Mrs. Zulekha Wahab Gopalani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/20661/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property to add a market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 602, Momin Apartments, Jogeshwari (W), Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Ac. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the chiest of:—

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act. in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 602, Momin Apartments, Bandiwali Hill Road, Jogeshwari (West), Bombay-400 060.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20661 on 25-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30/12/1985

# FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Vijay K. Sawant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. Mahasukhrai U. Joshi and Smt. Usha M. Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 6th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20670/84-85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-303, Gurukripa Apaitment Andheri (West).

Bombay-58

(and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 25/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with 'he object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- ta, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-303, Gurukripa Apartment, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20670/84-85 on 25-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-1-1986

# FORM NO. ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Zakaria Aghadi Builders.

(Transferor)

(2) Haji Mohd. Sikander Noor Mohd. Nagori. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20682.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Andheri

(West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vlaue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Building No. J. Zakaria Aghadi Nagar, Gulmohar Garden Yari Road, Veisova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under No. AR.II/37EE/20682/84-85 on **25-5-1985.** 

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 3/1/1986

(1) Hafzi Enterprises.

(Transferor)

(2) Aminbhai Yusufbhai Mafedia.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37FE/20698/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7, Mohammed Manzil, S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-102

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 25/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Mohammed Manzil, Behram Baug, SV Road, Jogeshwari (West), Bombay-102.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/20698/84-85 on 25-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7/1/1986

(1) Mr. Bharat Kantilal Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O1. THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Pammi Bakshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

in that Chapter.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immov-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons.

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# **ACQUISITION RANGE-II** BOMBAY

Bombay, the 3rd January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20722/84-85. Whereas, I.

PRASANTA RAY, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 308, Nirman Cottage Andheri (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heretc). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 24/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 308, Nirman Cottage, Yari Road, Versova, And-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20722/84-85 on

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons namely :--

Date: 3/1/1986

Seal:

108-466 GI/85

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shaikh Mohd. Ilyas.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20725/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No 201, Oshivara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that th fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201 2nd floor of building No. 21, S. No. 41 of village Oshivara, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR II/37FE/20725/84-85 on 25-5-1985.

> PRASANTA RAY Corpotent Authority
> Inspecting Assistant Commissions of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date · 7/1/1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Vijay Brothers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Wellpack.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the saud property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 30th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/20744/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 109, Desh Udyog, Mandir Building, Jogeshwari, RCD

B.S.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

27/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

# THE SCHEDULE

Unit No. 109, Desh Udyog Mandhir Bldg. Caves Road, Village Majas, Taluka South Salsette, Jogeswari, B.S.D.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20744 on 27-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30/12/1985

# FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Autar Kaur Khambay.

(Transferor)

Mrs. Kartar Kaur Khambay and Mr. Charansingh Khambay.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/20750/84-85.—Whereas I.

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 20-A, Sun-n-Sea Society Versova, Andheri (West),

Bombay

8234

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 20-A, Sun-n-Sea Society, 3rd floor, J. P. Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent No. AR.II/37EE/20750 on Bombay under Authority, 27-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ALL, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following tensors namely:—

Date: 30-12-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Haji Abdul Azim.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20778/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 100,000/c, and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 202, Almuzdalfa Bldg., No. 14, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed here.o), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28/5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202, Almuzdalfa Bldg. No. 14, forming Part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/20778/84-85 on 28-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1986

(1) Mr. ZiaudJın Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Zaitoonbi Mohamed Ali Khan.

(Transferee)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th January 1986

Ref. No. AR,II, 37EE/20779/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 603, 6th floor in Building No 20 forming Part S. No. 41 of Village Objuvara. Andheri (W). Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competer Authorny at

Bombay on 28-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shiect of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concedement of any mome or any moneys of othe assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor in Building No. 20 forming Part S. No. 41 of Village Oshiwara, Andheri (W). Bombav-58.

The agreement has een registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/20779/84-85 on 28-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Date: 7-1-1986

(1) Mr. Pradeep S. Badkur.

(Transferor)

(2) Mr. Kiritikumar J. Sheth & Mrs. Kalpana K. Sheth.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI. BOMBAY

Bombay, the 30th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/20803/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Fat No. D-404, Andheri Manish Gargen Society Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bcmbay on 30-5-1985

fo an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. D-404. Andheri Manish Gargen Society, Building 2, 3 & 4 Manish Nagar J. P. Road, Andheri (West), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. AR.II/37EE/20803 84-85 on 30-5-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-12-1965

Seal ·

FORM ITNS----

(1) Mr Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Sattar Abdul Rahim.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 8th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20806/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II/37EE/20806/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 5th floor, Building No 8, S. No. 41, Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 501, 5th floor, Building No. 8, S. No. 41. Village Oshiwara, Andheri (West), Bombay58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20806/84-85 on 30-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Date: 8-1-1986

(1) M/s. Vaithara Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. U. K. Nair.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20812/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Jai Bhawani Road, Andheri (East). Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve! period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Jai Bhawani Road, Ambali Andheri (East), Bombay57.

The agreement has een registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20812/84-85 on 30-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistont Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suissection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:— 109-466 GI/85

Date: 13-1-1986

Seat:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Ansari Mohamed Usman.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th January 1986

Ref. No. AR II/37EE/19898/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 103, 1st floor, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-

58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Pombay on 2-5-1985

persons, namely :---

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeraid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the activition of the aforesaid property by the issue of this militer with section (1) of Section 269D of the said Act, to the Editowing

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103, Building No. 21, forming part of S. No. 41, Village Oshiwara Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19898/84-85 on 2-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 8-1-1966 Seld :

#### (1) M/s. West Coast Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babaji Sambhaji Palav & Smt. Anjali B. Palav.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19982/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act'), have reason to believe that the immovable prope ty having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and earing No.

Flat No. 16, Wildflower Hall, Jai Bhawani Mata Road, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scotten 260AB of the said Act is the Competent.

Section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 16, Wildflower Hall, Jai Bhawani Mata Road. Ambivilli Village, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19982/84-85 on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rause-11, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1986

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Golani Brothers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 13th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notes on the respective persons, whichever period expires later:

Ref. No. AR.II/37EE/20085/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

peng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 94, Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Andhori (West), Roshanlal Segarwal Complex, Segarwa

Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

8242

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 94, Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Versova Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20085/84-85 on 9-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 13-1-1986

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

8243

(2) M/s. Golani Brothers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/37EE/20086/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22, 'A' Wing, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Authority at

Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall ha e the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 22, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20086/84-85 on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

LUKNI 11 SS

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Golani Brothers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20087/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act ), have reason to believe that the immorble property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and beating No.

Flat No. 61, Saranga Tower, Roshanlal Aggarwal Complex

Andheri (West). Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Flat No. 61, 6th floor, Roshanlal Aggarwal Complex, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/20087/84-85 on 9-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

FURM HINS-

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Golani Brothers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. **BOMBAY** 

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR. II/37EE/20089/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat No. 112, Santosh Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and ie expressions used herein as are defined in napter XXA or the Act chall the same meaning as given Act in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 112, 12th floor, Santosh Tower, Roshanial Aggarwal Complex, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20089/84-85 cn 9-5-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 13-1-1986

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Golani Brothers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR. 1/37EE/20090/84-85.—Whereas, I, PRASALIA RAY,

Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 112-A Santosh Tower, Roshanlal Aggarwal Complex,
Andheri (West), Bombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed her to),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-5-1985

fombay on 9-5-1985

for an a parent consideration which is less than the far market value of the aforesaid projectly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exce ds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay any under the said Act, in repect of any income arising from the transferi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 112-A, Santosh Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE, 20090/84-85 on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-1-1986

(1) M/s. Neelam Builders.

(Transferor)

(2) Mr. S. L. Ratnakar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20244/84-85.—Whereas I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 104, Neelam Apartment, Machlimar.

Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aid, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth can Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

110-466 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 104, Neelam Apartment, J.P. Road, CTS. No. 1105, Machlimar, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20244/84-85 on 10-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 13-1-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTENG ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19971/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property bearing F. P. 272 TPS III, Mahim
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the trac

(b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Banubai N. Khandwawalla Mrs. Naseem M. Poonawalla Mrs. Khurshid M. Chorghey Mrs. Shamim M Hussain.

(Transferor)

(2) M/s. Mandhana Textile Mills Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHFDULE

Property bearing Final Plot No. 272, TPS III, Mahim, situated at 18 Mogal Lane, Mahim.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EF/19971/84-85 on 3-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-1-1986

### 8249

#### FORM ITNS

(1) Smt. Philomina G. D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila S. Suvarna.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20546/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 2, Amirani Mansion, Mahim, Bombay-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Bombay on 21-5-1085

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferiend/er
- (b) facilitating the concealment of any income or will moneys or other assets which have not been w which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, Amirani Mansion, 263/E, Mia Mohamed Chhotani Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20546/84-85 on 21-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Prem H. Lalwani.

(Transferor)

(2) Mr. Parmanand Jawarmal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1985

Ref. No. AR.II/37EE/20665/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, Groundfloor, Off Mori Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Woodland Apartments, F.P. No. 577, TPS III, Off Mori Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20665/84-85 on 24-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 8-1-1986

#### FORM ITNS

(1) Prem H. Lalwani.

(Transferor)

(2) Mrs. Dhanwanti Parmanand Nathani.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20667/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/-and bearing Shop No. 2, Woodland Apartments, Ground floor, Sonawala Agayari Lane, Mahim, Bombay-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same neaning as given Act. in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, F.P. No. 577, TPS III, Sonawala Agayari Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20667/84-85 on

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, natuely:-

Dated: 9-1-86

FORM I.T.N.S. 187-

(1) Prem H. Lalwani.

(Transferor)

(2) Dayaldas & Sons.

(Transferee)

# N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20668/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

PRASANIA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Woodland Apartments Mahim, Bombay-400 016 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 24-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property after a solution and exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concessment of any income or any tanneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 3. Ground floor, Sonawala Agayrilane, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20668/84-85 on 24-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herely initiate proceedings for the acquisition of the scoresaid property by the issue of this notice under subspection (1) of Sections 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 9-1-86

Seal ·

#### PORM ITNS

(1) Khubchand Hemandas Setpal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. S. Miranda Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX,

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20214/84-85.--Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31, Shewa Apartments 3rd Road, Khar, Bombay and Sully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under with section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 31, Shewa Apartments, Plot No. 33-B, 3rd Road, Khar, Village Danda, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20214/84-85 on 10-5-85.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-1-86

(1) Khubchand Hemandas Setpal.

Mrs Kalindidevi A. Singh Mrs. Pankuverdevi J. Singh

(2) Bindwasani J. Singh Shivshankar J. Singh (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF DEDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20215/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

reflection 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of afficient with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in capest of any income arising from the transfers and/or
- .b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 21, Shewa Apartments, 3rd Road, Khar, Village Danda, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20215/84-85 on 10-5-85.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Dated: 9-1-86

(1) Khubchand Hemandas Setpal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. C. Ahuja R. D. Ahuja & C. D. Ahuja

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20270/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the involve-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 51, Shewa Apts., Plot No. 33-B, Khar, Danda,

Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 g ys from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Flat No. 51, Shewa Apartments, Plot No. 33B, 3rd Road, Khar, Village Danda, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20270/84-85 on 13-5-85.

> PRASANTA RAY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Secton 269D of the Said Act to the following persons, namely:—
111—466 GI/85

Dated: 9-1-86

- (1) Shri Puran M. Goklani.
- (Transferor)
- (2) Smt. Roopa A. Lakhani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NOTICE 1/12) ACT. 1961 (43 OF 1961)

BEN A MAN PORTONIE DE READMINE E EST. D. A. A. D. M. M.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

A QUISITION RANGE-II, BOMPAY

Borday, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/3/EE/20173/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA 2AY neing the Competent 2a to av under Section 269B of the Income-tax At 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'snit Act'), income to believe that the immovable prime a sone a fit market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bealing Flat No. 10 Sub! Plds., 3a idra (W), Bombay-50 (and more fully discribed in the Schedule annexed hereto),

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been to never and in agreement is registered under section 269AB of 5 id Act in the Office of the Competent Authorit at Bombay on 17-5-85

namely '-

for an apparent consideration which is less than the fair market value 6 the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excepts the appar at consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- to a facinity in the intuition in system of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or while our wild to the state of the proposed of the proposed of the proposed of the proposed of the state of the sta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby unit it proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, 5th floor, Surbala Bldg., 287, S. V. Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20473/84-85 on 17-5-85

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 9-1-86 Seal:

- (1) M/s Navbharat Development Corporation.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Bhanumati T. Chheda.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No.: AR.II/37EE/20563/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 102-B, Kalpana Apartments, Bandra, (and more fully described in the schedule annxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1985 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expense later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pur carron of this notice in the Micial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 102-B, 1st floor, 'Kalpana Apartments B' Sheriy Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20563/ 22-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely :--

Date: 9-1-1986

Scal:

The second control of the second control of

#### FORM ITNS----

(1 | M/s Navbharat Development Corporation. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mrs. Devkabai B. Chheda.

ma / b, made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20564/84-85 -- Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 26/B (1 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter rescribed to as the said Act'), have reason to believe that the mannovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101-B, Kalpana Apartments L, Landia,

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regetered a der section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-5 1985

for an apparent consideration which is less than the far market value of the accessaria, ... and I have less note believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration inclinion by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such training as agreed to retween the parties has not been truly stated to the said historical of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transfered f. the purposes of the Indian Income-tax Act, 19 3 (11 of 1922) or the said Air of the Weighta. Act, 1997 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
Chical Gazette or a period of 30 days
it is a service of notice on the respective persons.

(h) b in other person interested in the said immov-

a 2 property, within 45 days from the date of

the publication of this notice in the Official Gazette.

f x' ANATH at . -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 101-B, 1st floor, 'Kalpana Apartments B' Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent utherity, Bombay under No. AR.II/37EE/20564/ on Authority, 22-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1986

- (1) M/s Navbharat Development Corporation.
- (2) Miss Kalpana S. Shah.

(Transferor) (Transferee)

**MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE** INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 9th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20565/84-85.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304A, 1st floor, Kalpana Apartments A, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 cays from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104A, 1st floor, Kalpana Apartments A, Sherly Ranjan Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20565/ on 22-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name? :—

Date: 9-1-1986

(1) M/s. Vithana Builders.

(Transferee)

\_\_\_\_\_

(2) Mrs. Karamjit Kaur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-IAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19843/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16, Jai Bhawani Road, Andheri (West) Bombay (and more fully described in the Schedule annaked here o), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/gr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 15 7 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 16, Building No. 1, CS No. 397, 398 & 399 Ambivli, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19843/ on 30-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-1-1986

#### (1) M/s. Vimal Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Vasu Kishinchand Bhatia & Mrs. Gopi Vasu Bhatia.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19937/84-85.—Whereas, I PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 16, Nand Kripa Shopping Centre, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable p operty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 16, Nand Kripa Shopping Centre, Ghar Bangla Road, Andheri (East), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/19937/84-85 on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1986

(1) Shri R. B. Vaidya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Prakash Mankodi Shri Prakash R. Mankodi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR. II/37EE/19948/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00,000 - and bearing
Flat No. 302 'C' Bldg. Road Darshan Bldg. Juhu Cross
Road, Andheri (West), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Res. bear transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under sect on 269AB of Said Act in the Office of the Competent

end /or

Authority at Bombay on 2-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Flat No. 302, 'C' Bldg., Roop Darshan Building at Juhu Cross Road, Andheri (West), Bombay-58.

  - agreement has been registered by the Competent ty, Bombay under No. AR.II/37EE/19948/84-85 Authority, Bombay under No. on 2-5-1985.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

> Date: 13-1-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

(1) M/s. V. B. Patel & Co.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NC4)ME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagannath Tikaram Mahavar. (3) Transferee.

(Transferor)

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37 PRASANTA RAY, AR.II/37EE/20156/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 414, 4th floor in building No. 31

S.S. Nagar, Amboli, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

THE SCHEDULE

Flat No. 414, 4th floor in Building No. 31, S.S. Nagar, Amboli, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/20156 on 9-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-112-466GI/85

Date: 13-1-1986

- (1) M/s. V. B. Patel & Co.
- (Transferor)
- (2) Shri Suresh Sadashiv Kelkar.
- (Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20157/84-85.—Whereas. I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 415, 4th floor, Bldg. No. 31, S.S. Nagar, Amloli, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; कार्वे /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 415, 4th floor in Bldg. No. 31, S.S. Nagar Amboli, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20157/84-85 Authority, on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1986

## (1) M/s. V. B. Patel & Co.

(Transferor)

8265

(2) Dr. A. C. Jesani, Smt. V. N. Patel.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (3) Transferee.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20158/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 310, 3rd floor in Building No. 31

S.S. Nager Amboli, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by matter than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treasferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 310, 3rd floor on Building No. 31, S. S. Nagar,

Amboli, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20158/84-85 Authority, on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:--

Date: 13-1-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20159/84-85.-Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 519, 5th floor in Building No. 31, S.S. Nagar, Aboli, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. V. B. Patel & Co.

(Transferor)

(2) Shri Nanipulam Rangswami Prakash.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 519, Building No .31, S. S. Nagar, Amboli Andheri (West), Bombay-400-058.

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20159/84-85 on 9-5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20182/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, in 'LUV' Hill Sea Co.op. Hsg. Society Ltd., Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Mukund M. Goradia & Shri Dankatlal Karwa.

(Transferor)

(2) Mr. Banard Robert Vaz & Mrs. Oliva Vaz & Mr. V. N. Aranha.

(Transferee) (4) Transferee.

> (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Village Ambvila bearing No. III-D and CTS No. 254 (Pt) Flat No. 201, 'LUV' Hill Sea Co.op. Housing Society Ltd., Plot No. P-3 Veera Desai Road, Andheri (East), Bombay-58.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20182/84-85 on 9-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-1-1986

#### FORM ITNO

(1) M/s. Vijay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Madhavan & Shri Dinesh Madhavan,

(Tansferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20212/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403 'Acropolis' No. 28, Near Apnaghar Co.op. Housing Society 4 Bunglows, Andheri (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-1985

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 in Acropolis, Plot No. 28 Near Apnaghar Co.op. Hsg. Society 4 Bunglows, Off J.P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20212/84-85 on 10-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20410/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1, Ambivali, Bhardawadi, Andheri (W) Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ankur Builders.
- (2) Mrs. Lata U. Mallya. Mr. Baburao G Mallya.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, A-Wing, Survey No. 84, Bhards Wadi, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20410/84-85 on 17-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 13-1-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20537/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. PRASANTA RAY

Flat No. 1, 3rd floor A-Wing in Ankur Apts. at Bhardawadas, Andheri (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 22-5-1985

at Bombay on 22-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / Or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ankur Builders.

(Transferor)

(2) Shri Bhavanii Narsi Shah & Smt. Salaben Bhavanji Shah

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor A-Wing in Ankur Apts., at Bhardawadas, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20537/84-85 on 22.5-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

(1) Ankur Builders.

(3) Transferor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh Narsi Shah & Smt. Shobhana Dinesh Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20556/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Wing-A, Andheri (West), Bomoay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpasses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, Wing-A on 1st floor of Ankur Apartments, Bhardwadi, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/20556/84-85 on 22-5-1985.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

PRASANTA RAY Competent Authority

Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986 Seal:

113-466G1/85

(1) M/s. Oeroi Builders.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nayamunisa Gulam Mohd. Aga.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20615/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 406, 4th floor West Wing Building, Oshiwara village,

Bombay.

8272

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 24-5-1985

at Bombay on 24-3-176.)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; auad/or

> Flat No. 406, 4th floor, West Building, Oshiwara village, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20615/84-85 on 24-5-1985.

(b. facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1986

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

# NOTICE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bharat M. Shetty.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/19889/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-, and bearing No. Flat No. 404 Vidyadiani CHSL., Chakala, Andheri (E) Bom-

bay-99.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

## THE SCHEDULE

Flat No. 404 Vidyadaini CHSL., Chakala, Andheri (E) Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19889/84-85 on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Mahabal Anant Shetty.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/19890/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403; Vidyadaini Co.op. Housing Society Ltd. Andhri (East), Bombay (and more fully described in the scheduled appared to the scheduled ap

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-5-1985

----

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4032, Vidyadaini Co.op. Housing Society Ltd., 4ith floor, B2 at Chakala, Andheri (East). Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-II/37EE/19890/84-85 Authority, on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

- (1) M/s. Indico Construction Co.
  - (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(2) Mrs. Vaishali A, Gandhi.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/19891/84-85 --- Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Vidyadami Co.op. Housing Society Ltd., Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Competent

Authority at

Bombay on 2-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 401, Vidyadaini CHSL, 4th floor, B-2 at

Chakala, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19891/84-85 on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

- (1) M/s. Indico Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Kailashwati Bhardwaj.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/19893/84-85.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 in Vidyadaini Co.op. Housing Society Ltd., Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the transment is registered under

has been transferred and the tgreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as property as therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be neade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2 in Vidyadaini Co.op. Housing Society Ltd., Chakala, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19893/84-85 on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

Date: 13-1-1986

FORM ITNS -

(1) M/s, Indico Construction Co.

(Transferor)

'NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Premnath Bhardwaj.

(Transferee)

may be made in writing to the undersigned :-

# GOVERNMENT OF INDIA

# UPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/19894/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11 in Vidyadaini Co.op. Housing Society Ltd.,

Chakala, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows ing persons, namely:-

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 in Vidyadaini Co.op. Housing Society Ltd.,

Chakala, Andheri (East), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/19894/84-85 on 2-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 13-1-1986

FORM ITNS

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri J. K. Sawakare.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR-II/37EE/20382/84-85.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 101, Vidyadani CHSL, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule approach herefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 10-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein. as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 101, Vidyadani CHSL, 1st floor, A-4 Chakala, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20382/84-85 on 10-5-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-1-1986

# FORM ITNS-

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

8279

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajendra Babu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 13th January 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/20383/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Hat No. 406, Vidyadani Co.op. Housing Society Ltd., Chekala Andhari (Fort) Romber.

Chakala Andheri (East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 406, Vidyadaini CHSL, Chakala Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/20383/84-85 on 16-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 114-466 GI/85

Date: 13-1-1986

# FORM ITNE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20496/84-85.—Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harvisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. C/201, Shalimar, Apartment, Santacruz (West), Bombay-54, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Anthority

at Bombay on 18-5-1985

at Bombay on 18-5-1985
for an apparent consideration which is less than the fair mantet value of the aforesaid presently, and I have reason to
relieve that the fair market value of the property as afforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
ansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the association of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri A. J. Shah.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ratilal S. Daftari2. Shri Vidyut R. Daftari.

3. Shri Kishoi R. Daftari.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from he service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act. EXPLANATION :-shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C/201, Shalimar Apartment, 2nd floor, Corner of State Transport Road and Tagore Road, Santacruz (West) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20496/84-85 on 18-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 13-1-1986

#### FORM ITNS-

(1) M/s Rizvi Builders.

! Transferor (

(2) Mrs. Sanjeevani S. Bhosle.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.11/37EE/20525/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 205, Green Star, CTS Nos. 1281 (Pt.) at Sherly Rajan, Bandra, Bombay-50,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

# THE SCHEDULE

Flat No 205, 2nd floor 'Green Star' CTS Nos. 1281 (Pt.) at Sherly Rajan, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20525/84-85 on 18-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-1-1986

#### FORM ITNS-

(1) Mrs. Mary Leonora Machado.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Gulab Vaswani.

(Transferee)

( Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20656/84-85.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot 68, St. Joseph Avenue, Santacruz (West)

Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 68 St. Joseph Avenue, Santacruz (West), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/20656/84-85 on 25-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-1-1986

#### FORM ITNS---

(1) Surninderkumar Bhardwaj.

(Transferor)

(2) Mr. Anil R. Sakhalkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th January 1986

Ref. No. AR.II/37EE/20792/84-85.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/1, Gnat-Vikrant Co.op. Housing Society

Ltd. Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 28-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the storesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oscial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person merested in the said imme-vable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The true and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A/1 Ground floor, Gnat-Viktant Co.op. Housing Society, Plot No. D/17 TPS No. 1, Santacruz (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/20792/84-85 on 28-5-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-1-1986

34\*\*

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

# NOTICE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1986

New Delhi, the 22nd February 1986

No. 2/5/85-EJB.—A combined competitive examination for recruitment to the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, 11. NAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORIBLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR AND VISHAKHAPATNAM commencing on 10th August, 1986 in accordance with the Rules published by the Ministry of Transport, Department of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 22nd February, 1986.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annoxure I para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories:—

Category I-Civil Engineering

Category II-Mechanical Engineering

Category III-Electrical Engineering

Category IV—Electronics and Telecommunication Engineering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below:—

# Category I-CIVIL ENGINEERING

Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service

10 includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 for S.T. candidates).

- (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre)
- 78 (includes 12 va, cancies reserved for S.C. and 6 reserved for S.T. candidates).
- (v) Military Engineer Service (Surveyor of works Cadre)
- 6 (includes 1 vacancy reserved for Scheduled Caste candidates).

- (vi) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Post).
- (vii) Assistant Executive Engineer (Civil) (P & T Civil Engineering Wing).
- (viii) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

\$ (includes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 for S.T. Candidates.)

## Group B-Services/Posts

(ix) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio.

### Category II—MECHANICAL ENGINEERING

(Group A-Services/Posts)

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineer.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iii) Central Water Engineering
  Service (Mechanical Engineering Posts).
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (v) Indian Ordnance Factories
  Service (Engineering Branch)
  (Mechanical Engineering
  Posts.
- (vi) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts).
- (vii) Assistant Manager (Factories) ( P & T Telecom. Factories Organisation).
- (viii) Military Engineer Service Electrical and Mechanical cadre) (Mechanical Engineering Posts).
- (ix) Workshop Officer (Mechanical (In the Corps of EME, Ministry of Defence.
- (x) Central Electrical and Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts).
- (xi) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Posts).

- ts)
- **U**1
  - 2 \*\*
  - 10 (includes 2 vacaneies reserved for SC and 1 for ST Candidates).
  - 57 (includes 9 vacancie reserved for S.C. and 5 reserved for S.T. Candidates).
  - 6 (inleudes 1 vacancy reserved for S.C. and 1 for S.T. Candidates).
  - 13 (includes 2 vacancies reserved for S.C. candidates and 1 for S. T. Candidates).
  - 5 (includes 1 vacancy reserved for S.C. and
  - 1 for S.T. Candidates).

7 \*\*

Group 'A' ((Electrical Engg.

26 (includgs 4 vacan-

cies reserved for S.C.

S. T.

2 for

and

candidates).

(xi) Military Engineer Service

(Electrical and Mechanical

cadre) (Electrical Engineering)

Posts).

Posts).

Group B-Services/Posts

(xv) Assistant Engineer in Over-Communications Serseas vice.

- (xvi) Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in Overseas Communication Service. \*
- (xvii) Workshop Officer (Electronics 1Engg.) in the corps of EMF,Ministry of Defence.

The vacancies shown against Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics), Indian Broadcasting (Engineers) Service and Assistant Executive Engineer (Flect. & Mech.) Mechanical Engineering Posts, Border Roads Engineering Service, Group A are Permanent.

The vacancies shown against all other Services and Posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

- \*Vacancies not intimated by Government.
- \*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

Note:—Recruitment to the Services/Posts mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in Appendix I to the Rules

- 3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/Pests mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/Posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/posts for which he applies.
- N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/Posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.
- N.B. 2.—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS, COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING (CF. PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPLETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH AITERATION IS RECFIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SFRVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPIOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION FITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF TRANSPORT (DEPARTMENT OF RAILWAYS) WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERFNCES. IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.
- N.B. 3.—Candidates should give their preferences only for the Services and nosts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing Preferences given for Service and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored.

- N.B. 4.—Departmental conditions admitted to the examination under age relaxation; sie cone 5 by may give their preferences for the services/posts in other Ministries/Departments also. They will, however, be first considered for appointment to services/posts in their own department and only in the event of non-availability of vacancies therein or medical unfitness of such candidates for the services/posts under their own departments, they shall be considered for allotment to the services/posts in other Ministries/Departments on the basis of preferences expressed by them.
- N.B. 5.—Preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to Rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other services and posts, if any, will be ignored.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or Currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postal Orders, The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1986, APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1986 WILL NOT BE ENTERTAINED.

- 5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 21st April, 1986 (5th May, 1986) the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh. Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkin, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 21st April, 1986 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents No application received after the prescribed date will be considered
- A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh. Mizoram. Manipur, Nagaland. Tripura. Sikkim, Ladakh Division of J&K State. Lahaul & Spiti District and Pang: Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh. Mizoram Manipur. Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 21st April, 1986.

- Note (1):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Megnalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
  - NOTE (II):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rupees eight only) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTE/ SCHEDULED TRIBE ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to account nead "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY 10 1HE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed tee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangiadesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India or on after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 54.00 (Rupees fifty four only) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt information that he has failed in the qualitying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

115—466 GI/85

9. If any candidate who took the Engineering Services Examination need in 1985 wisnes to apply for aumission) to this examination he must submit his application so as 46 reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an oner of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1985 Examination, his candidature for the 1986 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him provided that, the request for cancellation of candidature and retund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of 1985 examination in the Employment News.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL, BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question papers in General Ability Test and two papers each in Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering as included in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Test, including sample questions, reference may be made to Candidates information Manual at Annexure II:

M. BALAKRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

#### ANNEXURE I

#### INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are engible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGARPH I OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that only International form of will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary Union Public Service Commission be registered post giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 10th July, 1986 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the appl.cation form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their applications shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed tee or attested/certified copy of certificates in surport of claim for fee remission. (See para 6 and 7 of Notice and para 6 below).
  - (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
  - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational Qualification.
  - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms.  $\times$  27.5 cms.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATES

MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER 1986. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE. (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent alongwith application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in item (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and in para 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee:—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their cations. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

#### (ii) Certificate of Age :-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a condidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1 :—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
  THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
  THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
  AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
  DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
  WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST
  FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
  OR GRANTED.
- NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR, AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.
- (iii) Certificate of Education Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possission of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/ University concerned certifying that he has passed the qualifying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para I of the form of certificate given under Note 1 below.

Note 1:—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission 116-466 GI/85

would be deemed so be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination in the torn prescribed below as soon as possible and in any case not later than 31st October, 1986.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination.

*1 Certified that Shri/Smt./Km.*  son/daughter* of
*2. Certified that Shri/Smt./Km.*  son/daughter* of
Signature
Designation-
Name of Institution-
where situated-
Date

\*Strike out whichever is not applicable.

Note 2.—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6, must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

- (iv) Photograph.—A Candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm  $\times$  7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance-sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N. B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(vi) and 3(vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appoint-ment to posts under the Government of India.

UNIO TITLE OF TRUITS, I DESCONDER.	22, 190 (19110000143, 1901) [IAKI III—DEC. X
This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* of of	%3. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinari'v reside(s) in village/town*
village/town* in District/Division belongs to the	Territory* of
Caste/Tribe which is recognised as a Sche-	Signature
duled Caste/Scheduled Tribe* under:	Designation
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@	(with seal of office)
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@	Place State / Union Territory *
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951@	Date
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories)	*Please delete the words which are not applicable.  @Please quote Specific Presidential order.
Order, 1951@	%Delete the Paragraph which is not applicable.
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled	Note —The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meening as in Section 20 of the Re- presentation of the People Act. 1950.
Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the	**List of authorities emrowered to issue Caste/Tribe certificates:
North Eastern Area (Reorganisation) Act. 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976).	<ul> <li>(i) District Magistrate/Additional District Magistate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.</li> </ul>
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956@	†(Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976@	(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@	(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@	(iv) Sub-Divisional Officers of the area where the can- didate and/or his family normally resides:
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964@	(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer. Lakshadweep.
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967@ the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes	5. (i) A Government Servant claiming age concession under rule 5(b) should submit a certificate in Original from
Order, 1968@	the Head of the Department Office in the following form:-
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@	The form of certificate to be produced by the candidate.
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@	Certified that
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@	*(i) Shri/Shrimati/Kumari — holds a
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@	permanent post of in the Office/Department of with effect from
%2. Applicable in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes persons who have migrated from one State/ Union Territory Adminis ration.	*(ii) Shri/Shrimati/Kumari has been continuously in temporary service on a regular basis under the Central Government in the nost of with effect from strike out whichever is not applicable.
This cartificate is issued on the basis of the Och. 3-1-1	Signature
This certificate is issued on the basis of the Scheduled / Caste / Scheduled Tribe certificate issued to Shri / Sprimati-	Designation
Kumari* of Village/town*	Ministry 'Office
of the State/Union Terri ory*	Office stamp
who belong to the	Da'e
issued by the	Place

te is a box more un- tan (new bang ades) ar a constituted during the period octives: 1 to many, 1964, and 25th March, 1971:—
(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States;
(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
(3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
(4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(c) (iv) or 5(c) (v) and/or remission of fee under raragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migranted to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
(iv) A reputriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c) (vi) or 5(c) (vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repairiate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c)(viii) or 5(c)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with & foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.
The form of certificate to be produced by the candidate:-
Constitut that Don't No.

Certified that Rank No. Shri was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with a foreign country in a disturbed area and was released as a result of such disability.

Signature	٠.	•	•	٠	٠	•	•	•	•	•	٠	٠	•	•	٠
Designation			•												
Date															

rescribed below from the authorities concerned.

(A)	Annlicable	for	Rolonsod	Rotised	Personnel.

829	181
-----	-----

	No. Rank — whose date of birth is —	
has rendered service	from to Force and he fulfils ONE of th	
ing conditions:-		

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment

Station

Date

Name and Designation of the Competent Authority

SEAL

(B) Application for Serving Personnel.

It is certified that No. \_\_\_\_\_ Rank \_\_\_\_\_ Name \_\_\_\_ whose date of birth is \_\_\_\_\_ is serving in the Army/Navy/Air Force from \_\_\_\_\_.

2. He is due for release/retirement w.e.f. \_\_\_\_\_\_\_\_is iikely to complete his assignment of five years by \_\_\_\_\_\_

Station

Date

Name and Designation of the Competent Authority

SEAL

Authorities who are competent to issue certificate are as follows:—

(a) In the case of Commissioned Officers including ECOs/SSCOs.

Army—Military Secretary's Branch Army Hqrs., New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel, Naval Hqrs., New Delhi,

Air Force—Directorate of Personnel (Officers) Air Hqrs., New Delhi.

(b) In the case of JCOs/ORs and equivalent of the Navy and Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-BABS, Bombay.

Air Force—Air Force Records (NERW), New Deihi.

<sup>\*</sup>Strike out whichever is not applicable.

certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

0292

- (viii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xii) or 5(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (ix) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(c)(xvi) or 5(c)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
  - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
  - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
  - (3), Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, in his charge:
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- (x) A resident of Assam claiming age concession under Rule 5(c)(xviii) or 5(c)(xix) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate within whose jurisdiction he ordinarily resided or from any other authority designated in this behalf by the Government of Assam, to the effect that he had been a resident of the State of Assam during the period from 1st January, 1980 to 15th August, 1985.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), (iii), (iv) and 5(ix) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Transport/Urban Development/Defence/Energy/Water Resources/Communications/Communicat
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inascuracy or any discrepancy between two or more such

- a certain date, and submission of an applicate and submission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgment of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgment.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But, if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the caniddate of any claim to consideration.
- 1. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab, Mahal, Opposite Rivol's Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110 001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700 001. The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Communications regarding application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
  - (i) NAME OF EXAMINATION.
  - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (iii) APPLICATION REGISTRATION NO/ROLL NO OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

8293

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTE DED TO.

CEIVED FROM A CANTED AT AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HEID AND IT DOES NOT GIVE HIS NORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

1. Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE II

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

# A. OBJECTIVE TEST

Your examination in the papers in Section I under each Engineering discipline (viz Civil, Mechanical, Electrical and Electronics & Telecommunication) in Appendix I to the Rules will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

# B. NATURE OF THE TEST

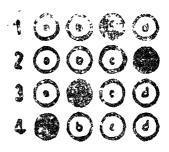
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3...etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

# C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Responses marked on the TEST booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts' Against each item, circular spaces marked a, b, c, d are printed. After you have read each item in the TEST BOOK-LET and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil

to med in plackening the circle on the Answer Sheet.



## IT IS IMORTANT THAT

- 1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minuites before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- No body will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
  - No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
  - 4. After finishing the examination submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
  - 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
  - 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
  - 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener and a pen containing blue or black ink you are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

## E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

# F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible Work steadily and as rapidly as you can without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

## G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the TEST Booklet the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall

#### SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -\*denotes the correct/best answer-option)

#### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressure on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

#### 2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

#### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- \*(a) Spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

#### 4. (Chemistry)

The anhydride of H<sub>8</sub>VO<sub>4</sub> is

- (a) YO.
- (b) VO.
- (c) V<sub>2</sub>O<sub>3</sub>
- (d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>

#### 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- (a) wage is less than marginal venue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal.
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

## 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

#### 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \*(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

## 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx} - \frac{dy}{dx} = 9 \text{ is given by}$$

- (a)  $y=a^x+b$
- (b)  $y=a^x$
- (c)  $y=ae^x \times be=$
- \*(d) y=ae\* -a

## 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- \*(b) (4---3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

# 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be:

- (a) 42
- \*(b) 3
- (c) o
- (a) -5

ressional

(d) most of the oil resources a the country.

## 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Ruddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion,
- \*(e) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
  - (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

#### 13. (Philosophy)

lentify the atheistic group of philosophical systems in the ollowing:

- (a) Buddhism. Nyāya, Cārvākā, Mimāmsa.(Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka.
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvākā Yoga.
- \*(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā.

#### 14. (Political Science)

- election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Union.

#### 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

# 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following-:

- \*(a) formal representation of women and weaker sections in village government
  - (b) untouchability has decreased
  - (c) land-ownership has spread to deprived classes
  - (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (Questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.

(d) most of the oil resources at the country.

#### 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (2) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion,
- \*(e) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
  - (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

#### 13. (Philosophy)

lentify the atheistic group of philosophical systems in the ollowing:

- (a) Buddhism. Nyāya, Cārvākā, Mimāmsa.
- (Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka.
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvākā Yoga
- \*(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā.

# 14. (Political Science)

- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Union.

#### 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- \*(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

#### 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following-:

- \*(a) formal representation of women and weaker sections in village government
  - (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (Questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.